# UPPSC/UPSSSC/UPPRPB

## प्रारम्भिक एवं मुख्य परीक्षा हेतु

# उत्तर प्रदेश

# सामान्य ज्ञान

# CAPSULE

**प्रधान सम्पादक**
आनन्द कुमार महाजन

**लेखन एवं संकलन सहयोग**
विषय विशेषज्ञ समिति द्वारा

**सम्पादकीय कार्यालय**
**12, चर्च लेन, प्रयागराज-211002**
**मो. :**
**Email : yc**
**website : www.yctfast**
**© All Rights R**
**प्रक**
प्रधान सम्पादक एवं प्रकाशक आनन्द कुमार महाजन
वाई.सी.टी. पब्लिकेशन्स प्रा. लि., 1
इस पुस्तक को प्रकाशित करने में सम्प
फिर भी किसी त्रुटि के लिए अ
**किसी भी विवाद की स्थि**

Click Here To Join Channel

**Join @yct_hub For More Exclusive PDFs**

# विषय-सूची


- उत्तर प्रदेश : जिला संक्षिप्तकी.....3-8
- उत्तर प्रदेश : संक्षिप्त अवलोकन.....9-16
- उत्तर प्रदेश : भौतिक विन्यास.....17-19
- उत्तर प्रदेश : जलवायु एवं मृदा.....20-22
- उत्तर प्रदेश : प्राकृतिक वनस्पतियाँ, वन एवं वन्य जीव.....23-30
- उत्तर प्रदेश : नदियाँ, झीलें एवं आर्द्रभूमियाँ.....31-35
- उत्तर प्रदेश : कृषि एवं पशुपालन.....36-43
- उत्तर प्रदेश : सिंचाई एवं बहुउद्देशीय नदी घाटी परियोजनाएँ.....44-48
- उत्तर प्रदेश : उद्योग.....49-58
- उत्तर प्रदेश : खनिज एवं ऊर्जा संसाधन.....59-63
- उत्तर प्रदेश : परिवहन एवं पर्यटन.....64-69
- उत्तर प्रदेश : इतिहास.....70-80
- उत्तर प्रदेश : कला एवं संस्कृति.....81-94
- उत्तर प्रदेश : साहित्य एवं पत्र-पत्रिकाएँ.....95-97
- उत्तर प्रदेश : जनजातियाँ.....98-100
- उत्तर प्रदेश शिक्षा व्यवस्था.....101-109
- उत्तर प्रदेश : राजनीतिक एवं प्रशासनिक व्यवस्था.....110-124
- उत्तर प्रदेश : महत्वपूर्ण योजनाएँ.....125-140
- उत्तर प्रदेश : जनगणना-2011.....141-148
- उत्तर प्रदेश : बजट 2024-25.....149-153
- उत्तर प्रदेश : आर्थिक समीक्षा 2022-23.....154-162
- सम-सामयिकी : एक नज़र.....163-176




Join @yct_hub For More Exclusive PDFs

# 1 उत्तर प्रदेश : जिला संक्षिप्तकी

| जिला | क्षेत्रफल | जनसंख्या | महिलायें | पुरुष | दशकीय वृद्धि दर | स्त्री - पुरुष अनुपात | जनसंख्या घनत्व | साक्षरता | नगर पालिका परिषदों की संख्या | नगर निगम | तहसीलों की संख्या | विकास खण्डों की संख्या | आबाद ग्रामों की संख्या |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| **आगरा** | 4041 वर्ग किमी. | 4418797 | 2053844 | 2364953 | 22.1% | 868-1000 | 1098 प्रति वर्ग किमी. | 71.6% | 05 | 01 | 06 | 15 | 893 |
| **अलीगढ़** | 3650 वर्ग किमी. | 3673889 | 1721893 | 1951996 | 22.78% | 882-1000 | 1007 प्रति वर्ग किमी. | 67.5% | 02 | 01 | 05 | 12 | 1170 |
| **एटा** | 2431 वर्ग किमी. | 1774480 | 827141 | 947339 | 15.8% | 873-1000 | 723 प्रति वर्ग किमी. | 70.7% | 04 | - | 03 | 08 | 853 |
| **फिरोजाबाद** | 2407 वर्ग किमी. | 2498156 | 1166110 | 1332046 | 19.94% | 867-1000 | 1038 प्रति वर्ग किमी. | 71.9% | 03 | 01 | 05 | 09 | 790 |
| **मैनपुरी** | 2760 वर्ग किमी. | 1868529 | 875152 | 993377 | 17.0% | 881-1000 | 677 प्रति वर्ग किमी. | 76.0% | 01 | - | 06 | 09 | 820 |
| **मथुरा** | 3340 वर्ग किमी. | 2547184 | 1180059 | 1367125 | 22.8% | 863-1000 | 763 प्रति वर्ग किमी. | 70.04% | 01 | 01 | 05 | 10 | 730 |
| **आजमगढ़** | 4054 वर्ग किमी. | 4613913 | 2328909 | 2285004 | 17.17% | 1019-1000 | 1138 प्रति वर्ग किमी. | 70.9% | 03 | - | 08 | 22 | 3800 |
| **बलिया** | 2981 वर्ग किमी. | 3239774 | 1566872 | 1672902 | 17.3% | 937-1000 | 1087 प्रति वर्ग किमी. | 70.9% | 02 | - | 06 | 17 | 1843 |



Join @yct_hub For More Exclusive PDFs

| | | | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| **मऊ** | 1713 वर्ग किमी. | 2205968 | 1091259 | 1114709 | 18.8% | 979-1000 | 1285 प्रति वर्ग किमी. | 73.1% | 01 | - | 04 | 09 | 1499 |
| **प्रयागराज** | 5482 वर्ग किमी. | 5954391 | 2822584 | 3131807 | 20.71% | 901-1000 | 1086 प्रति वर्ग किमी. | 72.3% | 01 | 01 | 08 | 23 | 2809 |
| **फतेहपुर** | 4152 वर्ग किमी. | 2632733 | 1248011 | 1384722 | 14.05% | 901-1000 | 634 प्रति वर्ग किमी. | 67.4% | 02 | - | 03 | 13 | 1352 |
| **प्रतापगढ़** | 3717 वर्ग किमी. | 3209141 | 1603056 | 1606085 | 17.3% | 998-1000 | 862 प्रति वर्ग किमी. | 70.1% | 01 | - | 05 | 17 | 2183 |
| **कानपुर नगर** | 3155 वर्ग किमी. | 4581268 | 2121462 | 2459806 | 9.9% | 862-1000 | 1452 प्रति वर्ग किमी. | 79.7% | 02 | 01 | 04 | 10 | 902 |
| **कानपुर देहात** | 3021 वर्ग किमी. | 1796184 | 832929 | 963255 | 14.9% | 865-1000 | 595 प्रति वर्ग किमी. | 75.8% | 02 | - | 06 | 10 | 966 |
| **इटावा** | 2311 वर्ग किमी. | 1581810 | 735954 | 845856 | 18.1% | 870-1000 | 638 प्रति वर्ग किमी. | 78.4% | 03 | - | 06 | 08 | 686 |
| **फर्रुखावाद** | 2181 वर्ग किमी. | 1885204 | 878964 | 1006240 | 20.0% | 874-1000 | 864 प्रति वर्ग किमी. | 69.0% | 02 | - | 03 | 07 | 872 |
| **कन्नौज** | 2093 वर्ग किमी. | 1656616 | 774840 | 881776 | 19.37% | 879-1000 | 792 प्रति वर्ग किमी. | 72.7% | 03 | - | 04 | 08 | 688 |
| **गोरखपुर** | 3321 वर्ग किमी. | 4440895 | 2163118 | 2277777 | 70.8% | 950-1000 | 1337 प्रति वर्ग किमी. | 70.8% | 01 | 01 | 07 | 20 | 2937 |
| **कुशीनगर** | 2905 वर्ग किमी. | 3564544 | 1746489 | 1818055 | 23.3% | 961-1000 | 1227 प्रति वर्ग किमी. | 65.2% | 03 | - | 06 | 14 | 1579 |
| **देवरिया** | 2540 वर्ग किमी. | 3100946 | 1563510 | 1537436 | 14.2% | 1017-1000 | 1222 प्रति वर्ग किमी. | 71.1% | 02 | - | 05 | 16 | 2019 |
| **महराजगंज** | 2952 वर्ग किमी. | 2684703 | 1302949 | 1381754 | 23.5% | 943-1000 | 909 प्रति वर्ग किमी. | 62.8% | 03 | - | 04 | 12 | 1212 |
| **चित्रकूट** | 3216 वर्ग किमी. | 991730 | 464009 | 527721 | 26.9% | 879-1000 | 313 प्रति वर्ग किमी. | 65.1% | 01 | - | 04 | 05 | 562 |



**Join @yct_hub For More Exclusive PDFs**

| | | | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| **बाँदा** | 4408 वर्ग किमी. | 1799410 | 833534 | 965876 | 19.8% | 863-1000 | 403 प्रति वर्ग किमी. | 66.7% | 02 | - | 05 | 08 | 657 |
| **हमीरपुर** | 4021 वर्ग किमी. | 1104285 | 510748 | 593537 | 11.09% | 861-1000 | 258प्रति वर्ग किमी. | 68.8% | 03 | - | 04 | 07 | 497 |
| **महोबा** | 3144 वर्ग किमी. | 875958 | 409600 | 466358 | 15.52% | 878-1000 | 304प्रति वर्ग किमी. | 65.3% | 02 | - | 03 | 04 | 435 |
| **झाँसी** | 5024 वर्ग किमी. | 1998603 | 941167 | 1057436 | 14.5% | 890-1000 | 398 प्रति वर्ग किमी. | 75.0% | 05 | 01 | 05 | 08 | 745 |
| **जालौन** | 4565 वर्ग किमी. | 1689974 | 783882 | 906092 | 16.2% | 865-1000 | 370 प्रति वर्ग किमी. | 73.7% | 04 | - | 05 | 09 | 942 |
| **ललितपुर** | 5039 वर्ग किमी. | 1221592 | 580581 | 641011 | 24.9% | 906-1000 | 242प्रति वर्ग किमी. | 63.5% | 01 | - | 05 | 06 | 691 |
| **गोण्डा** | 4003 वर्ग किमी. | 3433919 | 1646773 | 1787146 | 23.1% | 922-1000 | 851 प्रति वर्ग किमी. | 58.6% | 03 | - | 04 | 16 | 1812 |
| **बहराइच** | 5237 वर्ग किमी. | 3487731 | 1643847 | 1843884 | 29.5% | 891-1000 | 697 प्रति वर्ग किमी. | 49.3% | 02 | - | 06 | 14 | 1359 |
| **बलरामपुर** | 3349 वर्ग किमी. | 2148665 | 1033944 | 1114721 | 27.74% | 927-1000 | 642 प्रति वर्ग किमी. | 49.5% | 02 | - | 03 | 09 | 998 |
| **अयोध्या** | 2341 वर्ग किमी. | 2470996 | 1211368 | 1259628 | 18.3% | 980-1000 | 962 प्रति वर्ग किमी. | 68.7% | 01 | 01 | 05 | 11 | 1235 |
| **बाराबंकी** | 4402 वर्ग किमी. | 3260699 | 1553626 | 1707073 | 22.0% | 910-1000 | 838 प्रति वर्ग किमी. | 61.7% | 01 | - | 06 | 15 | 1817 |
| **सुल्तानपुर** | 2673 वर्ग किमी. | 2431491 | 1204842 | 1226649 | | 983-1000 | 901 प्रति वर्ग किमी. | 70.5% | 01 | - | 05 | 14 | 1708 |
| **बरेली** | 4120 वर्ग किमी. | 4448359 | 2090694 | 2357665 | 22.9% | 887-1000 | 1080 प्रति वर्ग किमी. | 58.5% | 04 | 01 | 06 | 15 | 1855 |
| **बदायूँ** | 4120 वर्ग किमी. | 3127621 | 1457266 | 1670355 | 18.9% | 872-1000 | 739 प्रति वर्ग किमी. | 52.0% | 07 | - | 05 | 15 | 1476 |



**Join @yct_hub For More Exclusive PDFs**

| | | | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| **पीलीभीत** | 3686 वर्ग किमी. | 2031007 | 959005 | 1072002 | 17.5% | 895-1000 | 539 प्रति वर्ग किमी. | 61.5% | 03 | - | 05 | 07 | 1295 |
| **शाहजहाँपुर** | 4388 वर्ग किमी. | 3006538 | 1400135 | 1606434 | 22.0% | 872-1000 | 657 प्रति वर्ग किमी. | 59.5% | 03 | 01 | 05 | 15 | 2088 |
| **बस्ती** | 2688 वर्ग किमी. | 2464464 | 1209192 | 1255272 | 18.2% | 963-1000 | 839 प्रति वर्ग किमी. | 67.2% | 01 | - | 04 | 14 | 3160 |
| **सिद्धार्थनगर** | 2895 वर्ग किमी. | 2559297 | 1264202 | 1295093 | 25.4% | 976-1000 | 884 प्रति वर्ग किमी. | 59.2% | 02 | - | 05 | 14 | 2336 |
| **मिर्जापुर** | 4405 वर्ग किमी. | 2496970 | 1184668 | 1312302 | 20.4% | 921-1000 | 482प्रति वर्ग किमी. | 68.5% | 03 | - | 04 | 12 | 1745 |
| **भदोही** | 1015 वर्ग किमी. | 1578213 | 771114 | 807099 | 16.6% | 950-1000 | 1555 प्रति वर्ग किमी. | 69.0% | 02 | - | 03 | 06 | 1087 |
| **सोनभद्र** | 6905 वर्ग किमी. | 1862559 | 891215 | 971344 | 23.9% | 918-1000 | 274 प्रति वर्ग किमी. | 64.0% | 01 | - | 04 | 10 | 1391 |
| **मुरादाबाद** | 2271 वर्ग किमी. | 3126507 | 1489476 | 1637031 | 26.1% | 909-1000 | 1370प्रति वर्ग किमी. | 59.7% | 02 | 01 | 04 | 08 | 965 |
| **बिजनौर** | 4561 वर्ग किमी. | 3682713 | 1761498 | 1921215 | 17.64% | 917-1000 | 807 प्रति वर्ग किमी. | 68.5% | 12 | - | 05 | 11 | 2186 |
| **रामपुर** | 2367 वर्ग किमी. | 2335819 | 1111930 | 1223889 | 21.40% | 909-1000 | 987 प्रति वर्ग किमी. | 53.3% | 05 | - | 06 | 06 | 1108 |
| **मेरठ** | 2559 वर्ग किमी. | 3443689 | 1617946 | 1825743 | 15.8% | 886-1000 | 1330 प्रति वर्ग किमी. | 72.8% | 02 | 01 | 03 | 12 | 604 |
| **बुलंदशहर** | 4512 वर्ग किमी. | 3499171 | 1653911 | 1845260 | 16.3% | 896-1000 | 804 प्रति वर्ग किमी. | 68.9% | 09 | - | 07 | 16 | 1174 |
| **गाजियाबाद** | 910 वर्ग किमी. | 3343334 | 1563410 | 1779924 | 53.0% | 887-1000 | 3674 प्रति वर्ग किमी. | 80.5% | 04 | 01 | 03 | 04 | 183 |
| **बागपत** | 1321 वर्ग किमी. | 1303048 | 602978 | 700070 | 11.87% | 861-1000 | 986 प्रति वर्ग किमी. | 72.0% | 02 | - | 03 | 06 | 290 |



**Join @yct_hub For More Exclusive PDFs**

| | | | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| **लखनऊ** | 2528 वर्ग किमी. | 4589838 | 2195362 | 2394476 | 25.79% | 917-1000 | 1816प्रति वर्ग किमी. | 77.3% | 01 | 01 | 05 | 08 | 803 |
| **हरदोई** | 5986 वर्ग किमी. | 4092845 | 1901403 | 2191442 | 20.39% | 868-1000 | 683 प्रति वर्ग किमी. | 64.6% | 07 | - | 05 | 19 | 1907 |
| **लखीमपुर खीरी** | 7680 वर्ग किमी. | 4021243 | 1898056 | 2123187 | 25.14% | 894-1000 | 524 प्रति वर्ग किमी. | 60.6% | 04 | - | 07 | 15 | 1706 |
| **रायबरेली** | 4043 वर्ग किमी. | 2903507 | 1408263 | 1495244 | 18.51% | 942-1000 | 721 प्रति वर्ग किमी. | 68.4% | 01 | - | 06 | 18 | 1535 |
| **सीतापुर** | 5743 वर्ग किमी. | 4483992 | 2108728 | 2375264 | 23.9% | 888-1000 | 781 प्रति वर्ग किमी. | 61.1% | 06 | - | 07 | 19 | 2117 |
| **उन्नाव** | 4558 वर्ग किमी. | 3108367 | 1478280 | 1630087 | 15.19% | 907-1000 | 682 प्रति वर्ग किमी. | 66.4% | 03 | - | 06 | 16 | 1693 |
| **वाराणसी** | 1535 वर्ग किमी. | 3676841 | 1754984 | 1921857 | 17.1% | 913-1000 | 2395 प्रति वर्ग किमी. | 75.6% | 01 | 01 | 03 | 08 | 1258 |
| **गाजीपुर** | 3377 वर्ग किमी. | 3620268 | 1765193 | 1855075 | 19.3% | 952-1000 | 1071 प्रति वर्ग किमी. | 71.9% | 03 | - | 07 | 16 | 2740 |
| **जौनपुर** | 4038 वर्ग किमी. | 4494204 | 2273739 | 2220465 | 14.9% | 1024-1000 | 1113 प्रति वर्ग किमी. | 71.5% | 03 | - | 06 | 21 | 3287 |
| **सहारनपुर** | 3689 वर्ग किमी. | 3466382 | 1632276 | 1834106 | 19.7% | 890-1000 | 940 प्रति वर्ग किमी. | 70.5% | 04 | 01 | 05 | 11 | 1243 |
| **मुजफ्फरनगर** | 2796वर्ग किमी. | 2829865 | 1335505 | 1494360 | 19.2% | 893-1000 | 957प्रति वर्ग किमी. | 70.2% | 02 | - | 04 | 09 | 587 |
| **अमरोहा** | 2249 वर्ग किमी. | 1840221 | 876772 | 963449 | 22.8% | 910-1000 | 818 प्रति वर्ग किमी. | 63.8% | 05 | - | 04 | 06 | 959 |
| **गौतमबुद्धनगर** | 1282 वर्ग किमी. | 1648115 | 757901 | 890214 | 49.1% | 851-1000 | 1143 प्रति वर्ग किमी. | 80.1% | 01 | - | 03 | 03 | 304 |



Join @yct_hub For More Exclusive PDFs

| | | | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| **हाथरस** | 1840 वर्ग किमी. | 1564708 | 728581 | 836127 | 17.19% | 871-1000 | 850 प्रति वर्ग किमी. | 71.6% | 02 | - | 04 | 07 | 655 |
| **औरैया** | 2016 वर्ग किमी. | 1379545 | 639505 | 740040 | 16.99% | 864-1000 | 685 प्रति वर्ग किमी. | 78.9% | 01 | - | 03 | 07 | 769 |
| **कौशाम्बी** | 1779 वर्ग किमी. | 1599596 | 761111 | 838485 | 23.60% | 908-1000 | 898 प्रति वर्ग किमी. | 61.3% | 02 | - | 03 | 08 | 729 |
| **अम्बेडकर नगर** | 2350 वर्ग किमी. | 2397888 | 1185478 | 1212410 | 18.0% | 978-1000 | 1018 प्रति वर्ग किमी. | 72.2% | 03 | - | 05 | 09 | 1649 |
| **श्रावस्ती** | 1640 वर्ग किमी. | 1117361 | 523464 | 593897 | 30.6% | 881-1000 | 601प्रति वर्ग किमी. | 46.7% | 01 | - | 03 | 05 | 509 |
| **सन्त कबीर नगर** | 1646 वर्ग किमी. | 1715183 | 845527 | 869656 | 20.71% | 973-1000 | 1037 प्रति वर्ग किमी. | 66.7% | 01 | - | 03 | 09 | 1582 |
| **चंदौली** | 2541 वर्ग किमी. | 1952756 | 934851 | 1017905 | 18.1% | 918-1000 | 770 प्रति वर्ग किमी. | 71.5% | 01 | - | 05 | 09 | 1425 |
| **कासगंज** | 1955 वर्ग किमी. | 1436719 | 672554 | 764165 | 17.05% | 881-1000 | 725 प्रति वर्ग किमी. | 61.0% | 03 | - | 03 | 07 | 650 |
| **अमेठी** | 2329 वर्ग किमी. | 1867678 | 922443 | 945235 | 18.42% | 976-1000 | 610 प्रति वर्ग किमी. | 64.3% | 02 | - | 04 | 13 | 988 |
| **शामली** | 1212 वर्ग किमी. | 1313647 | 614259 | 699388 | | 878-1000 | 1125 प्रति वर्ग किमी. | 53.89 | 03 | - | 05 | 03 | 293 |
| **हापुड** | 660 वर्ग किमी. | 1338311 | 629401 | 708910 | 18.5% | 888-1000 | 2028 प्रति वर्ग किमी. | 71.2% | 03 | - | 03 | 04 | 328 |
| **संभल** | 2453 वर्ग किमी. | 2199774 | 1039728 | 1160046 | 18.5 % | 888-1000 | 2028 प्रति वर्ग किमी. | 71.2% | 03 | - | 03 | 08 | 894 |



**Join @yct_hub For More Exclusive PDFs**

# 2 उत्तर प्रदेश : संक्षिप्त अवलोकन

## उत्तर प्रदेश एक दृष्टि में

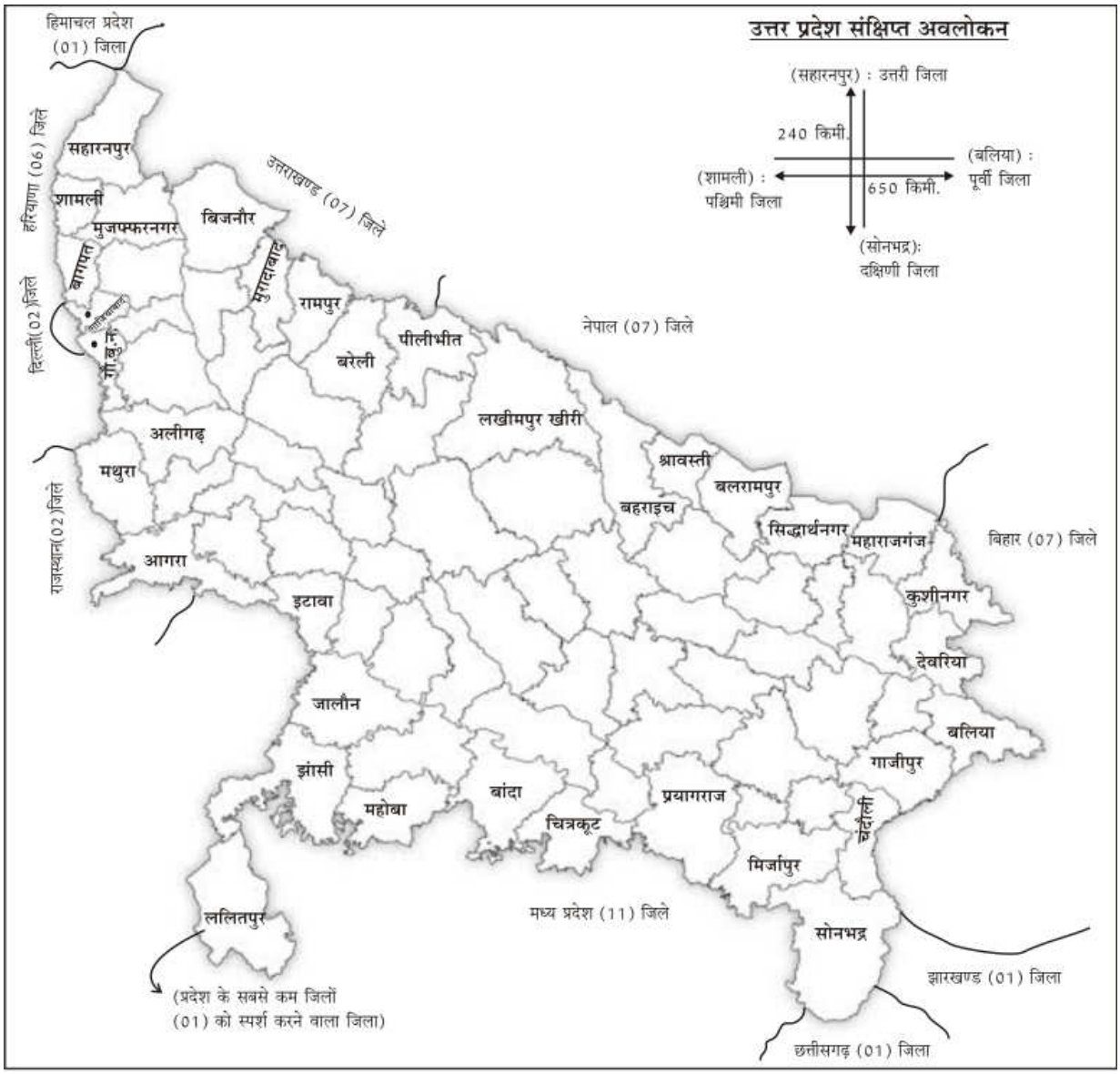


| मद तथा इकाई | विवरण |
|---|---|
| भौगोलिक क्षेत्रफल | 240928 वर्ग किमी. |
| जनसंख्या (2011)<br>(क) पुरुष<br>(ख) स्त्रियाँ | 199812341<br>104480510<br>95331831 |

| | |
|---|---|
| **लिंगानुपात** (प्रति 1,000 पुरुषों पर स्त्रियों की संख्या) | 912 |
| **जनसंख्या का घनत्व** (जनसंख्या प्रति वर्ग किमी.) | 829 (जो राष्ट्रीय औसत 382 से अधिक है) |
| दशक में जनसंख्या की प्रतिशत वृद्धि | 20.23 |



Join @yct_hub For More Exclusive PDFs

| | |
|---|---|
| प्रशासनिक इकाइयां (मार्च, 2020) | |
| मण्डल | 18 |
| जनपद | 75 |
| तहसील | 351 |
| नगर एवं नगर समूह | 915 |
| नगर निगम | 17 |
| नगर पालिका परिषद् | 200 |
| विकास खण्ड | 826 |
| नगर पंचायत | 546 |
| डाकघर | 18120 |
| टेलीफोन एक्सचेंज | 1950 |
| न्याय पंचायत (2019) | 8135 |
| ग्राम पंचायत | 57702 |
| आबाद ग्राम (2011) | 97814 |
| गैर आबाद ग्राम | 8960 |
| कुल ग्राम | 106774 |
| उत्तर प्रदेश को चार आर्थिक क्षेत्रों में बाँटा गया है। | पूर्वी, पश्चिमी, केन्द्रीय एवं बुन्देलखण्ड |
| **कृषि:** | |
| शुद्ध बोया गया क्षेत्रफल (2021-22) | 161 लाख हेक्टेयर |
| एक से अधिक बार बोया गया क्षेत्रफल | 123 लाख हेक्टेयर |
| शुद्ध सिंचित क्षेत्रफल (2021-22) | 139.4 लाख हेक्टेयर |
| सकल सिंचित क्षेत्रफल | 227 लाख हेक्टेयर |
| कुल सृजित सिंचन क्षमता (2022-23) | 380 लाख हेक्टेयर |
| कुल सिंचन क्षमता का उपयोग | 310 लाख हेक्टेयर |
| शुद्ध सिंचित क्षेत्रफल का विभिन्न साधनों से वितरण (2021-22) | |
| नहर | 15.8 |
| नलकूप | 73.9 |
| कुएँ | 9.1 |
| तालाब एवं झीलें आदि | 0.6 |
| अन्य | 0.6 |
| राजकीय नलकूप (2022-23) | 34316 |
| कुल सिंचाई नहरों की लम्बाई (कार्यशील) (2022-23) | 75091 किमी. |
| **पशुपालन:** | |
| कुल पशुधन (2019) | 680 लाख (संशोधित) |
| कुल कुक्कुट | 125 लाख |
| पशु चिकित्सालय (2022-23) | 2202 |
| पशुधन सेवा केन्द्र | 2842 |
| कुल मत्स्य उत्पादन (2022-23) | 9151 हजार कुंतल |

| | |
|---|---|
| **बैंक:** बैंक कार्यालय (2023) | |
| व्यवसायिक बैंकों का ऋण जमा अनुपात | 18796<br>44.9 |
| **सहकारिता (2022-23):** | |
| शीर्ष समितियां | 9 |
| प्रारम्भिक कृषि ऋण सहकारी समितियां | 7479 |
| जिला केन्द्रीय सहकारी बैंक | 50 |
| उ.प्र. कृषि एवं ग्राम विकास बैंक | 323 |
| दुग्ध समितियां | 8619 |
| आवास समितियां | 4913 |
| **संयुक्त स्कन्ध कम्पनी** कार्यरत | 115864 |
| **विद्युत (2022-23):** | |
| अधिष्ठापित क्षमता | 6345 मेगावॉट |
| विद्युत उत्पादन | 3309 करोड़ किलोवाट घंटा |
| प्रति व्यक्ति विद्युत उत्पादन (कि.वा.घं.) | 140 |
| विद्युत उपभोग | 10847 करोड़ किलोवाट घंटा |
| प्रति व्यक्ति विद्युत उपभोग | 460 किलोवाट घंटा |
| **शिक्षा (2011):** | |
| साक्षरता | |
| पुरूष | 77.3% |
| स्त्री | 57.2% |
| कुल | 67.7% |
| **उच्च शिक्षा (2022-23):** | |
| महाविद्यालय | 7523 |
| विश्वविद्यालय | 52 |
| पालीटेक्निक | 168 |
| राजकीय इंजीनियरिंग कालेज | 12 |
| राजकीय मेडिकल कालेज | 35 |
| राजकीय होम्योपैथी मेडिकल कॉलेज | 9 |
| राजकीय आयुर्वेदिक मेडिकल कॉलेज | 8 |
| राजकीय यूनानी मेडिकल कॉलेज | 2 |
| प्रदेश में AIIMS | 2 (रायबरेली-100 MBBS सीट) (गोरखपुर-126 MBBS सीट) |
| **सार्वजनिक स्वास्थ्य (जनवरी, 2023)** | |
| एलोपैथिक (राजकीय) चिकित्सालय एवं औषधालय | 5107 |
| आयुर्वेदिक चिकित्सालय एवं औषधालय | 2111 |
| यूनानी चिकित्सालय एवं औषधालय | 256 |



Join @yct_hub For More Exclusive PDFs

| | |
|---|---|
| होम्योपैथिक चिकित्सालय एवं औषधाल | 1585 |
| **जनांकिकीय (2020):** | |
| जन्म दर | 25.1 प्रति हजार |
| मृत्यु दर | 6.5 प्रति हजार |

| | |
|---|---|
| **लोक निर्माण विभाग द्वारा संघृत पक्की सड़कें (2022-23)** | 277985 किमी. |
| राष्ट्रीय राज मार्ग | 4330 किमी. |
| राज्य राज मार्ग | 10434 किमी. |
| जिले की अन्य सड़कें | 255663 किमी. |

# प्रशासनिक एवं भौगोलिक स्थिति

- **प्रदेश का वर्तमान नाम** – उत्तर प्रदेश (24 जनवरी, 1950 से)
- **राजधानी** – आगरा (1836-1858 ई.)
  इलाहाबाद (1836-1858 ई.) (वर्तमान प्रयागराज)
  लखनऊ (आंशिक) 1921-1935 ई.
  लखनऊ (पूर्णतः) 1935 से अब तक
- **स्थिति (अक्षांशीय विस्तार)** – उत्तरी अक्षांश में 23°52' से 30°24' तक एवं पूर्वी देशांतर में विस्तार 77°05' से 84° 38' के मध्य तक
- **दक्षिण से उत्तर की चौड़ाई** – 240 किमी.
- **पूर्व से पश्चिम की लंबाई** – 650 किमी.
- **राज्य का पुनर्गठन** – 1 नवम्बर, 1956 को
- **राज्य का विभाजन** – 9 नवम्बर, 2000 (13 जिलों को काटकर उत्तराखण्ड देश का 27वां राज्य बना)
- **राज्य का क्षेत्रफल** – 2,40,928 वर्ग किमी. (देश के क्षेत्रफल का लगभग 7.33%), क्षेत्रफल की दृष्टि से भारत में चौथा स्थान (राजस्थान, म.प्र., महाराष्ट्र के बाद)
- **राजकीय भाषा** – उत्तर प्रदेश राजभाषा अधिनियम 1952 से हिन्दी का प्रथम राजकीय भाषा घोषित किया गया, देवनागरी लिपि में हिन्दी (26 जनवरी 1968 से सभी कार्यालयों में अनिवार्य) तथा 1989 से उर्दू (द्वितीय राजकीय भाषा घोषित)
- **18वीं विधान सभा में निर्वाचित महिला सदस्यों की संख्या** – 47
- **उत्तर प्रदेश से लोकसभा में सीटें** – 80
- **प्रदेश में SC व ST के लिए आरक्षित लोकसभा सीटों की संख्या** – 17 एवं 0
- **उत्तर प्रदेश से राज्यसभा में सीटें** – 31
- **उत्तर प्रदेश का विधानमंडल** – द्विसदनात्मक
- **विधान परिषद् का गठन** – 1937 में
- **वर्तमान में विधान परिषद् सदस्यों की संख्या** – 100
- **वर्तमान में विधानसभा सदस्यों की कुल संख्या** – 403
- **उत्तराखण्ड बनने के पहले (नवम्बर 2000) तक विधान सभा सदस्यों की कुल संख्या थी** – 425
- **सर्वाधिक विधान सभा सीटों वाला जिला** – प्रयागराज (12)
- **प्रदेश का सबसे बड़ा (जनसंख्या) संसदीय क्षेत्र** – गाजियाबाद
- **सबसे कम विधान सभा सीटों वाले जिले** – श्रावस्ती, महोबा, चित्रकूट, ललितपुर, हमीरपुर (2-2 सीटें)
- **प्रदेश का सबसे छोटा (जनसंख्या) संसदीय क्षेत्र** – बागपत
- **विधानसभा में आरक्षित सीटों की संख्या** – 86 (84-SC तथा 2 ST)
- **उच्च न्यायालय** – प्रयागराज (खण्डपीठ-लखनऊ)
- **उच्च न्यायालय की स्थापना** – 1866 में आगरा में स्थापित, 1869 में इसे प्रयागराज लाया गया
- **प्रदेश में कुल 6 औद्योगिक न्यायाधिकरण हैं** – प्रयागराज, लखनऊ, मेरठ, आगरा, कानपुर व गोरखपुर
- **प्रदेश में श्रम न्यायालय हैं** – 20
- **ऋतुएं** – (i) ग्रीष्म ऋतु - मार्च से मध्य जून, (ii) वर्षा ऋतु - मध्य जून से सितम्बर, (iii) शीत ऋतु - अक्टूबर से फरवरी
- **जलवायु** – उष्ण कटिबंधीय मानसूनी
- **औसत तापमान** – ग्रीष्म ऋतु 36-39°C, शीत ऋतु 21-23°C



Join @yct_hub For More Exclusive PDFs

| | | |
|---|---|---|
| ■ **प्राकृतिक प्रदेश** | – | (i) भाबर एवं तराई प्रदेश, (ii) गंगा, यमुना का मैदानी भाग, (iii) दक्षिण का पठारी क्षेत्र |
| ■ **उत्तर प्रदेश में वर्षा** | – | (i) मैदानी भाग में - 80-100 सेमी., (ii) पठारी भाग में 50-90 सेमी., (iii) तराई भाग में - 120-180 सेमी. |
| ■ **प्रमुख नदियां** | – | गंगा, यमुना, रामगंगा, गोमती और घाघरा, चम्बल, सोन |
| ■ **ISFR-2021 वनावरण के अंतर्गत क्षेत्रफल** | – | 14817.89 वर्ग किमी. (6.15 प्रतिशत) |
| ■ **राज्य में वृक्षावरण** | – | 7421 वर्ग किमी. (3.08 प्रतिशत) |
| ■ **राज्य में वन एवं वृक्षावरण** | – | 9.23% |
| ■ **वनों के प्रकार** | – | उष्णकटिबंधीय वन, (नम पर्णपाती, शुष्क पर्णपाती एवं कटीली झाड़ियां) |
| ■ **प्रमुख वन्य जीव** | – | बाघ, हाथी, गैंडा, बारहसिंगा, हिरन, नीलगाय आदि |
| ■ **प्रदेश के सीमावर्ती राज्य** | – | उत्तर में उत्तराखण्ड, हिमांचल प्रदेश, पूर्व में बिहार एवं झारखण्ड, दक्षिण में मध्य प्रदेश एवं छत्तीसगढ़, पश्चिम में हरियाणा, दिल्ली एवं राजस्थान स्थित हैं। (8 राज्य + 1 संघ राज्यक्षेत्र) |
| ■ **सबसे पूर्वी जिला** | – | बलिया |
| ■ **सबसे पश्चिमी जिला** | – | शामली |
| ■ **सबसे उत्तरी जिला** | – | सहारनपुर |
| ■ **सबसे दक्षिणी जिला** | – | सोनभद्र |
| ■ **सबसे बड़ा जिला** | – | लखीमपुर खीरी |
| ■ **सबसे छोटा जिला** | – | हापुड़ |
| ■ **प्रदेश का सीमावर्ती देश** | - | नेपाल (579 किमी.) |
| ■ **नेपाल के सीमावर्ती जिले** | – | पीलीभीत, लखीमपुर खीरी, बहराइच, श्रावस्ती, बलरामपुर, सिद्धार्थनगर और महाराजगंज |
| ■ **उत्तर प्रदेश की सर्वाधिक लंबी सीमा जिस राज्य से लगती है** | – | मध्य प्रदेश |
| ■ **उत्तर प्रदेश के सर्वाधिक जिलों को स्पर्श करने वाला प्रदेश** | – | मध्य प्रदेश |
| ■ **उत्तर प्रदेश के न्यूनतम जिलों को स्पर्श करने वाले राज्य** | – | झारखण्ड (सोनभद्र), छत्तीसगढ़ (सोनभद्र), हिमाचल प्रदेश (सहारनपुर) |
| ■ **उत्तर प्रदेश का वह जिला जिसे सर्वाधिक राज्य स्पर्श करते हैं** | – | सोनभद्र (मध्य प्रदेश, बिहार, झारखण्ड, छत्तीसगढ़) |
| ■ **बिहार के सीमावर्ती जिले** | – | महराजगंज, कुशीनगर, देवरिया, बलिया, गाजीपुर, चंदौली, सोनभद्र |
| ■ **झारखण्ड का सीमावर्ती जिला** | – | सोनभद्र |
| ■ **उत्तराखण्ड के सीमावर्ती जिले** | – | रामपुर, बिजनौर, सहारनपुर, मुरादाबाद, बरेली, पीलीभीत, मुजफ्फरनगर |
| ■ **मध्य प्रदेश के सीमावर्ती जिले** | – | सोनभद्र, मिर्जापुर, प्रयागराज, चित्रकूट, बांदा, महोबा, झांसी, ललितपुर, जालौन, इटावा और आगरा |
| ■ **छत्तीसगढ़ का सीमावर्ती जिला** | – | सोनभद्र |
| ■ **प्रदेश के सबसे दक्षिणी बिंदु को स्पर्श करने वाला राज्य** | – | छत्तीसगढ़ |
| ■ **राजस्थान के सीमावर्ती जिले** | – | आगरा एवं मथुरा |
| ■ **हरियाणा के सीमावर्ती जिले** | – | सहारनपुर, शामली, बागपत, गौतमबुद्ध नगर, अलीगढ़, मथुरा |
| ■ **हिमाचल प्रदेश का सीमावर्ती जिला** | – | सहारनपुर |
| ■ **प्रदेश को स्पर्श करने वाला संघ राज्यक्षेत्र** | – | दिल्ली |
| ■ **दिल्ली को स्पर्श करने वाले उत्तर प्रदेश के जिले** | – | गौतमबुद्धनगर व गाजियाबाद |
| ■ **राजधानी लखनऊ के सीमावर्ती जिले** | – | रायबरेली, बाराबंकी, सीतापुर, हरदोई, उन्नाव |
| ■ **राज्य में मण्डलों की संख्या** | – | 18 (प्रयागराज, अयोध्या, गोरखपुर, झांसी, लखनऊ, मेरठ, वाराणसी, कानपुर, मिर्जापुर, बस्ती, चित्रकूट, देवीपाटन, मुरादाबाद, सहारनपुर, बरेली, आजमगढ़, आगरा, अलीगढ़) |
| ■ **प्रदेश में जिलों की संख्या** | – | 75 |



Join @yct_hub For More Exclusive PDFs

## उत्तर प्रदेश : राजकीय प्रतीक

- **राजकीय पशु** – बारहसिंगा
- **राजकीय पक्षी** – सारस अथवा क्रौंच
- **राजकीय वृक्ष** – अशोक
- **राजकीय पुष्प** – पलाश
- **राजकीय चिह्न** – एक वृत्त में 2 मछली, एक तीर धनुष 1938 में स्वीकृत
- **राजकीय खेल** – हॉकी
- **राजकीय भाषा** – हिन्दी (उर्दू-दूसरी)
- **राजकीय नृत्य** – कथक

## उत्तर प्रदेश : नामकरण

आज का 'उत्तर प्रदेश' अतीत में **'मध्य देश'** व **'आर्यावर्त'** तथा **'संयुक्त प्रान्त'** आदि नाम से जाना जाता था। वैदिक काल में इसे **'ब्रह्मर्षि देश'** के नाम से पुकारा जाता था। 1836 में इसे 'उत्तरी-पश्चिमी प्रांत' और 1877 में 'उत्तरी-पश्चिमी प्रांत अवध एवं आगरा' कहा जाने लगा। 1902 में इसे **'आगरा और अवध संयुक्त प्रांत'** नाम दिया गया। पुनः 1937 में इसका नाम **संयुक्त प्रान्त** कर दिया गया। जनवरी, 1950 में संयुक्त प्रांत का नाम 'उत्तर प्रदेश' रखा गया।

## उत्तर प्रदेश में प्रथम

- **उत्तर प्रदेश के प्रथम राज्यपाल** – श्रीमती सरोजनी नायडू (देश की प्रथम महिला राज्यपाल)
- **उत्तर प्रदेश के प्रथम मुख्यमंत्री** – पं. गोविन्द बल्लभ पंत
- **उत्तर प्रदेश विधानसभा के प्रथम अध्यक्ष** – राजर्षि पुरुषोत्तम दास टण्डन
- **उत्तर प्रदेश विधान परिषद् के प्रथम सभापति** – श्री चन्द्रभाल
- **उत्तर प्रदेश की प्रथम महिला मुख्यमंत्री** – श्रीमती सुचेता कृपलानी
- **उत्तर प्रदेश का प्रथम विश्वविद्यालय** – इलाहाबाद विश्वविद्यालय (1887)
- **उत्तर प्रदेश में प्रथम बार राष्ट्रपति शासन** – 25 फरवरी, 1968 से 26 फरवरी, 1969 तक
- **देश के प्रथम वन्य जीव परिरक्षण संगठन की स्थापना** – उत्तर प्रदेश (1956)
- **देश की प्रथम वायु डाकसेवा** – नैनी और प्रयागराज (इलाहाबाद) के बीच (उत्तर प्रदेश, 1911)
- **प्रथम विधानसभा का गठन** – 8 मार्च, 1952 को
- **राज्य की प्रथम दलित महिला मुख्यमंत्री** – सुश्री मायावती
- **इलाहाबाद उच्च न्यायालय के प्रथम मुख्य न्यायाधीश** – न्यायमूर्ति वाल्टर मोरगन (1866 - 1871)
- **इलाहाबाद उच्च न्यायालय के प्रथम मुख्य न्यायाधीश (स्वतन्त्र भारत)** – न्यायमूर्ति कमलकान्त वर्मा (1946 - 1947)
- **राज्य का प्रथम (एकमात्र) मुक्त विश्वविद्यालय** – राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज (इलाहाबाद)
- **राज्य के प्रथम लोकायुक्त** – न्यायमूर्ति श्री विश्वम्भर दयाल (1977-1982)
- **राज्य के प्रथम मुख्य सचिव** – श्री भोलानाथ झा (1947- 1949)
- **राज्य के प्रथम मुख्य निर्वाचन अधिकारी** – जे.के. टण्डन (1950-1957)

# उत्तर प्रदेश (देश में अग्रणी)

- प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि के तीव्र क्रियान्वयन के लिए प्रथम पुरस्कार।
- प्रधानमंत्री जनधन योजना के तहत देश में सर्वाधिक 9 करोड़ खाते खोले गए।
- श्रमिकों, स्ट्रीट वेन्डर्स, रिक्शाचालकों, कुलियों व पल्लेदारों को भरण-पोषण भत्ता ऑनलाइन उपलब्ध कराने वाला पहला राज्य।
- देश में सर्वाधिक 29.55 करोड़ लोगों का कोरोना वैक्सीनेशन।
- देश में सबसे अधिक एम.एस.एम.ई. इकाइयाँ।
- गन्ना एवं चीनी उत्पादन में देश में लगातार तीसरी बार प्रथम स्थान।
- प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण एवं शहरी) में 43 लाख से अधिक आवास निर्मित/स्वीकृत कर उत्तर प्रदेश देश में प्रथम।
- गेहूँ, गन्ना, आलू, हरी मटर, दुग्ध, आम एवं आंवला उत्पादन में प्रथम स्थान।
- स्वच्छ भारत मिशन के अन्तर्गत शौचालय (इज्जतघर) निर्माण में प्रथम स्थान।
- उज्ज्वला योजना के तहत 1.69 करोड़ परिवारों को गैस कनेक्शन देकर देश में प्रथम।
- सौभाग्य योजना में रिकार्ड विद्युत संयोजन के लिए उत्तर प्रदेश पुरस्कृत।



Join @yct_hub For More Exclusive PDFs

- सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योगों की स्थापना में प्रथम स्थान।
- जनधन योजना लागू करने में प्रथम स्थान।
- 10 राज्यों में लागू ई-प्रासीक्यूशन प्रणाली के उपयोग में प्रदेश का प्रथम स्थान।
- डी.बी.टी. के माध्यम से किसानों को अनुदान के भुगतान में प्रथम स्थान।
- बी.एल.सी. घटक आवास निर्माण में प्रथम स्थान।
- अटल पेंशन योजना के क्रियान्वयन में देश में प्रथम।
- उत्तर प्रदेश द्वारा लागू डिजिटल भूमि प्रबन्धन को स्वर्ण पुरस्कार।
- सर्वाधिक खाद्यन्न के लिए 01 करोड़ रु. का प्रोत्साहन पुरस्कार।
- सर्वाधिक तिलहन उत्पादन के लिए 02 करोड़ रु. का कृषि कर्मण पुरस्कार।
- एक जिला-एक उत्पाद (ओ.डी.ओ.पी.) योजना को मिली राष्ट्रीय पहचान।
- सर्वाधिक चिकित्सा शिक्षण संस्थानों की स्थापना एवं संचालन में पूरे देश में अग्रणी।
- सर्वाधिक 126.10 करोड़ ली. एथनॉल की वार्षिक उत्पादन व आपूर्ति क्षमता।
- मातृ मृत्यु दर में 30 प्रतिशत रिकार्ड गिरावट लाने के लिए एम.एम.आर. अवॉर्ड।
- मानव वन्य जीव संघर्ष को आपदा घोषित करने वाला उत्तर प्रदेश प्रथम राज्य।
- सड़क व हवाई कनेक्टीविटी में सर्वश्रेष्ठ।
- ईज ऑफ डूइंग बिजनेस में रैंकिंग में देश में दूसरा स्थान।
- 'स्वच्छ सर्वेक्षण ग्रामीण' में सर्वाधिक जन भागीदारी के लिए पुरस्कार।
- औद्योगीकरण के लिये भूमि उपलब्धता व आवंटन में शीर्ष 5 राज्यों में शामिल।
- सर्वश्रेष्ठ प्राफिट मेकिंग एस.टी.यू. के लिए उत्तर प्रदेश परिवहन निगम को राष्ट्रीय स्तर का पुरस्कार।
- स्टार्टअप रैंकिंग के तहत एस्पायरिंग लीडर के रूप में पुरस्कार।
- एक दिन में सर्वाधिक 25 करोड़ पौधारोपण का बनाया विश्व रिकार्ड।
- वृक्षारोपण महाकुम्भ में 39.42 करोड़ पौधों का रोपण। प्रयागराज में निश्चित अवधि में 76824 निःशुल्क पौध वितरण कर 'गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड' में नाम दर्ज।
- उत्तर प्रदेश की 'द मिलियन फार्मर्स स्कूल' योजना को अभिनव प्रयाग मानते हुए इण्टरनेशनल फूड पॉलिसी रिसर्च इंस्टीट्यूट, वॉशिंगटन द्वारा अन्य देशों में लागू करने की अनुशंसा।
- ई-चालान व्यवस्था लागू कर उत्तर प्रदेश देश का पहला राज्य बना।
- माइक्रो एण्ड स्मॉल इण्टरप्राइजेज फैसिलिटेशन काउन्सिल का पुरस्कार।
- पोषण माह में उत्कृष्ट कार्यों के लिए सोशल मीडिया कैटेगरी में सर्वोच्च पुरस्कार।
- आंगनबाड़ी क्षेत्र में सर्वश्रेष्ठ कार्य के लिए 12 कार्यकर्त्रियाँ राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित।
- ई-मार्केट प्लेस 'जेम' (GeM) पोर्टल में जेम टॉप बायर पुरस्कार।
- कौशल विकास नीति लागू करने वाला पहला राज्य।
- ई-प्रोक्योरमेंट में प्रथम स्थान एवं 'बेस्ट परफार्मिंग स्टेट' पुरस्कार।
- ई-टेण्टरिंग प्रणाली के शत-प्रतिशत कार्योन्वयन हेतु पुरस्कार।
- प्रधानमंत्री जीवन ज्योति योजना में सर्वाधिक लोगों का बीमा कराने का रिकॉर्ड।
- अयोध्या के दीपोत्सव कार्यक्रम 2023 में 22.23 लाख से अधिक दीप जलाकर गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में नाम दर्ज।
- शीरे का उत्पादन विगत 15 वर्षों में सर्वाधिक।

# EXAM CAPSULE

| | | |
|---|---|---|
| ■ उत्तर प्रदेश का राज्य वृक्ष है– | **अशोक** | **UP Police Const. (M/F) 17-02-2024 Shift-I (Cancelled)<br>Allahabad High Court Group-D 23-07-2017** |
| ■ 31 दिसंबर 2023 तक उत्तर प्रदेश में जिले हैं– | **75** | **UP Police Asst. Operator 07/02/2024 Shift-II<br>Allahabad High Court CA/RGC 21-12-2021 Shift-I<br>विधान भवन रक्षक 02/12/2018 Shift-I** |
| ■ उत्तर प्रदेश राज्य _____ राज्यों और _____ केंद्र शासित प्रदेश से घिरा हुआ है– | **8, 1** | **UP Police Asst. Operator 07/02/2024 Shift-II** |
| ■ राज्य उत्तर प्रदेश के पूर्व में स्थित है– | **बिहार** | **UP Police Asst. Operator 07/02/2024 Shift-I** |



Join @yct_hub For More Exclusive PDFs

| | |
|---|---|
| ■ उत्तर प्रदेश का उच्चतम बिंदु है– **अमसोट चोटी** | **UPPSC APS 2023** |
| ■ अक्टूबर, 2021 तक उत्तर प्रदेश राज्य में कुल कितने नगर निगम हैं– **17** | **UPSSSC Junior Assistant Exam. 27-8-2023** |
| ■ भारत के मानक समय में रूप में $82^{0}30'$ पूर्व देशांतर रेखा को माना जाता है तो उत्तर प्रदेश में ..... से होकर गुजरती है– **अयोध्या** | **Allahabad High Court APS 22-12-2021 Shift-I** |
| ■ उत्तर प्रदेश का राजकीय पुष्प कौन-सा है– **पलाश** | **Allahabad High Court CA/RGC 18-12-2021 Shift-II**<br>**UP Constable 18/06/2018 Shift-I** |
| ■ किस वर्ष, संयुक्त प्रांत का नाम बदलकर उत्तर प्रदेश हुआ था– **1950** | **Allahabad High Court CA/RGC 21-12-2021 Shift-I** |
| ■ उत्तर प्रदेश के किस शहर की सीमा हरियाणा से नहीं लगती है– **बुलंदशहर** | **Allahabad High Court ARO 15-12-2021 Shift-II** |
| ■ भारत का कौन-सा राज्य अधिकतम राज्यों की सीमाओं को स्पर्श करता है– **उत्तर प्रदेश** | **Allahabad High Court ARO 15-12-2021 Shift-I** |
| ■ क्षेत्रफल के दृष्टिकोण से भारतीय राज्यों के बीच उत्तर प्रदेश का स्थान है– **चौथा** | **Allahabad High Court ARO 18-12-2021 Shift-I**<br>**वन रक्षक 11/12/2015** |
| ■ उत्तर प्रदेश के साथ सबसे कम सीमा वाला राज्य है– **हिमाचल प्रदेश** | **Allahabad High Court ARO 19-12-2021 Shift-I** |
| ■ उत्तर प्रदेश का राजकीय पशु है– **बारहसिंगा** | **Allahabad High Court ARO 20--12-2021 Shift-I**<br>**UP SI 21/11/2021 Shift-I**<br>**Lower Exam 30/09/2019 Shift-II** |
| ■ ''भारत की आम राजधानी'' कहलाता है– **मलीहाबाद** | **Allahabad High Court ARO 06--01-2022 Shift-I** |
| ■ उत्तर प्रदेश में राजकीय कार्यो में किस भाषा का प्रयोग होता है– **हिंदी** | **Allahabad High Court RO 08--01-2017** |
| ■ ग्रीन पार्क क्रिकेट स्टेडियम उत्तर प्रदेश के .....जिले में स्थित है– **कानपुर** | **Allahabad High Court RO 08--01-2017** |
| ■ किन राज्यों की सीमा उत्तर प्रदेश के साथ लगी हुई है– **छत्तीसगढ़, झारखंड, राजस्थान, हिमाचल प्रदेश** | **Allahabad High Court RO 10--01-2020** |
| ■ उत्तर प्रदेश के किस शहर को भारत की सांस्कृतिक राजधानी के रूप में जाना जाता है– **वाराणसी** | **Allahabad High Court RO 10--01-2020** |
| ■ उत्तर प्रदेश राज्य की दूसरी अधिकारिक राजभाषा है– **उर्दू** | **Allahabad High Court RO 12--12-2021 Shift-I** |
| ■ उत्तराखंड कब उत्तर प्रदेश से अलग हुआ था– **9 नवम्बर, 2000** | **Allahabad High Court RO 12--12-2021 Shift-I**<br>**Allahabad High Court ARO 15/12/2021 Shift-I** |
| ■ उत्तर प्रदेश में, मान्यता प्राप्त स्टॉक एक्सचेंज कहाँ अवस्थित है– **कानपुर** | **Allahabad High Court RO 12--12-2021 Shift-I**<br>**Allahabad High Court ARO 24-02-2019** |
| ■ उत्तर प्रदेश कितने भारतीय राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों से घिरा है– **9** | **Allahabad High Court RO 07-01-2022 Shift-II** |



**Join @yct_hub For More Exclusive PDFs**

| | |
|---|---|
| ■ विशेषरूप से क्षेत्रफल के दृष्टिकोण से, उत्तर प्रदेश का सबसे बड़ा जिला है–**लखीमपुर खीरी** | **Allahabad High Court CA/RGC 21-12-2021 Shift-I U.P.S.I. Mritak Ashrit, 2016** |
| ■ 'उत्तर प्रदेश दिवस' किस तिथि को मनाया जाता है– **24 जनवरी** | **UPPCS (Pre) 2022 Lower Exam- 30.09.2019 (Shift-1) Allahabad High Court APS 23/12/2019** |
| ■ भारत के कुल भौगोलिक क्षेत्रफल में उत्तर प्रदेश का कितना भौगोलिक प्रतिशत है– **7.33%** | **UPPSC GIC Lecturer 2021** |
| ■ उत्तर प्रदेश सरकार ने किस ऐतिहासिक स्मारक से जुड़वां मछली का राजचिन्ह अंगीकार किया है– **रूमी दरवाजा** | **UPPSC ACF RFO (Mains) 2021 Paper-I** |
| ■ उत्तर प्रदेश का कौन-सा जिला क्षेत्रफल की दृष्टि से सबसे छोटा है– **हापुड़** | **UPPCS (Pre) 2021** |
| ■ उत्तर प्रदेश का कौन-सा जनपद नेपाल के साथ सीमा साझा नहीं करता है– **कुशीनगर** | **UPPSC RO/ARO Pre 2021** |
| ■ उत्तर प्रदेश के राजकीय चिन्ह में नहीं है– **मोर** | **UPPCS (Mains) GS, I$^{st}$ 2014** |
| ■ उत्तर प्रदेश में न्यूनतम क्षेत्रफल वाला जनपद है – **गौतम बुद्ध नगर ( हापुड़ सबसे छोटा )** | **UPPCS (Pre) G.S. 2005** |
| ■ उत्तर प्रदेश के सबसे अधिक और सबसे कम क्षेत्रफल वाले जनपद क्रमश हैं – **खीरी एवं सन्त रविदास नगर ( हापुड़ सबसे छोटा )** | **UPPCS (Pre) G.S. 2004** |
| ■ उत्तर प्रदेश का कौन-सा जिला क्षेत्रफल में सबसे बड़ा है– **लखीमपुर खीरी** | **UPPSC Asst. Forest Conservator Exam. 2015 UP UDA/LDA Pre G.S. 2010 Allahabad High Court CA/RGC 21/12/2021 UP SI Mritak Ashrit 2016** |
| ■ उत्तर प्रदेश का कौन सा जनपद उत्तरांचल, हरियाणा तथा हिमाचल प्रदेश के साथ सीमा बनाता है – **सहारनपुर** | **UPPSC Health Inspector 2013** |
| ■ उत्तर प्रदेश का सबसे पूर्वी शहर कौन है– **बलिया** | **UPPSC RO/ARO (PRE), 2017** |
| ■ उत्तर प्रदेश का कौन सा जनपद चार राज्यों की सीमा से लगा हुआ है– **सोनभद्र** | **UPPSC ACF/RFO Mains Ist Paper 2019 UPPCS (Mains) GS I$^{st}$ 2015** |
| ■ उत्तर प्रदेश की सीमा-रेखा भारत के कितने राज्यों से मिलती है– **8** | **UPPCS (Mains)-2017 आबकारी सिपाही - 25-09-2016 UDA/LDA 29-11-2015** |
| ■ उत्तर प्रदेश का राजकीय (राज्य) पक्षी है– **सारस** | **UPSI 20.11.2021 (Shift-III) UPPCS (Pre) GS. 2011 लोअर द्वितीय- 06-03-2016 ग्राम पंचायत अधिकारी- 21-02-2016 UDA/LDA 29-11-2015 Allahabad High Court ARO 06/01/2022 Shfit-I** |
| ■ उत्तर प्रदेश राज्य कब अस्तित्व में आया था– **1 अप्रैल 1937** | **ग्राम विकास अधिकारी - 23-12-2018 (shift- I)** |
| ■ उत्तर प्रदेश का राजकीय पशु है– **बारहसिंगा** | **UPSI 21.11.2021 (Shift-I) Lower Exam – 30-09-2019 (Shift-II)** |
| ■ कब संयुक्त प्रांत का नाम बदल कर उत्तर प्रदेश किया गया था– **24 जनवरी, 1950** | **Lower Exam- 30.09.2019 (Shift-I) Lower Exam – 30-09-2019 (Shift-I) UPP Constable, 26.10.218 (Shift-1)** |
| ■ आगरा और अवध के संयुक्त प्रांत, जिन्हें अब उत्तर प्रदेश के नाम से जाना जाता है, ने वर्ष 1921 में अपनी राजधानी को ..... से लखनऊ में स्थानांतरित किया था– **इलाहाबाद** | **UPP Constable, 26.10.218 (Shift-2)** |
| ■ उत्तर प्रदेश के किस शहर को 'पूर्व का ग्रास' के नाम से जाना जाता है– **कन्नौज** | **UPP Constable, 18.06.2018 (Shift-1)** |



Join @yct_hub For More Exclusive PDFs

# 3 उत्तर प्रदेश : भौतिक विन्यास

- भारत के उत्तर मध्य में स्थित उत्तर प्रदेश एक सीमांत राज्य है। वर्तमान में इसकी सीमा नेपाल से जुड़ी है। राज्य के विभाजन के पूर्व इसकी सीमा तिब्बत (चीन) से भी जुड़ी थी। उत्तर प्रदेश का वर्तमान भौगोलिक स्वरूप **9 नवम्बर, 2000** को अस्तित्व में आया, जब उत्तराखण्ड राज्य का निर्माण किया गया।
- उत्तर प्रदेश का अक्षांशीय एवं देशांतरीय विस्तार क्रमशः $23^0$52' से $30^0$24' उत्तरी अक्षांश तथा $77^0$05' से $84^0$38' पूर्वी देशान्तर के मध्य है। उत्तर प्रदेश की लम्बाई (पश्चिम से पूर्व) 650 कि.मी. तथा चौड़ाई (उत्तर से दक्षिण) 240 कि.मी. है। इसका क्षेत्रफल **2,40,928** वर्ग किमी है जो कि भारत के कुल क्षेत्रफल का **7.33%** के बराबर है।
- प्रदेश का सबसे उत्तरी जिला सहारनपुर तथा दक्षिणी जिला सोनभद्र है।
- इसका सबसे पूर्वी जिला बलिया तथा पश्चिमी जिला शामली है।
- उत्तर प्रदेश के सीमावर्ती राज्यों में हिमाचल प्रदेश, बिहार, उत्तराखण्ड, झारखण्ड, छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश, राजस्थान, हरियाणा शामिल हैं जबकि एक मात्र संघ राज्यक्षेत्र दिल्ली है, जिसकी सीमा उत्तर प्रदेश से मिलती है।
- इस प्रकार उत्तर प्रदेश कुल 8 राज्यों तथा एक संघ राज्यक्षेत्र से अपनी सीमा साझा करता है।
- उत्तर प्रदेश की सर्वाधिक लम्बी सीमा मध्य प्रदेश (11 जिले) से तथा सबसे छोटी सीमा हिमाचल प्रदेश (सहारनपुर) से लगी है।
- प्रदेश के सहारनपुर जिले से तीन सीमावर्ती राज्य क्रमशः उत्तराखण्ड, हिमाचल प्रदेश एवं हरियाणा जुड़े हैं,जबकि सोनभद्र जिले से सर्वाधिक चार राज्य क्रमशः मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, झारखण्ड एवं बिहार जुड़े है। मध्य प्रदेश से तीन तरफ से घिरा जिला ललितपुर है।
- क्षेत्रफल की दृष्टि से देश में उत्तर प्रदेश का चौथा स्थान है। उत्तर प्रदेश से अधिक क्षेत्रफल वाले तीन राज्य क्रमशः राजस्थान, मध्य प्रदेश एवं महाराष्ट्र हैं।

**विभिन्न राज्यों से लगे उत्तर प्रदेश के जिले–**

(1) मध्य प्रदेश – सोनभद्र, मिर्जापुर, प्रयागराज, चित्रकूट, बांदा, महोबा, झांसी, ललितपुर, जालौन, इटावा एवं आगरा
(2) बिहार – महराजगंज, कुशीनगर, देवरिया, बलिया, गाजीपुर, सोनभद्र, चंदौली
(3) उत्तराखण्ड–पीलीभीत, बरेली, रामपुर, मुरादाबाद, बिजनौर, मुजफ्फरनगर, सहारनपुर
(4) हरियाणा– सहारनपुर, मथुरा, अलीगढ़, गौतमबुद्ध नगर, बागपत, शामली
(5) राजस्थान – आगरा, मथुरा
(6) दिल्ली – गौतमबुद्ध नगर, गाजियाबाद
(7) हिमाचल प्रदेश – सहारनपुर
(8) छत्तीसगढ़ – सोनभद्र
(9) झारखण्ड – सोनभद्र

- उत्तर प्रदेश का सीमावर्ती देश नेपाल है जिसके साथ प्रदेश के सात जिले सीमा साझा करते हैं जिनमें – पीलीभीत, लखीमपुर खीरी, बहराइच, श्रावस्ती, बलरामपुर, सिद्धार्थ नगर एवं महराजगंज शामिल है।
- उत्तर में हिमालय की शिवालिक श्रेणी, दक्षिण-पश्चिम में यमुना नदी, दक्षिण में विंध्य पर्वत तथा पूर्व में गंडक नदी इसकी प्राकृतिक सीमा को निर्धारित करते हैं।
- राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में सम्मिलित उत्तर प्रदेश के जिले (कुल 8) बागपत, शामली, बुलंदशहर,गौतमबुद्ध नगर, मेरठ, हापुड़, मुजफ्फरनगर एवं गाजियाबाद हैं।
- उत्तर प्रदेश भू–गर्भिक दृष्टि से गोंडवानालैण्ड का भाग है। उत्तर प्रदेश के दक्षिण में स्थित पठारी भाग भारत के प्रायद्वीपीय भाग का ही अंग है, जिसका निर्माण विंध्य क्रम की शैलों द्वारा प्री-कैम्ब्रियन (आर्कियन) युग में हुआ है। उत्तर प्रदेश को मुख्यतः तीन प्राकृतिक प्रदेशों में विभाजित किया गया है– (1) भाबर एवं तराई का प्रदेश (2) गंगा यमुना का दोआब (3) दक्षिण का पठारी प्रदेश।



Join @yct_hub For More Exclusive PDFs

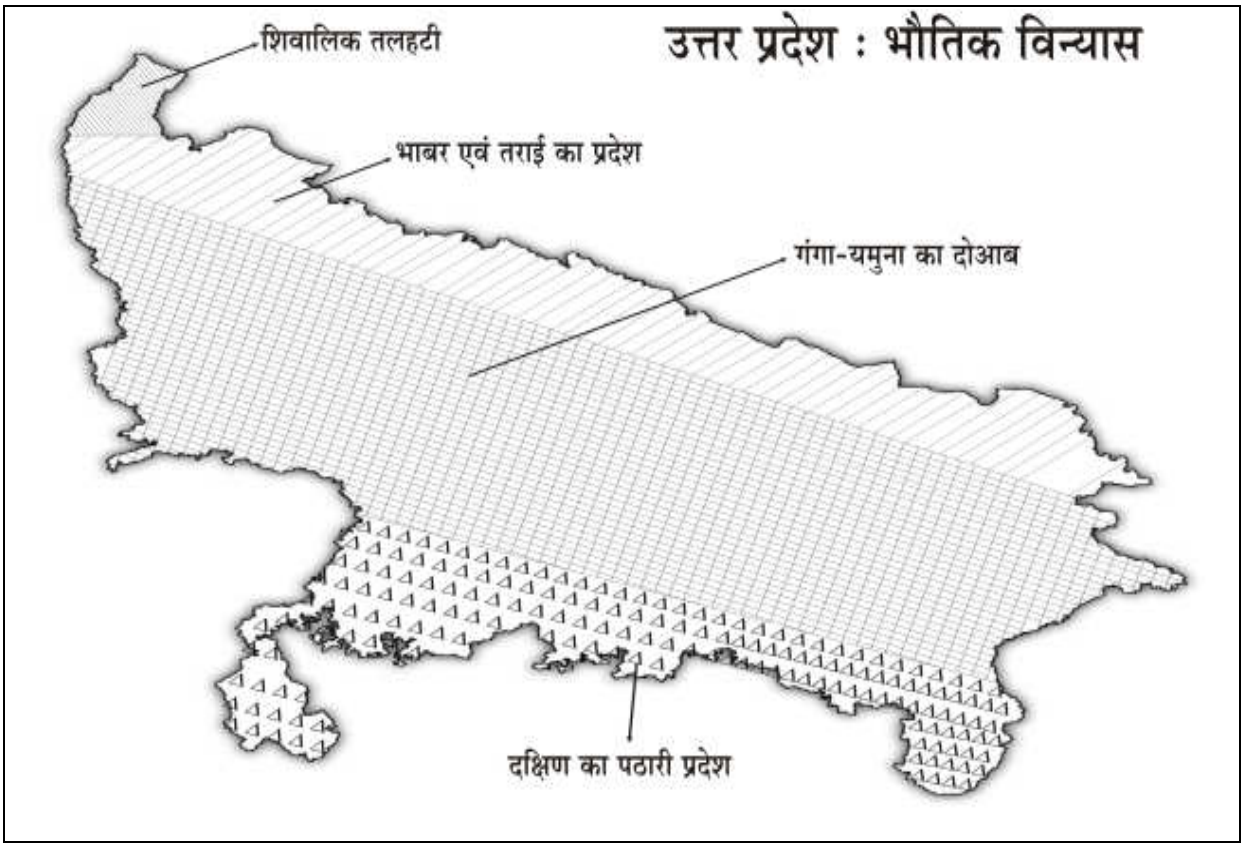


## भाबर एवं तराई का प्रदेश

- भाबर क्षेत्र एक पतली पट्टी के रूप में (सहारनपुर से कुशीनगर) तक विस्तृत है। पश्चिम से पूर्व की तरफ इस भौतिक प्रदेश की चौड़ाई क्रमशः घटती जाती है।
- भाबर क्षेत्र वह पर्वतीय क्षेत्र है जो कंकड़–पत्थरों से निर्मित है। इस क्षेत्र में जलोढ़ पंख एवं जलोढ़ शंकु जैसी नदी से निर्मित स्थलाकृतियां बनती है। इस पर्वतीय क्षेत्र का विस्तार, बिजनौर, सहारनपुर, पीलीभीत, शाहजहाँपुर एवं लखीमपुर खीरी जिलों में है।
- तराई क्षेत्र की पट्टी की चौड़ाई पूर्वी उत्तर प्रदेश में (80-90km) तक है, जबकि पूर्व से पश्चिम (कुशीनगर-सहारनपुर) कि ओर इसकी चौड़ाई में निरन्तर कमी आती जाती है।
- भाबर क्षेत्र के दक्षिण में तराई का क्षेत्र पड़ता है। भाबर क्षेत्र में लुप्त नदियाँ तराई क्षेत्र में फिर से प्रकट होती हैं। तराई क्षेत्र दलदली एवं गाद मिट्टी वाला क्षेत्र है जो महीन अवसादों से निर्मित है। यह क्षेत्र वनों एवं लम्बी घासों से ढका हुआ दलदलीय क्षेत्र है।

## गंगा यमुना का दोआब

- गंगा-यमुना के विस्तृत मैदानी भाग को बनावट के आधार पर तीन उप-विभागों में विभाजित किया जा सकता है, जिसमें गंगा-यमुना का ऊपरी मैदान, गंगा नदी बेसिन का मध्यवर्ती मैदान तथा गंगा का पूर्वी मैदान सम्मलित है।
- यमुना नदी गंगा यमुना दोआब की पश्चिमी सीमा का निर्धारण करती है तो वही गंडक पूर्वी सीमा का निर्माण करती है।
- इस मैदान का निर्माण कॉप मिट्टी/कीचड़ व बालू से हुआ है।
- इस मैदान का ढाल उत्तर पश्चिम से दक्षिण पूर्व की ओर है। (जबकि पश्चिमी भाग का ढाल पूर्वी भाग की अपेक्षा तीव्र है)
- गंगा-यमुना के मैदान का निर्माण काँप मिट्टी से हुआ है। जिसकी लम्बाई 500 किमी. तथा चौड़ाई 80 किमी. है। इस प्रदेश की समुद्र तल से औसत ऊँचाई 300 मीटर है।
- गंगा-यमुना के मैदानी प्रदेश का विस्तार प्रदेश के सहारनपुर, बिजनौर, बदायूँ, बरेली, आगरा, मैनपुरी आदि जिलों तक है, जबकि गंगा के पूर्वी मैदान का विस्तार वाराणसी, जौनपुर, गाजीपुर, भदोही, बलिया आदि जिलों तक है।
- गंगा-यमुना के विस्तृत मैदानी प्रदेश का निर्माण अतिनूतन एवं अभिनूतन युग में नदी घाटी में अवसादीकरण से हुआ है। इस विस्तृत मैदानी प्रदेश का ढ़ाल पश्चिमांचल में उत्तर से दक्षिण की ओर तथा पूर्वांचल में पश्चिमोत्तर से दक्षिण-पूर्ण की ओर हैं।
- गंगा-यमुना के मैदानी प्रदेश की मिट्टी को दो भागों में बाँटा जा सकता है। ऊपरी एवं प्राचीन जलोढ़ मिट्टी को **'बाँगर'** तथा निचली एवं नवीन मिट्टी को **'खादर'** के रूप में जाना जाता है।



Join @yct_hub For More Exclusive PDFs

## दक्षिण का पठारी प्रदेश

- कुल 45200 वर्ग किमी. में विस्तृत दक्षिण का पठारी प्रदेश दक्षिणी प्रायद्वीपीय भारत का उत्तर की ओर निकला हुआ भाग है। इस पठारी प्रदेश में बुंदेलखण्ड एवं बघेलखण्ड के क्षेत्र सम्मिलित हैं।
- दक्षिण के पठारी क्षेत्र की ऊँचाई 300 मीटर से लेकर 600 मीटर तक है। बुंदेलखण्ड का निर्माण प्रदेश के दक्षिणी उच्च प्रदेश में विंध्य काल की प्राचीन नीस चट्टानों तथा निम्न प्रदेशों में नदियों के निक्षेपण के परिणामस्वरूप हुआ है। बुंदेलखण्ड के पश्चिमी भाग में काली मृदा (रेगुर) का विस्तार है। बुंदेलखण्ड में **'चलास'** नामक घास प्रमुखता से पायी जाती है।
- बुंदेलखण्ड के दक्षिण-पूर्व में बघेलखण्ड का क्षेत्र पड़ता है इस क्षेत्र की प्रमुख नदी सोन है। बुंदेलखण्ड का ढ़ाल दक्षिण से उत्तर की तरफ है। इस पठारी प्रदेश की औसत ऊँचाई 300 मीटर है।

# EXAM CAPSULE

| | |
|---|---|
| ■ उत्तर प्रदेश के बुन्देलखण्ड में उच्चतम औसत तापमान इस तथ्य के कारण है कि यह ____के निकट स्थित है– **कर्क रेखा** | **UP Police Asst.Operator 04/02/2024 Shift-I** |
| ■ _____बंगीरा पर्वत शिखर पर स्थित है– **रानी झाँसी का किला** | **Allahabad High Court RO 11--12-2021 Shift-II** |
| ■ उत्तर प्रदेश के दक्षिण भाग की सबसे ऊँची पहाड़ी है– **सोनाकर** | **Allahabad High Court ARO 16-12-2021 Shift-I** |
| ■ भौगोलिक क्षेत्रफल की दृष्टि से सही आरोही अनुक्रम है– **गौतम बुद्ध नगर, बाराबंकी, मिर्जापुर, सोनभद्र** | **UPPCS (Mains) GS I$^{st}$ 2015** |
| ■ उत्तर प्रदेश का कौन क्षेत्र आद्य कल्प की प्राचीनतम शैलों से निर्मित है– **बुन्देलखण्ड** | **UPPSC Health Inspector 2013** |
| ■ उत्तर प्रदेश के निम्न में से कौन सा क्षेत्र सर्वाधिक बाढ़ प्रभावित है– **पूर्वी क्षेत्र** | **UPPCS (Mains) GS Ist 2012** |
| ■ बुंदेलखंड नामक क्षेत्र किस सीमा के अंतर्गत आता है– **उत्तर प्रदेश - मध्य प्रदेश सीमा** | **Lower Exam – 01-10-2019 (Shift-II)** |
| ■ उत्तर प्रदेश का कौन-सा जिला उत्तर प्रदेश और बिहार की सीमा पर स्थित है– **बलिया** | **Lower Exam – 01-10-2019 (Shift-II)** |
| ■ कौन-सा देश उत्तर प्रदेश राज्य के साथ एक अंतरराष्ट्रीय सीमा साझा करता है– **नेपाल** | **Lower Exam – 30-09-2019 (Shift-II)** |
| ■ उत्तर प्रदेश की भौगोलिक सीमा सर्वाधिक राज्यों को स्पर्श करती है। कौन-सा राज्य इनमें शामिल नहीं है– **ओडिशा** | **व्यायाम प्रशिक्षक - 16-09-2018 (Shift-I)** |
| ■ भारत में कौन-सा राज्य सबसे अधिक पड़ोसी राज्यों की सीमाओं को स्पर्श करता है– **उत्तर प्रदेश** | **परिचालक - 23-08-2015** |
| ■ कौन सा जिला उत्तर प्रदेश के बुंदेलखंड क्षेत्र से संबंधित है– **महोबा** | **UPP Constable, 19.06.2018 (Shift-2) UPP Constable 25.10.2018 (Shift-I)** |
| ■ उत्तर प्रदेश का क्षेत्रफल देश के कुल क्षेत्रफल का लगभग ..... है– **7.3%** | **UPP Constable, 19.06.2018 (Shift-2)** |
| ■ कौन सा राज्य उत्तर प्रदेश का सीमावर्ती राज्य है– **राजस्थान** | **UPP Constable, 2009** |



Join @yct_hub For More Exclusive PDFs

# 4 उत्तर प्रदेश : जलवायु एवं मृदा

प्रदेश की भौतिक विविधता के कारण जलवायु सम्बन्धी विषमता पायी जाती है। जलवायु की दृष्टि से **उत्तर प्रदेश उपोष्ण कटिबंध में आता है** जबकि प्रदेश की जलवायु उष्णकटिबंधीय मानसूनी प्रकार की है।

- उत्तर प्रदेश को मुख्यतः दो जलवायु प्रदेशों में वर्गीकृत किया गया है– **प्रथम**–उष्ण एवं आर्द्र जलवायु प्रदेश, **द्वितीय**– साधारण आर्द्र एवं उष्ण जलवायु प्रदेश।
- आर्द्र एवं उष्ण प्रदेश को पुनः दो उप भागों में बाँटा गया है–
  (1) तराई प्रदेश वार्षिक वर्षा औसत (**120–180cm** तक)
  (2) पूर्वी प्रदेश वार्षिक वर्षा औसत (**100–120cm** तक)
- साधारण आर्द्र एवं उष्ण जलवायु प्रदेश में वे मैदानी भाग आते हैं जहाँ औसत वार्षिक वर्षा **80–100cm** तक होती है। इस जलवायु प्रदेश में पश्चिमी मैदानी क्षेत्र तथा बुन्देलखण्ड के पठारी भाग आते हैं।■ उत्तर प्रदेश में मुख्यतः तीन ऋतुएँ पायी जाती हैं यथा–ग्रीष्म ऋतु, वर्षा ऋतु एवं शीत ऋतु।

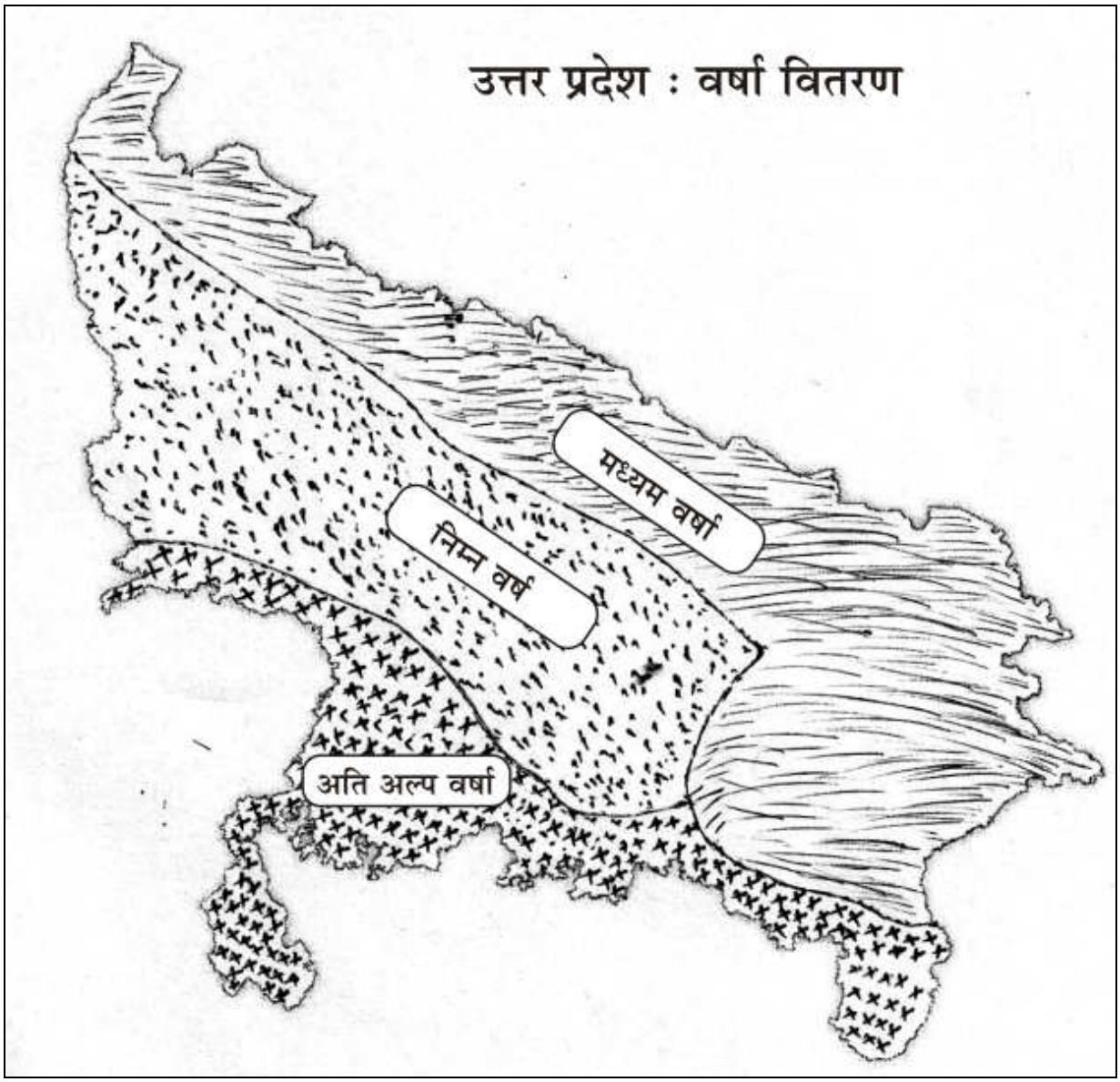




Join @yct_hub For More Exclusive PDFs

- सूर्य के उत्तरायण होने के साथ ही भारत सहित उत्तर प्रदेश में ग्रीष्म ऋतु की शुरुआत होती है। ग्रीष्म ऋतु मध्य मार्च महीने से जून मध्य तक होती है। प्रदेश में ग्रीष्म ऋतु के समय औसत अधिकतम् तापमान 36-39$^0$C तथा औसत न्यूनतम तापमान 21-23$^0$ के मध्य रहता है। प्रदेश के कुछ स्थानों पर तापमान 47$^0$ तक चला जाता है। इस ऋतु में उच्च तापमान वाली पश्चिमी हवाएं चलती हैं। इन गर्म हवाओं को स्थानीय भाषा में **'लू'** कहते हैं।
- प्रदेश के **झाँसी एवं आगरा** जिले में सर्वाधिक गर्मी पड़ती है, जबकि **बरेली** जिले में सबसे कम गर्मी पड़ती है।
- ग्रीष्म ऋतु में उच्च तापमान के कारण प्रदेश सहित पूरे उत्तर भारत में निम्न वायु दाब का क्षेत्र बन जाता है। परिणामतः मानसूनी हवाओं का आगमन होता है।
- प्रदेश में वर्षा ऋतु जून के अन्तिम सप्ताह से प्रारम्भ होकर सितम्बर के अंतिम सप्ताह तक रहती है। उत्तर प्रदेश की अधिकांश वर्षा दक्षिण-पश्चिम मानसून से प्राप्त होती है। प्रदेश की कुल वार्षिक वर्षा का **83%** भाग मानसूनी वर्षा से ही प्राप्त होता है।
- प्रदेश के भौतिक उच्चावच में विभिन्नता के कारण वर्षा के वितरण में भी विभिन्नता पायी जाती है। प्रदेश के पूर्वी मैदानी क्षेत्र में औसत वार्षिक वर्षा **112 सेमी.** तथा मध्यवर्ती मैदानी क्षेत्र में **94 सेमी.** वार्षिक वर्षा होती है।
- उत्तर प्रदेश के दक्षिण पठारी एवं पहाड़ी भागों में औसत वार्षिक वर्षा **91 सेमी.** होती है जबकि पश्चिमी मैदानी क्षेत्र में औसत वार्षिक वर्षा **84 सेमी.** है। प्रदेश की सम्पूर्ण वर्षा का लगभग **60%** जुलाई एवं अगस्त महीने में प्राप्त होता है।
- प्रदेश का सर्वाधिक वर्षा वाला जिला **गोरखपुर** (औसत वार्षिक वर्षा 184.7 सेमी.) जबकि सबसे कम वर्षा वाला जिला **मथुरा** (औसत वार्षिक वर्षा 54.4 सेमी.) है।
- प्रदेश में **शीत ऋतु का आगमन अक्टूबर महीने में होता है** और फरवरी के अन्त तक बना रहता है। प्रदेश में सर्वाधिक ठंड जनवरी महीने में पड़ती है। शीत ऋतु में तापमान की दिशा दक्षिण से उत्तर की ओर (दक्षिण में अधिक तथा उत्तर में कम) होती है।
- प्रदेश में शीत ऋतु के समय, दक्षिण पठारी क्षेत्र में औसत अधिकतम तापमान 28.3$^0$C तथा न्यूनतम तापमान 13.3$^0$C रहता है। जबकि मैदानी भागों में औसत अधिकतम तापमान 27.2$^0$C तथा न्यूनतम तापमान 10$^0$C होता है। शीत ऋतु में पश्चिमी विक्षोभों के कारण प्रदेश के **उत्तर-पश्चिमी** क्षेत्रों में कुछ वर्षा होती है जो रबी की फसल के लिए लाभदायक है।

## मृदा व्यवस्था

पृथ्वी के ऊपरी सतह पर मिलने वाले असंगठित पदार्थों की ऊपरी परत जो चट्टानों के विच्छेदन, अपक्षयन तथा कार्बनिक पदार्थों के विगलन (विघटन) के परिणाम स्वरूप परिच्छेदिका के रूप में संश्लेषित होती है, मिट्टी कहलाती है। भौगोलिक बनावट के आधार पर प्रदेश की मिट्टियों को दो मुख्य भागों में विभाजित किया गया है–**(1)** गंगा के विशाल मैदान की मिट्टियाँ जो निर्माण की दृष्टि से नूतन एवं उप-नूतन प्रकृति की हैं। **(2)** दक्षिण पठारी एवं विन्ध्यन शैलीय या बुन्देलखण्डीय मिट्टियाँ। निर्माण की दृष्टि से ये मिट्टियाँ अति प्राचीन एवं रवेदार होती हैं।

- गंगा के मैदानी मृदा को बनावट के आधार पर दो उप भागों में विभाजित किया गया है–**प्रथम,** प्राचीन काँप मिट्टी जिसको **'बांगर'** मिट्टी भी कहा जाता है, **द्वितीय** नवीन काँप मिट्टी जिसको 'खादर' मिट्टी कहा जाता है।
- बांगर मिट्टी प्राचीन जलोढ़ मृदा है। जिसमें फॉस्फोरस एवं चूने की अधिकता पायी जाती है, जबकि जीवांश, पोटाश तथा नाइट्रोजन की कमी पायी जाती है। इस मिट्टी को दोमट, मटियार, बलुई, दोमट आदि नामों से भी जाना जाता है। उत्तर प्रदेश के पूर्वी भाग में इसका स्थानीय नाम उपरहार है।
- खादर मिट्टी नवीन जलोढ़ मिट्टी है, जिनमें वार्षिक बाढ़ के कारण निरन्तर निक्षेपण होता रहता है। इस मिट्टी को सिल्ट बलुआ, नूतनकाँप, मटियार दोमट आदि नामों से भी जाना जाता है। इस मिट्टी में जीवांशों, मैग्नीशियम, पोटाश एवं चूने की अधिकता होती है, परन्तु ह्यूमस, फॉस्फोरस तथा नाइट्रोजन की कमी पायी जाती है।
- प्रदेश में जलोढ़ मृदा का सर्वाधिक विस्तार पाया जाता है। प्रदेश में पायी जाने वाली बलुई एवं बलुई दोमट मिट्टी का स्थानीय नाम सिक्टा, करियाल या धनका भी है। **भूड़** हल्की दोमट एवं मिश्रित बलुई मिट्टी होती है, जिसका निर्माण गंगा-यमुना एवं उनकी सहायक नदियों के बाढ़ वाले क्षेत्रों में प्लीस्टोसिन युग निर्मित 10-12 फीट ऊँचे टीलों के रूप में हुआ है।
- बांगर एवं खादर मिट्टी के अतिरिक्त बनावट के आधार पर उत्तरी मैदान की मिट्टियों को अन्य उपभागों में भी वर्गीकृत किया गया है जैसे–लवणीय, क्षारीय एवं मरुस्थलीय मृदा। लवणीय एवं क्षारीय मृदाओं का निर्माण अत्यधिक सिंचाई एवं अत्यधिक उर्वरकों के प्रयोग के कारण होता है।
- प्रदेश की ऊसर भूमि को रेह, कल्लर, बंजर आदि नामों से भी जाना जाता है। रेह युक्त क्षारीय ऊसर मृदा का प्रदेश में सर्वाधिक विस्तार है।
- मरुस्थलीय मृदा प्रदेश के कुछ पश्चिमी भागों में (मथुरा, आगरा, अलीगढ़) पायी जाती है, जो कि मृदा अपरदन के कारण निर्मित हुई है।
- बुंदेलखण्डीय मृदा प्रदेश के दक्षिणी पठारी भागों में पायी जाती है। प्रदेश के इस क्षेत्र में पायी जाने वाली काली मिट्टी को कपास या रेगुर आदि नामों से जाना जाता है। इस मिट्टी का विस्तार प्रदेश के झाँसी, ललितपुर एवं हमीरपुर जिलों में है।



Join @yct_hub For More Exclusive PDFs

- लाल मिट्टी उत्तर प्रदेश के मिर्जापुर, सोनभद्र जिलों में पायी जाती है। इस मिट्टी का निर्माण बालूमय लाल शैलों के अपक्षयन से हुआ है। इसमें जीवाश्म, चूना, फॉस्फोरस एवं नाइट्रोजन की कमी पायी जाती है। लाल मिट्टी में गेहूँ, चना दाल आदि फसलें उगाई जाती हैं।
- **माड या मार** मिट्टी काली या रेगुर मिट्टी के समान चिकनी होती है। इस मिट्टी में सिलिकेट, लोहा एवं एल्युमिनियम खनिज पाये जाते हैं।
- राकड़ मिट्टी उत्तर प्रदेश के दक्षिण पर्वतीय एवं पठारी भागों में पायी जाती है, जबकि भाट मिट्टी उत्तर प्रदेश के पूर्वी क्षेत्रों (कुशीनगर) में पायी जाती है। पड़वा मिट्टी उत्तर प्रदेश के हमीरपुर, जालौन एवं यमुना नदी के ऊपरी जिलों में पायी जाती है। जलप्लावित नदी के किनारे पायी जाने वाली मिट्टी को **ढूह** कहते हैं। प्रदेश के उत्तर-पश्चिमी भाग में पायी जाने वाली मिट्टियों में फॉस्फेट खनिज की कमी होती है।
- **मृदा अपरदन** से तात्पर्य जलबहाव, वायु वेग अथवा हिम के पिघलने से एक स्थान की मिट्टी का अन्यत्र चले जाना होता है।
- मृदा अपरदन को जलीय एवं वायु अपरदन में वर्गीकृत किया जाता है। प्रदेश के पूर्वी एवं दक्षिणी भाग जलीय अपरदन तथा पश्चिमी भाग वायु अपरदन से प्रभावित होते हैं।
- प्रदेश का **इटावा** जिला अवनालिका अपरदन से सर्वाधिक प्रभावित है।
- जलीय अपरदन का प्रभाव वायु अपरदन से अधिक प्रभावी है, जिसमें परत अपरदन महत्वपूर्ण है।
- 'किसान की मौत' कहा जाने वाला परत अपरदन समतल खेतों में बहुत सूक्ष्म तरीके से होता है।

| मृदा | अन्य/स्थानीय नाम |
|---|---|
| खादर | नवीन जलोढ़, कछारी, दोमट मटियार, सिल्ट बलुआ |
| बांगर | पुरानी जलोढ़, उपरहार मृदा, दोमट, मटियार, बलुई-दोमट |
| ऊसर भूमि (लवणीय तथा क्षारीय) | रेह, बंजर तथा कल्लर |
| बलुई मिट्टी (ऊँचे टीलों को) | भूड़ |
| काली मृदा | रेगुर, फरेल या कपास मृदा |
| बुंदेलखंड क्षेत्र की मिट्टियाँ | लाल मृदा, परवा (पड़वा), माड (मार), राकर (राकड़) मृदा, भोंटा मृदा। |

# EXAM CAPSULE

| | |
|---|---|
| ■ सुरहा ताल प्रसिद्ध अभयारण्य है जिसमें साइबेरिया और अन्य ठंडे क्षेत्रों से कई प्रवासी पक्षी भी आते है, उत्तर प्रदेश के किस जिले में स्थित है– **बलिया** | **UP Police Const. (M/F) 17-02-2024 Shift-I (Cancelled)** |
| ■ ''वीर अब्दुल हमीद फॉरेस्ट, वन्य-जीवन एवं पर्यावरण संरक्षण पुरस्कार'' योजना किस वर्ष शुरू की गई थी– **2012-13** | **UPSSSC Junior Assistant Exam. 27-8-2023** |
| ■ लाल मिट्टी उत्तर प्रदेश के किन हिस्सों में पाई जाती है– **मिर्जापुर और झाँसी** | **Allahabad High Court ARO 14-12-2021 Shift-II Allahabad High Court ARO 20-12-2021 Shift-II UP UDA Spl. (M) G.S. 2010** |
| ■ उत्तर प्रदेश में किस प्रकार की जलवायु है– **उष्ण कटिबन्धीय मानसूनी** | **Allahabad High Court RO 11--12-2021 Shift-I** |
| ■ उत्तर प्रदेश में प्रमुखतया किस प्रकार की मिट्टी पायी जाती है– **जलोढ़ मिट्टी** | **Allahabad High Court RO 07-01-2022 Shift-II** |
| ■ किस मिट्टी की बुन्देलखण्ड क्षेत्र में प्रमुखता है– **काली कपास की मिट्टी** | **UPPCS (J) 2006** |
| ■ उत्तर प्रदेश के भाबर क्षेत्र में किस प्रकार की मृदा पाई जाती है– **कंकरीली व पथरीली** | **UPPSC Health Inspector 2013** |
| ■ लवण-प्रभावित मृदाएँ मुख्यतः उ. प्र. के किन मण्डलों में पायी जाती हैं– **आगरा एवं अलीगढ़** | **UPPSC ACF - 2017** |
| ■ उत्तर प्रदेश में शस्य-जलवायु क्षेत्रों की संख्या है– **9** | **UPPCS (Pre) GS, 2014 UPPSC RO/ARO (Pre) Re-exam -2016** |



Join @yct_hub For More Exclusive PDFs

Search @yct_hub to
Join Channel

# 5 उत्तर प्रदेश : प्राकृतिक वनस्पतियाँ, वन एवं वन्य जीव

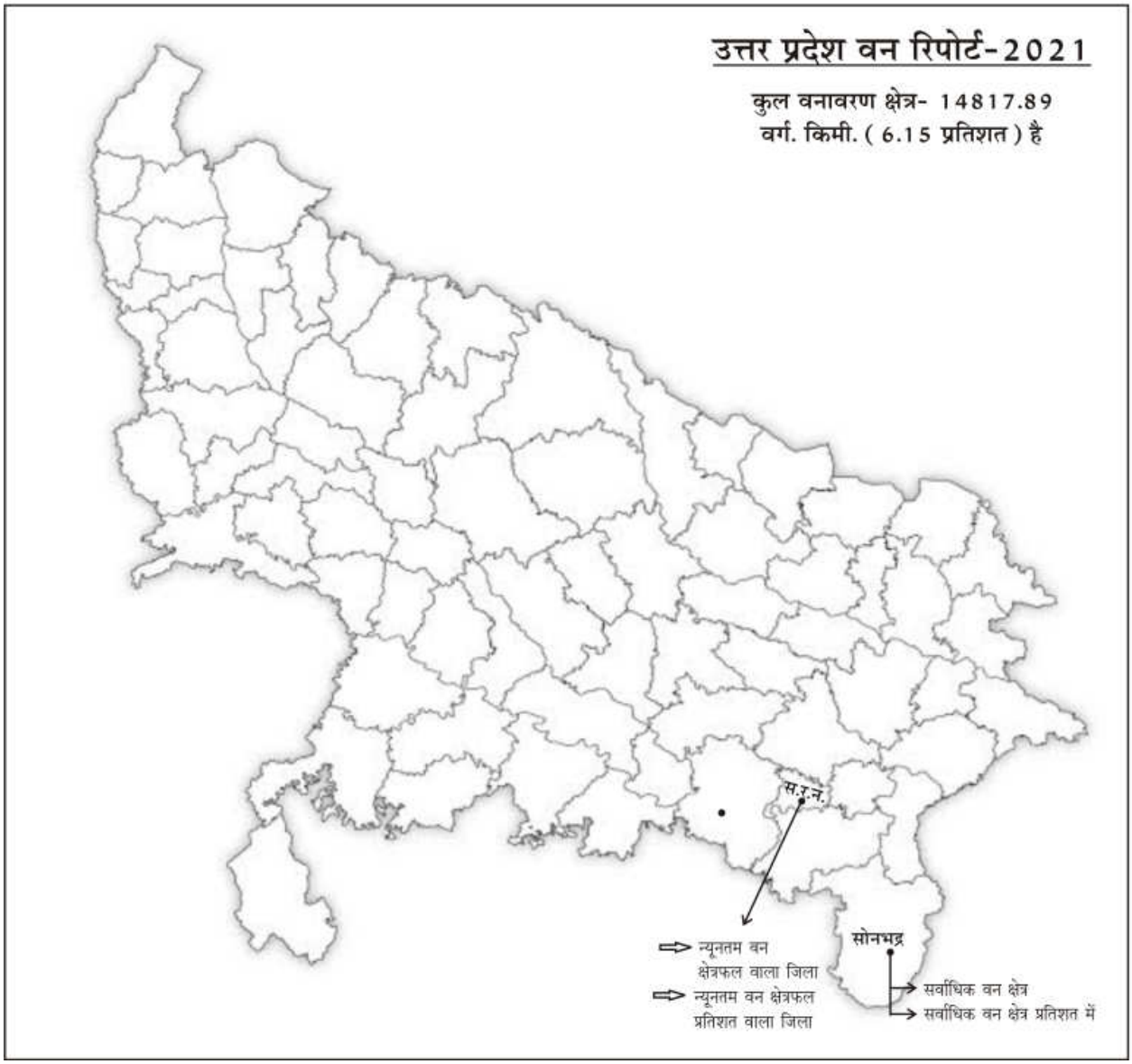


## वन सर्वेक्षण रिपोर्ट (ISFR 2021)

ISFR 2021 के अनुसार, उत्तर प्रदेश में वनावरण की स्थिति–

| श्रेणी | क्षेत्र ( वर्ग किमी. ) | भौगोलिक क्षेत्र का प्रतिशत |
|---|---|---|
| अधिक घने वन | 2,626.61 | 1.09 |
| मध्यम घने वन | 4,029.37 | 1.67 |
| खुला वन | 8,161.91 | 3.39 |
| कुल | 14,817.89 | 6.15 |
| झाड़ी | 563.38 | 0.23 |

ISFR 2021 के अनुसार उत्तर प्रदेश के शीर्ष वन क्षेत्र वाले जिले क्रमशः सोनभद्र (2436.75 वर्ग किमी.), खीरी (1272.56 वर्ग किमी.), मिर्जापुर (746.11 वर्ग किमी.), पीलीभीत (685.73 वर्ग किमी.) तथा चित्रकूट (631.69 वर्ग किमी.) हैं।



Join @yct_hub For More Exclusive PDFs

Search @yct_hub to Join Channel

- सबसे कम वन क्षेत्र वाले जिलों में क्रमशः भदोही (3.71 वर्ग किमी.), मऊ (11.0 वर्ग किमी.) तथा मैनपुरी (3.71 वर्ग किमी.) का स्थान है।
- कुल भौगोलिक क्षेत्र के प्रतिशत के संदर्भ में वनावरण के मामले में शीर्ष जिले क्रमशः सोनभद्र (35.29%), चंदौली (21.78%), चित्रकूट (19.64%), पीलीभीत (18.60%) तथा श्रावस्ती (17.40%) हैं।
- सबसे कम वन प्रतिशत वाले जिलों में क्रमशः भदोही (0.37%), मैनपुरी (0.49%) और देवरिया (0.60%) का स्थान है।

## वनों के प्रकार

- उत्तर प्रदेश में मुख्यतः तीन प्रकार की वन पाए जाते हैं–
  1. उष्णकटिबंधीय आर्द्र पर्णपाती वन
  2. उष्णकटिबंधीय शुष्क पर्णपाती वन
  3. उष्णकटिबंधीय कंटीली झाड़ियाँ

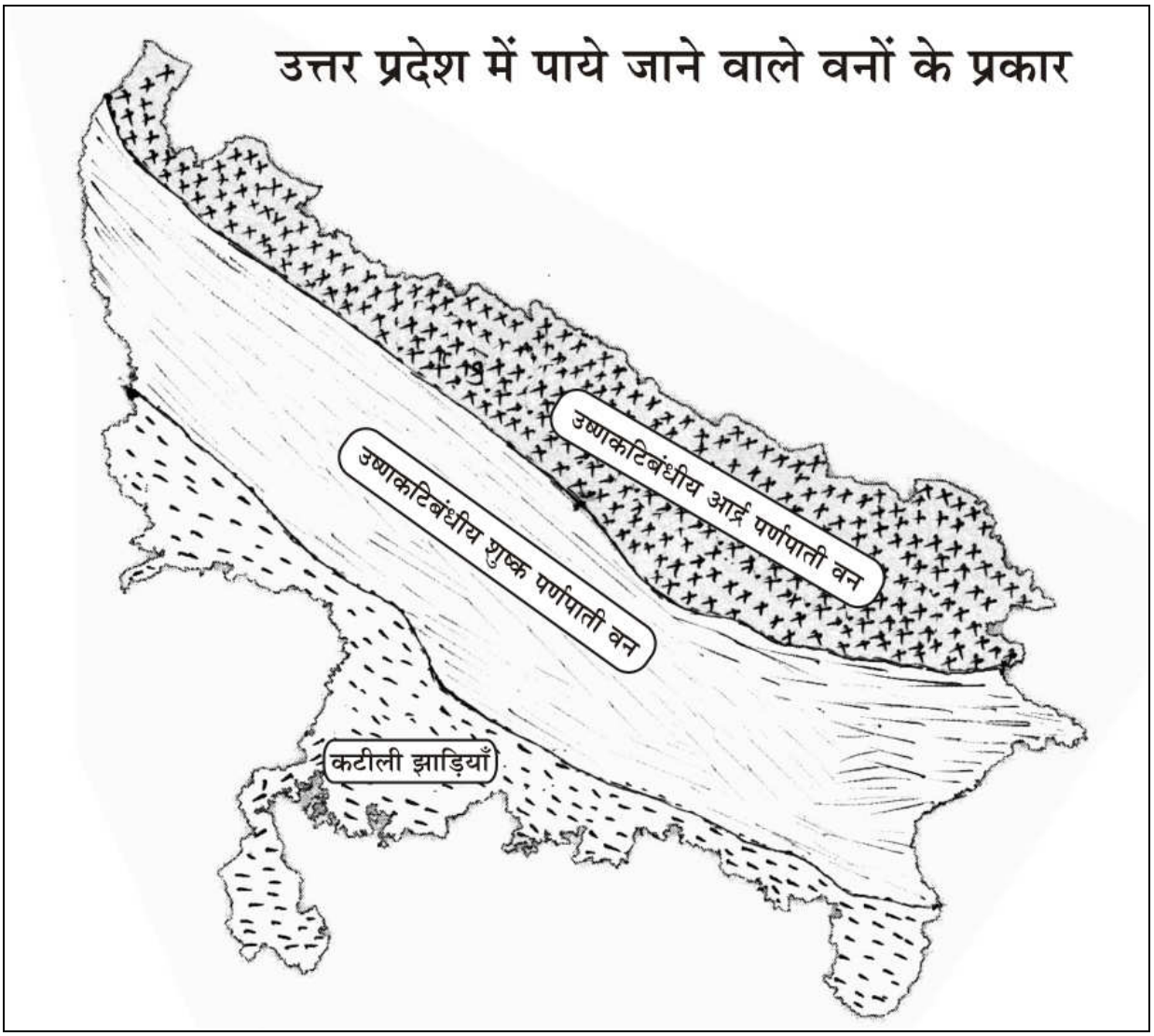


- उ.प्र. में उष्णकटिबंधीय आर्द्र पर्णपाती वन तराई एवं भाबर क्षेत्रों में पाए जाते हैं।
- आर्द्र पर्णपाती वनों में साल, बेर, गूलर, पलाश, महुआ, सेमल, आंवला, जामुन, बांस तथा बेंत आदि के वृक्ष पाए जाते हैं।
- उ.प्र. में शुष्क पर्णपाती वन पूर्व, मध्य एवं पश्चिम मैदानी क्षेत्रों में पाए जाते हैं।
- शुष्क पर्णपाती वनों में नीम, पीपल, शीशम, जामुन, अमलतास, बेल एवं अंजीर के वृक्ष पाए जाते हैं।
- झाड़ियाँ एवं घासें शुष्क पर्णपाती वनों में ही पाई जाती हैं।
- उ.प्र. के मैदानी आर्द्र भूमि और नदियों के किनारे नीम,पीपल, शीशम,आम,जामुन,महुआ,बबूल एवं इमली के वृक्ष मिलते हैं।
- उ.प्र. के दक्षिणी भाग में कंटीली झाड़ियों वाले उष्णकटिबंधीय वन पाए जाते हैं। इनमें अकेसिया, कंटीले लेगुमेस, यूफर्बियास, फुलाई, कत्था, कक्को, धामन, रेऊनझा तथा नीम के वृक्ष बहुतायत में मिलते हैं।
- उत्तर प्रदेश में वन महोत्सव सप्ताह प्रत्येक वर्ष 1 जुलाई से 7 जुलाई के मध्य मनाया जाता है।



Join @yct_hub For More Exclusive PDFs

- प्रदेश में वन महोत्सव का आरम्भ जुलाई 1952 से हुआ। वन महोत्सव का मूलाधार (सूक्त वाक्य) है 'वृक्ष का अर्थ जल है, जल का अर्थ रोटी है और रोटी ही जीवन है'।

- प्रदेश की प्रथम वन नीति — 1952
- प्रदेश की द्वितीय वन नीति —1988
- उ. प्र. वन निगम अधिनियम — 1974
- उ. प्र. वन निगम की स्थापना — 25 नवम्बर 1974
- वृच्छादन में देश में उ. प्र. का स्थान — पांचवां
- पारिस्थितिकी आतंकवादी वृक्ष — यूकेलिप्टस
- वन महोत्सव का आरंभ — जुलाई 1952
- कागज का प्रमुख केन्द्र — सहारनपुर
- प्रदेश का पहला ग्राम वन घोषित — बेलहत्थी ग्राम (सोनभद्र)
- उत्तर प्रदेश ईको-टूरिज्म पलिसी — 2014 (नोडल एजेंसी वन निगम है जो अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर विश्व में एक राजकीय संस्था के रूप में सबसे अधिक वन क्षेत्र को प्रमाणित करने वाला संगठन बन गया है।)

## वनों से संबंधित महत्वपूर्ण कार्यक्रम एवं योजनाएं

| क्रम | कार्यक्रम/ योजनाएं | वर्ष | महत्वपूर्ण बिन्दु |
|---|---|---|---|
| 1. | सामाजिक वानिकी योजना | 1979 | फसलोत्पादन में वृद्धि, बंजर भूमि, सड़क, रेलवे, नहरों इत्यादि के किनारे वृक्षारोपण |
| 2. | सघन वृक्षारोपण कार्यक्रम | 2005-06 | प्रदेश के 22 जिलों में प्रारम्भ, बाद में (2008 में) 48 जिलों में विस्तार |
| 3. | ऑपरेशन ग्रीन योजना | 1 जुलाई 2001 | वृक्षारोपण को बढ़ावा देना |
| 4. | सहभागी वन प्रबंधन एवं निर्धनता उन्मूलन परियोजना | 2008-09 | तराई, विंध्य एवं बुन्देलखण्ड के 14 जिलों में संचालित वन संरक्षण |
| 5. | वृक्षबन्धु पुरस्कार योजना | 2007-08 | वृक्षारोपण एवं वन्य जीव संरक्षण को प्रोत्साहन |
| 6. | ऑपरेशन ग्रीन | 2007-08 | वन क्षेत्र का विस्तार |
| 7. | ग्रीन यू.पी. क्लीन यू.पी. | 7 नवम्बर 2015 | वृक्षारोपण |

## वन्य जीव एवं वन्य जीव संरक्षण कार्यक्रम

देश के प्रथम **वन्य जीव परिरक्षण संगठन** की स्थापना **1956** में उत्तर प्रदेश में की गयी। इस संगठन का उद्देश्य प्रदेश में जैव विविधता, जीवों एवं उनके प्राकृतिक वास स्थलों को संरक्षित करना है। प्रदेश में वर्तमान में 11 वन्य जीव विहार, 14 पक्षी विहार तथा एक राष्ट्रीय उद्यान (दुधवा राष्ट्रीय उद्यान) और चार टाइगर रिजर्व (दुधवा सहित) हैं।

- प्रदेश का सबसे पुराना पक्षी विहार नवाबगंज पक्षी विहार (1984) है। वर्ष 2015 में इसका नाम बदलकर शहीद चंद्रशेखर आजाद पक्षी विहार कर दिया गया है। उ. प्र. का सबसे बड़ा पक्षी विहार लाख बहोसी पक्षी विहार और सबसे छोटा पक्षी विहार शेखा झील है।
- उत्तर प्रदेश का सबसे पुराना वन्य जीव विहार चन्दौली में स्थित **चन्द्रप्रभा वन्य जीव विहार (1957)** है। प्रदेश का सबसे बड़ा वन्य जीव विहार हस्तिनापुर वन्य जीव विहार (2073 वर्ग किमी.) तथा सबसे छोटा वन्य जीव विहार महावीर स्वामी वन्य जीव विहार है।
- प्रदेश का एकमात्र राष्ट्रीय उद्यान दुधवा राष्ट्रीय उद्यान है। 490 वर्ग किमी. में विस्तृत यह राष्ट्रीय उद्यान लखीमपुर खीरी में स्थित है। 1977 में इसे राष्ट्रीय पार्क का दर्जा दिया गया। जबकि 1987-88 में इसे बाघ परियोजना में शामिल किया गया है। कालांतर में किशनपुर वन्य जीव विहार, एवं कतर्नियाघाट वन्य जीव विहार को शामिल कर इसे **दुधवा टाइगर रिजर्व** का नाम दिया गया। इस बाघ अभ्यारण्य का विस्तार अब लखीमपुर खीरी एवं बहराइच जिले तक है।
- रानीपुर वन्य जीव विहार को प्रदेश सरकार द्वारा **18 अक्टूबर, 2022** को बाघ अभयारण्य के रूप में अधिसूचित किया गया। वर्तमान में प्रदेश में **चार** (दुधवा, पीलीभीत, रानीपुर एवं अमनगढ़*) बाघ अभयारण्य है।
- राष्ट्रीय जलजीव **'गंगा डॉल्फिन'** उत्तर प्रदेश के प्रयागराज से मिर्जापुर के बीच अधिक मात्रा में गंगा नदी में पायी जाती है। इसका स्थानीय नाम सूंस (सुइश) है। उत्तर प्रदेश में कुल डाल्फिनों की संख्या 1275 है।
- प्रदेश में हाथी तराई एवं शिवालिक गिरीपद वनों, चिंकारा विन्ध्य के जंगलों तथा गैंडा तराई क्षेत्र में पाये जाते हैं।
- अमनगढ़ बाघ आरक्षित क्षेत्र को केंद्रीय वन एवं पर्यावरण मंत्रालय की वेबसाइट पर कार्बेट बाघ आरक्षित क्षेत्र के बफर जोन के रूप में दर्शाया गया है।
- लखनऊ के निकट स्थित कुकरैल वन में लुप्त प्रजातियों हेतु प्रजनन केंद्र स्थापित किया गया है।
- मथुरा के वृंदावन में राष्ट्रीय पक्षी मोर के संरक्षण हेतु मयूर संरक्षण केंद्र स्थापित किया गया है।



Join @yct_hub For More Exclusive PDFs

## वन्य जीव सम्बन्धी प्रमुख कार्यक्रम

| क्रम | कार्यक्रम | वर्ष/स्थान | उद्देश्य |
|---|---|---|---|
| 1. | राष्ट्रीय चम्बल वन्य जीव विहार योजना | उ.प्र./म.प्र. एवं राजस्थान | मगर एवं घड़ियाल प्रजनन एवं संरक्षण |
| 2. | घड़ियाल प्रजनन योजना | लखनऊ (कुकरैल) एवं कतर्निया (बहराइच) | घड़ियाल प्रजनन एवं संरक्षण |
| 3. | नाईट सफारी पार्क | इटावा | बब्बर शेर एवं लॉयन सफारी प्रजनन केन्द्र |

## उत्तर प्रदेश के पक्षी विहार

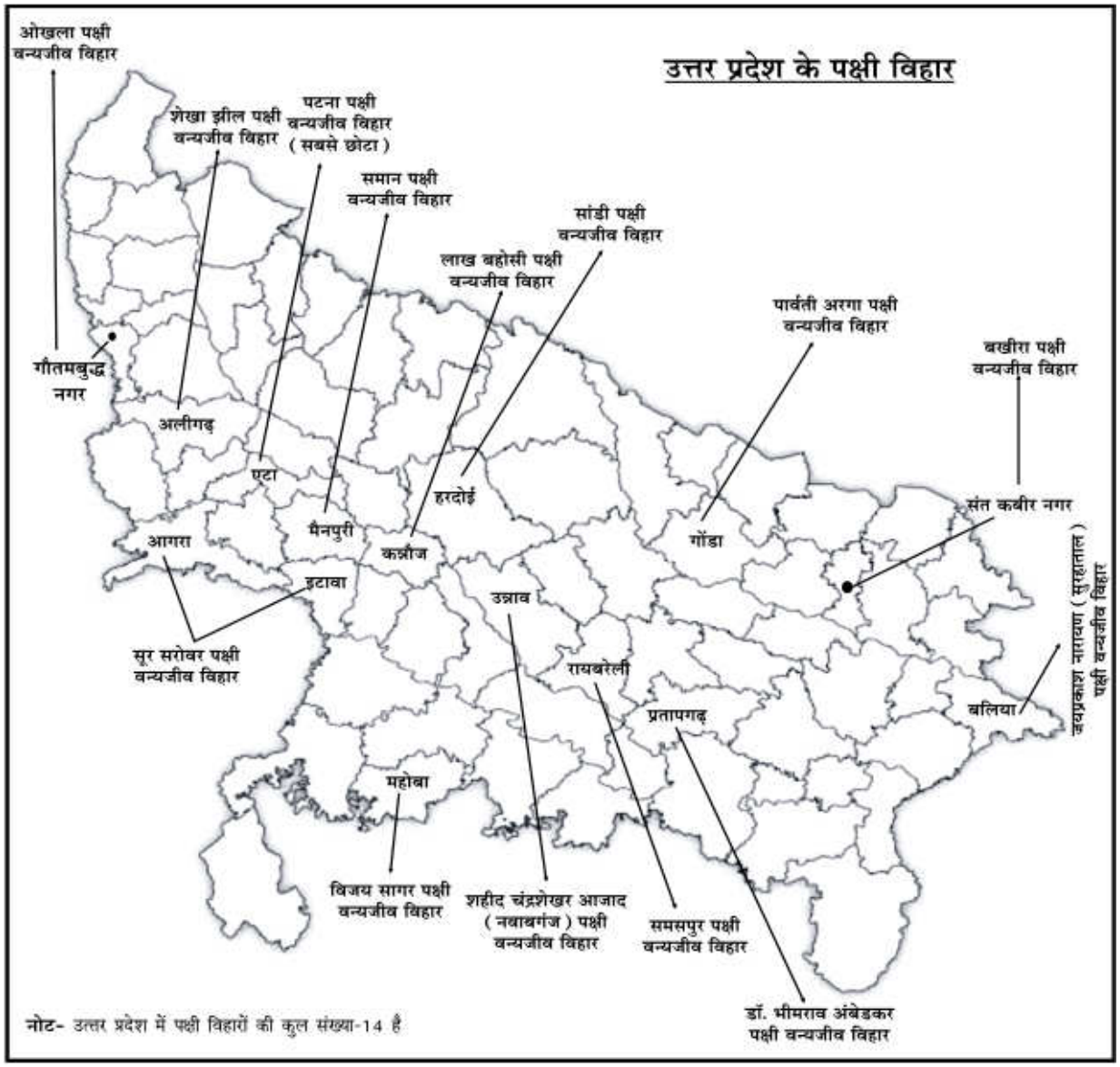


| क्रम | पक्षी विहार | स्थापना वर्ष | जनपद | क्षेत्रफल (वर्ग किमी.) |
|---|---|---|---|---|
| 1. | शहीद चंद्रशेखर आजाद (नवाबगंज) पक्षी विहार | 1984 | उन्नाव | 2.25 |
| 2. | समसपुर पक्षी विहार | 1987 | रायबरेली | 7.99 |
| 3. | लाख बहोसी पक्षी विहार | 1989 | कन्नौज | 80.24 |



Join @yct_hub For More Exclusive PDFs

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| 4. | सांडी पक्षी विहार | 1990 | हरदोई | 3.09 |
| 5. | बखीरा पक्षी विहार | 1980 | संत कबीर नगर | 28.94 |
| 6. | ओखला पक्षी विहार | 1990 | गौतम बुद्ध नगर | 4.00 |
| 7. | पार्वती अरगा पक्षी विहार | 1997 | गोण्डा | 10.84 |
| 8. | विजय सागर पक्षी विहार | 1990 | महोबा | 2.62 |
| 9. | पटना पक्षी विहार | 1991 | एटा | 1.09 |
| 10. | समान पक्षी विहार | 1990 | मैनपुरी | 5.26 |
| 11. | सूर सरोवर पक्षी विहार | 1991 | आगरा | 4.03 |
| 12. | सुरहा ताल (जय प्रकाश नारायण) पक्षी विहार | 1991 | बलिया | 34.32 |
| 13. | डॉ. भीमराव अम्बेडकर पक्षी विहार | 2003 | प्रतापगढ़ | 4.27 |
| 14. | शेखा झील पक्षी विहार | 2016 | अलीगढ़ | 0.25 |

## उत्तर प्रदेश के वन्य जीव विहार

Join @yct_hub For More Exclusive PDFs

| क्रम | वन्य जीव विहार | स्थापना वर्ष | जनपद | क्षेत्रफल (वर्ग किमी.) |
|---|---|---|---|---|
| 1. | राष्ट्रीय चम्बल वन्य जीव विहार | 1979 | इटावा, आगरा | 635.00 |
| 2. | कतर्नियाघाट वन्य जीव विहार | 1976 | बहराइच | 400.79 |
| 3. | रानीपुर वन्य जीव विहार | 1977 | बाँदा, चित्रकूट | 230.31 |
| 4. | महावीर स्वामी वन्य जीव विहार | 1977 | ललितपुर | 5.41 |
| 5. | चन्द्रप्रभा वन्य जीव विहार | 1957 | चन्दौली | 78.00 |
| 6. | किशनपुर वन्य जीव विहार | 1972 | लखीमपुर खीरी | 227 |
| 7. | कैमूर वन्य जीव विहार | 1982 | मिर्जापुर, सोनभद्र | 500.73 |
| 8. | हस्तिनापुर वन्य जीव विहार | 1986 | मुजफ्फरनगर, मेरठ, हापुड़, अमरोहा बिजनौर, गाजियाबाद | 2073.00 |
| 9. | सोहागी बरवा वन्य जीव विहार | 1987 | महराजगंज | 428.2 |
| 10. | सोहेलवा वन्य जीव विहार | 1988 | गोण्डा, बलरामपुर, श्रावस्ती | 452.47 |
| 11. | कछुआ वन्य जीव विहार | 1989 | वाराणसी | 7.00 |

## उत्तर प्रदेश के प्राणी उद्यान

| क्रम | प्राणी उद्यान | जनपद |
|---|---|---|
| 1. | नवाब वाजिद अली शाह प्राणी उद्यान | लखनऊ |
| 2. | कानपुर प्राणी उद्यान | कानपुर |
| 3. | शहीद अशफाक उल्ला खां प्राणी उद्यान | गोरखपुर |
| **नोटः-** शहीद अशफ़ाक उल्ला खाँ चिड़ियाघर 121 एकड़ क्षेत्र में गोरखपुर में निर्माण हेतु प्रस्तावित है। | | |

## उत्तर प्रदेश में राष्ट्रीय उद्यान

| क्रम | राष्ट्रीय उद्यान | वर्ष/स्थान | क्षेत्रफल ( व.कि. ) |
|---|---|---|---|
| 1. | दुधवा राष्ट्री उद्यान | लखीमपुर खीरी, 1977 | 490 |

## उत्तर प्रदेश में टाइगर रिजर्व

| क्रम. | टाइगर रिजर्व | वर्ष | क्षेत्रफल |
|---|---|---|---|
| 1. | दुधवा टाइगर रिजर्व | 1987-88 | 2201.77 वर्ग किमी. |
| 2. | पीलीभीत टाइगर रिजर्व | 2014 | 730.25 वर्ग किमी. |
| 3. | रानीपुर टाइगर रिजर्व | 2022-23 | 529.36 वर्ग किमी. |
| 4. | अमनगढ़ टाइगर रिजर्व (बफर क्षेत्र) | 2012-13 | 80.60 वर्ग किमी. |

## उत्तर प्रदेश में हाथी रिजर्व

| क्रम. | हाथी रिजर्व | वर्ष | क्षेत्रफल |
|---|---|---|---|
| **1.** | उत्तर प्रदेश हाथी रिजर्व | 2009 | 744 वर्ग किमी. |
| **2.** | तराई हाथी रिजर्व | 2022 | 3049 वर्ग किमी. |

- 3 फरवरी, 1975 को ''उत्तर प्रदेश जल प्रदूषण निवारण तथा नियंत्रण बोर्ड' का गठन ।
- 13 जुलाई, 1982 को उक्त बोर्ड का नाम ''उत्तर प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड'' कर दिया गया।
- उत्तर प्रदेश वन विभाग का गठन 1855 ई. में किया गया।



Join @yct_hub For More Exclusive PDFs

# EXAM CAPSULE

| | |
|---|---|
| ■ उत्तर प्रदेश में इसके कुल भौगोलिक क्षेत्र का लगभग.....भाग वनों और वृक्षों से घिरा हुआ क्षेत्र है– **9%** | **Allahabad High Court RO 08--01-2017** |
| ■ 'किशनपुर वन्यजीव अभयारण्य'__ का एक हिस्सा है– **दुधवा नेशनल पार्क** | **Allahabad High Court CA/RGC 21-12-2021 Shift-I** |
| ■ उत्तर प्रदेश के उष्णकटिबंधीय शुष्क पर्णपाती वनों में पाया जाता है– **पलास** | **Allahabad High Court ARO 18-12-2016** |
| ■ राष्ट्रीय चंबल अभ्यारण्य किस लुप्तप्राय प्रजाति के लिए घर है– **घड़ियाल** | **Allahabad High Court ARO 15-12-2021 Shift-II** |
| ■ उत्तर प्रदेश में लॉयन सफारी कहाँ स्थापित हो रही है– **इटावा** | **Allahabad High Court ARO 16-12-2021 Shift-I** |
| ■ उत्तर प्रदेश में कितने टाइगर रिज़र्व हैं– **4** | **Allahabad High Court ARO 18-12-2021 Shift-I** |
| ■ किस प्रजाति के सफल स्थानांतरण के लिए दुधवा उद्यान जाना जाता है– **तेंदुआ** | **Allahabad High Court ARO 19-12-2021 Shift-II** |
| ■ उत्तर प्रदेश का सबसे बड़ा वन्यजीव अभ्यारण्य कौन-सा है– **हस्तिनापुर** | **Allahabad High Court ARO 19-12-2021 Shift-II** |
| ■ उत्तर प्रदेश में सबसे पुराना वन्य जीव अभयारण्य कहाँ पर स्थित है– **चन्द्रप्रभा वन्य जीव अभयारण्य ( चंदौली )** | **Allahabad High Court ARO 19-12-2021 Shift-I**<br>**Allahabad High Court ARO 20-12-2021 Shift-II**<br>**UPPSC ACF - 2017**<br>**UPPSC (J)- 2015**<br>**UPPSC Polytechnic Lect. 2021**<br>**कृषि प्राविधिक 15/02/2019**<br>**स्टेनोग्राफर 10/03/2015** |
| ■ नवाबगंज पक्षी विहार किस जिले मे स्थित है– **उन्नाव** | **Allahabad High Court ARO 20-12-2021 Shift-II**<br>**Allahabad High Court ARO 06--01-2022 Shift-I** |
| ■ सुर सरोवर पक्षी अभयारण्य में कीथम झील किसका प्राकृतिक आवास है– **सारस क्रेन और चित्तीदार गिद्ध** | **Allahabad High Court ARO 06--01-2022 Shift-I** |
| ■ दुधवा राष्ट्रीय उद्यान कितने वर्ग क्षेत्र में फैला हुआ है– **490 वर्ग कि.मी.** | **Allahabad High Court ARO 06--01-2022 Shift-I** |
| ■ कौन-से बाघ अभयारण्य उत्तर प्रदेश में स्थित हैं– **दुधवा, अमनगढ़, पीलीभीत** | **Allahabad High Court RO 10--01-2020** |
| ■ उत्तर प्रदेश में, सबसे छोटा वन अभयारण्य कहाँ स्थित है– **पटवा वन्यजीव अभयारण्य, एटा** | **Allahabad High Court ARO 15-12-2021 Shift-I** |
| ■ गंगा डॉल्फिन को कहा जाता है– **सुसु** | **Allahabad High Court ARO 15-12-2021 Shift-I** |



Join @yct_hub For More Exclusive PDFs

| | |
|---|---|
| ■ किस जानवर की रक्षा के लिए हस्तिनापुर वन्यजीव अभयारण्य की स्थापना वर्ष 1986 में की गई थी– **दलदल हिरण** | **UPSSSC Junior Assistant Exam. 27-8-2023** |
| ■ उत्तर प्रदेश का दुधवा राष्ट्रीय उद्यान किस जिले में स्थित है– **लखीमपुर खीरी** | **UP Police Contable (M/F) 18/02/2024 Shift-II (Cancelled)** |
| ■ उत्तर प्रदेश में कौन-सा वन्यजीव अभयारण्य 1975 में स्थापित किया गया था– **कतरनियाघाट** | **UPPSC Polytechnic Lect. 2021** |
| ■ 'विजय सागर पक्षी विहार' उत्तर प्रदेश के किस स्थान पर स्थित है– **महोबा** | **UPPSC ACF RFO (Mains) 2021 Paper-I** |
| ■ उत्तर प्रदेश में अमनगढ़ टाइगर रिजर्व किस टाइगर रिजर्व का हिस्सा है– **कॉर्बेट** | **UPPSC ACF RFO (Mains) 2021 Paper-I** |
| ■ उत्तर प्रदेश में 'मयूर संरक्षण केन्द्र' किस स्थान / जनपद में स्थित है– **मथुरा** | **UPPSC GIC Lecturer 2021** |
| ■ दुधवा राष्ट्रीय उद्यान उत्तर प्रदेश के किस जनपद में अवस्थित है– **लखीमपुर खीरी** | **UPPSC Vetting Officer 2020**<br>**UPSSSC Lower Main 21/10/2021 Paper -I**<br>**UPPSC ACF RFO (Mains) 2021 Paper-I**<br>**UP UDA/LDA (Pre) G.S., 2006** |
| ■ कौन सा वन्य जीव अभयारण्य उत्तर प्रदेश में स्थित नहीं है– **कालेसर** | **UPPSC Vetting Officer 2020** |
| ■ उत्तर प्रदेश में पहला गिद्ध संरक्षण केन्द्र कहाँ स्थापित किया गया है– **महाराजगंज** | **UPPSC ACF/RFO Mains 2020 (Paper-Ist)** |
| ■ 'शेखा झील' के नाम से एक नया राष्ट्रीय पक्षी विहार का विकास किया जा रहा है– **अलीगढ़ में** | **UPPSC ACF/RFO (Mains) Ist 2018** |
| ■ वर्तमान में उत्तर प्रदेश में वन क्षेत्र है (वनाच्छादन + वृक्षादन), मात्र– **9.23%** | **UPPCS (Pre) G.S. Spl. 2004** |
| ■ उत्तर प्रदेश में वन-महोत्सव सप्ताह मनाया जाता है– **1 जुलाई से 7 जुलाई** | **UPPSC Asst. Forest Conservator Exam. 2013** |
| ■ उत्तर प्रदेश में नवाबगंज पक्षी विहार स्थित है– **उन्नाव जनपद में** | **UPPCS (Pre) G.S. 2005** |
| ■ उत्तर प्रदेश में एक 'बब्बर शेर सफारी' स्थापित किया जा रहा है– **इटावा में** | **UPPCS (Pre) GS, 2013**<br>**UPPSC RO/ARO (Pre) G.S., 2013**<br>**UPP Constable (Pre) 2013**<br>**लोवर द्वितीय 06.03.2016** |
| ■ सर्वाधिक वनाच्छादित जनपद है– **सोनभद्र** | **UPPSC Health Inspector 2013** |
| ■ सुरहा ताल पक्षी विहार अवस्थित है– **बलिया में** | **UPPSC Health Inspector 2013** |
| ■ कौन-सा पक्षी अभयारण्य उत्तर प्रदेश में स्थित है? **समसपुर पक्षी अभयारण्य** | **UPSSSC Van Rakshak Date : 21/08/2022** |
| ■ चन्द्रप्रभा मृगवन भारत के किस राज्य में स्थित है? **उत्तर प्रदेश** | **वन रक्षक - 11-12-2015** |
| ■ उत्तर प्रदेश वन निगम कब स्थापित किया गया? **25 नवम्बर, 1974** | **वन रक्षक - 11-12-2015** |
| ■ बाघों के संरक्षण से संबंधित कौन-सा स्थल उत्तर प्रदेश में स्थित है? **अमनगढ़** | **Lower-II (Re-exam) (28-07-2019)** |



Join @yct_hub For More Exclusive PDFs

# 6 उत्तर प्रदेश : नदियाँ, झीलें एवं आर्द्रभूमियाँ

**उद्‌गम स्त्रोत के आधार पर उत्तर प्रदेश की नदियों को दो मुख्य भागों में विभाजित किया जाता है–**

**प्रथम** - ऐसी नदियाँ जिनका उद्‌गम स्त्रोत प्रदेश से बाहर है जैसे – गंगा, यमुना, चम्बल, घाघरा, गंडक आदि।

**द्वितीय** – ऐसी नदियाँ जिनका उद्‌गम स्त्रोत प्रदेश के विभिन्न जिलों में है जैसे –गोमती, वरुणा, पांडू, सई एवं ईशान इत्यादि। जबकि भू-भौतिकीय उद्‌गम स्त्रोत के आधार पर प्रदेश की नदियों को तीन उपविभागों में विभाजित किया गया है यथा–हिमालय से निकलने वाली नदियाँ, गंगा के मैदानी भाग से निकलने वाली नदियाँ तथा प्रायद्वीपीय पठार से निकलने वाली नदियाँ।

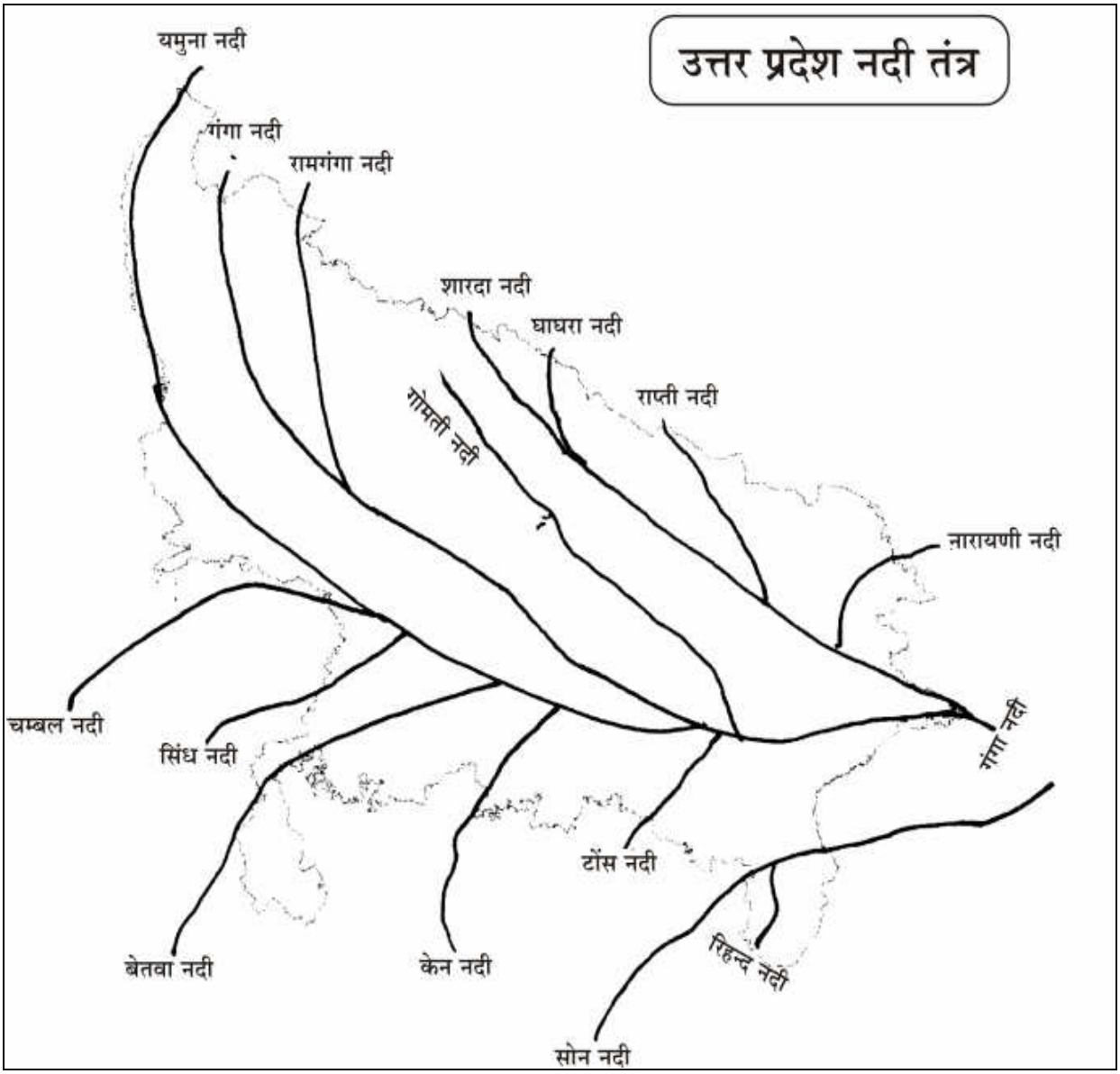




Join @yct_hub For More Exclusive PDFs

- उत्तर प्रदेश से प्रवाहित होने वाली सबसे लम्बी नदी गंगा (लगभग 1100Km) नदी है। गंगा नदी का उद्गम स्रोत गोमुख **( गंगोत्री हिमनद )** है। गंगा नदी उत्तर प्रदेश में बिजनौर जिले से प्रवेश करती है तथा विभिन्न जिलों से प्रवाहित होते हुए बलिया जिले से निकलकर बिहार में प्रवेश करती है।
- गंगा की प्रमुख सहायक नदियों में – रामगंगा, यमुना, घाघरा, गंडक, कोसी, सोन, गोमती इत्यादि हैं। गंगा नदी के दाहिनी ओर से मिलने वाली सहायक नदियों में यमुना, टोंस, सोन, चंद्रप्रभा, कर्मनाशा आदि प्रमुख हैं। जबकि बायीं ओर से मिलने वाली नदियाँ–रामगंगा, घाघरा, गोमती, गंडक, कोसी एवं बागमती आदि हैं। गंगा नदी को प्रयागराज से हल्दिया तक राष्ट्रीय जलमार्ग–1 के रूप में प्रयोग किया जाता है। कानपुर गंगा नदी के दाएं किनारे पर स्थित सबसे बड़ा नगर है, वाराणसी बाएं किनारे पर स्थित सबसे बड़ा नगर है।
- यमुना नदी का उद्गम स्रोत बंदरपूँछ के यमुनोत्री हिमनद (उत्तरकाशी) में स्थित है। गंगा के बाद यह उत्तर प्रदेश की दूसरी सबसे लम्बी नदी है। यमुना नदी सहारनपुर से उत्तर प्रदेश में प्रवेश करती है तथा प्रयागराज में गंगा नदी में मिलती है। यमुना नदी में दायीं ओर से मिलने वाली नदियों में – चम्बल, बेतवा, तथा केन हैं। इसके बायीं तरफ से हिन्डन नदी मिलती है। मथुरा, वृंदावन, आगरा, इटावा, काल्पी आदि यमुना नदी के किनारे स्थित नगर है। यमुना नदी वृहद् चाप का निर्माण करती है।
- **घाघरा नदी** का उद्गम **मापचांचुगों** (तिब्बत) से होता है। यह नदी पर्वतीय प्रदेश में करनाली तथा मैदानी क्षेत्र में घाघरा कहलाती है। इसको अयोध्या में 'सरयू' उपनाम से भी पुकारा जाता है। अयोध्या इस नदी के किनारे स्थित सबसे बड़ा नगर भी है।
  - ➢ इसकी सहायक नदियाँ– राप्ती, करनाली, शिख, टीला, सेटी, छोटी गंडक आदि हैं। यह लखीमपुर खीरी एवं बहराइच से नेपाल की सीमा बनाते हुए प्रदेश में प्रवेश करती है।
- **चम्बल नदी** यमुना की सहायक नदी है। इसका उद्गम महू **(जनापाव पहाड़ी, मध्य प्रदेश)** से होता है। इसकी सहायक नदियों में – काली सिंध एवं बनास हैं। यह नदी अपनी अवनालिका अपरदन के कारण बीहड़ों के निर्माण के लिए प्रसिद्ध है। प्रदेश के **इटावा जिले** में यह यमुना में मिलती है।
- **रामगंगा नदी,** गंगा की सहायक नदी है। इसका उद्गम स्थल दूधटोली (पौड़ी गढ़वाल, उत्तराखण्ड) है। यह नदी बिजनौर (कालागढ़) जिले से प्रदेश में प्रवेश करती है तथा कन्नौज के निकट गंगा नदी में मिलती है। यह नदी **जिम कार्बेट नेशनल पार्क** से होकर बहती है। कालागढ़ बाँध रामगंगा नदी पर ही स्थित है।
- **गंडक नदी** का उद्गम स्थल **नेपाल** में है। **नेपाल** में इसे शालीग्रामी तथा तराई मैदान में नारायणी नाम से पुकारा जाता है। यह गंगा नदी की सहायक नदी है। गंडक नदी के बायीं तरफ से काली नदी एवं दायीं तरफ से त्रिशूल नदी मिलती है। यह नदी महराजगंज एवं कुशीनगर जिलों से होकर बहती है एवं बिहार की सीमा बनाती है।
- **राप्ती नदी** घाघरा की मुख्य सहायक नदी है। इसका उद्गम स्थल रुकुमकोट (धौलागिरी, नेपाल) है। इसकी मुख्य सहायक नदी **रोहिणी** है। यह नदी प्रदेश के गोरखपुर एवं देवरिया जिले की सीमा निर्धारित करते हुए देवरिया (बरहज) के पास घाघरा नदी में मिल जाती है।
- **काली या शारदा** नदी घाघरा की सहायक नदी है। इसका उद्गम स्थल **मिलाम ग्लेशियर ( कुमाऊँ हिमालय )** है। प्रारम्भ में इसे कालीगंगा या गौरीगंगा के नाम से जाना जाता है। यह नदी पीलीभीत एवं नेपाल की सीमा बनाती है। शारदा नदी अपने सर्पीले मार्ग से प्रवाहित होने के लिए प्रसिद्ध है।
- **बेतवा नदी** का उद्गम स्थल **कुमरागाँव** (रायसेन, म0 प्र0) है। यह यमुना की सहायक नदी है, जो प्रदेश के झाँसी, औरैया, जालौन एवं हमीरपुर जिलों से होकर बहती है। इसका संस्कृत में नाम **वेत्रवती** है। यह हमीरपुर के समीप यमुना में मिल जाती है।
- **सोन नदी** गंगा की सहायक नदी है। प्रदेश की एक मात्र नदी है जो उत्तर वाहिनी है। इसका उद्गम स्थल **अमरकंटक पहाड़ी ( म.प्र. )** से होता है। सोन की सहायक नदियों में रिहन्द, कन्हर, उत्तरी कोयल आदि है। सोन नदी उत्तर प्रदेश के मिर्जापुर एवं सोनभद्र जिलों से होकर प्रवाहित होती है।
- **गोमती नदी** का उद्गम **स्थल फुल्हर झील ( पीलीभीत )** है। यह प्रदेश की प्रमुख स्थलीय नदी है, जो गाजीपुर के पास गंगा नदी में मिलती है, जहाँ प्रसिद्ध मार्कण्डेय महादेव मंदिर स्थित है। लखनऊ एवं जौनपुर (पूर्व का शिराज) जैसे प्रसिद्ध नगर इसी नदी के किनारे स्थित हैं। कुकरैल व सई नदी गोमती की सहायक नदी है।
- **टोंस नदी (तमसा)** का उद्गम स्थल **तमसाकुंड** (कैमूर श्रेणी मध्य प्रदेश) है। यह गंगा की सहायक नदी है जो सिरसा (प्रयागराज) में गंगा से मिलती है। टोंस की प्रमुख सहायक नदी बेलन है।
- **हिन्डन नदी** यमुना की सहायक नदी है। इसका उद्गम स्थल शिवालिक श्रेणी है। यह सहारनपुर जिले से प्रदेश में प्रवेश करती है तथा गौतमबुद्ध नगर में यमुना नदी से मिलती है।
- कर्मनाशा नदी गंगा की सहायक नदी है। इसका उद्गम स्रोत कैमूर पर्वत (बिहार) है। यह प्रदेश के मिर्जापुर के मैदानी भागों में बहती है। यह नदी बिहार एवं उत्तर प्रदेश की सीमा निर्धाति करती है।



Join @yct_hub For More Exclusive PDFs

| नदियों के किनारे स्थित उत्तर प्रदेश के प्रमुख नगर | |
|---|---|
| **नदी** | **नगर** |
| गंगा | शेरपुर (बलिया), गाजीपुर, वाराणसी, मिर्जापुर, प्रयागराज, श्रृंगवेरपुर (प्रयागराज) कलाकांकर (प्रतापगढ़), डालमऊ (रायबरेली), बक्सर (उन्नाव), काम्पिल्य (फर्रुखाबाद), कानपुर, बिठूर, फतेहगढ़ (फर्रुखाबाद), बदायूँ, कन्नौज, अनूपशहर (बुलन्दशहर), गढ़मुक्तेश्वर (हापुड़) |
| रामगंगा | मुरादाबाद, बदायूँ, बिजनौर, बरेली |
| यमुना | प्रयागराज, कौशाम्बी, हमीरपुर, इटावा, काल्पी, बटेश्वर, आगरा, मथुरा, वृंदावन, बागपत |
| गोमती | जौनपुर, सुल्तानपुर, लखनऊ, पीलीभीत, शाहजहांपुर, सीतापुर, लखीमपुर खीरी |
| सरयू | अयोध्या, गोला, बड़हलगंज, बहराइच |
| राप्ती | गोरखपुर, बहराइच, बस्ती, गोण्डा |
| केन | बांदा |
| बेतवा | हमीरपुर |
| सई नदी | प्रतापगढ़ |
| सोन नदी | सोनभद्र |
| हिण्डन | गाज़ियाबाद, नोएडा, ग्रेटर नोएडा |

| नदी | उदगम स्थल | कुल दूरी ( किमी. में ) |
|---|---|---|
| **हिमालयी क्षेत्र से निकलने वाली नदियाँ** | | |
| गंगा | उत्तराखण्ड | 2525 |
| यमुना | उत्तराखण्ड | 1376 |
| शारदा | उत्तराखण्ड | 350 |
| रामगंगा | उत्तराखण्ड | 596 |
| सरयू | तिब्बत | 1080 |
| गंडक | नेपाल | 630 |
| राप्ती | नेपाल | 640 |
| **मैदानी क्षेत्र से निकलने वाली नदियाँ** | | |
| गोमती | पीलीभीत (उत्तर प्रदेश) | 900 |
| वरूणा | फूलपुर (उत्तर प्रदेश) | 100 |
| सई नदी | हरदोई (उत्तर प्रदेश) | 563 |
| **पर्वतीय क्षेत्रों से निकलने वाली नदियाँ** | | |
| चम्बल | मध्य प्रदेश | 1051 |
| बेतवा | मध्य प्रदेश | 590 |
| केन | मध्य प्रदेश | 427 |
| सोन | मध्य प्रदेश | 784 |
| सिंध | मध्य प्रदेश | 416 |
| टोंस | मध्य प्रदेश | 265 |
| कन्हार | छत्तीसगढ़ | 100 |
| रिहन्द | छत्तीसगढ़ | 250 |

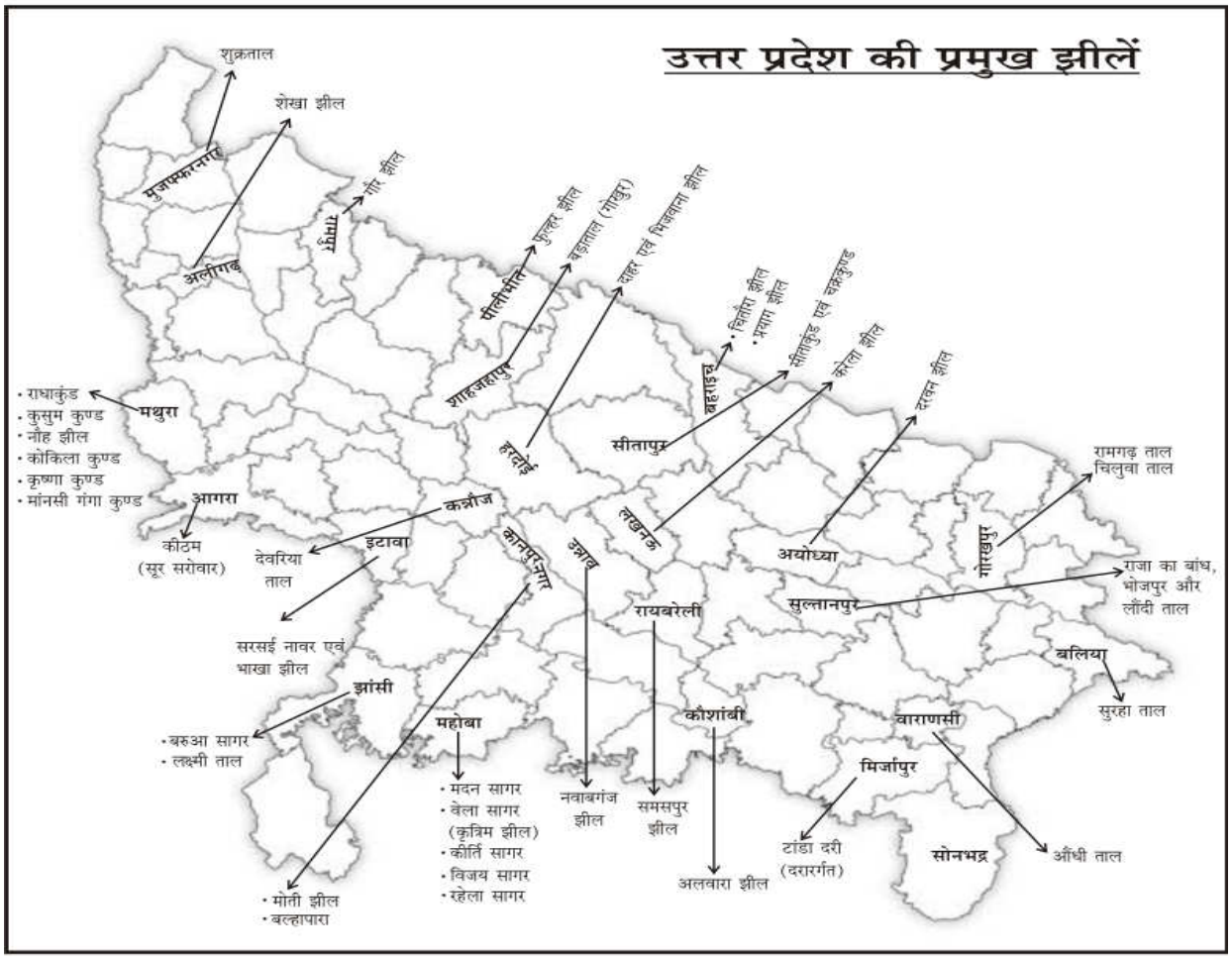




Join @yct_hub For More Exclusive PDFs

Search @yct_hub to Join Channel

| उत्तर प्रदेश की प्रमुख झीलें | | |
|---|---|---|
| **क्र.सं.** | **झील** | **स्थिति** |
| **1.** | सुरहाताल | बलिया |
| **2.** | मोती झील | कानपुर शहर |
| **3.** | करेला झील | लखनऊ |
| **4.** | शेखा झील | अलीगढ़ |
| **5.** | समसपुर झील | रायबरेली |
| **6.** | राधाकुंड झील | मथुरा |
| **7.** | औंधी ताल (झील) | वाराणसी |
| **8.** | बल्हापारा झील | कानपुर |
| **9.** | राजा का बाँध (झील) | सुल्तानपुर |
| **10.** | रामगढ़ ताल (झील) | गोरखपुर |
| **11.** | कुंद्रा समुद्र (झील), नवाबगंज झील | उन्नाव |
| **12.** | दरवन झील | अयोध्या |
| **13.** | बरुआ सागर (झील) | झाँसी |
| **14.** | चितौरा झील | बहराइच |
| **15.** | बेलासागर (कृत्रिम झील) | महोबा |
| **16.** | बड़ाताल (गोखुर) झील | शाहजहाँपुर |
| **17.** | टांडादरी, दरारगर्त झील | मिर्जापुर |
| **18.** | गौर झील | रामपुर |
| **19.** | सूरसरोवर (कीमठ) झील | आगरा |
| **20.** | मदनसागर झील | महोबा |
| **21.** | लीलौर झील | बरेली |
| **22.** | देवरिया ताल, लाख-बहोसी झील | कन्नौज |
| **23.** | बखीरा झील | संतकबीर नगर |
| **24.** | बेंती झील (नइया) | प्रतापगढ़ |
| **25.** | गोविन्द बल्लभपंत सागर (कृत्रिम झील) | सोनभद्र |
| **26.** | शुक्रताल झील | मुजफ्फरनगर |
| **27.** | पार्वती-अरगा ताल | गोण्डा |

| उत्तर प्रदेश के रामसर आर्द्रभूमि स्थल | | | |
|---|---|---|---|
| **क्र. सं.** | **स्थल** | **जिला** | **घोषणा तिथि** |
| **1.** | नवाबगंज पक्षी विहार | उन्नाव | 19-9-2019 |
| **2.** | पार्वती-अरगा पक्षी विहार | गोंडा | 2-12-2019 |
| **3.** | समान पक्षी विहार | मैनपुरी | 2-12-2019 |
| **4.** | समसपुर पक्षी विहार | रायबरेली | 3-10-2019 |
| **5.** | सांडी पक्षी विहार | हरदोई | 26-9-2019 |
| **6.** | सरसई नावर झील | इटावा | 19-9-2019 |
| **7.** | सूर सरोवर | आगरा | 21-8-2020 |
| **8.** | ऊपरी गंगा नदी | बृजघाट से नरौरा | 8-11-2005 |
| **9.** | बखिरा वन्य जीव अभ्यारण्य | संत कबीर नगर | 29-06-2021 |
| **10.** | हैदरपुर आर्द्रभूमि | मुजफ्फर-नगर | 13-04-2021 |



Join @yct_hub For More Exclusive PDFs

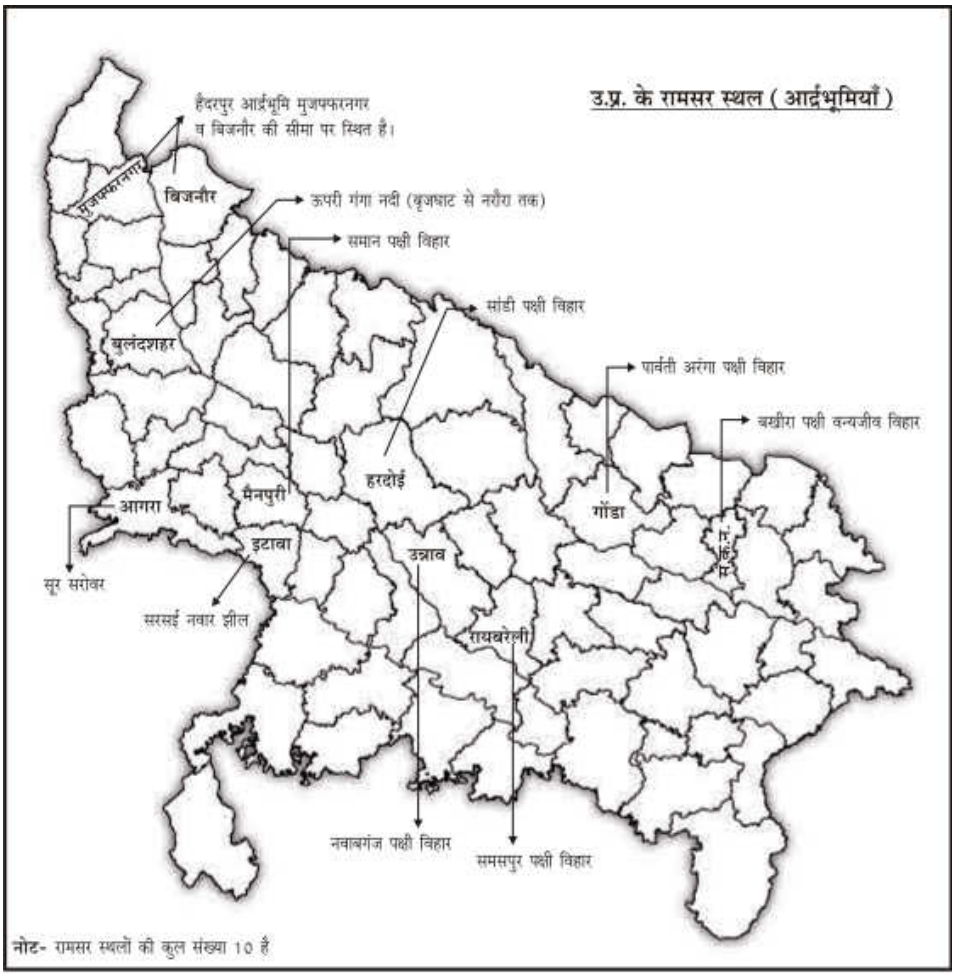


# EXAM CAPSULE

| | |
|---|---|
| ■ राम गंगा नदी, गंगा नदी में मिलती है– **कन्नौज के पास** | **UPPCS (Pre) 2023** |
| ■ निचली गंगा नहर कहाँ पर गंगा से निकलती है– **नरौरा** | **Allahabad High Court ARO 20-12-2021 Shift-II** |
| ■ बुन्देलखण्ड की अर्थव्यवस्था में सबसे बड़ा योगदान किस नदी का है– **बेतवा** | **Allahabad High Court ARO 14-12-2021 Shift-II** |
| ■ फुल्हर झील भारत के किस राज्य में स्थित है– **उत्तर प्रदेश** | **Allahabad High Court CA/RGC 18-12-2021 Shift-II** |
| ■ सुरहा ताल एक ..... झील है– **चाप** | **Allahabad High Court ARO 20-12-2021 Shift-II** |
| ■ पण्डित दीन दयाल उपाध्याय पशु चिकित्सा विश्वविद्यालय कहाँ पर है– **मथुरा** | **Allahabad High Court ARO 15-12-2021 Shift-II** |
| ■ गंगा नदी, उत्तर प्रदेश में किस जनपद से प्रवेश करती है– **बिजनौर** | **UPPSC RO ARO (Mains) 2021 UPPSC ACF/RFO Mains I[st] Paper 2019** |
| ■ कौन-सा रामसर स्थल उत्तर प्रदेश में स्थित नहीं है– **सुरिंसर-मानसर झीलें** | **UPPCS (Pre) 2021** |
| ■ देवदरी एवं राजदरी जल प्रपात किस स्थान पर स्थित है– **चंदौली** | **UPPSC Vetting Officer 2020** |
| ■ किस नदी का जल ग्रहण क्षेत्र सर्वाधिक है– **सोन** | **UPPSC RO/ARO (Mains) 2017** |
| ■ उत्तर प्रदेश में, किस स्थल को रामसर स्थल के रूप में नामित किया गया है– **ऊपरी गंगा नदी** | **Lower-II (Re-exam) (28-07-2019)** |



Join @yct_hub For More Exclusive PDFs

# 7 उत्तर प्रदेश : कृषि एवं पशुपालन

उत्तर प्रदेश की लगभग 59.3 प्रतिशत जनसंख्या कृषि पर निर्भर है। जिसमें कुल कृषि श्रमिक 30.3 प्रतिशत एवं कुल कृषक 29.0 प्रतिशत हैं।

कृषि की आधुनिक तकनीक का उपयोग कर उत्पादन तथा उत्पादकता में वृद्धि की दिशा में कृषकों की मेहनत एवं प्रयास के परिणामस्वरूप उत्तर प्रदेश देश का सर्वाधिक खाद्यान्न उत्पादक राज्य बन गया है। कृषि संगणना 2015-16 के अनुसार उत्तर प्रदेश में क्रियाशील जोतों की संख्या 23.82 मिलियन है जो कि देश में सर्वाधिक है। आर्थिक समीक्षा 2022-23 के अनुसार, वर्ष 2021-22 में राज्य की अर्थव्यवस्था में प्राथमिक क्षेत्र का जीएसवीए में योगदान 28.4 प्रतिशत (प्रचलित कीमतों पर) का है।

- प्रदेश में औसत क्रियाशील जोत आकार — 0.73 हेक्टेयर
- कृषि जलवायु प्रदेश — 09
- अफीम फैक्ट्री — गाजीपुर
- सर्वाधिक सिंचाई — नलकूप>नहर>कुआं
- उत्तर प्रदेश कृषि अनुसंधान परिषद — लखनऊ
- केंद्रीय कृषि वानिकी अनुसंधान केन्द्र — झांसी
- भारतीय गन्ना अनुसंधान संस्थान — लखनऊ
- भारतीय दलहन अनुसंधान संस्थान — कानपुर
- भारतीय सब्जी अनुसंधान संस्थान — वाराणसी
- केन्द्रीय उपोष्ण बागवानी संस्थान — लखनऊ
  (पूर्व नाम केन्द्रीय आम अनुसंधान संस्थान)
- भारतीय चारागाह एवं चारा अनुसंधान संस्थान — झांसी
- पान प्रयोग एवं प्रशिक्षण केन्द्र — महोबा

## कृषि प्रौद्योगिकी

- सरदार बल्लभभाई कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय — मेरठ
- चन्द्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय — कानपुर
- आचार्य नरेन्द्र देव कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय — अयोध्या (फैजाबाद)
- बांदा कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय — बांदा
- रानी लक्ष्मीबाई केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय — झाँसी
- राजकीय ऊतक संवर्धन प्रयोगशाला — लखनऊ
- राजकीय खाद्य प्रसंस्करण प्रौद्योगिकी संस्थान — लखनऊ
- उत्तर प्रदेश गन्ना अनुसंधान परिषद — शाहजहाँपुर
- केन्द्रीय आलू अनुसंधान संस्थान का क्षेत्रीय केंद्र — मेरठ

## कृषि नीति / महत्वपूर्ण योजनाएँ / कार्यक्रम

- किसान बही योजना — 1992
- उ. प्र. बीज विकास निगम — 2002
- कृषि उत्पादन मण्डी अधिनियम — 1964
- उ. प्र. जमींदारी उन्मूलन एवं भूमि सुधार अधिनियम— 1950
- किसान क्रेडिट कार्ड योजना – 1998-1999
- किसान रथ योजना – 2010-2011
- चकबन्दी योजना – 1954
- एण्टी भू-माफिया टास्क फोर्स का गठन – 1 मई, 2017

■ उत्तर प्रदेश में कृषि संगणना वर्ष 2015-16 के आँकड़ों के अनुसार 17.45 मिलियन हेक्टेयर कृषि योग्य भूमि है जो देश की कुल कृषि योग्य भूमि का 11.06 प्रतिशत है।

■ आर्थिक समीक्षा 2021-22 के अनुसार वर्ष 2020-21 (चतुर्थ अग्रिम अनुमान) में उत्तर प्रदेश देश के कुल खाद्यान्न उत्पादन का 18.89 प्रतिशत हिस्सा (58.32MT) अकेले उत्पादित कर प्रथम स्थान पर है।

■ कृषि गणना 2015-16 के आँकड़ों के अनुसार एक हेक्टेयर से कम आकार की जोतों का प्रतिशत उत्तर प्रदेश में 80.18 है।

■ उत्तर प्रदेश में वर्ष भर में तीन फसलें उत्पादित की जाती हैं–

(1) **रबी की फसल**–गेहूँ, जौ, चना, मटर, सरसों, तम्बाकू, आलू आदि।

(2) **खरीफ की फसल**–चावल, ज्वार, बाजरा, कपास, मक्का।

(3) **जायद की फसल**–खरबूज, तरबूज, ककड़ी, काशीफल, सब्जियाँ।



Join @yct_hub For More Exclusive PDFs

**प्रमुख फसलें एवं उत्पादक क्षेत्र –**

- **गेहूँ**–आर्थिक समीक्षा 2022-23 के अनुसार उत्तर प्रदेश देश का सर्वाधिक गेहूँ उत्पादक (31.38%) राज्य है।
- वर्ष 2023-24 के तृतीय अग्रिम अनुमान के अनुसार अखिल भारतीय स्तर पर गेहूँ का कुल उत्पादन 112.9 मीट्रिक टन हुआ जिसमें उत्तर प्रदेश द्वारा 35.43 मीट्रिक टन का उत्पादन किया गया।
- वर्ष 2022-23 में उत्तर प्रदेश में गेहूँ की फसल का कुल क्षेत्र 9.50 मिलियन हेक्टेयर है जो सम्पूर्ण भारत में गेंहूँ के कृषि क्षेत्र का 30.19 प्रतिशत है। इस प्रकार सम्पूर्ण भारत में उत्तर प्रदेश गेहूँ के उत्पादन एवं गेहूँ के अन्तर्गत भू-क्षेत्र के मामले में प्रथम स्थान पर है।
- **गेहूँ उत्पादक प्रमुख जिले**– आगरा, मेरठ, बुलंदशहर, सहारनपुर, अलीगढ़, मुजफ्फरनगर, मुरादाबाद, कानपुर, इटावा इत्यादि।
- गेहूँ की बुआई अक्टूबर–नवम्बर माह में तथा फसल की कटाई मार्च-अप्रैल माह में की जाती है।
- **चावल**–आर्थिक समीक्षा 2023-24 के अनुसार तेलंगाना (12.17%) के बाद उत्तर प्रदेश (11.50%) चावल उत्पादन के मामले में दूसरे स्थान पर है।
- वर्ष 2023-24 के तृतीय अग्रिम अनुमान के अनुसार अखिल भारतीय स्तर पर चावल का कुल उत्पादन 136.7 मीट्रिक टन हुआ जिसमें उत्तर प्रदेश द्वारा 15.72 मीट्रिक टन का उत्पादन किया गया।
- वर्ष 2022-23 के अनुसार उत्तर प्रदेश के कुल 5.79 मिलियन हेक्टेयर क्षेत्र में चावल की खेती की जाती है।
- देश में चावल की कृषि के अंतर्गत सर्वाधिक क्षेत्र उत्तर प्रदेश (13.11 %) में है।
- **चावल के प्रमुख उत्पादक जिले**–सहारनपुर, महाराजगंज, पीलीभीत, बहराइच, गोंडा, बस्ती, रायबरेली, गोरखपुर, मऊ, बलिया, वाराणसी, लखनऊ इत्यादि हैं।
- धान के फसल की रोपाई मई-जून माह में होती है एवं सितम्बर-अक्टूबर माह में काटी जाती है।
- **गन्ना**-गन्ना उत्तर प्रदेश की प्रमुख वाणिज्यिक फसल है। आर्थिक समीक्षा 2023-24 के अनुसार गन्ना उत्पादन में उत्तर प्रदेश का देश में प्रथम स्थान है।
- वर्ष 2023-24 के तृतीय अग्रिम अनुमान के अनुसार अखिल भारतीय स्तर पर गन्ने का कुल उत्पादन 442.5 मीट्रिक टन हुआ, जिसमें उत्तर प्रदेश द्वारा 205.56 मीट्रिक टन का उत्पादन किया गया।
- उत्तर प्रदेश में अखिल भारत के 48.35 प्रतिशत क्षेत्र (चतुर्थ अग्रिम अनुमान = 2019-20) में गन्ना की खेती की जाती है।
- उत्तर प्रदेश में गन्ने की कृषि मुख्यतः तराई एवं गंगा-यमुना दोआब में की जाती है।
- **प्रमुख गन्ना उत्पादक जिले**– मेरठ, मुजफ्फरनगर, गाजियाबाद, बुलंदशहर, अलीगढ़, मुरादाबाद, सहारनपुर, पीलीभीत, सीतापुर, लखीमपुर खीरी, गोंडा, बलिया, बस्ती, कुशीनगर, महाराजगंज, गोरखपुर इत्यादि हैं।
- गन्ना के उत्पादन में मेरठ अग्रणी जिला है। मेरठ का गन्ना उत्तम कोटि का होता है।
- **बाजरा**–बाजरा खरीफ की फसल है जो कम वर्षा वाले क्षेत्रों में बोयी जाती है।
  - **बाजरा उत्पादक प्रमुख जिले**– मथुरा, आगरा, बदायूँ, अलीगढ़, एटा, फिरोजाबाद, मुरादाबाद, गाजीपुर, कानपुर इत्यादि हैं।
  - बाजरा का सर्वाधिक उत्पादन आगरा जिले में होता है।
  - बाजरा की बुआई जून-जुलाई माह में एवं फसल की कटाई सितम्बर-अक्टूबर माह में की जाती है।

## अन्य प्रमुख फसलें एवं उत्पादक जिले

| फसल | | उत्पादक जिले/क्षेत्र |
|---|---|---|
| **मक्का** | – | मेरठ, बुलंदशहर, गाजियाबाद, फर्रुखाबाद, बहराइच, गोंडा, जौनपुर, एटा, मैनपुरी, फिरोजाबाद |
| **चना** | – | ललितपुर, बांदा, हमीरपुर, जालौन, झांसी, मिर्जापुर, सोनभद्र, कानपुर, फतेहपुर, सीतापुर (सर्वाधिक उत्पादन बुंदेलखण्ड क्षेत्र में होता है।) |
| **अरहर** | – | वाराणसी, झाँसी, लखनऊ, प्रयागराज, ललितपुर। |
| **मूंगफली** | – | हरदोई, सीतापुर, एटा, मुरादाबाद, बदायूँ। |
| **कपास** | – | कानपुर, इटावा, एटा, बुलंदशहर, अलीगढ़, मथुरा, रामपुर, बरेली। |
| **सरसों** | – | गोंडा, बहराइच, मिर्जापुर, सोनभद्र, सीतापुर, कानपुर, सहारनपुर, मेरठ, अयोध्या, सुल्तानपुर, मथुरा, अलीगढ़। |
| **अलसी** | – | सोनभद्र, मिर्जापुर, प्रयागराज, गोंडा, बहराइच, हमीरपुर। |
| **जूट** | – | बहराइच, देवरिया, गोंडा, लखीमपुर खीरी, सीतापुर, गोरखपुर। |
| **तम्बाकू** | – | मेरठ, गाजियाबाद, बुलंदशहर, सहारनपुर, फर्रुखाबाद, मैनपुरी, गोण्डा। |



Join @yct_hub For More Exclusive PDFs

**उत्तर प्रदेश फसल चक्र**

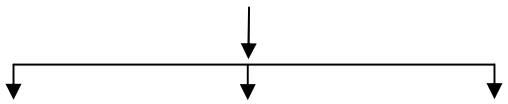

| बुंदेलखण्ड | पश्चिमी उत्तर प्रदेश | पूर्वी उत्तर प्रदेश |
|---|---|---|
| ज्वार + अरहर | मक्का-आलू-प्याज | धान-मसूर |
| ज्वार + चना | मक्का-आलू-गेहूँ | ज्वार + अरहर - गेहूँ |
| | धान - गेहूँ/जौ | धान–मटर |
| कोदो–चना | ज्वार–गेहूँ | धान या मक्का/गेहूँ |
| ज्वार–जौ | मक्का-आलू-गन्ना | धान–गेहूँ + सरसों, धान-जौ, गन्ना, हरी खाद |

## फल उत्पादन

उत्तर प्रदेश में तराई क्षेत्र एवं मैदानी भागों में विविध प्रकार के फलों का उत्पादन किया जाता है। उत्तर प्रदेश के मैदानी भागों में आम, पपीता, आँवला, अमरूद, केला, अंगूर, नींबू, तरबूज आदि एवं तराई क्षेत्र में नाशपाती, सेब, अखरोट, स्ट्राबेरी, आड़ू, खुबानी आदि फल उत्पादित किए जाते हैं।

**आम–** वर्ष 2023-24 में उत्तर प्रदेश भारत का सबसे बड़ा आम उत्पादक राज्य बनकर उभरा है। उत्तर प्रदेश में उत्पादित आम 'नवाब ब्रांड' के नाम से प्रचलित है। उत्तर प्रदेश में आम उत्पादक प्रमुख जिले हैं– लखनऊ, सीतापुर, वाराणसी, सहारनपुर, गाजियाबाद, मेरठ, कानपुर, रायबरेली, प्रतापगढ़, बरेली आदि।

- प्रदेश में उत्पादित आम की प्रमुख किस्में हैं–दशहरी, चौसा, लंगड़ा, रटौल, मलीहाबादी, सफेदा, लखनऊ सफेदा, सुरखा, मटियारी, हुस्नआरा, बॉम्बे ग्रीन, मल्लिका, आम्रपाली आदि।
- दशहरी आम का उत्पादन लखनऊ के समीपवर्ती क्षेत्र मलीहाबाद में होता है।
- लंगड़ा आम वाराणसी में उत्पादित किया जाता है।
- सफेदा व चौसा आम की प्रजाति सहारनपुर में मिलती है।

**केला–** प्रदेश में केले की विभिन्न किस्मों का उत्पादन किया जाता है। मालभोग, चीनी, चम्पा, अल्पान, अधेश्वर, दूधसागर, प्रमुख किस्में हैं।

- प्रदेश में केले का उत्पादन कौशाम्बी, प्रयागराज, वाराणसी, गोरखपुर में किया जाता है।

**आँवला–** उत्तर प्रदेश आँवला उत्पादन में देश का अग्रणी राज्य है। वर्ष 2017-18 के आकड़ों के अनुसार यहाँ अखिल भारत का लगभग 36 प्रतिशत आँवला उत्पादित किया जाता है।

- आँवला का उत्पादन प्रतापगढ़ जिले में सर्वाधिक किया जाता है।

**अमरूद–** प्रदेश में अमरूद की इलाहाबादी सफेदा, लखनऊ-49 (सरदार), ललित, सुर्खा, प्रमुख किस्में हैं।

- अमरूद का सर्वाधिक उत्पादन प्रयागराज, कौशाम्बी, बदायूँ, फैजाबाद, कानपुर व बरेली जिले में होता है।
- प्रदेश के लीची उत्पादक जिले सहारनपुर व मेरठ हैं।
- पपीते का उत्पादन उन्नाव, लखनऊ, सहारनपुर, अयोध्या में होता है।
- प्रदेश में संतरे का उत्पादन बुन्देलखण्ड क्षेत्र एवं सहारनपुर में होता है।
- पान का उत्पादन महोबा में किया जाता है। महोबा में 'पान प्रयोग एवं प्रशिक्षण केन्द्र' स्थापित किया गया है।

## कृषि सम्बन्धित महत्वपूर्ण तथ्य

- आम हेतु प्रशिक्षण एवं प्रयोग केन्द्र लखनऊ में स्थित है।
- अमरूद हेतु प्रशिक्षण एवं प्रयोग केन्द्र प्रयागराज में है।
- कन्नौज पुष्प इत्र के लिए प्रसिद्ध है।
- उत्तर प्रदेश के आलू को 'ताज ब्रांड' नाम से दूसरे राज्यों में भेजा जाता है।
- आलू उत्पादन में उत्तर प्रदेश का प्रथम स्थान है। केंद्रीय आलू अनुसंधान संस्थान का क्षेत्रीय केंद्र मोदीपुरम, मेरठ में स्थित है।
- प्रदेश की एकमात्र अफीम फैक्ट्री गाजीपुर में स्थित है। प्रदेश में अफीम का सबसे बड़ा उत्पादक जिला बाराबंकी है।
- आदर्श पुष्पोत्पादन केन्द्र लखनऊ में स्थापित किया गया है।
- भारत में कुल 9 आदर्श पुष्पोत्पादन केन्द्र स्थापित किए गए हैं।
- राजकीय खाद्य प्रसंस्करण संस्थान लखनऊ में स्थापित है।
- उत्तर प्रदेश में संतरे की नागपुरी किस्में उत्पादित की जाती हैं।
- अदरक की खेती बुन्देलखण्ड में सर्वाधिक की जाती है।
- उत्तर प्रदेश में राष्ट्रीय जैव उर्वरक विकास केन्द्र गाजियाबाद में है।
- पशु जैविक औषधि संस्थान लखनऊ में स्थित है।



Join @yct_hub For More Exclusive PDFs

- उत्तर प्रदेश राज्य कृषि नीति, 2013 के अन्तर्गत कृषि क्षेत्र में 5.1% की वृद्धि दर का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।

## पशुधन एवं दुग्ध विकास

उत्तर प्रदेश की ग्रामीण अर्थव्यवस्था की मजबूती एवं रोजगार की दृष्टि से पशुधन का विशेष महत्व है। उत्तर प्रदेश कुल पशुधन की दृष्टि से देश में प्रथम स्थान पर है। इसका दुग्ध उत्पादन में भी प्रथम स्थान है। उत्तर प्रदेश पशुपालन विभाग की स्थापना वर्ष 1944 में की गयी।

- वर्ष 2019 की 20वीं पशुगणना के अनुसार भारत में पशुओं की कुल संख्या 535.8 मिलियन है जो कि वर्ष 2012 की तुलना 4.8 प्रतिशत अधिक है।
- उत्तर प्रदेश में कुल पशुओं की संख्या 68.0 मिलियन है। कुल पशुओं की संख्या के मामले में उत्तर प्रदेश का प्रथम स्थान है। 2012 पशु जनगणना में उ.प्र. में पशुओं की जनसंख्या 68.7 मिलियन थी, वर्तमान में 1.02 प्रतिशत की कमी आई है।
- कुल पशुधन की दृष्टि से शीर्ष राज्य उत्तर प्रदेश, राजस्थान, मध्य प्रदेश एवं पश्चिम बंगाल हैं।
- 20वीं पशुगणना के अनुसार भैंसों की संख्या की दृष्टि से उत्तर प्रदेश का प्रथम स्थान है। उत्तर प्रदेश में भैसों की कुल संख्या 33 मिलियन है।
- भैंसों की संख्या की दृष्टि से राज्यों का क्रम इस प्रकार है–उत्तर प्रदेश, राजस्थान, गुजरात, मध्य प्रदेश।
- 20वीं पशुगणना के अनुसार मवेशियों की कुल संख्या की दृष्टि से उत्तर प्रदेश का द्वितीय स्थान है।
- मवेशियों की कुल संख्या की दृष्टि से राज्यों का क्रम है–पश्चिम बंगाल, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, बिहार, महाराष्ट्र।
- वर्ष 2023 के आँकड़ों के अनुसार उत्तर प्रदेश का दुग्ध उत्पादन में प्रथम स्थान है। प्रदेश में देश का 15.72 प्रतिशत दुग्ध उत्पादन होता है।
- वर्ष 2023 के आँकड़ों के अनुसार दुग्ध उत्पादन की दृष्टि से राज्यों का क्रम है–उत्तर प्रदेश (15.72%), राजस्थान (14.44%), मध्य प्रदेश (8.73%), गुजरात (7.49%)।
- वर्ष 2022-23 में उत्तर प्रदेश में कुल दुग्ध उत्पादन 36241.74 हजार टन रहा है।
- वर्ष 2022-23 में भारत में प्रति व्यक्ति दुग्ध उपलब्धता 459 ग्राम प्रतिदिन रही है। उत्तर प्रदेश में प्रति व्यक्ति दुग्ध उपलब्धता 426 ग्राम प्रतिदिन है।
- बेसिक एनिमल हस्बैंडरी स्टेटिक्स 2023 के अनुसार मांस उत्पादन में उत्तर प्रदेश (12.20%) का प्रथम स्थान है। देश में कुल मांस उत्पादन 9.77 मिलियन टन था, जिसमें पिछले वर्ष की तुलना में 5.13 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है।
- भारत में दुग्ध व्यवसाय के क्षेत्र में सहकारिता की शुरुआत उत्तर प्रदेश में की गई। सन् 1917 में उत्तर प्रदेश के इलाहाबाद (अब प्रयागराज) जनपद में 'कटरा सहकारी दुग्ध समिति इलाहाबाद की स्थापना की गई थी।
- भारत के प्रथम दुग्ध संघ 'लखनऊ दुग्ध उत्पादक सहकारी संघ लिमिटेड' की स्थापना उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में **सन् 1938** में की गयी।
- इसके बाद प्रयागराज सन् 1941, वाराणसा सन् 1947, कानपुर सन् 1948 तथा मेरठ सन् 1951 में सहकारी दुग्ध संघ स्थापित होते रहे।
- दुग्ध व्यवसाय में तकनीकी सलाहकारी संस्था 'प्रादेशिक कोऑपरेटिव डेयरी फेडरेशन लिमिटेड' की स्थापना सन् 1962 में की गई थी।
- **वर्ष 1976** में उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा **उत्तर प्रदेश दुग्ध अधिनियम, 1976** पारित किया गया।
- दुग्ध विकास विभाग की स्वतंत्र रूप से स्थापना वर्ष 1976 में की गई।
- वर्ष 1976 में राज्य दुग्ध परिषद व दुग्ध विकास विभाग का भी गठन किया गया।
- उत्तर प्रदेश में दुग्ध उत्पादन में वृद्धि के लिए ऑपरेशन फ्लड नामक अभियान तीन चरणों में चलाया गया। ऑपरेशन फ्लड-1 योजना की शुरुआत 1970-71 में राज्य के 8 जनपदों में की गई।
- अप्रैल 1981 से मार्च 1985 तक ऑपरेशन फ्लड द्वितीय चलाया गया।
- दुग्ध व्यवसाय के विस्तार के लिए दुग्ध उत्पादन की सम्भावना वाले 30 जनपदों का चयन कर ऑपरेशन फ्लड तृतीय की शुरुआत हुई जिसे 1985 से 1996 तक चलाया गया।
- ऑपरेशन फ्लड योजना के तृतीय चरण में चयनित 30 जनपदों में 30 दुग्ध संघों का गठन किया गया।
- प्रदेश में शासनादेश दिनांक 7 जून, 2018 द्वारा उ.प्र. दुग्ध नीति, 2018 लागू की गई है।



Join @yct_hub For More Exclusive PDFs

# EXAM CAPSULE

| | |
|---|---|
| ■ उत्तर प्रदेश राजस्व संहिता, 2006 की 'परिभाषा' के तहत, कौन 'कृषि मजदूर' के रूप में अर्हता प्राप्त करता है– **वह व्यक्ति जिसकी आजीविका का मुख्य स्रोत कृषि भूमि पर शारीरिक श्रम है** | **UP Police Asst. Operator 05/02/2024 Shift-II** |
| ■ उत्तर प्रदेश किस फसल का सबसे बड़ा उत्पादक है– **गेहूँ** | **Allahabad High Court ARO 14-12-2021 Shift-II** **Allahabad High Court RO 10--12-2021 Shift-II** |
| ■ कौन सा राज्य गन्ने का सबसे बड़ा उत्पादक हैं– **उत्तर प्रदेश** | **Allahabad High Court CA/RGC 28-09-2014** |
| ■ कौन सा जनपद, आँवले के उत्पादन के लिए प्रसिद्ध है– **प्रतापगढ़** | **Allahabad High Court CA/RGC 28-09-2014** |
| ■ उत्तर प्रदेश में, किसमें बाजारू अधिक्य सर्वाधिक है– **गेहूँ** | **Allahabad High Court CA/RGC 28-09-2014** |
| ■ मार्च 2021 में उत्तर प्रदेश के सिद्धार्थ नगर जिले में 'कालानमक' _____ उत्सव का आयोजन हुआ– **चावल** | **Allahabad High Court CA/RGC 21-12-2021 Shift-I** |
| ■ कौन सी फसलें पश्चिमी उत्तर प्रदेश के लिए सबसे उपयुक्त है– **मक्का, आलू, गेहूँ** | **Allahabad High Court ARO 14-12-2021 Shift-I** |
| ■ चिया के बीज अब उत्तर प्रदेश में उगाये जा रहे हैं, वह किसके अच्छे स्रोत हैं– **ओमेगा-3 वसा अम्ल और रेशा** | **Allahabad High Court ARO 14-12-2021 Shift-I** |
| ■ वर्षा और मिट्टी के प्रकार के आधार पर उत्तर प्रदेश में कितनी कृषि जलवायु क्षेत्र है– **9** | **Allahabad High Court ARO 16-12-2021 Shift-I** |
| ■ उत्तर प्रदेश में जायद फसल– **मार्च में बोई जाती है और जून में काटी जाती है** | **Allahabad High Court RO 11--12-2021 Shift-I** |
| ■ प्रयागराज किस फल के लिए प्रसिद्ध है– **अमरूद** | **Allahabad High Court RO 12--12-2021 Shift-I** |
| ■ ब्यूरो ऑफ उत्तर प्रदेश द्वारा, कृषि के संबंधित सूचनाओं के लिए कौन-सी पत्रिका प्रकाशित की गई है– **कृषि और पशुपालन** | **Allahabad High Court RO 05--01-2022 Shift-II** |
| ■ भारतीय पशु चिकित्सा अनुसंधान संस्थान उत्तर प्रदेश में किस स्थान पर स्थित है– **इज्जत नगर बरेली** | **Allahabad High Court ARO 24-02-2019** |
| ■ भारतीय पशु चिकित्सा अनुसंधान संस्थान जहाँ स्थित है, वह शहर है– **इज्जत नगर, बरेली** | **Allahabad High Court RO 10--12-2021 Shift-I** |
| ■ उत्तर प्रदेश पं दीन दयाल उपाध्याय पशु आरोग्य शिविर योजना का उद्देश्य है– **दुग्ध उत्पादन बढ़ाना** | **Allahabad High Court RO 11--12-2021 Shift-II** |
| ■ उत्तर प्रदेश में 'कृषक समृद्धि आयोग' का गठन किस वर्ष में हुआ था– **2017** | **UPPSC ACF/RFO (Mains) 2021 Paper-I** |



Join @yct_hub For More Exclusive PDFs

| | |
|---|---|
| ■ उत्तर प्रदेश कृषि अनुसंधान परिषद किस स्थान पर स्थित है– **लखनऊ** | **UPPSC RO ARO (Mains) 2021** |
| ■ कौन सा राज्य ट्यूब-वेल सिंचाई के क्षेत्र में सर्वोच्च है– **उत्तर प्रदेश** | **UPPSC RO/ARO Pre 2021** |
| ■ यू.पी. में पशु-प्रोटीन का प्रति व्यक्ति उपभोग है– **5 g** | **UPPSC Health Inspector 2013** |
| ■ उत्तर प्रदेश में परम्परागत भूमि मापन इकाई है– **बीघा** | **UPPCS (Mains) GS I$^{st}$ 2016** |
| ■ 'गोकुल पुरस्कार योजना' सम्बन्धित है- **दुग्ध उत्पादन से** | **UPPSC ACF - 2017** |
| ■ पहला केंचुआ बीज बैंक जहाँ स्थापित होने जा रहा है, वह स्थान है– **इज्जतनगर (बरेली)** | **UPPSC BEO Re-exam-2006-I** |
| ■ उत्तर प्रदेश का कौन सा शहर 'मैंगो फूड फेस्टिवल' की मेजबानी करता है– **लखनऊ** | **UPPSC ACF/RFO Mains Ist Paper 2019** |
| ■ उत्तर प्रदेश के किस क्षेत्र में अन्ना प्रथा उस क्षेत्र के कृषि एवं वानिकी के विकास के लिए अभिशाप है– **उ.प्र. का बुन्देलखण्ड क्षेत्र** | **UPPSC BEO (Pre) 2019** |
| ■ उ.प्र. की 10वीं पंचवर्षीय योजना में किस क्षेत्र के विकास को सर्वोच्च प्राथमिकता दी गई है– **कृषि** | **UPPSC Health Inspector 2013** |
| ■ उत्तर प्रदेश में सर्वाधिक प्रतिशत कर्मचारी नियोजित है- **कृषि क्षेत्र में** | **UPPCS (Mains) GS I$^{st}$ 2012** |
| ■ यू.पी. की प्रमुखतम तिलहनी फसल है– **राई तथा सरसों** | **UPPSC Health Inspector 2013** |
| ■ उत्तर प्रदेश का कौन-सा जनपद दशहरी आम का सर्वोच्च उत्पादक है– **लखनऊ** | **UPPSC RO/ARO (PRE), 2017** |
| ■ उत्तर प्रदेश में 'राज्य खेती' के मुख्य उद्देश्य हैं- **शोध कार्य, प्रदर्शन कार्य एवं बीज गुणन कार्य** | **UPPSC ACF - 2017** |
| ■ कौन सा राज्य भारत का 'शक्कर का प्याला' कहलाता है– **उत्तर प्रदेश** | **UPPCS (Mains) Spl. G.S. I$^{st}$ 2008** |
| ■ आंवले का सर्वाधिक उत्पादन करने वाला जिला है– **प्रतापगढ़** | **UPPCS (Pre) G.S. 2012, Spl. 2008 UPPCS (Mains) GS I$^{st}$ 2012** |
| ■ उत्तर प्रदेश में, खरीफ फसल की बुआई होती है- **जून - जुलाई के दौरान** | **UPPCS (Pre) G.S. 2009** |
| ■ भारत में उत्तर प्रदेश जिस पैदावर का सबसे बड़ा उत्पादक है, वह- **खाद्यान्न** | **UPPCS Spl, (Pre) G.S. 2008** |
| ■ उत्तर प्रदेश की प्रमुख वाणिज्यिक उपज है- **गन्ना** | **UPPCS Spl, (Pre) G.S. 2008 UPPCS (Mains) I$^{st}$ Paper GS, 2012, 2017 UP UDA/LDA Spl. (M) G.S., 2010 Allahabad High Court RO 11--12-2021 Shift-II** |
| ■ उत्तर प्रदेश में उगाई गई फसलों में किसकी अवधि न्यूनतम है– **मूँग** | **UPPCS (Pre.) G.S. 2002 UP Lower (Pre.) Spl, G.S. 2002** |



Join @yct_hub For More Exclusive PDFs

| | |
|---|---|
| ■ उत्तर प्रदेश में कृषि उत्पादन बढ़ाने में कौन-सा कारक सबसे अधिक प्रभावी है– **उन्नत किस्म के बीजों का बढ़ता प्रयोग** | **UPPSC RO/ARO (Pre) G.S., 2014** |
| ■ उत्तर प्रदेश के किस क्षेत्र में सोयाबीन की फसल मुख्यतः उगायी जाती है– **बुन्देलखण्ड क्षेत्र** | **UPPSC RO/ARO (Mains) G.S., 2014** |
| ■ किस दलहन फसल का क्षेत्रफल उत्तर प्रदेश में सर्वाधिक है– **चना का** | **UPPCS (Mains) GS I$^{st}$ 2014** |
| ■ भारत के राज्यों में से उत्तर प्रदेश किन फसलों का अग्रणी उत्पादक है– **गेहूँ, आलू, गन्ना** | **UPPSC RO/ARO (PRE), 2017 UP Lower (Pew) G.S. 98 UPPCS Mains -2008** |
| ■ उत्तर प्रदेश किन फसलों का देश में सबसे बड़ा उत्पादक है– **गन्ना, आलू** | **UPPCS (Mains) G.S. I$^{st}$ 2009, 2017 UPPCS (Mains)-2017 UPPCS (Mains) GS I$^{st}$ 2017** |
| ■ किस फसल के उत्पादन में उत्तर प्रदेश देश में प्रथम स्थान पर नहीं है– **चावल** | **UPPCS (Pre) G.S. 2011, 2007** |
| ■ भारत में उत्तर प्रदेश का द्वितीय स्थान है, उत्पादन में- **धान के** | **UPPCS (Mains) Spl. G.S. I$^{st}$ 2008** |
| ■ भारत में हरित क्रान्ति के लिए 'ब्रेड बास्केट' कहे जाने वाले राज्य हैं- **उत्तर प्रदेश, पंजाब और हरियाणा** | **UPPSC ACF 2017 UPPCS (Mains) G.S. I$^{st}$ Paper 2010** |
| ■ कौन सा फसल चक्र पूर्वी उत्तर प्रदेश के लिए सर्वाधिक उपयुक्त समझा जाता है– **धान - मक्का - गेहूँ** | **UPPSC ACF-2017 UPPCS (Pre) G.S. 2002, 2008** |
| ■ किस फसल का उत्तर प्रदेश, भारत में सर्वप्रमुख उत्पादक है– **गेहूँ** | **UPPCS (Pre) G.S. 2004** |
| ■ भारत के राज्यों में उत्तर प्रदेश किस उत्पाद का सबसे बड़ा उत्पादक नहीं है– **फूलों का** | **UP UDA/LDA (Pre) G.S., 2010** |
| ■ किसके उत्पादन में भारत में उत्तर प्रदेश का प्रथम स्थान है– **गेहूँ और गन्ना के** | **UP Lower (Pre.) G.S. 2008** |
| ■ भारत के मेंथा तेल उत्पादन में उत्तर प्रदेश का योगदान कितने प्रतिशत है– **90%** | **UPPSC RO/ARO (Mains) - 2017** |
| ■ पूर्वी उत्तर प्रदेश की ''कालानमक'' प्रसिद्ध प्रजाति है- **धान की** | **UPPSC Computer Asst. 2019** |
| ■ उत्तर प्रदेश में मुख्य प्रकार की फसलें हैं– **रबी फसलें, खरीफ फसलें और जायद फसलें** | **UPSSSC Mandi Parishad 22/05/2022** |
| ■ उत्तर प्रदेश में प्रमुख रबी फसलें हैं– **गेहूँ, चना, मटर, जौ** | **UPSSSC Supply Inspector Exam. Date:17/07/2022** |
| ■ किस कंद फसल को गरीब का मित्र कहा जाता है– **आलू** | **[UPSSSC Lower Mains 21/10/2021 Paper-I]** |
| ■ 2017-18 के अनुसार, दालों के वैश्विक उत्पादन में भारत का _____ स्थान है– **पहला** | **[UPSSSC Junior Assistant 04/01/2020 Shift-I]** |



**Join @yct_hub For More Exclusive PDFs**

| | |
|---|---|
| ■ आलू के उत्पादन में भारत में उत्तर प्रदेश का स्थान क्या है– **पहला** | **ग्राम विकास अधिकारी - 22-12-2018 (shift- I)** |
| ■ उत्तर प्रदेश के किस जिले में केंद्र सरकार की अफीम की फैक्ट्री स्थित है– **गाजीपुर** | **Lower Exam – 01-10-2019 (Shift-I)** |
| ■ उत्तर प्रदेश के आगरा जिले में रूई (कपास) की स्वदेशी किस्म की बुवाई का उपयुक्त समय कौन-सा है– **अप्रैल का पहला पखवाड़ा** | **Lower Exam – 01-10-2019 (Shift-I)** |
| ■ भारत में उत्तर प्रदेश का गन्ना उत्पादन में कौन-सा स्थान है? **प्रथम** | **परिचालक - 23-08-2015** |
| ■ उत्तर प्रदेश की महत्त्वपूर्ण अनाज फसलों के नाम का उल्लेख करता है? **चावल, गेहूँ, बाजरा, जौ और मक्का** | **ग्राम विकास अधिकारी - 23-12-2018 (shift- II)** |
| ■ निम्न में से कौन-सा राज्य भारत में खाद्यान्न का सबसे बड़ा उत्पादक है? **उत्तर प्रदेश** | **कनिष्ठ सहायक - 31-05-2019** |
| ■ उत्तर प्रदेश के तराई क्षेत्र में मुख्य रूप से उगाई जाने वाली सुगंधित चावल की किस्म का नाम बताइए। **कालानमक** | **राज्य मण्डी परिषद् - 30-05-2019 (Shift-I)** |
| ■ दक्षिणी उत्तर प्रदेश का औरैया जिला प्रमुख रूप से_____का उत्पादक है। **शुद्ध देशी घी** | **राज्य मण्डी परिषद् - 30-05-2019 (Shift - II)** |
| ■ प्राकृतिक रूप से उगने वाली बहुवर्षीय घास जिसे स्थानीय बोली में '_____' के रूप में जाना जाता है, अमेठी जिले के तराई क्षेत्रों में पाई जाती है। स्थानीय लोग इस घास से कई प्रकार के सजावटी सामान और घरेलू उत्पाद बनाते हैं जिन्हें मूंज उत्पाद कहा जाता है। **सरपत** | **राज्य मण्डी परिषद् - 30-05-2019 (Shift - II)** |
| ■ कौन-सी फसल उत्तर प्रदेश में आमतौर पर या व्यापक रूप से उगाई नहीं जाती है? **कपास** | **व्यायाम प्रशिक्षक - 16-09-2018 (Shift-II)** |
| ■ उत्तर प्रदेश में नींबू प्रधानतः कहाँ उगाया जाता है? **सहारनपुर और मेरठ** | **अमीन परीक्षा- 14-08-2016 (Paper-I)** |
| ■ भारत के कुल गन्ना उत्पादन का कितना प्रतिशत उत्तर प्रदेश पैदा करता है? **25-40%** | **UDA/LDA 29-11-2015** |
| ■ भारत में आमों का सबसे बड़ा उत्पादक राज्य कौन-सा है? **उत्तर प्रदेश** | **ग्राम विकास अधिकारी - 22-12-2018 (shift- II)** |
| ■ कौन-सी मुख्य एजेंसियों में से एक नहीं है जो उत्तर प्रदेश में भारी मात्रा में अनाज भंडारण में शामिल हैं– **एफडीआई** | **ग्राम विकास अधिकारी - 23-12-2018 (shift- II)** |
| ■ कृषि–आर्थिक अनुसंधान केन्द्र की रिपोर्ट 2014-15 के अनुसार उत्तर प्रदेश के बारे में कौन-सा सच नहीं है– **उत्तर प्रदेश में 5 भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) संस्थान हैं।** | **ग्राम विकास अधिकारी - 23-12-2018 (shift- II)** |
| ■ ''काला नमक'' चावल की किस्म को ''एक जिला एक उत्पाद'' योजना के तहत उत्तर प्रदेश के..... जिले से उत्पाद के रूप में चुना गया है– **सिद्धार्थनगर** | **UPP Constable, 26.10.218 (Shift-1)** |
| ■ मृदा जिसमें मुख्य रूप से पोटाश की कमी है, उत्तर प्रदेश के ..... जिले में पाई जाती है– **जौनपुर** | **UPP Constable, 25.10.2018** |
| ■ आम की लंगड़ा किस्म हमारे राज्य के किस जिले से उद्भूत मानी जाती है– **वाराणसी** | **[UPSSSC Lower Mains 21/10/2021 Paper-I]** |



Join @yct_hub For More Exclusive PDFs

# 8 उत्तर प्रदेश : सिंचाई एवं बहुउद्देशीय नदी घाटी परियोजनाएं

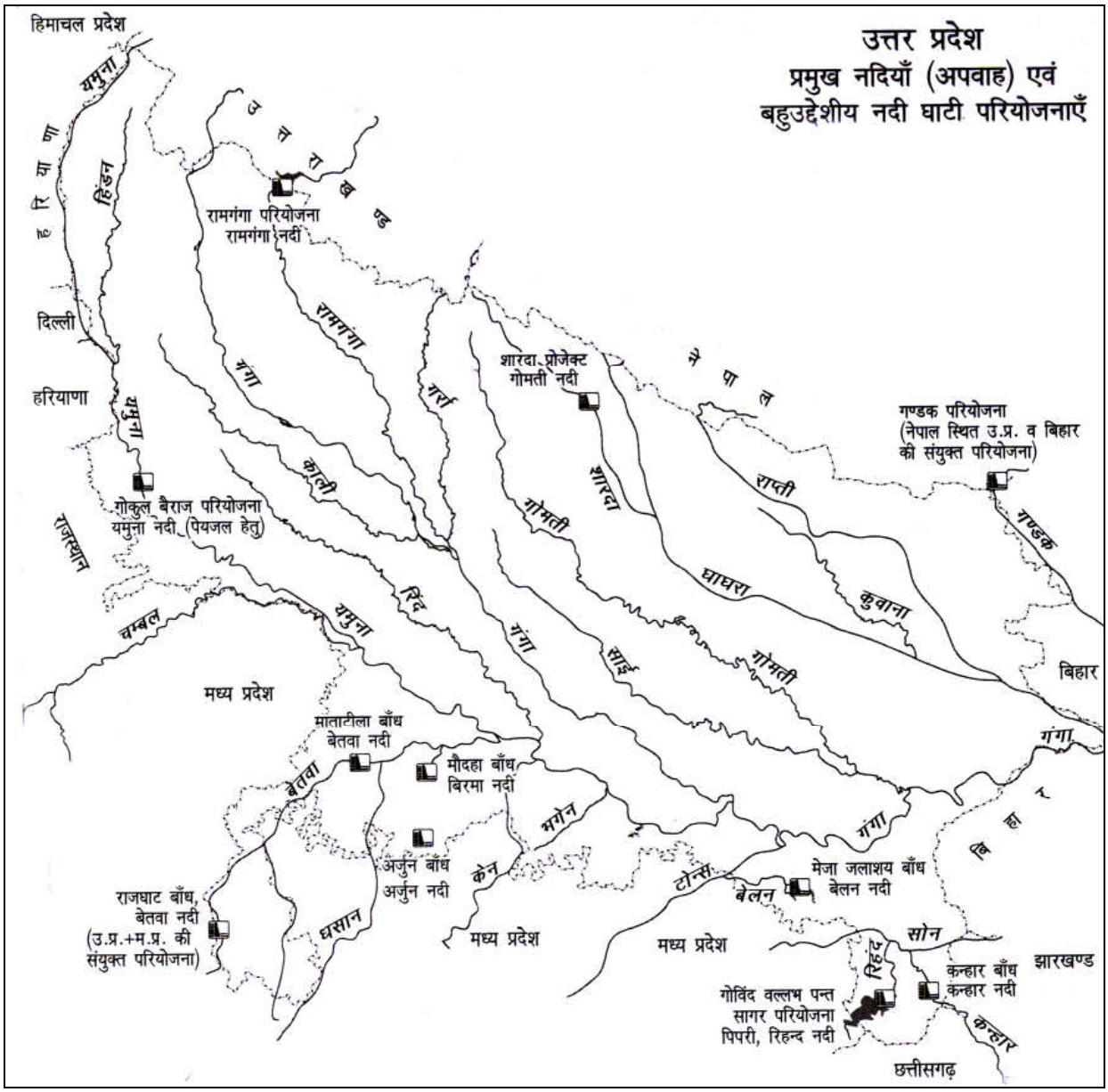


- वर्ष 2021-22 में उत्तर प्रदेश में शुद्ध बोया गया क्षेत्रफल 161 लाख हेक्टेयर है और शुद्ध सिंचित क्षेत्रफल 139 लाख हेक्टेयर है।
- नवीनतम आंकड़ों (2021-22) के अनुसार उ.प्र. का सकल सिंचित क्षेत्रफल लगभग 227 लाख हेक्टेयर है।
- देश में नलकूपों द्वारा सिंचित क्षेत्रफल उ.प्र. में सर्वाधिक है।
- उत्तर प्रदेश कृषि निदेशालय के आंकड़ों के अनुसार वर्ष 2021-22 में उत्तर प्रदेश का 15.8 प्रतिशत भू-भाग नहरों द्वारा, 73.9 प्रतिशत भू-भाग नलकूपों द्वारा, 9.1 प्रतिशत भू-भाग कुंओं द्वारा, 0.6 प्रतिशत भू-भाग तालाबों, झीलों एवं पोखरों द्वारा तथा 0.6 प्रतिशत भू-भाग अन्य स्रोतों द्वारा सिंचित होते हैं।



Join @yct_hub For More Exclusive PDFs

- **उत्तर प्रदेश में नहर व्यवस्था–** सांख्यिकी पत्रिका 2020 के अनुसार प्रदेश में कुल 75379 किमी. लम्बी नहर तंत्र है। उत्तर प्रदेश में सिंचाई तंत्र के विकास हेतु **सहारनपुर** में वर्ष **1823 ई.** में सिंचाई कार्यालय स्थापित किया गया।
- प्रदेश में सर्वाधिक नहरें पश्चिमी भाग में पायी जाती हैं।

| विभिन्न साधनों द्वारा शुद्ध सिंचित क्षेत्रफल का प्रतिशत विवरण | |
|---|---|
| **सिंचाई के साधन** | **अर्थ एवं संख्या प्रभाग उ.प्र. (2018-19)** |
| नलकूप | 73.9% |
| नहर | 15.8% |
| कुआं | 9.1% |
| तालाब, झील, पोखर | 0.6% |
| अन्य साधन | 0.6% |

- उत्तर प्रदेश में **सर्वप्रथम पूर्वी यमुना नहर,** (यमुना नदी से) 1631 में शाहजहां द्वारा खुदवाई गई थी।
- अंग्रेजी शासनकाल के दौरान पूर्वी यमुना नहर का संचालन 1830 से शुरू हुआ।
- उत्तर प्रदेश की **सर्वाधिक लम्बी नहर शारदा नहर** है।
- उत्तर प्रदेश की नई कृषि नीति में कृषि विकास दर 5.1 प्रतिशत निर्धारित की गई है।

| उत्तर प्रदेश : नहरतंत्र | | | |
|---|---|---|---|
| **नहर** | **उद्गम स्थल / नदी** | **लम्बाई ( किमी. )** | **लाभान्वित जिले** |
| पूर्वी यमुना नहर | सहारनपुर/ यमुना | 1440 | सहारनपुर, मुजफ्फरनगर, मेरठ, शामली, बागपत, गाजियाबाद |
| ऊपरी गंगा नहर | हरिद्वार/ गंगा | 6496.239 | सहारनपुर, मेरठ, मुजफ्फरनगर, गाजियाबाद, बुलंदशहर, अलीगढ़, मथुरा, एटा, फिरोजाबाद, मैनपुरी, |
| आगरा नहर | ओखला / यमुना | 1873.928 | नई दिल्ली, गुड़गाँव, मथुरा, आगरा, भरतपुर |
| निचली गंगा नहर | नरोरा/ गंगा | 8278 | बुलंदशहर, अलीगढ़, एटा, फिरोजाबाद, मैनपुरी, फर्रुखाबाद, प्रयागराज |
| शारदा नहर | बनवासा / शारदा (नेपाल सीमा) | 9961.3 | पीलीभीत, बरेली, शाहजहांपुर, लखीमपुर खीरी, हरदोई, सीतापुर, बाराबंकी, उन्नाव, लखनऊ, रायबरेली, सुल्तानपुर, प्रतापगढ़, प्रयागराज |

| **नहर/ नदी** | **लाभान्वित जिले** |
|---|---|
| बेतवा नहर (झांसी)/ बेतवा | झांसी, जालौन, हमीरपुर |
| गुरु सराय एवं मंदर नहर | झांसी, हमीरपुर |
| बेलन टोंस नहर | प्रयागराज |
| नगवाँ बाँध नहर/ कर्मनाशा | मिर्जापुर, सोनभद्र |
| ललितपुर बांध नहर | झांसी, ललितपुर, जालौन, हमीरपुर |
| रामगंगा नहर/ रामगंगा | बिजनौर, अमरोहा, मुरादाबाद, रामपुर |
| सरयू नहर/ घाघरा | बहराइच, श्रावस्ती, बलरामपुर, गोंडा, संत कबीर नगर, सिद्धार्थ नगर, बस्ती, गोरखपुर |
| रिहंद घाटी परियोजना/ रिहंद | मिर्जापुर, सोनभद्र, प्रयागराज, वाराणसी |
| मेजा जलाशय नहर/ बेलन | प्रयागराज, मिर्जापुर |
| अर्जुन बांध नहर/ अर्जुन | हमीरपुर, महोबा, बांदा |
| रानी लक्ष्मी बाई बांध नहर/ बेतवा | झांसी, ललितपुर, हमीरपुर, जालौन |
| केन नहर/ केन | बांदा |

## उत्तर प्रदेश राज्य जल नीति -1999

**राज्य जल नीति का निर्माण राष्ट्रीय जल नीति 1987 के दिशा निर्देशों के अनुरूप हुआ है। इसके निम्न मुख्य उद्देश्य हैं-**

* दुर्लभ जल संसाधनों का संरक्षण सुनिश्चित करना।
* जल संसाधनों के प्रबन्धन में गुणवत्ता सुधार लाना जिसमें उपयोगकर्ता की प्रतिभागिता और शक्तियों का विकेन्द्रीकरण सम्मिलित होगा।
* परियोजना के निर्माण में बेसिन और उपबेसिन दृष्टिकोण पर बल देना। सतही जल और भू-जल को एक संसाधन के रूप में देखना।
* जल संसाधनों के विकास में आत्मनिर्भरता सुनिश्चित करना।
* बाढ़ प्रबन्धन और प्रवाह को जल संसाधन विकास अभिन्न अंग समझना।
* जल संसाधनों के क्षेत्र में शोध और प्रशिक्षण को बढ़ावा।



Join @yct_hub For More Exclusive PDFs

## उत्तर प्रदेश : बहु-उद्देशीय नदी घाटी परियोजनाएं/महत्वपूर्ण बाँध

- रामगंगा परियोजना (धामपुर) बिजनौर जिले में स्थित है, जिस पर रामगंगा काठी बाँध बनाया गया है।
- शारदा जल विद्युत परियोजना शारदा नदी (बनवासा, नेपाल सीमा) पर स्थित है, जिससे शारदा नहर निकाली गयी है।
- गंडक परियोजना गंडक नदी पर स्थित है। नेपाल में स्थित यह परियोजना उत्तर प्रदेश, बिहार एवं नेपाल की संयुक्त परियोजना है। इससे लाभान्वित होने वाले जिलों में महराजगंज, देवरिया, कुशीनगर एवं गोरखपुर सम्मिलित है।
- गोविंदबल्लभ पंत सागर परियोजना सोनभद्र जिले के पिपरी नामक स्थान पर अवस्थित है। गोविंद सागर झील भारत की सबसे बड़ी कृत्रिम झील है।
- कन्हार/दुद्धी बाँध रिहन्द की सहायक नदी कन्हार पर स्थित है।
- राजघाट परियोजना (ललितपुर) बेतवा नदी पर स्थित है। यह उत्तर प्रदेश एवं मध्य प्रदेश की संयुक्त परियोजना है। ज्ञातव्य है कि नदी जोड़ो परियोजना के तहत यह भारत की प्रथम परियोजना है, जिसमें बेतवा एवं केन नदियों को जोड़ा गया है।
- गोकुल बैराज परियोजना यमुना नदी पर स्थित है। मथुरा जिले में स्थित यह उत्तर प्रदेश की एकमात्र पेयजल परियोजना है।

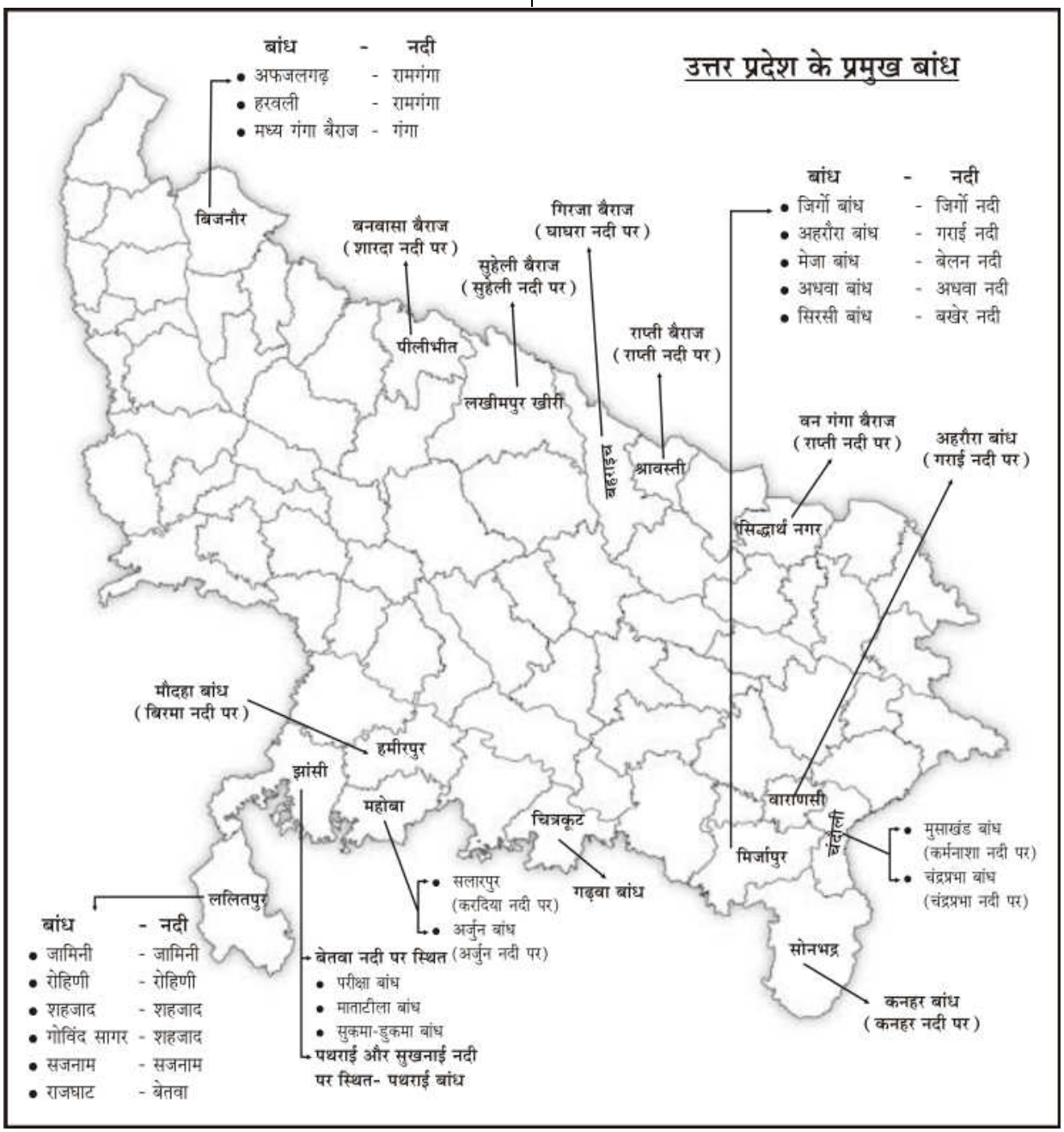




Join @yct_hub For More Exclusive PDFs

Search @yct_hub to Join Channel

| महत्वपूर्ण सिंचाई बांध | | |
|---|---|---|
| **बांध** | **नदी** | **अवस्थित** |
| अदवा बांध | अडवा | मिर्जापुर |
| अहरौरा बांध | गरई | मिर्जापुर |
| अर्जुन बांध | अर्जुन | महोबा |
| औझर बांध | औझर | चित्रकूट |
| चन्द्रप्रभा बांध | चंद्रप्रभा | चंदौली |
| चित्तौड़गढ़ बांध | – | बलरामपुर |
| डोंगरी बांध | पाहुज | झांसी |
| गोविंद सागर बांध | शहजाद | ललितपुर |
| गुंटा बांध | गुंटा नाला | चित्रकूट |
| जामिनी बांध | जैमिनी | ललितपुर |
| मेजा बांध | बेलन | मिर्जापुर |
| नगवां बांध | कर्मनासा | सोनभद्र |
| रोहिणी बांध | रोहिणी | ललितपुर |
| सलारपुर बांध | करदिया | महोबा |
| सपरार बांध | सपरार | झांसी |
| शारदा सागर बांध | शारदा | पीलीभीत |
| शहजाद बांध | शहजाद | ललितपुर |
| सिरसी बांध | बखर नाला | मिर्जापुर |
| सुखरा बांध | सुखरा नाला | मिर्जापुर |
| उर्मिल बांध | उर्मिल | महोबा |

| जल विद्युत परियोजनाएं | | |
|---|---|---|
| **जल विद्युत परियोजना** | **नदी** | **स्थल** |
| रिहन्द | रिहन्द | सोनभद्र |
| राजघाट | बेतवा | ललितपुर |
| ओबरा | रिहन्द | सोनभद्र |
| माताटीला | बेतवा | ललितपुर |

### महत्वपूर्ण तथ्य

- उत्तर प्रदेश का सबसे ऊँचा बांध **कालागढ़ या रामगंगा बांध** है जिसकी ऊँचाई 127.50 मीटर है। यह रामगंगा नदी पर है।
- उत्तर प्रदेश का सबसे लम्बा बांध **राजघाट बांध** है जिसकी लम्बाई 11200 मीटर है।
- राजघाट परियोजना जलविद्युत, सिंचाई एवं पेयजल आपूर्ति तीनों उद्देश्यों की पूर्ति करता है।

## EXAM CAPSULE

| | |
|---|---|
| ■ भारत में पीने के पानी की जरूरत को पूर्ण करने के लिए 6 राज्यों के द्वारा कौन-सा संयुक्त अभियान चलाया जा रहा है– **रानूकाजी बहुउद्देशीय अभियान** | **Allahabad High Court ARO 15-12-2021 Shift-I** |
| ■ U. P. का धनरौल बाँध _____पर निर्मित है– **घग्घर** | **Allahabad High Court ARO 18-12-2021 Shift-I** |
| ■ उत्तर प्रदेश में अर्जुन बाँध कहाँ स्थित है– **चरखारी महोबा जिला** | **Allahabad High Court ARO 19-12-2021 Shift-II** |
| ■ अर्जुन डैम नहर से उत्तर प्रदेश के किस जिले को लाभ मिलता है– **हमीरपुर** | **Allahabad High Court ARO 20-12-2021 Shift-II** |
| ■ उत्तर प्रदेश में, लक्ष्मीबाई बाँध परियोजना किस नदी के तट पर स्थित है– **बेतवा** | **Allahabad High Court RO 10--12-2021 Shift-I**<br>**Allahabad High Court ARO 18-12-2021 Shift-I**<br>**UPPCS (Mains) Ist Paper GS, 2012** |



Join @yct_hub For More Exclusive PDFs

| | |
|---|---|
| ■ मथुरा और आगरा को पर्याप्त जल उपलब्ध कराने के लिए कौन सी परियोजना चलाई गयी– **गोकुल बैराज परियोजना** | **Allahabad High Court RO 11--12-2021 Shift-II** |
| ■ बुंदेलखंड सूखे क्षेत्र, में जल देने के लिए कौन सी दो नदियों को जोड़ा जा रहा है– **केन और बेतवा** | **Allahabad High Court RO 06--01-2022 Shift-I** |
| ■ गोविन्द वल्लभ सागर परियोजना कहाँ अवस्थित है– **मिर्जापुर-पिपरी** | **Allahabad High Court RO 07-01-2022 Shift-II** |
| ■ कौन-सी बहुउद्देशीय नदी घाटी योजना बेतवा नदी पर बनाई गई है– **माता टीला बांध** | **Allahabad High Court RO/ARO 28-09-2014** |
| ■ उत्तर प्रदेश में स्थित बांध है– **अहरौरा, अडवा, बघेलखंड** | **UPPCS (Pre) 2022** |
| ■ उत्तर प्रदेश की सबसे बड़ी बहुउद्देशीय परियोजना कौन-सी है– **रिहन्द परियोजना** | **UPPSC Husbandary Medical Officer 2021** |
| ■ उत्तर प्रदेश में सिंचाई साधनों में से किससे सर्वाधिक क्षेत्रफल सिंचित है– **नलकूप** | **UPPCS (Mains) GS I$^{st}$ 2015**<br>**UPPSC ACF/RFO Mains Ist Paper 2019** |
| ■ कौन सी नहर उत्तर प्रदेश में अधिकतम क्षेत्रफल की सिंचाई करती है– **शारदा नहर** | **UPPSC Health Inspector 2013** |
| ■ उत्तर प्रदेश की सबसे लम्बी नहर है– **शारदा नहर** | **UPPCS (Pre.) G.S. 2003** |
| ■ भारत में नलकूप एवं कूप से सिंचित अधिकतम क्षेत्र वाला राज्य है- **उत्तर प्रदेश** | **UPPCS (Mains) GS I$^{st}$ 2017** |
| ■ अर्जुन बांध नहर से उत्तर प्रदेश का लाभान्वित जिला है– **हमीरपुर** | **UPPCS (Pre) G.S. 2007** |
| ■ उत्तर प्रदेश की पेयजल परियोजना है– **गोकुल बैराज परियोजना** | **UPPCS (Pre.) G.S. 2003** |
| ■ उत्तर प्रदेश का पारीछा बाँध किस नदी पर अवस्थित है– **बेतवा** | **UPPCS (Mains) Spl. G.S. I$^{st}$ 2008**<br>**Lower Exam – 30-09-2019 (Shift-I)** |
| ■ उत्तर प्रदेश राज्य में 'टिहरी बाँध परियोजना' किस देश के सहयोग से पूरी की गई है- **सोवियत रूस** | **राजस्व निरीक्षक - 17-07-2016 (Paper-I)** |
| ■ उत्तर प्रदेश राज्य में सबसे उँचा बाँध कौन-सा है– **राम गंगा बाँध** | **लघु सिंचाई विभाग - 09-08-2015** |
| ■ उत्तर प्रदेश में नहरों के माध्यम से सतह के पानी की बेहतर आपूर्ति प्रदान करने के लिए प्रमुख सिंचाई और बहुउद्देशीय परियोजनाओं में से एक नहीं है– **वर्षा जनक** | **ग्राम विकास अधिकारी - 23-12-2018 (shift- II)** |



Join @yct_hub For More Exclusive PDFs

# 9 उत्तर प्रदेश : उद्योग

| | |
|---|---|
| • प्रदेश का वृहत्तम् उद्योग | **हथकरघा उद्योग** |
| • उत्तर भारत का मैनचेस्टर | **कानपुर** |
| • चूड़ी उद्योग | **फिरोजाबाद** |
| • प्रदेश में एल्युमीनियम उद्योग | **रेनुकूट ( सोनभद्र )** |
| • सीमेंट के कारखाने | **चुर्क एवं डाला ( सोनभद्र )** |
| • स्कूल ऑफ पेपर टेक्नोलॉजी | **सहारनपुर** |
| • ट्रांसफार्मर बनाने का केन्द्र | **झांसी, मेरठ** |

| | |
|---|---|
| • कृत्रिम रबर बनाने का कारखाना | **मोदीनगर ( गाजियाबाद )** |
| • कपड़ा अनुसंधान संस्थान | **गाजियाबाद** |
| • उत्तर प्रदेश वित्तीय निगम | **कानपुर** |
| • उत्तर प्रदेश राज्य औद्योगिक विकास निगम | **कानपुर** |
| • उत्तर प्रदेश लघु उद्योग निगम | **कानपुर** |
| • साफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क | **नोएडा, मेरठ, कानपुर, लखनऊ, प्रयागराज** |

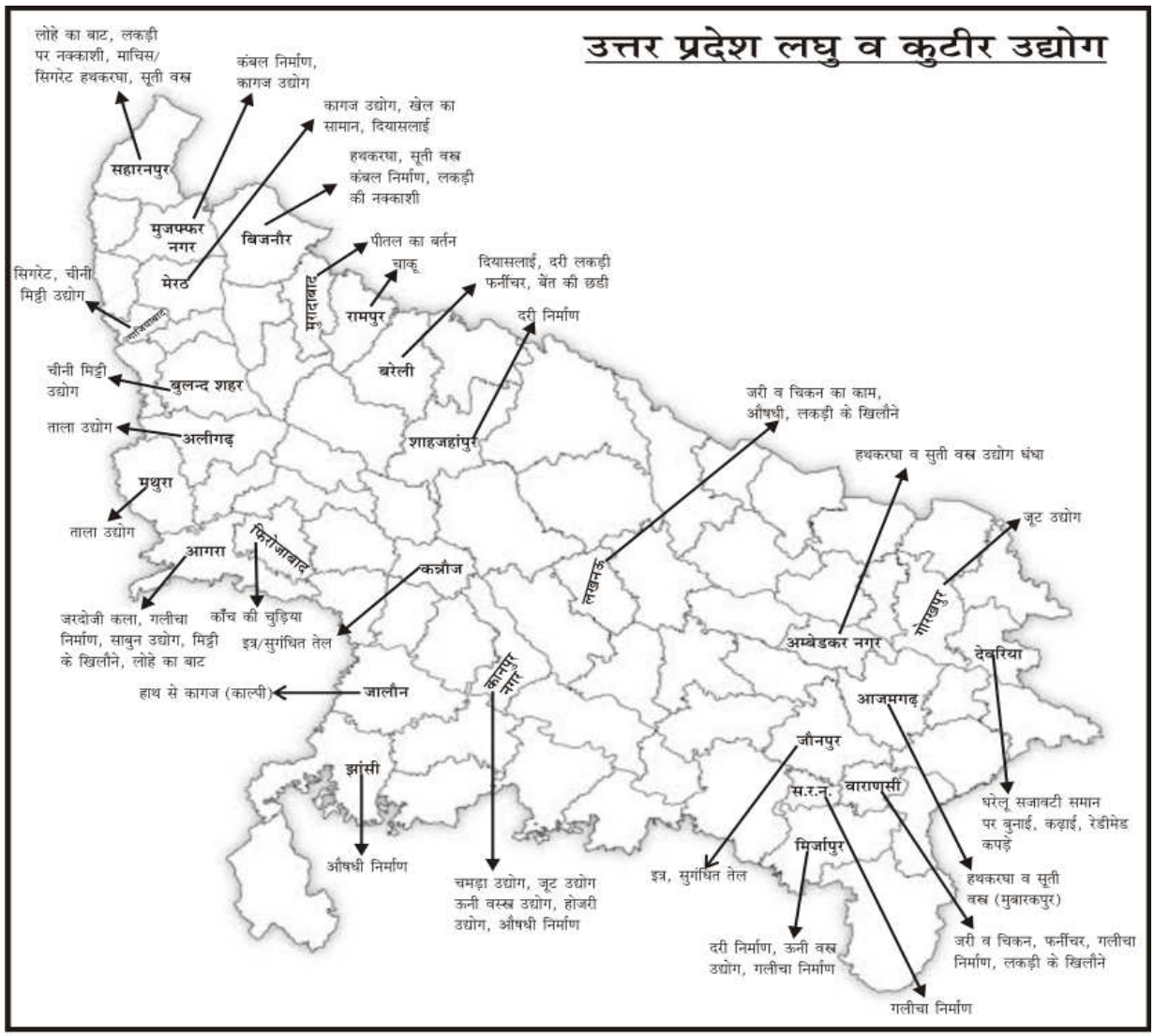




Join @yct_hub For More Exclusive PDFs

- उत्तर प्रदेश बजट 2024-25 के अनुसार चीनी उत्पादन की दृष्टि से देश में उत्तर प्रदेश का प्रथम स्थान है, जबकि महाराष्ट्र का द्वितीय स्थान है।
- राज्य में वर्ष **1903** में भारत की पहली चीनी मिल **प्रतापपुर (देवरिया)** में स्थापित की गयी।
- सूती वस्त्र उद्योग की दृष्टि से उत्तर प्रदेश का देश में तृतीय स्थान है।
- प्रदेश में कागज उद्योग की सर्वाधिक मिलें मुजफ्फरनगर जिले में हैं।
- राज्य में कृषि के बाद सर्वाधिक रोजगार उपलब्ध कराने वाला क्षेत्र **हथकरघा** क्षेत्र है।
- हथकरघों की संख्या की दृष्टि से उत्तर प्रदेश का देश में पांचवां स्थान है।
- उत्तर प्रदेश कालीनों के लिए भी प्रसिद्ध है तथा भारत के कुल कालीन उत्पादन का लगभग 90 प्रतिशत उत्पादित करता है।
- उत्तर प्रदेश आर्थिक समीक्षा 2023-24 के अनुसार, वर्ष 2021-22 में उत्तर प्रदेश के सकल राज्य मूल्यवर्धन में योगदान (स्थायी मूल्य पर)

| **क्षेत्र** | - | **योगदान (%)** |
|---|---|---|
| प्राथमिक | - | 25.33 |
| द्वितीयक | - | 26.74 |
| तृतीयक | - | 47.93 |

- उत्तर प्रदेश में 58 स्पिनिंग मिल और कुल 74 कपड़ा मिल गैर-लघु उद्योग क्षेत्र में हैं।
- राज्य की भौगोलिक सीमा के भीतर वाणिज्यकर विभाग का गठन 20 जोनों, 75 डिवीजनों और 446 सेक्टर कार्यालयों में किया गया है।
- वाणिज्यकर का संभागीय कार्यालय 93 स्थानों पर स्थापित है।
- ईज ऑफ डूइंग बिजनेस को बढ़ावा देने के लिए सभी जोन में 21 कार्पोरेट सर्किल स्थापित किए गए हैं तथा मुख्यालय लखनऊ में एक ऑयल कार्पोरेट सर्किल की स्थापना की गई है।
- आगरा, गाजियाबाद, अलीगढ़, फर्रुखाबाद, कन्नौज, हाथरस, मेरठ, बागपत एवं आगरा में आलू निर्यात जोन स्थित हैं।
- सहारनपुर, मुजफ्फरनगर, बिजनौर, मेरठ, बागपत और बुलंदशहर में आम निर्यात जोन स्थित हैं।
- लखनऊ, उन्नाव, हरदोई, सीतापुर और बाराबंकी में आम और सब्जियों का निर्यात जोन स्थित है।
- एक जिला, एक उत्पाद योजना की अवधारणा जापान से ली गई है।
- उत्तर प्रदेश देश का 5वां सबसे बड़ा रेशम उत्पादक राज्य है।
- भारी, मध्यम व लघु उद्योगों के निवेश प्रस्तावों को सुविधाजनक बनाने हेतु वर्ष **2009** से राज्य में **निवेश मित्र योजना** संचालित है।

**उत्तर प्रदेश में स्थित प्रमुख उद्योग**

| **उद्योग** | **स्थिति** |
|---|---|
| डीजल लोकोमोटिव वर्क्स | मंडुआडीह (वाराणसी) |
| सिंगरौली कोयला खान | सिंगरौली (सोनभद्र) |
| मॉडर्न बेकरीज | कानपुर |
| इंडियन टेलीफोन इण्डस्ट्रीज | रायबरेली, मनकापुर (गोण्डा), नैनी (प्रयागराज) |
| कृत्रिम अंग निर्माण निगम लिमिटेड | कानपुर |
| तेल शोधक कारखाना | मथुरा |
| हिन्दुस्तान एल्युमीनियम कार्पोरेशन (हिंडाल्को) | रेनुकूट (सोनभद्र) |
| भारतीय चमड़ा रंगाई एवं जूता संस्थान | कानपुर |
| भारत पंप्स एंड काम्प्रेशर्स लिमिटेड | नैनी (प्रयागराज) |
| सीमेंट कारखाना | चुर्क-डाला (सोनभद्र) |
| हिन्दुस्तान एरोनाटिक्स लिमिटेड | लखनऊ, कानपुर, कोरवा (अमेठी) |



Join @yct_hub For More Exclusive PDFs

| | |
|---|---|
| भारत इलेक्ट्रानिक्स लिमिटेड | गाजियाबाद |
| स्कूटर्स इण्डिया लिमिटेड | लखनऊ |
| उर्वरक कारखाना | गोरखपुर, गोंडा, फूलपुर (प्रयागराज), कानपुर, आंवला (बरेली) |

## प्रदेश में प्रमुख लघु एवं कुटीर उद्योग

### हथकरघा उद्योग

| उद्योग | जिला |
|---|---|
| कालीन एवं दरियां | मिर्जापुर, भदोही, आगरा, वाराणसी, बरेली |
| कम्बल | मुजफ्फरनगर, नजीबाबाद, लावड़ (मेरठ) |
| रेशमी साड़ियां | वाराणसी |
| चिकनकारी का काम | लखनऊ |
| जरी व चिकन पर गोटे का काम | लखनऊ एवं वाराणसी |

### पीतल व अन्य धातु उद्योग

| उद्योग | सम्बन्धित क्षेत्र/जिला |
|---|---|
| पीतल की मूर्तियां | मथुरा |
| पीतल के बर्तन | मुरादाबाद, वाराणसी, मिर्जापुर |
| बर्तनों पर कलई एवं नक्काशी | मुरादाबाद एवं मिर्जापुर (वाराणसी) |
| लोहे के बाट | सहारनपुर, आगरा |
| ताला उद्योग | अलीगढ़ |
| चाकू उद्योग | रामपुर |
| कैंची उद्योग | मेरठ |

### लकड़ी व फर्नीचर तथा अन्य उद्योग

| उद्योग | सम्बन्धित क्षेत्र/जिला |
|---|---|
| लकड़ी के खिलौने | लखनऊ व वाराणसी |
| खेल का सामान | मेरठ व आगरा |
| बेंत की छड़ियाँ | बरेली |
| लकड़ी पर नक्काशी | सहारनपुर एवं नगीना |
| मिट्टी के खिलौने | आगरा, आजमगढ़ |
| चूड़ी उद्योग | फिरोजाबाद |
| हाथ से कागज बनाना | मथुरा, काल्पी (जालौन) |
| हाथ की छपाई | फर्रुखाबाद |
| कत्था उद्योग | बरेली |



Join @yct_hub For More Exclusive PDFs

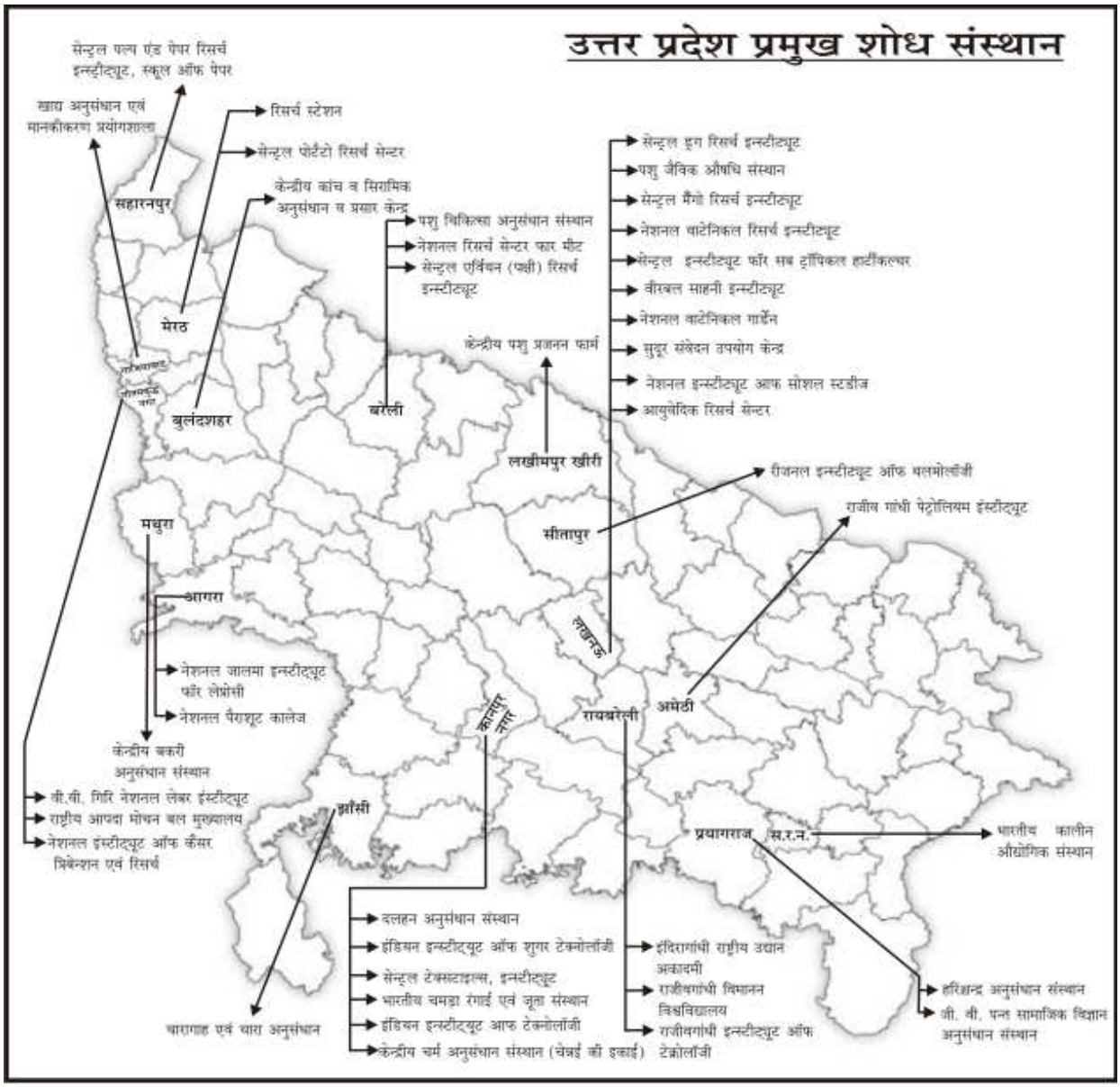


| शोध संस्थान | स्थान |
|---|---|
| भारतीय विष विज्ञान अनुसंधान संस्थान | **लखनऊ** |
| राष्ट्रीय वनस्पति अनुसंधान संस्थान | **लखनऊ** |
| केन्द्रीय औषधि अनुसंधान संस्थान | **लखनऊ** |
| बीरबल साहनी इंस्टीट्यूट ऑफ पैलियोबॉटनी | **लखनऊ** |
| नेशनल ब्यूरो आफ फिश जेनेटिक रिसोर्सेस | **लखनऊ** |
| नेशनल इंस्टीट्यूट आफ फैशन टेक्नोलॉजी (निफ्ट) | **रायबरेली** |
| भारतीय पशु चिकित्सा अनुसंधान संस्थान | **इज्जतनगर, बरेली** |
| केन्द्रीय पक्षी अनुसंधान संस्थान | **इज्जतनगर, बरेली** |
| वी.वी. गिरि नेशनल लेबर इंस्टीट्यूट | **नोएडा** |
| राष्ट्रीय उद्यमिता एवं लघु व्यवसाय विकास संस्थान | **नोएडा** |
| नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ बायोलॉजिकल्स | **नोएडा** |
| कपड़ा अनुसंधान संस्थान | **गाजियाबाद** |
| सेन्ट्रल पल्प एवं पेपर रिसर्च इंस्टीट्यूट | **सहारनपुर** |
| केन्द्रीय बकरी अनुसंधान संस्थान | **मखदूम ( मथुरा )** |
| केन्द्रीय कांच एवं सिरैमिक अनुसंधान व प्रसार केन्द्र | **खुर्जा ( बुलन्दशहर )** |
| राष्ट्रीय जालमा कुष्ठ एवं अन्य माइक्रोबैक्टीरियल रोग संस्थान | **आगरा** |
| भारतीय कालीन प्रौद्योगिकी संस्थान | **संत रविदास नगर ( भदोही )** |
| भारतीय हथकरघा तकनीकी संस्थान | **वाराणसी** |
| इंडियन इंस्टीट्यूट आफ वेजीटेबल (सब्जी) रिसर्च | **वाराणसी** |
| इंडियन ग्रेन स्टोरेज मैनेजमेंट एंड रिसर्च इंस्टीट्यूट | **हापुड़** |
| हरीशचन्द्र अनुसंधान संस्थान | **प्रयागराज** |
| भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान (IIIT) | **प्रयागराज** |
| सेंन्ट्रल टेक्सटाइल्स इंस्टीट्यूट | **कानपुर** |
| जे.के. कैन्सर संस्थान | **कानपुर** |
| उ.प्र. आयुर्विज्ञान विश्वविद्यालय | **सैफई ( इटावा )** |



Join @yct_hub For More Exclusive PDFs

## कुछ महत्वपूर्ण तथ्य

- राज्य का सबसे बड़ा उद्योग– **हथकरघा उद्योग**
- सर्वाधिक रोजगार देने वाला क्षेत्र– **कृषि क्षेत्र**
- सर्वाधिक औद्योगिक विकास दर– **10वीं पंचवर्षीय योजना**
- न्यूनतम औद्योगिक विकास दर– **नवीं पंचवर्षीय योजना**
- प्रथम चीनी मिल– **प्रतापपुर (देवरिया)**
- उत्तर भारत का मैनचेस्टर– **कानपुर**
- अफीम कारखाना– **गाजीपुर**
- ट्रांसफॉर्मर कारखाना– **झांसी, मेरठ**
- कोयला खनन उद्योग– **सिंगरौली, सोनभद्र**
- परमाणु ऊर्जा संयंत्र– **नरौरा, बुलंदशहर**
- बांसुरी उद्योग– **पीलीभीत**
- टेराकोटा उद्योग **गोरखपुर**
- दियासलाई उद्योग **बरेली, सहारनपुर, प्रयागराज, मेरठ, रामपुर**

## औद्योगिक क्षेत्र/पार्क/सिटी

| | |
|---|---|
| निर्यात संवर्द्धन औद्योगिक पार्क | ग्रेटर नोएडा (राज्य का प्रथम), आगरा |
| इलेक्ट्रानिक सिटी | नोएडा |
| नालेज पार्क | ग्रेटर नोएडा |
| लेदर टेक्नोलॉजी पार्क | उन्नाव |
| एपैरल एवं होजरी पार्क | कानपुर |
| एपैरल पार्क | गाजियाबाद |
| ट्रोनिका सिटी | गाजियाबाद |
| निकिडा सिटी | कानपुर |
| जैव प्रौद्योगिकी पार्क | लखनऊ |
| क्षेत्रीय साइंस सिटी | लखनऊ |
| महिला उद्यमी पार्क | ग्रेटर नोएडा |
| लायन सफारी पार्क | इटावा |
| प्लास्टिक सिटी | औरैया |
| डिस्कवरी पार्क | अमेठी |
| अवध शिल्प ग्राम | लखनऊ |
| रुद्राक्ष कन्वेंशन सेन्टर | वाराणसी |

## औद्योगिक विकास प्राधिकरण

**(उत्तर प्रदेश औद्योगिक क्षेत्र विकास अधिनियम, 1976 के अंतर्गत स्थापित)**

| प्राधिकरण का नाम | स्थापना | उद्देश्य |
|---|---|---|
| नवीन ओखला औद्योगिक विकास प्राधिकरण (नोएडा) | 1976 | नोएडा परिक्षेत्र हेतु |
| गोरखपुर औद्योगिक विकास प्राधिकरण (गीडा) | 1989 | गोरखपुर परिक्षेत्र में तीव्र औद्योगिक विकास हेतु |
| सतहरिया औद्योगिक विकास प्राधिकरण (सीडा) | 1989 | जौनपुर परिक्षेत्र हेतु |
| वृहद् नवीन ओखला औद्योगिक विकास प्राधिकरण (ग्रेटर नोएडा) | 1991 | नोएडा के सफल प्रयोग के बाद ग्रेटर नोएडा हेतु |

## विशेष आर्थिक क्षेत्र (SEZ)

- भारत सरकार द्वारा निर्यात के प्रोत्साहन हेतु वर्ष **2000-2001** में घोषित आयात-निर्यात नीति में विभिन्न राज्यों में विशिष्ट आर्थिक क्षेत्र (Special Economic Zone) स्थापित करने की योजना बनायी गई।
- भारत सरकार द्वारा अप्रैल, 2000 में विशेष आर्थिक क्षेत्र (SEZs) नीति, 2000 जारी की गयी और मई 2005 में संसद द्वारा विशेष आर्थिक क्षेत्र अधिनियम, 2005 पारित किया गया।
- वर्ष 2002 में उत्तर प्रदेश विशेष आर्थिक विकास प्राधिकरण अधिनियम पारित किया गया।
- वर्ष 2007 में उत्तर प्रदेश संशोधित विशेष आर्थिक क्षेत्र नीति जारी की गई।
- उत्तर प्रदेश में विशेष आर्थिक क्षेत्रों (SEZs) की स्थिति (1 अगस्त, 2024 तक) इस प्रकार है-
  - औपचारिक स्वीकृति प्राप्त SEZs 31 हैं।
  - 31 दिसम्बर, 2022 की स्थिति के अनुसार उत्तर प्रदेश में कुल 14 संचालित विशेष आर्थिक क्षेत्र (Operational SEZs) हैं। संचालित विशेष आर्थिक क्षेत्र (Operational SEZs) इस प्रकार हैं-

1. नोएडा विशेष आर्थिक क्षेत्र, नोएडा
2. मुरादाबाद SEZ, मुरादाबाद
3. एच.सी.एल. टेक्नालॉजीज लिमिटेड, नोएडा
4. मोजर बेयर इंडिया लिमिटेड, ग्रेटर नोएडा
5. विप्रो लिमिटेड, ग्रेटर नोएडा
6. सीव्यू डेवलपर्स लिमिटेड, नोएडा
7. एनआईआईटी टेक्नोलॉजीज लिमिटेड, ग्रेटर नोएडा
8. ऑक्सीजन बिजनेस पार्क्स (आचविस सॉफ्टेक) प्राइवेट लिमिटेड, नोएडा
9. अंसल आईटी सिटी एंड पार्क्स लिमिटेड, ग्रेटर नोएडा
10. आर्शिया नार्दर्न एफटीडब्ल्यूजेड लिमिटेड, बुलंदशहर
11. अर्थ इंफ्राटेक प्राइवेट लिमिटेड, ग्रेटर नोएडा
12. एच.सी.एल. आई.टी. सिटी लखनऊ प्राइवेट लि., लखनऊ
13. गोल्डेन टॉवर इंफ्राटेक प्राइवेट लिमिटेड, नोएडा
14. टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज लिमिटेड, नोएडा



Join @yct_hub For More Exclusive PDFs

# EXAM CAPSULE

| | |
|---|---|
| ■ आधुनिक उपयोग के लिए टेबलवेयर जैसी उच्च चमक वाली विशेषीकृत चमकदार वस्तुएँ उत्तर प्रदेश के किस क्षेत्र में उत्पादित की जाती हैं– **चिनहट और मॉसेलिया** | **UPSSSC Junior Assistant Exam. 27-8-2023** |
| ■ कानपुर में स्थित लाल इमली मिल किस प्रकार के वस्त्र के लिए प्रसिद्ध थी– **वूलन (ऊनी)** | **UPSSSC Junior Assistant Exam. 27-8-2023** |
| ■ उच्च श्रेणी के सिलिका बलुआ पत्थरों के बड़े भंडार क्रमशः इलाहाबाद और चित्रकूट जिलों के किन क्षेत्रों में पाए जाते हैं, जो उत्तर भारत के काँच उद्योग की आपूर्ति का पारंपरिक स्रोत रहे हैं– **शंकरगढ़ और बरगढ़** | **UPSSSC Junior Assistant Exam. 27-8-2023** |
| ■ उत्तर प्रदेश वित्तीय निगम (यूपीएफसी) किसके विकास के लिए वित्तीय सहायता प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है– **उद्योग** | **UP Police Contable (M/F) 18/02/2024 Shift-II (Cancelled)** |
| ■ उत्तर प्रदेश ने आईटी, टेक्सटाइल (वस्त्र), हस्तशिल्प और गैर-पारंपरिक ऊर्जा जैसे विभिन्न क्षेत्रों को पूरा करने के लिए राज्य में कितने SEZ (विशेष आर्थिक क्षेत्र) को मंजूरी दी है– **31** | **UPSSSC Junior Assistant Exam. 27-8-2023** |
| ■ किस शहर को 'खिलौनो के शहर' के नाम से जाना जाता है– **ग्रेटर नोएडा** | **Allahabad High Court ARO 19-12-2021 Shift-II** |
| ■ उत्तर प्रदेश का कौन सा व्यवसायिक शहर पीतल के बर्तनों के लिए प्रसिद्ध है और देश के पीतल शहर के नाम से प्रचलित है– **मुरादाबाद** | **Allahabad High Court ARO 06--01-2022 Shift-I Allahabad High Court RO 06--01-2022 Shift-I** |
| ■ उत्तर प्रदेश के किन जिलों में सिगरेट बनाई जाती है– **सहारनपुर और गाजियाबाद** | **Allahabad High Court ARO 14-12-2021 Shift-II** |
| ■ कौन-सी जगह रेशमी वस्त्रों के लिए प्रसिद्ध हैं– **वाराणसी** | **Allahabad High Court APS 22-12-2021 Shift-I** |
| ■ किस जिले में चीनी मिट्टी की वस्तुएँ बनाई जाती हैं– **बुलन्दशहर** | **Allahabad High Court APS 22-12-2021 Shift-I** |
| ■ चमड़े के कार्यों के लिए उत्तर प्रदेश का कौन-सा जिला प्रसिद्ध है– **आगरा** | **Allahabad High Court APS 22-12-2021 Shift-I** |
| ■ 1879 में उत्तर प्रदेश के अन्तर्गत प्रथम पेपर मिल की स्थापना कहाँ की गई– **लखनऊ** | **Allahabad High Court APS 23-12-2021 Shift-I** |
| ■ सहारनपुर किस संदर्भ में प्रसिद्ध है– **पंचकुरा खिलौने** | **Allahabad High Court APS 23-12-2021 Shift-I** |
| ■ कौन सा नगर, उत्तर प्रदेश का 'मैनचेस्टर' कहलाता था– **कानपुर** | **Allahabad High Court CA/RGC 28-09-2014** |
| ■ वाराणसी के निकट स्थित मंडुवाडीह किस संस्थान के लिए प्रसिद्ध है– **डीजल लोकोमोटिव वर्क्स** | **Allahabad High Court CA/RGC 28-09-2014** |
| ■ कौन सा उद्योग गाज़ियाबाद में स्थित है– **भारत इलेक्ट्रानिक्स लि.** | **Allahabad High Court CA/RGC 28-09-2014** |
| ■ रेणूकूट किसके लिए जाना जाता है– **एल्युमिनियम उद्योग** | **Allahabad High Court RO/ARO 28-09-2014** |
| ■ उत्तर प्रदेश में किस स्थान पर एल्युमिनियम संयंत्र है– **रेणुकूट** | **Allahabad High Court ARO 24-02-2019 UPPCS (Mains) G.S. I$^{st}$ 2008** |
| ■ भारत में कौन-सा शहर काँच उद्योग के लिए प्रसिद्ध है– **फिरोजाबाद** | **Allahabad High Court ARO 24-02-2019 UP Police Head Operator 31/01/2024 (Shift -I)** |



Join @yct_hub For More Exclusive PDFs

Search @yct_hub to Join Channel

| | |
|---|---|
| ■ उत्तर प्रदेश में सबसे बड़ी चीनी मिल कहाँ है– **खतौली, मुजफ्फरनगर** | **Allahabad High Court ARO 14-12-2021 Shift-I** |
| ■ उत्तर प्रदेश में 'सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क' कहाँ है– **नोएडा** | **Allahabad High Court ARO 15-12-2021 Shift-I** |
| ■ उत्तर प्रदेश में चमड़ा प्रौद्योगिकी उद्यान किस नगर में अवस्थित है– **बंथर, उन्नाव** | **Allahabad High Court ARO 19-12-2021 Shift-I** |
| ■ उत्तर प्रदेश का कौन-सा जिला चूड़ियों के लिए प्रसिद्ध है– **फिरोजाबाद** | **Allahabad High Court ARO 20-12-2021 Shift-I Allahabad High Court ARO 06--01-2022 Shift-I Allahabad High Court RO 06--01-2022 Shift-I UPSSSC Supply Inspector Exam. Date:17/07/2022 विधान भवन रक्षक 02.12.2018 (Shift-I) Lower Exam 01.10.2019 (Shift-I)** |
| ■ हाल ही में, उत्तर प्रदेश के किस शहर में पैप्सिको ने अपना ग्रीनफील्ड फूड प्लांट खोला है– **मथुरा** | **Allahabad High Court ARO 20--12-2021 Shift-I** |
| ■ उत्तर प्रदेश के किस शहर में प्रथम निजी क्षेत्र के विमान घटक निर्माण सुविधा का हाल ही में रक्षा मंत्री द्वारा उद्घाटित किया गया– **लखनऊ** | **Allahabad High Court ARO 20--12-2021 Shift-I** |
| ■ मिर्जापुर, भदोही और खमरिया (उत्तर प्रदेश) में किस वस्तु का निर्माण होता है जो भारत से कुल निर्यात का लगभग 90% है– **कालीन** | **Allahabad High Court RO 10--01-2020** |
| ■ किस शहर में उत्तर प्रदेश की एकमात्र ऑइल रिफाइनरी स्थित है– **मथुरा** | **Allahabad High Court RO 10--01-2020 Allahabad High Court RO 10--12-2021 Shift-II Allahabad High Court RO 05--01-2022 Shift-II** |
| ■ आयुध कारखाना, यू. पी. में कहाँ अवस्थित है– **कानपुर** | **Allahabad High Court RO 10--12-2021 Shift-II** |
| ■ उत्तर प्रदेश का मुरादाबाद शहर, किस उद्योग के लिए प्रसिद्ध है– **ताम्र बर्तन उद्योग** | **Allahabad High Court RO 10--12-2021 Shift-I** |
| ■ उत्तर प्रदेश के लघु तथा मध्यम उद्योगों के लिए दीर्घकालिक ऋण कर्ज की व्यवस्था करने वाला निगम है– **उत्तर प्रदेश औद्योगिक विकास निगम** | **Allahabad High Court RO 10--12-2021 Shift-I** |
| ■ उत्तर प्रदेश का मुख्य उद्योग कौन सा है– **हथकरघा उद्योग** | **Allahabad High Court RO 11--12-2021 Shift-II** |
| ■ उत्तर प्रदेश में सीमेंट फैक्ट्रियाँ कहाँ स्थित है– **चुर्क और डाला** | **Allahabad High Court RO 11--12-2021 Shift-II UPPCS RO/ARO (Mains) 2017** |
| ■ उत्तर प्रदेश सरकार के चर्म संस्थान कहाँ स्थित है– **कानपुर और आगरा में** | **Allahabad High Court RO 11--12-2021 Shift-I** |
| ■ यू.पी. में भारतीय टेलीफोन इंडस्ट्री लिमिटेड की विनिर्माण सुसाध्यता कहाँ अवस्थित है– **नैनी ( प्रयागराज ) और रायबरेली** | **Allahabad High Court RO 11--12-2021 Shift-I** |



Join @yct_hub For More Exclusive PDFs

| | |
|---|---|
| ■ मिर्ज़ापुर किस हस्तशिल्प के लिए प्रसिद्ध है– **कालीन-कला** | **Allahabad High Court RO 05--01-2022 Shift-II** |
| ■ सितम्बर 1989 में न्यूज प्रिंट प्रोजेक्ट की स्थापना कहाँ हुई थी– **मुरादाबाद** | **Allahabad High Court RO 06--01-2022 Shift-I** |
| ■ भारत की सबसे बड़ी डीजल-विद्युत रेल इंजन निर्माण कार्यशाला कहाँ स्थित है– **वाराणसी** | **Allahabad High Court RO 06--01-2022 Shift-I** |
| ■ उत्तर प्रदेश में रोजगार के दृष्टिकोण से कौन-सा व्यापक उद्योग है– **हैण्डलूम** | **Allahabad High Court RO 07-01-2022 Shift-II Allahabad High Court RO 06--01-2022 Shift-I** |
| ■ भारत के किस राज्य ने एक एम.ओ.यू. पर हस्ताक्षर औद्योगिक एवं व्यापार समूह के साथ की है जोकि एम.एस.एम.ई क्षेत्र के द्वारा प्रवासी मजदूरों को रोजगार उपलब्ध कराएगा–**उत्तर प्रदेश** | **Allahabad High Court ARO 15-12-2021 Shift-II** |
| ■ प्रथम 'दीनदयाल हस्तकला संकुल' व्यापार सुविधा केन्द्र अवस्थित है– **वाराणसी में** | **UPPCS (J) 2018 UPPCS (Mains)-2017 UPPSC RO/ARO (Pre) 2017** |
| ■ हाल ही में एक नयी रेल कोच निर्माण कारखाने की नींव रखी गयी– **रायबरेली में** | **UPPCS (J) 2012 UPPSC ACF/RFO (Mains) I$^{st}$ 2018 UPPCS (Pre) G.S. 2007 UPPCS (J) 2012** |
| ■ तीव्र औद्योगीकरण हेतु निवेश करने तथा रोजगार के अवसरों के सृजन के लिए उत्तर प्रदेश सरकार राज्य का पहला आँकड़ा केन्द्र स्थापित करेगी– **ग्रेटर नोएडा में** | **UPPSC RO/ARO Mains 2016** |
| ■ कौन उत्तर प्रदेश के उद्यमियों को उद्योग लगाने में सहायता करता है– **उद्योग बंधु** | **UPPSC RO/ARO Mains 2016** |
| ■ उत्तर प्रदेश का प्रमुख उद्योग नहीं है– **ऑटोमोबाइल** | **UPPSC GIC Lecturer 2021** |
| ■ ब्लैक पॉटरी के लिए 'जियोग्रॉफिकल इंडिकेशन टैग' उत्तर प्रदेश में किस स्थान से संबंधित है– **निजामाबाद** | **UPPSC RO/ARO Pre 2021** |
| ■ उत्तर प्रदेश के किस शहर को कालीन नगरी कहा जाता है– **भदोही** | **UPPSC Ashram Paddhati Lecturer 2021 UP UDA/LDA (Pre) G.S. - 2006 UPSI 15.11.2021 (Shift-I) राज्य मण्डी परिषद् 30.05.2019 (Shift-II)** |
| ■ गीडा है– **गोरखपुर औद्योगिक विकास प्राधिकरण** | **UPPCS (Mains) GS I$^{st}$ 2014** |
| ■ यू. पी. एस. आई. डी. सी. का मुख्यालय है- **कानपुर में** | **UPPSC ACF - 2017** |
| ■ उत्तर प्रदेश में रक्षा गलियारा का केन्द्रित क्षेत्र होगा- **बुन्देलखण्ड** | **UPPSC ACF - 2017** |
| ■ उत्तर प्रदेश में प्रथम सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क स्थापित किया गया है– **लखनऊ में** | **UPPCS (Pre) G.S. Spl. 2004** |
| ■ उत्तर प्रदेश में 'कम्प्यूटर एडेड डिजाइनिंग' परियोजना का केन्द्र स्थित है– **लखनऊ में** | **UPPCS (Mains) G.S. I$^{st}$ Paper 2009** |
| ■ इफ्को यूरिया कारखाना उत्तर प्रदेश के किस स्थान पर है– **आंवला** | **UPPSC RO/ARO (Pre) Re-Exam 2016** |
| ■ व्यापार सुविधा केन्द्र एवं क्राफ्ट म्यूजियम की स्थापना उत्तर प्रदेश के जनपद में हुई– **वाराणसी** | **UPPSC RO/ARO (Pre) Re-Exam 2016** |
| ■ डीजल लोकोमोटिव वर्क्स, वाराणसी अब बनाता/प्रदान करता है- **डीजल एवं बिजली इंजन दोनों** | **UPPCS (Mains) GS I$^{st}$ 2017** |
| ■ उत्तर प्रदेश में प्रथम निर्यात संवर्धन औद्योगिक उद्यान स्थापित किया गया था–**वृहत् नोएडा में** | **UPPSC Health Inspector 2013** |
| ■ हस्तनिर्मित कागज का निर्माण होता है- **जालौन में** | **UPPSC ACF - 2017** |
| ■ उत्तर प्रदेश की अर्थव्यवस्था के विभिन्न प्रखण्डों की अभिनव प्रकृतियाँ निराशाजनक सम्भावनायें दर्शाती हैं– **सेवाओं में** | **UPPSC BEO Exam 2006-I** |
| ■ उत्तर प्रदेश ने उच्चतम औद्योगि वृद्धि दर अंकित की– **10वीं पंचवर्षीय योजना में** | **UPPCS (Mains) G.S. I$^{st}$ 2009** |
| ■ उत्तर प्रदेश में कृत्रिम रबड़ का कारखाना अवस्थित है– **बरेली में** | **UPPCS (Mains) G.S. I$^{st}$ 2008** |



**Join @yct_hub For More Exclusive PDFs**

| | |
|---|---|
| ■ उत्तर प्रदेश में 'स्कूल ऑफ पेपर टेक्नॉलॉजी' स्थित है– **सहारनपुर में** | **UPPCS (Mains) Spl. G.S. I$^{st}$ 2008 UPPCS (Mains) GS-I$^{st}$ 2015** |
| ■ उत्तर प्रदेश में रेनुकूट में हिण्डाल्को की स्थिति का मुख्य कारण है, इसकी निकटता– **शक्ति के स्त्रोत से** | **UPPCS (Mains) Spl. G.S. I$^{st}$ 2008 UPPCS (Pre) G.S. 2007** |
| ■ उत्तर प्रदेश खादी ग्रामोद्योग बोर्ड की स्थापना किस वर्ष में हुई थी– **1960 में** | **UPPCS (Mains) GS I$^{st}$ 2015** |
| ■ उत्तर प्रदेश में आलू निर्यात जोन स्थित है– **आगरा में** | **UP UDA/LDA Spl. (Pre) G.S., 2010** |
| ■ उत्तर प्रदेश में निर्यातोन्मुख सॉफ्टवेयर पार्क कहां स्थापित किये गये हैं– **नोएडा और कानपुर में** | **UP UDA/LDA Spl. (Pre) G.S., 2010** |
| ■ रोजगार की दृष्टि से उत्तर प्रदेश का सबसे बड़ा उद्योग है- **हथकरघा** | **UPPCS Spl, (Pre) G.S. 2008** |
| ■ औद्योगिक विकास की दृष्टि से उत्तर प्रदेश का कौन सा क्षेत्र सर्वाधिक विकसित हुआ है– **पश्चिमी** | **UPPCS Spl, (Pre) G.S. 2008** |
| ■ उत्तर प्रदेश में दिया सलाई उद्योग का प्रमुख केन्द्र है- **बरेली** | **UPPCS Spl, (Pre) G.S. 2008** |
| ■ दादरी, चुनार, चुर्क तथा डाला, सभी में कारखाने हैं जो उत्पादित करते हैं– **सीमेन्ट** | **UPPCS (Mains) GS I$^{st}$ 2015** |
| ■ उत्तर प्रदेश का परम्परागत उद्योग है– **चीनी** | **UPPCS (Pre) G.S. 2004** |
| ■ उत्तर प्रदेश के किस नगर में कृत्रिम अंग बनते हैं– **कानपुर** | **UPPSC ACF/RFO (Mains) I$^{st}$ 2018** |
| ■ उत्तर प्रदेश का कौन-सा जनपद लुग्दी, कागज और गत्ते के उत्पादन हेतु प्रसिद्ध है– **बिजनौर** | **UPPSC ACF/RFO (Mains) I$^{st}$ 2018** |
| ■ उत्तर प्रदेश में सूरमा उद्योग के लिए प्रसिद्ध है- **बरेली** | **UPPSC RO/ARO (Mains) - 2017** |
| ■ उत्तर प्रदेश औद्योगिक विकास निगम की आगामी प्रमुख निवेश परियोजना नहीं है– **डिफेंस पार्क, शाहजहाँपुर** | **UPPCS (Mains)-2017** |
| ■ 'काष्ठ-नक्काशी घरेलू उद्योग' के लिए उत्तर प्रदेश का कौन-सा नगर प्रसिद्ध है– **सहारनपुर** | **UPPSC RO/ARO (PRE), 2017** |
| ■ 'महावीर जूट मिल्स लिमिटेड' उ.प्र. की एकमात्र कार्यरत जूट मिल, स्थित है– **सहजनवां (गोरखपुर) में** | **UPPSC ACF/RFO (Mains) Ist Paper 2019** |
| ■ उत्तर प्रदेश में सॉफ्टवेयर तथा बिजनेस प्रोसेस आउटसोर्सिंग उद्योग का सबसे बड़ा केन्द्र अवस्थित है– **नोएडा में** | **UPPCS (Pre.) G.S. 2016 UPPSC BEO (Pre) 2019** |
| ■ यूपीएसआईडीए का फुल फॉर्म है– **उत्तर प्रदेश राज्य औद्योगिक विकास प्राधिकरण** | **UPSSSC Mandi Parishad 22/05/2022** |
| ■ _____उत्तर प्रदेश में चमड़ा व्यवसाय का एक प्रमुख केन्द्र है– **कानपुर** | **UPSSSC Mandi Parishad 22/05/2022 ग्राम विकास अधिकारी 22.12.2018 (Shift-II) Allahabad High Court 07/01/2022 Shift-II** |
| ■ फर्रुखाबाद_____कला का पर्याय बन गया है– **हाथ छपाई** | **UPSSSC Mandi Parishad 22/05/2022** |
| ■ प्रमुख आभूषण बाजार उत्तर प्रदेश के किस शहर में स्थित है– **मेरठ** | **UPSSSC Supply Inspector Exam. Date:17/07/2022** |
| ■ उत्तर प्रदेश में भारतीय वाणिज्य एवं उद्योग मंडल (एसोचैम यू.पी.) की स्थापना किस वर्ष की गई थी– **1994** | **[UPSSSC Junior Assistant 04/01/2020 Shift-I]** |
| ■ उत्तर प्रदेश सरकार की 'एक जिला-एक उत्पाद' योजना का लक्ष्य उत्तर प्रदेश में _____ को प्रोत्साहित करना है– **स्वदेशी और विशेष उत्पाद** | **[UPSSSC Junior Assistant 04/01/2020 Shift-I]** |
| ■ उत्तर प्रदेश राज्य में _____ विशेष आर्थिक क्षेत्र अनुमोदित हैं– **20** | **[UPSSSC Junior Assistant 04/01/2020 Shift-I]** |
| ■ उत्तर प्रदेश का एक छोटा-सा शहर, _____ अपनी लाल मिट्टी के सजावटी बर्तनों के लिए जाना जाता है– **चुनार** | **[UPSSSC Junior Assistant 04/01/2020 Shift-II]** |



Join @yct_hub For More Exclusive PDFs

| | |
|---|---|
| ■ राज्य में व्यवसाय स्थापित करने के उद्देश्य से उद्योग बंधु, उत्तर प्रदेश सरकार का IS/ISO 9001 : 2008 प्रमाणित _____ स्तरीय निकाय है और यह सभी औद्योगिक अनुमोदनों को समाहित करता है– **तीन** | **[UPSSSC Junior Assistant 04/01/2020 Shift-II]** |
| ■ भारत से सॉफ्टवेयर निर्यात की दृष्टि से उत्तर प्रदेश _____ स्थान पर है– **दूसरे** | **[UPSSSC Junior Assistant 04/01/2020 Shift-II]** |
| ■ उत्तर प्रदेश राज्य में _____ शहर पीतल के बर्तन और हस्तशिल्प के लिए प्रसिद्ध है– **मुरादाबाद** | **[UPSSSC Junior Assistant 04/01/2020 Shift-II] UPP Constable 27.01.2019 (Shift-I) UPP Constable 19.06.2018 (Shift-I)** |
| ■ मथुरा, डिग्बोई और पानीपत में परिष्करणशालाएँ किसके द्वारा स्थापित की गई हैं– **इण्डियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड द्वारा** | **राजस्व लेखपाल - 13-09-2015 (Morning)** |
| ■ उत्तर प्रदेश के किस शहर को 'सुहाग नगरी' कहा जाता है, यह शहर काँच की चूड़ियाँ बनाने के लिए प्रसिद्ध है– **फिरोज़ाबाद** | **Lower Exam – 01-10-2019 (Shift-II) UPPSC ACF/RFO (Mains) I$^{st}$ 2018** |
| ■ उत्तर प्रदेश का कौन-सा शहर ''चिकनकारी साड़ियाँ'' नामक सुंदर कढ़ाई वाली साड़ियों के लिए प्रसिद्ध है– **लखनऊ** | **Lower Exam – 01-10-2019 (Shift-II) Lower Exam – 01-10-2019 (Shift-I)** |
| ■ उत्तर प्रदेश के किस शहर में भारतीय रेल की कोच निर्माण इकाई, आधुनिक रेल कोच फैक्ट्री (मॉडर्न कोच फैक्ट्री) स्थित है– **रायबरेली** | **Lower Exam – 01-10-2019 (Shift-I)** |
| ■ कौन-सा स्थान धातु की कला, रंगीन तामचीनी और जटिल नक्काशी के लिए प्रसिद्ध है– **उत्तर प्रदेश में मुरादाबाद** | **ग्राम विकास अधिकारी - 23-12-2018 (shift- II)** |
| ■ उत्तर प्रदेश के 'उद्योग-बन्धु' की शाखा संरचना है– **3** | **UDA/LDA 29-11-2015** |
| ■ इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन की तेल रिफाइनरी उत्तर प्रदेश में कहाँ स्थित है– **मथुरा** | **Cane Supervisor (31-08-2019) वन रक्षक - 11-12-2015 Allahabad High Court ARO 24/02/2019** |
| ■ एसोचैम उ0प्र0 एक राज्य स्तरीय वाणिज्य और उद्योग का, प्रमुख चैंबर ऑफ ट्रेड है, जो निजी, सहकारी और सार्वजनिक क्षेत्रों में बड़ी, मध्यम और छोटी इकाइयों का प्रतिनिधित्व करता है। ASSOCHAM UP का पूरा रूप क्या है– **द एसोसिएटेड चैम्बर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री ऑफ उत्तर प्रदेश** | **ग्राम विकास अधिकारी - 23-12-2018 (shift- I)** |
| ■ उत्तर प्रदेश में चुनार _____के लिए प्रसिद्ध है– **काली मिट्टी के बर्तन** | **कनिष्ठ सहायक - 31-05-2019** |
| ■ उत्तर प्रदेश के किस शहर में लकड़ी से बने तालवाद्य ढोलक बनाने की 300 छोटी इकाईयाँ हैं– **अमरोहा** | **राज्य मण्डी परिषद् - 30-05-2019 (Shift-I)** |
| ■ कौन-सी कंपनी का उत्तर प्रदेश में विनिर्माण सेटअप नहीं है– **स्कोडा** | **स्टेनोग्राफर - 10-03-2019** |
| ■ उत्तर प्रदेश के बुलंदशहर जिले में कौन-सा स्थान चीनी मिट्टी की चीजों के लिए जाना जाता है– **खुर्जा** | **स्टेनोग्राफर - 10-03-2019** |
| ■ मुरादाबाद किसके लिए प्रसिद्ध है– **धातु की कलाकृतियों के लिए** | **व्यायाम प्रशिक्षक - 16-09-2018 (Shift-II)** |
| ■ उत्तर प्रदेश राज्य में ''इलेक्ट्रॉनिक्स सिटी'' की स्थापना कहाँ की जा रही है– **नोएडा** | **वन रक्षक - 11-12-2015** |
| ■ उत्तर प्रदेश का कौन-सा शहर अपने कास्ट बेल के लिए पूरे विश्व में विख्यात है– **जलेसर** | **UDA/LDA 29-11-2015** |
| ■ अलीगढ़ ..... के लिए प्रसिद्ध है– **तालों** | **विधान भवन रक्षक - 02-12-2018 (shift- II)** |
| ■ उत्तर प्रदेश का कौन-सा जिला काली मिट्टी के बर्तनों के लिए प्रसिद्ध है– **आजमगढ़** | **[UPSSSC Homeopathic Pharmacist 24/10/2019]** |



Join @yct_hub For More Exclusive PDFs

# 10 उत्तर प्रदेश : खनिज एवं ऊर्जा संसाधन

उत्तर प्रदेश में भूतत्व एवं खनिकर्म निदेशालय की स्थापना सन् 1955 में की गई थी, जिसका मुख्यालय लखनऊ में स्थित है।

उत्तर प्रदेश में खनिज संसाधनों की खोज, उत्खनन एवं परिष्करण हेतु 23 मार्च, 1974 को राज्य खनिज विकास निगम की स्थापना की गयी। दिसंबर, 1998 में घोषित प्रथम खनिज नीति में खनिज विकास को उद्योग का दर्जा दिया गया है।

| खनिज | प्रमुख क्षेत्र |
|---|---|
| कोयला | सिंगरौली (सोनभद्र) |
| बाक्साइट | चित्रकूट, बांदा, वाराणसी, ललितपुर |
| चूना पत्थर | गुरुमा-कनाच-बाबूहारी (मिर्जापुर) एवं कजराहट (सोनभद्र) |
| कांच बालू | शंकरगढ़, लोहारगढ़ (प्रयागराज), बरगढ़ (बांदा), चित्रकूट, अलीगढ़ |
| एंडालुसाइट | मिर्जापुर, सोनभद्र |
| पाइराइट्स | सोनभद्र, बांदा |
| सेलखड़ी | झाँसी, हमीरपुर |
| फायरक्ले | बांसी-मकरी-खोह (मिर्जापुर), सोनभद्र |
| डोलोमाइट | बारी (सोनभद्र), बांदा |
| संगमरमर | मिर्जापुर, सोनभद्र |
| सैंड स्टोन | मिर्जापुर |
| चाइना क्ले | सोनभद्र, बांदा |
| राक फास्फेट | ललितपुर |
| कैल्साइट | मिर्जापुर |
| सोना | सोनभद्र एवं ललितपुर |
| गेरू | बांदा |
| फेल्सपार | झाँसी |
| सिलिमेनाइट | सोनभद्र |
| पाइरोफाइलाइट | हमीरपुर, ललितपुर, झाँसी एवं महोबा |
| डायस्पोर | झांसी, महोबा, ललितपुर, हमीरपुर |
| ग्रेनाइट | बांदा, हमीरपुर, ललितपुर, महोबा, सोनभद्र, झांसी |
| पोटाश लवण | प्रयागराज, चंदौली, बांदा, सोनभद्र, झांसी |
| तांबा | ललितपुर (सोनराई क्षेत्र) |
| हीरा | बांदा, मिर्जापुर |
| एस्बेस्टस | मिर्जापुर, झांसी (बड़ागाँव क्षेत्र) |
| जिप्सम | झांसी, हमीरपुर |
| लौह अयस्क | ललितपुर |
| यूरेनियम | ललितपुर |

- उत्तर प्रदेश के खनिज संसाधन से सम्पन्न जि – प्रयागराज, झांसी, मिर्जापुर, ललितपुर, सोनभद्र, बांदा, हमीरपुर, महोबा एवं जालौन को खनिज बाहुल्य क्षेत्र घोषित किया गया।
- उत्तर प्रदेश का एंडालुसाइट एवं डायस्पोर खनिज संसाधन की दृष्टि से देश में प्रमुख स्थान है। उत्तर प्रदेश में देश का 78% एंडालुसाइट एवं 37% डायस्पोर पाया जाता है।
- सिंगरौली में कोयले का भण्डार क्षेत्र 220 वर्ग कि.मी. में विस्तृत है जिसका खनन कोल इंडिया लिमिटेड द्वारा कराया जाता है।

## उत्तर प्रदेश खनन नीति, 2017

30 मई, 2017 को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में मंत्रिमण्डल द्वारा उत्तर प्रदेश खनन नीति, 2017 के प्रख्यापन को मंजूरी दी गई।

### खनन नीति के मूल मंत्र

राज्य सरकार द्वारा सुशासन एवं भ्रष्टाचार मुक्त प्रशासन के मूलमंत्रों पर आधारित खनन नीति के प्रेरक मंत्र हैं– पारदर्शिता, कानून का राज, समता, प्रभावशीलता, आम सहमति, उत्तरदायी एवं भागीदारी।

### लक्ष्य

उपर्युक्त मंत्रों के आधार पर निम्नलिखित लक्ष्य निर्धारित किए गए हैं–

1. खनिजों के विषय में जागरूकता।
2. जनसामान्य की खान एवं खनिजों तक पहुँच।
3. जनसामान्य को खनिजों की उपलब्धता।
4. खनिजों का मूल्य जनसाधारण की सामर्थ्य के अनुसार हो।
5. उपरोक्त के आधार पर जनसाधारण में खनिजों की स्वीकार्यता।



Join @yct_hub For More Exclusive PDFs

## खनन नीति के उद्देश्य

1. खानों एवं खनिजों के माध्यम से प्रदेश का सामाजिक एवं आर्थिक सतत विकास
2. खनिजों का संरक्षण।
3. पर्यावरण एवं पारिस्थितिकी का संतुलन बनाए रखना।
4. राज्य के कुल राजस्व प्राप्ति में खनिजों से प्राप्त राजस्व के अंश को 1.80 प्रतिशत से बढ़ाकर आगामी 5 वर्षों में 3 प्रतिशत करना।
5. अवैध खनन/परिवहन पर नियंत्रण हेतु तकनीकी हस्तक्षेप तथा अवैध खनन एवं परिवहन में लिप्त व्यक्तियों के विरुद्ध कठोर दण्डात्मक कार्यवाही।
6. खनिज के क्षेत्र में रोजगार के अवसर को बढ़ावा देना।
7. खनिज उद्योग में स्वच्छ प्रतिस्पर्धा को प्रोत्साहन।
8. खनिजों के वैज्ञानिक विकास हेतु तकनीकी ज्ञान एवं सुविधाएं तथा परामर्श उपलब्ध कराना।
9. इच्छुक उद्यमियों को खनिज आधारित सूचना/आँकड़ों को उपलब्ध कराना।
10. खनिज विकास की प्रक्रिया में निजी पूँजी निवेश को प्रोत्साहन और उद्यमिता का विकास।
11. खनिज विकास हेतु आधुनिक अन्वेषण तकनीक के माध्यम से नए खनिज भण्डारों के अन्वेषण में तीव्रता।
12. खनिजों की स्वीकृति की प्रक्रिया को पारदर्शी बनाने हेतु ई-टेण्डरिंग, ई-नीलामी, ई-विडिंग प्रणाली लागू किया जाना तथा खनन प्रशासन की कार्यप्रणाली को सरलीकृत करते हुए प्रक्रिया में पारदर्शिता लाना एवं भ्रष्टाचार मुक्त बनाना।
13. खनन संक्रियाओं से प्रभावित व्यक्तियों तथा क्षेत्रों हेतु कल्याणकारी योजनाओं का संचालन करना।



Join @yct_hub For More Exclusive PDFs

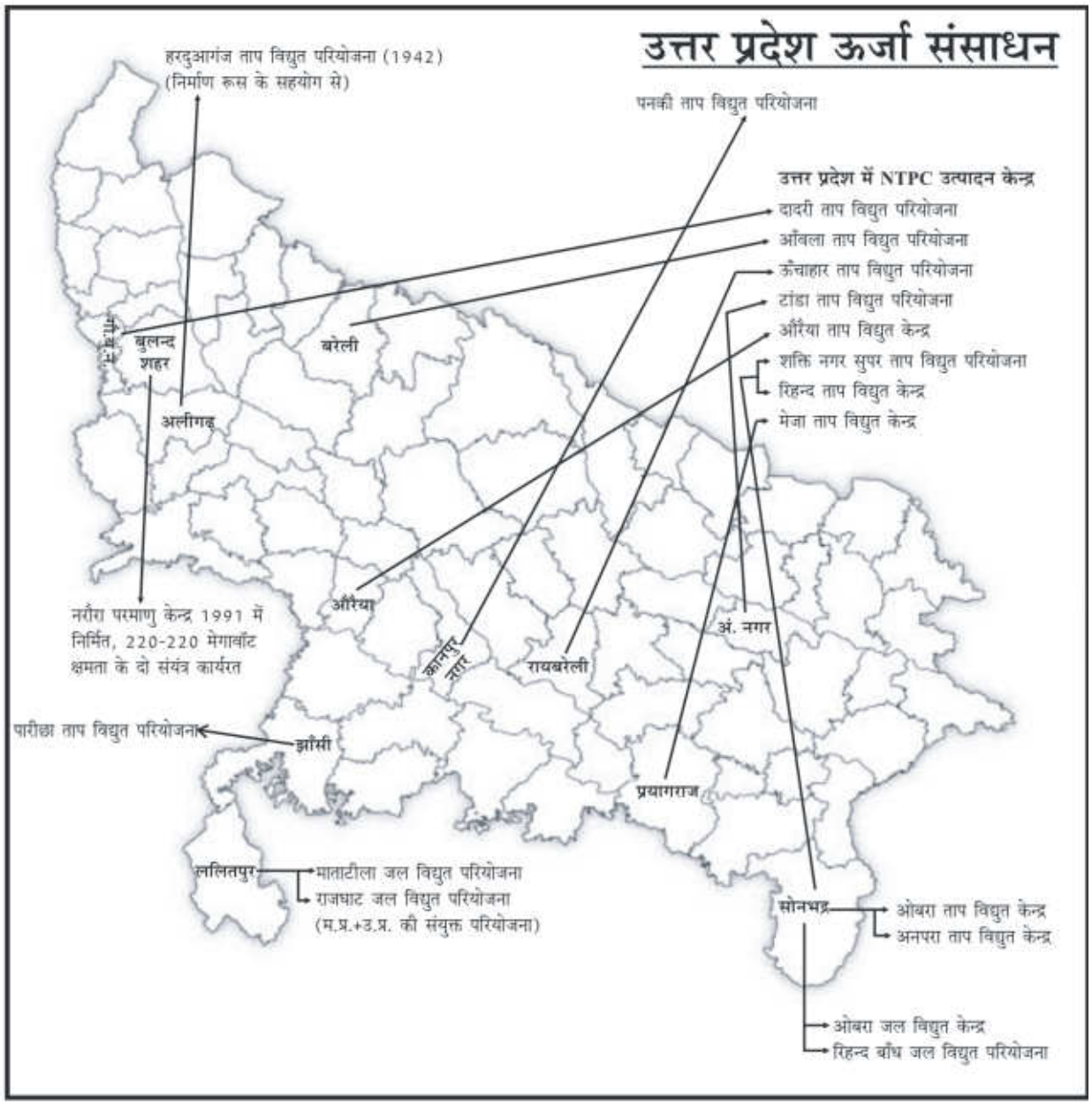


**राष्ट्रीय ताप विद्युत निगम द्वारा उत्तर प्रदेश में स्थापित संयंत्र**

| ताप विद्युत संयंत्र | प्रकार | कार्यशील संस्थापित क्षमता (मेगावॉट में) |
|---|---|---|
| दादरी (गौतमबुद्ध नगर) | कोयला आधारित | 1820 |
| टांडा (अम्बेडकर नगर) | कोयला आधारित | 440 |
| ऊँचाहार (रायबरेली) | कोयला आधारित | 1050 |
| सिंगरौली (सोनभद्र) | कोयला आधारित | 2000 |
| रिहन्द (सोनभद्र) | कोयला आधारित | 3000 |
| औरैया | गैस आधारित | 663.36 |
| दादरी (गौतमबुद्ध नगर) | गैस आधारित | 829.78 |



Join @yct_hub For More Exclusive PDFs

## उत्तर प्रदेश राज्य विद्युत निगम के ताप विद्युत संयंत्र

| ताप विद्युत संयंत्र | कार्यशील संस्थापित क्षमता (मेगावॉट) |
|---|---|
| अनपरा (सोनभद्र) | 2630 |
| ओबरा (सोनभद्र) | 1094 |
| हरदुआगंज (अलीगढ़) | 1270 |
| पारीछा (झांसी) | 1140 |

## उत्तर प्रदेश में जल विद्युत परियोजनाएं

| जल विद्युत परियोजनाएं | स्थल | नदी |
|---|---|---|
| खारा | सहारनपुर | असन |
| माताटीला | ललितपुर | बेतवा |
| ओबरा | सोनभद्र | रिहन्द |
| राजघाट | ललितपुर | बेतवा |
| निर्गजनी | मुजफ्फरनगर | गंगा (ऊपरी गंगा नहर) |
| रिहन्द | सोनभद्र | रिहन्द |

- उत्तर प्रदेश का एकमात्र परमाणु संयंत्र बुलंदशहर के नरौरा में स्थापित है।
- नरौरा परमाणु संयंत्र में 220-220 मेगावॉट क्षमता के दो रिएक्टर कार्यरत हैं।
- नरौरा परमाणु संयंत्र के प्रथम रिएक्टर से 1 जनवरी, 1991 एवं द्वितीय रिएक्टर से 1 जुलाई, 1992 से व्यावसायिक विद्युत उत्पादन आरम्भ हुआ।
- 8 मार्च, 2019 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा 660 मेगावाट के संस्थापित क्षमता के पनकी तापीय विद्युत संयंत्र (कानपुर) का शिलान्यास किया गया।

# EXAM CAPSULE

| | |
|---|---|
| ■ उत्तर प्रदेश सरकार ने एक स्वायत्त संस्था के रूप में अतिरिक्त ऊर्जा स्रोत विभाग के अंतर्गत गैर-पारंपरिक ऊर्जा विकास एजेंसी (NEDA) का निर्माण कब किया– **अप्रैल, 1983** | **UPSSSC Junior Assistant Exam. 27-8-2023** |
| ■ भारत का विशालतम विद्युतीय शहर किस स्थान के पास निर्मित किया जा रहा है–**ग्रेटर नोएडा** | **Allahabad High Court APS 23-12-2021 Shift-I** |
| ■ उत्तर प्रदेश में परमाणु शक्ति सयंत्र अवस्थित है– **नरौरा** | **Allahabad High Court APS 23-12-2021 Shift-I<br>Allahabad High Court ARO 24-02-2019<br>Allahabad High Court RO 10--12-2021 Shift-I<br>Allahabad High Court CA/RGC 28-09-2014<br>Allahabad High Court ARO 19-12-2021 Shift-I<br>Allahabad High Court ARO 19-12-2021 Shift-II<br>Allahabad High Court ARO 20-12-2021 Shift-II<br>UPPCS (Mains) GS I$^{st}$ 2016<br>UPPCS (Pre) 2007<br>Allahabad High Court ARO 19-12-2021 Shift-I** |
| ■ उत्तर प्रदेश के किस जिले में डोलोमाइट नामक खनिज का उत्पादन होता है– **सोनभद्र** | **Allahabad High Court RO/ARO 28-09-2014** |



Join @yct_hub For More Exclusive PDFs

| | |
|---|---|
| ■ कौन-सा खनिज इलाहाबाद जिले की करछना तहसील में पाया जाता है– **ग्लास-रेत** | **Allahabad High Court ARO 18-12-2016** |
| ■ 'अनोला तापीय ऊर्जा केन्द्र' कहाँ स्थित है– **बरेली** | **Allahabad High Court ARO 15-12-2021 Shift-I** |
| ■ उत्तर प्रदेश का बांदा जिला किसके लिये प्रसिद्ध है– **शाजर पत्थर** | **Allahabad High Court ARO 16-12-2021 Shift-I** |
| ■ उत्तर प्रदेश में पाया जाने वाला मुख्य पदार्थ कौन-सा है– **चूने का पत्थर और डोलोमाइट** | **Allahabad High Court ARO 20-12-2021 Shift-II** |
| ■ 'घाटमपुर तापीय ऊर्जा केन्द्र' कहाँ पर अवस्थित है– **कानपुर** | **Allahabad High Court ARO 20--12-2021 Shift-I** |
| ■ यूपी में चीनी चिकनी मिट्टी कहाँ से प्राप्त होती है– **सोनभद्र** | **Allahabad High Court ARO 20--12-2021 Shift-I** |
| ■ कौन-से खनिज उत्तर प्रदेश के मिर्जापुर जिले में पाए जाते हैं– **चूना-पत्थर, डोलोमाइट, संगमरमर** | **Allahabad High Court RO 10--01-2020** |
| ■ ओबरा थर्मल पावर केन्द्र निम्न में से किसकी सहायता से स्थापित किया गया है– **सोवियत रूस** | **Allahabad High Court RO 10--12-2021 Shift-I** |
| ■ उत्तर प्रदेश के किस जिले में हीरा का निष्कर्षण (प्राप्त) किया जाता है– **बांदा** | **Allahabad High Court RO 11--12-2021 Shift-II** |
| ■ विन्ध्य प्रांत में मिर्जापुर प्रसिद्ध है अपने_____उपक्रमों के लिए– **सीमेंट** | **Allahabad High Court RO 12--12-2021 Shift-I** |
| ■ उत्तर प्रदेश का कौन-सा शहर अपने संगमरमर के लिए प्रसिद्ध है– **मिर्जापुर** | **Allahabad High Court RO 05--01-2022 Shift-II** |
| ■ उत्तर प्रदेश में कोयले के भण्डार पाये जाते हैं- **सिंगरौली क्षेत्र में** | **UPPCS (Mains)-2017** |
| ■ उत्तर प्रदेश में पाये जाने वाले प्रमुख खनिज हैं– **लाइमस्टोन तथा डोलोमाइट** | **UPPCS (Mains) G.S. I$^{st}$ 2008** |
| ■ ग्रेनाइट पट्टियाँ तथा स्लेट बनाए जाते हैं– **ललितपुर में** | **UPPCS (Pre.) G.S. 2002** |
| ■ उत्तर प्रदेश में परमाणु ऊर्जा केन्द्र स्थापित है– **नरौरा में** | **UPPCS (Pre) G.S. 2007**<br>**UP UDA/LDA (Pre) G.S., 2010**<br>**UPPCS (Pre) G.S. 1994**<br>**UPSSSC Van Rakshak Date : 21/08/2022**<br>**UPPSC Health Inspector 2013**<br>**UPPSC BEO Exam 2006-I** |
| ■ रामपुरा, जो भारत में प्रथम गाँव अपना सौर ऊर्जा प्लांट लगाने वाला बना, वह कहाँ स्थित है– **उत्तर प्रदेश** | **UP UDA/LDA (Pre) G.S., 2010** |
| ■ उत्तर प्रदेश में पहला तैरता सौर ऊर्जा संयंत्र किस बाँध पर बना है– **रिहन्द बाँध** | **UPPSC BEO (Pre) 2019** |
| ■ बेराइट (Barytes) तथा एंडालुसाइट (Andalusite) उत्तर प्रदेश के किस जिले में पाए जाते हैं– **सोनभद्र** | **Lower-II (Re-exam) (28-07-2019)** |
| ■ उत्तर प्रदेश में वह कौन-सा एकमात्र क्षेत्र है जहाँ ताँबा पाया जाता है– **ललितपुर** | **अमीन परीक्षा- 14-08-2016 (Paper-I)** |
| ■ उत्तर प्रदेश में किस जिले में सर्वप्रथम सोलर ऊर्जा संयंत्र प्रारम्भ किया गया– **अलीगढ़** | **लोअर प्रथम- 28-02-2016** |
| ■ उत्तर प्रदेश में वैकल्पिक ऊर्जा के विकास के लिये वैकल्पिक ऊर्जा विकास संस्थान की स्थापना कब की गयी– **1983** | **लोअर तृतीय - 26-06-2016** |



Join @yct_hub For More Exclusive PDFs

# 11 उत्तर प्रदेश : परिवहन एवं पर्यटन

- प्रदेश में यात्री सड़क परिवहन सेवा का प्रारंभ 15 मई, 1947 को हुआ।
- वार्षिक रिपोर्ट 2022-23 केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय के अनुसार उ.प्र. में राष्ट्रीय राजमार्गों की कुल लंबाई 12,270 किमी. है, जो इस संदर्भ में देश में द्वितीय स्थान पर है।
- भारत में राष्ट्रीय राजमार्गों की लंबाई के आधार पर महाराष्ट्र प्रथम (18,459.3 किमी.) तथा राजस्थान (10,706.3 किमी.) तृतीय स्थान पर है।
- प्रदेश में सर्वप्रथम लखनऊ से बाराबंकी के बीच रोडवेज सेवा (15 मई, 1947) चलाई गयी। 1 जून, 1972 को उत्तर प्रदेश रोडवेज की जगह उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम (UPSRTC) की स्थापना की गयी। इस निगम का मुख्यालय लखनऊ में है।
- वर्ष 2022 में उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम की स्थापना का 50वां स्वर्णिम वर्ष था।
- राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण द्वारा निर्मित उत्तर-दक्षिण व पूरब-पश्चिम कारिडोर एक दूसरे को झाँसी में काटते हैं।
- निगम द्वारा विभिन्न प्रकार की बस सेवाएं यथा, साधारण, जनरथ, एसी स्लीपर, स्कैनिया, शताब्दी, वोल्वो आदि प्रदान की जाती हैं।

**उत्तर प्रदेश से होकर गुजरने वाले प्रमुख राष्ट्रीय राजमार्ग**

| पुराना राष्ट्रीय राजमार्ग सं. | नया राष्ट्रीय राजमार्ग सं. | कहां से कहां तक |
|---|---|---|
| 2 | 19 | दिल्ली–मथुरा–आगरा–कानपुर–प्रयागराज–वाराणसी–कोलकाता |
| 3 | 44 | आगरा–ग्वालियर–इंदौर-नासिक-मुंबई |
| 7 | 35 | वाराणसी–मनगवां–रीवा–कन्याकुमारी |
| 11 | 21 | आगरा–जयपुर–बीकानेर |
| 24 | 9 | दिल्ली–बरेली–लखनऊ |
| 25 | 27 | लखनऊ–कानपुर–झांसी–शिवपुरी |
| 26 | 44 | झांसी-सागर |
| 27 | 30 | प्रयागराज–मनगवां |
| 28 | 27 | लखनऊ–बस्ती–गोरखपुर |
| 29 | 31/24 | गोरखपुर–गाजीपुर–वाराणसी |
| 56 | 173/31 | लखनऊ–वाराणसी |
| 86 | 34 | कानपुर–छतरपुर–सागर–भोपाल |
| 87 | 9 | रामपुर–पंतनगर–नैनीताल |

- प्रदेश से होकर गुजरने वाला सबसे लम्बा राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 19 (पुराना NH2) है, जो दिल्ली से कोलकाता जाता है।
- उत्तर प्रदेश सर्वाधिक एक्सप्रेस-वे वाला राज्य है।

| यमुना एक्सप्रेस-वे | गंगा एक्सप्रेस-वे |
|---|---|
| ग्रेटर नोएडा – आगरा | मेरठ – प्रयागराज |
| कुल लम्बाई – 165.537 कि.मी. | कुल लम्बाई – 594 किमी. |
| **लाभान्वित जिले** –गौतमबुद्ध नगर, अलीगढ़, मथुरा, हाथरस, आगरा | **लाभान्वित जिले** – मेरठ, हापुड़, बुलंदशहर, अमरोहा, सम्भल, बदायूं, शाहजहांपुर, हरदोई, उन्नाव, रायबरेली, प्रतापगढ़ और प्रयागराज। |

**पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे**

| |
|---|
| गाजीपुर – लखनऊ |
| कुल लम्बाई – 340.824 किमी. |
| **लाभान्वित जिले** – गाजीपुर, मऊ, आजमगढ़, अम्बेडकर नगर, सुल्तानपुर, अयोध्या, अमेठी–बाराबंकी व लखनऊ |

## रेल परिवहन

- कुल 9100 किमी. रेल मार्ग के साथ उत्तर प्रदेश का कुल रेल पथ लंबाई की दृष्टि से देश में प्रथम स्थान है।
- देश के 18 रेल जोनों में से 5 रेल जोनों की लाइनें प्रदेश से होकर गुजरती हैं।
- विश्व का सबसे लंबा रेलवे प्लेटफार्म हुबली, कर्नाटक में एवं दूसरा गोरखपुर है, जबकि एशिया का सबसे बड़ा लोको यार्ड मुगलसराय (पं. दीनदयाल उपाध्याय जंक्सन) में स्थित है।



Join @yct_hub For More Exclusive PDFs

| रेल संस्थान | स्थिति |
|---|---|
| 1. डीजल लोकोमोटिव वर्क्स | मडुवाडीह (वाराणसी) |
| 2. रेल रिपेयर कोच | गोरखपुर |
| 3. रेलकोच कारखाना | लालगंज (रायबरेली) |
| 4. केन्द्रीय रेल विद्युतीकरण संगठन | प्रयागराज (इलाहाबाद) |
| 5. रेलवे संग्रहालय | वाराणसी |
| 6. बिजली प्रशिक्षण केन्द्र | गाजियाबाद |
| 7. रेल संरक्षा आयोग | लखनऊ |

- उत्तर प्रदेश में रेल नेटवर्क का 100 प्रतिशत विद्युतीकरण स्वीकृत हो चुका है।
- लखनऊ के अतिरिक्त कानपुर, आगरा, मेरठ, वाराणसी, गोरखपुर तथा प्रयागराज में मेट्रो परियोजना प्रस्तावित है।

## वायु परिवहन

- प्रदेश में नागरिक उड्डयन प्रशिक्षण केन्द्र, प्रयागराज (बमरौली), राष्ट्रीय प्रशिक्षण कालेज आगरा, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय उड़ान अकादमी (फुरसतगंज) रायबरेली, मेरठ, अलीगढ़, सैफई एयरस्ट्रिप में, सहारनपुर में एयर स्टेशन, झाँसी में आर्मी एविएशन केन्द्र, इत्यादि स्थित है।

| उ.प्र. के प्रमुख हवाई अड्डे | | |
|---|---|---|
| **हवाई अड्डे** | | **नगर** |
| चौधरी चरण सिंह अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा (अमौसी) हवाई अड्डा) | – | लखनऊ |
| लाल बहादुर शास्त्री अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा (बाबतपुर हवाई अड्डा) | – | वाराणसी |
| बमरौली हवाई अड्डा | – | प्रयागराज |
| चकेरी हवाई अड्डा | – | कानपुर |
| गणेश शंकर विद्यार्थी हवाई अड्डा | – | कानपुर |
| खेरिया हवाई अड्डा | – | आगरा |
| सरसावा हवाई अड्डा | – | सहारनपुर |
| हिंडन हवाई अड्डा | – | गाजियाबाद |
| मर्यादा पुरुषोत्तम श्री राम अन्तर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा (अयोध्या एयरपोर्ट) | – | अयोध्या |
| जेवर अन्तर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा (निर्माणाधीन) | – | गौतमबुद्ध नगर |
| ललितपुर हवाई अड्डा | – | ललितपुर |
| झांसी हवाई अड्डा | – | झांसी |
| गोरखपुर हवाई अड्डा | – | गोरखपुर |
| बरेली हवाई अड्डा | – | बरेली |
| कुशीनगर अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा | – | कुशीनगर |

- आदित्य बिड़ला ग्रुप ने सोनभद्र (म्योरपुर) में निजी हवाई अड्डा विकसित किया है।
- झांसी एयरपोर्ट भारतीय सेना का एयरपोर्ट है। भारतीय वायु सेना का एयरपोर्ट बक्सी का तालाब लखनऊ में स्थित है।

## जल परिवहन

- हल्दिया–प्रयागराज (राष्ट्रीय जलमार्ग–1) गंगा नदी पर स्थित है। इसकी कुल लंबाई 1620 किमी. है। यह देश का सबसे बड़ा आन्तरिक जलमार्ग है।

- उ.प्र. राज्य सड़क परिवहन निगम की स्थापना – **जून 1972**
- भारतीय रेलवे परिवहन प्रबंधन संस्थान की स्थापना – **2003 लखनऊ**
- उ.प्र. राज्य राजमार्ग प्राधिकरण का गठन – **अगस्त 2004**
- पहली बस सेवा – **लखनऊ से बाराबंकी (15 मई, 1947)**
- पूर्वोत्तर रेलवे जोन का मुख्यालय – **गोरखपुर**
- उत्तर-मध्य रेलवे जोन का मुख्यालय – **प्रयागराज ( इलाहाबाद )**
- रेलवे संरक्षा आयोग का मुख्यालय – **लखनऊ**
- प्रदेश में पहली रेलगाड़ी – **प्रयागराज– कानपुर के मध्य (3 मार्च 1859)**
- डीजल लोकोमोटिव वर्क्स – **वाराणसी**
- रेल कोच कारखाना – **लालगंज (रायबरेली)**
- राष्ट्रीय जलमार्ग नम्बर एक (देश का सबसे लम्बा जलमार्ग) – **प्रयागराज से हल्दिया**
- अंतर्देशीय जलमार्ग प्राधिकरण – **1986, नोएडा**
- नागरिक उड्डयन प्रशिक्षण कॉलेज – **प्रयागराज**
- इन्दिरा गाँधी राष्ट्रीय उड़ान अकादमी – **फुरसतगंज ( अमेठी )**
- नेशनल पैराट्रूपर्स ट्रेनिंग स्कूल – **आगरा**
- सर्वप्रथम हवाई डाक सेवा – **प्रयागराज से नैनी (1911)**



Join @yct_hub For More Exclusive PDFs

## उत्तर प्रदेश : पर्यटन व्यवस्था

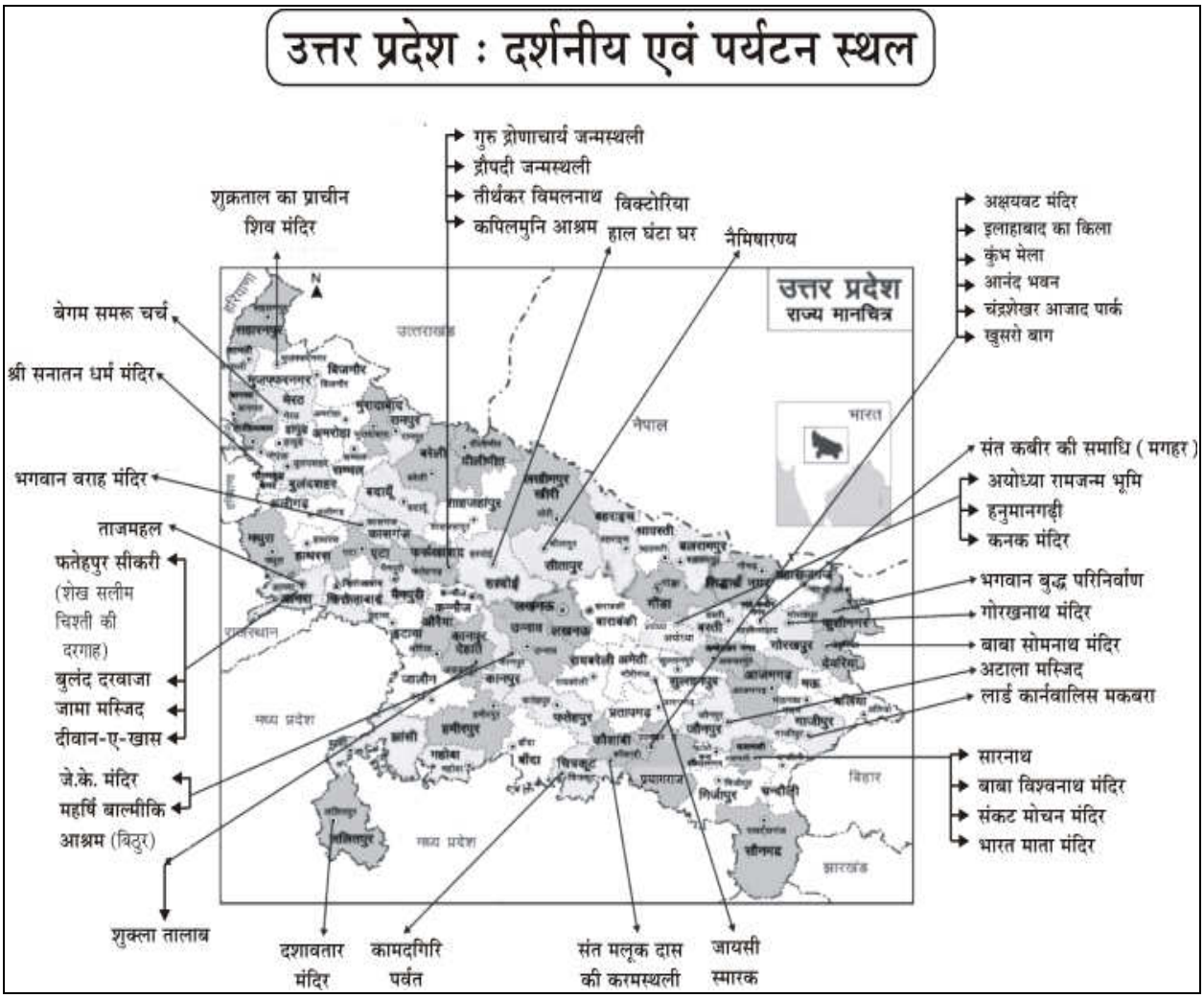


उत्तर प्रदेश भारत का सबसे बड़ा आकर्षक पर्यटन राज्य है। उत्तर प्रदेश भगवान राम, कृष्ण, गौतमबुद्ध और महावीर की कर्म स्थली है। प्रदेश में दुनिया की प्राचीन नगरी काशी, विश्व प्रसिद्ध कुंभ मेला एवं दुनिया के सात आश्चर्यों में शामिल ताजमहल स्थित है।

- पर्यटन को उद्योग का दर्जा– **1998**
- राज्य की नई पर्यटन नीति– **2018**
- भारत पर्यटन विकास निगम– **1966**
- उ. प्र. पर्यटन निदेशालय– **1972**
- उ. प्र. पर्यटन विकास निगम– **1974**
- यूनेस्को की विश्व धरोहर सूची में शामिल प्रदेश के स्मारक– **आगरा का किला ( 1983 ), ताजमहल ( 1983 ), फतेहपुर सीकरी ( 1986 ) एवं कुम्भ मेला ( 2017 )**
- हेरिटेज आर्क– **लखनऊ, वाराणसी, आगरा**

### उत्तर प्रदेश पर्यटन नीति, 2018

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा प्रदेश को देश का प्रमुख पर्यटन केन्द्र बनाने हेतु फरवरी, 2018 में उत्तर प्रदेश पर्यटन नीति, 2018 जारी की गई। पर्यटन नीति का प्रमुख उद्देश्य प्रदेश में पर्यटन का आकर्षण बढ़ाकर पर्यटक आगमन में वृद्धि करना, रोजगार सृजन एवं प्रदेश में पर्यटन से प्राप्त आय में वृद्धि करना है।

**पर्यटन नीति 2018 के प्रमुख लक्ष्य–**

- वर्ष 2023 तक उत्तर प्रदेश को देश का प्रमुख पर्यटन गन्तव्य बनाना।
- पर्यटन से प्रतिवर्ष लगभग 5000 करोड़ रुपये का निवेश प्राप्त करना।
- प्रदेश में आगामी 5 वर्षों में घरेलू एवं विदेशी पर्यटक आगमन में क्रमशः 15% एवं 10% वार्षिक वृद्धि प्राप्त करना।
- पर्यटन के क्षेत्र में लगभग 5 लाख लोगों के लिए रोजगार सृजन करना।
- उत्तर प्रदेश के राष्ट्रीय उद्यानों एवं वन्य जीव विहारों में प्रतिवर्ष 1 लाख पर्यटकों को आकर्षित करना।
- पर्यटन नीति 2018 की अवधि 5 वर्ष है।

**महत्वपूर्ण तथ्य–**

- उत्तर प्रदेश में वर्ष 2023 में कुल 3185.6 लाख पर्यटक आए जिनमें भारतीय पर्यटकों की संख्या – 3179.1 लाख तथा विदेशी पर्यटकों की संख्या 6.5 लाख थी।



Join @yct_hub For More Exclusive PDFs

- उत्तर प्रदेश पर्यटन विभाग द्वारा ट्रैवल मार्ट लखनऊ, टी०टी०एफ० हैदराबाद तथा अहमदाबाद, आई०टी०टी०एम० बैंगलुरु तथा पुणे, टूरिज्म शैल्टर-नागपुर का भव्य आयोजन कराया गया।
- जेवर में नोएडा ग्रीनफील्ड अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा और अयोध्या में मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे के साथ उत्तर प्रदेश शीघ्र ही 5 अंतर्राष्ट्रीय एयरपोर्ट वाला देश का पहला प्रदेश बन जाएगा।
- पर्यटन विभाग द्वारा पर्यटकों को सुविधा एवं मार्गदर्शन उपलब्ध कराने के उद्देश्य से एकीकृत वन स्टॉप ट्रैवल्स सोल्युशन पोर्टल लाँच किया गया है।

**उत्तर प्रदेश नई पर्यटन नीति-2022–**

- नवंबर, 2022 में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में हुई बैठक में राज्य की नई पर्यटन नीति-2022 को मंजूरी मिली।

**महत्वपूर्ण तथ्य–**

- राज्य की नई पर्यटन नीति में होटल उद्योग के लिए निवेश आधारित सब्सिडी की व्यवस्था की गई है। 10 करोड़ रुपये तक के निवेश पर 2 करोड़ रुपये और 500 करोड़ रुपये से अधिक के निवेश पर 40 करोड़ रुपये तक सब्सिडी दी जाएगी। इसमें उद्योग का स्तर और पानी, बिजली, संपत्ति कर, सीवरेज टैक्स की व्यवसायिक की जगह औद्योगिक स्थितियाँ होंगी।
- नई पर्यटन नीति के तहत भगवान राम से जुड़े सभी स्थानों को रामायण सर्किट के तौर पर विकसित किया जाएगाा। जिन नए पर्यटन स्थलों का विकास किया जाएगा, इसमें रामायण सर्किट प्रमुख होंगे।
- रामायण सर्किट में अयोध्या, चित्रकूट, बिठूर सहित अन्य धार्मिक स्थल शामिल होंगे। इन जगहों को भगवान राम और माता सीता के भ्रमण स्थलों के रूप में देखा जाता है।
- इसी तरह कृष्ण सर्किट में मथुरा, वृंदावन, गोकुल, गोवर्धन, धारबाना, नंदगाँव, बलदेव से लेकर अन्य धार्मिक स्थलों को जोड़ा जाएगा तथा बुद्धिस्ट सर्किट में सारनाथ, कुशीनगर, कौशांबी, श्रावस्ती, रामग्राम सहित अन्य स्थान शामिल होंगे।
- नई नीति में महाभारत सर्किट और शक्तिपीठ सर्किट की भी परिकल्पना की गई है, जिसमें हस्तिनापुर, काँपिल्य, अछत्र, बरनावा, बजाय, कौशांबी, गोंडा, लाक्षागृह जैसे स्थानों को चुना गया है।
- उत्तर प्रदेश नई पर्यटन नीति, 2022 में 22 गतिविधियों को नई नीति में शामिल किया गया है।

# EXAM CAPSULE

| | |
|---|---|
| ■ सारनाथ जो ''अशोक स्तम्भ'' के लिए प्रसिद्ध है, वाराणसी से 10 किलोमीटर उत्तर-पूर्व में किन दो नदियों के संगम के पास स्थित है– **गंगा और वरुणा** | **UPSSSC Junior Assistant Exam. 27-8-2023** |
| ■ उत्तर प्रदेश पर्यटन के बौद्ध सर्किट का हिस्सा है– **सारनाथ** | **UPSSSC Instructor Exam-2022** |
| ■ हाल ही में प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने अयोध्या में नवनिर्मित हवाई-अड्डे का उद्घाटन किया है। इस नवनिर्मित हवाई-अड्डे का नाम है– **महर्षि वाल्मीकि अंतर्राष्ट्रीय हवाई-अड्डा** | **UP Police Contable (M/F) 18/02/2024 Shift-II (Cancelled)** |
| ■ लखनऊ स्थित बाल संग्रहालय (चिल्ड्रेन म्यूजियम) की स्थापना किस वर्ष हुई थी– **1957** | **UPSSSC Junior Assistant Exam. 27-8-2023** |
| ■ उत्तर प्रदेश में, राजकीय स्वतंत्रता संग्राम संग्रहालय (शहीद स्मारक) किस स्थान पर स्थापित है– **मेरठ** | **UP Police Contable (M/F) 18/02/2024 Shift-I (Cancelled)** |
| ■ उत्तर प्रदेश में स्थित गुफाएँ हैं– **गुप्त गोदावरी गुफाएँ** | **Allahabad High Court ARO 16-12-2021 Shift-II** |
| ■ काशी, जो भारत के सबसे पवित्र शहरों में से एक है, ..... नदी के किनारे पर बसा हुआ है– **गंगा** | **Allahabad High Court Group-D 12-11-2017** |
| ■ भारतीय पर्यटन के 'स्वर्ण त्रिकोण' में उत्तर प्रदेश का कौन-सा शहर शामिल है– **आगरा** | **Allahabad High Court ARO 18-12-2021 Shift-I** |
| ■ हिंडन हवाई अड्डा अवस्थित है– **गाज़ियाबाद** | **Allahabad High Court CA/RGC 21-12-2021 Shift-I** |
| ■ मुगल सराय जंक्शन रेलवे स्टेशन का नया नाम क्या है–**पं. दीन दयाल उपाध्याय जंक्शन** | **Allahabad High Court ARO 15-12-2021 Shift-II** |
| ■ खेरिया विमानपत्तन (हवाई अड्डा) कहाँ है– **आगरा** | **Allahabad High Court ARO 15-12-2021 Shift-I** |



Join @yct_hub For More Exclusive PDFs

| | |
|---|---|
| ■ उत्तर प्रदेश में वाहन शुल्क/माल भाड़ा गाँव (Freight) का निर्माण कहाँ किया जाएगा– **वाराणसी** | **Allahabad High Court ARO 15-12-2021 Shift-I** |
| ■ उत्तर प्रदेश का सबसे बड़ा रेलवे स्टेशन कौन-सा है– **गोरखपुर रेलवे स्टेशन** | **Allahabad High Court ARO 16-12-2021 Shift-II** |
| ■ जेवर एयरपोर्ट _____जिले मे बनाया जा रहा है– **गौतमबुद्ध नगर** | **Allahabad High Court ARO 18-12-2021 Shift-I** |
| ■ उत्तर प्रदेश का लाल बहादुर शास्त्री अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा कहाँ अवस्थित है– **वाराणसी** | **Allahabad High Court ARO 19-12-2021 Shift-II** |
| ■ चकेरी हवाई पट्टी कहाँ पर अवस्थित है– **कानपुर** | **Allahabad High Court ARO 19-12-2021 Shift-I** |
| ■ कुशीनगर विमानपत्तन को कब अन्तर्राष्ट्रीय विमानपत्तन उद्घोषित किया गया– **24 जून 2020** | **Allahabad High Court ARO 20--12-2021 Shift-I** |
| ■ पूर्वांचल एक्सप्रेस वे _____को जोड़ेगा– **लखनऊ से गाजीपुर** | **Allahabad High Court RO 10--12-2021 Shift-II Allahabad High Court RO 12-12-2021 Shift-I** |
| ■ उत्तर प्रदेश में चौधरी चरण सिंह अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा कहाँ है– **लखनऊ** | **Allahabad High Court RO 12--12-2021 Shift-I** |
| ■ उत्तरी पूर्वी रेलवे का मुख्यालय कहाँ स्थित है– **गोरखपुर** | **Allahabad High Court RO 12--12-2021 Shift-I** |
| ■ हाल ही में, उत्तर प्रदेश राज्य के गंगा एक्सप्रेस वे परियोजना की आधारशिला रखी गई है, वह_____ कि.मी. लंबा होगा– **594** | **Allahabad High Court RO 05--01-2022 Shift-II** |
| ■ ताजमहल उत्तर प्रदेश के किस शहर में स्थित है– **आगरा** | **Allahabad High Court Group-D 20-01-2019** |
| ■ उत्तर प्रदेश में जैन एवं बौद्ध धर्म का प्रसिद्ध तीर्थ स्थान है– **कौशाम्बी** | **Allahabad High Court CA/RGC 18-12-2021 Shift-II** |
| ■ उत्तर प्रदेश के किस शहर में विंध्याचल कोरीडोर परियोजना की नींव रखी गई है– **मिर्ज़ापुर** | **Allahabad High Court CA/RGC 21-12-2021 Shift-I** |
| ■ चौखंडी स्तूप स्थित है– **सारनाथ** | **Allahabad High Court ARO 24-02-2019** |
| ■ ताजमहल के संगमरमर की क्षति होने का मुख्य कारण है– **$SO_2$** | **Allahabad High Court ARO 14-12-2021 Shift-I** |
| ■ सूफी संत हाफी वारिश अली शाह के मकबरे पर प्रत्येक वर्ष कहाँ मेला लगता है– **देवा शरीफ, बाराबंकी** | **Allahabad High Court ARO 15-12-2021 Shift-II** |
| ■ सैय्यद सालार मेला कहाँ आयोजित किया जाता है– **बहराइच** | **Allahabad High Court ARO 19-12-2021 Shift-II** |
| ■ यूनेस्को के द्वारा ताजमहल को किस वर्ष में विश्व धरोहर में सम्मिलित किया गया– **1983** | **Allahabad High Court ARO 19-12-2021 Shift-I Allahabad High Court ARO 06--01-2022 Shift-I** |
| ■ स्मारक ''चौरासी गुम्बद'' उत्तर प्रदेश के जिले में पाया गया है– **काल्पी** | **Allahabad High Court RO 08--01-2017** |
| ■ हिन्दु–मुस्लिम एकता का संकेतक 'सुलह कुल महोत्सव' कहाँ मनाया जाता है– **आगरा** | **Allahabad High Court RO 11--12-2021 Shift-I** |
| ■ उत्तर प्रदेश के अयोध्या में पवित्र सरयू नदी पर प्रथम लक्जरी क्रूज सेवा का नाम है– **रामायण क्रूज टूर** | **Allahabad High Court RO 12--12-2021 Shift-I** |
| ■ गवर्नमेंट बुद्ध संग्रहालय कहाँ अवस्थित है– **गोरखपुर** | **Allahabad High Court RO 11--12-2021 Shift-I** |
| ■ हाल ही में मथुरा-वृंदावन नगर निगम के कितने वार्डों को पवित्र तीर्थ स्थल घोषित किया गया है– **22** | **Allahabad High Court APS 23-12-2021 Shift-I** |



Join @yct_hub For More Exclusive PDFs

| | |
|---|---|
| ■ गंगा नदी के किस भाग को राष्ट्रीय जल मार्ग घोषित किया गया है– **प्रयागराज से हल्दिया तक** | **UPPSC RO/ARO (Mains) 2016 UPPCS (Mains) GS 1st Paper 2010** |
| ■ उत्तर प्रदेश सरकार की महत्वाकांक्षी 8- लेन प्रवेश नियंत्रित गंगा एक्सप्रेस वे परियोजना का विस्तार उत्तर प्रदेश के किन दो परस्पर अधिकतम दूरी वाले जनपदों के मध्य प्रस्तावित है– **मेरठ से प्रयागराज** | **UPPCS (Mains) Spl. G.S. I$^{st}$ 2008** |
| ■ 'यमुना एक्सप्रेस वे' है– **ग्रेटर नोएडा से आगरा तक** | **UPPCS (Mains) I$^{st}$ Paper GS, 2012 परिचालक 23.08.2015 Allahabad High Court ARO 18-12-2021 Shift-I** |
| ■ ताज अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे का निर्माण किया जा रहा है– **गौतम बुद्ध नगर जनपद में** | **UPPSC Health Inspector 2013** |
| ■ यू.पी. से शुरू होने वाला सबसे लम्बा राष्ट्रीय राजमार्ग है– **NH-7 (वर्तमान में NH-19)** | **UPPSC Health Inspector 2013** |
| ■ उत्तर-मध्य रेलवे का मुख्यालय अवस्थित है– **प्रयागराज ( इलाहाबाद )** | **UPPSC Health Inspector 2013** |
| ■ उत्तर प्रदेश में 'पूर्वांचल एक्सप्रेस मार्ग' किस नगर से नहीं गुजरेगा– **बस्ती** | **UPPCS (Pre)-2018** |
| ■ आगरा-लखनऊ एक्सप्रेस हाईवे की लम्बाई है लगभग– **302 कि.मी.** | **UPPCS (Mains)-2017** |
| ■ जी. टी. रोड नहीं गुजरती है– **अलीगढ़ से** | **UPPCS (Pre.) G.S. 2002 UPPCS (Mains) I$^{st}$ Paper GS, 2012** |
| ■ राष्ट्रीय राजमार्ग विकास परियोजना के उत्तर-दक्षिण तथा पूर्व-पश्चिम गलियारे मिलते हैं– **झाँसी में** | **UPPCS (Pre) GS, 2013** |
| ■ उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा लखनऊ मेट्रो योजना के प्रथम चरण में मेट्रो सेवा अक्टूबर 2016 में कहाँ से कहाँ तक चलाने की योजना है– **ट्रांसपोर्ट नगर से चारबाग** | **परिचालक - 23-08-2015 वन रक्षक - 11-12-2015** |
| ■ जुलाई 2018 की स्थिति के अनुसार, उत्तर प्रदेश में सबसे लंबी ऊँचाई वाली सड़क कहाँ से कहाँ तक फैली हुई है– **यूपी गेट से गाजियाबाद में राजनगर विस्तार** | **ग्राम विकास अधिकारी - 22-12-2018 (shift- II)** |
| ■ नृसिंह की सबसे ऊँची शैलोत्कीर्ण प्रतिमा कहाँ पाई गई है– **दुधई** | **UPPCS (J) 2018** |
| ■ 'घोषिताराम' जहाँ बुद्ध कुछ समय के लिए रुके थे, स्थित था- **कौशाम्बी में** | **UPPCS (J) 2006** |
| ■ उत्तर प्रदेश का बायो-टेक पार्क अवस्थित है- **लखनऊ में** | **UPPCS (J) 2003** |
| ■ ''आर्यभट्ट नक्षत्रशाला'' स्थित है– **रामपुर में** | **UPPSC ACF/RFO (Mains) I$^{st}$ 2018 UPPCS (Mains) G.S. I$^{st}$ 2014 UPPCS (Mains) GS I$^{st}$ 2015** |
| ■ प्रयागराज स्थित एलफ्रेड पार्क का पुनः नामकरण किया गया– **चन्द्रशेखर आजाद के नाम पर** | **UPPCS (Mains) GS I$^{st}$ 2015** |
| ■ मोतीलाल नेहरू बाल संग्रहालय स्थित है– **लखनऊ में** | **UPPCS (Mains) G.S. I$^{st}$ Paper 2010** |
| ■ 'ब्राण्ड उत्तर प्रदेश' सृजन के लिए उत्तर प्रदेश पर्यटन द्वारा किस उपागम को अपनाया गया है– **समग्रता उपागम** | **UPPSC ACF/RFO Mains Ist Paper 2019** |
| ■ उत्तर प्रदेश में पर्यटन विकास निगम की स्थापना हुई थी– **1974 में** | **UP Lower (Mains) G.S. 2015 UPPSC ACF/RFO (Mains) Ist Paper 2019** |
| ■ विज्ञान नगरी अवस्थित है– **लखनऊ में** | **UPPCS (Mains) GS I$^{st}$ 2015** |
| ■ उत्तर प्रदेश में यूपी पर्यटन द्वारा 'बुंदेलखंड सर्किट में कौन-से गंतव्य शामिल हैं– **बिठूर, चित्रकूट, झाँसी, कालिंजर, महोबा** | **[UPSSSC Homeopathic Pharmacist 24/10/2019]** |
| ■ 'ताज एक्सप्रेस वे' किन शहरों को जोड़ता है– **आगरा- ग्रेटर नोएडा** | **UPP Constable (Pre), 2013** |



Join @yct_hub For More Exclusive PDFs

# 12 उत्तर प्रदेश : इतिहास

## उत्तर प्रदेश : ऐतिहासिक परिदृश्य

उत्तर प्रदेश का इतिहास हजारों साल पुराना है। उत्तर प्रदेश आर्य संस्कृति का वाहक रहा है। यहाँ का इतिहास आर्यों से लेकर स्वतंत्रता आंदोलन तक निरंतर प्राप्त होता है। प्रदेश की धरती पर महाभारत, रामायण और पुराण सरीखे महाकाव्य लिखे गए तथा महाभारत जैसे युद्ध की केन्द्रस्थली रहा है।

प्रयाग में विश्व प्रसिद्ध कुम्भ मेला इसके वैभव एवं सांस्कृतिक उच्चता का परिचायक है।

उत्तर प्रदेश में बौद्ध एवं जैन धर्म का प्रचार-प्रसार हुआ। भगवान बुद्ध ने सारनाथ में अपना प्रथम उपदेश दिया। कुरु, पांचाल, वत्स, काशी जैसे राज्यों का उदय एवं सम्राट अशोक के कई जनहितकारी कार्यों का साक्षी उत्तर प्रदेश प्रशासनिक और आर्थिक उन्नति के लिए भी जाना जाता रहा है। सम्राट हर्षवर्धन के शासनकाल में उत्तर प्रदेश प्रसिद्धि के चर्मोत्कर्ष पर पहुँचा। मध्यकालीन शासन व्यवस्था में अकबर का शासनकाल विशेष उल्लेखनीय रहा है। ब्रिटिश शासनकाल के विरुद्ध विद्रोह में उत्तर प्रदेश ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।



Join @yct_hub For More Exclusive PDFs

- उत्तर प्रदेश के मेरठ तथा सहारनपुर जिले से ताम्र पाषाणिक संस्कृति के साक्ष्य प्राप्त हुए हैं।
- उत्तर प्रदेश में पुरा पाषाण कालीन सभ्यता के साक्ष्य सोनभद्र के सिंगरौली घाटी, प्रयागराज की बेलन घाटी तथा चकिया (चन्दौली) नामक पुरास्थलों से प्राप्त हुए हैं।
- बेलन घाटी के लोहंदानाला क्षेत्र से पाषाण उपकरणों के साथ-साथ एक अस्थि निर्मित मातृदेवी की प्रतिमा भी प्राप्त हुई है।
- पुरा पाषाण कालीन सभ्यता के लगभग सभी उपकरण क्वार्टजाइट पत्थरों से निर्मित हैं।
- उ.प्र. में मध्य पाषाण कालीन संस्कृति के साक्ष्य प्रमुख रूप से **प्रतापगढ़ के सराय नाहर राय** तथा **महदहा** नामक स्थान से प्राप्त हुए हैं।
- सराय नाहर राय में उत्खनन कार्य **प्रो. जी. आर. शर्मा** द्वारा किया गया।
- सराय नाहर से 14 शवाधान मिले हैं; जिनमें मृतक का सिर पश्चिम दिशा की तरफ है। यहां से 8 गर्त चूल्हे भी प्राप्त हुए हैं।
- **प्रतापगढ़** के एक अन्य **स्थल महदहा** से गर्तावाश के साक्ष्य के साथ-साथ हड्डियों की अनेक कलात्मक वस्तुएं, मृग श्रृंग के छल्लों की माला और हड्डियों के आभूषण मिले हैं।
- महदहा से बारहसिंगा, भैंस, हाथी, गैंडा, सुअर, कछुए और पत्तियों के भी अवशेष मिले हैं।
- प्रतापगढ़ के दमदमा पुरास्थल से हड्डी एवं सींग के उपकरण व आभूषण, गर्त चूल्हे तथा 41 शवाधान मिले हैं।
- मध्य पाषाण कालीन पाषाण संस्कृति के साक्ष्य प्रयागराज जनपद के मेजा तहसील के **चौपानीमाण्डो** पुरास्थल से झोपड़ियों एवं मिट्टी के बर्तनों के अवशेष प्राप्त हुए हैं।
- प्रदेश में नवपाषाण कालीन सभ्यता के साक्ष्य मिर्जापुर, सोनभद्र, बुंदेलखण्ड, सराय नाहर राय (प्रतापगढ़) में मिले हैं।
- नवीनतम खोजों के आधार पर भारतीय उपमहाद्वीप में प्राचीनतम कृषि साक्ष्य वाला स्थल उत्तर प्रदेश के संत कबीर नगर जिले में स्थित **लहुरादेव** है। जहाँ से 9000 ई. पू. से 8000 ई.पू. के मध्य चावल के साक्ष्य प्राप्त हुए हैं।
- उल्लेखनीय है कि इस नवीनतम खोज के पूर्व भारतीय उपमहाद्वीप का प्राचीनतम कृषि साक्ष्य वाला स्थल मेहरगढ़ (पाकिस्तान) को माना जाता था। इस स्थल से 7000 ई.पू. के गेहूँ के साक्ष्य मिले हैं।
- **कोलडिहवा** (प्रयागराज) चावल के प्राचीनतम साक्ष्य वाला स्थल माना जाता था।
- प्रदेश में हड़प्पाकालीन साक्ष्य **आलमगीरपुर** हुलास, माण्डी गाँव आदि से प्राप्त हुआ है। आलमगीरपुर हड़प्पा सभ्यता के पूर्वी विस्तार को प्रकट करता है। यहाँ से कपास उगाने का साक्ष्य प्राप्त हुआ है।
- प्राचीन काल में गंगा के मैदान में स्थित उत्तर प्रदेश का क्षेत्र **'मध्य देश'** कहलाता था। उत्तर वैदिक संस्कृति का मुख्य केन्द्र मध्य देश था।
- बौद्ध ग्रंथ **अंगुत्तर निकाय** एवं जैन ग्रंथ **भगवती सूत्र** में 16 महाजनपदों का उल्लेख मिलता है।
- 16 महाजनपदों में से **8 महाजनपद ( कुरु, काशी, पांचाल, कोशल, मल्ल, चेदि, वत्स और शूरसेन )** आधुनिक उत्तर प्रदेश में स्थित थे।

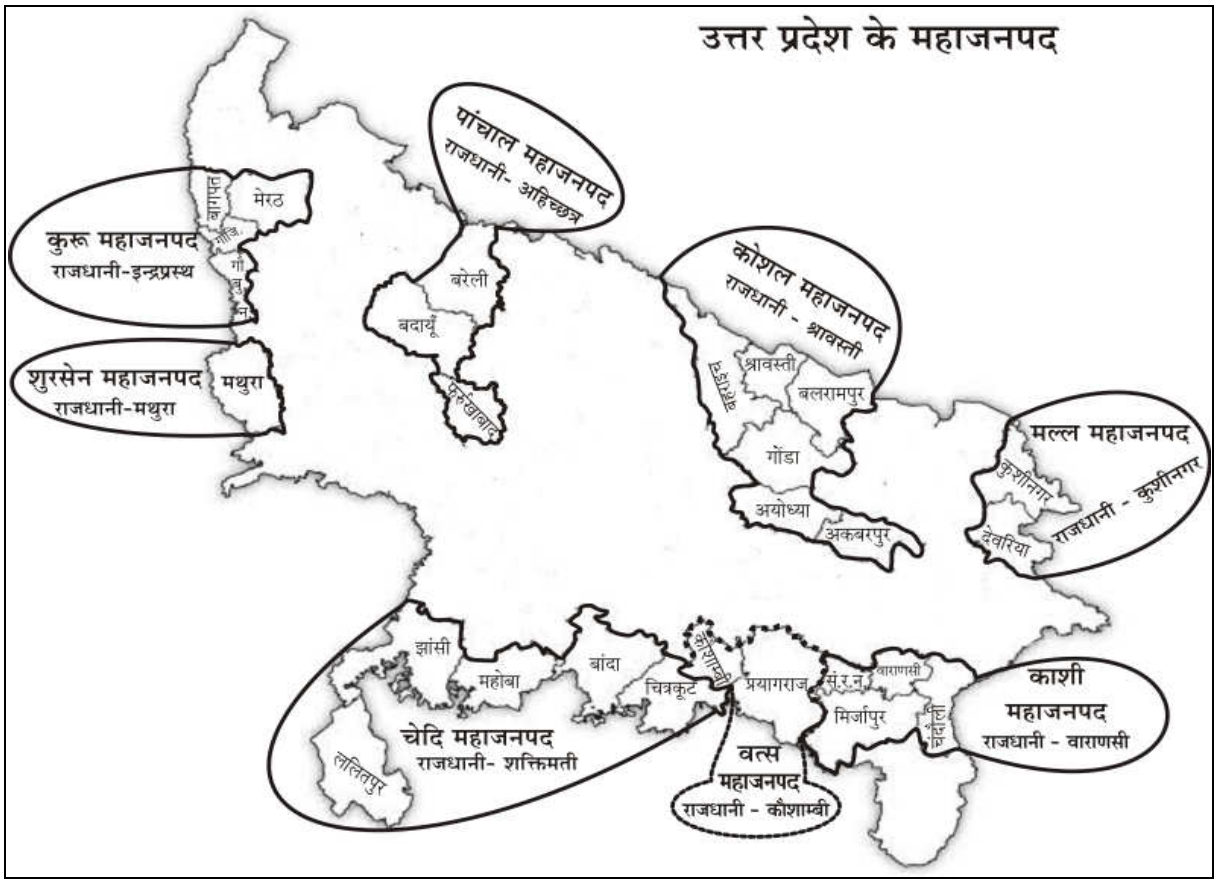




Join @yct_hub For More Exclusive PDFs

| महाजनपद | राजधानी | वर्तमान स्थिति |
|---|---|---|
| **काशी** | वाराणसी | वाराणसी के आस-पास |
| **कोशल** | श्रावस्ती व साकेत (अयोध्या) | अवध क्षेत्र |
| **कुरु** | इन्द्रप्रस्थ | मेरठ, दिल्ली, थानेश्वर के आस-पास |
| **वत्स** | कौशाम्बी | प्रयागराज के आस-पास का क्षेत्र |
| **शूरसेन** | मथुरा | मथुरा के आस-पास का क्षेत्र |
| **मल्ल** | कुशीनगर | देवरिया, कुशीनगर के आस-पास का क्षेत्र |
| **चेदि** | शुक्तिमती/सोत्थिवती | बुन्देलखण्ड के आस-पास का क्षेत्र |
| **पांचाल** | अहिच्छत्र (रामनगर) एवं काम्पिल्य (फर्रुखाबाद) | बरेली, बदायूँ तथा फर्रुखाबाद के क्षेत्र |

- **शतपथ ब्राह्मण** में कोशल (अवध) का उल्लेख हुआ है। यह महाजनपद अवध क्षेत्र में स्थित था। जिसमें उत्तरी कोशल की राजधानी श्रावस्ती और दक्षिणी कोशल की राजधानी कुशावती थी।
- दूसरी-तीसरी शताब्दी में **कौशाम्बी** वत्स की राजधानी थी। इसे आद्य नगरीय स्थल भी कहा जाता है।
- कौशाम्बी **थेर पंथ** का प्रमुख केन्द्र भी था। इस नगर को हूण नेता तोरमाण ने अधिक क्षति पहुँचाई।
- छठी शताब्दी ई. पू. में दो नये धर्मों जैन व बौद्ध का उदय हुआ। इन दोनों धर्मों का उत्तर प्रदेश में व्यापक प्रभाव पड़ा।
- मथुरा जैन धर्म का एक प्रमुख केन्द्र था।
- गौतमबुद्ध का अधिकांश संन्यासी जीवन उत्तर प्रदेश में ही व्यतीत हुआ था। इसी कारण **'उत्तर प्रदेश को बौद्ध धर्म का पालना'** कहा जाता है।
- **तीर्थंकर, जिनका जन्म स्थान उत्तर प्रदेश में है–**

| जैन धर्म के तीर्थंकर | जन्म स्थान |
|---|---|
| ऋषभ देव | अयोध्या |
| अजितनाथ | अयोध्या |
| सम्भवनाथ | श्रावस्ती |
| अभिनन्दन नाथ | अयोध्या |
| सुमितनाथ | अयोध्या |
| पद्म प्रभु | कौशाम्बी |
| सुपार्श्वनाथ | वाराणसी |
| विमलनाथ | काम्पिल्य |
| अनन्तनाथ | अयोध्या |
| पार्श्वनाथ | वाराणसी |

- ज्ञान प्राप्ति के बाद महात्मा बुद्ध सर्वप्रथम सारनाथ (ऋषिपत्तन) पहुँचे, जहाँ अपना पहला उपदेश दिया। इस घटना को **धर्मचक्र प्रवर्तन** कहा गया।
- महात्मा बुद्ध ने अपने सर्वाधिक उपदेश कोशल राज्य की राजधानी श्रावस्ती में दिये।
- 483 ई.पू. 80 वर्ष की अवस्था में मल्लों की राजधानी कुशीनारा (कुशीनगर) में महात्मा बुद्ध की मृत्यु हो गयी। इस घटना को **महापरिनिर्वाण** कहा गया।
- बौद्ध काल में कपिलवस्तु शाक्य गणराज्य की राजधानी थी। कपिल ऋषि के वास स्थान से इस स्थल का नाम कपिलवस्तु पड़ा।
- काम्पिल्य (बदायूं और फर्रुखाबाद के मध्य स्थित) प्राचीन काल में शिक्षा का प्रमुख केन्द्र था।
- **सोहगौरा ताम्रलेख** गोरखपुर जनपद में स्थित था, यह अभिलेख मौर्यकालीन है जिससे पता चलता है कि मौर्य काल में अकाल की स्थिति में जनता को अनाज का वितरण किया जाता था।
- प्रयाग के अशोक स्तंभ पर हरिषेण द्वारा रचित समुद्रगुप्त का प्रशस्ति लेख उत्कीर्ण है।
- **सारनाथ का स्तंभलेख** जिसका निर्माण मौर्य सम्राट अशोक ने करवाया, के शीर्ष पर बने सिंहों की आकृति को ही भारत सरकार ने अपना राजकीय चिन्ह बनाया।
- मेरठ के स्तंभ लेख को फिरोजशाह तुगलक द्वारा दिल्ली में तथा कौशाम्बी के स्तंभ लेख को अकबर द्वारा प्रयाग के किले में स्थापित करवाया गया।
- प्रयाग स्तंभ पर अशोक की रानी कारूवाकी द्वारा दान दिए जाने का उल्लेख है। इसे **'रानी का अभिलेख'** भी कहा जाता है।
- अशोक निर्मित अहरौरा अभिलेख राज्य के मिर्जापुर जिले में है।
- अयोध्या से प्राप्त शिलालेख से पता चलता है कि शुंग वंश का संस्थापक पुष्यमित्र शुंग ब्राह्मण धर्म का अनुयायी था और उसने महर्षि पतंजलि की अध्यक्षता में दो अश्वमेध यज्ञ करवाए थे।
- उत्तर वैदिक युग से सम्बद्ध स्थल **अतरंजीखेड़ा** (कासगंज) से गैरिक मृद्भांड तथा कृष्ण लोहित मृद्भांड संस्कृतियों के अवशेष प्राप्त हुए हैं।
- अतरंजीखेड़ा से शुंग कुषाण तथा गुप्त काल के अवशेष प्राप्त हुए हैं।
- अतरंजीखेड़ा से 1000 ई.पू. के लौह प्रयोग, धान की खेती, वृत्ताकार अग्निकुंड एवं गैरिक तथा कृष्ण लोहित मृद्भांडों के साक्ष्य प्राप्त हुए हैं।
- **अहिच्छत्र** से 'मित्र' उपाधि वाले राजाओं के सिक्के (200-300 ई.) प्राप्त हुए हैं।
- अहिच्छत्र से गुप्तकालीन यमुना की एक मूर्ति प्राप्त हुई है।
- कुषाण शासक कनिष्क की दूसरी राजधानी मथुरा थी।
- मथुरा कला शैली का जन्म कनिष्क के काल में मथुरा में हुआ। इस शैली में लाल बलुआ पत्थर का प्रयोग हुआ है।
- पहली शताब्दी में महात्मा बुद्ध की प्रथम मूर्ति के निर्माण का श्रेय मथुरा कला शैली को दिया जाता है।
- प्रयागराज के **गढ़वा** से कुमारगुप्त प्रथम के दो शिलालेख तथा स्कंदगुप्त के एक शिलालेख प्राप्त हुए हैं।
- गाजीपुर से प्राप्त हुए भितरी स्तंभ लेख में पुष्यमित्रों और हूणों के साथ स्कंदगुप्त के युद्ध का वर्णन है।
- गुप्त काल में सारनाथ एवं मथुरा में उत्कृष्ट बौद्ध प्रतिमाओं का निर्माण हुआ था।
- राज्य के ललितपुर जिले में **देवगढ़** नामक स्थल से गुप्तकालीन मंदिरों के साक्ष्य प्राप्त हुए हैं।
- यहाँ के गुप्तकालीन मंदिरों में दशावतार मंदिर उल्लेखनीय है।
- **भितरगांव का मन्दिर** राज्य के कानपुर जिले में स्थित है जो केवल ईंटों से बना है।



Join @yct_hub For More Exclusive PDFs

- ह्वेनसांग के समय सारनाथ थेरवाद का प्रमुख केन्द्र था।
- सारनाथ में ही धमेख स्तूप है जिसे अशोक ने 249 ई.पू. मे इसी स्थान पर बनाने का आदेश दिया था और यह 500 ई.पू. मे बनकर तैयार हुआ। **फाह्यान** ने इसका विस्तृत उल्लेख किया है।
- प्राचीन काल में कन्नौज 'कान्यकुब्ज' के नाम से प्रसिद्ध था।
- हर्ष ने थानेश्वर की जगह कन्नौज को अपनी राजधानी बनाया।
- हर्षवर्द्धन के काल में कन्नौज समृद्धि के कारण **'महोदय श्री'** तथा **महोदय नगर** कहलाता था।
- कन्नौज पर आधिपत्य के लिए गुर्जर प्रतिहारों, पाल एवं राष्ट्रकूटों के मध्य त्रिकोणीय संघर्ष हुआ। इस संघर्ष में अन्तिम विजय गुर्जर **प्रतिहारों** को मिली।
- कन्नौज पर सर्वाधिक समय तक गुर्जर प्रतिहारों ने शासन किया था। यहाँ से कुषाणकाल से लेकर गुप्तकाल तक के भौतिक अवशेष प्राप्त हुए हैं।
- **हुलासखेड़ा** से कुषाणकालीन 200 मीटर लम्बी सड़क, सुनियोजित जल निकाली व्यवस्था, चांदी के आहत सिक्के, कुषाणों के ताम्र सिक्के, कार्तिकेय की स्वर्ण प्रतिमा तथा गुप्त कालीन दुर्ग के भग्नावशेष, चाँदी-तांबे के सिक्के तथा मोहरें-छापे भी प्राप्त हुई हैं।
- हर्षवर्द्धन का 628ई0 का ताम्र दानपत्र लेख शाहजहांपुर जिले के **बांसखेड़ा** से प्राप्त हुआ है जिसमें हर्ष की वंशावली, प्रशासनिक संरचना एवं सैनिक अभियानों का उल्लेख है।
- हर्षवर्द्धन प्रति 5वें वर्ष प्रयाग में महामोक्ष परिषद का आयोजन करता था।
- श्रावस्ती तीन प्रमुख व्यापारिक मार्गों (उत्तरापथ, दक्षिणापथ, मध्य पथ) के केन्द्र में स्थित होने के कारण राजनीतिक-व्यापारिक गतिविधियों का केन्द्र बिन्दु था।
- बौद्ध मतानुसार **संकिसा** में भगवान बुद्ध, इन्द्र व ब्रह्मा के साथ स्वर्ग से धरती पर अवतरित हुए थे।

## मध्य काल

- 831 ई0 में महोबा में नन्नुक ने चन्देल वंश की स्थापना की।
- चन्देलों का राज्य **'जेजाकभुक्ति'** के नाम से चर्चित था। यह बुंदेलखंड के क्षेत्र से संबंधित है। इसकी राजधानी महोबा थी।
- चन्देल राजाओं के स्थापत्य के नमूने आज भी खजुराहो में विद्यमान हैं।
- 1018-1019 ई. में महमूद गजनवी ने कन्नौज पर आक्रमण कर गुर्जर प्रतिहारों को पराजित किया।
- तुगलक वंश के शासक फिरोजशाह तुगलक ने प्रदेश में दो नए नगरों फिरोजाबाद एवं जौनपुर का निर्माण कराया।
- जौनपुर का निर्माण **फिरोजशाह तुगलक** के द्वारा अपने भाई व सुल्तान मोहम्मद बिन तुगलक (जौना खां) की स्मृति में करवाया गया था।
- 1394 ई. में मलिक सरवर ख्वाजा जहां ने पूर्वी उत्तर प्रदेश के जौनपुर में शर्की साम्राज्य की स्थापना की।
- शर्की शासन के दौरान जौनपुर को **'शिराज-ए-हिन्द'** (पूर्व का शिराज) कहा जाता था।
- जौनपुर में **अटाला मस्जिद** का निर्माण इब्राहिम शाह शर्की द्वारा कराया गया।
- बदायूँ के जामा मस्जिद का निर्माण इल्तुतमिश ने करवाया था।
- सल्तनत काल एवं मुगल काल में **कड़ा** (प्रयागराज के निकट) महत्वपूर्ण इक्ता (सूबा) था।
- सुल्तान **अलाउद्दीन खिलजी** ने 1296 ई. में अपना देवगिरि अभियान सम्पन्न किया था। वापस कड़ा आने के बाद उसने सुल्तान जलालुद्दीन खिलजी की हत्या कर दी।
- सिकन्दर लोदी ने 1504 ई. में आगरा शहर की स्थापना की तथा इसे अपनी राजधानी बनाया।
- सल्तनत काल में **बदायूँ** सर्वाधिक महत्वपूर्ण इक्ता था। बदायूं, दिल्ली-लखनौती व्यापारिक मार्ग का प्रमुख केन्द्र था।
- सूफी संत शेख निजामुद्दीन औलिया एवं इतिहासकार अब्दुल कादिर बदायूंनी का सम्बन्ध बदायूं से ही था।
- इतिहासकार जियाउद्दीन बरनी बुलंदशहर जिले में स्थित बरन का निवासी था।
- मुगल काल में आगरा शिक्षा का प्रमुख केन्द्र था। फर्रुखाबाद में गंगा नदी के किनारे, मुगल घाट का निर्माण औरंगजेब ने करवाया था।

**राज्य में स्थापित मुगल कालीन स्थापत्य**

| प्रमुख स्थापत्य | स्थिति | निर्माता |
|---|---|---|
| जामा मस्जिद | सम्भल | बाबर |
| आगरा का किला | आगरा | अकबर |
| इलाहाबाद का किला | प्रयागराज | अकबर |
| शेख सलीम चिश्ती का मकबरा | फतेहपुर सीकरी | अकबर |
| बुलन्द दरवाजा | फतेहपुर सीकरी | अकबर |
| पंच महल | फतेहपुर सीकरी | अकबर |
| खास महल | फतेहपुर सीकरी | अकबर |
| जोधाबाई महल | फतेहपुर सीकरी | अकबर |
| बीरबल महल | फतेहपुर सीकरी | अकबर |
| जहांगीरी महल | आगरा | अकबर |
| ऐतमादुद्दौला का मकबरा | आगरा | नूरजहां |
| अकबर का मकबरा | सिकन्दरा | जहांगीर |
| न्याय की जंजीर | आगरा | जहांगीर |
| ताजमहल | आगरा | शाहजहां |
| मोती मस्जिद | आगरा | शाहजहां |

- नूरजहां ने आगरा में अपने पिता एतमादुद्दौला का मकबरा बनवाया था।
- अकबर के नवरत्नों में से **टोडरमल** का सम्बन्ध सीतापुर से तथा बीरबल का सम्बन्ध काल्पी से था।
- 1545 ई. में कालिंजर के सैन्य अभियान के दौरान ही बारूद विस्फोट से शेरशाह सूरी की मृत्यु हुई थी।
- शाहजहां द्वारा दिल्ली को मुगलों की राजधानी बनाने से पूर्व तक आगरा ही मुगल साम्राज्य की राजधानी थी।
- **बादशाह अकबर** ने प्रयाग की पुनर्स्थापना कर इसे 'इलाहाबाद' नाम दिया था।
- **अकबर फतेहपुर** सीकरी को शेख सलीम चिश्ती के कारण पवित्र भूमि मानता था।
- सलीम (जहांगीर) का जन्म फतेहपुर सीकरी में हुआ था।
- 1659 ई. में औरंगजेब ने खजुवा के युद्ध में शाहशुजा को पराजित कर उत्तराधिकार युद्ध में निर्णायक सफलता प्राप्त की थी।
- सिकन्दरा में मुगल सम्राट अकबर ने अपना मकबरा बनवाया था, जिसे 1613 ई. में सम्राट जहांगीर ने पूर्ण कराया था।



Join @yct_hub For More Exclusive PDFs

- औरंगजेब के विरुद्ध विद्रोह करके जाट नेता सूरजमल ने भरतपुर राज्य की राजधानी मथुरा घोषित की थी।
- 1613 ई. में ओरछा शासक वीर सिंह बुंदेला ने झांसी की स्थापना की थी।
- 1732 ई. में जैतपुर युद्ध के बाद झांसी को ओरछा के शासक छत्रसाल ने पेशवा बाजीराव प्रथम को सौंप दिया था।

## उत्तर-मध्य काल

- औरंगजेब की मृत्यु (1707 ई.) के बाद से प्लासी के युद्ध (1757 ई.) तक वर्तमान उत्तर प्रदेश में **5 स्वतंत्र राज्य** स्थापित हो चुके थे।
- **अवध** मुगल साम्राज्य का एक महत्वपूर्ण सूबा था।
- अवध एवं पूर्वी उत्तर प्रदेश के जिलों पर अवध के नवाब का शासन था।
- **सआदत खाँ** (बुरहान-उल-मुल्क) 1732 ई. में अवध का प्रथम नवाब था। 1722 ई. में ही उसने एक स्वायत्त राज्य के रूप में अवध की स्थापना की।

| अवध के नवाब | कार्यकाल |
|---|---|
| सआदत खां | 1722–1739 ई. |
| सफदरजंग | 1739–1754 ई. |
| शुजाउद्दौला | 1754–1775 ई. |
| आसफुद्दौला | 1775–1797 ई. |
| वजीर अली | 1797–1798 ई. |
| सआदत अली खां | 1798–1814 ई. |
| गाजीउद्दीन हैदर | 1814–1827 ई. |
| नासिरुद्दीन हैदर | 1827–1837 ई. |
| मोहम्मद अली शाह | 1837–1842 ई. |
| अमजद अली शाह | 1842–1847 ई. |
| वाजिद अली शाह | 1847–1856 ई. |

- 1764 ई. में हुए बक्सर के युद्ध में बंगाल के नवाब मीर कासिम, अवध के नवाब शुजाउद्दौला और मुगल बादशाह शाह आलम द्वितीय की सेनाओं ने सम्मिलित रूप से अंग्रेजों के विरुद्ध युद्ध किया, परन्तु पराजित हुए। 1765 ई. में इलाहाबाद की संधि बक्सर युद्ध के उपरांत अंग्रेजों एवं मुगल बादशाह के मध्य हुई।
- शुजाउद्दौला ने 1773 ई. में वारेन हेस्टिंग्स के साथ बनारस की सन्धि की।
- बहू बेगम का मकबरा फैजाबाद (अयोध्या) में स्थित है।
- अवध के नवाब **आसफुद्दौला** ने अपनी राजधानी फैजाबाद (अयोध्या) से लखनऊ में स्थापित की।
- आसफुद्दौला ने अंग्रेजों से **फैजाबाद की संधि** (1775 ई.) कर बनारस का क्षेत्र अंग्रेजों को सौंप दिया था।
- इसी संधि के तहत वारेन हेस्टिंग्स ने अवध की बेगमों की सम्पत्ति की सुरक्षा की गारण्टी ली थी।
- **आसफुद्दौला** ने 1784 ई. में मुहर्रम मनाने के लिए लखनऊ में इमामबाड़ा का निर्माण करवाया।
- **आसफुद्दौला** ने 1784 ई. में लखनऊ में रूमी दरवाजा का निर्माण करवाया। इसका निर्माण अकाल के दौरान रोजगार सृजन करने हेतु करवाया गया था। इसे तुर्की गेट के नाम से भी जानते हैं।
- 1797 में सआदत अली खाँ ने इलाहाबाद का किला अंग्रेजों को सौंप दिया।
- 1801 ई. में सआदत अली खां ने वेलेजली से सहायक संधि स्वीकार कर ली। आगे चलकर **सआदत अली खां को 'राजा' की उपाधि दी गई।**
- 1808 ई. में सुरक्षा की गारंटी के बदले अवध के नवाब सआदत अली ने गोरखपुर, रुहेलखण्ड, इलाहाबाद, फतेहपुर, कानपुर एवं इटावा के क्षेत्र अंग्रेजों को प्रदान कर दिए थे।
- **वाजिद अली शाह** अवध का अन्तिम नवाब था।
- लॉर्ड डलहौली ने आउट्रम की रिपोर्ट के आधार पर कुशासन का आरोप लगाकर अवध को 1856 ई. में अंग्रेजी साम्राज्य में मिला लिया गया।
- 1836 ई. में इस प्रान्त का नाम 'उत्तर-पश्चिमी प्रान्त' रखा गया था। उस समय इस प्रान्त में दिल्ली तथा अजमेर के क्षेत्र भी सम्मिलित थे।

## 1857 का विद्रोह एवं उत्तर प्रदेश

- 1857 के विद्रोह के समय भारत का गवर्नर जनरल लॉर्ड कैनिंग था जो विद्रोह की समाप्ति के बाद भारत का प्रथम वायसराय भी बना।
- 1857 के विद्रोह को **वीर सावरकर** ने भारत के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम की संज्ञा दी।
- 29 मार्च 1857 को **34वीं रेजीमेण्ट** मुर्शिदाबाद के निकट बैरकपुर में **मंगल पाण्डे** (उ.प्र. के बलिया निवासी) ने अपने साथियों के साथ विद्रोह कर लेफ्टीनेंट ह्यूसन एवं बाग पर गोली चला दी। जिसके परिणामस्वरूप उन्हें फांसी पर चढ़ा दिया गया।
- **10 मई 1857** को भारत के प्रथम स्वतंत्रता संघर्ष की शुरुआत मेरठ से हुई। इस आन्दोलन का तात्कालिक कारण कारतूसों में सुअर व गाय की चर्बी होना था।

| स्थान | भारतीय सेनापति | ब्रिटिश सेनापति |
|---|---|---|
| कानपुर | नाना साहब व तात्या टोपे | कैंपबेल |
| लखनऊ | बेगम हजरत महल | कैंपबेल |
| झांसी | रानी लक्ष्मीबाई | ह्यूरोज |
| इलाहाबाद (प्रयागराज) | लियाकत अली | कर्नल नील |
| फैजाबाद | मौलवी अहमद उल्ला | कर्नल नील |
| बरेली | खान बहादुर खान | कैंपबेल |

- 1857 ई. के इस विद्रोह से सर्वाधिक प्रभावित क्षेत्र अवध और बुन्देलखण्ड थे।
- अवध क्षेत्र में ही अवध का चीफ कमिश्नर **हेनरी लॉरेन्स** रेजीडेन्सी की रक्षा करते हुए मारा गया।
- तात्या टोपे का वास्तविक नाम **रामचन्द्र पाण्डुरंग** था। तात्या टोपे ने अपनी 'गनीमी कावा रणनीति' (छापामार रणनीति) से अंग्रेजों को भयभीत कर दिया था। बाद में इन्हें फांसी दे दी गई थी।
- 1857 के विद्रोह को दबाने के बाद **1 नवम्बर 1858 ई.** को इलाहाबाद में लॉर्ड कैनिंग ने महारानी विक्टोरिया का घोषणा पत्र पढ़कर सुनाया।
- 1858 ई. में दिल्ली डिवीजन को उत्तर पश्चिमी प्रदेश से अलग कर दिया गया तथा प्रदेश की राजधानी को आगरा से प्रयागराज स्थानान्तरित कर दिया गया। 1935 ई. में लखनऊ को इस प्रांत की राजधानी घोषित किया गया।



Join @yct_hub For More Exclusive PDFs

## प्रदेश में स्वतंत्रता आन्दोलन से सम्बन्धित महत्वपूर्ण तथ्य

- शिव दयाल साहब ने 1861 ई. में आगरा में 'राधास्वामी सत्संग' की स्थापना की।
- अंग्रेजी शासन के खिलाफ जिहाद का नारा देने के उद्देश्य से 1866 ई. में मुहम्मद कासिम ननौतवी एवं रशीद अहमद गंगोही द्वारा देवबंद (उत्तर प्रदेश) में इस्लामी मदरसों की स्थापना कर देवबंद आन्दोलन की शुरुआत की गई।
- स्वामी दयानन्द सरस्वती ने 1863 ई. में सनातन धर्म का प्रचार करने के लिए **आगरा में पाखण्ड-खण्डिनी पताका फहराई।**
- वर्ष 1875 ई. में सैयद अहमद खां ने अलीगढ़ में मोहम्मडन ऐंग्लो ओरिएंटल कॉलेज की स्थापना की जो वर्तमान में अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय के नाम से प्रसिद्ध है।
- एनी बेसेण्ट ने 1898 ई. में बनारस में सेन्ट्रल हिन्दू कॉलेज की स्थापना की जिसे वर्ष 1916 ई. में **महामना मदन मोहन मालवीय जी** द्वारा बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय बनाया गया।

## प्रदेश में हुए भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के अधिवेशन

- वर्ष 1947 तक प्रदेश में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के कुल 9 अधिवेशन हुए थे।
- उत्तर प्रदेश में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के सर्वाधिक तीन-तीन अधिवेशन लखनऊ एवं इलाहाबाद में हुए।

| वर्ष | अधिवेशन | अध्यक्ष स्थान | विशेष |
|---|---|---|---|
| 1888 | इलाहाबाद (प्रयागराज) | जार्ज यूले | कांग्रेस का संविधान तय किया गया |
| 1892 | इलाहाबाद (प्रयागराज) | व्योमेश चन्द्र बनर्जी | इग्लैण्ड में प्रस्तावित था |
| 1899 | लखनऊ | रमेश चन्द्र दत्त | |
| 1905 | बनारस (वाराणसी) | गोपाल कृष्ण गोखले | गोखले को विपक्ष के नेता की उपाधि दी गई |
| 1910 | इलाहाबाद (प्रयागराज) | सर विलियम वेडरबर्न | |
| 1916 | लखनऊ | अम्बिका चरण मजूमदार | कांग्रेस-लीग समझौता |
| 1925 | कानपुर | सरोजनी नायडू | |
| 1936 | लखनऊ | जवाहर लाल नेहरू | |
| 1946 | मेरठ | आचार्य जे. बी. कृपलानी | |

- अक्टूबर 1920 में उत्तर प्रदेश कांग्रेस का प्रांतीय सम्मेलन डॉ. भगवान दास की अध्यक्षता में मुरादाबाद में आयोजित किया गया था।
- जून 1920 में इलाहाबाद में गांधीजी की अध्यक्षता में खिलाफत कमेटी की बैठक हुई थी।
- 1 अगस्त 1920 से प्रारम्भ हुआ असहयोग आन्दोलन **5 फरवरी 1922** को गोरखपुर जिले के चौरी चौरा स्थान पर हुई घटना के कारण स्थगित कर दिया गया। इस घटना में एक थानेदार सहित 23 सिपाहियों की मृत्यु हो गई।
- जनवरी 1923 में चितरंजन दास एवं मोतीलाल नेहरू ने 'इलाहाबाद' में स्वराज पार्टी की स्थापना की। इसके अध्यक्ष सी. आर. दास तथा महासचिव मोतीलाल नेहरू थे।
- बाबू शिव प्रसाद और भगवान दास ने असहयोग आन्दोलन के दौरान 10 फरवरी, 1921 को बनारस में राष्ट्रीय शिक्षा के विकास हेतु **काशी विद्यापीठ** की स्थापना की।
- सितम्बर 1924 में कानपुर में सत्य भक्त ने भारतीय साम्यवादी दल की स्थापना की एवं पेरियार की अध्यक्षता में इसका प्रथम सम्मेलन कानपुर में हुआ।
- वर्ष 1918 में गौरीशंकर मिश्र, इन्द्र नारायण द्विवेदी तथा मदन मोहन मालवीय ने **'उत्तर प्रदेश किसान सभा'** की स्थापना की।
- 17 अक्टूबर, 1920 को बाबा रामचन्द्र ने प्रतापगढ़ में अवध किसान सभा का गठन किया।
- एका आन्दोलन वर्ष 1920-22 ई. में अवध के किसानों द्वारा चलाया गया। इस आन्दोलन के प्रमुख नेता मदारी पासी थे। इस आन्दोलन का क्षेत्र प्रदेश का उत्तरी क्षेत्र (हरदोई, बहराइच, सीतापुर और सुल्तानपुर) था।
- उत्तर प्रदेश में द्वितीय किसान आन्दोलन का नेतृत्व पं. जवाहर लाल नेहरू ने किया था।
- वर्ष 1924 में चन्द्रशेखर आजाद के द्वारा 'कानपुर' में हिन्दुस्तान रिपब्लिकन एसोसिएशन (H.R.A.) की स्थापना की गई। इस संगठन में शचीन्द्र सान्याल, योगेश चन्द्र चटर्जी, राम प्रसाद बिस्मिल, राजेन्द्र लहिड़ी इत्यादि क्रांतिकारी शामिल थे।
- **9 अगस्त 1925** को क्रांतिकारियों ने आठ डाउन सहारनपुर-लखनऊ पैसेंजर ट्रेन को काकोरी नामक स्थान पर लूट लिया।

| क्रांतिकारी | वह स्थान जहां फाँसी दी गई |
|---|---|
| राम प्रसाद बिस्मिल | गोरखपुर |
| अशफाक उल्ला खां | फैजाबाद (अयोध्या) |
| राजेन्द्र लाहिड़ी | गोंडा |
| रोशन सिंह | नैनी (प्रयागराज) |

- 27 फरवरी 1931 को चन्द्रशेखर आजाद इलाहाबाद के अल्फ्रेड पार्क में पुलिस से मुकाबला करते हुए स्वयं को गोली मारकर वीरगति को प्राप्त हो गए।
- गोविन्द बल्लभ पंत संयुक्त प्रांत में सन् 1937 में गठित कांग्रेस सरकार के प्रधानमंत्री थे।
- भारत छोड़ो आन्दोलन के दौरान प्रथम समानांतर राष्ट्रीय सरकार बलिया में **चित्तू पाण्डे** के नेतृत्व में बनी थी। चित्तू पाण्डे को शेर-ए-बलिया के नाम से भी जाना जाता था।
- वर्ष 1936 में लखनऊ में प्रो. एन. जी. रंगा, इन्दुलाल याज्ञनिक एवं स्वामी सहजानंद के नेतृत्व में 'अखिल भारतीय किसान सम्मेलन' का आयोजन किया गया। स्वामी सहजानन्द सरस्वती इसके अध्यक्ष एवं प्रो. एन. जी. रंगा महासचिव चुने गए।
- 9 अप्रैल 1938 को 'मद्य निषेध' (गांधीजी के घोषित आदेशों के अनुसार) लागू करने के लिए सर्वप्रथम एटा और मैनपुरी जिलों को चुना गया था।

## उत्तर प्रदेश के स्वरूप में परिवर्तन

- 1833 ई. में आगरा प्रेसीडेंसी का निर्माण बंगाल प्रेसीडेंसी से अलग करके बनाया गया तथा 1836 ई. में इसका नाम – उत्तर-पश्चिमी प्रान्त' कर दिया गया एवं इसका मुख्यालय **'आगरा'** को बनाया गया।



Join @yct_hub For More Exclusive PDFs

- 1856 ई. में डलहौजी द्वारा अवध को ब्रिटिश साम्राज्य में शामिल कर दिया गया।
- 1858 ई. में इस प्रांत का मुख्यालय आगरा से बदलकर प्रयागराज कर दिया गया।
- 1869 ई. में आगरा से उच्च न्यायालय को स्थानांतरित करके इलाहाबाद में स्थापित कर दिया गया।
- वर्ष 1877 में इस प्रान्त का नाम 'उत्तर-पश्चिमी प्रांत आगरा एवं अवध' कर दिया गया जबकि 1902 ई. में इसका नाम बदलकर 'आगरा और अवध संयुक्त प्रांत' कर दिया गया।
- नवम्बर 1925 में प्रदेश की राजधानी इलाहाबाद से लखनऊ स्थानांतरित कर दी गई तथा प्रदेश का उच्च न्यायालय इलाहाबाद में बना रहा। लखनऊ में उच्च न्यायालय की एक न्यायिक पीठ की स्थापना की गई।
- वर्ष 1937 में इस प्रांत का नाम संक्षिप्त कर इसे 'संयुक्त प्रांत' कर दिया गया।
- स्वतंत्रता प्राप्ति के पश्चात् 24 जनवरी 1950 को इस क्षेत्र का नाम बदलकर 'उत्तर प्रदेश' कर दिया गया।
- 24 जनवरी 1950 को भारत के गणतंत्र बनने के साथ यह भारतीय संघ का एक राज्य बना।

# EXAM CAPSULE

| | |
|---|---|
| ■ आगरा की मोती मस्जिद किसके द्वारा बनाई गई थी, जिसे 'पर्ल मस्जिद' के रूप में भी जाना जाता है– **शाहजहाँ** | **UP Police Head Operator 30/01/2024 Shift-II UPP Constable 18.06.2018 (Shift-III)** |
| ■ 2009 में उत्तर प्रदेश के_____में सिंधु घाटी सभ्यता की कलाकृतियों की खोज ने इस सामान्य धारणा को ध्वस्त करने में मदद की कि हड़प्पा सभ्यता केवल पश्चिमी भारत तक ही सीमित थी, और यह स्थापित करने में मदद मिली कि यह पूरे भारतीय प्रायद्वीप तक फैली हुई थी– **आलमगीरपुर** | **UP Police Asst. Operator 08/02/2024 Shift-I** |
| ■ वर्तमान उत्तर प्रदेश के किस स्तूप पर भगवान बुद्ध पहली बार अपने पाँच शिष्यों से मिले थे– **धमेक स्तूप** | **UP Police Asst. Operator 08/02/2024 Shift-I** |
| ■ सूरसेन महाजनपद की राजधानी थी– **मथुरा** | **UPSSSC VDO Re-Exam. 26-06-2023 Shift-II** |
| ■ प्राचीन कौसल साम्राज्य की राजधानी _____बौद्धों के लिए पवित्र है क्योंकि यहीं पर बुद्ध ने अपने सबसे महान चमत्कार किए थे, जिसमें उनकी कई छवियों का निर्माण भी शामिल था– **श्रावस्ती** | **UPSSSC Instructor Exam-2022** |
| ■ कौन-सा स्थान उत्तरी कोशल जनपद की राजधानी था– **श्रावस्ती** | **UPSSSC Junior Assistant Exam. 27-8-2023** |
| ■ वर्ष 1909 में आगरा में आयोजित उत्तर प्रदेश (संयुक्त प्रान्त) कांग्रेस के सामाजिक सम्मेलन की अध्यक्षता किसने की थी– **मोतीलाल नेहरू** | **UPSSSC Junior Assistant Exam. 27-8-2023** |
| ■ फतेहपुर सीकरी को पहले ''फ़तहाबाद'' के नाम से जाना जाता था, यहाँ ''फ़तह'' शब्द का अर्थ जीत है। यह शब्द किस भाषा से लिया गया है– **फ़ारसी** | **UPSSSC Junior Assistant Exam. 27-8-2023** |
| ■ 1918 के संयुक्त प्रांत किसान सभा का गठन किस नेता ने किया था–**इंद्र नारायण द्विवेदी ने** | **UPPCS (Pre) 2023** |
| ■ 1857 में बरेली, उत्तर प्रदेश में क्रांति का नेता कौन था– **खान बहादुर खान** | **UPPCS (Pre) 2023** |
| ■ उत्तरप्रदेश के ललितपुर जिले में स्थित और पंचायतन शैली के स्थापत्य देवगढ़ मंदिर_____प्रकार के मंदिरों का एक उदाहरण है– **उत्तर गुप्त काल** | **UP Police Asst. Operator - 2023** |
| ■ अकबर का मकबरा किस स्थान पर स्थित है– **सिकंदरा** | **UP Police Const. (M/F) 17-02-2024 Shift-I (Cancelled)** |
| ■ लखनऊ में स्थित रूमी दरवाजा की ऊँचाई कितनी है– **60 फीट** | **UPSSSC Junior Assistant Exam. 27-8-2023** |
| ■ मथुरा के पास मट के एक मंदिर में किन शासकों की विशाल मूर्तियाँ प्रतिस्थापित पाई गई हैं– **कुषाण** | **UP Police Contable (M/F) 18/02/2024 Shift-II (Cancelled)** |



Join @yct_hub For More Exclusive PDFs

| | |
|---|---|
| ■ ब्रिटिश शासन के दौरान उत्तर प्रदेश का नाम क्या था– **यूनाइटेड प्रोविन्स ऑफ आगरा और अवध** | **Allahabad High Court ARO 06--01-2022 Shift-I** |
| ■ स्वतंत्र भारत में उत्तर प्रदेश (विगत काल के संयुक्त प्रांत) के पहले गवर्नर कौन थे– **सरोजिनी नायडू** | **Allahabad High Court RO 10--01-2020** |
| ■ इलाहाबाद में 1857 में विद्रोह का नेतृत्व किसने किया था– **लियाकत अली** | **Allahabad High Court Group-D 23-07-2017** |
| ■ भारत में झाँसी राज्य को ब्रिटिश साम्राज्य का हिस्सा किसके द्वारा बनाया गया–**हड़प की नीति** | **Allahabad High Court ARO 14-12-2021 Shift-II** |
| ■ अलीगढ़ किले में द्वितीय आंग्ल-मराठा युद्ध के दौरान अलीगढ़ की लड़ाई कब लड़ी गई थी– **सितंबर 1803** | **Allahabad High Court APS 22-12-2021 Shift-I** |
| ■ सन् 1857 का विद्रोह की शुरूआत उत्तर प्रदेश के किस शहर से हुई थी– **मेरठ** | **Allahabad High Court APS 22-12-2021 Shift-I Allahabad High Court ARO 24-02-2019** |
| ■ 1583 ई. में प्रयाग का नाम परिवर्तित कर इलाहाबाद _____ ने किया– **अकबर** | **Allahabad High Court APS 23-12-2021 Shift-I** |
| ■ मोती लाल नेहरू तथा सी.आर. दास ने स्वराज पार्टी की स्थापना किस स्पष्ट उद्देश्य के लिए की थी– **विधान सभाओं के अंदर पहुँचकर उनका नाश करने के लिए** | **Allahabad High Court CA/RGC 28-09-2014** |
| ■ गांधी जी की पहली महत्वपूर्ण सार्वजनिक उपस्थिति कहाँ हुई– **बनारस** | **Allahabad High Court CA/RGC 28-09-2014** |
| ■ चौरी-चौरा घटना उत्तर प्रदेश में कहाँ पर हुई– **गोरखपुर** | **Allahabad High Court CA/RGC 18-12-2021 Shift-II** |
| ■ माना जाता है कि उत्तर प्रदेश के मध्य में स्थित.....में अपनी माँ को उपदेश देने के बाद गौतम बुद्ध, ब्रह्मा और देवराज इंद्र के साथ अवतीर्ण हुए थे– **संकसिया** | **Allahabad High Court ARO 18-12-2016** |
| ■ पंच महल इनमें से किस भारतीय शहर में स्थित है– **फतेहपुर सीकरी** | **Allahabad High Court ARO 24-02-2019** |
| ■ तेइसवें तीर्थंकर पार्श्वनाथ का जन्म कहां हुआ था– **बनारस** | **Allahabad High Court ARO 14-12-2021 Shift-I** |
| ■ संत कबीर किसके शिष्य थे– **रामानंद** | **Allahabad High Court ARO 14-12-2021 Shift-I** |
| ■ किस मुगल शासक की बेगम का मक़बरा 'मरियम-उज़-जमानी' सिकंदरा में स्थित है– **अकबर** | **Allahabad High Court ARO 15-12-2021 Shift-II** |
| ■ किस राज्य सरकार ने काकोरी ट्रेन षडयंत्र का नाम बदलकर काकोरी ट्रेन एक्शन कर दिया है– **उत्तर प्रदेश** | **Allahabad High Court ARO 15-12-2021 Shift-II Allahabad High Court ARO 20-12-2021 Shift-I** |
| ■ गौतम बुद्ध के जीवन की किस घटना को भारतीय कला में पहिया और हिरण द्वारा दर्शाया गया है– **पहला उपदेश** | **Allahabad High Court ARO 15-12-2021 Shift-II** |
| ■ 'दीवान-ए-आम' निर्मित संगमरमर ..... से लाई गई– **मकराना** | **Allahabad High Court ARO 15-12-2021 Shift-I** |
| ■ भारत के स्वतंत्रता संघर्ष के दौरान किसने 'सत्यमेव जयते' नारे का प्रयोग किया– **पंडित मदन मोहन मालवीय** | **Allahabad High Court ARO 15-12-2021 Shift-I** |
| ■ 1857 की क्रांति के दौरान बरेली से नेतृत्व किसने किया– **खान बहादुर** | **Allahabad High Court ARO 16-12-2021 Shift-II** |



Join @yct_hub For More Exclusive PDFs

| | |
|---|---|
| ■ 1857 के स्वाधीनता संग्राम में लखनऊ का नेतृत्व किसने किया– **बेगम हजरत महल** | **Allahabad High Court ARO 14-12-2021 Shift-II Allahabad High Court ARO 16-12-2021 Shift-II Lower Exam 01/10/2019 Shift-II** |
| ■ उत्तर प्रदेश (संयुक्त प्रांत) का देवबंद आंदोलन कहाँ शुरू हुआ था– **सहारनपुर** | **Allahabad High Court ARO 16-12-2021 Shift-II** |
| ■ भारत का एक क्रांतिकारी संगठन, हिंदुस्तान रिपब्लिकन एसोसिएशन (HRA) _____ में बनाया गया था– **1924** | **Allahabad High Court ARO 16-12-2021 Shift-II** |
| ■ वे कौन-से सुल्तान हैं जिन्हें एक शहर प्राप्त हुआ जहाँ अब आगरा अवस्थित है– **सिकंदर लोदी** | **Allahabad High Court ARO 16-12-2021 Shift-II** |
| ■ महात्मा गांधी ने किस घटना के कारण असहयोग आंदोलन को वापस लिया– **चौरी-चौरा घटना** | **Allahabad High Court ARO 16-12-2021 Shift-II** |
| ■ गौतम बुद्ध ने अपना उपदेश कहाँ प्रदत्त किया जिसे धर्म चक्र परिवर्तन कहा गया– **सारनाथ** | **Allahabad High Court ARO 16-12-2021 Shift-II Allahabad High Court CA/RGC 21-12-2021 Shift-I Allahabad High Court RO 08--01-2017** |
| ■ भगवान बुद्ध ने अंतिम सांस (महापरिनिर्वाण) कहाँ पर ली– **कुशीनगर** | **Allahabad High Court ARO 16-12-2021 Shift-II** |
| ■ काकोरी षड़यंत्र केस से कौन सम्बन्धित है– **अशफाकउल्लाह खां** | **Allahabad High Court ARO 16-12-2021 Shift-II** |
| ■ किस स्थान पर कनिष्क की सिर विहीन प्रतिमा पायी गयी है– **मथुरा** | **Allahabad High Court ARO 16-12-2021 Shift-I** |
| ■ ''सभी भारतीय नेताओं में से सबसे खतरनाक'', किसने रानी लक्ष्मीबाई के बारे में कहा–**ह्यूरोज** | **Allahabad High Court ARO 16-12-2021 Shift-I** |
| ■ कौन-से नेता भारत धर्म महामण्डल (1902) से जुड़े थे– **पंडित मदन मोहन मालवीय** | **Allahabad High Court ARO 16-12-2021 Shift-I** |
| ■ स्वराज पार्टी का उद्देश्य था– **विधायिका में प्रवेश करना तथा इसके अंदर सरकार की कमियों को उजागर करना** | **Allahabad High Court ARO 16-12-2021 Shift-I** |
| ■ उत्तर प्रदेश में सीर गोवर्धनपुर किस भक्ति संत का जन्म स्थान है– **रविदास** | **Allahabad High Court ARO 19-12-2021 Shift-I** |
| ■ अखिल भारतीय किसान सभा का प्रथम सम्मेलन कहाँ हुआ– **लखनऊ** | **Allahabad High Court ARO 19-12-2021 Shift-I** |
| ■ कौन-सा अभिलेख, राजा पुष्यमित्र शुंग द्वारा किए गए दो अश्वमेध यज्ञों के संबंध में सूचना देता है– **अयोध्या अभिलेख** | **Allahabad High Court RO 10--12-2021 Shift-II** |
| ■ स्वतंत्रता संघर्ष के दौरान उत्तर प्रदेश में 'किसान आंदोलन' का नेतृत्व किसने किया था– **पंडित जवाहरलाल नेहरू** | **Allahabad High Court RO 10--12-2021 Shift-II** |
| ■ प्रसिद्ध संगीतकार स्वामी हरिदास किस मुगल शासक के समकालीन थे– **अकबर** | **Allahabad High Court RO 11--12-2021 Shift-II** |
| ■ उत्तर प्रदेश का कुशीनगर किस लिए प्रसिद्ध है– **बुद्ध का निर्वाण स्थल** | **Allahabad High Court RO 11--12-2021 Shift-I** |



Join @yct_hub For More Exclusive PDFs

Search @yct_hub to Join Channel

| | |
|---|---|
| ■ प्रसिद्ध संगीतकार तानसेन किस सम्राट के दरबार में संगीतकार थे– **अकबर** | **Allahabad High Court RO 11--12-2021 Shift-I** |
| ■ परमहंस योगनंद का जन्मस्थान है– **गोरखपुर** | **Allahabad High Court RO 12--12-2021 Shift-I UPSSC Homeopathic Pharmacist 24/10/2019** |
| ■ अवध के उस नवाब का नाम जो कथक का महान संरक्षक था– **वाजिद अली शाह** | **Allahabad High Court RO 05--01-2022 Shift-II** |
| ■ 'गिरिजा देवी' प्रसिद्ध 'ठुमरी गायिका' का किस शहर में जन्म हुआ– **वाराणसी** | **Allahabad High Court CA/RGC 18-12-2021 Shift-II** |
| ■ उत्तर प्रदेश का प्राथमिक लोक गीत प्रकार है– **बिरहा** | **Allahabad High Court CA/RGC 18-12-2021 Shift-II** |
| ■ भारत का राष्ट्रीय प्रतीक, सिंहस्तम्भ (सिंह पिल्लर) जो अशोक द्वारा निर्मित किया गया था, जहाँ स्थित है, वह नगर है– **सारनाथ** | **Allahabad High Court RO 10--12-2021 Shift-I Allahabad High Court ARO 10--01-2020** |
| ■ 1924 में संयुक्त प्रांत (वर्तमान उत्तर प्रदेश) के किस शहर में सम्पूर्ण भारत से क्रांतिकारियों की बैठक बुलाई गई थी– **कानपुर** | **UPPCS (J) 2022 (12-02-2023)** |
| ■ उत्तर प्रदेश के किस नगर में सर्वप्रथम भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का वार्षिक अधिवेशन हुआ था– **इलाहाबाद** | **UPPSC Mines Inspector-2022** |
| ■ उत्तर प्रदेश में वैष्णववाद के सनकादि सम्प्रदाय का संस्थापक कौन था– **निम्बार्क** | **UPPSC Mines Inspector-2022** |
| ■ किस फ्रांसीसी यात्री ने काशी को 'भारत का एथेन्स' कहा था– **बर्नियर** | **UPPSC AE Paper-II 2021 UPPSC AE 2021** |
| ■ चंदावर के युद्ध (1194 ई.) में राजा जयचंद मुहम्मद गोरी से पराजित हुआ। चंदावर की वर्तमान में भौगोलिक स्थिति है– **उ.प्र. के इटावा जनपद में यमुना नदी के तट पर** | **UPPSC AE Paper-II 2021** |
| ■ कौन-सा सिन्धु घाटी सभ्यता का स्थल उत्तर प्रदेश में स्थित है– **हुलास** | **UPPSC Husbandary Medical Officer 2021** |
| ■ कौन-सा एक क्रान्तिकारी "काकोरी ट्रेन काण्ड" से सम्बन्धित नहीं था– **खुदीराम बोस** | **UPPSC Polytechnic Lect. 2021** |
| ■ वर्तमान उत्तर प्रदेश में भारत के प्राचीनतम् सोलह महाजनपद में से कुल कितने महाजनपद स्थित थे– **08** | **UPPSC RO/ARO Pre 2021** |
| ■ जौनपुर के शर्की वंश का अन्तिम शासक कौन था– **हुसैन शाह** | **UPPSC ACF RFO (Mains) 2021 Paper-I** |
| ■ 1924 के कानपुर षड़यंत्र मामले में शामिल नहीं था– **एम.ए. अंसारी** | **UPPCS (Pre) 2021** |
| ■ हड़प्पा सभ्यता का स्थल माण्डी, भारत के किस राज्य में स्थित है– **उत्तर प्रदेश** | **UPPCS (Pre) 2021** |
| ■ शेर शाह सूरी का अंतिम अभियान किस राज्य के विरुद्ध था– **कालिंजर** | **UPPSC RO/ARO Mains 2016** |
| ■ कन्नौज पर महमूद गजनवी के आक्रमण के समय वहाँ का शासक कौन था– **राज्यपाल** | **UPPSC GIC Lecturer 2021** |
| ■ मध्यकाल में उत्तरप्रदेश के किस जनपद को शिक्षा का केन्द्र होने के कारण 'शिराज-ए-हिन्द' कहा जाता था– **जौनपुर** | **UPPSC GIC Lecturer 2021** |
| ■ किस वर्ष प्रयागराज (उ.प्र.) के किले पर अंग्रेजों का अधिकार स्थापित हुआ– **1797 ई.** | **UPPSC RO/ARO Pre 2021** |
| ■ किस वर्ष वर्तमान उत्तर प्रदेश का प्रायः संपूर्ण क्षेत्र बंगाल प्रेसीडेंसी से अलग करके आगरा प्रेसीडेंसी के अधीन कर दिया गया– **1833 ई.** | **UPPSC RO/ARO Pre 2021** |
| ■ किस नगर को 'महोदय श्री' के नाम से जाना जाता था– **कन्नौज** | **UP Lower (Mains) G.S. 2015** |



Join @yct_hub For More Exclusive PDFs

| | |
|---|---|
| ■ अंग्रेजों के विरुद्ध 'बनारस विद्रोह' का नेतृत्व किसने किया था– **राजा चेत सिंह** | **UPPSC RO/ARO Pre 2021** |
| ■ काकोरी षडयंत्र केस में, प्रधान आरोपी पंडित राम प्रसाद बिस्मिल को उत्तर प्रदेश के किस शहर में फाँसी दी गई थी– **गोरखपुर** | **UPPSC RO/ARO Pre 2021** |
| ■ उ.प्र. में स्वाधीनता आंदोलन के समय ही एक अन्य 'एका' बृहद जनआंदोलन प्रारम्भ हुआ जिसका नेतृत्व किया था– **मदारी पासी** | **UPPSC ACF/RFO (Mains) I$^{st}$ 2018** |
| ■ 'अखिल भारतीय किसान सभा' की स्थापना हुई थी– **लखनऊ (1936 ई.) में** | **UPPSC ACF (Pre) 2017** |
| ■ लखनऊ में स्थापित 'अखिल भारतीय किसान कांग्रेस' के महा सचिव के रूप में किसे चुना गया था– **एन.जी. रंगा** | **UPPSC RO/ARO (Mains) 2016** |
| ■ अवध राज्य का ब्रिटिश साम्राज्य में विलय हुआ था- **1856 ई. में** | **UPPSC Food Safety Inspector Exam. 2013** |
| ■ महालवाड़ी प्रणाली कहाँ लागू की गई– **उत्तर प्रदेश** | **UP UDA/LDA 2015** |
| ■ महापरिनिर्वाण मंदिर अवस्थित है– **कुशीनगर में** | **UP Lower (Mains) G.S. 2015** |
| ■ वह प्राचीन स्थल जहाँ 60,000 मुनियों की सभा में सम्पूर्ण महाभारत-कथा का वाचन किया गया था, है- **नैमिषारण्य** | **UPPCS (Pre) G.S. 2006** |
| ■ अमीर खुसरो किस स्थान से सम्बन्धित हैं– **पटियाली** | **UPPSC ACF - 2017** |
| ■ जिला मुख्यालय बलिया शहर महर्षि _____का जन्मस्थान और कर्मस्थान माना जाता है– **भृगु** | **राज्य मण्डी परिषद् - 30-05-2019 (Shift-I)** |
| ■ रूमी दरवाजा उत्तर प्रदेश के _____शहर में स्थित है– **लखनऊ** | **राज्य मण्डी परिषद् - 30-05-2019 (Shift-I)** |
| ■ उत्तर प्रदेश के किस जिले में किछौछा दरगाह शरीफ स्थित है– **अंबेडकर नगर** | **ग्राम विकास अधिकारी - 22-12-2018 (shift- I)** |
| ■ भव्य जैन स्तूप के अवशेष को कंकाली टीला के पास खोद कर निकाला गया है, जो कि — – में स्थित है– **मथुरा** | **Lower-II (Re-exam) (28-07-2019)** |
| ■ जौनपुर में _____ के द्वारा निर्मित अटाला मस्जिद अन्य मस्जिदों के निर्माण के लिए एक मिसाल (मॉडल) बन गई– **इब्राहिम शर्की** | **Cane Supervisor (31-08-2019)** |
| ■ वर्ष 1857 के विद्रोह में कानपुर के नेता कौन थें– **नाना साहेब** | **Lower-II (Re-exam) (28-07-2019)** |
| ■ किसे शेर-ए-बलिया के नाम से जाना जाता था– **चित्तू पांडे** | **Lower Exam – 30-09-2019 (Shift-I)** |
| ■ 14वीं शताब्दी की प्रसिद्ध मस्जिद जिसे अटाला मस्जिद (या Atala Mosque) कहा जाता है, उत्तर प्रदेश के किस शहर में स्थित है– **जौनपुर** | **Lower Exam – 30-09-2019 (Shift-II)** |
| ■ अवध राज्य (जिसे औध भी कहा जाता है) पर 1722 से 1856 तक मुस्लिम शासकों का शासन था। अवध पर शासन करते समय शासकों ने कौन-सी उपाधि अपनाई थी– **नवाब** | **Lower Exam – 30-09-2019 (Shift-II)** |
| ■ गौतम बुद्ध की मां देवदह राज्य के शासक परिवार से थी जो अब उत्तर प्रदेश के ..... जिले में है– **बस्ती** | **UPP Constable, 26.10.218 (Shift-2)** |
| ■ वाल्मीकि का आश्रम ब्रहमवर्त में था जो ..... में है– **बिठूर** | **UPPCS (Pre) G.S. 2007 UPP Constable, 26.10.218 (Shift-2)** |
| ■ चंदेल शासन के दौरान उत्तर प्रदेश का कौन-सा क्षेत्र जेजाक-भुक्ति या जयहोटी के नाम से जाना जाता था– **बुंदेलखंड** | **UPP Constable, 25.10.2018** |
| ■ छठी सदी बी.सी. के दौरान उत्तर प्रदेश के किन क्षेत्रों को 'चेदि' कहा जाता था– **बुंदेलखण्ड** | **UPP Constable, 19.06.2018 (Shift-1)** |
| ■ राजा हर्षवर्धन ने ..... में, 'भद्र-विहार' नामक ज्ञान के एक बृहत् केंद्र की स्थापना की थी– **कन्नौज** | **UPP Constable, 19.06.2018 (Shift-1)** |
| ■ छठवीं शताब्दी ईसा पूर्व के दौरान मथुरा के आस–पास के क्षेत्र को ..... कहा जाता था– **शुरसेन** | **UPP Constable, 19.06.2018 (Shift-2)** |
| ■ उत्तर प्रदेश में पहली बार 1887 में प्रकाशित होने वाले दैनिक समाचार "हिन्दुस्तान" के संपादक कौन थे– **मदन मोहन मालवीय** | **UPP Constable, 19.06.2018 (Shift-2)** |
| ■ गुप्त काल में टेराकोटा (पक्की मिट्टी) ईंटो से बना भीतरगाँव मंदिर उत्तर प्रदेश के..... में स्थित है– **कानपुर** | **UPP Constable, 18.06.2018 (Shift-2)** |



Join @yct_hub For More Exclusive PDFs

# 13 उत्तर प्रदेश : कला एवं संस्कृति

उत्तर प्रदेश भारत के हृदयस्थल में संस्कृतियों के मिलन और आस्था के संगम के अनोखे दृश्यों को समेटे एक अनूठा प्रदेश है। यही नहीं, उत्तर प्रदेश में पूरे उप-महाद्वीप की दो महान प्राचीन नदियों गंगा और यमुना के किनारे संस्कृतियों और धार्मिक रीतियों का उद्‌गम हुआ। भारत में गंगा और यमुना के दोनों ओर बसे नगरों में जिन धार्मिक, सांस्कृतिक, वैचारिक और बौद्धिक परम्पराओं का विकास हुआ, उसने पूरे देश ही नहीं बल्कि विश्व को एक नई दिशा दी।

1947 में आजादी प्राप्त होने के उपरान्त उत्तर प्रदेश के तत्कालीन शिक्षामंत्री डॉ. सम्पूर्णानन्द की अध्यक्षता में गठित समिति की संस्तुति पर वर्ष 1951 में प्रदेश के पुरातात्विक सर्वेक्षण तथा स्मारकों के संदर्भ में चेतना जगाने हेतु पुरातत्व विभाग की स्थापना की गयी। डॉ. कृष्णदत्त वाजपेयी इस विभाग के पुरातत्व अधिकारी नियुक्त किए गए।

उत्तर प्रदेश राज्य पुरातत्व विभाग द्वारा समय-समय पर संचालित सर्वेक्षण अभियानों के माध्यम से प्रदेश के विभिन्न भागों में अनेक उल्लेखनीय पुरातात्विक महत्व के अवशेष प्राप्त हुए हैं। इनमें से प्रमुख रूप से मिर्जापुर एवं सोनभद्र में स्थित सौ से अधिक चित्रित शैलाश्रय, शैल चित्रों के अध्ययन को नया आयाम देते हैं। जहां पर सनातन धर्म के साथ-साथ बौद्ध, जैन, इस्लाम एवं सिख सभी धर्मों के अनुयायी एक साथ रहते हैं।

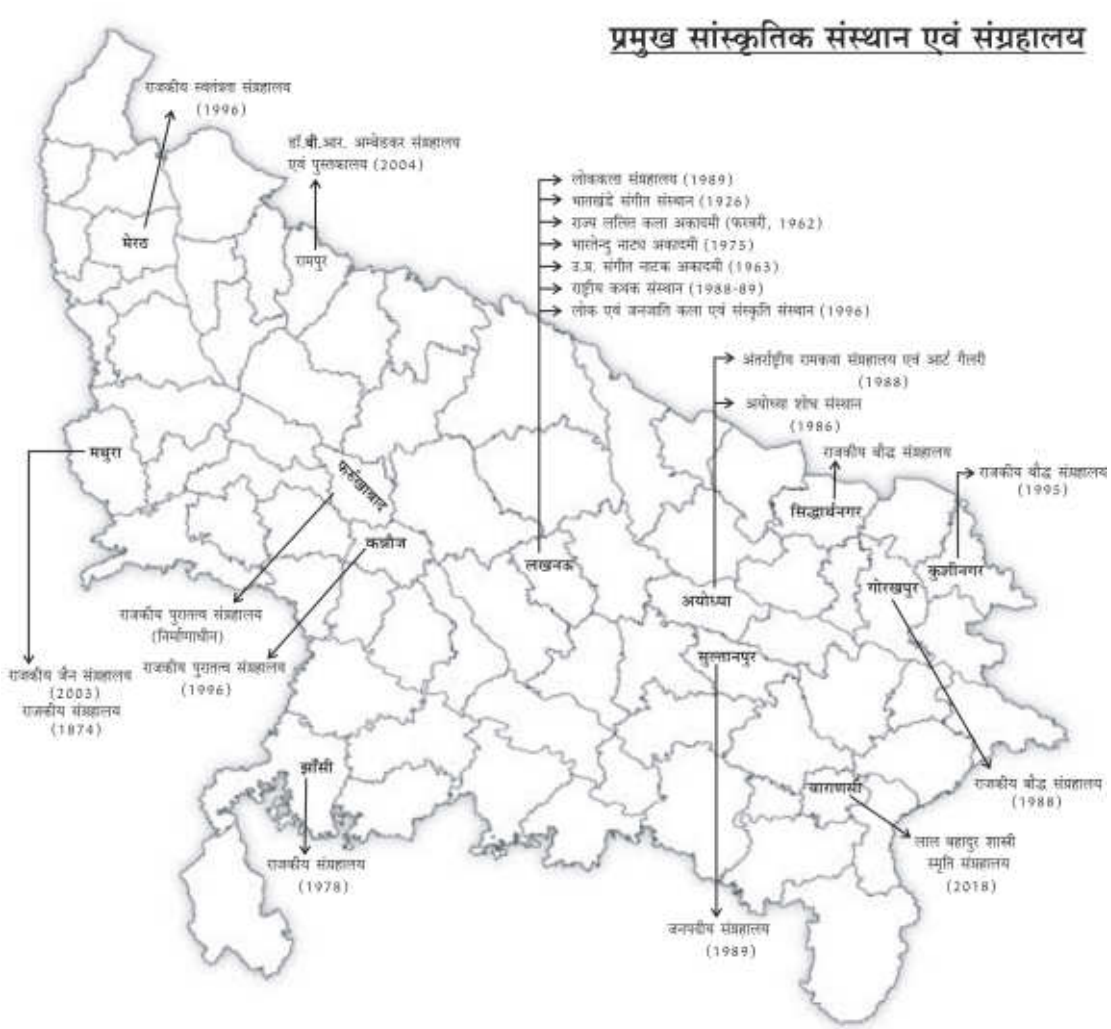




Join @yct_hub For More Exclusive PDFs

| प्रमुख संस्थाएँ | स्थिति | स्थापित तिथि |
|---|---|---|
| भातखण्डे हिन्दुस्तानी संगीत महाविद्यालय | लखनऊ | जुलाई 1926 |
| राज्य ललित कला अकादमी | लखनऊ | फरवरी 1962 |
| भारतेन्दु नाट्य अकादमी | लखनऊ | अगस्त 1975 |
| उ. प्र. संगीत नाटक अकादमी | लखनऊ | नवम्बर 1963 |
| राष्ट्रीय कथक संस्थान | लखनऊ | 1988-89 |
| उ. प्र. जैन विद्या शोध संस्थान | लखनऊ | 1991 |
| लोक एवं जनजाति कला एवं संस्कृति संस्थान | लखनऊ | 1996 |
| अयोध्या शोध संस्थान | अयोध्या (फैजाबाद) | अगस्त 1986 |

- ✱ भातखण्डे संगीत विश्वविद्यालय को 24 अक्टूबर, 2000 को डीम्ड विश्वविद्यालय का दर्जा प्रदान किया गया।
- ✱ भातखण्डे संगीत विश्वविद्यालय पूर्व में मेरिस कॉलेज ऑफ म्यूजिक के नाम से जाना जाता था।

## प्रमुख संग्रहालय

| संग्रहालय | स्थान | स्थापना वर्ष |
|---|---|---|
| राज्य संग्रहालय | लखनऊ | 1863 |
| राजकीय बौद्ध संग्रहालय | कुशीनगर | 1995 |
| राजकीय संग्रहालय | मथुरा | 1874 |
| राजकीय पुरातत्व संग्रहालय | कन्नौज | 1996 |
| राजकीय संग्रहालय | झांसी | 1978 |
| राजकीय स्वतंत्रता संग्राम संग्रहालय | मेरठ | 1996 |
| अंतरराष्ट्रीय रामकथा संग्रहालय एवं आर्ट गैलरी | अयोध्या | 1988 |
| राजकीय जैन संग्रहालय | मथुरा | 2003 |
| राजकीय बौद्ध संग्रहालय | गोरखपुर | 1988 |
| डा. भीमराव अंबेडकर संग्रहालय एवं पुस्तकालय | रामपुर | 2004 |
| राजकीय बौद्ध संग्रहालय | पिपरहवां (सिद्धार्थनगर) | |
| जनपदीय संग्रहालय | सुल्तानपुर | 1989 |
| राजकीय पुरातत्व संग्रहालय | फर्रुखाबाद | निर्माणाधीन |
| लाल बहादुर शास्त्री स्मृति संग्रहालय | वाराणसी | 2018 |
| कालका बिन्दादीन महाराज की ड्योढ़ी एवं कथक संग्रहालय | लखनऊ | 2016 |
| लोक कला संग्रहालय | लखनऊ | 1989 |

## चलचित्र/फिल्म/सिनेमा

- भारत की पहली बोलती फिल्म आलमआरा के निर्देशक श्री बी.पी. मिश्र उत्तर प्रदेश के देवरिया जिले के रहने वाले थे।
- उत्तर प्रदेश चलचित्र निगम की स्थापना 10 सितम्बर, 1979 को की गई।
- प्रदेश सरकार द्वारा वर्ष 1998 में फिल्म को उद्योग का दर्जा दिया गया।
- उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा पहली फिल्म नीति वर्ष 1999 में घोषित की गई थी।
- उत्तर प्रदेश में फिल्मों के निर्माण को बढ़ावा देने हेतु संशोधित फिल्म नीति 2015 को लागू किया गया है।
- वर्तमान में उत्तर प्रदेश फिल्म नीति 2018 जारी की गयी है।
- उत्तर प्रदेश के नोएडा में एक फिल्म सिटी का निर्माण प्रगति पर है।

## संगीत कला

- भरत मुनि के नाट्य शास्त्र को संगीत का बाइबिल कहा जाता है।
- संगीत में अमीर खुसरो (जन्म स्थान–पटियाली गाँव (कासगंज, एटा 1253 ई0) ने वाद्ययंत्र वीणा और पखावज के नए संस्करण–सितार और तबला के आविष्कार किए। इन्हें तूति-ए-हिन्द (हिन्द का तोता) भी कहा जाता है।
- खुसरो ने ईरानी-फारसी संगीत रागों में भारतीय प्रचलित रागों का मिश्रण करके अनेक श्रुति मधुर रागों का आविष्कार किया था।
- खुसरो ने उस समय देश में प्रचलित ध्रुपद गायन शैली में ईरानी संगीत का मिश्रण करके ख्याल गायन शैली को प्रचलित किया।
- बिलावल सप्तक पर आधारित इस शैली ने भारतीय संगीत को दो भिन्न गायन-वादन पद्धतियों-हिन्दुस्तानी संगीत पद्धति तथा कर्नाटक संगीत पद्धति में विभाजित कर दिया।
- जौनपुर के सुल्तान हुसैन शाह शर्की ने ख्याल गायकी को लोकप्रिय बनाने के लिए टप्पा शैली (मियां गुलाम नबी शौरी) व बड़ा ख्याल का प्रचलन किया।
- कथक नृत्य में ठुमरी गायन का समावेश बिन्दादीन (अवध) ने किया।

| प्रमुख सम्प्रदाय/कवि | प्रवर्तक |
|---|---|
| **पुष्टि संप्रदाय** | महाप्रभु बल्लभाचार्य |
| **सखी सम्प्रदाय** | स्वामी हरिदास |
| **अष्टछाप कवि** | विट्ठलनाथ (संस्थापक) |
| **अष्ट छाप कवि (भक्तिकालीन)** | सूरदास, नंददास, परमानंददास, कुंभनदास, चतुर्भुजदास, छीत स्वामी, गोविन्द स्वामी, कृष्णदास |

- ध्रुपद–धमार के प्रवर्तक स्वामी हरिदास (जन्म स्थान–हरिदासपुर अलीगढ़) ने 'श्रीकेलिमाल' संग्रह तथा 'अष्टादश पदों की रचना की। उन्होंने मन्दिरों में ध्रुपद गायन द्वारा अर्चना पद्धति का श्री गणेश किया।
- हरिदासी सम्प्रदाय के 5 मुख्य संगीत अर्चना केन्द्र थे।
- स्वामी हरिदास के शिष्यों में बैजू बावरा (गुजरात), तानसेन (ग्वालियर), गोपाल नायक, रामदास, दिवाकर पंडित सोमनाथ पंडित तथा सौरसेन थे।



Join @yct_hub For More Exclusive PDFs

Search @yct_hub to Join Channel

- स्वामी हित हरिवंश को श्रेष्ठ संगीतज्ञ होने के कारण कृष्ण की वंशी का अवतार माना जाता था।
- ध्रुपद धमार की प्रसिद्ध गायिका ताज बेगम ने विट्ठल नाथ से दीक्षा ली थी।

## राज्य के प्रमुख संगीत घराने

**आगरा घराना**

- आगरा घराने का सूत्रपात श्याम रंग और सरस रंग से माना जाता है। आगरा मुगलकाल में संगीत का सबसे बड़ा केन्द्र था। इसे कव्वाल बच्चा घराना भी कहा जाता है। उस्ताद फैय्याज खां, रजा हुसैन, हाजी सुल्तान, अली बख्श खां, विलायत हुसैन खां आदि इस घराने के प्रमुख संगीतकार हैं।
- इस घराने के प्रतिनिधियों में मुहम्मद खां, रहमत खां, मुबारक अली खां, सादिक अली खां, करम अली उल्लेखनीय हैं। विलायत हुसैन खां प्रसिद्ध सितार वादक एवं गायक थे। इन्होंने प्राणपिया उपनामों से कई रागों में बंदिशों की रचना की।

**किराना घराना**

- ख्याल गायिकी में इस घराने का महत्वपूर्ण स्थान है।
- इस घराने का मूल स्थान मुजफ्फरनगर जिले का किराना नामक स्थान तथा इसका संस्थापक अब्दुल करीम खान तथा अब्दुल वाहिद खान को माना जाता है।
- अब्दुल वसील खां, अब्दुल करीम खां, काले खां, गंगूबाई हंगल, सरस्वती राणे, बासवराज गुरु, भीमसेन जोशी आदि का सम्बन्ध इसी घराने से था।

**बनारस घराना**

- काशी में संगीत को आश्रय काशीराज द्वारा मिला।
- बनारस घराने के ख्याल गायन में बनारस एवं गया की ठुमरी का समावेश है।
- इस घराने के प्रमुख संगीतकारों में पं0 किशन महाराज, पं0 कामता प्रसाद मिश्र, पं0 राजन एवं साजन मिश्र, पं0 राम सहाय मिश्र, गुरु प्रसाद मिश्र, शिवा पशुपति आदि उल्लेखनीय रहे।
- रसूलनबाई, छोटी मैना, बड़ी मैना, गिरिजा देवी, आदि बनारस घराने से संबंधित प्रमुख गायिकायें हैं।

**लखनऊ घराना**

- यह घराना ख्याल व ध्रुपद गायन के लिए प्रसिद्ध है।
- इसे पूरब घराना के नाम से भी जाना जाता है।
- बिंदादीन (कथक), कोदऊ सिंह (पखावज), बेगम अख्तर (गजल गायक), रजा खाँ (सितार वादक) सादिक अली खां (वीणा) आदि इस घराने के नामचीन कलाकार थे।
- खुर्शीद अली खाँ लखनऊ ख्याल गायकी के पितामह माने जाते हैं।
- वाजिद अलीशाह के काल में ठुमरी को काफी लोकप्रियता मिली उसने स्वयं 'अख्तर पिया' उपनाम से और उनके दरबारी बिन्दादीन ने 'सनद पिया' उपनाम से ठुमरी की बंदिशें तैयार कीं। उनके राज्यकाल को अवध को कला की दृष्टि से स्वर्णयुग कहा जा सकता है।
- नवाब वाजिद अली शाह 'रहस नृत्य' का आयोजन और कृष्ण की भूमिका स्वयं निभाते थे।
- बिन्दादीन के बाद शम्भू महाराज, लच्छू महाराज, बिरजू महाराज, कालका महाराज, अच्छन महाराज आदि ने कथक शैली को नई दिशा दी।
- उस्ताद दूल्हेखां, उस्ताद सखावत हुसैन खां (सरोद), इलियास खां, उमर खां (सितार), पं. सखाराम, पं. अयोध्या प्रसाद (पखावज), सादिक अली खां (बीनाकार), जी.एन. गोस्वामी (वायलिन), युसूफ अली खां, ध्रुवतारा जोशी (सितार)।

**सहारनपुर घराना**

- इस घराने के प्रवर्तक खलीफा मुहम्मद जमां सूफी संत थे।
- यह घराना अलाप, होरी ध्रुपद गायन के लिए प्रसिद्ध है।
- सहारनपुर के बहराम खाँ को पंडित की उपाधि दी गई थी।

**रामपुर घराना**

- रामपुर रियासत के नवाब हामिद अली स्वयं संगीत प्रेमी थे तथा तत्कालीन मूर्धन्य संगीतज्ञ उस्ताद वजीर खां के शिष्य थे।
- वजीर खां ने अपने पिता से ध्रुपद गायन और मामा से ख्याल गायन की शिक्षा प्राप्त की।
- इस घराने के कलाकारों में उस्ताद मुहम्मद हुसैन, उस्ताद अलाउद्दीन खां, उस्ताद मुश्ताक हुसैन खां, उस्ताद सादिक अली खां आदि थे।

**फतेहपुर सीकरी घराना**

- यह एक मुगल कालीन घराना है, जो ध्रुपद और ख्याल गायकी के लिए जाना जाता है।
- इसकी शुरुआत मुगल बादशाह जहाँगीर के काल में दो भाइयों– जैनू खाँ और जोरावर खाँ से मानी जाती है।
- घसीट खाँ इस घराने के सुप्रसिद्ध कलाकार थे।

**खुर्जा ( अलीगढ़ ) घराना**

- इस घराने का आरम्भ नत्थे खां के पुत्र जोधे खां से माना जाता है जो दिल्ली दरबार से आकर खुर्जा बस गए।
- इसी घराने के गफूर बख्श श्रेष्ठ सितारवादक थे।
- इमाम खां, गुलाम हुसैन खां, जहूर खां, अलताफ हुसैन खां, गुलाम हैदर खां प्रमुख संगीतज्ञ थे।

**इटावा घराना**

- यह घराना सितार वादन के लिए विशेष तौर पर जाना जाता है।
- इसे गौरीपुर घराने के नाम से भी जाना जाता है।
- इमदाद खाँ इस परम्परा के लोकप्रिय कलाकार थे। जो इटावा घराने से सम्बन्धित थे। सुरजन सिंह, ध्रुवतारा जोशी भी इस घराने से सम्बन्धित हैं।
- बिस्मिल्ला खाँ के साथ सही अर्थों में सफल जुगलबंदी करने वाले उस्ताद विलायत खाँ ने इटावा की संगीत परम्परा को और समृद्ध किया।

**शाहजहांपुर घराना**

- यह सरोदवादन के लिए विशेष तौर पर जाना जाता है। उस्ताद काजिम अली, इंसाफ इली, इनायत अली खां ने प्रसिद्धि प्राप्त की।

**भिंडी बाजार घराना**

- मुरादाबाद के छज्जू खाँ, नजीर खाँ तथा खादिम हुसैन खां ने बम्बई के भिंडी बाजार में इस घराने की गायकी परम्परा की शुरुआत की।
- लता मंगेशकर ने इसी घराने के अमान अली खाँ से संगीत की शिक्षा प्राप्त की थी।
- आधुनिक शास्त्रीय गायन का पिता उस्ताद फैयाज खाँ को माना जाता है, जिन्हें आफताब ए-मोसिकी (संगीत के सूर्य) उपाधि से सम्मानित किया गया।
- बनारस घराने के प्रसिद्ध सितार वादक पंडित रवि शंकर (भारत रत्न से सम्मानित) महान सितार वादक उस्ताद अलाउद्दीन खां के शिष्य थे।
- प्रयागराज की गायिका जानकीबाई उर्फ छप्पन छुरी व केशरबाई अपनी मीठी आवाज के लिए काफी प्रसिद्ध थीं।



Join @yct_hub For More Exclusive PDFs

## प्रमुख मेले व उत्सव

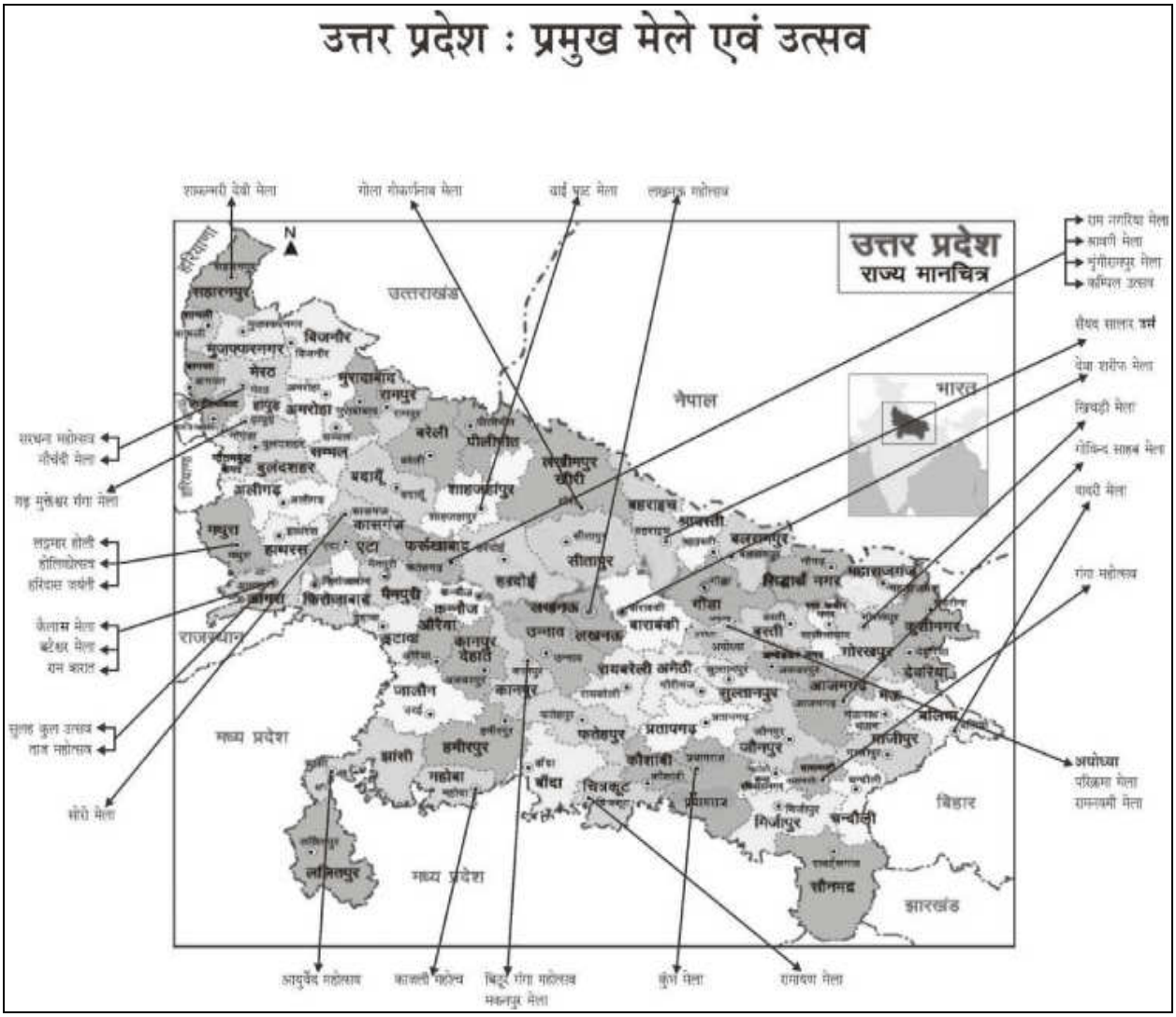


■ उत्तर प्रदेश में सर्वाधिक मेले (86) मथुरा में लगते हैं।

| मेले | | स्थान |
|---|---|---|
| कैलास मेला | – | आगरा (कैलास एवं सिकंदरा में) |
| शाकम्भरी देवी मेला | – | सहारनपुर |
| श्रावणी मेला | – | फर्रुखाबाद |
| बटेश्वर मेला (पशु मेला) | – | आगरा |
| गढ़मुक्तेश्वर गंगा मेला | – | हापुड़ |
| ध्रुपद मेला | – | वाराणसी |
| झूला मेला | – | वृंदावन (मथुरा) |
| नौचंदी मेला | – | मेरठ |
| गोला गोकर्णनाथ | – | लखीमपुर खीरी |
| ढाई घाट मेला | – | शाहजहांपुर |
| खिचड़ी मेला | – | गोरखपुर |
| लट्ठमार होली | – | बरसाना (मथुरा) |
| सोरो मेला | – | कासगंज |
| बल सुंदरी देवी मेला | – | अनूपशहर (बुलंदशहर) |
| सैयद सालार उर्स | – | बहराइच |
| देवा शरीफ मेला | – | बाराबंकी |
| मकनपुर मेला | – | बिल्हौर (कानपुर) |
| दादरी मेला (भारत का दूसरा सर्वाधिक बड़ा पशु मेला) | – | बलिया |
| शृंगीरामपुर मेला | – | फर्रुखाबाद |
| रामायण मेला | – | चित्रकूट |
| गोविन्द साहब मेला | – | आजमगढ़/अम्बेडकर नगर |
| शुक्रताल मेला | – | मुजफ्फरनगर |

### प्रमुख महोत्सव

| महोत्सव | स्थान | विशेष |
|---|---|---|
| गंगा महोत्सव | वाराणसी व प्रयागराज | |
| सुलहकुल उत्सव | आगरा | हिन्दू मुस्लिम एकता का प्रदर्शन |
| ताज महोत्सव (प्रत्येक वर्ष फरवरी) | आगरा | मुगल कालीन संस्कृति व भारतीय ललित कलाओं का प्रदर्शन |



Join @yct_hub For More Exclusive PDFs

| | | |
|---|---|---|
| कजरी महोत्सव | मिर्जापुर | |
| आयुर्वेद महोत्सव | झांसी | |
| बिठूर गंगा महोत्सव | कानपुर | प्रत्येक वर्ष कार्तिक मास में |
| कम्पिल उत्सव | फर्रुखाबाद | जैन मंदिरों में आयोजित |
| सरधाना महोत्सव | मेरठ | |
| हरिदास जयंती | वृंदावन | |
| होलिकोत्सव | मथुरा | |
| सैफई महोत्सव | सैफई (इटावा) | प्रत्येक वर्ष जनवरी में |
| त्रिवेणी महोत्सव | प्रयागराज | मिश्रित संस्कृति का प्रदर्शन |
| कन्नौज महोत्सव | कन्नौज | पर्यटन विभाग द्वारा |

- प्रयागराज में प्रत्येक 12वें वर्ष पर विश्व का सबसे बड़ा मेला महाकुम्भ आयोजित किया जाता है।

## नृत्य कला ( शास्त्रीय )

- प्रदेश का एकमात्र शास्त्रीय नृत्य कथक है, जिसका प्रारम्भ मंदिर के पुजारियों द्वारा कथा वाचन के समय हाव-भाव के प्रदर्शन से माना जाता है।
- इस नृत्य का मुख्य केन्द्र लखनऊ है। वाजिद अली शाह (अवध) के दरबार में इसका विशेष विकास हुआ।
- इस नृत्य का उन्नायक ठाकुर प्रसाद को माना जाता है और बिन्दादीन ने कथक में ठुमरी गायन का प्रवेश कराया।
- इस नृत्य के कलाकारों में ठाकुर प्रसाद, शम्भू महाराज, बिरजू महाराज, लच्छू महाराज, सितारा देवी, अच्छन महाराज आदि मुख्य हैं।
- शम्भू महाराज ने रहीमुद्दीन खां से ठुमरी की शिक्षा ली थी।
- उस्ताद खुर्शीद अली खां लखनऊ गायकी के पितामह माने जाते हैं।

### लोकनृत्य

| नृत्य | स्थान | विशेषता |
|---|---|---|
| ख्याल नृत्य | बुन्देलखण्ड | पुत्र जन्मोत्सव पर |
| चरकुला नृत्य | ब्रज क्षेत्र | रथ के पहिये पर घड़ा रखकर नृत्य किया जाता है। |
| राहुला | बुंदेलखण्ड | लोक कथनों/कहावतों का मंचन किया जाता है |
| पाई डंडा | बुन्देलखण्ड | बुंदेलखण्ड के अहीरों द्वारा |
| राई नृत्य (मयूर नृत्य) | बुन्देलखण्ड | |
| कार्तिक गीत नृत्य | बुन्देलखण्ड | |
| चौरसिया नृत्य | जौनपुर | कहारों द्वारा किया जाने वाला नृत्य |
| करमा | मिर्जापुर व सोनभद्र | जनजातियों द्वारा किया जाने वाला नृत्य है |
| धुरिया | बुन्देलखण्ड | कुम्हार लोग इस नृत्य को स्त्री वेश धारण करके करते हैं |
| लट्ठमार दीवारी नृत्य | चित्रकूट | दीपावली के अवसर पर |
| चौलर नृत्य | मिर्जापुर, सोनभद्र | अच्छी वर्षा व अच्छी फसल के लिए |
| ठडिया नृत्य | सोनभद्र | संतान की कामना पूरी होने पर |
| कठघोड़वा नृत्य | पूर्वांचल | मांगलिक अवसरों पर |
| शैरा नृत्य या ढोला नृत्य | सोनभद्र/ मिर्जापुर | आदिम समाज के युवक कुछ प्रमुख अवसरों पर |
| झूला नृत्य, रास नृत्य | ब्रज क्षेत्र | |

- उत्तर प्रदेश में सबसे प्रचलित लोक नृत्य नौटंकी है।
- रामलीला का सम्बन्ध मुख्यतः ब्रज शैली से है।
- प्रदेश के राजपूतों में विवाह के अवसर पर तलवार और ढाल लेकर किए जाने वाले नृत्य गीत को छोलिया कहते हैं।
- छपेली नृत्य में एक हाथ में रुमाल तथा दूसरे हाथ में शीशा लेकर अध्यात्मिक समुन्नति की कामना की जाती है।
- स्वांग, उत्तर प्रदेश राज्य की पारंपरिक अर्द्धऐतिहासिक कहानियों एवं गाथा गीत का नृत्य नाटक है।

## लोकगीत

- बिरहा, चैती, ढोला, कजरी, रसिया, आल्हा, उत्तर प्रदेश के प्रमुख लोकगीत हैं।
- रसिया लोक गीत उ.प्र. के ब्रज भूमि क्षेत्र की गायन परम्परा है।
- कजरी लोक गीत प्रमुखतः सावन माह में महिलाओं द्वारा गाया जाता है।
- कजरी की उत्पत्ति मिर्जापुर में मानी जाती है।
- मिर्जापुर में कजरी के 4 अखाड़े पं0 शिवदास मालवीय अखाड़ा, जहांगीर अखाड़ा, बैरागी अखाड़ा व अक्खड़ अखाड़ा है।
- ढोला लोकगीत उ.प्र. के आगरा तथा मेरठ में प्रचलित है।
- सोहर पूर्वांचल का प्रसिद्ध लोकगीत है, जो बच्चों के जन्म आदि अवसरों पर गाया जाता है।
- ईसुरी फाग का प्रचलन बुन्देलखण्ड में है।
- वर्तमान में रामलीला, रासलीला और नौटंकी प्रदेश के प्रतिनिधि लोकनाट्य के रूप में अभिहित किए जाते हैं।
- नौटंकी का स्वरूप मुख्यतः 'वीथि' नाटक का है।



Join @yct_hub For More Exclusive PDFs

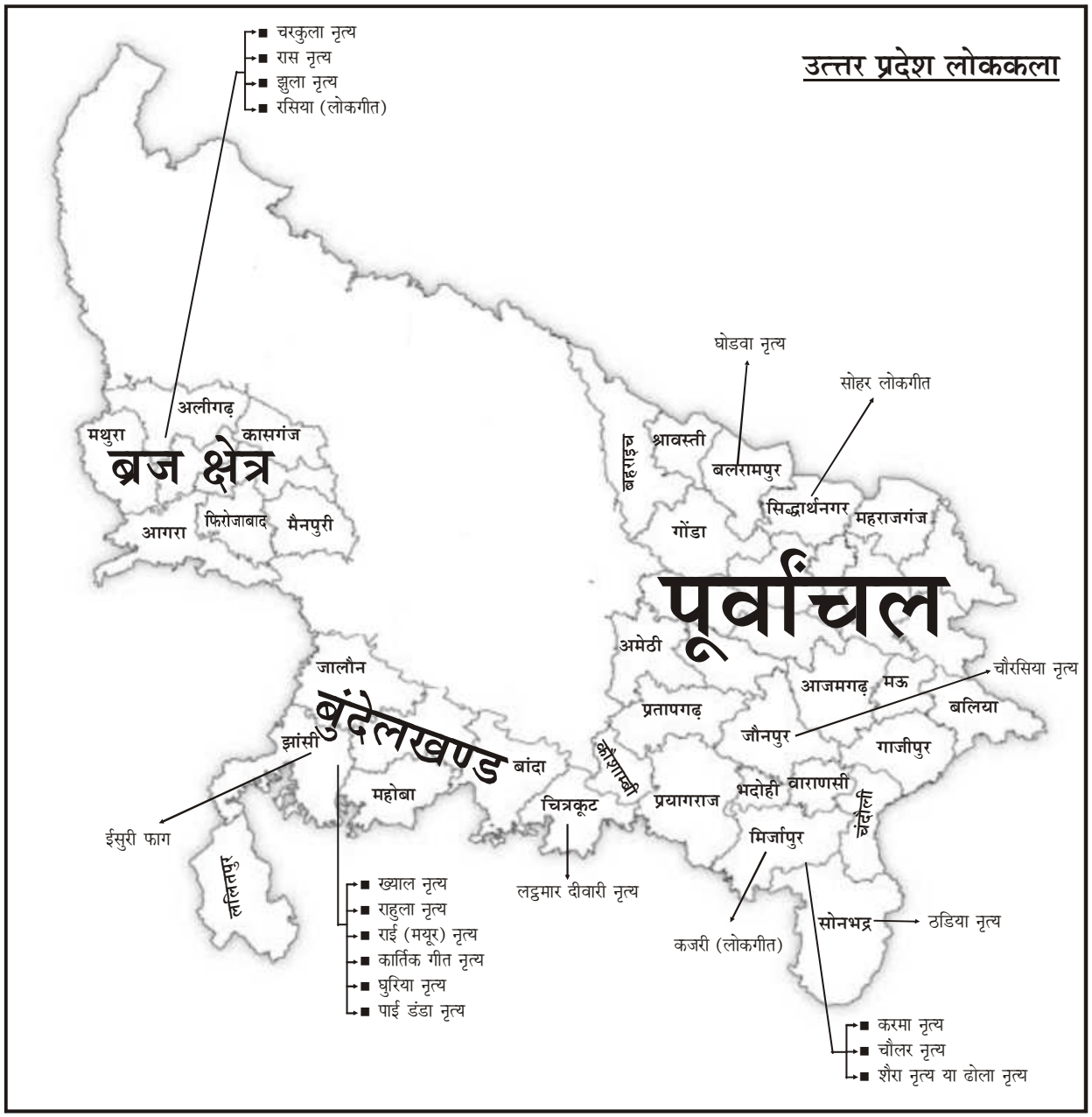


## अन्य महत्त्वपूर्ण तथ्य

- साधना नाट्य कला केन्द्र – गाजियाबाद
- नेहरू बाल भवन एवं नक्षत्रशाला – प्रयागराज
- उत्तर प्रदेश में भारतीय जन नाट्य संघ द्वारा रंगमंच से सम्बंधित प्रथम पत्रिका 'रंगमंच' नाम से 1953-54 में प्रकाशित की गई जो कालांतर में 'अभिनय' के नाम से प्रकाशित होने लगी।
- जुलाई 1976 से उत्तर प्रदेश संगीत नाटक अकादमी द्वारा प्रदर्शनकारी कलाओं को समर्पित त्रैमासिक पत्रिका **'छायानट'** आरम्भ की गयी।
- विशुद्ध नाटक रीति से लिखा गया प्रथम नाटक 'नहुष' था जिसके लेखक बाबू गोपाल चन्द्र थे।
- आधुनिक विधि से मंचित प्रथम नाटक शीतला प्रसाद त्रिपाठी कृत 'जानकी मंगल' था।
- दुम पुख्त उ.प्र. में लखनवी व्यंजन पकाने की विधि है।

## चित्रकला व मूर्तिकला

- प्रदेश में आधुनिक चित्रकला का विकास 20वीं शताब्दी के प्रारम्भ में शुरू हुआ, तब जब 1911 में लखनऊ में राजकीय कला एवं शिल्प महाविद्यालय की स्थापना की गयी।
- मध्यकाल में प्रदेश की प्रमुख चित्रकला शैली मुगल शैली (आगरा शैली) थी। जिसकी नींव हुमायूँ द्वारा रखी गयी थी।
- हुमायूँ फारस से मीर सैयद अली और ख्वाजा अब्दुस्समद नामक चित्रकारों को अपने साथ भारत लाया था।



Join @yct_hub For More Exclusive PDFs

Search @yct_hub to Join Channel

- अकबर ने चित्रकारी के लिए एक अलग विभाग ही खोल दिया। जहांगीर के समय मुगल चित्रकला अपने चरमोत्कर्ष पर थी।
- असित कुमार हल्दार, कला एवं शिल्प महाविद्यालय लखनऊ के प्रथम प्रधानाचार्य बने, उन्होंने लखनऊ में चित्रकला की 'वाश' तथा 'टेम्पा' नामक दो शैलियाँ शुरू कीं, जो बाद में लखनऊ शैली के रूप में विकसित हुई।
- भारतीय कला परिषद की स्थापना वर्ष 1920 में वाराणसी में की गई।
- वर्ष 1950 में वाराणसी में भारत कला भवन की स्थापना काशी हिन्दू विश्वविद्यालय में की गई।

| प्रमुख चित्रकार | कृति |
|---|---|
| शिवानन्दन नौटियाल | सत्यम् शिवम् सुन्दरम् |
| विश्वनाथ मेहता | प्यासा ऊँट, सोहाग बिन्दी, सृष्टि |
| नन्द किशोर शर्मा | कालीन ट्रे, चीनी बर्तनों के डिजाइन |
| महेन्द्र नाथ सिंह | कांगड़ा व काशी शैली की विविधता |

- रणवीर सिंह विष्ट, अमृता शेरगिल (गोरखपुर) आदि राज्य के प्रमुख चित्रकार हैं।
- प्रदेश के चित्रकला विकास में ग्राफिक विद्या की शुरुआत ललित मोहन सेन ने की।

# EXAM CAPSULE

| | |
|---|---|
| ■ उत्तर प्रदेश का कौन-सा शहर अवधी या मुगल व्यंजनों के लिए प्रसिद्ध है– **लखनऊ** | **UP Police Asst.Operator 02/02/2024 Shift-II** |
| ■ औपचारिक सेटिंग में, उत्तर प्रदेश के पुरुष_____पहनते हैं, जो कढ़ाई से सना हुआ कुर्ता है– **शेरवानी** | **UP Police Asst. Operator 08/02/2024 Shift-II** |
| ■ कौन-सी कला उत्तर प्रदेश से संबंधित एक नृत्य नाटक है जिसमें अर्ध-ऐतिहासिक कहानियों और गाथागीतों का प्रदर्शन शामिल है– **स्वांग** | **UP Police Asst. Operator 05/02/2024 Shift-II** |
| ■ उत्तर प्रदेश के वाराणसी में विशेष रूप से कौन-सा पर्व सूर्य के सम्मान में मनाया जाता है और जिसे कुष्ठ जैसे असाध्य रोगों के इलाज से जोड़कर देखा जाता है– **भरत मिलाप** | **UP Police Asst. Operator 05/02/2024 Shift-I** |
| ■ 'चरकुला' और 'दादरा' किस राज्य के नृत्य रूप है– **उत्तर प्रदेश** | **UPSSSC VDO Re-Exam. 27-06-2023 Shift-II** |
| ■ बघेलखंड का कौन सा नृत्य एक पुरुष द्वारा महिला के वेश में ढोलक और नगाड़ा जैसे संगीत वाद्ययंत्रों के साथ किया जाता है– **राई** | **UPSSSC Instructor Exam-2022** |
| ■ यूपी के नृत्य, _____ में एक महिला नर्तकी नृत्य करते समय अपने सिर पर रोशन दीपकों के एक स्तंभ को संतुलित करती है– **चरकुला** | **UPSSSC Instructor Exam-2022 UPSSSC Junior Assistant Exam. 27-8-2023** |
| ■ उत्तर प्रदेश का कौन सा प्रसिद्ध लोक नृत्य धान और मक्के की खेती के दौरान किया जाता है– **हुरका बौल** | **UP Police Const. (M/F) 17-02-2024 Shift-I (Cancelled)** |
| ■ मथुरा किसकी जन्मस्थली है जिसे ब्रजभूमि के नाम से भी जाना जाता है– **भगवान कृष्ण** | **UP Police Const. (M/F) 17-02-2024 Shift-I (Cancelled)** |
| ■ उत्तर प्रदेश में स्थित भदोही किस कला के लिए प्रसिद्ध है– **कालीन बुनाई** | **UP Police Const. (M/F) 17-02-2024 Shift-I (Cancelled)** |
| ■ देवगढ़ में स्थित, गुप्त काल का दशावतार मंदिर, जो भगवान विष्णु को समर्पित है, अपनी वास्तुकला की शैली के कारण उत्तर भारत में सबसे प्राचीन ज्ञात ___ है– **पंचायतन मंदिर** | **UPSSSC Junior Assistant Exam. 27-8-2023** |
| ■ उत्तर प्रदेश में ''कुंभ मेला'' का उत्सव किन नदियों के संगम पर मनाया जाता है– **गंगा, यमुना और पौराणिक सरस्वती** | **UP Police Contable (M/F) 18/02/2024 Shift-II (Cancelled)** |



Join @yct_hub For More Exclusive PDFs

| | |
|---|---|
| ■ मुगल काल में हिंदू द्वारा निर्मित 'जसवंत सिंह की छत्री' एकमात्र स्मारक है, यह कहाँ पर स्थित है– **आगरा** | **Allahabad High Court RO 07-01-2022 Shift-II** |
| ■ उत्तर प्रदेश में ..... का पागल बाबा मंदिर अपनी कठपुतली प्रदर्शनी के लिए प्रसिद्ध है– **वृन्दावन** | **Allahabad High Court Group-D 23-07-2017** |
| ■ एक प्रसिद्ध धार्मिक तीर्थ स्थल नैमीषारण्य, उत्तर प्रदेश के.....जिले में स्थित है– **सीतापुर** | **Allahabad High Court Group-C 22-07-2017** |
| ■ कुंभ मेला हिन्दुओं का सबसे बड़ा धार्मिक जमावड़ा लगभग हर बारह वर्षों में किन चार तीर्थ यात्रा की जगहों के नदी के तट पर मनाया जाता है– **प्रयागराज, उज्जैन, हरिद्वार और नासिक** | **Allahabad High Court ARO 14-12-2021 Shift-II** |
| ■ उत्तर प्रदेश की स्थानीय नृत्य कला है– **कथक** | **Allahabad High Court ARO 14-12-2021 Shift-II UP Police Asst, Operator (M/F) 07-02-2024 Shift-I Allahabad High Court ARO 16-12-2021 Shift-II** |
| ■ सावन मास में किस प्रसिद्ध लोक संगीत को गाया जाता है– **कजरी** | **Allahabad High Court APS 23-12-2021 Shift-I** |
| ■ भातखंडे संगीत विश्वविद्यालय, किस शहर में स्थिति है– **लखनऊ** | **Allahabad High Court CA/RGC 28-09-2014** |
| ■ उत्तर प्रदेश में राष्ट्रीय कथक संस्थान कहाँ अवस्थित है– **लखनऊ** | **Allahabad High Court CA/RGC 18-12-2021 Shift-II** |
| ■ गुरु पूर्णिमा पर्व उत्तर प्रदेश में किस संत को समर्पित है– **व्यास** | **Allahabad High Court CA/RGC 18-12-2021 Shift-II UPPSC RO/ARO (Mains) 2014** |
| ■ उत्तर प्रदेश का सुप्रसिद्ध लोकगीत है– **कजरी** | **Allahabad High Court CA/RGC 21-12-2021 Shift-I** |
| ■ कथक के प्रख्यात नर्तक हैं– **बिरजू महाराज** | **Allahabad High Court RO/ARO 28-09-2014** |
| ■ 'मथुरा कला', मथुरा में विकसित हुई, किस नदी के किनारे पर स्थित है– **यमुना** | **Allahabad High Court RO/ARO 28-09-2014** |
| ■ उत्तर प्रदेश के किस शहर में प्रसिद्ध कोकिलावन मंदिर स्थित है– **मथुरा** | **Allahabad High Court ARO 15-12-2021 Shift-II** |
| ■ किस वास्तु शिल्प को 'तुर्की दरवाजा' के नाम से भी जाना जाता है उत्तर प्रदेश में– **रूमी दरवाजा** | **Allahabad High Court ARO 19-12-2021 Shift-II** |
| ■ किस स्थान पर 'मूड़िया पूर्णिमा मेला' का आयोजन होता है– **गोवर्धन** | **Allahabad High Court ARO 20--12-2021 Shift-I** |
| ■ ललितपुर, उत्तर प्रदेश में देवीसिंह बुंदेला द्वारा निर्मित मंदिर का नाम है–**शिव मंदिर, ललितपु** | **Allahabad High Court RO 10--12-2021 Shift-I** |
| ■ उत्तर प्रदेश का बरसाना का होली महोत्सव किसके लिए प्रसिद्ध है– **लठ्ठमार होली** | **Allahabad High Court RO 11--12-2021 Shift-II UP Constable 28/01/2019** |
| ■ कौन सा स्थान सितार और सुरबहार के इमदाद खनी घराना के लिए जाना जाता है– **इटावा** | **Allahabad High Court RO 11--12-2021 Shift-II** |



Join @yct_hub For More Exclusive PDFs

| | |
|---|---|
| ■ उत्तर प्रदेश में शेख सलीम चिश्ती की 'दरगाह' कहाँ स्थित है– **फतेहपुर सीकरी** | **Allahabad High Court RO 07-01-2022 Shift-II** |
| ■ संस्कृति मंत्रालय ने उत्तर प्रदेश के किस शहर में ''भारतीय विरासत संस्थान'' (Indian Institute of Heritage) खोलने की घोषणा की है– **गौतमबुद्ध नगर** | **Allahabad High Court ARO 16-12-2021 Shift-II** |
| ■ नवाब शुजाउद्दौला की बेगम का प्रसिद्ध मकबरा, 'बहू-बेगम का मकबरा' किस स्थान पर अवस्थित है– **फैजाबाद** | **UPPSC RO/ARO Mains 2016 UPP Constable 26.10.2018 (Shift-I)** |
| ■ प्रसिद्ध नैमिषारण्य तीर्थ जनपदों में से किस एक में उपस्थित है– **सीतापुर** | **UPSSSC PET-16.10.2022 (Shift-II) UPPCS (Pre.) G.S. 2002** |
| ■ प्रसिद्ध संगीतज्ञ 'गिरजा देवी' सम्बन्धित हैं– **बनारस घराने से** | **UPPSC RO/ARO (Pre) 2017 UPP Contable 26.10.2018 (Shift-II) UPPCS (J) 2006 Allahabad High Court APS 23-12-2021 Shift-I Allahabad High Court CA/RGC 28-09-2014** |
| ■ ''लखनऊ उत्सव'' जिसे अब ''लखनऊ महोत्सव'' कहा जाता है प्रारंभ हुआ– **1975-76** | **UPPSC Ayuvedacharya-2022** |
| ■ उत्तर प्रदेश का लोकगीत नहीं है– **तेरह ताल** | **UPPSC ACF RFO (Mains) 2021 Paper-I** |
| ■ उत्तर प्रदेश का लोक नृत्य नहीं है– **फगुआ** | **UPPSC ACF RFO (Mains) 2021 Paper-I** |
| ■ उत्तर प्रदेश का लोकनृत्य है– **जैता** | **UPPSC GIC Lecturer 2021** |
| ■ गुप्त कालीन मंदिरों में कौन सा उत्तरप्रदेश में अवस्थित है– **देवगढ़ का दशावतार मंदिर** | **UPPSC GIC Lecturer 2021** |
| ■ उत्तर प्रदेश की ऐतिहासिक, पुरातात्विक एवं कलात्मक निधि की देख-रेख करने के लिए स्थापित संस्कृति विभाग के कार्यों में कौन सा कार्य सम्मिलित नहीं है– **उसकी बिक्री** | **UPPCS (Pre) G.S. 2008** |
| ■ महाकुम्भ मेला प्रायः कितने वर्ष पर आयोजित किया जाता है– **12वें वर्ष** | **UPPSC RO/ARO (Mains) -2017 विधान भवन रक्षक - 2.12.2018 (Shift-II)** |
| ■ लखनऊ में रविन्द्रालय की स्थापना किस वर्ष में हुई थी– **1964** | **UPPSC ACF/RFO Mains 2020 (Paper-Ist)B** |
| ■ रामनगर (बनारस) में रामलीला का मंचन कितने दिन होता है– **31 दिन** | **UPPSC ACF/RFO Mains 2020 (Paper-Ist)B** |
| ■ फारसी का प्रथम कवि था जिसने अपनी कविता में भारतीय पर्यावरण को चित्रित किया– **अमीर खुसरो** | **UPPCS (Mains)-2017** |
| ■ प्रसिद्ध शास्त्रीय गायक भीमसेन जोशी संबंधित हैं– **किराना घराने से** | **UPPCS (Mains) Spl. G.S. I$^{st}$ 2008** |
| ■ अमीर खुसरो ने किसके विकास में अग्रगामी की भूमिका निभाई– **खड़ी बोली** | **UPPCS (Pre) G.S. 2008** |
| ■ उत्तर प्रदेश शासन ने ''संगीत रत्न पुरस्कार'' जिसकी स्मृति में प्रारम्भ किया, वे हैं– **उस्ताद बिस्मिल्ला खां** | **UPPCS (Pre) G.S. 2007** |



Join @yct_hub For More Exclusive PDFs

Search @yct_hub to Join Channel

| | |
|---|---|
| ■ उत्तर मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र (एन. सी. जेड. सी. सी.) चैती और कजरी केंद्रों का आयोजन किस शहर में करेगा– **वाराणसी** | **UPPSC RO/ARO (Pre) G.S., 2014** |
| ■ संगीत शिक्षा हेतु उत्तर प्रदेश में जो प्रथम संगीत महाविद्यालय स्थापित हुआ, वह था– **भातखण्डे हिन्दुस्तानी संगीत महाविद्यालय** | **UPPCS (Pre) G.S. 2004 UPPCS (Mains) G.S. I$^{st}$ 2009** |
| ■ उत्तर मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र' किस स्थान पर अवस्थित है– **प्रयागराज** | **UPPSC ACF 2017 UPPSC RO/ARO Pre 2017 UPPSC ACF/RFO Mains Ist Paper 2019 UPPCS (mains) Paper-I GS, 2015** |
| ■ उत्तर प्रदेश का प्राचीनतम जीवन्त नगर है– **वाराणसी** | **UPPSC Health Inspector 2013** |
| ■ काल्पी नगर किस नदी के तट पर स्थित है– **यमुना** | **UPPCS (Mains) GS I$^{st}$ 2015** |
| ■ प्रसिद्ध नौचंदी मेला, हिन्दू-मुस्लिम भाई-चारे का प्रतीक, जहाँ देवी नौचंदी का मंदिर और बड़े मियाँ की मजार स्थित है, प्रतिवर्ष लगता है– **मेरठ में** | **UPPCS (Pre) G.S. Spl. 2004 UPPCS RO/ARO (Pre) 2021** |
| ■ शाकम्भरी देवी मेले का आयोजन किया जाता है– **सहारनपुर में** | **UPPCS (Mains) GS I$^{st}$ 2015** |
| ■ विख्यात भारतमाता मंदिर स्थित है– **वाराणसी में** | **UPPCS (Mains) GS I$^{st}$ 2015** |
| ■ हिन्दू-मुस्लिम एकता का प्रतीक 'सुलह कुल' उत्सव उत्तर प्रदेश में आयोजित किया जाता है– **आगरा में** | **UPPCS (Mains) G.S. I$^{st}$ 2009 UPPCS (Pre) G.S. 2005** |
| ■ प्रति वर्ष प्रसिद्ध सूफी संत हाजी वारिस अली शाह की मज़ार पर मेला लगता है– **देवा शरीफ में** | **UPPCS (Pre) G.S. 2008** |
| ■ 'दीवारी पाई डण्डा' लोक कला, उत्तर प्रदेश के किस क्षेत्र से संबंधित है– **बुंदेलखण्ड** | **UPPSC ACF/RFO Mains 2020 (Paper-Ist)B** |
| ■ गुदई महाराज, प्रसिद्ध तबला वादक किस घराने से सम्बन्धित थे– **बनारस घराना** | **UPPSC ACF/RFO Mains 2020 (Paper-Ist)B** |
| ■ उत्तर प्रदेश के प्रमुख लोक नृत्य हैं– **चरकुला, कर्मा, पाण्डव** | **UPPSC RO/ARO (Pre) Re-Exam 2016 UPPCS (J) 2006** |
| ■ उत्तर प्रदेश के मुख्य लोक गीत हैं– **बिरहा, चैती, ढोला** | **UPPSC RO/ARO (Pre) Re-Exam 2016 जूनियर इंजीनियर तकनीकी 27/12/2015** |
| ■ उत्तर प्रदेश में 'आयुर्वेद महोत्सव' का आयोजन होता है– **झाँसी में** | **UPPSC ACF/RFO Mains Ist Paper 2019** |
| ■ धुरिया लोकनृत्य है– **बुन्देलखण्ड का** | **UPPCS (Pre) GS, 2010 UPPCS (Mains) G.S. I$^{st}$ 2010** |
| ■ 'आल्हा' एक लोकप्रिय संगीत किस क्षेत्र का है– **बुन्देलखण्ड** | **UPPSC RO/ARO (Mains) - 2017** |
| ■ उत्तर प्रदेश के ब्रजमण्डल का सम्बन्ध किस लोकनृत्य से है– **चरकुला** | **UPPCS Spl, (Pre) G.S. 2008 UPPCS (J) 2006 UPPCS (Mains) Spl. G.S. I$^{st}$ 2008 UPPCS (Pre) G.S. 2007, 2011 UPPCS (Mains) GS I$^{st}$ 2012 लोअर द्वितीय 06.03.2016 UPSI 12.11.2021 (Shift-II) UPSI/ASI 2018** |



Join @yct_hub For More Exclusive PDFs

| | |
|---|---|
| ■ यह नृत्य की संस्कृति से सम्बन्धित है– **ख्याल और बाज लखनऊ** | **UPPCS (Pre) G.S. 2008** |
| ■ लोक नृत्य 'राहुला' का सम्बन्ध यू.पी. के किस एक क्षेत्र से है– **बुन्देलखण्ड क्षेत्र से** | **UPPCS (Pre) G.S. 2008 Allahabad High Court ARO 16/12/2021 Shift-II** |
| ■ उत्तर प्रदेश के बुन्देलखण्ड क्षेत्र का लोक नृत्य है– **रवाला नृत्य, बढ़इया नृत्य एवं राई नृत्य** | **UPPCS (Mains) GS I$^{st}$ 2016** |
| ■ उत्तर प्रदेश का मुख्य लोकनृत्य है– **धोबिया, राई, शायरा** | **UPPCS (Mains) GS I$^{st}$ 2013** |
| ■ कार्तिक एक लोकनृत्य है– **बुन्देलखण्ड का** | **UPPCS (Mains) G.S. I$^{st}$ 2009 Allahabad High Court ARO 12/12/2021 Shift-II** |
| ■ उत्तर प्रदेश का लोक गीत है– **रसिया, बिरहा एवं कजरी** | **UPPCS (Pre) G.S. 2009 UPPCS (Mains) Spl. G.S. I$^{st}$ 2008** |
| ■ ढोला लोकगीत लोकप्रिय है– **आगरा-मेरठ में** | **UP UDA/LDA Spl. (Pre) G.S., 2010** |
| ■ 'कम्पिल मेला' किस धर्म से सम्बन्धित है– **जैन धर्म** | **UPPSC ACF/RFO (Mains) Ist Paper 2019** |
| ■ उत्तर प्रदेश में जैन एवं बौद्ध दोनों का प्रसिद्ध तीर्थ है– **कौशाम्बी** | **UPPCS (Mains) G.S. I$^{st}$ 2008, 2009 UP UDA/LDA (Mains) G.S., 2010 UPPCS (Pre) G.S. 2009 UP UDA/LDA Spl. (Pre) G.S., 2010** |
| ■ चुनारगढ़ में अनूप वेदिका है जिनकी, वे हैं– **भर्तृहरि** | **UPPCS (Pre) G.S. 2006** |
| ■ किस शहर में कुंभ मेला लगता है– **इलाहाबाद** | **विधान भवन रक्षक - 02-12-2018 (shift- II)** |
| ■ उत्तर प्रदेश राज्य में 'गढ़ मेला' प्रतिवर्ष कहां आयोजित किया जाता है– **गढ़ मुक्तेश्वर में** | **लघु सिंचाई विभाग - 09-08-2015** |
| ■ उत्तर प्रदेश के किस शहर में आपको निम्नलिखित राजसी घाट मिलेंगेः अस्सी घाट, मणिकर्णिका घाट और हरिश्चंद्र घाट– **वाराणसी** | **Lower Exam – 30-09-2019 (Shift-II)** |
| ■ प्रसिद्ध बांके बिहारी मंदिर उत्तर प्रदेश के किस शहर में स्थित है– **वृंदावन** | **Lower Exam – 30-09-2019 (Shift-II)** |
| ■ उत्तर प्रदेश के किस शहर में 11 मंजिला पागल बाबा मंदिर मिलेगा– **वृन्दावन** | **Lower Exam – 01-10-2019 (Shift-II)** |
| ■ सारनाथ, वह पवित्र स्थान है जहाँ भगवान बुद्ध ने अपना पहला उपदेश दिया था, वह किस शहर के बहुत नजदीक स्थित है– **वाराणसी** | **Lower Exam – 01-10-2019 (Shift-II) Lower-II (Re-exam) (28-07-2019)** |
| ■ उत्तर प्रदेश में स्थित काशी एक प्रसिद्ध भारतीय तीर्थ केंद्र है। यह किस नदी के तट पर स्थित है– **गंगा** | **Lower Exam – 01-10-2019 (Shift-I)** |



Join @yct_hub For More Exclusive PDFs

| | |
|---|---|
| ■ इखलास खान का रोजा (मकबरा) उत्तर प्रदेश के किस जिले में स्थित है– **बदायूँ** | **Lower Exam – 30-09-2019 (Shift-I)** |
| ■ कुशीनगर बौद्धों के लिए महत्वपूर्ण है क्योंकि गौतम बुद्ध – **यहाँ महापनिर्वाण को प्राप्त हुए थे।** | **कनिष्ठ सहायक - 19-02-2019** |
| ■ कुशीनगर बौद्ध लोगों का एक लोकप्रिय पर्यटन स्थल है। यहाँ_____है– **रामभर स्तूप** | **राज्य मण्डी परिषद् - 30-05-2019 (Shift - II)** |
| ■ बड़ा इमामबाड़ा स्मारक कहाँ स्थित है– **लखनऊ** | **Lower Exam – 30-09-2019 (Shift-I)** |
| ■ _____कला मथुरा से स्टेंसिलिंग की पारंपरिक कला है– **सांझी** | **UPSSSC PET 16.10.2022 Shift-I** |
| ■ बदायूँ अपने जरी-जरदोजी उत्पादों के लिए प्रसिद्ध है। यह काम मुख्य रूप से बदायूँ, बिसोली और दातागंज तहसील में किया जाता है। लगभग 35 प्रतिशत परिवार उस उद्योग में लगे हुए हैं। स्थानीय रूप से, इस काम को _____भी कहा जाता है– **कारचोबी** | **राज्य मण्डी परिषद् - 30-05-2019 (Shift-I)** |
| ■ ..... उत्तर प्रदेश का एक लोकप्रिय शास्त्रीय नृत्य है– **कथक** | **UPSSSC PET 15.10.2022 Shift-2 UPSSSC Van Rakshak Date : 21/08/2022 UPSSSC Supply Inspector/ UPPCS (Mains) GS I$^{st}$ 2015) UPSI 15.11.2021 (Shift-III)** |
| ■ नौटंकी किस राज्य का लोक नृत्य है– **उत्तर प्रदेश** | **UPSSSC PET 15.10.2022 Shift-1** |
| ■ महाकुंभ मेले की तिथि खगोलीय रूप से सूर्य, चंद्रमा और _____ की स्थिति का अध्ययन करने के बाद निर्धारित की जाती है– **बृहस्पति** | **UPSSSC Van Rakshak Date : 21/08/2022** |
| ■ ब्रोकेड _____ की प्रसिद्ध कला कृति है– **वाराणसी** | **UPSSSC Van Rakshak Date : 21/08/2022** |
| ■ फैयाज खान द्वारा स्थापित रंगीला घराना किस स्थान पर स्थित है– **आगरा** | **[UPSSSC Lower Mains 21/10/2021 Paper-I]** |
| ■ 'हरदौल कथा', विशेष रूप से _____ के लोकगीत हैं जो कि उत्तर प्रदेश एवं मध्य प्रदेश में फैले हुए हैं– **बुंदेलखण्ड** | **[UPSSSC Junior Assistant 04/01/2020 Shift-I]** |
| ■ _____ उत्तर प्रदेश एवं बिहार का बारिश के मौसम का एक लोकप्रिय मनोरंजन है– **झूला** | **[UPSSSC Junior Assistant 04/01/2020 Shift-I]** |
| ■ नृत्य और संगीत की एक शैली से संबंधित 'लखनऊ घराना' का दूसरा नाम क्या है– **पूरब घराना** | **[UPSSSC Junior Assistant 04/01/2020 Shift-II]** |
| ■ 'दुम पुख्त' उत्तर प्रदेश में ——— की एक लोकप्रिय प्रक्रिया है– **व्यंजन पकाने की विधि** | **[UPSSSC Junior Assistant 04/01/2020 Shift-II]** |
| ■ भोजन के समय खाद्य पदार्थों को सजाने की औपचारिक परंपरा कौन है– **दस्तरखान** | **[UPSSSC Junior Assistant 04/01/2020 Shift-II]** |
| ■ राधा के जन्म स्थान के रूप में निम्न में से किस स्थान को जाना जाता है– **बरसाना** | **[UPSSSC Homeopathic Pharmacist 24/10/2019]** |
| ■ 'बधाई' कौन-सी विधा है– **बुंदेलखण्ड का लोक संगीत** | **चकबन्दी लेखपाल - 08-11-2015 (Morning)** |
| ■ लट्ठमार होली कहाँ मनाई जाती है– **बरसाना** | **UDA/LDA 29-11-2015 ग्राम विकास अधिकारी - 22-12-2018 (shift- I) UPPCS (Mains) GS I$^{st}$ 2012, 2016** |
| ■ कौन-सा गीत राधा और कृष्ण के देवत्व का गुणगान करता है– **रसिया** | **UDA/LDA 29-11-2015** |



Join @yct_hub For More Exclusive PDFs

| | |
|---|---|
| ■ उत्तर प्रदेश के किस जिले में प्रति वर्ष बटेश्वर मेला आयोजित किया जाता है– **आगरा** | **Lower Exam – 01-10-2019 (Shift-I) UPSSC Mandi Parishad 22.05.2022** |
| ■ लखनऊ महोत्सव प्रति वर्ष कब मनाया जाता है– **नवम्बर/दिसम्बर** | **UDA/LDA 29-11-2015** |
| ■ रामलीला और रासलीला उत्तर प्रदेश में ..... के उदाहरण हैं– **लोक नाटक और लोक नृत्य शैली** | **व्यायाम प्रशिक्षक - 16-09-2018 (Shift-II)** |
| ■ ..... उत्तर प्रदेश के सबसे शानदार लोक नृत्यों में से एक है। इस शैली में एक मुश्किल संतुलन नृत्य शामिल है जिसमें एक घूंघट काढ़े महिला नर्तकी सिर पर लकड़ी के पिरामिड के मंच पर एक साथ 108 लैंप रख कर नृत्य करती है– **चरकुला** | **व्यायाम प्रशिक्षक - 16-09-2018 (Shift-I) विधान भवन रक्षक - 02-12-2018 (shift- II)** |
| ■ कौन-सा नृत्य उत्तर प्रदेश से संबंधित नहीं है– **कठपुतली नाच** | **विधान भवन रक्षक - 02-12-2018 (shift- I)** |
| ■ किस अवसर पर सोहर लोकगीत का गायन किया जाता है– **बच्चे के जन्म पर** | **ग्राम विकास अधिकारी - 22-12-2018 (shift- I)** |
| ■ उत्तर प्रदेश का कौन-सा लोकसंगीत जीवनचक्र के रंगपटल का हिस्सा है जो बच्चे के जन्म का अवसर मनाने के लिए माना जाता है– **सोहर** | **राज्य मण्डी परिषद् - 30-05-2019 (Shift-I)** |
| ■ दिवाली के दौरान बुंदेलखंड के अहिर समुदाय द्वारा कौन-सा नृत्य किया जाता है– **पाई डंडा** | **ग्राम विकास अधिकारी - 22-12-2018 (shift- II)** |
| ■ सफेद धागे का उपयोग करके कपड़े पर की गई प्रसिद्ध कढ़ाई को क्या कहा जाता है– **चिकनकारी** | **ग्राम विकास अधिकारी - 22-12-2018 (shift- II)** |
| ■ हस्तशिल्प के अंतर्गत आने वाली चिकनकारी का कार्य मुख्य रूप से कहाँ किया जाता है– **लखनऊ** | **विधान भवन रक्षक - 02-12-2018 (shift- II) व्यायाम प्रशिक्षक - 16-09-2018 (Shift-II)** |
| ■ उत्तर प्रदेश का लोक नृत्य नहीं है– **गिद्दा नृत्य** | **ग्राम विकास अधिकारी - 23-12-2018 (shift- I)** |
| ■ आगरा घराने के उस्ताद विलायत हुसैन खान ने _____उपनाम से कई रागों में बंदिशों की रचना की– **प्राण पिया** | **राज्य मण्डी परिषद् - 30-05-2019 (Shift-I)** |
| ■ छठ पूजा में किस भगवान की पूजा की जाती है, जो उत्तर प्रदेश, झारखंड और बिहार का एक बहुत ही महत्वपूर्ण त्योहार है– **रवि** | **ग्राम विकास अधिकारी - 23-12-2018 (shift- I)** |
| ■ प्राचीन पुरुषों द्वारा चॉक से बनाए गए चित्र अथवा गहरे लाल रंग के चित्र उत्तर प्रदेश के —— जिले में अत्यधिक मात्रा में पाए जाते है– **मिर्जापुर** | **Lower-II (Re-exam) (28-07-2019)** |
| ■ प्रसिद्ध भारतीय तबला वादक का नाम बताएँ जिनका जन्म उत्तर प्रदेश के वाराणसी में कबीर चौरा में हुआ तथा जो बनारस घराने से संबंधित थे– **पंडित किशन महाराज** | **राज्य मण्डी परिषद् - 30-05-2019 (Shift - II)** |
| ■ हिंदुस्तानी शास्त्रीय गायकों में से किसका संबंध उत्तर प्रदेश राज्य से था– **सिद्धेश्वरी देवी** | **Cane Supervisor (31-08-2019)** |
| ■ कौन सा स्मारक उत्तर प्रदेश में स्थित, यूनेस्को द्वारा प्रशंसित विश्व धरोहर स्थल है– **ताजमहल** | **UPSI 21.11.2021 Shift-III** |
| ■ उत्तर प्रदेश के किस जिले में भारत-माता मंदिर स्थित है– **वाराणसी** | **UPSI 22.11.2021 Shift-I** |



Join @yct_hub For More Exclusive PDFs

| | |
|---|---|
| ■ किस वर्ष में, यूनेस्को ने मानवता की अमूर्त सांस्कृतिक विरासत की 'प्रतिनिधि सूची' में 'कुंभ मेला' को उत्कीर्ण किया था– **2017** | **UPSI 22.11.2021 Shift-II** |
| ■ काशी विश्वनाथ मंदिर उत्तर प्रदेश के किस जिले में स्थित है– **वाराणसी** | **UPSI 14.11.2021 Shift-III** |
| ■ उत्तर प्रदेश में चित्रकारी की कला ने किसके शासनकाल के दौरान अपना चरम स्थान हासिल किया– **जहाँगीर** | **UPSI 16.11.2021 Shift-II** |
| ■ उत्तर प्रदेश में सबसे अधिक बोली जाने वाली भाषाएं हिन्दी और .....हैं– **उर्दू** | **UPSI 21.11.2021 Shift-I** |
| ■ उत्तर प्रदेश के किस जिले को 'नवाबों का शहर' भी कहा जाता है– **लखनऊ** | **UPSI 20.11.2021 Shift-III** |
| ■ उत्तर प्रदेश में आयोजित कांपिल मेला किस समुदाय से जुड़ा हुआ है– **जैन** | **(UPP Constable 28.01.2019)** |
| ■ माघ मेला ..... के दिन शुरू होता है– **मकर संक्रांति** | **(UPP Constable 27.01.2019 Shift-I)** |
| ■ लखनऊ घराने की नींव उस्ताद ..... द्वारा रखी गई थी– **बाक्षू खान** | **(UPP Constable 27.01.2019 Shift-I)** |
| ■ कौन सा कत्थक घराना उस नृत्यशैली के आध्यात्मिक पहलुओं पर अधिक ध्यान देता है– **बनारस** | **(UPP Constable 27.01.2019 Shift-I)** |
| ■ भेड़ कुंड, जहाँ अर्जुन ने द्रौपदी से शादी करने के लिए मछली को निशाना बनाया था, उत्तर प्रदेश के ..... में हैं– **फर्रुखाबाद** | **UPP Constable, 26.10.218 (Shift-2)** |
| ■ प्रसिद्ध सितार वादक नवाब इनायत खान उत्तर प्रदेश के ..... से संबंधित थे– **इटावा** | **UPP Constable, 25.10.2018** |
| ■ उत्तर प्रदेश में बारिश के मौसम में कौन से गीत गाए जाते हैं– **कजरी** | **UPP Constable, 19.06.2018 (Shift-1)** |
| ■ ..... एक रंग–बिरंगा और मंत्रमुग्ध कर देने वाला मेला है जो प्रत्येक वर्ष उत्तर प्रदेश के मेरठ में होली के कुछ दिनों बाद मनाया जाता है– **नौचंदी मेला** | **UPP Constable, 19.06.2018 (Shift-2)** |
| ■ ..... फैजाबाद के एक प्रमुख संगीतकार थे जिन्होंने शास्त्रीय संगीत में टप्पा शैली का विकास किया– **मुश्तरी बाई** | **UPP Constable, 19.06.2018 (Shift-2)** |
| ■ बुंदेलखंड का लोकप्रिय लोक–गीत कौन सा है– **आल्हा** | **UPP Constable, 19.06.2018 (Shift-2)** |
| ■ किस लोक नृत्य का आयोजन बुंदेलखंड क्षेत्र में फसल कटाई के समय किया जाता है– **शैरा** | **UPP Constable, 18.06.2018 (Shift-2)** |
| ■ आगरा की मोती मस्जिद का निर्माण..... द्वारा करवाया गया– **शाहजहाँ** | **UPP Constable, 18.06.2018 (Shift-2)** |
| ■ ब्रज भाषा बोलने वालों का घर किस क्षेत्र में आता है– **निचली दोआब** | **UDA/LDA 29-11-2015** |
| ■ प्रसिद्ध सूफी संत ..... के वार्षिक 'उर्स' के अवसर पर हिंदु कैलेंडर के कार्तिक महीने में प्रति वर्ष बाराबंकी में देवा शरीफ मेला आयोजित किया जाता है– **वारिस अली शाह** | **UPP Constable, 19.06.2018 (Shift-1)** |
| ■ प्रसिद्ध सूफी संत शेख सलीम चिश्ती की दरगाह उत्तर प्रदेश के ..... में स्थित है– **फतेहपुर सीकरी** | **UPP Constable, 18.06.2018 (Shift-1)** |
| ■ वाराणसी के विश्वनाथ मंदिर का निर्माण..... द्वारा किया गया– **रानी अहिल्याबाई** | **UPP Constable, 18.06.2018 (Shift-2)** |
| ■ कौन-सी भाषा उत्तर प्रदेश में सबसे कम लोगों द्वारा बोली जाती है– **संस्कृत** | **व्यायाम प्रशिक्षक - 16-09-2018 (Shift-II)** |



Join @yct_hub For More Exclusive PDFs

Search @yct_hub to Join Channel

# 14 उत्तर प्रदेश : साहित्य एवं पत्र-पत्रिकाएं

राजनीतिक-सामाजिक चिन्तन की समझ पैदा करने के साथ विचार की सामर्थ्य पत्रकारिता के माध्यम से ही उत्पन्न होती है। उत्तर प्रदेश में पत्र-पत्रिकाओं को पूर्णतया जागरण और स्वाधीनता की चेतना से जोड़ने का काम भारतेंदु युग में शुरू हुआ। भारतेन्दु जी ने कविवचन सुधा, हरिश्चन्द्र मैगजीन 'बाल बोधिनी' का प्रकाशन आरम्भ किया। 'हिन्दी प्रदीप' का प्रकाशन बालकृष्ण भट्ट ने 1877 ई. में प्रयाग से की थी। उत्तर प्रदेश से, आनंद कादम्बिनी, ब्राह्मण, नागरी नीरद, सरस्वती पत्रिका, भारत जीवन, हिन्दुस्तान का प्रकाशन किया गया। प्रदेश में धार्मिक पत्रिकाएं, बाल साहित्य, राजनीतिक पत्रिकाएं इत्यादि का भी प्रकाशन होता है। धार्मिक पत्रिका कल्याण गोरखपुर से प्रकाशित होने वाली महत्वपूर्ण पत्रिका है।

- राजा शिव प्रसाद सितारे हिन्द द्वारा वर्ष **1845** में प्रकाशित **'बनारस अखबार'** उत्तर प्रदेश का पहला हिन्दी पत्र था।
- हिन्दी का प्रथम पत्र उदंत मार्तण्ड (संपादक युगल किशोर शुक्ल- कानपुर) वर्ष 1826 में कलकत्ता से प्रकाशित हुआ था।
- राष्ट्रीय आन्दोलन को अभिप्रेरित करने वाला पत्र 'स्वदेश' वर्ष 1919 में गोरखपुर से प्रकाशित हुआ।
- प्रदेश का प्रथम उर्दू पत्र–सदरूल अखबार, **आगरा (1848)**
- राज्य सूचना विभाग की साहित्यिक मासिक पत्रिका **– उत्तर प्रदेश**
- राज्य सूचना विभाग की विकासपरक मासिक पत्रिका **–उत्तर प्रदेश संदेश**
- राज्य सूचना विभाग की उर्दू मासिक पत्रिका **–नया दौर**
- गीता प्रेस (गोरखपुर) की धार्मिक पत्रिका **–कल्याण**

| समाचार पत्र | सम्पादन | स्थान |
|---|---|---|
| ब्राह्मण | प्रताप नारायण मिश्र | कानपुर (1883 ई.) |
| आनंद कादम्बिनी | बद्री नारायण चौधरी (प्रेमघन) | मिर्जापुर (1881 ई.) |
| इंदु | अम्बिका प्रसाद गुप्त | वाराणसी (1909 ई.) |
| प्रताप | गणेश शंकर विद्यार्थी | कानपुर (1910 ई.) |
| हंस | मुंशी प्रेमचन्द | वाराणसी (1930 ई.) |
| अभ्युदय | पं. मदन मोहन मालवीय | (1907 ई.) |
| कविवचन सुधा | भारतेन्दु हरिश्चन्द | बनारस (1867 ई.) |
| दैनिक हिन्दुस्तान | मदन मोहन मालवीय | (1885 ई.) |
| कल्याण | गीता प्रेस, | गोरखपुर (1926 ई.) |
| अखण्ड ज्योति | गायत्री परिवार | मथुरा |
| सरस्वती | महावीर प्रसाद द्विवेदी | |
| जाम-ए-जहांनुमा (भारत में उर्दू का पहला अखबार) | लाला सदासुख लाल एवं हरि हरदत्त | कलकत्ता (1822 ई.) |
| सदरूल अखबार (प्रदेश में उर्दू का पहला अखबार) | प्रो. सीफेन्क | आगरा (1848 ई.) |
| कौमी आवाज | जवाहर लाल नेहरू व रफी अहमद किदवई | लखनऊ |
| वीर भारत | | बस्ती |
| आज | शिव प्रसाद गुप्त | |
| हिन्दी प्रदीप | बाल कृष्ण भट्ट | |

- लोकमित्र का प्रकाशन वर्ष 1863 ई. में आगरा से हुआ। यह इसाईयों का मासिक पत्र था जो शुद्ध हिन्दी में छपता था।
- प्रदेश में हिन्दी पत्रकारिता को उग्र स्वर पं. सुन्दर लाल के पत्र 'कर्मयोगी' ने दिया।
- मुंशी बख्तावर सिंह का मासिक पत्र 'आर्यदर्पण' तथा 'आगरा अखबार' का प्रकाशन शाहजहांपुर व आगरा से होता था।
- वर्तमान में प्रदेश में 'सहाफत', 'अनवारे कौम' (लखनऊ), 'आवाज-ए-मुल्क' (वाराणसी), 'सियासत जहीद' (कानपुर) आदि उर्दू दैनिक प्रकाशित हो रहे हैं।
- दैनिक जागरण, आज, स्वतंत्र भारत, राष्ट्रीय सहारा, अमर उजाला, हिन्दुस्तान, हिन्दुस्तान टाइम्स आदि प्रमुख समाचार पत्र हैं।



Join @yct_hub For More Exclusive PDFs

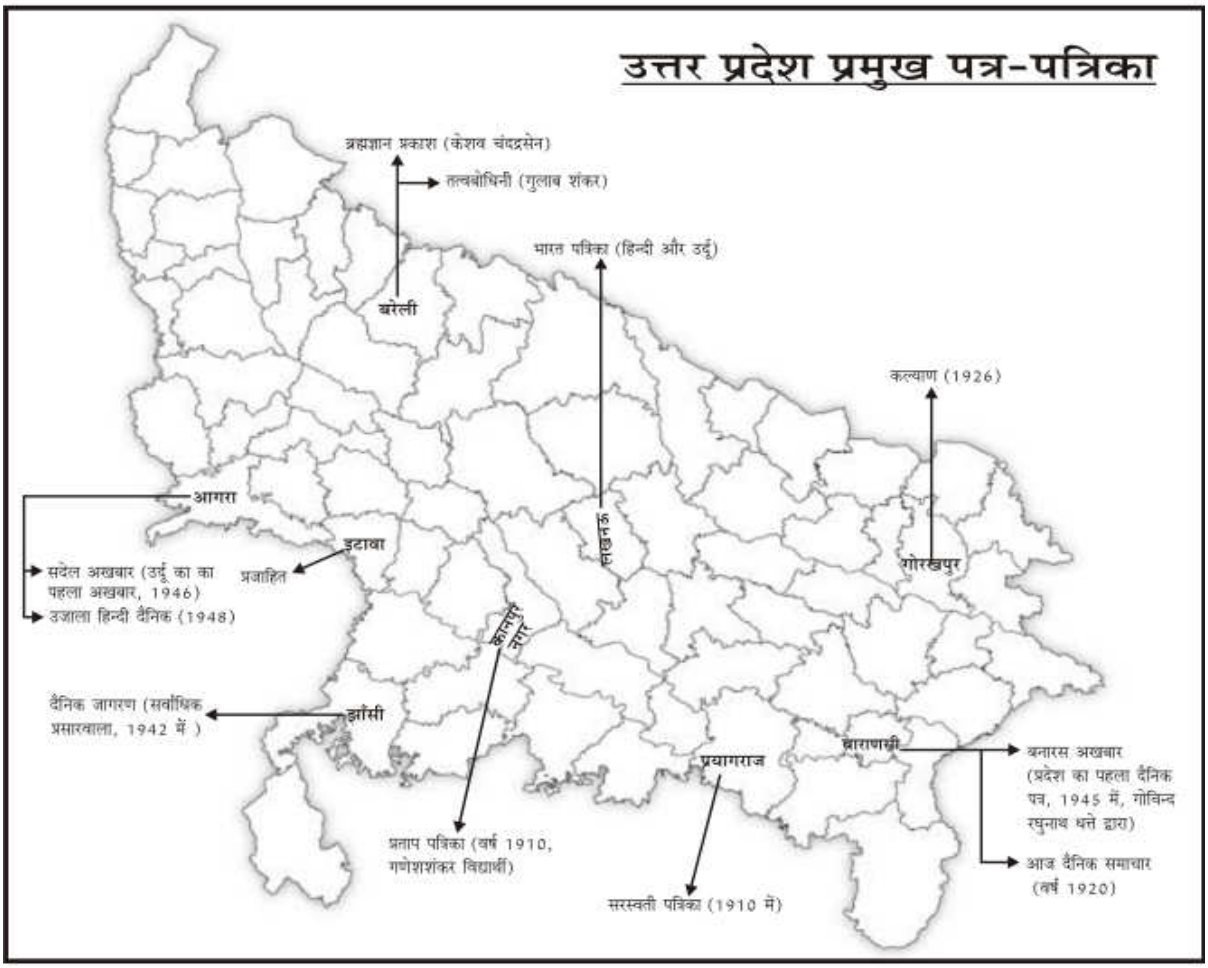


## भाषा विभाग

- प्रदेश में अक्टूबर 1947 में देवनागरी लिपि में लिखित 'हिन्दी' को राजकीय भाषा घोषित किया गया।
- 26 जनवरी, 1968 से राजभाषा 'हिन्दी' का प्रयोग प्रदेश के समस्त सरकारी कार्यालयों में अनिवार्य कर दिया गया।
- वर्ष 1989 में 'उर्दू' को द्वितीय राजभाषा घोषित किया गया।

| भाषा संस्थान | स्थापित वर्ष | विशेषता |
|---|---|---|
| हिन्दुस्तानी एकेडमी (प्रयागराज) | मार्च 1927 | हिन्दी, उर्दू, भोजपुरी, अवधी व्रज आदि साहित्य के प्रोत्साहन हेतु। |
| उ. प्र. हिन्दी संस्थान (लखनऊ) | दिसम्बर 1976 | (i) भारत भारती, हिन्दी गौरव, महात्मा गाँधी, साहित्य भूषण सहित कुल 111 पुरस्कारों का वितरण किया जाता है।<br>(ii) यहाँ से बच्चों की पत्रिका बालवाणी (द्वैमासिक भारती) तथा साहित्य पत्रिका 'साहित्य भारती' (त्रैमासिक) का प्रकाशन होता है। |
| | | (iii) इसकी स्थापना पुरुषोत्तम दास टण्डन के प्रयासों से हुई थी। |
| उत्तर प्रदेश संस्कृत संस्थान (लखनऊ) | दिसम्बर 1976 | (i) संस्कृत, पालि एवं प्राकृत भाषाओं एवं उनके साहित्य के सर्वांगीण विकास हेतु इसकी स्थापना की गयी। |
| | | (ii) विश्व भारती, महर्षि बाल्मीकि महर्षि व्यास सहित कुल 50 पुरस्कार दिये जाते हैं। |
| | | (iii) इस संस्थान द्वारा वाराणसी में अखिल भारतीय व्यास महोत्सव का आयोजन किया जाता है। |



Join @yct_hub For More Exclusive PDFs

| | | |
|---|---|---|
| उत्तर प्रदेश उर्दू अकादमी (लखनऊ) | 1972 | अकादमी द्वारा खबरनामा मासिक व अकादमी त्रैमासिक पत्रिकाएं निकाली जाती हैं। मौलाना अब्दुल कलाम आजाद अमीर खुसरो, प्रेमचन्द्र पुरस्कार सहित कुल 50 पुरस्कार दिए जाते हैं। |
| उत्तर प्रदेश सिंधी अकादमी (लखनऊ) | 1996 | सिंधी भाषा के प्रचार-प्रसार भाषा के विकास संरक्षण एवं संवर्धन के लिए की गयी थी। |
| उ.प्र. पंजाबी अकादमी (लखनऊ) | मार्च, 1998 | पंजाबी भाषा के प्रचार-प्रसार हेतु। |
| उ.प्र. भाषा संस्थान (लखनऊ) | दिसम्बर 1994 | यह संस्थान भाषा निधि की धनराशि से संचालित है। हिन्दी भाषा व संविधान की 8वीं अनुसूची में शामिल भाषाओं के प्रचार-प्रसार हेतु इसकी स्थापना की गयी। |

- उर्दू भाषा के विकास व प्रचार-प्रसार को बढ़ावा देने हेतु स्व. फकरुद्दीन अली अहमद मेमोरियल कमेटी का गठन वर्ष 1976 में किया गया है।
- तमिल, तेलगू, मलयालम, गुजराती, मराठी सहित कुल 13 भाषाओं के प्रशिक्षण के लिए भाषा प्रशिक्षण केन्द्र लखनऊ, प्रयागराज, वाराणसी, मुरादाबाद एवं आगरा में खोले गये।

# EXAM CAPSULE

| | |
|---|---|
| ■ प्रसिद्ध हिन्दी लेखक राहुल सांकृत्यायन का जन्म किस जनपद में हुआ था– **आजमगढ़** | **Allahabad High Court RO/ARO 28-09-2014** |
| ■ 'शतरंज के खिलाड़ी' इस पुस्तक के लेखक कौन हैं– **मुंशी प्रेमचंद** | **Allahabad High Court RO 10--12-2021 Shift-II** |
| ■ _____,सुप्रसिद्ध कवि जायसी द्वारा रचित काव्य है– **पद्मावत** | **Allahabad High Court RO 05--01-2022 Shift-II** |
| ■ सितम्बर 1989 में न्यूज प्रिंट प्रोजेक्ट की स्थापना कहाँ हुई थी– **मुरादाबाद** | **Allahabad High Court ARO 06--01-2022 Shift-I** |
| ■ ''किस्सा राधा कन्हैया'' के लेखक हैं– **नवाब वाजिद अलीशाह** | **UPPCS (Mains)-2017** |
| ■ अति लोकप्रिय धार्मिक पत्रिका 'कल्याण' प्रकाशित होती है— **गोरखपुर से** | **UPPCS (Pre) GS, 2011 UPPCS (Mains) GS, I$^{st}$ 2015** |
| ■ कवयित्री महादेवी वर्मा का जन्म किस शहर में हुआ था– **फर्रुखाबाद** | **विधान भवन रक्षक - 02-12-2018 (shift- I)** |
| ■ रामायण के रचयिता वाल्मीकि का आश्रम कहाँ स्थित था– **ब्रह्मवर्त** | **Cane Supervisor (31-08-2019)** |
| ■ प्रसिद्ध बाँसुरी वादक हरिप्रसाद चौरसिया का जन्म कहाँ हुआ था– **लोकनाथ-इलाहाबाद** | **चकबन्दी लेखपाल - 08-11-2015 (Morning)** |
| ■ अमीर खुसरो द्वारा रचित कविता, **'छाप तिलक सब छीनी'** किस भाषा में है– **ब्रजभाषा** | **(UPP Constable 27.01.2019 Shift-I)** |
| ■ कवि संत कबीर का जन्म और पालन पोषण किस शहर में हुआ था– **वाराणसी** | **(UPP Constable 27.01.2019 Shift-I)** |
| ■ पहली जनवरी, 1845 को उत्तर प्रदेश ने..... नामक पहला हिन्दी समाचारपत्र निकाला जिसे गोविंद रघुनाथ ने संपादित किया था– **बनारस अखबार** | **UPP Constable, 26.10.218 (Shift-2)** |
| ■ उत्तर प्रदेश महिलाओं से सम्बंधित पहली पत्रिका ..... 1874 में प्रकाशित करने का भी श्रेय जाता है, जिसके संपादक भारतेंदु हरिश्चंद थे– **बाल बोधिनी** | **UPP Constable, 25.10.2018** |
| ■ उर्दू शायरी में 'फिराक गोरखपुरी' के नाम से कौन प्रसिद्ध है– **रघुपति सहाय** | **UPP Constable, 19.06.2018 (Shift-1)** |
| ■ मुंशी प्रेमचंद का जन्म कहाँ हुआ था– **वाराणसी** | **UPP Constable, 18.06.2018 (Shift-1)** |
| ■ भारतीय साहित्य में आरंभिक बीसवीं शताब्दी के मुख्य हिंदुस्तानी लेखक 'धनपत राय' को किस नाम से जाना जाता है– **मुंशी प्रेमचंद** | **UPP Constable, 18.06.2018 (Shift-2)** |
| ■ राष्ट्रीय कवि, मैथिलीशरण गुप्त का जन्म उत्तर प्रदेश के ..... में हुआ था– **झांसी** | **UPP Constable, 18.06.2018 (Shift-2)** |
| ■ सूफी कवि अमीर खुसरों का जन्म उत्तर प्रदेश के..... जिले में हुआ था– **एटा** | **UPP Constable, 26.10.218 (Shift-1)** |
| ■ 'गोदान' .....द्वारा लिखा गया है– **मुंशी प्रेमचंद** | **UPP Constable (Pre), 2013** |



Join @yct_hub For More Exclusive PDFs

# 15 उत्तर प्रदेश : जनजातियाँ

भारत में अनुसूचित जनजातियों को कुल जनसंख्या 8.6 प्रतिशत हैं। जनगणना 2011 के अनुसार उत्तर प्रदेश की कुल जनसंख्या का 0.6% अनुसूचित जनजातियाँ हैं। उत्तर प्रदेश की प्रमुख जनजातियाँ गोंड, थारू, बुक्सा, जौनसारी, राजी, माहीगीर एवं खरवार हैं।

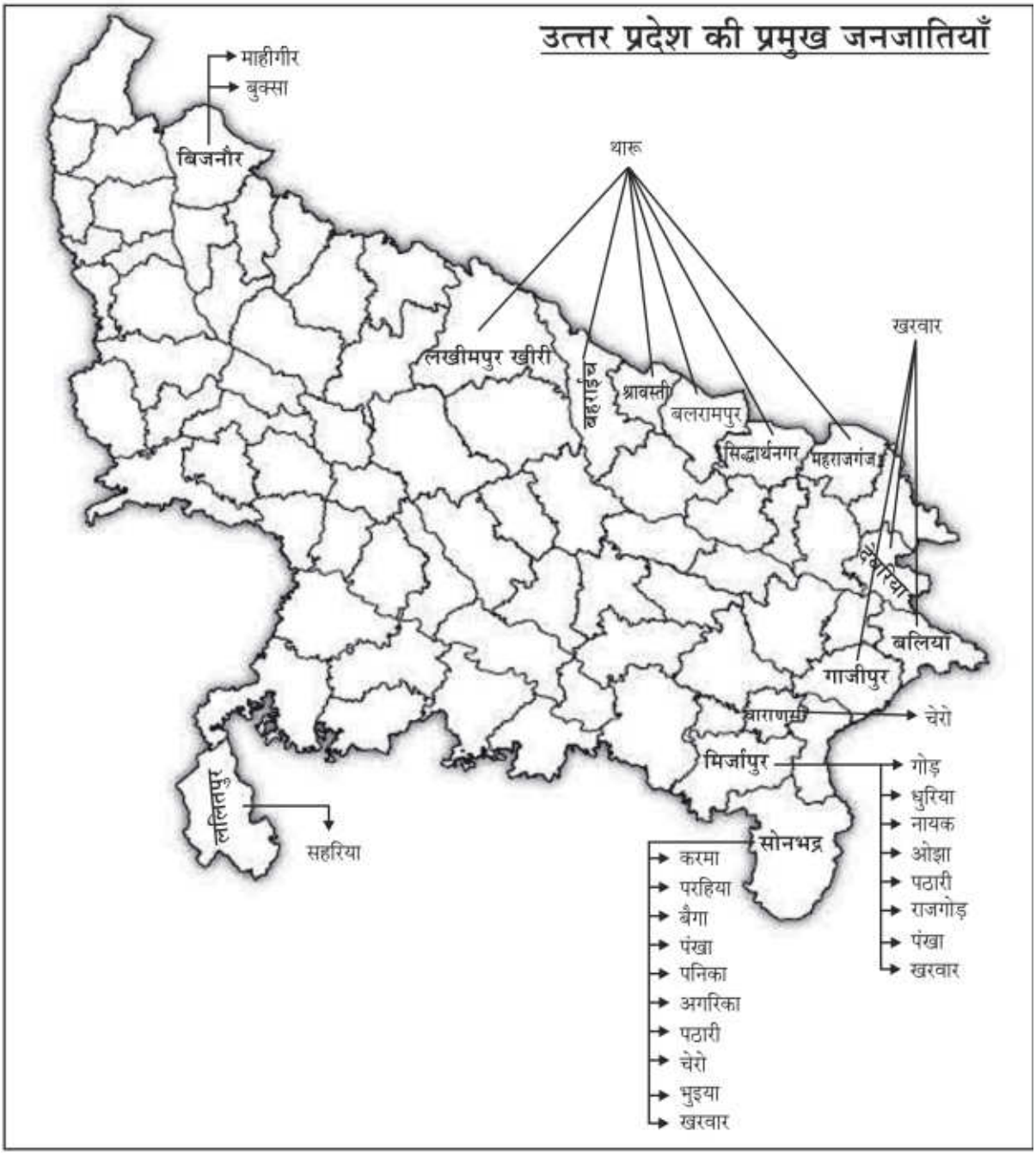




Join @yct_hub For More Exclusive PDFs

- वर्ष 2011 की जनगणना के अनुसार राज्य में अनुसूचित जनजातियों की कुल जनसंख्या 1134273 है, जिनमें 5,81083 पुरुष एवं 5,53,190 स्त्रियां हैं।
- प्रदेश में गोंड, बुक्सा, थारू, जौनसारी, खरवार, माहीगीरी एवं राजी जनजातियाँ प्रमुख रूप से पायी जाती हैं।
- गोंड समूह (569035) राज्य की सर्वाधिक बड़ी जनजाति समूह है। इसके बाद खरवार समूह (160676) तथा थारू समूह (105291) का स्थान आता है।
- राज्य के **सोनभद्र** जिले में अनुसूचित जनजातियों की सर्वाधिक संख्या पायी जाती है, जबकि **बागपत** जिले में इनकी संख्या सबसे कम पायी जाती है।
- वर्ष 1967 में राज्य की पांच जनजातियाँ (थारू, बुक्सा, जौनसारी, भोटिया एवं राजी) को अनु. जनजाति का दर्जा प्रदान किया गया।
- उत्तराखण्ड के अलग होने के बाद वर्ष 2003 में केन्द्र सरकार द्वारा राज्य की 10 और जनजातियों की अनुसूचित जनजाति की श्रेणी में सूचीबद्ध किया गया। ये 10 जातियाँ निम्नलिखित हैं–(1) गोंड, धुरिया, नायक, ओझा, पठारी, राजगोंड, (2) खरवार, (3) परहिया, (4) सहरिया, (5) बैगा, (6) पंखा/पणिक, (7) अगरिया, (8) पटारी, (9) चेरो, (10) भुइया, भुनिया।

## थारू

- थारू जनजाति उत्तर प्रदेश के गोरखपुर के तराई भाग में निवास करती है।
- थारू जनजाति के लोग किरात वंश से सम्बन्धित हैं तथा इनका मुख्य भोजन चावल और मछली है।
- थारू जनजाति में संयुक्त परिवार एवं मातृसत्तात्मक प्रथा पायी जाती है, तथा इनमें विधवा विवाह की भी प्रथा है।
- थारू जनजाति के लोग हिन्दू धर्म को मानते हैं। इनके आराध्य देव महादेव और भैरव हैं। इनका शिवलिंग पत्थर का न होकर बाँस का होता है। ये राम-कृष्ण की भी पूजा करते हैं।
- विधवा विवाह के समय दिए जाने वाले भोज को लठभरवा भोज कहते हैं।
- थारू जनजाति के लोग दीपावली को **'शोक पर्व'** के रूप में मनाते हैं।
- राज्य सरकार द्वारा थारू जनजाति के लोगों को शिक्षा प्रदान करने हेतु **लखीमपुर खीरी** में एक महाविद्यालय की स्थापना की गई है।
- **थारू** जनजाति के लोग मकर संक्रांति, होली, कृष्ण जन्माष्टमी, दशहरा, बजहर आदि त्योहार मनाते हैं।
- थारू जनजाति के लोग **दोपहर** एवं **शाम** के भोजन के लिये **मिझनी** और **बेरी** शब्दों का प्रयोग करते हैं।
- थारू जनजाति में **बदला विवाह** प्रचलित है।
- 2 अक्टूबर, 1980 को प्रदेश में थारू विकास परियोजना की शुरुआत की गई थी।

## भोक्सा/बुक्सा

- भोक्सा या बुक्सा राज्य के **बिजनौर** जिले में पायी जाती है।
- इस जनजाति का सम्बन्ध **पटवार राजपूत घराने** से माना जाता है।
- इस जनजाति की पंचायत का सर्वोच्च व्यक्ति **तख्त** कहलाता है।
- इस जनजाति में सामाजिक स्तरीकरण पाया जाता है।
- ये लोग **चामुंडा देवी** की पूजा करते हैं।
- इस जनजाति के लोग बोलचाल की भाषा में **हिन्दी भाषा** का प्रयोग करते हैं।
- इनकी अर्थव्यवस्था का आधार कृषि है।
- बुक्सा जनजाति का मुख्य भोजन चावल एवं मछली है।
- बुक्सा जनजाति में विवाह एक अनुबंध है। यहाँ विधवा विवाह एवं बहुपत्नी प्रथा प्रचलित है।
- बुक्सा जनजाति में रक्त संबंध में विवाह वर्जित है।
- इनका परिवार पितृसत्तात्मक है, परिवार का ज्येष्ठ पुत्र ही परिवार का मुखिया होता है।
- बुक्सा जनजाति विकास परियोजना 1983-84 में शुरू की गई थी।

## माहीगीर

- माहीगीर जनजाति **बिजनौर** जिले में पाई जाती है।
- माहीगीर जनजाति के लोग **इस्लाम धर्म** के अनुयायी हैं तथा इस जनजाति की अर्थव्यवस्था का मुख्य आधार **मछली पकड़ना** है।
- **महाभारत** में इस जनजाति का उल्लेख मिलता है।

## खरवार

- खरवार जनजाति के लोग प्रदेश के सोनभद्र, मिर्जापुर जिलों में प्रमुखता से पाए जाते हैं।
- इसकी प्रमुख उपजातियों में पटबंदी, सूरजवंशी, खेरी, दौलतबंदी, राऊत, मौगती, मोझायाली, गोजूं तथा आर्मिया है।
- खरवार जनजाति के प्रमुख देवताओं में बधउस, वनसन्ती, दुल्हादेव, घमसान, गोरइया, शिव आदि हैं।
- खरवार जनजाति तन्त्र-मंत्र में भी विश्वास करती है।
- खरवार जनजाति के लोग शाकाहारी एवं मांसाहारी दोनों होते हैं। मुख्यतः भोजन के रूप में गेहूँ, चावल का प्रयोग करते हैं।
- उत्सव के समय मदिरा का भी पान करते हैं।
- **करमा** खरवार जनजाति का नृत्य है।
- **सर्वाधिक अनुसूचित जनजाति जनसंख्या वाले जनपद -**

| **जनपद** | - | **जनजाति जनसंख्या** |
|---|---|---|
| सोनभद्र | - | 3,85,018 |
| बलिया | - | 1,10,114 |
| देवरिया | - | 10,9,894 |
| कुशीनगर | - | 80,269 |
| ललितपुर | - | 71,610 |

- **न्यूनतम अनुसूचित जनजाति जनसंख्या वाले जनपद -**

| **जनपद** | - | **जनजाति जनसंख्या** |
|---|---|---|
| बागपत | - | 14 |
| कन्नौज | - | 15 |
| बंदायूँ | - | 58 |
| एटा | - | 140 |
| कासगंज | - | 150 |
| औरैया | - | 150 |

- **सर्वाधिक अनुसूचित जनजाति प्रतिशत्ता वाले जनपद -**

| **जनपद** | - | **जनजाति प्रतिशत्ता** |
|---|---|---|
| सोनभद्र | - | (20.7%) |
| ललितपुर | - | (5.9%) |
| देवरिया | - | (3.5%) |
| बलिया | - | (3.4%) |
| कुशीनगर | - | (2.3%) |

**न्यूनतम अनुसूचित जनजाति प्रतिशत्ता वाले जनपद -**

| **जनपद** | - | **जनजाति प्रतिशत्ता** |
|---|---|---|
| बागपत | - | (0.001%) |
| कन्नौज | - | (0.001%) |
| बंदायूँ | - | (0.002%) |
| बुलन्दशहर | - | (0.006%) |
| मुजफ्फरनगर | - | (0.008%) |

- उत्तर प्रदेश के अनुसूचित जनजातियों में लिंगानुपात 951 है।



Join @yct_hub For More Exclusive PDFs

■ **सेनेट्री मार्ट** योजना राज्य के अनुसूचित जाति विकास निगम द्वारा वर्ष **2001-02** में लागू की गयी जिसका उद्देश्य सिर पर मैला ढोने की प्रथा पर रोक के बाद बेरोजगार हुए लोगों को रोजगार प्रदान करना था।

**जनजातियाँ एवं उनके निवास स्थान**

| जनजाति | जनपद (निवास स्थान) |
|---|---|
| गोंड, धुरिया, नायक ओझा, पथरी, राजगोंड | महाराजगंज, सिद्धार्थ नगर, बस्ती, गोरखपुर, देवरिया, मऊ, आजमगढ़, जौनपुर, बलिया, गाजीपुर, वाराणसी, |
| | मिर्जापुर, सोनभद्र |
| खरवार/खैरवार | देवरिया, बलिया, गाजीपुर, वाराणसी एवं सोनभद्र |
| सहरिया | ललितपुर |
| बैगा, भुइया, भुनिया, परहिया (पहाड़िया), अगरिया, पटारी | सोनभद्र |
| पंखा एवं पणिक | सोनभद्र एवं मिर्जापुर |
| चेरो | सोनभद्र, वाराणसी |

# EXAM CAPSULE

| | |
|---|---|
| ■ कवि काका हाथरसी द्वारा कौन-सी फिल्म 'ब्रजभाषा' में बनायी गयी थी– **जमुना किनारे** | **Allahabad High Court RO 11--12-2021 Shift-I** |
| ■ उत्तर प्रदेश के किस जिले में 'बुक्सा जनजाति' पायी जाती है– **बिजनौर और आगरा** | **Allahabad High Court ARO 16-12-2021 Shift-I** |
| ■ उत्तर प्रदेश में कौन-सी जनजाति सबसे लोकप्रिय है– **थारु** | **Allahabad High Court ARO 16-12-2021 Shift-I** |
| ■ UP के किस जिले में 'अगरिया' जनजाति का निवास है– **सोनभद्र** | **Allahabad High Court ARO 18-12-2021 Shift-I** |
| ■ जनजातीय नृत्य 'शोरा नृत्य' उत्तर प्रदेश के किस जिले से संबद्ध है– **ललितपुर** | **Allahabad High Court ARO 06--01-2022 Shift-I**<br>**Allahabad High Court RO 06--01-2022 Shift-I** |
| ■ कौन-सी अनुसूचित जनजाति उत्तर प्रदेश के वाराणसी जिले में पाई जाती है– **चेरों** | **UPPSC RO ARO (Mains) 2021**<br>**UPPSC GIC Lecturer 2021** |
| ■ अगरिया, बैगा तथा भुइया अनुसूचित जनजातियाँ उत्तर प्रदेश के जिले में मुख्यतः निवास करती है– **सोनभद्र** | **UPPSC BEO (Pre) 2019**<br>**UPPCS (Mains) Gst I$^{st}$ 2017** |
| ■ उत्तर प्रदेश और उत्तराखण्ड राज्यों के किस जनजातियों में युवागृह प्रथा प्रचलित है– **भोटिया** | **UPPSC ACF/RFO (Mains) Ist Paper 2019** |
| ■ उत्तर प्रदेश में कहाँ अनुसूचित जातियों की जनसंख्या सर्वाधिक है– **सीतापुर** | **UPPSC ACF/RFO (Mains) Ist 2018** |
| ■ उत्तर प्रदेश के तराई क्षेत्र में कौन-सी अनुसूचित जनजाति पाई जाती है– **बुक्सा** | **UPPCS (Mains) GS I$^{st}$ 2013**<br>**UPPSC RO/ARO (Pre) Re-Exam 2016**<br>**UPPSC ACF/RFO (Mains) Ist 2018** |
| ■ उत्तर प्रदेश में, सर्वाधिक जनजातीय जनसंख्या वाला जनपद कौन है– **सोनभद्र** | **UPPCS (Pre) GS, 2010** |
| ■ भारत के किन राज्यों में 'थारू जनजाति' निवास कर रही है– **उत्तराखण्ड तथा उत्तर प्रदेश** | **UPPSC RO/ARO (PRE), 2017**<br>**UPPCS (J) 2015**<br>**UPPCS (Pre) GS 1991**<br>**UPPCS (J) 2015**<br>**UPPCS Spl, (Pre) G.S. 2008**<br>**UPPCS (Pre.) G.S. 1992**<br>**UPPCS (Mains) GS I$^{st}$ 2014** |
| ■ उत्तर प्रदेश की कौन-सी जनजाति दीपावली को शोक के रूप में मनाती है– **थारू** | **UPPSC RO/ARO (Mains) -2017**<br>**UPPSC BEO Exam- 2006**<br>**लोअर प्रथम- 28-02-2016** |
| ■ कौन सी अनुसूचित जनजाति बिजनौर जिले में निवास करती है– **माहीगीर** | **UPPCS (Mains) G.S. I$^{st}$ 2010** |
| ■ बाँदा जनपद के पाठा क्षेत्र के मुख्य निवासी हैं– **खरवार** | **UPPCS (Pre.) G.S. 2002** |
| ■ उत्तर प्रदेश की कौन सी जनजाति बहु-विवाह व्यवस्था को आचरित करती है– **जौनसारी** | **UPPCS (Mains) Ist Paper GS, 2016** |
| ■ कौन-सी जनजाति उत्तर प्रदेश के अधिसूचित अनुसूचित जनजाति की सूची में शामिल नहीं है– **तडवी** | **Cane Supervisor (31-08-2019)** |
| ■ भारत के किस राज्य में अनुसूचित जातियों की जनसंख्या सर्वाधिक है– **उत्तर प्रदेश** | **UP UDA/LDA (Pre) G.S., 2010** |
| ■ भारत सरकार ने किस वर्ष में उत्तर प्रदेश की दस नई आदिवासी जातियों को अनुसूचित जनजातियों के रूप में सूचीबद्ध किया– **2003** | **UPPCS (Pre) GS, 2010** |



Join @yct_hub For More Exclusive PDFs

# 16 उत्तर प्रदेश : शिक्षा व्यवस्था

''सभी सुशिक्षित सभ्य बने, जन-जन का कल्याण करें'' के सर्वमान्य सिद्धान्त के लिए शिक्षा एक अत्यन्त सशक्त एवं प्रभावकारी माध्यम है। शिक्षा ही मानव को सुसंस्कृत एवं सभ्य बनाकर एक प्रगतिशील आदर्श समाज का निर्माण करती है, जो संविधान के प्रति निष्ठा, धर्म निरपेक्षता एवं लोकतन्त्र के आदर्श मूल्यों की प्राप्ति में मार्ग दर्शन कर सहायता करती है। बौद्धिक सम्पन्नता एवं राष्ट्रीय आत्म निर्भरता की आधारशिला शिक्षा ही है।

- उत्तर प्रदेश राज्य में आधुनिक शिक्षा व्यवस्था की नींव अंग्रेजों द्वारा रखी गयी थी।
- राज्य में माध्यमिक स्तर शिक्षा के लिए वर्ष 1921 में माध्यमिक शिक्षा अधिनियम, 1921 पारित हुआ।
- वर्ष 1972 तक शिक्षा निदेशक के अन्तर्गत प्राथमिक, माध्यमिक, उच्च तथा प्रशिक्षण स्तर की शिक्षा संचालित होती थी। शिक्षा के बढ़ते कार्यों को देखते हुए वर्ष 1972 में शिक्षा निदेशालय का विभाजन कर, शिक्षा निदेशक, बेसिक शिक्षा निदेशक माध्यमिक, उच्च शिक्षा निदेशक के पदों का सृजन किया गया।
- प्राथमिक शिक्षा से संबंधित गैर सरकारी निजी विद्यालयों को मान्यता एवं सामान्य नियंत्रण के कार्य हेतु उ.प्र. बेसिक शिक्षा परिषद का गठन 25 जुलाई, 1972 को किया गया।
- राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद की स्थापना, लखनऊ में 1981 में की गयी। यह परिषद राज्य में स्कूली शिक्षा के लिए पाठ्यक्रम और पाठ्य पुस्तकों के विकास, शिक्षक प्रशिक्षण, शैक्षिक मूल्यांकन, शैक्षिक अनुसंधान और सीखने में नवाचार के लिए की गयी थी।
- **राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण (SCERT) के तहत इकाइयां -**
- शिक्षा में उन्नत अध्ययन संस्थान (आईएएसई) प्रयागराज।
- शिक्षक शिक्षा महाविद्यालय (सीटीई) लखनऊ, प्रयागराज, वाराणसी।
- राज्य हिन्दी संस्थान- वाराणसी।
- राज्य शैक्षिक प्रौद्योगिकी संस्थान (SIET) लखनऊ।
- अंग्रेजी भाषा शिक्षण संस्थान, प्रयागराज।
- गवर्नमेंट फिजिकल ट्रेनिंग कालेज, रामपुर, प्रयागराज।
- गवर्नमेंट नर्सरी ट्रेनिंग कालेज, प्रयागराज, आगरा।
- जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान।
- उर्दू भाषा को उत्तर प्रदेश की द्वितीय राजभाषा घोषित किया गया **1989**

## महत्वपूर्ण शिक्षण संस्थान

- माध्यमिक शिक्षा सेवा चयन बोर्ड, प्रयागराज **1982**
- डॉ. अम्बेडकर इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी फॉर हैंडीकैप्ड **कानपुर 1997**
- व्यवसायिक शिक्षा एवं कौशल विकास विभाग **2010**
- धनवन्तरि चिकित्सा विश्वविद्यालय लखनऊ
- भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आई.आई.टी.) **कानपुर**
- भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान (IIIT) **प्रयागराज**
- मोतीलाल नेहरू राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान **प्रयागराज**
- डॉ. भीमराव अम्बेडकर संग्रहालय एवं पुस्तकालय **रामपुर**
- कन्हैयालाल माणिकलाल केंद्रीय हिंदी संस्थान **आगरा**
- उत्तर प्रदेश उर्दू अकादमी की स्थापना। **1972**
- स्कूल ऑफ पेपर टेक्नोलॉजी **सहारनपुर**
- इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट (IIM) **लखनऊ**

## केन्द्रीय विश्वविद्यालय

- इलाहाबाद विश्वविद्यालय **–प्रयागराज ( 1887)**
- बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय **– वाराणसी (1916)**
- अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय **– अलीगढ़ (1920)**
- बाबा साहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय **–लखनऊ (1996)**
- राजीव गांधी राष्ट्रीय विमानन विश्वविद्यालय **– रायबरेली**
- रानी लक्ष्मीबाई केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय **– झाँसी (2014)**



Join @yct_hub For More Exclusive PDFs

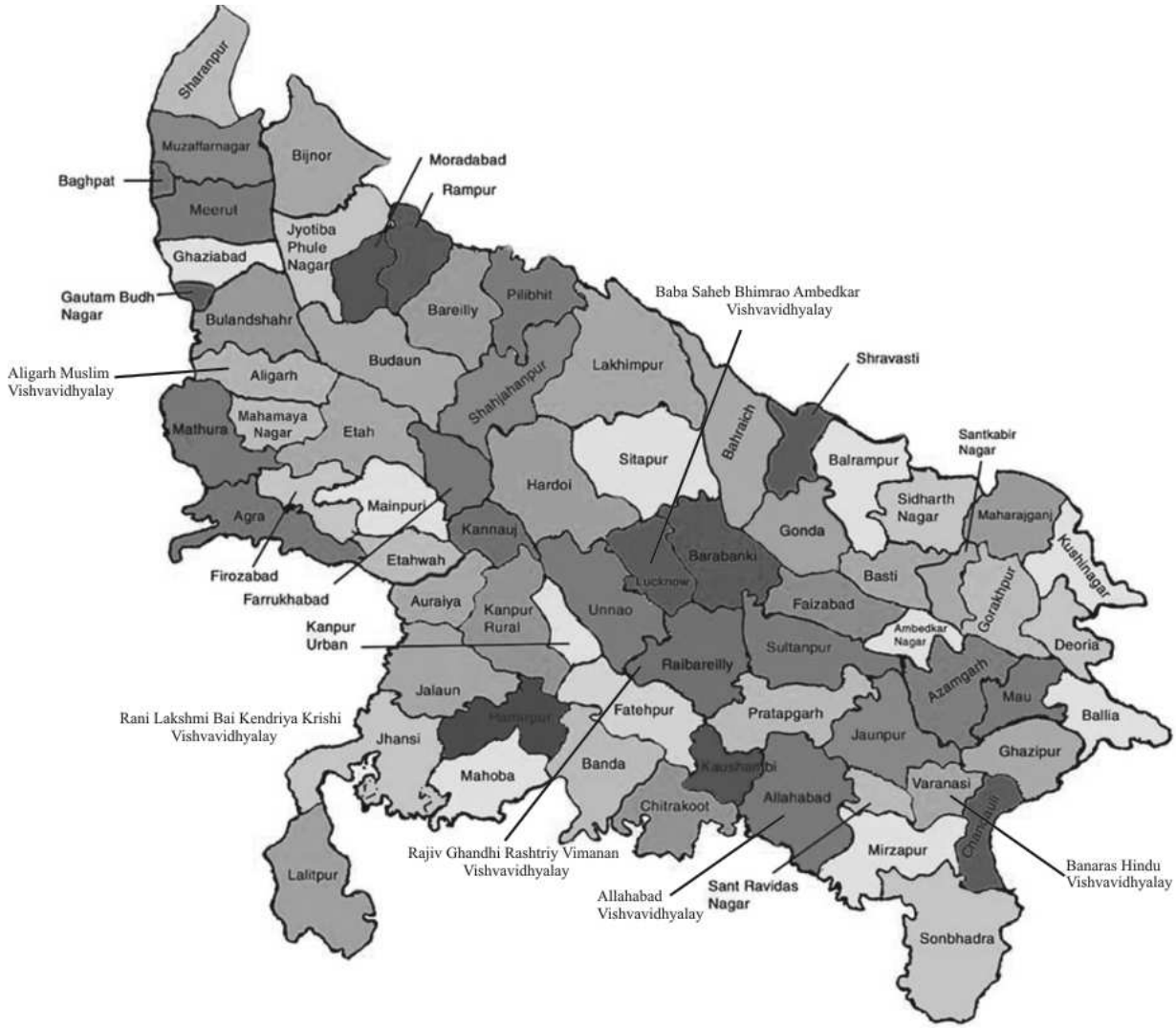


## उच्च शिक्षा हेतु प्रमुख प्रदेशीय विश्वविद्यालय

- लखनऊ विश्वविद्यालय — **लखनऊ (1921)**
- डॉ. भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय — **आगरा (1927)**
- छत्रपति शाहूजी महाराज विश्वविद्यालय — **कानपुर (1966)**
- दीनदयाल उपाध्याय विश्वविद्यालय — **गोरखपुर (1957)**
- डॉ. राम मनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय — **अयोध्या (1975)**
- चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय — **मेरठ (1965)**
- वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय — **जौनपुर (1987)**
- महात्मा ज्योतिबा फुले रूहेलखण्ड विश्वविद्यालय — **बरेली (1975)**
- **काशी विद्यापीठ** की स्थापना **वर्ष 1921** में की गयी थी तथा **वर्ष 1995** में इसका नाम परिवर्तन कर **महात्मा गाँधी काशी विद्यापीठ** कर दिया गया।
- बुन्देलखण्ड विश्वविद्यालय — **झांसी (1975)**
- डॉ. राममनोहर लोहिया राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय — **लखनऊ (2005)**
- ख्वाजा मोईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय — **लखनऊ (2009)**
- उ.प्र. विकलांग उद्धार डॉ. शकुन्तला मिश्रा विश्वविद्यालय — **लखनऊ (2008)**
- राजेन्द्र प्रताप सिंह (रज्जु भैया) राज्य विश्वविद्यालय — **प्रयागराज (2016)**
- ए.पी.जे. अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय — **लखनऊ (2000)**
- सम्पूर्णानंद संस्कृत विश्वविद्यालय — **वाराणसी (1958)**
- जननायक चन्द्रशेखर विश्वविद्यालय — **बलिया (2016)**
- गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय — **ग्रेटर नोएडा (2002)**
- किंग जार्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय — **लखनऊ (2002)**
- मदनमोहन मालवीय प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय — **गोरखपुर (2013)**



Join @yct_hub For More Exclusive PDFs

- सिद्धार्थ विश्वविद्यालय
  **– कपिलवस्तु, सिद्धार्थ नगर (2015)**
- उत्तर प्रदेश आयुर्विज्ञान विश्वविद्यालय
  **-सैफई ( इटावा ) (2016)**
- हरकोर्ट बटलर प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय **- कानपुर (2016)**

## निजी विश्वविद्यालय

- इण्टीग्रल विश्वविद्यालय **– लखनऊ**
- एमिटी विश्वविद्यालय
  **– नोएडा (गौतमबुद्ध नगर)**
- मंगलायतन विश्वविद्यालय
  **– अलीगढ़**
- स्वामी विवेकानन्द सुभारती विश्वविद्यालय
  **– मेरठ**
- तीर्थंकर महावीर विश्वविद्यालय **– मुरादाबाद**
- शारदा विश्वविद्यालय
  **– ग्रेटर नोएडा ( गौतमबुद्ध नगर )**
- जगद्गुरू रामभद्राचार्य दिव्यांग विश्वविद्यालय
  **– चित्रकूट**
- जी. एल.ए. विश्वविद्यालय
  **– मथुरा**
- शोभित विश्वविद्यालय
  **– सहारनपुर**
- आई.एफ.टी.एम. विश्वविद्यालय
  **– मुरादाबाद**
- शिव नाडार विश्वविद्यालय
  **– ग्रेटर नोएडा (गौतमबुद्ध नगर)**
- बेनेट यूनिवर्सिटी
  **– ग्रेटर नोएडा**
- आई.आई.एम.टी. विश्वविद्यालय
  **– मेरठ (2016)**
- नोएडा अंतरराष्ट्रीय विश्वविद्यालय
  **– ग्रेटर नोएडा (2010)**

## मुक्त विश्वविद्यालय

- उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय **– प्रयागराज**

## स्पोर्ट्स कालेज

- गुरु गोविन्द सिंह स्पोर्ट्स कालेज **– लखनऊ**
- वीर बहादुर सिंह स्पोर्ट्स कालेज **– गोरखपुर**
- मेजर ध्यानचंद स्पोर्ट्स कालेज **– सैफई (इटावा)**

## पशु चिकित्सा विश्वविद्यालय

- उ.प्र. पं. दीनदयाल उपाध्याय पशु चिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय एवं गौ अनुसंधान संस्थान **– मथुरा (2001)**

## कृषि विश्वविद्यालय

- चन्द्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय
  **– कानपुर (1975)**
- आचार्य नरेन्द्र देव कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय
  **– अयोध्या (1974)**
- सैम हिंगिन बॉटम कृषि, प्रौद्योगिकी एवं विज्ञान विश्वविद्यालय
  **– प्रयागराज (2016)**
- सरदार वल्लभभाई पटेल कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय
  **– मेरठ (2000)**
- बांदा कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय **– बांदा (2010)**

## डीम्ड विश्वविद्यालय

- दयालबाग एजुकेशनल इंस्टीट्यूट **– आगरा (1981)**
- इंडियन वेटेरिनरी रिसर्च इंस्टीट्यूट
  **– इज्जतनगर, बरेली (1889)**
- केंद्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा संस्थान
  **– सारनाथ, वाराणसी (1967)**
- भातखण्डे संगीत संस्थान
  **– लखनऊ (2000)**
- जे.पी सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान **– नोएडा (2004)**
- शोभित अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी संस्थान
  **– मेरठ (2006)**
- संतोष विश्वविद्यालय **– गाजियाबाद (2007)**
- नेहरू ग्राम भारती विश्वविद्यालय **– प्रयागराज (2008)**

## प्रमुख निर्माणाधीन/प्रस्तावित राज्य विश्वविद्यालय

- माँ विन्ध्यवासिनी राज्य विश्वविद्यालय
  **– विंध्याचल धाम मण्डल**
- माँ पाटेश्वरी देवी राज्य विश्वविद्यालय
  **– देवीपाटन मण्डल**
- राज्य विश्वविद्यालय **– मुरादाबाद मण्डल**
- महाराजा सुहेलदेव राज्य विश्वविद्यालय
  **– आजमगढ़**
- मां शाकुम्भरी विश्वविद्यालय **– सहारनपुर**
- महायोगी गुरू गोरखनाथ आयुष विश्वविद्यालय **– गोरखपुर**
- उत्तर प्रदेश पुलिस और फारेंसिक साइंस विश्वविद्यालय
  **– लखनऊ**
- प्रयागराज (डॉ. राजेंद्र प्रसाद) राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय
  **– प्रयागराज**
- मेजर ध्यानचंद्र क्रीडा विश्वविद्यालय **– मेरठ**
- राजा महेंद्र प्रताप सिंह राज्य विश्वविद्यालय **– अलीगढ़**



Join @yct_hub For More Exclusive PDFs

# EXAM CAPSULE

| | |
|---|---|
| ■ कौन सी इकाई उत्तर प्रदेश में बच्चों के लिए कक्षाएँ लाने के विजन को आगे बढ़ा रही है– **UPOER** | **UP Police Asst. Operator 02/02/2024 Shift-I** |
| ■ हाल ही में, उत्तर प्रदेश के किस जिले में प्रथम पूर्ण– बालिका सैनिक स्कूल का उद्घाटन किया गया है– **मथुरा** | **UP Police Const. (M/F) 17-02-2024 Shift-II (Cancelled)** |
| ■ बनारस हिंदू विश्वविद्यालय की स्थापना पंडित मदन मोहन मालवीय ने किसके सहयोग से की थी- **डॉ. एनी बेसेंट** | **UP Police Const. (M/F) 17-02-2024 Shift-I (Cancelled)** |
| ■ प्राथमिक शिक्षा की आयु निर्धारित है– **6 से 11 वर्ष** | **UPPCS (RO/ARO) 2023 Cancelled** |
| ■ राजा महेन्द्र प्रताप राज्य विश्वविद्यालय कहाँ पर स्थापित होगा– **अलीगढ़** | **Allahabad High Court ARO 14-12-2021 Shift-II** |
| ■ उत्तर प्रदेश का पहला खेल विश्वविद्यालय कहाँ स्थित होगा– **मेरठ** | **Allahabad High Court ARO 14-12-2021 Shift-II** |
| ■ उत्तर प्रदेश के किस शहर में भारत के राष्ट्रपति द्वारा सितम्बर 2021 में उत्तर प्रदेश राष्ट्रीय कानून विश्वविद्यालय की नींव रखी गई है– **प्रयागराज** | **Allahabad High Court CA/RGC 18-12-2021 Shift-II** |
| ■ उत्तर प्रदेश का प्रथम विश्वविद्यालय है– **इलाहाबाद विश्वविद्यालय** | **Allahabad High Court CA/RGC 18-12-2021 Shift-II**<br>**Allahabad High Court ARO 14-12-2021 Shift-II** |
| ■ भारतीय दाल शोध संस्थान कहा पर अवस्थित है– **कानपुर** | **Allahabad High Court CA/RGC 18-12-2021 Shift-II** |
| ■ दिव्यांगजनों की एक मात्र यूनिवर्सिटी जगदगुरु रामभद्राचार्य दिवगंगा यूनिवर्सिटी, किस जिले में अवस्थित है– **चित्रकूट** | **Allahabad High Court CA/RGC 21-12-2021 Shift-I** |
| ■ उत्तर प्रदेश में IITs हैं– **2** | **Allahabad High Court CA/RGC 21-12-2021 Shift-I** |
| ■ उत्तर प्रदेश की प्रत्येक ग्राम शिक्षा समिति में शामिल है– **ग्राम प्रधान, 3 सदस्य, 1 प्रधानाध्यापक** | **Allahabad High Court CA/RGC 21-12-2021 Shift-I** |
| ■ कौन-सी आई.आई.टी. उत्तर प्रदेश में स्थित है– **आई.आई.टी. बी.एच.यू.** | **Allahabad High Court ARO 24-02-2019** |
| ■ उत्तर प्रदेश में एक ओपन विश्वविद्यालय है– **राजर्षि टंडन ओपन विश्वविद्यालय** | **Allahabad High Court ARO 14-12-2021 Shift-I** |
| ■ पुलिस और फोरेंसिक विज्ञान विश्वविद्यालय कहाँ स्थापित करने का प्रस्ताव है– **लखनऊ** | **Allahabad High Court ARO 14-12-2021 Shift-I** |



Join @yct_hub For More Exclusive PDFs

| | |
|---|---|
| ■ कौन-सा विश्वविद्यालय दिव्यांगजनों के लिए स्थापित किया गया है– **जगद्गुरु राम भद्राचार्य दिव्यांग विश्वविद्यालय, चित्रकूट** | **Allahabad High Court ARO 14-12-2021 Shift-I** |
| ■ 'ललित कला संस्थान उत्तर प्रदेश' कहाँ पर है– **लखनऊ** | **Allahabad High Court ARO 15-12-2021 Shift-II** |
| ■ भारत का प्रथम ट्रांसजेंडर विश्वविद्यालय उत्तर प्रदेश के किस जिले में स्थापित किया जाएगा– **कुशीनगर** | **Allahabad High Court ARO 15-12-2021 Shift-II** |
| ■ उत्तर प्रदेश में केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय को कहाँ स्थापित किया जा रहा है– **झांसी** | **Allahabad High Court ARO 19-12-2021 Shift-II** |
| ■ उत्तर प्रदेश का एस.एन. मेडिकल कॉलेज कहाँ अवस्थित है– **आगरा** | **Allahabad High Court ARO 19-12-2021 Shift-II** |
| ■ उत्तर प्रदेश में ए.पी.जे. अब्दुल कलाम तकनीकी विश्वविद्यालय कहाँ पर अवस्थित है– **लखनऊ** | **Allahabad High Court ARO 19-12-2021 Shift-I** |
| ■ हाल ही में, अलीगढ़ में _____ की स्मृति और सम्मान में एक राजकीय विश्वविद्यालय की आधारशिला रखी गई है– **राजा महेन्द्र प्रताप** | **Allahabad High Court ARO 20--12-2021 Shift-I**<br>**Allahabad High Court ARO 20-02-2019**<br>**UPSSC Junior Asst. 04/01/2020 Shift-II** |
| ■ बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय की स्थापना किस वर्ष में हुई थी– **1916** | **Allahabad High Court ARO 06--01-2022 Shift-I** |
| ■ बनारस हिंदू विश्वविद्यालय की स्थापना की थी– **मदन मोहन मालवीय** | **Allahabad High Court RO 10--01-2020**<br>**Allahabad High Court APS 22-12-2021 Shift-I** |
| ■ रजा पुस्तकालय, रामपुर उत्तर प्रदेश में किसने स्थापित किया था– **नवाब फैज़ुल्लां खान** | **Allahabad High Court RO 11--12-2021 Shift-I** |
| ■ एरिअल डिलिवरी रिसर्च एंड डेवलप्मेंट स्टैब्लिशमेंट संस्थान स्थित है– **आगरा** | **Allahabad High Court RO 12--12-2021 Shift-I** |
| ■ हाल ही में, अलीगढ़ शहर में राजा महेन्द्र प्रताप सिंह के नाम पर एक विश्वविद्यालय की आधारशिला रखी गई है जिनके पिता का नाम है– **राजा घनश्याम सिंह** | **Allahabad High Court RO 05--01-2022 Shift-II** |
| ■ उत्तर प्रदेश में प्रेरणा ऐप की उद्देश्य है– **आनलाइन अध्यापक उपस्थिति अभिलिखित** | **Allahabad High Court ARO 15-12-2021 Shift-I** |
| ■ उत्तर प्रदेश में रानी लक्ष्मीबाई केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय झाँसी की स्थापना संसद के अधिनियम के द्वारा निम्न वर्ष में हुई थी– **2014** | **UPPSC Ashram Paddhati Lecturer 2021** |
| ■ उत्तर प्रदेश के किस शहर में ''नॉलेज पार्क'' की स्थापना की जा रही है– **ग्रेटर नोएडा** | **UPPSC ACF/RFO Mains IInd Paper 2019** |



Join @yct_hub For More Exclusive PDFs

| | |
|---|---|
| ■ राजीव गांधी राष्ट्रीय विमानन विश्वविद्यालय उ.प्र. में कहाँ स्थित है– **फुरसतगंज में** | **UPPSC RO/ARO Mains 2016** |
| ■ बनारस में 'केन्द्रीय हिन्दू विद्यालय' की स्थापना की गई- **एनी बेसेन्ट** | **UPPSC Polytechnic Lecturer 2021** |
| ■ उत्तर प्रदेश में राजकीय मेडिकल कॉलेज की स्थापना की जा रही है– **बदायूँ एवं जौनपुर में** | **UP Lower (Pre.) G.S. 2013** |
| ■ पृथक् रूप से व्यावसायिक शिक्षा विभाग का उत्तर प्रदेश में गठन कब किया गया– **2007-08** | **UPPSC ACF - 2017** |
| ■ कन्हैयालाल माणिकलाल केन्द्रीय हिन्दी संस्थान स्थित है– **आगरा में** | **UPPCS (Mains) GS I$^{st}$ 2012, 2010** |
| ■ उत्तर प्रदेश शासन द्वारा जिस आयु वर्ग तक के बच्चों को प्राथमिक शिक्षा उपलब्ध कराने में उच्च प्राथमिकता दी जा रही है, वह है– **14 वर्ष तक** | **UPPCS (Pre) G.S. 2007** |
| ■ उत्तर प्रदेश उर्दू अकादमी की स्थापना की गयी थी वर्ष– **1972 में** | **UPPCS (Mains) GS I$^{st}$ 2015** |
| ■ उत्तर प्रदेश में कितने विश्वविद्यालयों के नाम डॉ. बी. आर. अम्बेडकर पर रखे गये हैं– **दो** | **UPPCS (Mains) I$^{st}$ Paper GS, 2015** |
| ■ राज्य विश्वविद्यालय है– **डॉ. राममनोहर लोहिया राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय,लखनऊ** | **UPPCS (Mains) GS I$^{st}$ 2014** |
| ■ उत्तर प्रदेश का एकमात्र मुक्त विश्वविद्यालय अवस्थित है– **प्रयागराज में** | **UP UDA/LDA Spl. (Mains) G.S., 2010** |
| ■ उत्तर प्रदेश में केन्द्रीय विश्वविद्यालयों की संख्या है– **6** | **UPPCS (Mains) GS I$^{st}$ 2013**<br>**UPPCS Spl, (Pre) G.S. 2008**<br>**UPPCS (Mains) GS I$^{st}$ 2013, 2016** |
| ■ उत्तर प्रदेश में प्रथम विकलांग विश्वविद्यालय स्थापित किया गया है– **चित्रकूट में** | **UPSSSC Supply Inspector 17.07.2022**<br>**UPPCS (Mains) Ist Paper GS, 2012**<br>**UPPCS (Pre) GS, 2010**<br>**UPPCS (Mains) G.S. 2008**<br>**Allahabad High Court RO/ARO 28-09-2019** |
| ■ डॉ. अम्बेडकर इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी फॉर हैण्डीकैप्ड अवस्थित है– **कानपुर में** | **UPPSC RO/ARO (Mains) G.S., 2014**<br>**UP UDA/LDA (Pre) G.S., 2010**<br>**UP UDA/LDA Spl. (Mains) G.S., 2010** |



Join @yct_hub For More Exclusive PDFs

| | |
|---|---|
| ■ उत्तर प्रदेश में सबसे पुराना विश्वविद्यालय है– **इलाहाबाद विश्वविद्यालय, प्रयागराज** | **UP UDA/LDA (Pre) G.S., 2010**<br>**UPPSC RO/ARO (Mains) G.S., 2014**<br>**UP UDA/LDA Spl. (Mains) G.S., 2010**<br>**Allahabad High Court ARO 14-12-2021 Shift-II**<br>**CG/RGC 18-12-2021 Shift-II**<br>**UPP Constable 18/06/2018 Shift-I** |
| ■ भारतवर्ष में प्रथम कृषि विश्वविद्यालय की स्थापना की गयी थी– **पन्तनगर में** | **UPPCS (Pre) G.S. 2004** |
| ■ उत्तर प्रदेश में केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय की स्थापना हो रही है– **झांसी में** | **UPPSC RO/ARO (Mains) G.S., 2014** |
| ■ केन्द्रीय तिब्बती अध्ययन विश्वविद्यालय सारनाथ, वाराणसी किस वर्ष में स्थापित किया गया था– **1967** | **UPPSC ACF/RFO Mains 2020 (Paper-Ist)** |
| ■ उत्तर प्रदेश में राज्य उच्च शिक्षा परिषद कब स्थापित की गयी थी– **1995** | **UPPSC RO/ARO (Pre) Re-Exam 2016** |
| ■ उत्तर प्रदेश का प्राचीनतम विश्वविद्यालय है– **सम्पूर्णानंद संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी** | **UPPSC ACF/RFO (Mains) Ist 2018** |
| ■ गुरु गोविन्द सिंह स्पोर्ट्स कालेज कहां अवस्थित है– **लखनऊ में** | **UPPCS (Mains) I$^{st}$ 2016** |
| ■ उत्तर प्रदेश पंडित दीन दयाल उपाध्याय पशु चिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय एवं गौ अनुसंधान संस्थान स्थित है– **मथुरा में** | **UP Lower (Mains) G.S. 2015**<br>**UPPSC Staff Nurse 2022, UPPCS Spl. (Pre) G.S. 2008**<br>**UPPSC BEO (Pre) 2019**<br>**UPPSC Staff Nurse 2022**<br>**UPPSC RO/ARO (Pre) 2017** |
| ■ उत्तर प्रदेश में आलू का अनुसंधान केंद्र किस जिला में स्थित है– **मेरठ** | **UPPSC RO/ARO (Pre) G.S., 2014** |
| ■ भारतीय चारागाह एवं चारा अनुसंधान संस्थान स्थित है- **झांसी में** | **UPPCS (Mains) GS I$^{st}$ 2012**<br>**UPPSC ACF/RFO (Mains) 2021 Paper-I** |
| ■ एक नॉन-सी. एस. आई. आर. संस्थान, जो लखनऊ, यू.पी. में स्थित है– **आई. आई. एस. आर.** | **UPPCS (Pre) G.S. 2008** |
| ■ वी.वी. गिरि राष्ट्रीय श्रम संस्थान स्थित है- **नोएडा में** | **UPPCS (Mains)-2017** |
| ■ केन्द्रीय औषधि शोध संस्थान कहां स्थित है– **लखनऊ** | **UPPCS (Pre.) G.S. 1991** |
| ■ उत्तर प्रदेश में भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान, जहाँ स्थापित किया गया है, वह जगह है– **प्रयागराज** | **UPPCS Spl, (Pre) G.S. 2008** |
| ■ उत्तर प्रदेश कृषि अनुसंधान परिषद किस स्थान पर अवस्थित है– **लखनऊ** | **UPPSC Vetting Officer 2020**<br>**UPPSC RO/ARO (Pre) G.S. 2014**<br>**UPPSC ACF/RFO mains I$^{st}$ Paper 2019** |
| ■ भारतीय अन्न भण्डारण प्रबन्धन एवं अनुसंधान संस्थान स्थित है– **हापुड़** | **UPPSC ACF/RFO Mains 2020 (Paper-Ist)B** |



Join @yct_hub For More Exclusive PDFs

| | |
|---|---|
| ■ उत्तर प्रदेश में किस जिले में बाबू गेंदा सिंह गन्ना शोध संस्थान स्थित है– **कुशीनगर** | **UPPSC ACF/RFO Mains 2020 (Paper-Ist)B** |
| ■ दिसम्बर, 2021 में उत्तर प्रदेश में आयुर्वेदिक संस्थान का शिलान्यास किस स्थान पर हुआ है– **वाराणसी, अयोध्या** | **UPPSC ACF RFO (Mains) 2021 Paper-I** |
| ■ यूपी शिक्षा के संदर्भ में बीएचयू का पूर्ण रूप क्या है– **बनारस हिंदू विश्वविद्यालय** | **UPSSSC Mandi Parishad 22/05/2022** |
| ■ भातखंडे संगीत संस्थान विश्वविद्यालय उत्तर प्रदेश में कहाँ स्थित है– **लखनऊ** | **UPSSSC Mandi Parishad 22/05/2022** |
| ■ उत्तर प्रदेश के किस शहर में राजकीय कला एवं शिल्प महाविद्यालय (गवर्नमेंट कॉलेज ऑफ आर्ट्स एंड क्राफ्ट्स) स्थित है– **लखनऊ** | **Lower Exam – 01-10-2019 (Shift-I)** |
| ■ भारत कला भवन कहाँ स्थित है– **बनारस** | **लोअर द्वितीय- 06-03-2016** |
| ■ केन्द्रीय पक्षी अनुसंधान संस्थान (CARI) उत्तर प्रदेश के किस शहर में स्थित है– **बरेली** | **Lower Exam – 30-09-2019 (Shift-II)** |
| ■ औद्योगिक अविषालुता विज्ञान शोध केन्द्र स्थित है– **लखनऊ** | **लोअर द्वितीय- 06-03-2016** |
| ■ बी.एच.यू. किस शहर में स्थित है– **वाराणसी** | **व्यायाम प्रशिक्षक - 16-09-2018 (Shift-II)** |
| ■ ललित कला अकादमी, उत्तर प्रदेश, कलाकारों को छात्रवृत्ति से पुरस्कृत करता है। कौन-सा विषय/क्षेत्र नहीं है जिनमें इन छात्रवृत्तियों को दिया जाता है– **फैशन डिजाइनिंग** | **ग्राम विकास अधिकारी - 23-12-2018 (shift- II)** |
| ■ उत्तर प्रदेश में विश्वविद्यालय नहीं है– **बरकतउल्लाह विश्वविद्यालय** | **ग्राम विकास अधिकारी - 23-12-2018 (shift- I)** |
| ■ उत्तर प्रदेश में ललित कला अकादमी (नेशनल एकेडमी ऑफ आर्ट) क्षेत्रीय केंद्र _____ में स्थित है– **लखनऊ** | **ग्राम विकास अधिकारी - 23-12-2018 (shift- I)** |
| ■ कानपुर में स्थित कृषि और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय का नाम किस स्वतंत्रता सेनानी के नाम पर रखा गया है– **चंद्रशेखर आज़ाद** | **राज्य मण्डी परिषद् - 30-05-2019 (Shift-I)** |
| ■ कानपुर में 1966 में स्थापित किस विश्वविद्यालय का नाम एक मराठा राजा के नाम पर रखा गया हैं– **छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय** | **राज्य मण्डी परिषद् - 30-05-2019 (Shift - II)** |
| ■ काशी विद्यापीठ, वाराणसी की स्थापना किसने की– **शिव प्रसाद गुप्ता** | **कनिष्ठ सहायक - 19-02-2019** |
| ■ किस शहर में सेंट्रल फुटवियर ट्रेनिंग इन्स्टीट्यूट स्थित है– **आगरा** | **ग्राम विकास अधिकारी - 22-12-2018 (shift- I)** |
| ■ 'लखनऊ में ..... क्षेत्रीय केन्द्र, प्रिंटमेकिंग, मूर्तिकला, मिट्टी के बरतन और चित्रकला के विषयों में कलाकारों को कार्य सुविधाएं प्रदान करने के लिए स्थापित किया गया है।'– **ललित कला अकादमी** | **व्यायाम प्रशिक्षक - 16-09-2018 (Shift-I)** |
| ■ कौन-सा विश्वविद्यालय 1917 में सेंट्रल हिंदू कॉलेज के साथ अपने प्रथम घटक कॉलेज के रूप में शुरू किया गया था– **बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय** | **व्यायाम प्रशिक्षक - 16-09-2018 (Shift-II)** |
| ■ डॉ. भीमराव अम्बेडकर संग्रहालय एवं पुस्तकालय स्थित है– **रामपुर** | **लोअर द्वितीय- 06-03-2016** |



Join @yct_hub For More Exclusive PDFs

| | |
|---|---|
| ■ उत्तर प्रदेश के किस विश्वविद्यालय को 'पूर्व का ऑक्सफोर्ड' नाम से जाना जाता था– **इलाहाबाद विश्वविद्यालय** | **UDA/LDA 29-11-2015** |
| ■ उत्तर प्रदेश के किस स्थान पर भारतीय शर्करा तकनीकी संस्थान स्थित है– **कानपुर** | **गन्ना पर्यवेक्षक - 03-07-2016 (Paper-I)** |
| ■ उत्तर प्रदेश का बीज-प्रमाणीकरण ब्यूरो कहाँ स्थित है– **आलमबाग** | **UDA/LDA 29-11-2015** |
| ■ भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, कानपुर की स्थापना किस वर्ष में हुई– **1959** | **UPSI 15.11.2021 Shift-II** |
| ■ 'इलाहाबाद विश्वविद्यालय' की स्थापना किस वर्ष में की गई थी– **1887** | **UPSI 14.11.2021 Shift-I** |
| ■ किस वर्ष में, उत्तर प्रदेश में 'निःशुल्क और अनिवार्य शिक्षा के अधिकार' नियम को लागू किया गया था– **2011** | **UPSI 13.11.2021 Shift-I** |
| ■ 'चन्द्र शेखर आज़ाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय', उत्तर प्रदेश के किस जिलें में स्थित है– **कानपुर** | **UPSI 20.11.2021 Shift-I** |
| ■ उत्तर प्रदेश में 'डॉ. भीमराव अंबेडकर विश्वविद्यालय (जिसे मूल रूप से आगरा विश्वविद्यालय के नाम से जाना जाता था)' की नींव किस वर्ष में रखी गई थी– **1927** | **UPSI 20.11.2021 Shift-II** |
| ■ लखनऊ में राज्य संग्रहालय (द स्टेट म्यूज़ियम) उत्तर प्रदेश का सबसे पुराना और सबसे बड़ा बहुउद्देशीय संग्रहालय है, जो.....में स्थापित किया गया था– **1863** | **UPSI 17.11.2021 Shift-III** |
| ■ उत्तर प्रदेश का प्राचीनतम और विशालतम बहुउद्देशीय संग्रहालय कौन-सा है– **राज्य संग्रहालय, लखनऊ** | **UPSI 17.11.2021 Shift-II** |
| ■ कौन सा स्मारक उत्तर प्रदेश में यूनेस्को द्वारा प्रशंसित विश्व धरोहर स्थल है– **आगरा का किला** | **UPSI 17.11.2021 Shift-I** |
| ■ यदि डेवलपर्स एकीकृत आवास आकलन के लिए ग्रीन रेटिंग के अनुसार पर्यावरण अनुकूल इमारतों का निर्माण करते हैं तो यू0पी0 सरकार द्वारा इनाम के तौर पर फ्लोर एरिया रेश्यो का कितना प्रतिशत दिया जाएगा– **5** | **(UP SI/ ASI 2018)** |
| ■ उत्तर प्रदेश में संपूर्णानंद संस्कृत विश्वविद्यालय कहाँ स्थित है– **वाराणसी** | **(UP SI/ ASI 2018)** |
| ■ केन्द्रीय विश्वविद्यालय बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर विश्वविद्यालय, विद्या विहार, किस शहर में स्थित है– **लखनऊ** | **(UPP Constable 28.01.2019)** |
| ■ मदन मोहन मालवीय प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय ..... में स्थित है– **गोरखपुर** | **(UPP Constable 27.01.2019 Shift-I)** |
| ■ अशोक स्तम्भ में उत्कीर्ण किए हुए शेर का मुख, जिसे भारत सरकार द्वारा राष्ट्रीय प्रतीक के रूप में अपनाया गया है, ..... के संग्रहालय में संरक्षित है– **सारनाथ** | **UPP Constable, 25.10.2018** |
| ■ सरदार वल्लभ भाई पटेल, कृषि और तकनीकी विश्वविद्यालय (एसवीपीयूएटी), भारत के उत्तर प्रदेश राज्य के ..... में स्थित एक कृषि विश्वविद्यालय है– **मेरठ** | **UPP Constable, 19.06.2018 (Shift-1)** **UPPCS (Pre) G.S. 2011** |
| ■ उत्तर प्रदेश के किस शहर में भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान अवस्थित है– **कानपुर** | **UPP Com. Operator. 19-05-2016 (Shift-I)** |
| ■ एक भारतीय प्रबंधन संस्थान यू.पी. में है? यह _____ में स्थित है– **लखनऊ** | **UPP Com. Operator. 19-05-2016 (Shift-II)** |



Join @yct_hub For More Exclusive PDFs

# 17 उत्तर प्रदेश : राजनीतिक एवं प्रशासनिक व्यवस्था

स्वतंत्रता पूर्व उत्तर प्रदेश को वर्ष 1858 में उत्तर-पश्चिम प्रांत (मुख्यालय-प्रयागराज) तथा वर्ष 1877 में उत्तर-पश्चिम प्रांत, आगरा एवं अवध का विलय कर दिया गया। वर्ष 1902 में संयुक्त प्रांत आगरा एवं अवध नाम किया गया। वर्ष 1921 में राजधानी प्रयागराज से लखनऊ स्थानांतरित की गयी। वर्ष 1937 में पुनः नाम में परिवर्तन करते हुए 'सयुंक्त प्रांत' किया गया। 24 जनवरी, 1950 को राज्य का नाम उत्तर प्रदेश किया गया।

भारतीय संविधान में अपनायी गयी संसदीय व्यवस्था को केन्द्र की तरह राज्य में भी लागू किया गया।

**उत्तर प्रदेश में राजनीतिक/प्रशासनिक व्यवस्था**

राज्य

| कार्यपालिका | विधायिका | न्यायपालिका |
|---|---|---|
| 1.राज्यपाल | 1.राज्यपाल | 1.उच्च न्यायालय |
| 2.मुख्यमंत्री | 2.विधानसभा | 2.अधीनस्थ |
| 3.मंत्रीपरिषद | 3.विधानपरिषद | न्यायालय |
| 4.महाधिवक्ता | | |

## उत्तर प्रदेश : राजनीतिक परिदृश्य

| | |
|---|---|
| लोक सभा सदस्यों की संख्या | 80 |
| उ. प्र. मे लोक सभा मे अनु. जाति हेतु आरक्षित सीट | 17 (SC) |
| उ. प्र. मे लोक सभा मे अनु. जनजाति हेतु आरक्षित सीट | 0 (ST) |
| राज्य सभा सदस्यों की संख्या | 31 |
| विधान सभा सदस्यों की संख्या | 403 (104वें संशोधन अधिनियम से एंग्लो इंडियन के एक सदस्य के मनोनयन की व्यवस्था समाप्त कर दी गई) |
| विधान परिषद सदस्यों की संख्या | 100 |
| प्रथम विधान सभा का गठन | 8 मार्च, 1952 ई. |
| प्रथम राज्यपाल | श्रीमती सरोजनी नायडू |
| प्रथम मुख्यमंत्री | पं. गोविन्द बल्लभ पंत |
| पहली महिला मुख्यमंत्री | श्रीमती सुचेता कृपलानी (2 अक्टूबर, 1963–13 मार्च, 1967 ई. तक) |
| प्रथम विधान सभा अध्यक्ष | राजर्षि पुरुषोत्तम दास टंडन |
| विधान परिषद के प्रथम सभापति | श्री चंद्रभाल |
| राज्य में पहली बार राष्ट्रपति शासन | 25 फरवरी, 1968 से 25 फरवरी, 1969 तक |
| राज्य का प्रथम लोकायुक्त | न्यायमूर्ति श्री विश्वम्भर दयाल (1977-82) |
| राज्य सूचना आयोग का गठन | 14 सितम्बर, 2005 ई. |
| प्रथम मुख्य सूचना आयुक्त | न्यायमूर्ति एम. ए. खान |
| राज्य मानवाधिकार आयोग का गठन (क्रियात्मक रूप से) | 7 अक्टूबर 2002 |

## व्यवस्थापिका एवं कार्यपालिका

भारत में केन्द्र एवं राज्यों के लिये एक ही संविधान है। भारतीय संविधान के भाग–6 में (अनु0 152–237 तक) राज्यों के बारे में विवरण प्रस्तुत किया गया है। भारत के अधिकतम राज्यों में केवल एक सदनीय विधानमण्डल है अर्थात् वहाँ पर विधान परिषद नहीं है किन्तु उत्तर प्रदेश में दो सदनीय विधानमंडल की व्यवस्था की गई है, जिसका निर्माण राज्यपाल, विधान सभा तथा विधान परिषद से मिलकर बना है।

**राज्यपाल–** राज्य की कार्यपालिका शक्ति राज्यपाल में निहित होती है (अनु0 154) लेकिन वह इसका प्रयोग अपने अधीनस्थ अधिकारियों के माध्यम से करता है। राज्यपाल, राज्य का संवैधानिक प्रमुख होता है। वह केन्द्र सरकार के प्रतिनिधि के रूप मे कार्य करता है।

**राज्यपाल से संबंधित प्रमुख अनुच्छेद-**

अनुच्छेद 153:- प्रत्येक राज्य का एक राज्यपाल होगा।

अनुच्छेद 154:- राज्य की कार्यपालिका शक्ति राज्यपाल मे निहित होगी।

अनुच्छेद 155:- राज्य के राज्यपाल को राष्ट्रपति अपने हस्ताक्षर और मुद्रा सहित अधिपत्र द्वारा नियुक्त करेगा।

अनुच्छेद 156:- राज्यपाल का कार्यकाल पदग्रहण की तिथि से पांच वर्ष या राष्ट्रपति के प्रसादपर्यन्त पद धारण करेगा।

अनुच्छेद 157:- राज्यपाल नियुक्त होने हेतु भारत का नागरिक एवं 35 वर्ष की आयु पूर्ण होना आवश्यक शर्त है।

अनुच्छेद 158:- 1. राज्यपाल, संसद का राज्य विधानमंडल का सदस्य न हो। 2. लाभ के पद पर नही होना चाहिए।

अनुच्छेद 159:- राज्यपाल द्वारा शपथ या प्रतिज्ञान।



Join @yct_hub For More Exclusive PDFs

अनुच्छेद 161:- कुछ मामलो में क्षमा आदि (दंडादेश का निलंबन, परिहार, लघुकरण) की राज्यपाल की शक्ति।

अनुच्छेद 162:- राज्यपाल की कार्यपालिका शक्ति का विस्तार।

अनुच्छेद 163:- राज्यपाल को सहायता और सलाह देने हेतु मंत्रीपरिषद का प्रावधान जिसका प्रधान मुख्यमंत्री होगा।

**राज्यपाल की शक्तियाँ एवं कार्य**

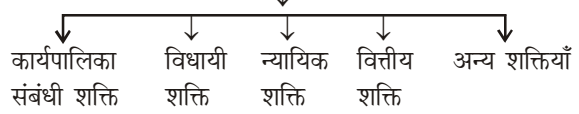


अनुच्छेद 155 के तहत, राज्यपाल की नियुक्ति राष्ट्रपति द्वारा की जाती है। यद्यपि राज्यपाल, राष्ट्रपति के प्रसादपर्यन्त अपना पद धारण करता है [अनु. 156(1)] फिर भी उसका कार्यकाल सामान्यतया 5 वर्ष का होता है [अनु. 156(3)]।

## विधान सभा

संविधान के अनु0 170 के अनुसार, विधान सभाओं में सदस्यों की संख्या 60 से कम तथा 500 से अधिक नहीं हो सकती। वर्तमान में उत्तर प्रदेश राज्य विधान सभा सदस्यों की संख्या 403 है। राज्य विधान सभा के सदस्य वयस्क मतदाताओं द्वारा प्रत्यक्ष रूप से चुने जाते हैं। विधान सभा का सदस्य बनने के लिये न्यूनतम आयु 25 वर्ष होनी चाहिए। राज्य विधान सभा के सदस्य अपने में से ही एक अध्यक्ष व उपाध्यक्षों का चुनाव करते हैं।

## विधान परिषद

उत्तर प्रदेश राज्य विधान परिषद का गठन वर्ष 1937 में किया गया। भारतीय संविधान के अनुच्छेद 169 के तहत, विधान परिषद का गठन, समापन राज्य विधानसभा के संकल्प प्रस्ताव पर संसद द्वारा किया जाता है। यह एक स्थायी व उच्च सदन है। इसके प्रत्येक सदस्यों का कार्यकाल 6 वर्षों का होता है।

**विधान परिषद के सदस्यों के निर्वाचन की पद्धति निम्नलिखित है—**

(1) विधान परिषद के 1/3 सदस्य, स्थानीय निकायों जैसे- नगरपालिका, जिला बोर्ड आदि से चुने जाते है।

(2) 1/12 सदस्यों का निर्वाचन राज्य के पंजीकृत स्नातकों द्वारा निर्वाचित किये जाते है।

(3) 1/12 सदस्यों का निर्वाचन 3 वर्ष से अध्यापन कार्य कर रहे लोगों द्वारा किया जाता है।

(4) 1/3 सदस्यों का चुनाव विधानसभा के सदस्यों द्वारा किया जाता है।

(5) शेष 1/6 सदस्यों को राज्यपाल नाम निर्देशित किये जाते है।

वर्तमान में उत्तर प्रदेश विधान परिषद के सदस्यों की कुल संख्या 100 है। इस परिषद का सदस्य बनने के लिए न्यूनतम आयु 30 वर्ष होनी चाहिए।

- उत्तर प्रदेश के विधान परिषद के प्रथम सभापति चन्द्रभाल थे। वर्तमान में उत्तर प्रदेश विधान परिषद के सभापति कुँवर मानवेन्द्र सिंह हैं।
- उत्तर प्रदेश के पहले मुख्यमंत्री पं0 गोविन्द बल्लभ पंत थे।
- उत्तर प्रदेश की पहली महिला मुख्यमंत्री श्रीमती सुचेता कृपलानी थी। यह देश के किसी भी राज्य की पहली मुख्यमंत्री थीं।
- राज्य में पहली बार राष्ट्रपति शासन 25 फरवरी, 1968–26 फरवरी, 1969 ई. तक लागू किया गया था।
- उत्तर प्रदेश में अब तक कुल 10 बार राष्ट्रपति शासन लागू किया जा चुका है।
- विश्वनाथ प्रताप सिंह एवं चौधरी चरण सिंह ऐसे राजनीतिज्ञ रहे जो राज्य के मुख्यमंत्री रहने के साथ–साथ भारत के प्रधानमंत्री पद को भी सुशोभित किया था।
- नारायण दत्त तिवारी ने उत्तर प्रदेश के साथ–साथ उत्तराखण्ड के मुख्यमंत्री पद को भी सुशोभित किया।
- चन्द्रभानु गुप्त, मुलायम सिंह यादव और नारायण दत्त तिवारी ऐसे राजनीतिज्ञ रहे, जिन्हें उत्तर प्रदेश का तीन बार मुख्यमंत्री बनने का अवसर प्राप्त हुआ है।
- सुश्री मायावती एक ऐसी राजनीतिज्ञ रहीं जिन्हें उत्तर प्रदेश का सर्वाधिक बार (4 बार) मुख्यमंत्री बनने का अवसर प्राप्त हुआ है।
- उत्तर प्रदेश की प्रथम राज्यपाल श्रीमती सरोजनी नायडू थीं। यह भारत में किसी राज्य की प्रथम महिला राज्यपाल थीं।
- उत्तर प्रदेश विधान सभा का पहली बार गठन 8 मार्च, 1952 ई. को हुआ था।
- राज्य के विधान सभा के पहले अध्यक्ष राजर्षि पुरुषोत्तम दास टंडन थे।
- वर्तमान में उत्तर प्रदेश की विधान सभा में अनुसूचित जातियों (S.C.) के लिये आरक्षित सीटों की संख्या 84 तथा अनुसूचित जनजातियों (S.T.) के लिये आरक्षित सीटों की संख्या 02 है।
- उत्तर प्रदेश में देश में सर्वाधिक लोक सभा व राज्य सभा सीटों की संख्या क्रमशः 80 व 31 है।

## उत्तर प्रदेश के राज्यपाल (1947 से अब तक)

| | |
|---|---|
| **1.** | श्रीमती सरोजिनी नायडू (15 अगस्त, 1947 - 2 मार्च, 1949) |
| * | श्री बी.बी. मलिक (कार्यवाहक) (3 मार्च, 1949 - 1 मई, 1949) |
| **2.** | श्री एच.पी. मोदी (2 मई, 1949 - 1 जून, 1952 ) |
| **3.** | श्री के.एम. मुंशी (2 जून, 1952 - 9 जून, 1957) |
| **4.** | श्री वाराह गिरी वेंकट गिरि (10 जून, 1957 - 30 जून, 1960) |
| **5.** | डॉ. बी. रामाकृष्ण राव (1 जुलाई, 1960 - 15 अप्रैल, 1962) |
| **6.** | श्री विश्वनाथ दास (16 अप्रैल, 1962 - 30 अप्रैल, 1967) |
| **7.** | डॉ. बी. गोपाल रेड्डी (1 मई, 1967 - 30 जून, 1972) |
| * | श्री शशिकांत वर्मा (कार्यवाहक) (1 जुलाई, 1972 - 13 नवंबर, 1972) |
| **8.** | श्री अकबर अली खान (14 नवंबर, 1972 - 24 अक्टूबर, 1974) |
| **9.** | डॉ. एम. चेन्ना रेड्डी (25 अक्टूबर, 1974 - 1 अक्टूबर, 1977 तक) |
| **10.** | श्री गणपतराव देवजी तपासे (2 अक्टूबर, 1977 - 27 फरवरी, 1980) |



Join @yct_hub For More Exclusive PDFs

**11.** श्री चंदेश्वर प्रसाद नारायण सिंह (28 फरवरी, 1980 - 31 मार्च, 1985)
**12.** मोहम्मद उस्मान आरिफ (31 मार्च, 1985 - 11 फरवरी, 1990)
**13.** श्री बी सत्यनारायण रेड्डी (12 फरवरी, 1990 - 25 मई, 1993)
**14.** श्री मोतीलाल वोरा (26 मई, 1993 - 3 मई, 1996)
* श्री मोहम्मद शफी कुरैशी (कार्यवाहक) (3 मई, 1996 - 18 जुलाई, 1996
**15.** श्री रोमेश भंडारी (19 जुलाई, 1996 - 17 मार्च, 1998)
* श्री मोहम्मद शफी कुरैशी (कार्यवाहक) (17 मार्च, 1998 - 19 अप्रैल, 1998)
**16.** श्री सूरज भान (20 अप्रैल, 1998 - 23 नवंबर, 2000)
**17.** श्री विष्णुकांत शास्त्री (24 नवंबर, 2000 - 2 जुलाई, 2004)
* श्री सुदर्शन अग्रवाल (कार्यवाहक) (3 जुलाई, 2004 - 8 जुलाई, 2004)
**18.** श्री टी.वी. राजेश्वर (8 जुलाई, 2004 - 27 जुलाई, 2009)
**19.** श्री बी.एल. जोशी (28 जुलाई, 2009 - 23 जून, 2014)
* डॉ. अजीज कुरैशी (कार्यवाहक) (23 जून, 2014 - 22 जुलाई, 2014)
**20.** श्री राम नाईक (22 जुलाई, 2014 - 28 जुलाई, 2019)
**21.** आनंदीबेन पटेल (29 जुलाई, 2019 - वर्तमान तक )

## उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री
## (1947 से अब तक)

**1.** गोविंद वल्लभ पंत (1 अप्रैल, 1946 - 27 दिसंबर, 1954)
**2.** सम्पूर्णानंद (28 दिसंबर, 1954 - 6 दिसंबर, 1960)
**3.** चंद्रभानु गुप्त (7 दिसंबर, 1960 - 1 अक्टूबर, 1963)
**4.** सुचेता कृपलानी (2 अक्टूबर, 1963- 13 मार्च 1967)
**5.** चंद्रभानु गुप्त (14 मार्च, 1967 - 2 अप्रैल, 1967)
**6.** चरण सिंह (3 अप्रैल, 1967 - 25 फरवरी, 1968)
* राष्ट्रपति शासन (25 फरवरी, 1968-25 फरवरी, 1969)
**7.** चंद्रभानु गुप्त (26 फरवरी, 1969 - 17 फरवरी, 1970)
**8.** चरण सिंह (18 फरवरी, 1970 - 1 अक्टूबर, 1970)
* राष्ट्रपति शासन (1 अक्टूबर, 1970-18 अक्टूबर, 1970)
**9.** त्रिभुवन नारायण सिंह (18 अक्टूबर, 1970 - 3 अप्रैल, 1971)
**10.** कमलापति त्रिपाठी (4 अप्रैल, 1971 - 12 जून, 1973)
* राष्ट्रपति शासन (13 जून, 1973-8 नवम्बर, 1973)
**11.** हेमवती नंदन बहुगुणा (8 नवंबर, 1973 - 29 नवंबर, 1975)
* राष्ट्रपति शासन (30 नवम्बर, 1975-21 जनवरी, 1976)
**12.** नारायण दत्त तिवारी (21 जनवरी, 1976 - 30 अप्रैल, 1977)
* राष्ट्रपति शासन (30 अप्रैल, 1977-23 जून, 1977)
**13.** रामनरेश यादव (23 जून, 1977 - 28 फरवरी, 1979)
**14.** बाबू बनारसी दास (28 फरवरी, 1979 - 17 फरवरी, 1980)
* राष्ट्रपति शासन (17 फरवरी, 1980-9 जून, 1980)
**15.** विश्वनाथ प्रताप सिंह (9 जून, 1980 - 18 जुलाई, 1982)
**16.** श्रीपति मिश्र (19 जुलाई, 1982 - 2 अगस्त, 1984)
**17.** नारायण दत्त तिवारी (3 अगस्त, 1984- 24 सितबंर, 1985)
**18.** वीर बहादुर सिंह (24 सितंबर, 1985 - 24 जून, 1988)
**19.** नारायण दत्त तिवारी (25 जून, 1988 - 4 दिसंबर, 1989)
**20.** मुलायम सिंह यादव (5 दिसंबर, 1989 - 24 जून, 1991)
**21.** कल्याण सिंह (24 जून, 1991 - 6 दिसंबर, 1992)
* राष्ट्रपति शासन (6 दिसम्बर, 1992-4 दिसम्बर, 1993)
**22.** मुलायम सिंह यादव (4 दिसंबर, 1993 - 3 जून, 1995)
**23.** सुश्री मायावती (3 जून, 1995 - 18 अक्टूबर, 1995)
* राष्ट्रपति शासन (18 अक्टूबर, 1995-17 अक्टूबर, 1996)
* राष्ट्रपति शासन (17 अक्टूबर, 1996-21 मार्च, 1997)
**24.** सुश्री मायावती (21 मार्च, 1997 - 21 सितंबर, 1997)
**25.** कल्याण सिंह (21 सितंबर, 1997 - 12 नवंबर, 1999)
**26.** राम प्रकाश गुप्त (12 नवंबर, 1999-28 अक्टूबर, 2000)
**27.** राजनाथ सिंह (28 अक्टूबर, 2000 - 8 मार्च, 2002)
* राष्ट्रपति शासन (8 मार्च, 2002-3 मई, 2002)
**28.** सुश्री मायावती (3 मई, 2002 - 29 अगस्त, 2003)
**29.** मुलायम सिंह यादव (29 अगस्त, 2003 - 13 मई, 2007)
**30.** सुश्री मायावती (13 मई, 2007 - 15 मार्च, 2012)
**31.** अखिलेश यादव (15 मार्च, 2012 से 19 मार्च 2017 तक)
**32.** योगी आदित्यनाथ (19 मार्च, 2017 से वर्तमान तक)

**नोटः**-व्यक्ति के अनुसार, योगी आदित्यनाथ राज्य के 21वें मुख्यमंत्री हैं।

### उत्तर प्रदेश विधान सभा के अध्यक्ष

| क्र. | माननीय अध्यक्ष | कार्यकाल |
|---|---|---|
| 1. | श्री पुरुषोत्तम दास टंडन | 31-07-1937 से 10-08-1950 तक |
| 2. | श्री नफीसुल हसन | 21-12-1950 से 19-05-1952 तक |
| 3. | श्री आत्माराम गोविंद खेर | 20-05-1952 से 10-04-1957 तक |
| 4. | श्री आत्माराम गोविंद खेर | 10-04-1957 से 26-03-1962 तक |
| 5. | श्री मदन मोहन वर्मा | 26-03-1962 से 16-03-1967 तक |
| 6. | श्री जगदीश शरण अग्रवाल | 17-03-1967 से 16-03-1969 तक |
| 7. | श्री आत्माराम गोविंद खेर | 17-03-1969 से 18-03-1974 तक |
| 8. | श्री वासुदेव सिंह | 18-03-1974 से 12-07-1977 तक |



Join @yct_hub For More Exclusive PDFs

| | | |
|---|---|---|
| **9.** | श्री बनारसी दास | 12-07-1977 से 26-02-1979 तक |
| **10.** | श्रीपति मिश्र | 07-07-1980 से 18-07-1982 तक |
| **11.** | श्री धरम सिंह | 25-08-1982 से 15-03-1985 तक |
| **12.** | श्री नियाज हसन | 15-03-1985 से 08-01-1990 तक |
| **13.** | श्री हरिकिशन श्रीवास्तव | 09-01-1990 से 30-07-1991 तक |
| **14.** | श्री केशरी नाथ त्रिपाठी | 30-07-1991 से 15-12-1993 तक |
| **15.** | श्री धनीराम वर्मा | 15-12-1993 से 20-06-1995 तक |
| **16.** | श्री बरखूराम वर्मा | 18-07-1995 से 26-03-1997 तक |
| **17.** | श्री केशरी नाथ त्रिपाठी | 27-03-1997 से 14-05-2002 तक |
| **18.** | श्री केशरी नाथ त्रिपाठी | 14-05-2002 से 19-05-2004 तक |
| **19.** | श्री माता प्रसाद पाण्डेय | 26-07-2004 से 18-05-2007 तक |
| **20.** | श्री सुखदेव राजभर | 18-05-2007 से 13-04-2012 तक |
| **21.** | श्री माता प्रसाद पाण्डेय | 13-04-2012 से 30-03-2017 तक |
| **22.** | श्री हृदय नारायण दीक्षित | 30-03-2017 से 29-03-2022 तक |
| **23.** | श्री सतीश महाना | 29-03-2022 से अब तक |

## उत्तर प्रदेश विधान परिषद के सभापति

| नाम | कार्यकाल |
|---|---|
| 1. श्री चन्द्र भाल | 26 जनवरी, 1950-5मई, 1958 तक |
| 2. श्री निजामुद्दीन (कार्यकारी सभापति) | 6 मई, 1958-19जुलाई,1958 तक |
| 3. श्री रघुनाथ विनायक धुलेकर | 20 जुलाई, 1958-5 मई, 1964 तक |
| 4. श्री दरबारी लाल शर्मा (प्रोटेम सभापति) | 6 मई, 1964-4 अगस्त, 1964 तक |
| 5. श्री दरबारी लाल शर्मा | 5 अगस्त, 1964-5मई 1968 तक |
| 6. श्री दरबारी लाल शर्मा (प्रोटेम सभापति) | 6 मई, 1968-1 मार्च, 1969 तक |
| 7. श्री वीरेन्द्र स्वरूप (कार्यकारी सभापति) | 2 मार्च, 1969-14मार्च, 1969 तक |
| 8. श्री वीरेन्द्र स्वरूप | 15 मार्च, 1969-5 मई, 1974 तक |
| 9. श्री देवेन्द्र प्रताप सिंह (कार्यकारी सभापति) | 6 मई, 1974-10 जून,1974 तक |
| 10. श्री वीरेन्द्र स्वरूप | 11 जून, 1974-26 फरवरी,1980 तक |
| 11. श्री वीरेन्द्र बहादुर सिंह चंदेल (प्रोटेम सभापति) | 18 जून,1980-5 अक्टूबर, 1980 तक |
| 12. श्री वीरेन्द्र बहादुर सिंह चंदेल | 6 अक्टूबर,1980-5मई 1982 तक |
| 13. श्री शिव प्रसाद गुप्त (कार्यकारी सभापति) | 6 मई, 1982-2 मार्च, 1983 तक |
| 14. श्री वीरेन्द्र बहादुर सिंह चंदेल | 3 मार्च, 1983-5मई,1988 तक |
| 15. श्री जगदीश चन्द्र दीक्षित (प्रोटेम सभापति) | 6 मई, 1988-5अप्रैल, 1989 तक |
| 16. श्री जगदीश चन्द्र दीक्षित | 6 अप्रैल, 1989-7मार्च, 1990 तक |
| 17. श्री शिव प्रसाद गुप्त (प्रोटेम सभापति) | 13 मार्च, 1990-8अप्रैल, 1990 तक |
| 18. श्री शिव प्रसाद गुप्त (प्रोटेम सभापति) | 9 अप्रैल, 1990-4 जुलाई, 1990 तक |
| 19. श्री शिव प्रसाद गुप्त | 5 जुलाई, 1990-6 जुलाई, 1992 तक |
| 20. श्री नित्यानंद स्वामी (कार्यकारी सभापति) | 7 जुलाई, 1992-9 मई, 1996 तक |
| 21. श्री नित्यानंद स्वामी (प्रोटेम सभापति) | 23 मई, 1996-23 अप्रैल, 1997 तक |
| 22. श्री नित्यानंद स्वामी | 25 अप्रैल, 1997-8 नवंबर,2000 तक |
| 23. श्री ओम प्रकाश शर्मा (प्रोटेम सभापति) | 17 नवंबर, 2000-5मई, 2002 तक |
| 24. श्री कुँवर मानवेन्द्र सिंह (प्रोटेम सभापति) | 6 मई, 2002-2 अगस्त, 2004 तक |
| 25. श्री सुखराम सिंह यादव | 3 अगस्त, 2004-15 जनवरी 2010 तक |



Join @yct_hub For More Exclusive PDFs

| | |
|---|---|
| 26. श्री कमला कांत गौतम (प्रोटेम सभापति) | 16 जनवरी, 2010-20 जनवरी, 2010 तक |
| 27. श्री गणेश शंकर पाण्डेय | 21 जनवरी, 2010-15 जनवरी, 2016 तक |
| 28. श्री रमेश यादव | 11 मार्च, 2016-30 जनवरी, 2021 तक |
| 29. श्री कुँवर मानवेन्द्र सिंह | 31 जनवरी, 2021से वर्तमान तक |

## 18वीं विधान सभा से सम्बन्धित महत्वपूर्ण तथ्य

- भारत निर्वाचन आयोग द्वारा राज्य के 18वीं विधान सभा के गठन के लिये वर्ष 2022 में कुल 7 चरणों में चुनाव सम्पन्न कराये गये। 10 मार्च, 2022 को जारी चुनाव परिणामों में भारतीय जनता पार्टी को स्पष्ट जनादेश प्राप्त हुआ।
- वर्ष 2022 में हुए चुनाव में भारतीय जनता पार्टी को 41.29% मत के साथ 255 सीटें तथा उसके सहयोगियों को मिलाकर कुल 273 सीटें प्राप्त हुई।
- वर्ष 2022 में हुए विधान सभा के चुनावों में सर्वाधिक 47 महिलायें निर्वाचित हुई। इनमें से 29 महिलायें भाजपा की, कांग्रेस 1, सपा ने 14 तथा अपना दल की 3 महिलाओं ने चुनाव जीता।
- 18वीं विधान सभा के चुनाव में साहिबाबाद विधान सभा सीट के भाजपा के उम्मीदवार सुनील कुमार शर्मा ने समाजवादी पार्टी के अमरपाल शर्मा को 214835 मतों से हराकर सर्वाधिक मतों के अंतर से चुनाव जीता।
- 25 मार्च, 2022 को लखनऊ के अटल बिहारी वाजपेयी इकाना क्रिकेट स्टेडियम में भारतीय जनता पार्टी के विधायक दल के नेता श्री योगी आदित्यनाथ को **क्रमानुसार 33वें तथा व्यक्ति के रूप में 21वें मुख्यमंत्री** के रूप मे शपथ दिलाया गया। इसके साथ केशव प्रसाद मौर्य तथा ब्रजेश पाठक ने राज्य के उप-मुख्यमंत्री के तौर पर शपथ ली।
- 29 मार्च, 2022 को भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठतम नेता सतीश महाना को प्रदेश की 18वीं विधान सभा का अध्यक्ष चुना गया।

## कार्यपालिका

संसदीय व्यवस्था में राज्यपाल, राज्य का संवैधानिक प्रमुख होता है जबकि मुख्यमंत्री वास्तविक। अनुच्छेद 154 के अनुसार, राज्य की कार्यपालिका शक्ति राज्यपाल में ही निहित होती है और वह इसका प्रयोग इस संविधान के अनुसार, स्वयं अथवा अपने अधीनस्थ अधिकारियों के माध्यम से करता है।

अनुच्छेद 164 के अनुसार, मुख्यमंत्री की नियुक्ति राज्यपाल द्वारा की जाती है। अन्य मंत्रियों की नियुक्ति राज्यपाल, मुख्यमंत्री के परामर्श से करेगा तथा मंत्री, राज्यपाल के प्रसादप्रर्यन्त अपने पद धारण करेगें। मंत्रिपरिषद, सामूहिक रूप से राज्य विधान सभा के प्रति उत्तरदायी होती है। केन्द्र की तरह राज्य मंत्रिपरिषद के भी तीन वर्ग कैबिनेट मंत्री, राज्य मंत्री एवं उपमंत्री होते हैं। राज्यपाल मंत्रियों को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाते हैं।

- अनुच्छेद 166-राज्य सरकार की समस्त कार्यपालिका कार्रवाई राज्यपाल के नाम से की जायेगी।
- मंत्री पद पर नियुक्त होने के लिए **दोनों सदनों में से किसी एक का** सदस्य होना आवश्यक है, यदि ऐसा नहीं है तो **6 माह के भीतर उसे** किसी एक सदन की सदस्यता ग्रहण करना अनिवार्य है।
- मंत्रियों के वेतन भत्तों का निर्धारण समय समय पर विधान-मण्डल द्वारा किया जाता है।
- **सचिवालय**–आवश्यक प्रशासनिक सहायता एवं परामर्श के लिए **मुख्य सचिव के नेतृत्व में एक प्रशासनिक निकाय का गठन किया गया है जिसे राज्य सचिवालय कहते हैं।**
- राज्य सचिवालय के प्रशासनिक अध्यक्ष को **मुख्य सचिव** और प्रत्येक विभागों के सचिव को **'शासन सचिव'** कहा जाता है। वह प्रायः IAS संवर्ग का वरिष्ठ एवं अनुभवी अधिकारी होता है।
- राज्य सचिवालय का सोपानिक पद क्रम है– मुख्य सचिव-शासन सचिव/सचिव अतिरिक्त/विशिष्ट सचिव-उपसचिव-सहायक सचिव (अवर सचिव)-सेक्शन अधिकारी-सहायक प्रवर/अवर लिपिक-चतुर्थ श्रेणी।
- सचिवालय राज्य प्रशासन के **पर्यवेक्षण, निर्देशन** और **नियंत्रण** का कार्य करता है। सरकारी नीति रचना हेतु आवश्यक सामग्री एकत्रित करना और इसका विश्लेषण कर मंत्रिपरिषद् के सम्मुख प्रस्तुत करना सचिवालय का कर्तव्य है।
- **मुख्य सचिव**–राज्य प्रशासन में मुख्य सचिव का पद प्रशासनिक पद सोपान में सर्वाधिक महत्वपूर्ण है। **राज्य में जो स्थान और कार्य मुख्य सचिव का है, केन्द्रीय प्रशासन में वही स्थान और कार्य कैबिनेट सचिव का है।**
- **मुख्य सचिव राज्य कैडर में IAS संवर्ग का वरिष्ठतम अधिकारी होता है।** उसकी नियुक्ति में निम्न बातों का ध्यान दिया जाता है–वरीयता, सेवा अभिलेख, कार्य निष्पादन, योग्यता तथा कैबिनेट का विश्वास।
- मुख्य सचिव राज्य प्रशासन का प्रमुख होता है।
- **कार्यकारी विभाग (निदेशालय)**–राज्य प्रशासन में मंत्रिपरिषद् (राजनीतिक प्रमुख), सचिव-सचिवालय (प्रशासनिक प्रमुख) के बाद तीसरा अवयव **कार्यकारी विभाग (निदेशालय) होता है।** ऊपर के दोनों अवयव का संबंध **नीति निर्माण से** है जबकि कार्यकारी विभाग (निदेशालय) क्रियान्वयन के लिए प्राथमिक रूप से उत्तरदायी संस्था है।
- एक शासन सचिव के अन्दर कई विभाग होते हैं, जैसे-सचिव गृह के अन्तर्गत पुलिस विभाग, जेल विभाग, आन्तरिक सुरक्षा विभाग आदि।



Join @yct_hub For More Exclusive PDFs

Search @yct_hub to Join Channel

- **मण्डल, जिला, तहसील एवं ब्लाक प्रशासन**–राज्य के विभिन्न विभागों की कार्यात्मक इकाइयाँ नीचे तक फैली होती हैं और सबके अपने विभाजन स्तर होते हैं।
- सामान्य एवं राजस्व प्रशासन में विभागाध्यक्ष के बाद मण्डलायुक्त (मण्डल स्तर पर) होता है जो अपने मण्डल के शान्ति-व्यवस्था, राजस्व वसूली तथा अन्य कार्यों को देखता है।
- मण्डल के नीचे जिलाधिकारी के नेतृत्व में जिले होते हैं और जिले के नीचे तहसीलें होती हैं, जो कि SDM के नेतृत्व में कार्य करती हैं।
- विकास प्रशासन में सबसे नीचे ब्लाक, ब्लाक के ऊपर जिला और जिले के ऊपर राज्य स्तरीय विभाग होता है।
- इसी प्रकार पुलिस, शिक्षा, स्वास्थ्य, विद्युत आदि विभागों के अपने-अपने स्तर एवं पद सोपान हैं।
- **महाधिवक्ता**–संविधान के **अनुच्छेद 165 के** अनुसार राज्य में महाधिवक्ता की नियुक्ति राज्यपाल द्वारा (अवधि नियत नहीं) की जाती है और उसी के प्रसादपर्यन्त पद धारण करता है।
- इस पद पर नियुक्त होने के लिए आवश्यक है कि, वह भारत का नागरिक हो, **10 वर्ष से अधिक समय से** न्यायिक कार्य से जुड़ा हो या कम से कम 10 वर्ष से उच्च न्यायालय में अधिवक्ता रहा हो।
- महाधिवक्ता का यह कर्तव्य होगा कि वह राज्य सरकार को विधि सम्बंधी विषयों पर सलाह दे और विधिक स्वरूपर के ऐसे अन्य कर्तव्यों का पालन करे जो राज्यपाल समय-समय पर सौपें। महाधिवक्ता राज्य का प्रमुख विधि अधिकारी होता है।

## उत्तर प्रदेश : प्रशासनिक संरचना

उत्तर प्रदेश में कुल 18 मण्डल, 75 जिले, 350 तहसील, 4 आर्थिक संभाग, 915 नगरों एवं नगर समूह, 17 नगर निगम, 825 विकास खण्ड, 198 नगरपालिका परिषद, 439 नगर पंचायत, 8135 न्याय पंचायत तथा 59073 ग्राम पंचायतों की संख्या है।

| मण्डल | जिलों की संख्या | सम्बन्ध जिले |
|---|---|---|
| वाराणसी | 04 | वाराणसी, जौनपुर, गाजीपुर व चन्दौली |
| प्रयागराज | 04 | प्रयागराज, प्रतापगढ़, फतेहपुर, कौशाम्बी |
| चित्रकूट धाम (मुख्यालय-बांदा) | 04 | बांदा, चित्रकूट, हमीरपुर व महोबा |
| देवपाटन (मुख्यालय-गोंडा) | 04 | गोंडा, बहराइच, बलरामपुर व श्रावस्ती |
| बरेली | 04 | बरेली, बदायूं, शाहजहांपुर व पीलीभीत |
| अयोध्या | 05 | अयोध्या, सुल्तानपुर, बाराबंकी, अमेठी व अंबेडकर नगर |
| मुरादाबाद | 05 | मुरादाबाद, बिजनौर, रामपुर, अमरोहा व संभल |
| मिर्जापुर | 03 | मिर्जापुर, सोनभद्र व भदोही |
| आजमगढ़ | 03 | आजमगढ़, मऊ, बलिया |
| बस्ती | 03 | बस्ती, सिद्धार्थनगर व संत कबीरनगर |
| सहारनपुर | 03 | सहारनपुर, मुजफ्फरनगर व शामली |
| झाँसी | 03 | झांसी ललितपुर व जालौन |
| लखनऊ | 06 | लखनऊ, उन्नाव, रायबरेली, सीतापुर, हरदोई व लखीमपुर खीरी |
| कानपुर | 06 | कानपुर नगर, कानपुर देहात, इटावा, फर्रुखाबाद, कन्नौज व औरैया |
| मेरठ | 06 | मेरठ, गाजियाबाद, बुलंदशहर, गौतमबुद्ध नगर, बागपत व हापुड़ |
| आगरा | 04 | आगरा, मथुरा, फिरोजाबाद, मैनपुरी |
| गोरखपुर | 04 | गोरखपुर, देवरिया, कुशीनगर व महराजगंज |
| अलीगढ़ (नवीनतम) | 04 | अलीगढ़, कासगंज, हाथरस, एटा |

### नगर निगम 17

| | | | |
|---|---|---|---|
| 01. | गोरखपुर | 02. | वाराणसी |
| 03. | प्रयागराज | 04. | कानपुर |
| 05. | लखनऊ | 06. | फिरोजाबाद |
| 07. | अलीगढ़ | 08. | आगरा |
| 09. | मेरठ | 10. | बरेली |
| 11. | मुरादाबाद | 12. | गाजियाबाद |
| 13. | सहारनपुर | 14. | झांसी |
| 15. | अयोध्या (2017) | 16. | मथुरा-वृंदावन (2017) |
| 17. | शाहजहाँपुर (अप्रैल 2018 में घोषित) | | |

### मुख्यालय से भिन्न नाम वाले जिले

| जिले का नाम | – | मुख्यालय |
|---|---|---|
| संत कबीर नगर | – | खलीलाबाद |
| गौतमबुद्ध नगर | – | नोएडा |
| कौशाम्बी | – | मंझनपुर |



Join @yct_hub For More Exclusive PDFs

| | | |
|---|---|---|
| कुशीनगर | – | पडरौना |
| सिद्धार्थनगर | – | नवगढ़ |
| सोनभद्र | – | राबर्ट्सगंज |
| कानपुर देहात | – | अकबरपुर (माती) |
| अमेठी | – | गौरीगंज |
| जालौन | – | उरई |
| फर्रुखाबाद | – | फतेहगढ़ |
| अम्बेडकर नगर | – | अकबरपुर |
| सम्भल | – | बहजोई शहर |

## उत्तर प्रदेश पंचायती राज प्रणाली
## ( स्थानीय स्वशासन )

पंचायती राज व्यवस्था (उ.प्र.) में ग्राम पंचायत, क्षेत्र पंचायत और जिला पंचायत आते हैं। यह व्यवस्था आम ग्रामीण जनता की लोकतंत्र में प्रभावी भागीदारी का सशक्त माध्यम है। 73वें संविधान संशोधन द्वारा एक सुनियोजित पंचायती राज व्यवस्था स्थापित करने का मार्ग प्रशस्त किया गया। भारत के प्राचीनतम ग्रंथ ऋग्वेद में 'सभा' एवं समिति के रूप में लोकतांत्रिक स्वायत्तशासी संस्थाओं का उल्लेख मिलता है। राज्य में पहली बार पंचायत की स्थापना **15 अगस्त, 1949** ई. को हुई थी। 73वाँ संविधान संशोधन 1992 द्वारा प्रदेश में 24 अप्रैल, 1993 ई. को त्रिस्तरीय पंचायती राज व्यवस्था को संवैधानिक आधार प्रदान किया गया। 73वें संविधान संशोधन के अनुक्रम में प्रदेश सरकार द्वारा उत्तर प्रदेश पंचायत विधि (संशोधन) अधिनियम, 1994 पारित किया गया जो 22 अप्रैल, 1994 ई. से प्रदेश में प्रवृत्त हुआ। इसमें निम्नलिखित व्यवस्था सुनिश्चित की गई है–

1. पंचायतों का गठन और संरचना
2. अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति, पिछड़े वर्ग तथा महिलाओं के लिये आरक्षण
3. पंचायतों के कृत्य, शक्तियाँ और उत्तरदायित्व का विस्तार
4. पंचायतों का निश्चित कार्यकाल
5. राज्य निर्वाचन आयोग का गठन
6. राज्य वित्त आयोग की स्थापना

संविधान एवं राज्य के पंचायती राज अधिनियमों में किये गये प्रावधानों के अनुसार, प्रदेश में 23 अप्रैल, 1994 ई. को अधिसूचना के द्वारा राज्य निर्वाचन आयोग की स्थापना की गई है।

- भारतीय संविधान में अनु. 40 के तहत राज्यों को पंचायतों की स्थापना के लिये आवश्यक कदम उठाने का निर्देश दिया गया है।
- पंचायतों को अधिक सक्षम व सुदृढ़ बनाने के लिये भारतीय संविधान के 11वीं अनुसूची में विभिन्न कार्यों को पंचायतों को हस्तांतरित किया गया है। इस अनुसूची में कुल **29** विषय हैं।
- उत्तर प्रदेश में पंचायतों की त्रिस्तरीय व्यवस्था लागू है–ग्राम पंचायत, क्षेत्र पंचायत तथा जिला पंचायत तथा उत्तर प्रदेश में तीन प्रकार के नगर निकाय गठित किये जाते हैं–नगर पंचायत, नगर पालिका एवं नगर निगम।

### जिला पंचायत

- प्रदेश की पंचायती राज की त्रिस्तरीय व्यवस्था में सबसे शीर्ष पर जिला पंचायत होता है।
- जिला पंचायत प्रत्येक जिले में गठित होती है।
- जिला पंचायत सदस्यों का चुनाव क्षेत्र की वयस्क जनता द्वारा किया जाता है।
- जिला पंचायत के अध्यक्ष एवं उपाध्यक्ष का चुनाव चुने हुए सदस्यों द्वारा अपने सदस्यों के बीच से किया जाता है।
- जिला पंचायत का सचिव जिले का मुख्य विकास अधिकारी (CDO) या पंचायती राज अधिकारी होता है।
- जिला पंचायत अपने सदस्यों में से 6 प्रकार की समितियाँ बनाती हैं जो इस प्रकार हैं– (1) प्रशासनिक समिति, (2) नियोजन एवं विकास समिति, (3) शिक्षा समिति, (4) निर्माण कार्य समिति, (5) स्वास्थ्य एवं कल्याण समिति, (6) जल प्रबंधन समिति।

### क्षेत्र पंचायत

- त्रिस्तरीय व्यवस्था में द्वितीय स्तर पर क्षेत्र पंचायत होता है।
- प्रत्येक क्षेत्र पंचायत में एक प्रमुख तथा एक उप प्रमुख एवं सदस्य होते हैं।
- सदस्यों का चुनाव प्रत्यक्ष रूप से मतदाताओं द्वारा किया जाता है।
- प्रमुख तथा उप प्रमुख का चुनाव सदस्यों द्वारा अपने सदस्यों के बीच से किया जाता है।
- क्षेत्र पंचायत का सचिव खंड विकास अधिकारी (B.D.O) होता है।

### ग्राम पंचायत

- त्रिस्तरीय व्यवस्था में सबसे निचले स्तर पर ग्राम पंचायत होती है।
- ग्राम पंचायत का अध्यक्ष प्रधान होता है। जिसका चुनाव प्रत्यक्ष रूप से ग्राम सभा के 18 वर्ष या अधिक आयु के मतदाताओं द्वारा किया जाता है।
- ग्राम पंचायत का प्रधान चुने जाने हेतु न्यूनतम आयु सीमा **21 वर्ष** है।
- पंचायतों में मतदाता बनने के लिये न्यूनतम आयु सीमा 18 वर्ष है।
- ग्राम पंचायतों के सदस्यों की संख्या का निर्धारण जनसंख्या के आधार पर किया जाता है जो इस प्रकार है–
  - (i) 1000 तक जनसंख्या पर 9 सदस्य होंगे।
  - (ii) 1000 से अधिक किन्तु 2000 से कम जनसंख्या पर 11 सदस्य होंगे।
  - (iii) 2000 से अधिक किन्तु 3000 से कम जनसंख्या पर 13 सदस्य होंगे।
  - (iv) 3000 से अधिक जनसंख्या पर 15 सदस्य होंगे।
- कार्य सम्पादन हेतु ग्राम पंचायत की बैठक प्रत्येक माह में कम से कम एक बार होगी।
- किसी ग्राम पंचायत की प्रथम बैठक उस ग्राम पंचायत के गठन के 30 दिन के भीतर होना अनिवार्य है।



Join @yct_hub For More Exclusive PDFs

## ग्राम प्रधान को हटाने की प्रक्रिया

- ग्राम प्रधान को हटाने हेतु ग्राम पंचायत द्वारा एक विशेष बैठक बुलायी जाती है जिसकी 15 दिन पूर्व सूचना देनी अनिवार्य होती है।
- बैठक के लिए ग्राम सभा के कम से कम 1/3 सदस्यों का होना अनिवार्य है।
- इस बैठक में ग्राम सभा के उपस्थित और मतदान करने वाले सदस्यों के 2/3 बहुमत द्वारा प्रधान को हटाया जा सकता है।
- यदि बैठक में प्रधान को हटाने सम्बन्धी प्रस्ताव पास न हो सका तो ऐसा दूसरा प्रस्ताव इस बैठक के 1 वर्ष के बाद ही लाया जा सकता है।

## नगरीय स्थानीय शासन

- उत्तर प्रदेश में नगरीय स्वायत्त शासन वर्ष 1916 में शुरू किया गया।
- उत्तर प्रदेश में नगर निकाय तीन प्रकार से गठित किये जाते हैं नगर निगम, नगर पालिका परिषद् एवं नगर पंचायत।
- वर्ष 1992 में केन्द्र सरकार द्वारा 74वां संविधान संशोधन करके भारतीय संविधान में एक नया भाग 9(क) को जोड़ा गया। जिसके तहत अनुच्छेद 243P से अनुच्छेद 243 ZG के तहत नगर निकाय प्रणाली के लिये विशेष व्यवस्था की गयी।
- 74वें संविधान संशोधन के बाद राज्य सरकार द्वारा उत्तर प्रदेश स्थानीय स्वशासन कानून (संशोधन) अधिनियम, 1994 के नाम से एक कानून बनाया गया।
- नगरों के प्रकारों की घोषणा राज्यपाल करता है।
- नगर पालिका का प्रादेशिक क्षेत्र, राज्यपाल द्वारा अधिसूचित किया जाता है।

## नगर निगम

- नगर निगम में एक मेयर, एक उप मेयर व तीन प्रकार के सभासद होते हैं।
- मेयर का निर्वाचन प्रत्यक्ष रूप से वयस्क जनता द्वारा किया जाता है।
- यह 5 वर्ष के लिये चुना जाता है तथा पद धारण की तिथि से 2 वर्ष तक उसके खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव नहीं लाया जा सकता है।
- यदि दो वर्ष बाद अविश्वास प्रस्ताव लाया जाता है और वह पारित नहीं होता है तो फिर उस तिथि से पुनः 2 वर्षों तक अविश्वास प्रस्ताव नहीं लाया जा सकता है।
- सभासदों में तीन प्रकार के सभासद होते हैं-निर्वाचित, मनोनीत तथा पदेन।
- निर्वाचित सदस्य प्रत्येक वार्ड से एक-एक चुने जाते हैं जिनके लिये यह आवश्यक है कि उनका नाम निर्वाचक सूची में हो।
- सभासद बनने के लिये न्यूनतम उम्र 21 वर्ष है।
- नगर निगम में निर्वाचित सदस्यों की संख्या 60 से कम और 110 से अधिक नहीं हो सकती।
- पदेन सदस्यों के अन्तर्गत नगर क्षेत्र वाले लोक सभा एवं राज्य सभा सदस्य तथा विधान सभा एवं विधान परिषद् सदस्य आते हैं।
- नगर निगम के मनोनीत सदस्य (5 से 10 के बीच) राज्य सरकार द्वारा मनोनीत किये जाते हैं।
- नगर निगम का कार्यकाल 5 वर्ष का होता है लेकिन इससे पूर्व राज्य सरकार द्वारा विघटन किया जा सकता है।
- लेकिन विघटन की तिथि से 6 माह के भीतर चुनाव कराना आवश्यक है।

## नगर पालिका परिषद्

- इस परिषद् की रचना एक अध्यक्ष (प्रत्यक्ष निर्वाचन) एक उपाध्यक्ष व 3 प्रकार के सदस्यों से होती है।
- परिषद् में निर्वाचित सदस्यों की संख्या 25 से 55 है।

## नगर पंचायत

- नगर पंचायत में एक अध्यक्ष (प्रत्यक्ष निर्वाचित) एक उपाध्यक्ष (अप्रत्यक्ष निर्वाचित) और तीन प्रकार के सदस्य होते हैं।
- निर्वाचित सदस्यों की संख्या 10 से कम और 24 से अधिक नहीं हो सकती है।
- पंचायतों को धनराशि का वितरण राज्य वित्त आयोग राज्य वित्त आयोग की संस्तुतियों पर किया जाता है।

## राज्य वित्त आयोग

- राज्य का राज्यपाल प्रत्येक 5 वर्ष के बाद पंचायतों की वित्तीय स्थिति की समीक्षा के लिए राज्य वित्त आयोग का गठन करेगा।
- अनुच्छेद 243 (झ) के तहत राज्य वित्त आयोग के गठन करने की शक्ति राज्यपाल को दी गई है जो प्रति पांच वर्ष की समाप्ति पर करेगा।
- प्रथम राज्य वित्त आयोग **वर्ष 1994** में गठित हुआ था।
- पंचायतों को धनराशि का वितरण राज्य वित्त आयोग राज्य वित्त आयोग की संस्तुतियों पर किया जाता है।
- उत्तर प्रदेश के पंचम राज्य वित्त आयोग की सिफारिशों के अनुसार, पंचायती राज संस्थाओं के अंश से 15 प्रतिशत जिला पंचायत 15 प्रतिशत क्षेत्र पंचायत तथा 70 प्रतिशत ग्राम पंचायत को दिया जाएगा।

| राज्य वित्त आयोग | अध्यक्ष |
|---|---|
| प्रथम | श्री भाल चन्द्र शुक्ल |
| द्वितीय | श्री टी. एन. धर |
| तृतीय | सैयद अली ताहिर रिजवी |
| चतुर्थ | श्री अतुल कुमार गुप्ता |
| पंचम (वर्तमान) | श्री आनन्द मिश्रा |

**राज्य निर्वाचन आयोग**

- संविधान के अनुच्छेद 243 (ट से यक तक) के तहत राज्य निर्वाचन आयोग के गठन की शक्ति राज्यपाल को दी गई है।
- राज्य निर्वाचन आयोग को ग्राम पंचायत एवं नगर पंचायत के सभी निर्वाचनों हेतु निर्वाचक नामावली तैयार करने, निर्वाचनों का अधिक्षण, निदेशन और नियंत्रण करने की शक्ति प्रदान की गयी है।
- उत्तर प्रदेश राज्य निर्वाचन आयुक्त मनोज कुमार (वर्तमान में) है।



Join @yct_hub For More Exclusive PDFs

Search @yct_hub to Join Channel

## न्यायपालिका

- उत्तर प्रदेश के उच्च न्यायालय की मुख्यपीठ इलाहाबाद और खण्डपीठ लखनऊ है।
- उत्तर प्रदेश में उच्च न्यायालय की स्थापना वर्ष 1866 में आगरा में की गई थी। यह वर्ष 1869 में इलाहाबाद (प्रयागराज) स्थानांतरित किया गया।
- इलाहाबाद उच्च न्यायालय में न्यायाधीशों की स्वीकृति संख्या 160 हैं जो देश के अन्य किसी उच्च न्यायालय से अधिक है।
- उच्च न्यायालय के न्यायाधीशों की नियुक्ति **राष्ट्रपति द्वारा** की जाती है।
- उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश की नियुक्ति, राज्यपाल के परामर्श से एवं अन्य न्यायाधीशों की नियुक्ति हेतु उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश से भी परामर्श लिया जाता है।
- उत्तर प्रदेश में न्यायिक सेवा दो भागों में बंटी है–
  (i) उत्तर प्रदेश सिविल न्यायिक सेवा
  (ii) उत्तर प्रदेश उच्च न्यायिक सेवा
- उत्तर प्रदेश सिविल (न्यायिक) सर्विस के अन्तर्गत मुंसिफ मजिस्ट्रेट और लघुवाद न्यायाधीश आते हैं। जबकि उच्च न्यायिक सेवा के अन्तर्गत सिविल एवं सेशन जज आते हैं। जिन्हें वर्तमान में एडिशनल डिस्ट्रिक्ट सेशन जज कहते हैं।
- प्रदेश के जिलों में जिला तथा सत्र न्यायाधीश, अतिरिक्त जिला तथा सत्र न्यायाधीश, सिविल जज (सीनियर डिवीजन), लघुवाद न्यायाधीश और सिविल जज (जूनियर डिवीजन) के न्यायालय स्थापित हैं।
- जिले स्तर के सभी न्यायालयों पर उच्च न्यायालय का नियंत्रण रहता है।

## लोक-अदालत

- 42वें संविधान संशोधन द्वारा वर्ष 1976 में भारतीय संविधान में अनुच्छेद 39(क) जोड़कर समाज के कमजोर वर्गों हेतु समान न्याय एवं निःशुल्क विधिक सहायता का प्रावधान निहित किया गया।
- राज्य सरकार द्वारा वर्ष 1987 में ' उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण' अधिनियम 1987 पारित किया गया।
- इस अधिनियम के तहत राज्य स्तर पर उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जिला स्तर पर 'जिला विधिक सेवा प्राधिकरण' और तहसील स्तर पर तहसील विधिक सेवा प्राधिकरणों की स्थापना की गई।
- प्राधिकरण का गठन समाज के कमजोर वर्गो को मुफ्त एवं सक्षम कानूनी सेवाएं प्रदान करने हेतु लोक अदालतो का आयोजन करना सुनिश्चित किया गया।
- लोक अदालत का निर्णय अंतिम और विवाद के सभी पक्षों के लिए बाध्यकारी है।
- लोक अदालते किसी न्यायालय में लंबित मामले या अन्य विवाद, जो अभी न्यायालय के समक्ष नहीं लाए गए है, ऐसे विवादों को सौहार्द्धपूर्ण रूप से निर्णय करना है।
- लोक अदालत की स्थापना का विचार भारत के पूर्व मुख्य न्यायाधीश पी. एन. भगवती द्वारा प्रस्तुत किया गया।
- मध्यस्थों की सहायता से विवादों को निपटाने के लिए उच्च न्यायालय प्रयागराज और लखनऊ में दो मध्यस्थता केन्द्र भी स्थापित किये गये है।

## राजस्व परिषद्

- राजस्व के मामले में प्रधान न्यायालय की भूमिका **राजस्व परिषद्** (Board of Revenue) निभाती है जो **प्रयागराज** में स्थित है।
- राजस्व के मामले कलेक्टर या सहायक कलेक्टर द्वारा निर्णीत होते हैं।

## लोकायुक्त

- प्रशासनिक सुधार आयोग की संस्तुति पर में उत्तर प्रदेश लोक आयुक्त तथा उप लोक आयुक्त अधिनियम 1975 को अधिनियमित किया गया।
- इस अधिनियम के तहत **14 सितम्बर, 1977** ई. को राज्य का प्रथम लोकायुक्त न्यायमूर्ति **विश्वम्भर दयाल** को नियुक्त किया गया।
- लोकायुक्त की सहायता के लिए एक उपलोकायुक्त की भी नियुक्त की गयी।
- वर्तमान में लोकायुक्त तथा उप लोकायुक्त का कार्यकाल 8 वर्ष का है।
- इस पद पर सेवानिवृत्त न्यायाधीश की नियुक्त की जाती है।
- यह कार्यपालिका के प्रभाव से मुक्त तथा स्वतंत्र है।
- प्रदेश के वर्तमान लोकायुक्त न्यायमूर्ति संजय मिश्रा हैं।
- लोकायुक्त इस अधिनियम के तहत किसी व्यक्ति या नागरिक की शिकायत पर भ्रष्टाचार एवं कुप्रशासन से जुड़े मंत्री, राज्य सरकार की विधायिका तथा अधिकारियों/कर्मचारियों के विरूद्ध जांच कर सकता है।



Join @yct_hub For More Exclusive PDFs

| उत्तर प्रदेश के लोक आयुक्त | |
|---|---|
| **नाम** | **कार्यकाल** |
| ■ न्यायमूर्ति श्री विश्वम्भर दयाल | 14 सितम्बर, 1977 – 13 सितंबर 1982 ई. |
| ■ न्यायमूर्ति श्री मिर्जा मोहम्मद मुर्तजा हुसैन | 10 जनवरी, 1983 – 10 जनवरी, 1989 ई. |
| ■ न्यायमूर्ति श्री कैलाश नाथ गोयल | 28 जनवरी, 1989 – 28 जनवरी, 1995 ई. |
| ■ न्यायमूर्ति श्री राजेश्वर सिंह | 9 फरवरी 1995 – 13 जनवरी, 2000 ई. |
| ■ न्यायमूर्ति सुधीर चन्द्र वर्मा | 16 मार्च 2000 – 15 मार्च, 2006 ई. |
| ■ न्यायमूर्ति श्री एन. के. मेहरोत्रा | 16 मार्च 2006 – 30 जनवरी, 2016 ई. |
| ■ न्यायमूर्ति श्री संजय मिश्रा | 31 जनवरी, 2016–वर्तमान तक |

- **राज्य मानवाधिकार आयोग–** उत्तर प्रदेश में मानवाधिकारों के संरक्षण हेतु मानवाधिकार संरक्षण अधिनियम 1993 के तहत उत्तर प्रदेश राज्य मानवाधिकार आयोग का गठन **4 अप्रैल 1996** को किया गया। जब कि औपचारिक रूप से 7 अक्टूबर, 2002 को इसका गठन किया गया।
- उत्तर प्रदेश राज्य मानवाधिकार आयोग के प्रथम अध्यक्ष न्यायमूर्ति ए.पी. मिश्रा थे। जबकि आयोग के वर्तमान अध्यक्ष न्यायमूर्ति बालकृष्ण नारायण हैं।
- **राज्य सूचना आयोग–**सूचना का अधिकार अधिनियम 2005 के तहत राज्य सरकार द्वारा राज्य सूचना आयोग का गठन **14 सितम्बर, 2005** को किया गया।
- राज्य के प्रथम सूचना आयुक्त न्यायमूर्ति एम. ए. खान थे, जिनकी नियुक्ति 22 मार्च, 2006 को की गयी।
- वर्तमान में राज्य के मुख्य सूचना आयुक्त श्री भावेश कुमार सिंह हैं।
- राज्य सूचना आयुक्त को पुनर्नियुक्ति की पात्रता नहीं होती है।
- राज्य मुख्य सूचना आयुक्त तथा राज्य सूचना आयुक्त का कार्यकाल 5 वर्ष अथवा 65 वर्ष की आयु (जो भी पहले हो) तक होगा।
- **राज्य महिला आयोग–**उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग अधिनियम 2004 (संशोधित 2013) के अन्तर्गत 26 अप्रैल, 2013 को राज्य महिला आयोग का पुनर्गठन किया गया।
- 6 अगस्त, 2018 को **विमला बाथम** ने उ.प्र. राज्य महिला आयोग के अध्यक्ष का पदभार ग्रहण किया।

## कारागार प्रशासन एवं सुधार

- वर्तमान में राज्य में **5** केन्द्रीय कारागार कार्यरत हैं।

| केन्द्रीय कारागार | स्थापना वर्ष |
|---|---|
| बरेली | 1837 |
| आगरा | 1854 |
| फतेहगढ़ | 1868 |
| नैनी (प्रयागराज) | 1869 |
| वाराणसी | 1877 |

- उत्तर प्रदेश राज्य के तथा अन्य राज्यों के कारागार कर्मियों के प्रशिक्षण के लिये सम्पूर्णानंद कारागार प्रशिक्षण संस्था लखनऊ में है।
- कारागारों में निरुद्ध अच्छे व्यवहार करने वाले कैदियों को निरुद्ध किये जाने हेतु वर्ष 1949 में केन्द्रीय कारागार लखनऊ (स्थापना 1867) को आदर्श कारागार बनाया गया है।
- नारी बंदी निकेतन, लखनऊ के अलावा अलीगढ़ एवं अयोध्या में महिला कारागार स्थापित किए गए हैं।
- एक वर्ष से अधिक सजा अवधि एवं 18 से 23 वर्ष की आयु के सिद्धदोष अल्पवयस्क बंदियों को किशोर सदन बरेली में निरुद्ध किया जाता है।
- प्रशासनिक सुगमता की दृष्टि से प्रदेश को 9 कारागार परिक्षेत्रों– गोरखपुर, लखनऊ, प्रयागराज, बरेली, मेरठ, आगरा, कानपुर, अयोध्या, वाराणसी में विभाजित किया गया है।
- प्रदेश के सभी कारागारों में बंद निरक्षर कैदियों को साक्षर किये जाने के लिये **एक पढ़ाये एक** तथा **नया सवेरा** कार्यक्रम कारागारों में संचालित है।
- आतंकवादी हमलों से निपटने के लिये राज्य की राजधानी लखनऊ में एक कमांडो ट्रेनिंग सेन्टर बनाया जा रहा है।
- विधि विज्ञान प्रयोगशाला **लखनऊ** में स्थित है।

## आप्रवासी भारतीय प्रकोष्ठ

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा एक पृथक एन.आर.आई. विभाग का गठन किया गया है जो आप्रवासी भारतीयों की समस्याओं के निराकरण से संबंधित है। यह विभाग राज्य के विकास हेतु प्रवासी भारतीयों के ज्ञान, कौशल और वैश्विक पहुँच का लाभ उठाने के लिये कार्य करेगा। इस विभाग के निम्नलिखित उद्देश्य हैं–

- उत्तर प्रदेश मूल के आप्रवासी भारतीयों को उत्तर प्रदेश एन.आर.आई. कार्ड प्रदान करना।
- आप्रवासी भारतीयों द्वारा किये गये उल्लेखनीय कार्य के लिये उन्हें उत्तर प्रदेश एन.आर.आई. सम्मान प्रदान करना इत्यादि।
- ध्यातव्य है कि उत्तर प्रदेश–माइग्रेट रिसोर्स सेंटर (यू.पी.एम. आर.सी.) की स्थापना लखनऊ में की गई है।

## राजनैतिक पेंशन

- 6 अगस्त, 1975 ई. से पेंशन अनुदान हेतु पेंशन नियमावली प्रख्यापित की गई है।
- स्वतंत्रता संग्राम सेनानी कल्याण परिषद की स्थापना वर्ष 1973 में की गई। इसके पदेन अध्यक्ष राज्य के मुख्यमंत्री होते हैं तथा वर्ष 1976-77 में उत्तर प्रदेश स्वतंत्रता सेनानी कल्याण संस्थान की स्थापना लखनऊ में की गई।
- राज्य की राजधानी **लखनऊ** में एक सेवा सदन की स्थापना की गई है जो प्रदेश के वृद्ध एवं निराश्रित स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के लिये आवास एवं भोजन की व्यवस्था सुलभ कराती है।



Join @yct_hub For More Exclusive PDFs

# EXAM CAPSULE

| | |
|---|---|
| ■ उत्तर प्रदेश अग्निशमन सेवा वर्तमान में किसके अधीन कार्य करती है– **उत्तर प्रदेश पुलिस** | **UP Police Asst.Operator 04/02/2024 Shift-I** |
| ■ उत्तर प्रदेश के विधान सभा में कितने सदस्य हैं– **403 निर्वाचित होते हैं और 1 को नामित किया जाता है** | **Allahabad High Court RO 10--01-2020** |
| ■ स्वतंत्र भारत में उत्तर प्रदेश के पहले पुलिस महानिरीक्षक कौन थे, जिसे तत्समय उत्तर पश्चिम प्रांत और अवध के नाम से जाना जाता था– **बी.एन. लाहिड़ी** | **UP Police Asst.Operator 02/02/2024 Shift-II** |
| ■ उत्तर प्रदेश राजस्व संहिता, 2006 के अनुसार राज्य सरकार प्रत्येक जिले में कितने ''कलेक्टर'' (इसमें सहायक या अतिरिक्त कलेक्टर शामिल नहीं हैं) नियुक्त करेंगी– **एक** | **UP Police Const. (M/F) 17-02-2024 Shift-II (Cancelled)** |
| ■ वर्तमान में इलाहाबाद उच्च न्यायालय में न्यायाधीशों की स्वीकृत संख्या कितनी है– **160** | **UP Police Const. (M/F) 17-02-2024 Shift-II (Cancelled)** |
| ■ उत्तर प्रदेश पुलिस की टैगलाइन है– **सुरक्षा आपकी, संकल्प हमारा** | **UP Police Const. (M/F) 17-02-2024 Shift-II (Cancelled)** |
| ■ यूपीएसएसएफ (UPSSF) का पूरा है– **उत्तर प्रदेश स्पेशल सिक्योरिटी फोर्स** | **UP Police Const. (M/F) 17-02-2024 Shift-I (Cancelled)** |
| ■ राज्य सभा के लिए उत्तर प्रदेश को 31 आवंटित सीटें हैं– **31** | **UPPCS (Pre) 2023** |
| ■ लोकसभा में उत्तर प्रदेश से निर्वाचित होते हैं– **80 सदस्य** | **UPPCS (Pre) 2023** |
| ■ उत्तर प्रदेश में, ऑनलाइन वित्तीय धोखाधड़ी रिपोर्ट करने हेतु व्यक्तियों के लिए साइबर क्राइम हेल्पलाइन नंबर पर शिकायत करने की समय सीमा क्या है– **24 घंटे के भीतर** | **UP Police Contable (M/F) 18/02/2024 Shift-II (Cancelled)** |
| ■ उत्तर प्रदेश में, साइबर अपराध मुख्यालय स्थित है– **लखनऊ** | **UP Police Contable (M/F) 18/02/2024 Shift-I (Cancelled)** |
| ■ उत्तर प्रदेश में वूमेन पावर लाइन (डब्ल्यूपीएल) के लिए संपर्क नंबर है– **1090** | **UP Police Contable (M/F) 18/02/2024 Shift-I (Cancelled)** |
| ■ उत्तर प्रदेश का एक प्रमुख कार्यक्रम कौन-सा है, जिसका उद्देश्य सभी वर्गों की महिलाओं के लिए विभिन्न बुनियादी सुविधाओं के माध्यम से महिला सशक्तिकरण, सुरक्षा और स्वायत्तता प्रदान करना है– **मिशन शक्ति** | **UP Police Asst. Operator 08/02/2024 Shift-I**<br>**UP Police Const. (M/F) 17-02-2024 Shift-II (Cancelled)** |
| ■ निवेश मित्र मोबाइल एप्लिकेशन भारत के किस राज्य की एक पहल है– **उत्तर प्रदेश** | **UP Police Const. (M/F) 17-02-2024 Shift-I (Cancelled)** |
| ■ उत्तर प्रदेश विधानसभा के प्रथम अध्यक्ष कौन थे– **राजर्षि पुरुषोत्तमदास टंडन** | **Allahabad High Court CA/RGC 18-12-2021 Shift-II** |
| ■ उत्तर प्रदेश के पहले मुख्यमंत्री कौन थे– **श्री गोविंद वल्लभ पंत** | **Allahabad High Court CA/RGC 21-12-2021 Shift-I**<br>**Allahabad High Court RO 11--12-2021 Shift-II** |
| ■ किस राज्य में 2014 लोक सभा में सर्वाधिक सीटें थीं– **उत्तर प्रदेश** | **Allahabad High Court ARO 24-02-2019** |



Join @yct_hub For More Exclusive PDFs

| | |
|---|---|
| ■ उत्तर प्रदेश विधान सभा में कितने सदस्य हैं– **404** | **Allahabad High Court ARO 14-12-2021 Shift-I** |
| ■ उत्तर प्रदेश में लोकसभा निर्वाचन क्षेत्रों की कुल संख्या है– **80** | **Allahabad High Court ARO 15-12-2021 Shift-II** |
| ■ उत्तर प्रदेश में पंचायती राज्य संस्थाओं में महिलाओं के लिए आरक्षित सीटों की संख्या है– **कुल सीटों का एक-तिहाई** | **Allahabad High Court ARO 16-12-2021 Shift-I** |
| ■ उत्तर प्रदेश राज्य लोक सेवा आयोग के व्यय को किस पर भारित करता है– **भारत की संचित निधि** | **Allahabad High Court ARO 16-12-2021 Shift-I** |
| ■ राज्य सभा में उत्तर प्रदेश की कितनी सीटें है– **31** | **Allahabad High Court ARO 18-12-2021 Shift-I** |
| ■ सबसे कम समय के लिए उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री के पद पर कौन नियुक्त हुआ था– **चन्द्रभानु गुप्ता** | **Allahabad High Court ARO 18-12-2021 Shift-I** |
| ■ उत्तर प्रदेश (2021) का वर्तमान लोकायुक्त कौन है– **संजय मिश्रा** | **Allahabad High Court ARO 18-12-2021 Shift-I** |
| ■ उत्तर प्रदेश का प्रथम लोकायुक्त कौन था– **विशम्भर दयाल** | **Allahabad High Court ARO 20-12-2021 Shift-II** |
| ■ उत्तर प्रदेश में उच्च न्यायालय ने कैसे कार्य निर्धारित किए हैं– **उच्च न्यायालय इलाहाबाद में और उसका न्यायपीठ लखनऊ में है** | **Allahabad High Court RO 10--01-2020** |
| ■ जिला पंचायत के अध्यक्ष और उपाध्यक्ष का चुनाव कैसे होता है– **गुप्त मतदान द्वारा** | **Allahabad High Court RO 11--12-2021 Shift-II** |
| ■ उत्तर प्रदेश वित्त निगम का मुख्यालय कहाँ स्थित है– **कानपुर** | **UPPSC ACF/RFO (Mains) Ist 2018** |
| ■ उत्तर प्रदेश में मूल्य वर्धित कर (वैट) लागू हुआ– **1 जनवरी, 2008 से** | **UPPCS (Mains) G.S. I$^{st}$ 2009** |
| ■ उत्तर प्रदेश में मान्यता प्राप्त स्टॉक एक्सचेन्ज है– **कानपुर में** | **UPPCS (Pre) GS, 2010** |
| ■ उत्तर प्रदेश में लघु एवं मध्यम उपक्रमों को, जिसके द्वारा दीर्घकालीन ऋण उपलब्ध कराया जाता है, वह है- **उ.प्र. वित्तीय निगम** | **UPPCS Spl, (Pre) G.S. 2008** |
| ■ राष्ट्रीय चैम्बर ऑफ उद्योग एवं वाणिज्य, उ.प्र. स्थित है- **आगरा में** | **UPPCS (Mains) GS I$^{st}$ 2017** |
| ■ उत्तर प्रदेश के व्यापार कर क्षेत्रों में किसका राजस्व संग्रह में उच्चतम स्थान है– **लखनऊ** | **UPPCS (Pre.) G.S. 2002 UP Lower (Pre.) Spl, G.S. 2002** |
| ■ 'नोएडा' उत्तर प्रदेश के किस जिले में अवस्थित है– **गौतमबुद्ध नगर** | **UPPSC RO/ARO (PRE), 2017** |
| ■ उत्तर प्रदेश के लोकायुक्त किसे अपना त्यागपत्र संबोधित करेंगे– **उत्तर प्रदेश के राज्यपाल को** | **UP APO-2015** |
| ■ पी.ए.सी. विद्रोह के समय उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री थे– **कमलापति त्रिपाठी** | **UPPCS (J) 2003** |
| ■ यूनाइटेड प्रॉविस कब उत्तर प्रदेश बना– **1950** | **UPPSC Health Inspector 2013** |
| ■ उत्तर प्रदेश में विधान परिषद् वित्त विधेयक को कितने दिन विलम्बित कर सकती है– **14 दिन तक** | **UPPSC GIC Lecturer 2021** |
| ■ पश्चिमी उत्तर प्रदेश में कौन सा एक ऐसा समुदाय है जिसमें 'खाप पंचायत व्यवस्था' एक परम्परागत सामाजिक संगठन के रूप में पायी जाती है– **जाट** | **UPPCS (Mains) GS I$^{st}$ 2017** |
| ■ उत्तर प्रदेश किस क्षेत्रीय परिषद का सदस्य है– **मध्य क्षेत्रीय परिषद** | **UPPSC ACF/RFO Mains IInd Paper 2019** |



Join @yct_hub For More Exclusive PDFs

| | |
|---|---|
| ■ उ.प्र. के नगरों मे महापौर का निर्वाचन होता है– **सीधे नगर के निर्वाचकों द्वारा** | **UPPSC Health Inspector 2013** |
| ■ मुख्य मैट्रोपोलिटन मेजिस्ट्रेट है– **कानपुर** | **UPPSC Health Inspector 2013** |
| ■ उत्तर प्रदेश में कुटुम्ब न्यायालय किस विषय-संबंधित सुनवाई नहीं करता है– **इतर- वैवाहिक मामले** | **UPPSC Health Inspector 2013** |
| ■ अब तक उत्तर प्रदेश में कितनी महिलाएँ मुख्यमंत्री के पद पर रहीं– **2** | **UPPCS (Mains) GS I$^{st}$ 2015** |
| ■ गौतम बुद्ध नगर जिले का मुख्यालय है– **ग्रेटर नोएडा में** | **UPPCS (Mains) GS,I$^{st}$ 2015** |
| ■ उत्तर प्रदेश का 71वाँ जनपद है– **कांशीराम नगर** | **UPPCS (Mains) G.S. I$^{st}$ 2008** |
| ■ भारत में किस राज्य का लोकसभा व राज्यसभा में प्रतिनिधित्व सर्वाधिक है– **उत्तर प्रदेश** | **UPPCS (Mains) I$^{st}$ GS, 2012 UPPSC BEO Exam 2006-I** |
| ■ उत्तर प्रदेश के किस जिले में देश के प्रथम पुलिस संग्रहालय की स्थापना की गई– **गाजियाबाद** | **UP UDA/LDA (Pre) G.S., 2006** |
| ■ उत्तर प्रदेश के चौथे राज्य वित्त आयोग का अध्यक्ष था– **अतुल गुप्ता** | **UPPCS (Pre.) 2015** |
| ■ उत्तर प्रदेश के प्रथम राज्यपाल थे– **सरोजनी नायडू** | **अमीन परीक्षा 14.08.2016 (Paper-I) UPSI 15.11.2021 (Shift-II)** |
| ■ उत्तर प्रदेश के लोकायुक्त की पदधारण अवधि है– **8 वर्ष** | **UPPSC RO/ARO (PRE), 2017** |
| ■ उत्तर प्रदेश में लोक आयुक्त की नियुक्ति की जाती है– **राज्यपाल द्वारा** | **UPPSC Health Inspector 2013** |
| ■ उत्तर प्रदेश में उर्दू को द्वितीय राजभाषा घोषित किया गया– **1989 में** | **UPPCS (Mains) GS I$^{st}$ 2013 UPPCS Spl, (Pre) G.S. 2008 ग्राम विकास अधिकारी 05.06.2016 UPP Constable, 2009** |
| ■ उत्तर प्रदेश में विधान मंडल के दो सदन किस वर्ष में अस्तित्व में आए– **1937** | **UPPSC ACF/RFO Mains 2020 (Paper-Ist)B** |
| ■ संयुक्त प्रांत से उत्तर प्रदेश के रूप में नाम बदलने के बाद उत्तर प्रदेश का पहला राज्यपाल कौन था– **होर्मासजी फिरोजशाह मोदी** | **Lower Exam – 30-09-2019 (Shift-I)** |
| ■ उत्तर प्रदेश की प्रथम महिला मुख्यमंत्री कौन थी– **सुचेता कृपलानी** | **UP Lower (Pre) Spl. G.S. 2004 चकबन्दी लेखपाल - 08-11-2015 (Evening)** |
| ■ किसने उत्तर प्रदेश राज्य के राज्यपाल का पदभार कभी नहीं संभाला– **श्री चन्द्र भानु गुप्ता** | **ग्राम विकास अधिकारी - 05-06-2016** |
| ■ उत्तर प्रदेश राज्य में किस लोकायुक्त का कार्यकाल सर्वाधिक रहा है– **न्यायमूर्ति एन.के. मेहरोत्रा** | **ग्राम विकास अधिकारी - 05-06-2016** |
| ■ राम नाईक ने वर्ष ..... में उत्तर प्रदेश के राज्यपाल के रूप में शपथ ली– **2014** | **विधान भवन रक्षक - 02-12-2018 (shift- II)** |
| ■ कौन-सी भाषा उत्तर प्रदेश की दो राजभाषाओं में से एक है– **उर्दू** | **कनिष्ठ सहायक - 31-05-2019** |
| ■ यूनाइटेड प्रॉविंस कब उत्तर प्रदेश बना– **1950** | **अमीन परीक्षा- 14-08-2016 (Paper-I)** |
| ■ किस शहर को अभी तक ''राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र'' में सम्मिलित नहीं किया गया है– **अलीगढ़** | **ग्राम पंचायत अधिकारी- 21-02-2016** |



Join @yct_hub For More Exclusive PDFs

| | |
|---|---|
| ■ स्वतंत्र भारत में उत्तर प्रदेश के प्रथम विधानसभा अध्यक्ष कौन थे– **पुरूषोत्तम दास टण्डन** | **ग्राम पंचायत अधिकारी- 21-02-2016** |
| ■ उत्तर प्रदेश का प्रथम लोकायुक्त कौन था– **विशंभर दयाल** | **UPPCS (Mains) GS- I$^{st}$, 2015**<br>**गन्ना पर्यवेक्षक - 03-07-2016 (Paper-I)** |
| ■ उत्तर प्रदेश लोक सेवा न्यायाधिकरण किस वर्ष स्थापित हुआ था– **1976** | **विधान भवन रक्षक - 02-12-2018 (shift- II)** |
| ■ उत्तर प्रदेश के कौन-से मुख्यमंत्री गोरखपुर मठ के अध्यक्ष भी हैं/थे– **योगी आदित्यनाथ** | **विधान भवन रक्षक - 02-12-2018 (shift- II)** |
| ■ उत्तर प्रदेश के किस जिले में वर्ष 2018 के लिए प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) सबसे अधिक था– **गौतम बुद्ध नगर** | **[UPSSSC Junior Assistant 04/01/2020 Shift-II]** |
| ■ वर्ष 2018 में राज्य का दौरा करने वाले घरेलू पर्यटकों के मामले में उत्तर प्रदेश _____ स्थान पर है– **दूसरे** | **[UPSSSC Junior Assistant 04/01/2020 Shift-II]** |
| ■ उत्तर प्रदेश में निवेश और व्यापार को बढ़ावा देने के लिए नई उत्तर प्रदेश सिविल ..... संवर्धन नीति 2017 पेश की गई है। नीति राज्य में पर्यटन को भी बढ़ावा देगी– **विमानन** | **व्यायाम प्रशिक्षक - 16-09-2018 (Shift-I)** |
| ■ उत्तर प्रदेश में योगी आदित्यनाथ सरकार ने केन्द्रीय मानव संसाधन विकास मंत्रालय के साथ मिलकर उत्तर प्रदेश में ''..... सुधार के लिए महत्वपूर्ण ढाँचा'' विकसित करने का कदम उठाया है– **विद्यालय शिक्षा** | **व्यायाम प्रशिक्षक - 16-09-2018 (Shift-I)** |
| ■ उत्तर प्रदेश राज्य की 'महिला हेल्पलाइन' की सुविधा किस फोन नम्बर पर शुरु की गई है– **1090** | **परिचालक - 23-08-2015** |
| ■ उत्तर प्रदेश ग्राम आबादी अधिनियम किस वर्ष में पारित किया गया था– **1947** | **UPSI 15.11.2021 Shift-I** |
| ■ उत्तर प्रदेश की प्रथम महिला राज्यपाल श्रीमती सरोजिनी नायडू ने किस अवधि के दौरान कार्यभार संभाला था– **1947-1949** | **UPSI 14.11.2021 Shift-II** |
| ■ डॉक्टर बी.आर. अम्बेडकर पुलिस अकादमी उत्तर प्रदेश में कहां है– **मुरादाबाद** | **UPP Constable (Pre), 2013** |
| ■ 'संयुक्त प्रांत' का नाम उत्तर प्रदेश में बदलने के बाद, इसके प्रथम राज्यपाल कौन थे– **सर होरमसजी फिरोजशाह मोदी** | **UPSI 12.11.2021 Shift-III** |
| ■ उत्तर प्रदेश के वर्तमान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ .....संप्रदाय से संबंधित है– **नाथ** | **UPP Constable, 26.10.218 (Shift-1)** |
| ■ किस जिले को राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) के 23वें जिले के रूप में शामिल किया गया है– **शामली** | **UPP Constable, 19.06.2018 (Shift-1)** |
| ■ उत्तर प्रदेश में किस वर्ष सभी सरकारी कार्यों के लिए हिंदी का प्रयोग करना कानूनी तौर पर अनिवार्य कर दिया गया था– **1968** | **UPP Constable, 19.06.2018 (Shift-2)** |
| ■ उत्तर प्रदेश के लोकायुक्त (भ्रष्टाचार विरोधी प्राधिकरण) का पद ..... में सृजित किया गया– **1975** | **UPP Constable, 18.06.2018 (Shift-2)** |
| ■ उत्तर प्रदेश के वर्तमान राज्यपाल हैं– **आनंदी बेन पटेल** | **UPP Constable (Pre), 2013** |
| ■ उत्तर प्रदेश में कितने प्रशासकीय मण्डल है– **18** | **U.P.S.I. Mritak Ashrit, 2016** |
| ■ उत्तर प्रदेश में आयकर आयुक्त का पद सेवा में किसके बराबर है– **संभागीय आयुक्त या सचिव** | **UPP Com. Operator. 19-05-2016 (Shift-I)** |
| ■ उत्तर प्रदेश में पुलिस रेजों की संख्या कितनी है जिसमें प्रत्येक में 2-4 जिले शामिल हैं– **18** | **UPP Com. Operator. 19-05-2016 (Shift-I)** |



Join @yct_hub For More Exclusive PDFs

| | |
|---|---|
| ■ उत्तर प्रदेश में आयकर विभाग के अपर आयुक्त का पद पुलिस सेवा में_____के समान होता है– **IG** | **UPP Com. Operator. 19-05-2016 (Shift-II)** |
| ■ उत्तर प्रदेश सरकार का संवैधानिक प्रमुख कौन होता है– **राज्यपाल** | **UPP Com. Operator. 19-05-2016 (Shift-II)** |
| ■ भू-राजस्व के मुख्य स्रोत क्या हैं– **कृषि भूमि कर, जल कर एवं गैर-कृषि भूमि का मूल्यांकन** | **UPSI 20.11.2021 Shift-III** |
| ■ 'संयुक्त प्रांत राजस्व अधिकारी विनियमन' किस वर्ष में पारित किया गया था– **1803** | **UPSI 12.11.2021 Shift-I** |
| ■ शून्य शुल्क पर चीनी के आयात की अनुमति किस लाइसेंस/नीति के तहत दी जाती है– **निर्यात और आयात लाइसेंस** | **UPSI Batch-3, 14 Dec 2017** |
| ■ प्रशासनिक सुविधा के लिए उत्तर प्रदेश में कितने मंडल हैं– **18** | **UPSI 22.11.2021 Shift-I** |
| ■ स्वतंत्रता के बाद उत्तर प्रदेश के पहले मुख्यमंत्री कौन थे– **पंडित गोविंद बल्लभ पंत** | **UPSI 21.11.2021 Shift-II** |
| ■ भारत सरकार अधिनियम, 1919 के तहत उत्तर प्रदेश राज्य सचिवालय द्वारा 1921 में कितने नए सचिव नियुक्त किए गए थे– **छः** | **UPSI 22.11.2021 Shift-II** |
| ■ उत्तर प्रदेश राजस्व कोड किस वर्ष में स्थापित किया गया था– **2006** | **UPSI 13.11.2021 Shift-II** |
| ■ प्रशासनिक सुविधा के लिए उत्तर प्रदेश में कितने विकास खंड हैं– **822** | **UPSI 22.11.2021 Shift-III** |
| ■ कानूनी सूक्ति ''नेसेसिटास पब्लिका मेजर एस्ट काम प्राइवेटा'' का अर्थ..... **सार्वजनिक आवश्यकता, निजी आवश्यकता से अधिक महत्वपूर्ण है** | **UPSI 13.11.2021 Shift-I** |
| ■ पुलिस द्वारा तैयार किए जाने वाले लिखित दस्तावेज एफ.आई.आर. (FIR) का पूर्ण रूप क्या है– **फर्स्ट इनफार्मेशन रिपोर्ट** | **UPSI 20.11.2021 Shift-III** |
| ■ .....तालुका स्तर पर उसके साथ पंजीकृत प्रत्येक दत्सावेज की प्रतियों को रखता है– **उप-पंजीयक** | **UPSI 14.11.2021 Shift-II** |
| ■ 'अखिल भारतीय सेवाओं के जनक' के रूप में किसे जाना जाता है– **सरदार वल्लभभाई पटेल** | **UPSI 12.11.2021 Shift-III** |
| ■ उत्तर प्रदेश पुलिस का मुख्यालय कहाँ स्थित है– **प्रयागराज** | |
| ■ यूपी पुलिस विभाग की चयन प्रक्रिया का एक चरण नहीं है– **भाषा परीक्षण** | **(UPP Constable 28.01.2019)** |
| ■ उत्तर प्रदेश पुलिस के चिन्ह में कौन से जानवर का चित्र है– **मछली** | **(UPP Constable 27.01.2019 Shift-I)** |
| ■ उत्तर प्रदेश पुलिस के अधिकारिक ध्वज में दो रंग होते है, लाल और ..... **नीला** | **(UPP Constable 27.01.2019 Shift-I)** |
| ■ उत्तर प्रदेश में पुलिस उपाधीक्षक की भर्ती हेतु परीक्षा व साक्षात्कार किसके द्वारा किया जाता है– **उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग** | **UPSI (Ranker), 2011** |
| ■ उत्तर प्रदेश रेलवे पुलिस में कुल कितने अनुभाग हैं– **6** | **UPSI (Ranker), 2011** |
| ■ उप निरीक्षक ना.पु. का नियुक्ति अधिकारी अब कौन है– **पुलिस उपमहानिरीक्षक परिक्षेत्र** | **UPSI (Ranker), 2011** |
| ■ उत्तर प्रदेश आर्म्ड कॉंस्टेबुलेरी ऐक्ट किस वर्ष पारित किया गया– **1948** | **UPSI (Ranker), 2011** |
| ■ जी.डी. तथा सी.डी. के प्रत्येक पृष्ठ पर किसके कार्यालय की मुहर लगी होती है– **पुलिस अधीक्षक** | **UPSI (Ranker), 2011** |
| ■ सभी रकमों को, जो प्राप्त या वितरित की गई हो, थानों पर किस पुलिस प्रपत्र में दर्ज किया जायेगा– **पुलिस प्रपत्र 214** | **UPSI (Ranker), 2011** |
| ■ अराजपत्रित श्रेणी के पुलिस कर्मी किसके द्वारा अनुमोदित सामग्रियों, रंगों, बनावट तथा किस्म की वर्दी पहनेंगे– **पुलिस महानिदेशक** | **UPSI (Ranker), 2011** |



Join @yct_hub For More Exclusive PDFs

# 18 उत्तर प्रदेश : महत्वपूर्ण योजनाएँ

## प्रदेश की जनकल्याणकारी योजनाएँ (एक दृष्टि में)

- मुख्यमंत्री फेलोशिप कार्यक्रम (उ.प्र. एस्पिरेशनल सिटी योजना) : – **4 दिसंबर, 2023**
- मिशन महिला सारथी का शुभारंभ : – **22 अक्टूबर, 2023**
- नशामुक्त प्रदेश, सशक्त प्रदेश (अभियान): – **12 अगस्त, 2023**
- मुख्यमंत्री सक्षम सुपोषण योजना (6 माह से 6 वर्ष के कुपोषित बच्चों व 11-14 वर्ष एनीमिया ग्रस्त किशोरियों हेतु) : – **2021-22 से**
- मुख्यमंत्री जन आरोग्य योजना (पीएम जनआरोग्य योजना से वंचित लोगों को 5 लाख तक के इलाज हेतु) : – **अप्रैल 2022 से**
- मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना (कम-से-कम 10 जोड़ों का एक साथ, प्रति जोड़ा 51 हजार रु.) : **अक्टूबर 2017 से**
- यू.पी. विवाह अनुदान योजना (सभी वर्ग की गरीबी बेटियों हेतु 51 हजार रु.) : – **अक्टूबर 2017 से**
- मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना : – **2017 से**
- मुख्यमंत्री हस्तशिल्प पेंशन योजना (महिला 55 व पुरुष 60 वर्ष से अधिक, 500 रु. प्रति माह) : – **दिसंबर, 2017 से**
- किसान उदय योजना (आधुनिक उपकरण उपलब्ध कराना) : – **दिसंबर, 2017 से**
- किसान पाठशाला योजना (किसानों को प्रशिक्षित करने हेतु) : – **दिसंबर, 2017 से**
- शबरी संकल्प पोषण योजना (महिलाओं व बच्चों को कुपोषण) : – **2 अक्टूबर, 2017 से**
- मुख्यमंत्री समग्र ग्राम विकास योजना (सीमावर्ती उपेक्षित गाँवों हेतु): – **24 जनवरी, 2018 से**
- मुख्यमंत्री ग्रामीण आवास योजना चल रही है : – **फरवरी, 2018 से**
- मुख्यमंत्री पेंशन योजना (समाजवादी पेंशन योजना की जगह) : – **1 अप्रैल, 2018 से**
- उ.प्र. वृद्ध पेंशन योजना (60 वर्ष या ऊपर के, जिन्हें कोई पेंशन न मिलता हो) : – **अगस्त, 2018 से**
- आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना (प्रतिवर्ष प्रत्येक परिवार 5 लाख रु. तक का इलाज, केंद्र व राज्य की संयुक्त) : – **23 सितंबर, 2018 से**
- मुख्यमंत्री सुमंगला योजना (बच्ची के जन्म से बारहवीं कक्षा तक 6 चरणों में 25 हजार रु.) : – **25 अक्टूबर, 2019 से**
- पंचायत मित्र योजना (पंचायतों के प्रशासनिक लेखा कार्य हेतु) : – **2 फरवरी, 2006 से**
- उ.प्र. कौशल विकास मिशन (14-35 वर्ष को रोजगारपरक प्रशिक्षण) : – **21 दिसंबर, 2014 से**
- राज्य पोषण मिशन (कुपोषित बच्चों को कुपोषण से बचाना) : – **1 नवंबर, 2014 से**
- राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम-2013 प्रदेश में लागू हुआ : – **1 मार्च, 2016 से**
- केंद्र-राज्य के सहयोग से 10 शहरों में स्मार्ट सिटी मिशन संचालित है : – **लखनऊ, कानपुर, प्रयागराज, मुरादाबाद, वाराणसी, आगरा, सहारनपुर, बरेली, झाँसी व अलीगढ़**
- राज्य द्वारा अपने संसाधनों से 2019 से 7 शहरों में राज्य स्मार्ट सिटी योजना संचालित है : – **गोरखपुर, शाहजहाँपुर, अयोध्या, मथुरा, गाजियाबाद, फिरोजाबाद व मेरठ**
- एक जिला एक उत्पाद योजना (ODOP) (सूक्ष्म, मध्यम व लघु उद्योगों तथा स्वरोजगार बढ़ाने हेतु) : – **24 जनवरी, 2018 से**
- विधायक निधि योजना (5 करोड़ रु. वार्षिक) : – **1998 से**
- पिछड़ा क्षेत्र अनुदान निधि योजना (केंद्र द्वारा 35 जिलों में) : – **2007-08 से**
- पूर्वांचल विकास निधि योजना : – **1990-91 से**
- बुंदेलखंड विकास निधि योजना : – **1998-99 से**
- सीमावर्ती क्षेत्र विकास निधि योजना : – **1998-99 से**
- बी.एल.एस. एम्बुलेंस सेवा 108 (रोगी को शीघ्र चिकित्सालय पहुँचाने हेतु) : – **14 सितंबर, 2012 से**
- ए.एल.एस. एम्बुलेंस सेवा 108 (गंभीर रोगियों के त्वरित उपचार हेतु) : – **13 अप्रैल, 2017 से**
- वूमेन पॉवर लाइन-1090 सेवा : – **15 नवंबर, 2012 से**
- सार्वजनिक वितरण प्रणाली को सुगम व पारदर्शी बनाने हेतु ई-पास मशीन व्यवस्था : – **8 दिसम्बर, 2016 से**
- यूपी-100 सेवा : – **19 नवंबर, 2016 से**
- यूपी-112 सेवा (100, 102, 108 सेवा का सम्मिलित रूप) : – **26 अक्टूबर, 2019 से )**
- मुख्यमंत्री हेल्पलाइन-1076 सेवा : – **13 फरवरी, 2018 से**
- संपूर्ण समाधान दिवस (पूर्व नाम तहसील दिवस) : – **महीने का प्रथम व तृतीय शनिवार**



Join @yct_hub For More Exclusive PDFs

## शादी अनुदान योजना

उत्तर प्रदेश सरकार ने गरीब लोगों की बेटियों की शादी के अनुदान योजना चलायी है। जिसके अन्तर्गत शादी की जाने वाली लड़की के लिए 20000 हजार रुपये को आर्थिक सहायता सरकार द्वारा दी जाएगी।

**शादी अनुदान योजना के लिए पात्रता**

- आवेदक उत्तर प्रदेश का निवासी होना चाहिए। आवेदक की परिवार की वार्षिक आय ग्रामीण क्षेत्र में 46080 रुपये और शहरी क्षेत्रों में 56460 रुपये प्रति वर्ष से कम होनी चाहिए। अनुसूचित जाति, जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग, अल्पसंख्यक के साथ-साथ गरीबी रेखा से नीचे (बी.पी.एल.) के सभी सामान्य वर्ग के व्यक्ति इस योजना के पात्र है।
- विवाह के आवेदन में पुत्री की आयु विवाह के समय 18 वर्ष से अधिक होनी चाहिए और लड़के की आयु नियमानुसार 21 वर्ष होनी चाहिए।
- विवाह अनुदान एक परिवार से अधिकतम 2 पुत्रियों पर लागू होगा।

**शादी अनुदान के लाभ**

- आर्थिक रुप से कमजोर वर्गों की बेटियों की शादी आर्थिक अभाव के कारण सही समय पर नहीं हो पाती इससे उनको लाभ प्राप्त होगा। इसका लाभ प्रदेश के सभी आर्थिक रुप से कमजोर वर्गों को मिलेगा। इसके लिए आवेदक शादी के 90 दिन के अन्दर आवेदन कर लाभ प्राप्त कर सकता है। इस योजना का उद्देश्य फिजूल खर्च का रोकना भी है।

## निःशुल्क टैबलेट/स्मार्ट फोन वितरण योजना/ स्वामी विवेकानन्द युवा सशक्तीकरण योजना

19 अगस्त, 2021 को उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विधान सभा में प्रदेश के युवाओं के तकनीकी सशक्तीकरण के लिए निःशुल्क 'टैबलेट/स्मार्ट फोन वितरण योजना' की घोषणा की।

- राज्य के स्नातक, स्नातकोत्तर, डिप्लोमा, कौशल विकास, पैरामेडिकल तथा नर्सिंग इत्यादि विविध शिक्षण/प्रशिक्षण कार्यक्रमों के युवा वर्ग इस योजना के लाभार्थी होंगे।
- इस योजना के लिए बजट 2023-2024 के बजट में 3600 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।

## उत्तर प्रदेश मातृभूमि योजना

उत्तर प्रदेश मातृभूमि योजना का शुभारंभ 2021 को मुख्यमंत्री योगी आदीत्यनाथ द्वारा की गयी। उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा इस योजना का शुभारंभ जन भागीदारी के माध्यम से गाँवों का विकास करना है।

- इस योजना के तहत एक पंचायत सहायक की नियुक्ति की जायेगी तथा उत्तर प्रदेश मातृभूमि सोसायटी का गठन किया जाएगा।
- इस योजना का उद्देश्य गाँवों में होने वाले अवस्थापना विकास के विभिन्न कार्यों में नागरिकों की हिस्सेदारी को बढ़ावा देना है।
- इस योजना केतहत विदेशों में बसे उत्तर प्रदेश के निवासी अब अपनेरिश्तेदारों और पूर्वजों की यादमें अपने पैतृक गावों में समुदायिक केंद्र, बारात घरजैसे अन्य निर्माण करा सकेंगें।
- उक्त योजना का उद्देश्य ग्रामीण बुनियादी ढांचे जैसे स्वास्थ्य केंद्र, सड़कें, आंगनवाड़ी केंद्र, पुस्तकालय, अग्निशमन सेवा केंद्र, स्टेडियम, व्यायामशाला, खुला जिम, पशु नस्ल सुधार केंद्र आदि का विकास करना है।
- इस योजना की कुल लागत का 40 प्रतिशत राज्य सरकार वहन करेगी, जबकि शेष 60 प्रतिशत का योगदान इच्छुक लोगों द्वारा किया जाएगा। बदले में परियोजना का नाम सहयोगियों के परिवार वालों या रिश्तेदारों के नाम पर उनकी इच्छा के अनुसार रखा जा सकता है।
- गौरतलब है कि इस तरह की अनूठी पहल करने वाला उत्तर प्रदेश देश का पहला राज्य बन गया है।

## महात्मा गाँधी ( श्रमिक ) पेंशन योजना 2021

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा प्रदेश के सभी श्रमिकों को आर्थिक सहायता प्रदान करने के उद्देश्य से 'श्रमिक महात्मा गाँधी पेंशन योजना' शुरू किया है। जिसमें श्रमिकों को सरकार द्वारा प्रतिमाह पेंशन दी जाएगी। इस योजना के अन्तर्गत जिन श्रमिक की आयु 60 वर्ष से अधिक हो गयी है और श्रमिक कार्ड बने कम से कम 10 वर्ष पूर्ण हो गये हैं। उन सभी मजदूरों को सरकार द्वारा प्रतिमाह 1000 रुपये की पेंशन दी जाएगी।

- इस योजना में सरकार द्वारा प्रति 2 वर्ष बाद पेंशन को बढ़ाया जाता है, जिसमें सरकार 2 वर्ष से 50 रुपये प्रतिमाह पेंशन बढ़ाती है जो अधिकतम 1250 रुपये बढ़ाये जाते है। इस योजना का लाभ ले रहे श्रमिक कि अगर मृत्यु हो जाती है तो पेंशन की देय राशि उसकी पत्नी को देय होगी।

**महात्मा गांधी पेंशन योजना के लाभ एवं पात्रता :**

- इस योजना का लाभ उत्तर प्रदेश के स्थाई निवासी श्रमिकों को दिया जाएगा। जिनका श्रम कार्ड बना है, वे सभी मजदूर इस योजना का लाभ लेने के लिए आवेदन कर सकते है।
- लाभार्थी को केन्द्र/राज्य सरकार के किसी भी विभाग द्वारा संचालित किसी भी पेंशन योजना का लाभ प्राप्त न हो रहा हो।
- योजना का आवेदन वहीं श्रमिक कर सकते है जिनकी आयु 60 वर्ष से अधिक हो।
- आवेदन करने वाले श्रमिक का बैंक खाता होना जरूरी है, बैंक खाता श्रमिक के आधार कार्ड से लिंक होना जरूरी है।
- पेंशनधारक की मृत्यु की दशा में उसके परिवारजनों को एक माह के अन्दर जिला श्रम कार्यालय को सूचित करना होगा।
- योजना का आवेदन कर रहे श्रमिकों को 60 वर्ष आयु पूर्ण किए जाने का प्रमाण पत्र देना होगा।

## मुख्यमंत्री दुर्घटना बीमा योजना

अक्टूबर, 2021 में उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा असंगठित क्षेत्र के पंजीकृत कामगारों को सुरक्षा प्रदान करने के उद्देश्य से मुख्यमंत्री दुर्घटना बीमा योजना लागू करने का निर्णय लिया गया।

- इसके तहत किसी कामगार की दुर्घटनावश मृत्यु/दिव्यांगता की स्थिति में अधिकतम 2 लाख रुपये की आर्थिक सहायता 6 श्रेणियों में देय होगी।



Join @yct_hub For More Exclusive PDFs

- इस योजना के तहत 50 प्रतिशत से अधिक एवं 100 प्रतिशत से कम स्थायी अपंगता पर एक लाख रूपयें तथा 25 प्रतिशत से 50 प्रतिशत स्थायी अपंगता पर 50 हजार रूपयें की आर्थिक सहायता देय होगी।
- वर्तमान में प्रदेश में असंगठित क्षेत्र के कर्मकारों की संख्या लगभग 4.5 करोड़ है जो प्रदेश की कुल जनसंख्या का लगभग 21 प्रतिशत है।
- बजट 2023-24 में इस योजना के लिए 12 करोड़ रुपये प्रस्तावित है।

## उत्तर प्रदेश मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना

- योजना के घोषित करने की तिथि- 30 मई, 2021

**लक्ष्य-** कोविड-19 के कारण अनाथ हुए बच्चों की सुरक्षा, शिक्षा एवं भरण-पोषण हेतु वित्तीय सहायता प्रदान करना।

**पात्रता-** (i) वे बच्चे जो उ.प्र. के मूल निवासी हैं तथा जिनके माता-पिता विधिक- अभिभावक की मृत्यु कोविड-19 के कारण 1 मार्च, 2020 के बाद हुई हो।

(ii) जिनकी आयु 0-18 वर्ष के वर्ग में हो।

**लाभ-** (i) बच्चे के वयस्क होने तक अभिभावक (केयर टेकर) को प्रतिमाह 4000 रुपये वित्तीय सहायता।

(ii) जिनका कोई परिवार या देखभाल कर्त्ता नहीं है, उन्हें राजकीय बालगृह में रखा जायेगा।

(iii) निराश्रित बालिकाओं की 18 वर्ष आयु के पश्चात् शादी हेतु प्रदेश सरकार 1,01,000 रुपये प्रदान करेगी।

(iv) उच्चतर माध्यमिक शिक्षा तथा व्यावसायिक शिक्षा ग्रहण कर रहे 18 वर्ष तक के बच्चों को टैबलेट/लैपटॉप वितरित किया जायेगा।

(v) चल-अचल सम्पत्तियों की रक्षा की जायेगी।

## शहरी प्रवासियों हेतु किफायती किराए की आवास योजना

लागू होने की तिथि-26 मार्च, 2021

**पात्र-** शिक्षण संस्थानों से जुड़े व्यक्तियों, विधवाएँ, कामकाजी महिलाएँ, अल्पसंख्यकों, अनुसूचित जाति एवं जनजाति के लोगों को प्राथमिकता।

**उद्देश्य-** लाभार्थियों के लिये किराए के आवास परिसरों का निर्माण।

इस योजना को प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के तहत लागू की जायेगी।

## मुख्यमंत्री अभ्युदय योजना

'मुख्यमंत्री अभ्युदय योजना' को उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा राज्य के गरीब परिवार के मेधावी छात्रों के लिए शुरु की गयी है। इस योजना का उद्देश्य गरीब एवं वित्तीय रूप से कमजोर विद्यार्थियों को प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी हेतु मुफ्त कोंचिंग की व्यवस्था करना है।

- इस योजना से गरीब मेधावी छात्र प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए कोचिंग की सुविधा प्राप्त कर सकेंगें।
- मुख्यमंत्री अभ्युदय योजना के माध्यम से छात्रों को स्टडी मटेरियल भी प्रदान किया जाएगा। अभ्युदय योजना को 2020 में शुरू किया गया था।

### अभ्युदय योजना के लिए पात्रता

- आवेदक लाभार्थी उत्तर प्रदेश का मूल निवासी होना चाहिए।
- इस योजना का लाभ लेने के लिए केवल ऑनलाइन आवेदन ही किया जा सकता है।
- अभ्युदय योजना का लाभ सिर्फ एक बार ही लिया जा सकता है।
- यह योजना केवल उन छात्रों के लिए ही है, जो प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी कर रहे है।

### अभ्युदय योजना के लाभ

- मुख्यमंत्री अभ्युदय योजना के अंतर्गत छात्रों को उनके अपने जिले में ही निःशुल्क कोचिंग दी जाएगी।
- इस योजना के माध्यम से उत्तर प्रदेश सरकार आर्थिक रूप से कमजोर सभी वर्गों के प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी कर रहे छात्रों को निःशुल्क कोचिंग दी जाएगी।
- मुख्यमंत्री अभ्युदय योजना के अन्तर्गत छात्रों को सिलेब्स और प्रश्न पत्र उपलब्ध कराये जाएंगें तथा छात्रों को ऑन लाइन स्टडी मटेरियल उपलब्ध कराया जाएगा।
- अभ्युदय योजना के तहत प्रतियोगी छात्र ऑन लाइन और ऑफ लाइन शिक्षण कार्य प्राप्त कर सकते है।
- अभ्युदय योजना के तहत वर्ष 2023 में प्रदेश सरकार द्वारा छात्रों को दस लाख मुफ्त टैबलेट प्रदान किया गया।
- मुफ्त टैबलेट से गरीब छात्रों को अध्ययन करने में आसानी होगी।
- कोचिंग के लिए चयनित मेधावी छात्रों को भी टैबलेट वितरित किए जाएंगे।
- इस प्लेटफार्म पर लाइव सेशन और सेमिनार भी आयोजित किए जाएंगें, जिससे विद्यार्थियों को बहुत लाभ प्राप्त होगा।
- इस योजना के अन्तर्गत परीक्षा के पैटर्न की जानकारी भी विद्यार्थियों को दी जाएगी।
- इस योजना के अन्तर्गत विषय विशेषज्ञों के साथ प्रशासनिक अधिकारी को भी सम्मिलित किया गया है।

## डॉ. अम्बेडकर उत्कृष्टता केंद्र योजना

- 22 अप्रैल, 2022 को बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी में डॉ. अम्बेडकर उत्कृष्टता केंद्र योजना का शुभारंभ किया गया।
- इस योजना के तहत देश भर के 31केन्द्रीय विश्वविद्यालयों का चयन किया गया जिसमें डॉ. अम्बेडकर उत्कृष्टता केंद्र योजना की शुरुआत की जाएगी।



Join @yct_hub For More Exclusive PDFs

## ग्राम उजाला कार्यक्रम

- केन्द्रीय विद्युत, नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री आर.के. सिंह ने 19 मार्च, 2021 को बिहार के आरा में ग्राम उजाला कार्यक्रम की शुरूआत की। 24मार्च,2021 को यह योजना उत्तर प्रदेश में वाराणसी से शुरू की गई थी।
- इस योजना के तहत ग्रामीण परिवारों को 10 रुपये मूल्य पर उच्च गुणवत्ता के एलईडी बल्ब उपलब्ध कराए जा रहे हैं।
- इस योजना के तहत 31 मार्च, 2022 तक 20 लाख परिवारों को 1 करोड़ एल.ई.डी. बल्ब वितरण का लक्ष्य है।

## मुख्यमंत्री महिला सामर्थ्य योजना

प्रदेश सरकार द्वारा महिलाओं को समाज में आत्मनिर्भर बनाने हेतु इस योजना की शुरुआत 22 फरवरी, 2021 को की गयी। इस योजना के तहत लघु एवं कुटीर उद्योगों के माध्यम से महिलाओं के जीवन स्तर को ऊपर उठाना है।

- इस योजना के तहत जिला स्तर एवं राज्य स्तर पर दो समितियां गठित की जायेगी। यह योजना महिला सशक्तिकरण और कल्याण की दिशा में एक क्रांतिकारी कदम साबित होगी।

**मुख्य उद्देश्य**

- महिला कल्याण एवं सशक्तिकरण को बढ़ावा देना।
- महिलाओं को रोजगार के प्रति प्रेरित करना।
- महिलाओं द्वारा संचालित उद्यम को सहायता प्रदान करना।
- महिलाओं के कौशल विकास प्रशिक्षण प्रदान करना।
- राज्य की महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाना।
- औद्योगिक क्षेत्रों का विकास एवं सुदृढ़ीकरण करना।

- इस योजना के तहत स्थानीय संसाधनों पर आधारित घरेलू एवं कुटीर उद्योगों के माध्यम से महिलाओं के जीवन स्तर को सुधारना है। महिलाओं द्वारा तैयार उत्पाद को बेचने में सरकार सहायता प्रदान करेगी।
- उत्तर प्रदेश मुख्यमंत्री महिला सामर्थ्य योजना महिलाओं के जीवन के सभी क्षेत्रों में उन्नति एवं सर्वांगीण प्रगति के संबंध में महत्वपूर्ण पहल है। यह योजना महिलाओं को आत्मनिर्भरता के शिखर तक पहुँचाकर और रोजगार के अवसर पैदा करके उन्हें बेहतर जीवन देने पर केंद्रित है।

## आत्मनिर्भर कृषक समन्वित विकास योजना

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा प्रदेश के किसानों को सशक्त बनाने हेतु यह योजना 30 सितंबर, 2021 को प्रारंभ की। इस योजना के तहत 2725 विकास उत्पादक संगठनों का गठन किया जाएगा। राज्य के किसानों की आय बढ़ाने हेतु प्रत्येक ब्लॉक में कम से कम एक किसान उत्पादक संगठन की स्थापना करने का लक्ष्य है।

- वर्तमान में प्रदेश के कुल 824 प्रखण्डों में से 408 प्रखंडों में कुल 693 किसान उत्पादक संगठन स्थापित किये गये हैं। इसके माध्यम से किसानों की उपज का सही मूल्य प्राप्त होगा। इस योजना के तहत किसान उत्पादक संगठनों से जुड़े किसानों की 5 लाख रु. के ऋण पर चार प्रतिशत की सब्सिडी प्राप्त होगी।
- इस प्रकार कृषि विकास से जुड़ी संस्थाएं कृषि के बुनियादी ढाँचे को विकसित करके खेती की लागत को कम करने और किसानों की आय में वृद्धि करने में सक्षम होगी। इसके अंतर्गत कृषि अवसंरचनाआं का सतत विकास होगा। यह योजना ब्याज अनुदान और वित्तीय सहायता के माध्यम से फसल उत्पादन के पश्चात बुनियादी ढांचा प्रबंधन और सामुदायिक कृषि परिसंपत्तियों के लिए व्यवहार्य परियोजनाओं में निवेश के लिए मध्यम एवं लखी अवधि के ऋण वित्तपोषण की सुविधा प्रदान करेगी। योजना का मुख्य उद्देश्य राज्य के किसानों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाते हुए उनकी आय दोगुना करना है।

## किसान कल्याण मिशन

- उत्तर प्रदेश में 06 जनवरी, 2021 से किसान कल्याण मिशन योजना शुरू किया गया।
- इसका उद्देश्य किसानों की आय बढ़ाना एवं कई तकनीकी और सभी सरकारी योजनों की जानकारी उन तक पहुँचाना है।
- यह कार्यक्रम उत्तर प्रदेश के सभी विकास खण्डों में संचालित किया गया। साथ ही किसानों को लाभ प्रदान करने हेतु किसान मेलें आयोजित किये जायेगें।

## आत्मनिर्भर उत्तर प्रदेश रोजगार अभियान

इस योजना के तहत प्रदेश में रोजगार को बढ़ावा देने के लिए औद्योगिक और अन्य संगठनों को एक मंच पर लाकर कार्य करना है। जिससे बेरोजगारी में कमी आयेगी। साथ ही प्रवासी कामगारों की आर्थिक स्थिति में भी सुधार होगा। इस योजना के तहत एक करोड़ से अधिक प्रवासी मजदूरों को रोजगार प्रदान किया जायेगा।

- इस योजना हेतु पात्रता हेतु 18 वर्ष की आयु पूर्ण हो तथा उत्तर प्रदेश का निवासी होना चाहिए। यह योजना 26 जून, 2020 को शुरू की गयी। इस योजना के तहत घरेलू उद्यमशीलता को प्रोत्साहित करना और रोजगार के अवसर पैदा करने में औद्योगिक संगठनों की भागीदारी सुनिश्चित करना है।
- आत्मनिर्भर उत्तर प्रदेश रोजगार अभियान, केंद्र सरकार द्वारा शुरू की गयी, प्रधानमंत्री गरीब कल्याण रोजगार अभियान का हिस्सा है। इस योजना के तहत मजदूरों के हितों की सुरक्षा हेतु एक आयोग का भी गठन किया गया। कोरोना महामारी से उत्पन्न रोजगार संकट के निराकरण हेतु प्रदेश सरकार द्वारा प्रवासी मजदूरों को नियोजित कर उन्हें आत्मनिर्भर बनाना प्रदेश सरकार का लक्ष्य है। जिसके तहत 1.25 करोड़ कामगारों को नियोजित करने का लक्ष्य है।

## गोपालक योजना

उत्तर प्रदेश की सरकार ने बेरोजगार युवाओं को स्वरोजगार प्रदान करने के लिए वर्ष 2021 में 'गोपालक योजना' प्रारम्भ की है। इस योजना के अन्तर्ग युवा उद्यमियों को बैंकों द्वारा 9 लाख रुपये तक का ऋण उपलब्ध कराया जाएगा। गोपालक योजना का लाभ उन्हीं उद्यमियों को दिया जाएगा जिनके पास 5 गाय या भैंस पहले से है या इससे अधिक पशु हो तो ऋण मिलने में आसानी होगी।



Join @yct_hub For More Exclusive PDFs

**मुख्य उद्देश्य :** उत्तर प्रदेश के इच्छुक बेरोजगार युवक गोपालक योजना के अन्तर्गत डेयरी फार्म खोलने के लिए बैंक से ऋण प्राप्त कर सकते हैं तथा डेयरी फार्म की शुरूआत कर सकते हैं फिर धीरे-धीरे इस डेयरी फार्म का विस्तार कर रोजगार का सृजन भी कर सकते है।

**गोपालक योजना की पात्रता :**

- गोपालक योजना का आवेदन करने वाला युवक उत्तर प्रदेश का निवासी हो, उसकी सलाना आय एक लाख रुपये से कम हो तथा उसके पास कम से कम 5 स्वस्थ दूधारू पशु पहले से होने चाहिए।

**गोपालक योजना के लाभ :** उत्तर प्रदेश के बेरोजगार युवाओं को बैंक द्वारा लोन देकर स्वरोजगार- प्रदान करना है तथा डेयरी फार्म खोलने का अवसर प्रदान करना है। इस योजना का लाभ लेने वाला आवेदक ऑन लाइन और ऑफ लाइन आवेदन कर सकता है। इस योजना के लाभ के लिए आवेदक के पास कम से कम 5 दुधारू पशु होने चाहिए।

## विरासत अभियान

- दिसम्बर 2020 में उत्तर प्रदेश सरकार ने गाँवों में उत्तराधिकार को लेकर उपजे भूमि विवादों को खत्म करने तथा तहसील और जिला स्तर पर भारी भरकम मामले बनाने वाले संपत्ति के मुकदमों पर अंकुश लगाने हेतु राज्य में दो महीने तक चलने वाले विशेष 'विरासत अभियान' का शुभारम्भ किया।
- यह राज्य में अपनी तरह का पहला अभियान है, इस अभियान के दौरान यूपी के राजस्व गाँवों में कई सालों से लम्बित पड़े विरासत के मामलों का निस्तारण करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।

## मुख्यमंत्री कृषक दुर्घटना कल्याण योजना

21 जनवरी, 2020 को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा कृषक परिवारों को आर्थिक सहायता प्रदान करने हेतु इस योजना की घोषणा की। इस योजना का मुख्य उद्देश्य राज्य के किसानों सामाजिक सुरक्षा प्रदान करना है।

- यह योजना 14 सितंबर, 2019 से प्रभावी मानी जायेगी। योजना की पात्रता हेतु किसान उत्तर प्रदेश का मूल निवासी हो तथा 18 से 70 वर्ष क आयु का हो। इस योजना के तहत किसान भी पात्र होगें जिनके पास भूमि नहीं है और बटाई पर कार्य करते हैं।
- योजना के अंतर्गत आग लगने, बाढ़, बिजली गिरने, करेंट लगने, सांप काटने, जीव-जनतु या जानवर द्वारा मारने एवं आक्रमण करने इत्यादि अन्य अनेक कारणों से होने वाले मृत्यु या दिव्यांगता के कारण आर्थिक सहायता अनुमन्य होगी।
- योजना के तहत मृत्यु या स्थायी विकलांगता पर 5 लाख रु. दिया जायेगा। 50% से अधिक तथा 100% से कम विकलांगता पर 250000 रु. दिया जायेगा। 25% से अधिक एवं 50% से कम विकलांगता पर 125000 रु. दिया जायेगा। साथ ही प्राकृतिक आपदा में मृत्यु की दशा में 4 लाख रु. की सहायता प्रदान की जायेगी।
- योजना के सफल एवं सुचारू रूप से क्रियान्वयन हेतु वेब पोर्टल तैयार किया गया है। योजना के सफल संचालन हेतु दुर्घटनावश कृषकों की मृत्यु/दिव्यांगता होने पर कृषक के विधिक वारिश को आर्थिक सहायता प्रदान की जायेगी।

## मिशन-शक्ति अभियान

- मुख्यमंत्री ने 17 अक्टूबर, 2020 को 'मिशन शक्ति' अभियान की शुरूआत बलरामपुर जनपद के देवी पाटन शक्ति पीठ से की।
- इस मिशन का मुख्य उद्देश्य राज्य में महिलाओं तथा बालिकाओं व बच्चों की सुरक्षा सुनिश्चित करना है।
- इस पहल का संचालन शारदीय नवरात्र (17 अक्टूबर, 2020) से प्रारंभ होकर वासंतिक नवरात्र (अप्रैल, 2021) तक किया गया।

## बाबा साहेब अम्बेड़कर विशेष रोजगार प्रोत्साहन योजना

11 नवंबर, 2019 को उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा पूर्व की अम्बेडकर विशेष रोजगार योजना का नाम परिवर्तित कर बाबा साहेब अम्बेडकर रोजगार प्रोत्साह योजना रखा। यह योजना उत्तर प्रदेश के ग्राम्य विकास विभाग द्वारा संचालित की जाती है।

- इस योजना का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्र के नवयुवकों को उद्यमिता की ओर उन्मुख कर उन्हें जीविकोपार्जन हेतु आत्मनिर्भर बनाकर परिवार, समाज एवं राष्ट्र निर्माण के विकास में सहयोगी बनाकर, ग्रामीण क्षेत्रों में स्थानीय संसाधन को विकसित कर सतत् रोजगार उपलब्ध कराना, ग्रामीण आबादी को शहरी क्षेत्रों में पलायन को रोकना तथा शहरी क्षेत्रों के संसाधनों पर पड़ने वाले अतिरिक्त भार को कम करना है।
- इस योजना के तहत अनुसूचित जाति, जनजाति या दिव्यांग को 35% अनुदान अथवा अधिकतम 70000 रु. तथा सामान्य जाति को 25% अथवा अधिकतम 50000 रु. तक ऋण अनुदान प्रदान किया जायेगा। लाभार्थियों की आयु 18 वर्ष से 65 वर्ष के मध्य होती है साथ ही पारिवारिक आय 2 लाख से कम हो। वह अन्य किसी योजना से लाभ न ले रहा हो।

## बी.सी. सखी योजना

महिलाओं को रोजगार मुहैया कराने के लिए उत्तर प्रदेश सरकार ने बी.सी. (बैंकिंग करेस्पान्डेंट) सखी योजना शुरू की है। इस योजना के तहत ग्रामीण क्षेत्रों में बैंकिंग सेवाएं पहुँचाने के लिए बी.सी. सखी की तैनाती की जाएगी। रुपये का लेन-देन कराने पर उन्हें कमीशन मिलेगा।

- बी.सी. सखी योजना का एलान 22 मई 2020 मुख्यमंत्री द्वारा किया गया था। इस योजना के तहत बी.सी. सखी ग्रामीण क्षेत्रों में घर-घर जाकर डिजिटल लेन-देन करायेंगी।

**बी.सी. सखी योजना की पात्रता :**

- इस योजना के तहत महिलाएं उत्तर प्रदेश की मूल निवासी होनी चाहिए।
- महिला आवेदक दसवीं पास होनी चाहिए।
- महिला बैंकिंग सेवाओं को समझ सके।
- उम्मीदवार महिला पैसे का लेन-देन करने सक्षम हों।
- नियुक्ति महिला को इलेक्ट्रानिक डिवाइस चलाने की समझ होनी चाहिए।
- उत्तर प्रदेश सखी योजना के अन्तर्गत उन महिलाओं को नियुक्ति किया जाएगा जो बैंकिंग को समझ सके और पढ़-लिख सके।



Join @yct_hub For More Exclusive PDFs

Search @yct_hub to Join Channel

**सखी योजना का लाभ :**

- इस योजना का लाभ उत्तर प्रदेश के गांवों में रहने वाली महिलाओं को होगा। बी.सी. सखी गावों में लोगों को बैंकिंग सुविधाएँ उपलब्ध करायेंगी तथा महिलाओं को बैंकिंग के प्रति जागरूक करेंगी।
- बी.सी. सखी के तहत चुनी गयी महिलाओं को 6 महीने तक प्रति माह 4000 रुपये की सैलरी मिलेगी। इसके अतिरिक्त लोगों को बैंकिंग ट्रान्जेक्शन कराने के लिए उन्हें कमीशन भी मिलेगा, यह कमीशन ट्रान्जेक्शन से जुड़ा होगा।
- बी.सी. सखी को डिजिटल डिवाइस उपलब्ध कराये जाएंगें। इसे खरीदने के लिए प्रदेश सरकार बी.सी. सखी को 50000 रुपये की आर्थिक मदद भी देगी।
- इस योजना से ग्रामीण महिलाओं को रोजगार के अवसर प्राप्त होंगे।
- उत्तर प्रदेश बी.सी. सखी योजना के अन्तर्गत 58000 महिलाओं को रोजगार दिया जाएगा।

## मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना

मुख्यमंत्री द्वारा 25 अक्टूबर, 2019 को सभी जिलों में 'कन्या सुमंगला योजना' की शुरूआत की गयी।

- बजट 2023-24 में इस योजना के लिए 1050 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।
- वर्तमान में योजना में लाभार्थियों को बेटी के जन्म से लेकर उसके स्नातक पास होने तक सरकार प्रोत्साहन स्वरूप छह चरणों में कुल 25000/- ₹ की राशि प्रदान करेगी।
- इस योजना का मुख्य उद्देश्य कन्या भ्रूण हत्या जैसी कुप्रथाओं को रोकना एवं बेटियों को प्रोत्साहित करना है।
- योजना हेतु लाभार्थी की पारिवारिक वार्षिक आय सीमा 3 लाख रूपये अधिकतम निर्धारित है।
- जैविक संतानों तथा विधिक रूप में गोद ली गई संतानों को शामिल करते हुए किसी परिवार की अधिकतम 2 बालिकाएँ ही इस योजना के लाभ हेतु पात्र होंगी।
- राज्य सरकार द्वारा बालिकाओं एवं महिलाओं को सामाजिक सुरक्षा के साथ-साथ विकास हेतु नये अवसर प्रदान करने के लिए यह योजना प्रारंभ की गयी है।
- इस योजना के फलस्वरूप कन्या भ्रूण हत्या पर रोक, असमान लिंगानुपात पर नियंत्रण, बाल विवाह पर रोकथाम तथा बालिकाओं में शिक्षा एवं रोजगार के अवसर प्रदान करने हेतु प्रदेश सरकार की प्रतिबद्धता है।

## मुख्यमंत्री जन आरोग्य योजना

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा 1 मार्च, 2019 को इस योजना की शुरुआत की गयी। इस योजना के माध्यम से प्रदेश के नागरिकों की 5 लाख रु. तक का स्वास्थ्य बीमा सुरक्षा प्रदा की जाती है। इस योजना में वह लोग लाभ प्राप्त कर सकते है जो प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना का लाभ प्राप्त हीं कर सकते हैं।

- योजना के तहत चयनित परिवार सरकार एवं निजी अस्पताल में निःशुल्क इलाज करा सकते हैं, जो अस्पताल इस योजना के तहत चिह्नित है। योजना के तहत पूरा खर्च राज्य सरकार द्वारा किया जाएगा। चयनित परिवार को सरकार द्वारा गोल्डेन कार्ड प्रदान किया जाता है।
- इस योजना का मुख्य उद्देश्य स्वास्थ बीमा प्रदान करना है। उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा इस योजना के तहत 40 लाख अंत्योदय कार्ड धारकों को शामिल करने का निर्णय लिया गया है। योजना के तहत अस्पताल में भर्ती होने से पूर्व एवं पश्चात तक का खर्च शामिल किया गया है।
- इस योजना के तहत असंगठित क्षेत्र में पंजीकृत कामगारों को भी शामिल किया गया है। जो इस योजना का लाभ प्राप्त कर सकते हैं।
- बजट 2023-24 में इस योजना के लिए 100 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।

## एक जिला एक उत्पाद योजना

राज्य सरकार द्वारा **24 जनवरी, 2018** को 'उत्तर प्रदेश दिवस' के अवसर पर **एक जिला एक उत्पाद योजना** का शुभारम्भ किया गया। इस योजना के माध्यम से राज्य में लघु एवं मध्यम उद्योगों को बढ़ावा देने, स्वरोजगार को प्रोत्साहित करने तथा परम्परागत उद्योगों का विकास किया जायेगा। इसके साथ ही साथ इस योजना के माध्यम से राज्य सरकार द्वारा हर जिले के खास उत्पादों के निर्माण, विपणन और प्रसार की सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

राज्य सरकार के अनुसार, इस योजना से 5 लाख नए रोजगार सृजित होंगे तथा राज्य की अर्थव्यवस्था में यह योजना महत्वपूर्ण साबित होगी।

- देश के कुल हस्तशिल्प निर्यात में प्रदेश का योगदान 44% है। इसी तरह कालीन में 39% तथा चर्म उत्पाद में 26% है। यह योजना प्रदेश के लघु उद्योगों और हस्तशिल्प के विकास के मार्ग को प्रशस्त करेगी।
- एक जिला एक उत्पाद के तहत राज्य के प्रत्येक जिले में एक उत्पाद का चयन किया जायेगा।
- वस्तुतः एक जिला एक उत्पाद योजना जैसी अवधारणा विश्व में पहली बार **जापान** में वर्ष 1979 में लागू की गयी थी। इस योजना को आगे चलकर थाईलैण्ड सरकार द्वारा क्रियान्वित किया गया। चीन, फिलीपींस, इंडोनेशिया एवं मलेशिया में भी इस तरह की योजना का मॉडल अपनाया गया था।
- एक जिला एक उत्पाद योजना का क्रियान्वयन सूक्ष्म, लघु, मध्यम उद्यम तथा निर्यात प्रोत्साहन विभाग द्वारा किया जायेगा। इसके लिये राज्य की राजधानी लखनऊ के निर्यात भवन में अलग से एक ODOP प्रकोष्ठ की स्थापना की गई है।

| जिला | उत्पाद |
|---|---|
| आगरा | चमड़े के उत्पाद |
| प्रयागराज | मूंज उत्पाद |
| आजमगढ़ | ब्लैक पाटरी |



Join @yct_hub For More Exclusive PDFs

| | |
|---|---|
| बलिया | बिन्दी उत्पाद |
| फिरोज़ाबाद | काँच का उत्पाद |
| मैनपुरी | तारकशी कला |
| हाथरस | हींग प्रोसेसिंग |
| कौशाम्बी | खाद्य प्रसंस्करण (केला) |
| एटा | घुंघरू और घंटी (पीतल उत्पाद) |
| कासगंज | जरी-जरदोजी |
| मथुरा | बाथरूम फीटिंग्स एवं श्रृंगार मूर्ति, कंठीमाला |
| अलीगढ़ | ताले और हार्डवेयर |
| प्रतापगढ़ | आँवला उत्पाद (खाद्य प्रसंस्करण) |
| मऊ | वस्त्र उत्पाद |
| बरेली | जरी-जरदोजी एवं बांस उत्पाद |
| जौनपुर | ऊनी कालीन (दरी) |
| बदायूँ | जरी-जरदोजी |
| गाजीपुर | जूट वॉल हैंगिंग |
| पीलीभीत | बांसुरी एवं लकड़ी के उत्पाद |
| वाराणसी | बनारसी शिल्क साड़ी |
| शाहजहांपुर | जरी-जरदोजी |
| श्रावस्ती | जनजातीय शिल्प |
| फतेहपुर | बेडसीट्स एवं आयरन फैब्रिकेशन वर्क्स |
| शामली | लौह कला |
| कानपुर नगर | चर्म उत्पाद |
| मुजफ्फरनगर | गुड़ उत्पाद |
| इटावा | वस्त्र उत्पाद |
| सहारनपुर | लकड़ी पर नक्काशी |
| औरैया | खाद्य प्रसंस्करण (देशी घी) |
| भदोही | कालीन |
| मिर्जापुर | कालीन एवं मेटल उद्योग |
| फर्रुखाबाद | ब्लॉक प्रिंटिंग (वस्त्र छपाई) एवं जरी-जरदोजी |
| सोनभद्र | कालीन, दरी |
| कन्नौज | इत्र उत्पाद |
| उन्नाव | जरी-जरदोजी एवं चर्म उत्पाद |
| संभल | हस्त शिल्प (हॉर्न-बोन) |

| | |
|---|---|
| रायबरेली | लकड़ी के शिल्प |
| अमरोहा | संगीत वाद्ययंत्र (ढ़ोलक) |
| सीतापुर | दरी |
| गाजियाबाद | इंजीनियरिंग सामान |
| लखीमपुर खीरी | जनजातीय शिल्प एवं गुड़ उत्पाद |
| बागपत | गृह सौन्दर्य उत्पाद |
| हरदोई | हथकरघा |
| मेरठ | खेल का सामान |
| बिजनौर | लकड़ी पर नक्काशी (काष्ठ कला) |
| बुलंदशहर | चीनी मिट्टी के बर्तन (सिरेमिक उत्पाद) |
| गौतमबुद्ध नगर | रेडीमेड गारमेंट्स |
| रामपुर | पैचवर्क के साथ एप्लिक वर्क एवं मेंथा |
| हापुड़ | घरेलू सजावटी सामान |
| मुरादाबाद | धातु शिल्प |
| संत कबीर नगर | पीतल के बर्तन |
| सिद्धार्थनगर | काला नमक चावल |
| चित्रकूट | लकड़ी के खिलौने |
| बांदा | शजर पत्थर शिल्प |
| महोबा | गौरा पत्थर शिल्प |
| हमीरपुर | चमड़े की जूती |
| गोंडा | खाद्य प्रसंस्करण (दाल) |
| बलरामपुर | खाद्य प्रसंस्करण (दाल) |
| बहराइच | गेहूँ के डंठल की कलाकृतियाँ एवं खाद्य प्रसंस्करण |
| बाराबंकी | दुपट्टा (टेक्सटाइल प्रोडक्ट) |
| अयोध्या | गुड़ एवं जेगरी उत्पाद |
| अम्बेडकर नगर | वस्त्र उत्पाद |
| कानपुर देहात | एल्युमीनियम के बर्तन |
| लखनऊ | चिकनकारी और जरी-जरदोजी |
| बस्ती | काष्ठ शिल्प एवं सिरका उत्पाद |
| अमेठी | मूँज उत्पाद |
| सुल्तानपुर | मूँज उत्पाद |
| गोरखपुर | टेराकोटा एवं रेडीमेट गारमेंट |
| कुशीनगर | केला रेशा उत्पाद |



Join @yct_hub For More Exclusive PDFs

| | |
|---|---|
| देवरिया | सजावटी उत्पाद एवं कढ़ाई-सिलाई उत्पाद |
| महाराजगंज | फर्नीचर |
| झाँसी | सॉफ्ट ट्वायज |
| जालौन | हस्त निर्मित कागज कला |
| ललितपुर | जरी शिल्क साड़ियाँ एवं खाद्य प्रसंस्करण |
| चंदौली | जरी-जरदोजी एवं काला चावल |

## मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना

इस योजना के माध्यम से सरकार राज्य के सभी बेरोजगार युवा को रोजगार शुरू करने के लिए वित्तीय सहायता प्रदान करना है। शिक्षित बेरोजगार युवा को कम ब्याज पर वित्तीय सहायता और सब्सिड़ी प्रदान की जायेगी। योजना में पुरुष एवं महिला दोनों को लाभ प्रदान किया जायेगा। यह योजना वर्ष 2018 में शुरू की गयी।

- इस योजना के लिए आवेदन केवल शिक्षित बेरोजगार युवा कर सकते है जो 18 से 40 वर्ष के मध्य हो। कम से कम 10वीं की पास हो। इस योजना के अंतर्गत सामान्य वर्ग के लाभार्थी को 10% तथा अनुसूचिज जाति, जनजाति, पिछड़ा वर्ग, महिला तथा विकलांग लाभार्थी को 5% का अंशदान जमा करना होगा। इस योजना के अंतर्गत ऋण पर अधिकतम 25% सब्सिड़ी प्रदान की जायेगी। इस योजना के तहत उद्योग क्षेत्र में 25 लाख रु. तथा सेवा क्षेत्र हेतु 10 लाख रु. की वित्तीय सहायता प्रदान की जायेगी।
- उत्तर प्रदेश, देश में सर्वाधिक आबादी वाला राज्य है। यहां के अधिकांश युवा शिक्षित होकर भी बेरोजगार है। जिससे राज्य में बेरोजगारी की समस्या बढ़ गयी है। इसी समस्या को दृष्टिगत रखते हुए सरकार ने शिक्षित बेरोजगार युवा को ऋण (आर्थिक) सहायता उपलब्ध कराकर स्वयं का उद्यम शुरू करने हेतु यह यहां योजना प्रारंभ की।

## एडवांस लाइफ सपोर्ट एम्बुलेंस सेवा

- 13 अप्रैल, 2017 को प्रदेश के मुख्यमंत्री द्वारा 150 एम्बुलेंसों को हरी झण्डी दिखाकर एडवांस लाइफ सपोर्ट एम्बुलेंस सेवा का शुभारम्भ किया गया।
- ये सभी एम्बुलेंस जीवन रक्षक प्रणालियों से सुसज्जित हैं।
- इस सेवा का फोन नम्बर 108 है।

## उत्तर प्रदेश चावल निर्यात प्रोत्साहन योजना (2017-22)

यह योजना आगामी 5 वर्षों के लिए क्रियान्वित (7 नवम्बर, 2017 से 6 नवम्बर, 2022) होगी। इस योजना के अन्तर्गत प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष हेतु निर्यातकों को मंडी शुल्क एवं विकास सेस पर छूट दी जायेगी।

## वर्मी कम्पोस्ट इकाई स्थापना योजना

13 नवंबर, 2017 को राज्य के कृषकों के हितों को ध्यान में रखते हुए प्रदेश सरकार द्वारा वर्मी कम्पोस्ट इकाई स्थापना योजना को संचालित करने का निर्णय लिया गया।

- इस योजना के तहत अनु. जाति/अनु. जनजाति एवं महिलाओं हेतु आरक्षित ग्रामों में आरक्षित वर्ग के लाभार्थियों को पहले आओ पहले पाओ के आधार पर चयनित किया जाएगा।
- किसानों द्वारा अपने संसाधनों से एक वर्मी कम्पोस्ट पिट (7×3×1 फीट) के निर्माण के उपरांत प्रति इकाई पर सरकार द्वारा 75% अनुदान सीधे कृषकों के खाते में प्रेषित किया जाएगा। इस योजना का मुख्य उद्देश्य रासायनिक उर्वरकों के दुष्प्रभाव से बचते हुए भूमि की उर्वरता को अक्षुण्ण बनाये रखना है। साथ ही प्रत्येक राजस्व ग्राम में एक वर्मी कम्पोस्ट ईकाई स्थापित करने की स्वीकृति प्रदान की गई।

## न्याय ग्राम परियोजना

उत्तर प्रदेश के निचली अदालतों की क्षमता को विकसित करने हेतु राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद द्वारा इलाहाबाद उच्च न्यायालय के न्याय ग्राम परियोजना की आधारशिला 16 दिसम्बर, 2017 को रखी गयी।

- परियोजना के अन्तर्गत न्याय ग्राम परिसर में एक न्यायिक अकादमी की स्थापना की जायेगी।
- कुल गठित 113 न्यायालयों में 44 ग्राम न्यायालय क्रियाशील हो चुके है।

## मुख्यमंत्री समग्र ग्राम विकास योजना

मुख्यमंत्री समग्र ग्राम विकास योजना का शुभारम्भ राज्य के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा जनवरी, 2018 (उत्तर प्रदेश दिवस) को अवध शिल्प ग्राम लखनऊ से किया गया।

- योजना के अंतर्गत सीमावर्ती पिछड़े गाँव तथा वनटांगिया, मुसहर व थारू जनजाति आदि वर्गों के बाहुल्य वाले गाँवों का स्थायी तथा समेकित विकास किया जाएगा।
- इस योजना के तहत देश की रक्षा में शहीद हुए सेना एवं अर्द्ध–सैनिक बलों के सैनिकों के गाँवों का सम्मान किया जाएगा और उन्हें शहीद ग्राम के रूप में नामित किया जाएगा। शहीद गाँव में निर्मित पक्की सड़कों का नाम गौरव पथ होगा तथा इन गाँवों में तोरण द्वार पर शहीद हुए सैनिकों की मूर्ति स्थापित की जाएगी।
- इन गाँवों के विकास के लिए राज्य के 17 विभागों द्वारा 24 प्ररियोजनाओं का संचालन किया जायेगा। जिसमें पक्के आवास, सड़क, पेयजल, बिजली, विद्यालय, अस्पताल, बैंकिंग सुविधा, इंटरनेट जैसी अनेक सुविधा शामिल होगी।
- इस योजना के अंतर्गत चयनित राजस्व गाँवों में रोजगार के अवसर सृजित करने के लिए महिलाओं के स्वयं सहायता समूह का निर्माण किया जायेगा। इस योजना के तहत भौगोलिक संरचना के कारण विषम परिस्थितियों से घिरे अति पिछड़े गाँवों को विकास की मुख्य धारा में शामिल किया जाएगा। इस योजना का क्रियान्वयन ग्राम्य विकास विभाग द्वारा किया जाएगा।



Join @yct_hub For More Exclusive PDFs

## मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना

गरीबी रेखा से नीचे जीवन यापन करने वाले सभी वर्गों के परिवारों की पुत्रियों की शादी के लिए मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना को 03 अक्टूबर, 2017 को मंजूरी प्रदान की गयी।

- इस योजना में आवेदन करने के लिए आवेदनकर्त्ता को उत्तर प्रदेश का मूल निवासी होना चाहिए।
- इस योजना के तहत सरकार वर्तमान समय में प्रति जोड़े पर 51000 रुपये की धनराशि व्यय कर रही है तथा योजना के तहत नगरीय निकायों, क्षेत्र पंचायत, जिला पंचायत स्तर पर न्यूनतम 10 जोड़े का पंजीयन एवं विवाह होना अनिवार्य है।
- मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना को उत्तर प्रदेश के समाज कल्याण विभाग के अंतर्गत संचालित किया जा रहा है।

## मुखबिर योजना

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भ्रूण हत्या को रोकने के लिए 24 जून, 2017 को मुखबिर योजना का शुभारंभ किया।

- इस योजना के तहत राज्य सरकार द्वारा ऐसे सक्रिय मुखबिरों को तैयार किया जाएगा जो लिंग की पहचान व अवैध गर्भपात कराने वाले व्यक्तियों और संस्थाओं की गोपनीय सूचना जुटाएंगे।
- इस योजना के तहत कन्या भ्रूण हत्या की जानकारी देने वालों को सरकार की ओर से 2 लाख रुपये का इनाम दिया जाएगा तथा इसके साथ ही सूचना देने वाले का नाम गोपनीय रखा जायेगा।

## दस्तक अभियान

फरवरी 2018 में राज्य के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने यूनीसेफ तथा चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग द्वारा संयुक्त रूप से संचालित होने वाले दस्तक जेई/एइएस (जापानी इंसेफेलाइटिस/एक्यूट इंसेफेलाइटिस सिंड्रोम) संचार अभियान का शुभारम्भ किया जिसका उद्देश्य लोगों को इस बीमारी के प्रति जागरूक करना है।

- इस अभियान में 5 वर्ष से कम उम्र के सभी बच्चों में खून की कमी की जाँच, 6 माह से 5 वर्ष तक के गम्भीर कुपोषित बच्चों की पहचान और 9 माह से 5 वर्ष तक के बच्चों को विटामिन 'ए' का घोल दिया जाएगा।
- जापानी इंसेफेलाइटिस को दिमागी बुखार भी कहते हैं। यह फ्लैवी नामक वायरस से फैलता है। इसकी खोज सबसे पहले जापान में की गई थी। यह बच्चों को अत्यधिक प्रभावित करता है।
- इस अभियान का स्लोगन 'दरवाजा खटखटाओं, जापानी इन्सेफेलाइटिस को दूर भगाओं' हैं।
- इस अभियान के तहत प्रदेश के पांच वर्ष से कम उम्र के सभी बच्चों की खून की कमी की जांच, 6 माह से पांच वर्ष तक के गंभीर कुपोषित बच्चों की पहचान और 9 माह से पांच वर्ष तक के बच्चों को विटामिन-ए का घोल दिया जायेगा।
- इस अभियान के अंतर्गत राज्य के 38 प्रभावित जिलों में रेडियो, टीवी एवं समाचार पत्रों के माध्यम से जापानी इन्सेफेलाइटिस बीमारी के बारे जागरूकता फैलाया जायेगा।

## किसान उदय योजना

खेती में उत्पादकता बढ़ाने के लिए उत्तर प्रदेश राज्य सरकार द्वारा वर्ष 2017 में किसान उदय योजना शुरू की गयी।

- किसान उदय योजना के तहत राज्य सरकार द्वारा किसानों को विभिन्न क्षमताओं के 'कुशल ऊर्जा पंप सेट' प्रदान किए जाएंगे।
- इस योजना के तहत वर्ष 2022 तक 10 लाख सोलर पम्प सेट उपलब्ध कराये जाएगें तथा मोबाइल फोन से नियंत्रित इन पम्प सेटों के रखरखाव का खर्च भी सरकार 5 वर्षों तक उठाएगी।
- किसान उदय योजना कृषि क्षेत्र में इनपुट लागत को कम करेगी और किसानों की आय बढ़ाएगी। इस योजना में वितरित पंप से ऊर्जा की बचत होगी क्योंकि इसमें पारंपरिक पम्पों की तुलना में 35 प्रतिशत कम ऊर्जा की खपत होती है।

## 'प्रकाश है, तो विकास है' योजना

भारत के पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी बाजपेयी के जन्म दिवस (25 दिसम्बर, 2017) के अवसर पर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 'प्रकाश है, तो विकास है' नामक योजना का शुभारम्भ किया। इस योजना का उद्देश्य राज्य के निर्धन नागरिकों (जिनकी वार्षिक आय 35000 रुपये से कम है) को निःशुल्क विद्युत कनेक्शन उपलब्ध कराना है।

यह योजना मथुरा जिले के दो गाँवों लोहबान और गौसाणा से शुरू की गई है।

## पं. दीनदयाल उपाध्याय किसान समृद्धि योजना

पं. दीनदयाल उपाध्याय किसान समृद्धि योजना के अन्तर्गत ग्रामीण क्षेत्रों में बंजर, बीहड़ एवं जलभराव वाले क्षेत्रों को शामिल किया गया है ताकि उनका उपचार कर इन्हें कृषि हेतु उपयोग में लाया जा सके।

- चयनित परियोजना क्षेत्र के शत–प्रतिशत अनुदान पर बीहड़, बंजर भूमि सुधार तथा जल भराव वाले क्षेत्रों को उपचार हेतु मनरेगा के तहत उसका क्रियान्वयन किया जाता है। योजना को शुरू करने का निर्णय 8 अगस्त, 2017 को लिया गया था। गौतमबुद्ध नगर को छोड़कर शेष 74 जिलों में यह योजना प्रास्तावित है।
- इस योजना के सफलतापूर्वक संचालित हो जाने पर कृषि युक्त भूमि की उपलब्धता बढ़ जायेगी जिससे कृषि उत्पादन एवं उत्पादकता में वृद्धि के साथ–साथ कृषकों की आय में भी वृद्धि होगी।

## नया सवेरा योजना

उत्तर प्रदेश में श्रम विभाग द्वारा श्रमिक बच्चों को चिह्नित करके बाल श्रम से मुक्ति दिलाने और इनका सामाजिक, शैक्षिक एवं नैतिक विकास करने के उद्देश्य से 19 जून, 2017 को नया सवेरा योजना की शुरुआत की गई।

- इस योजना के द्वारा बाल श्रम से सर्वाधिक प्रभावित 20 जिलों में चिह्नित ग्रामों (हॉट स्पॉट) को केवल बाल श्रम से मुक्त किए जाने के लिए डोर–टू–डोर सर्वेक्षण किया जाता है और 14 वर्ष से कम उम्र के सभी कामकाजी बच्चों को सूचीबद्ध करके इन्हें विद्यालय भेजने तथा तकनीकी ज्ञान उपलब्ध कराने पर भी जोर दिया जाता है।



Join @yct_hub For More Exclusive PDFs

Search @yct_hub to Join Channel

- इस योजना का क्रियान्वयन और अनुश्रवण ब्लॉक स्तर पर गठित बाल अधिकार संरक्षण समिति तथा जिला स्तर पर जनपदीय बालश्रम उन्मूलन समिति करती है।
- इस कार्य में सहयोगी संस्था के रूप में ग्राम्य विकास, महिला एवं बाल विकास, पंचायती राज व ग्राम पंचायत तथा शिक्षा विभाग कार्य करेंगे।
- जून 2017 तक उत्तर प्रदेश में कुल श्रमिक बच्चों की संख्या लगभग 21.76 लाख अनुमानित थी।

## अन्य महत्वपूर्ण तथ्य

- अम्बेडकर समग्र ग्रामीण विकास योजना का आरम्भ 14 सितम्बर, 2007 को किया गया।
- उत्तर प्रदेश में पहली बार उत्तर प्रदेश दिवस 24 जनवरी, 2018 को मनाया गया।
- सावित्री बाई फुले बालिका शिक्षा मदद योजना 4 फरवरी, 2009 को प्रारम्भ की गयी।
- उत्तर प्रदेश में शिक्षा मित्र योजना का प्रारम्भ 2000–2001 में हुआ, जबकि डॉ0 राम मनोहर लोहिया समग्र विकास योजना 17 मई, 2012 से लागू की गयी।
- शिक्षा का अधिकार कानून (2009) प्रदेश में 27 जुलाई, 2011 को पूर्णतः लागू किया गया। कस्तूरबा गाँधी बालिका विद्यालय योजना 2004 में शुरू की गयी।

**उत्तर प्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशनः-**

- इस मिशन का उद्देश्य जमीनी स्तर पर निर्धनों की सशक्त एवं स्थायी संस्था बनाकर ग्रामीण परिवारों को लाभप्रद रोजगार तथा हुनरमंद मजदूरी प्रदान करना है। जिसके फलस्वरूप इनकी आजीविका में निरंतरता एवं उत्तरोत्तर प्रगति हो सके
- वित्तीय वर्ष 2023-24 तक लगभग 1.08 करोड़ ग्रामीण गरीब परिवारों को 10 लाख महिला स्वयं सहायता समूहों में संगठित करना तथा 1 लाख ग्राम संगठन एवं 3300 संकुलस्तर के संगठन का निर्माण करके उन्हें आत्मनिर्भर बनाना है। साथ ही गरीबी का स्तर निम्न करना है।

| योजना का नाम | वर्ष |
|---|---|
| मुख्यमंत्री कृषक दुर्घटना कल्याण योजना | 21 जनवरी, 2020 |
| आत्मनिर्भर कृषक समन्वित विकास योजना | 30 सितम्बर, 2021 |
| मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना | 2019 |
| मुख्यमंत्री सक्षम सुपोषण योजना | 2022 |
| महिला सामर्थ्य योजना | 2021-22 |
| मुख्यमंत्री अभ्युदय योजना | 2020 |
| मुख्यमंत्री प्रवासी श्रमिक उध्यमिता विकास योजना | 2023 |
| मुख्यमंत्री दुर्घटना बीमा योजना | अक्टूबर, 2021 |
| मुख्यमंत्री समग्र सम्पदा योजना | 2021 |
| मुख्यमंत्री ग्रामीण आवास योजना | फरवरी-2018 |
| मुख्यमंत्री पंचायत प्रोत्साहन योजना | 2018-19 |
| डा. राम मनोहर लोहिया पंचायत सशक्तिकरण योजना | 2015-16 |
| मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना | 28-09-2017 |
| मुख्यमंत्री ग्रामोद्योग रोजगार योजना | 2023 |
| मुख्यमंत्री पर्यटन संवर्धन योजना | 2023 |
| मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना | 2017-18 |
| बाबा साहेब अम्बेड़कर रोजगार प्रोत्साहन योजना | 2019 |
| राज्य ग्रामीण पेयजल योजना | 2016-17 |
| उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन | जुलाई, 2013 |
| मिशन परिवार विकास | 24 अप्रैल, 2017 |
| डॉ. ए. पी. जे. अब्दुल कलाम नगरीय सौर पुंज योजना | 2016-17 |
| कान्हा गौशाला एवं बेसहारा पशु आश्रय योजना | 2017 |
| आदर्श नगर योजना | 2020-21 |
| उ. प्र. मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना | 30 मई, 2021 |
| डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम प्राविधिक शिक्षा सहायता योजना | 2020 |
| गणेश शंकर विद्यार्थी पुरस्कार राशि योजना | 2020 |
| ज्योतिबा फुले कन्यादान योजना | 2020 |
| जैव ऊर्जा उद्यम प्रोत्साहन कार्यक्रम | फरवरी, 2018 |
| मुख्यमंत्री समग्र ग्राम विकास योजना | 2018-19 |



Join @yct_hub For More Exclusive PDFs

| | |
|---|---|
| विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजना | 2017 |
| जिला उद्योग केन्द्र योजना | 1978-79 |
| वैज्ञानिक सम्मान योजना | 2000 |
| मिशन शक्ति | 2020 |
| निःशुल्क टैबलेट/स्मार्टफोन वितरण योजना | 19 अगस्त, 2021 |
| उत्तर प्रदेश मातृभूमि योजना | 15 सितम्बर, 2021 |
| एक जिला एक उत्पाद योजना | 24 जनवरी, 2018 |
| मुखबिर योजना | 24 जून, 2017 |
| दस्तक अभियान | फरवरी, 2018 |
| किसान उदय योजना | 2017 |
| प्रकाश है तो विकास है योजना | 2017 |
| पं. दीन दयाल उपाध्याय किसान समृद्धि योजना | 2017 |
| नया सवेरा योजना | 2017 |

## उत्तर प्रदेश सौर ऊर्जा नीति

राज्य के सभी नागरिकों को पर्यावरण के अनुकूल तथा सस्ती बिजली प्रदान करने के उद्देश्य से 5 दिसम्बर, 2017 को उत्तर प्रदेश सौर ऊर्जा नीति प्रख्यापित की गयी। इस नीति में राज्य में सौर ऊर्जा से विद्युत उत्पादन परियोजनाओं के निर्माण में निजी क्षेत्र की भागीदारी को बढ़ावा देना तथा निवेश का अवसर प्रदान करना शामिल है।

ध्यातव्य है कि उत्तर प्रदेश में सौर ऊर्जा संभावित क्षमता 22.3 गीगावाट है।

राज्य सरकार द्वारा स्वीकृत सौर ऊर्जा नीति निम्नलिखित सौर परियोजनाओं के लिए लागू होगी।

1. सोलर रुफटॉप परियोजनाएँ
2. ऑफ ग्रिड संयंत्र
3. यूटिलिटी स्केल सौर ऊर्जा परियोजनाएँ

इस नीति के तहत श्रेणी-1 के अंतर्गत एकीकृत सोलर पार्क की स्थापना की जाएगी जिसकी क्षमता 100 मेगावाट की होगी।

उत्तर प्रदेश सौर ऊर्जा नीति, 2017 जारी होने की तिथि से लागू होगी और 5 वर्ष की अवधि तक अथवा राज्य सरकार द्वारा नई नीति अधिसूचित करने की अवधि जो भी पहले हो तक लागू रहेगी।

## प्रदेश की महत्त्वपूर्ण योजनाएँ एक दृष्टि में:

| योजना | प्रारंभ | प्रमुख तथ्य (उद्देश्य, लक्ष्य) |
|---|---|---|
| **आकांक्षी नगर योजना** | **2023-24** | शहरी नियोजित विकास कार्यक्रमों को सुचारू ढंग एवं त्वरित रूप में लागू करना।<br>पहले चरण में 100 आकांक्षी नगरीय निकायों का चयन किया जाएगा। |
| **पीएस गरीब कल्याण अन्न योजना** | अप्रैल, 2020 | एकीकृत खाद्य सुरक्षा योजना के रूप में आरंभ इस योजना के तहत देश के 80 करोड़ गरीबों को निःशुल्क खाद्यान्न उपलब्ध कराना। |
| **झलकारी बाई कोरी पॉवरलूम विकास योजना** | अप्रैल, 2023 | प्रदेश में हथकरघा व वस्त्रोद्योग को बढ़ावा देने से संबंधित इस योजना के द्वारा हथकरघा की आर्थिक स्थिति में सुधार किया जा रहा है।<br>इसमें हैंडलूम व पॉवरलूम की स्थापना पुनः क्रमशः 80% व 60% तक की सब्सिडी प्रदान की जाती है। |
| **निषादराज बोट सब्सिडी योजना** | मार्च, 2023 | योजना के तहत मछुआरा समुदाय एवं मत्स्य-पालकों को नाव (बिना इंजन), लाइफ जैकेट, आइसबॉक्स, जाल आदि की खरीद पर 40 प्रतिशत की सब्सिडी प्रदान करना।<br>यह निर्धारित अगले 5 वर्षों की संचालन अवधि में कुल 15,000 मछुआरों को लाभान्वित करने का लक्ष्य रखा है। |
| **मुख्यमंत्री मत्स्य संपदा योजना** | दिसंबर, 2022 | प्रदेश में मत्स्य पालन को बढ़ावा देना तथा उसके लिए आवश्यक तालाब, मत्स्य बीज बैंक आदि हेतु अनुदान प्रदान करना। |



Join @yct_hub For More Exclusive PDFs

| | | |
|---|---|---|
| **पीएम श्री स्कूल योजना** | 5 सितंबर, 2022 | प्रधानमंत्री स्कूल फॉर राइजिंग इंडिया (PM SRI) योजना के तहत देशभर के 14,500 स्कूलों का उन्नयन एवं विकास किया जाना है। |
| **सारस परियोजना** | 20 सितंबर, 2022 | महिला सशक्तीकरण, मासिक धर्म स्वच्छता और जागरूकता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से यह योजना गाजियाबाद में शुरू की गई।<br>यह योजना 'इजराइल' तथा एक 'खुशी' नामक NGO की सहायता से चलाई जा रही है। |
| **एक जिला, एक खेल (ODOS) योजना** | 2022 | प्रदेश में जिलेवार प्रचालित खेलों की पहचान कर उनको बढ़ावा देना।<br>एक जिला, एक उत्पाद (ODPO) की तर्ज पर आरंभ इस योजना में प्रत्येक जिलों से अंतर्राष्ट्रीय खिलाड़ियों को तैयार किया जाएगा। |
| **मुख्यमंत्री जन आरोग्य योजना** | 29 अक्टूबर, 2021 | जन आरोग्य योजना के लाभ से वंचित तथा प्रदेश में असंगठित क्षेत्र के प्रति परिवारों को 5 लाख रु. तक की निःशुल्क स्वास्थ्य सुविधा प्रदान करना।<br>इसके तहत राज्य के 10.56 लाख परिवारों को लाभान्वित करने का लक्ष्य रखा गया है। |
| **अनूठी उपहार योजना** | 2021 | प्रदेश में कोरोना टीकाकरण को बढ़ावा देने से संबंधित इस योजना द्वारा टीका लगवाने वाले लोगों को लकी ड्रॉ के माध्यम से पुरस्कृत किया गया। |

| | | |
|---|---|---|
| **मिशन परिवार विकास** | 11 जुलाई, 2017 | योजना की शुरुआत 'अवंतिबाई चिकित्सालय' बलरामपुर से की गई।<br>का उद्देश्य अधिक प्रजनन दर (3 या उससे अधिक) वाले जिलों में परिवार कल्याण जागरुकता कार्यक्रम संचालित करना। |
| **हौसला पोषण** | जुलाई, 2016 | प्रदेश के गर्भवती महिलाओं एवं बच्चों के लिए संचालित। |
| **श्रमिक आवासीय विद्यालय योजना** | मई, 2015 | कर्मगार अधिनियम के अंतर्गत पंजीकृत श्रमिकों के 6-14 वर्ष की आयु के बच्चों को आवासीय विद्यालय की सुविधा प्रदान करना |
| **श्रमिक मध्याह्न भोजन योजना** | मई, 2015 | निर्माण कर्मगारों (श्रमिकों) को निर्माण कार्यस्थल के नजदीक सस्ते दर पर भोजन उपलब्ध कराना। |
| **समाजवादी पेंशन** | नवंबर, 2014 | ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र में निवास करने वाले भूमिहीन, एकल महिला एवं दिव्यांगों के लिए। |
| **समाजवादी एम्बुलेंस स्वास्थ्य सेवा** | सितंबर, 2012 | राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन के तहत प्रदेश के लोगों को निःशुल्क सेवा। |
| **रानी लक्ष्मीबाई पेंशन** | जुलाई, 2012 | लाभार्थी परिवार की महिला मुखिया को प्रतिमाह 400 रुपये की सहायता राशि। |
| **सचल पालना गृह योजना** | 2012-13 | महिला श्रमिकों के बच्चों (0-6 वर्ष की आयु) की देखभाल करना। |
| **महामाया गरीब बालिका आशीर्वाद** | फरवरी, 2009 | गरीबी रेखा से नीचे जीवनयापन करने वाले परिवारों में वयस्क विवाह प्रोत्साहन एवं कन्या भ्रूण हत्या को रोकने से संबंधित। |



Join @yct_hub For More Exclusive PDFs

| | | |
|---|---|---|
| **सावित्री बाई फुले बालिका शिक्षा मदद** | फरवरी, 2009 | गरीब परिवार की लड़कियों के शिक्षा के प्रोत्साहन के लिए। |
| **सलोनी स्वास्थ्य किशोरी** | दिसंबर, 2008 | 11 से 19 वर्ष की बालिकाओं के स्वास्थ्य में गिरावट को रोकने हेतु। |
| **व्यापारी दुर्घटना बीमा** | नवंबर, 2008 | मृत्यु होने पर 4 लाख रुपये की वित्तीय सहायता। |
| **राष्ट्रीय स्वास्थ्य बीमा** | अक्टूबर, 2007 | योजना का प्रारंभ केंद्र सरकार द्वारा गरीबी रेखा से नीचे वाले परिवारों के लिए। |
| **बालिका श्री** | 2006-07 | SC/ST की बालिकाओं को बीमा सुरक्षा प्रदान करने हेतु। |
| **राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन** | सितंबर, 2005 | ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार हेतु। |
| **निःशुल्क स्कूली ड्रेस योजना** | सितंबर, 2005 | प्रदेश के माध्यमिक विद्यालयों (कक्षा 1 से 8) में छात्र नामांकन एवं उनकी उपस्थिति दर को बढ़ाना।<br>इसके तहत सभी विद्यार्थियों को निःशुल्क 2 जोड़ी स्कूली ड्रेस का वितरण किया जाता है। |
| **कस्तूरबा गाँधी बालिका विद्यालय योजना** | अगस्त, 2024 | आर्थिक रूप से पिछड़े ब्लॉकों के SC/ST, OBC एवं अल्पसंख्यक बालिकाओं के लिए आवासीय विद्यालय की स्थापना<br>अप्रैल, 2007 से इसे सर्वशिक्षा अभियान में समायोजित कर लिया गया। |
| **अनुदान योजना** | 2003-04 | अनुसूचित जाति की छात्राओं (कक्षा 6-12 तक) में शिक्षा को बढ़ावा देने हेतु निःशुल्क यूनिफॉर्म व साइकिल उपलब्ध कराना। |
| **स्वयंसिद्धा** | 2001 | पूर्व में इंदिरा महिला योजना के नाम से संचालित, भारत सरकार द्वारा वित्तपोषित। |
| **शिक्षा मित्र** | 2000-01 | पूर्व प्राथमिक शिक्षा में ग्रामीण शिक्षा समिति की सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित करना है। |
| **विधायक क्षेत्र विकास निधि योजना** | 1999-2000 | इस विकास निधि के माध्यम से विधायकों द्वारा अपने-अपने विधान सभा क्षेत्रों में विकास संबंधी कार्य कराए जाते हैं।<br>योजना के आरंभ में विधायक निधि हेतु **15** लाख रु. का प्रावधान किया गया था। जिसे क्रमशः 2016-17 में |
| **बालिका समृद्धि** | अगस्त, 1997 | बीपीएल परिवार की बालिकाओं के लिए। |
| **राष्ट्रीय बालश्रम योजना** | 1988 | बाल श्रमिकों के पुनर्वास से संबंधित इस योजना का समायोजन वर्ष 2021 में समग्र शिक्षा अभियान में कर दिया गया। |
| **नगरीय क्षेत्र दुकान निर्माण योजना** | 1981 | नगरीय क्षेत्र के बेरोजगार अनुसूचित जाति के युवकों/युवतियों को दुकान निर्माण हेतु अनुदान तथा ब्याज रहित ऋण उपलब्ध कराया जाता है।<br>अप्रैल, 2007 से इसे सर्व शिक्षा अभियान में समायोजित कर लिया गया। |
| **पं. दीनदयाल उपाध्याय स्वरोजगार योजना** | 1980-81 | अनुसूचित जाति के गरीब बेरोजगारों को स्वरोजगार अथवा उद्यम स्थापित करने हेतु 20 हजार से 15 लाख रु. तक की कृषि एवं अकृषि क्षेत्र की परियोजनाओं पर अनुदान एवं वित्तीय ऋण उपलब्ध कराया जाता है। |
| **स्वतंत्रता सैनिक सम्मान योजना** | 15 अगस्त, 1972 | स्वतंत्रता सेनानियों एवं उनके पात्र आश्रितों को पेंशन प्रदान करना। |



Join @yct_hub For More Exclusive PDFs

## उत्तर प्रदेश पंचवर्षीय योजना

| उत्तर प्रदेश के पंचवर्षीय योजनाओं के दौरान क्षेत्रवार वृद्धि दरें (प्रतिशत में) | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| **योजना** | **अवधि** | **प्राथमिक** | **द्वितीयक** | **तृतीयक** | **कुल** | **प्राथमिकता** |
| प्रथम योजना | (1951-56) | 1.8 | 1.6 | 3.0 | 2.0 | कृषि विकास |
| द्वितीय योजना | (1956-61) | 1.5 | 3.2 | 2.3 | 1.9 | भारी औद्योगिक विकास |
| तृतीय योजना | (1961-66) | -0.2 | 9.2 | 2.6 | 1.6 | आत्मनिर्भर एवं स्वउत्पादक अर्थव्यवस्था |
| चतुर्थ योजना | (1969-74) | 0.9 | 6.7 | 2.9 | 2.3 | स्थिरता के साथ विकास तथा आत्मनिर्भरता की प्रगतिशील उपलब्धि। |
| पांचवीं योजना | (1974-78) | 5.5 | 7.3 | 5.3 | 5.7 | निर्धनता उन्मूलन व आत्मनिर्भरता की प्राप्ति |
| छठी योजना | (1980-85) | 9.6 | 9.5 | 6.5 | 8.7 | प्रगतिशील अर्थव्यवस्था की स्थितियाँ निर्मित कर निर्धनता की समस्या पर प्रत्यक्ष प्रहार |
| सातवीं योजना | (1985-90) | 2.7 | 8.8 | 8.0 | 5.7 | आधुनिकीकरण एवं आत्मनिर्भरता |
| आठवीं योजना | (1992-97) | 2.5 | 3.3 | 3.9 | 3.2 | मानव संसाधन का विकास |
| नवीं योजना | (1997-02) | 1.6 | -0.9 | 3.8 | 2.0 | सामाजिक न्याय एवं समानता के साथ संवृद्धि |
| दसवीं योजना | (2002-07) | 1.8 | 10.8 | 5.2 | 5.2 | समानता पर आधारित धारणीय संवृद्धि |
| ग्यारहवीं योजना | (2007-12) | 3.1 | 5.4 | 9.6 | 6.9 | तीव्र एवं अधिक समावेशी संवृद्धि |
| बारहवीं योजना | (2012-17) | 2.7 | 9.8 | 6.7 | 5.4 | तीव्र, अधिक समावेशी एवं धारणीय संवृद्धि |

# EXAM CAPSULE

| | |
|---|---|
| ■ राजस्व परिषद, उत्तर प्रदेश की स्थापना किस जिले में की गई थी– **इलाहाबाद (प्रयागराज)** | **UP Police Contable (M/F) 18/02/2024 Shift-I (Cancelled)** |
| ■ ''उत्तर प्रदेश उद्योग बन्धु योजना'' का मुख्य उद्देश्य है– **समयबद्ध औद्योगिक इकाइयों को स्थापित करना** | **Allahabad High Court RO 07-01-2022 Shift-II** |
| ■ 'उत्तर प्रदेश मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना' विशेष रूप से बनाई गई है– **'कोविड' में जिन बच्चों ने अपने माता-पिता को खोया है उन्हें वित्तीय सहायता प्रदान करना** | **Allahabad High Court ARO 14-12-2021 Shift-II** |
| ■ उत्तर प्रदेश की एक योजना 'निर्भया – एक पहल' किसके सशक्तिकरण के लिए है– **महिलाएँ** | **Allahabad High Court ARO 14-12-2021 Shift-II** |
| ■ उत्तर प्रदेश के किस शहर में स्फूर्ति (SFURTI) (Scheme of Fund for Regeneration of Traditional Industries) योजना के तहत एक कुंभकार क्लस्टर स्थापित किया है– **वाराणसी** | **Allahabad High Court APS 23-12-2021 Shift-I** |
| ■ उत्तर प्रदेश में उद्यम स्थापित करने के इच्छुक उद्यमियों के लिए .....एक वेब आधारित ऑनलाइन सुविधा है– **निवेश मित्र** | **Allahabad High Court ARO 18-12-2016** |



Join @yct_hub For More Exclusive PDFs

| | |
|---|---|
| ■ कौन-सी योजना निम्न आय वर्ग में बालिका के जन्म के बाद वित्तीय सहायता प्रदान करती है– **भाग्य लक्ष्मी योजना** | **Allahabad High Court ARO 14-12-2021 Shift-I** |
| ■ उत्तर प्रदेश में प्राथमिक शिक्षा के लिए 'स्कूल चलो अभियान' कब प्रारम्भ किया गया– **2000** | **Allahabad High Court ARO 15-12-2021 Shift-II** |
| ■ उत्तर प्रदेश में 'मध्यान्ह भोजन योजना' को कब प्रमोचित किया गया– **1995** | **Allahabad High Court ARO 15-12-2021 Shift-I UPPCS (Mains) GS I$^{st}$ 2012** |
| ■ पी-एम किसान योजना के अंतर्गत सर्वाधिक संख्या में लाभान्वित प्रमाणीकृत राज्य के रूप में किस राज्य को पुरस्कृत किया है– **उत्तर प्रदेश** | **Allahabad High Court ARO 15-12-2021 Shift-I** |
| ■ उत्तर प्रदेश में ₹ _____ प्रति बल्ब की दर से LED बल्ब उपलब्ध करवाने के लिए 'ग्राम उजाला योजना' शुरू की गयी है– **10** | **Allahabad High Court ARO 19-12-2021 Shift-II** |
| ■ उत्तर प्रदेश की विशेष केन्द्रीय योजना (नवाचार योजना) का एक और नाम है– **जवाहर रोज़गार योजना की छाता योजना** | **Allahabad High Court RO 10--12-2021 Shift-I** |
| ■ जिस प्रदेश सरकार ने, किसानों की आय दुगुनी करने के लिये 'किसान कल्याण मिशन' शुरू किया, वह प्रदेश है– **उत्तर प्रदेश** | **Allahabad High Court RO 10--12-2021 Shift-I** |
| ■ उ.प्र. में किसान मित्र योजना कब शुरू हुई– **18 जून 2001** | **UPPSC Asst. Town Planner-2023** |
| ■ यूपी की कुष्ठ रोग पेंशन योजना के लाभार्थियों को कितना मासिक अनुदान प्रदान किया जाता है– **₹3,000** | **UPSSSC Instructor Exam-2022** |
| ■ उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा प्रारम्भ की गई 'कन्या विद्या धन योजना' उन लड़कियों के लिए है जिन्होंने उत्तीर्ण की है– **कक्षा XII** | **UP APO-2011** |
| ■ उत्तर प्रदेश में 'उत्तर प्रदेश कृषि विविधीकरण परियोजना' (यू.पी. डास्प) प्रायोजित की गई- **केन्द्र सरकार और विश्व बैंक द्वारा** | **UPPSC RO ARO (Mains) 2021** |
| ■ उत्तर प्रदेश में 'कृषक समृद्धि आयोग' की स्थापना किस वर्ष में हुई थी– **2017** | **UPPSC RO ARO (Mains) 2021** |
| ■ 'उत्तर प्रदेश स्वामी विवेकानन्द ऐतिहासिक पर्यटन यात्रा योजना 2021' को उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा धार्मिक यात्रा किन व्यक्तियों के लिए आरम्भ की गयी है– **मजदूरों के लिए** | **UPPCS (Pre) 2021** |
| ■ ''संगम योजना'' का मुख्य उद्देश्य है– **विकलांगों की कल्याण वृद्धि करना** | **UPPSC RO/ARO Pre 2021** |
| ■ ''वूमेन पावर लाइन- 1090 योजना'' प्रारम्भ हुई- **15-11-2012 को** | **UPPCS (Mains)-2017** |
| ■ उत्तर प्रदेश में राज्य पोषण मिशन सम्बन्धित है- **कुपोषण से** | **UPPSC ACF - 2017** |
| ■ गोमती कार्य योजना के अन्तर्गत किस जनपद में प्रदूषण न्यूनीकरण कार्यों पर समुचित बल नहीं दिया गया है– **सीतापुर** | **UPPSC BEO Exam 2006-I** |
| ■ 'आत्मनिर्भर यू.पी. रोजगार अभियान' कब प्रारम्भ किया गया– **26 जून, 2020 को** | **UPPSC ACF/RFO Mains Ist Paper 2019** |
| ■ उत्तर प्रदेश में किसान बही योजना लागू की गयी थी– **1992 में** | **UPPCS (Pre) GS 2002, 2010 UPPCS (Mains) G.S. I$^{st}$ 2015** |
| ■ उत्तर प्रदेश में किसान मित्र योजना का आरम्भ हुआ था– **18 जून, 2001 को** | **UPPCS (Pre) G.S. 2005** |
| ■ विश्व बैंक द्वारा वित्त पोषित 'सोडिक लैण्ड रिक्लेमेशन प्रोजेक्ट-II" हेतु वह जनपद जो परियोजना के लिए चयनित नहीं है– **सीतापुर** | **UPPCS (Pre) G.S. 2009** |
| ■ उत्तर प्रदेश उद्योग बन्धु योजना का उद्देश्य है– **औद्योगिक इकाइयों की समयबद्ध स्थापना सुनिश्चित करना** | **UPPCS (Pre) G.S. 2007** |
| ■ लखनऊ योजना सम्बन्धित है विकास से– **सड़कों के** | **UPPCS (Pre) G.S. 2004** |
| ■ रिलायन्स किस एक राज्य में गैस आधारित ऊर्जा उत्पादन परियोजना लगाने जा रही है– **उत्तर प्रदेश** | **UPPCS (Pre) G.S. 2004** |
| ■ 'ज्ञान दीप शिक्षा योजना' उत्तर प्रदेश में प्रारम्भ की गयी– **सितम्बर 2002** | **UPPCS (Pre) G.S. Spl. 2004** |



Join @yct_hub For More Exclusive PDFs

| | |
|---|---|
| ■ कल्प योजना सम्बन्धित है– **प्राथमिक शिक्षा से** | **UPPCS (Pre.) G.S. 2003** |
| ■ उत्तर प्रदेश में 'मिड-डे-मील' कार्यक्रम आरंभ किया गया– **वर्ष 1995 में** | **UPPCS (Mains) GS I$^{st}$ 2012** |
| ■ उत्तर प्रदेश में विकास केन्द्र परियोजना का शुभारम्भ किया गया था– **अक्टूबर, 2001** | **UPPCS (Mains) G.S. I$^{st}$ 2009** |
| ■ द ऑपरेशन ग्रीन परियोजना का उत्तर प्रदेश में शुभारम्भ हुआ था– **2001 में** | **UPPCS (Mains) G.S. I$^{st}$ 2009** |
| ■ उत्तर प्रदेश में क्रियान्वित की जा रही योजनाओं में से कौन एक केंद्रीय सरकार की योजना नहीं है– **गंगा एक्सप्रेस वे** | **UP UDA/LDA (Mains) G.S., 2010** |
| ■ स्वावलंबन योजना किस उद्देश्य की पूर्ति करती है– **महिलाओं को प्रशिक्षण एवं कौशल प्रदान करना** | **UP UDA/LDA (Pre) G.S., 2006** |
| ■ उत्तर प्रदेश के कितने जिलों में पहले, मुख्यमंत्री महामाया मोबाइल अस्पताल योजना प्रारम्भ हुई थी– **15 में** | **UP Lower (Pre.) G.S. 2009** |
| ■ गैसोहॉल की पायलट परियोजना उत्तर प्रदेश में आरम्भ की गयी है– **आंवला में** | **UP Lower (Pre.) Spl, G.S. 2002** |
| ■ किस राज्य में भारत के प्रथम 'अमृत सरोवर' का उद्घाटन किया गया– **उत्तर प्रदेश** | **UPSSSC PET 16.10.2022 Shift-II** |
| ■ उत्तर प्रदेश में _____ के प्रचार हेतु कन्या सुमंगला योजना की शुरुआत की गई थी– **लड़कियों के लिए स्वास्थ्य एवं शैक्षणिक मानक** | **[UPSSSC Junior Assistant 04/01/2020 Shift-I]** |
| ■ उत्तर प्रदेश में _____ हेतु शबरी संकल्प अभियान की शुरुआत की गई थी– **कुपोषण दूर करने** | **[UPSSSC Junior Assistant 04/01/2020 Shift-I]** |
| ■ 'किशोरी बालिका योजना', वर्ष में _____ दिनों के लिए विद्यालय में उपस्थित न होने पर लड़कियों को संतुलित आहार प्रदान करने की पेशकश करती है– **300** | **[UPSSSC Junior Assistant 04/01/2020 Shift-I]** |
| ■ प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना (PM Kissan) के तहत लाभ प्राप्त करने के सम्बन्ध में उत्तर प्रदेश राज्य को _____ स्थान प्राप्त है– **पहला** | **[UPSSSC Junior Assistant 04/01/2020 Shift-I]** |
| ■ उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा शुरु किया गया दस्तक अभियान, किससे संबंधित है– **जापानी इंसेफेलाइटिस का उन्मूलन** | **ग्राम विकास अधिकारी - 22-12-2018 (shift- II)** |
| ■ उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा कन्या विद्या धन योजना के अन्तर्गत वर्ष 2016 की कक्षा 12 में उत्तीर्ण चयनित छात्राओं को प्रोत्साहन हेतु कितनी धनराशि प्रदान की गई है– **₹30000** | **आबकारी सिपाही - 25-09-2016** |
| ■ उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा ''समाजवादी पेंशन योजना'' कब प्रारम्भ की गई– **जनवरी 2014** | **वन रक्षक - 11-12-2015**<br>**लघु सिंचाई विभाग - 09-08-2015** |
| ■ प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 'स्टैंड-अप इंडिया स्कीम' का प्रारंभ किस शहर में किया– **नोएडा** | **गन्ना पर्यवेक्षक - 03-07-2016 (Paper-I)** |
| ■ वर्ष 2019 में उत्तर प्रदेश में, प्रधान मंत्री किसान सम्मान निधि (PM-KISAN) को—— से शुरू किया गया था– **गोरखपुर** | **[UPSSSC Junior Assistant 04/01/2020 Shift-II]** |
| ■ 'डाक कर्मयोगी' पोर्टल का उद्देश्य है– **लगभग 4 लाख ग्रामीण डाक सेवकों की क्षमताओं में वृद्धि** | **UPSSSC PET 16.10.2022 Shift-I** |
| ■ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने किस जिले में डॉ. संपूर्णानंद स्पोर्ट्स स्टेडियम में एक कार्यक्रम में 1800 करोड़ रुपये की योजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया– **वाराणसी** | **UPSSSC PET 15.10.2022 Shift-2** |
| ■ उत्तर प्रदेश के किस शहर में ऐतिहासिक स्मारक जैसे बड़ा इमामबाड़ा और छोटा इमामबाड़ा स्थित है– **लखनऊ** | **UPSSSC Mandi Parishad 22/05/2022** |
| ■ उत्तर प्रदेश डिफेंस इंडस्ट्रियल कॉरिडोर में इकाइयाँ स्थापित करने के लिए सहायता प्रदान करने के लिए किस वित्तीय संस्थान ने मंजूरी दी है– **सिडबी** | **UPSSSC Assit.Boring Technician 3-7-2022** |
| ■ ''एक जिला, एक उत्पाद'' योजना के तहत ''हस्तनिर्मित कागज'' के उत्पादन के लिए उत्तर प्रदेश के ..... जिले को चुना गया है– **जालौन** | **UPP Constable, 26.10.218 (Shift-2)** |
| ■ राष्ट्रीय साक्षरता मिशन का आरंभ निम्न में से किस वर्ष किया गया– **1988** | **UPSI, 1999** |
| ■ अप्रैल 2018, में उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा गंगा नदी के जलग्रहण क्षेत्र में हरित क्षेत्र को बढ़ाने और मृदा अपरदन को रोकने के लिए किस योजना की शुरूआत की गयी– **गंगा हरीतिमा** | **UPP Constable, 18.06.2018 (Shift-2)** |



Join @yct_hub For More Exclusive PDFs

# 19 उत्तर प्रदेश : जनगणना-2011

## महत्वपूर्ण तथ्य

| | |
|---|---|
| कुल जनसंख्या | – 19,98,12,341 (देश में पहला स्थान) |
| पुरुष जनसंख्या (52.28%) | – 10,44,80,510 |
| महिला जनसंख्या (47.72%) | – 9,53,31,831 |
| जनसंख्या घनत्व | – 829 (चौथा स्थान) |
| लिंगानुपात | – 912 (26वां स्थान) |
| शिशु जनसंख्या | – 3,07,91,331(15.41%) |
| शिशु लिंगानुपात | – 902(26वां स्थान) |
| दशकीय वृद्धि दर (2001-2011) | – 20.2%(15वां स्थान) |
| साक्षरता दर | – 67.7% (29वां स्थान) |
| पुरुष साक्षरता दर | – 77.3% (29वां स्थान) |
| महिला साक्षरता दर | – 57.2% (31वां स्थान) |
| प्रदेश की कुल जनसंख्या में SC का प्रतिशत | – 20.7% |
| प्रदेश की कुल जनसंख्या में ST का प्रतिशत | – 0.6% |
| नगरीय जनसंख्या का प्रतिशत | – 22.3%(30वें स्थान) |
| ग्रामीण जनसंख्या का प्रतिशत | – 77.7%(30वें स्थान) |

- सर्वाधिक जनसंख्या वाला जिला – इलाहाबाद (वर्तमान में प्रयागराज) (59,54,391)
- न्यूनतम जनसंख्या वाला जिला – महोबा (8,75,958)
- सर्वाधिक जनघनत्व वाला जिला –गाजियाबाद (3971)
- कुल जनसंख्या में उत्तर प्रदेश का विश्व में स्थान -5वाँ
- न्यूनतम जनघनत्व वाला जिला – ललितपुर (242)
- सर्वाधिक लिंगानुपात वाला जिला – जौनपुर (1024)
- न्यूनतम लिंगानुपात वाला जिला – गौतम बुद्ध नगर (851)
- सर्वाधिक साक्षरता दर वाला जिला – गौतमबुद्ध नगर (80.12%)
- न्यूनतम साक्षरता दर वाला जिला – श्रावस्ती (46.74%)
- सर्वाधिक पुरुष साक्षरता दर वाला जिला –गौतमबुद्ध नगर (88.1%)
- न्यूनतम पुरुष साक्षरता दर वाला जिला –श्रावस्ती (57.2%)
- सर्वाधिक महिला साक्षरता दर वाला जिला – कानपुर नगर (75.1)
- न्यूनतम महिला साक्षरता दर वाला जिला – श्रावस्ती (34.8%)
- सर्वाधिक अनु.जाति % वाला जिला – कौशाम्बी (34.72%)
- न्यूनतम अनु.जाति % वाला जिला – बागपत (11.44%)
- सर्वाधिक अ.ज.जाति % वाला जिला – सोनभद्र (20.7%)
- न्यूनतम अ.ज.जाति % वाला जिला – बागपत (0.001%)
- सर्वाधिक नग.जन. % वाला जिला – गाजियाबाद (67.6%)
- न्यूनतम नग.जन. % वाला जिला – श्रावस्ती (3.5%)
- सर्वाधिक शिशु लिंगानुपात वाला जिला – बलरामपुर (950)
- न्यूनतम शिशु लिंगानुपात वाला जिला – बागपत (841)
- सर्वाधिक दशकीय वृद्धि दर वाला जिला –गौतमबुद्ध नगर (49.1%)
- न्यूनतम दशकीय वृद्धि दर वाला जिला –कानपुर नगर (9.9%)

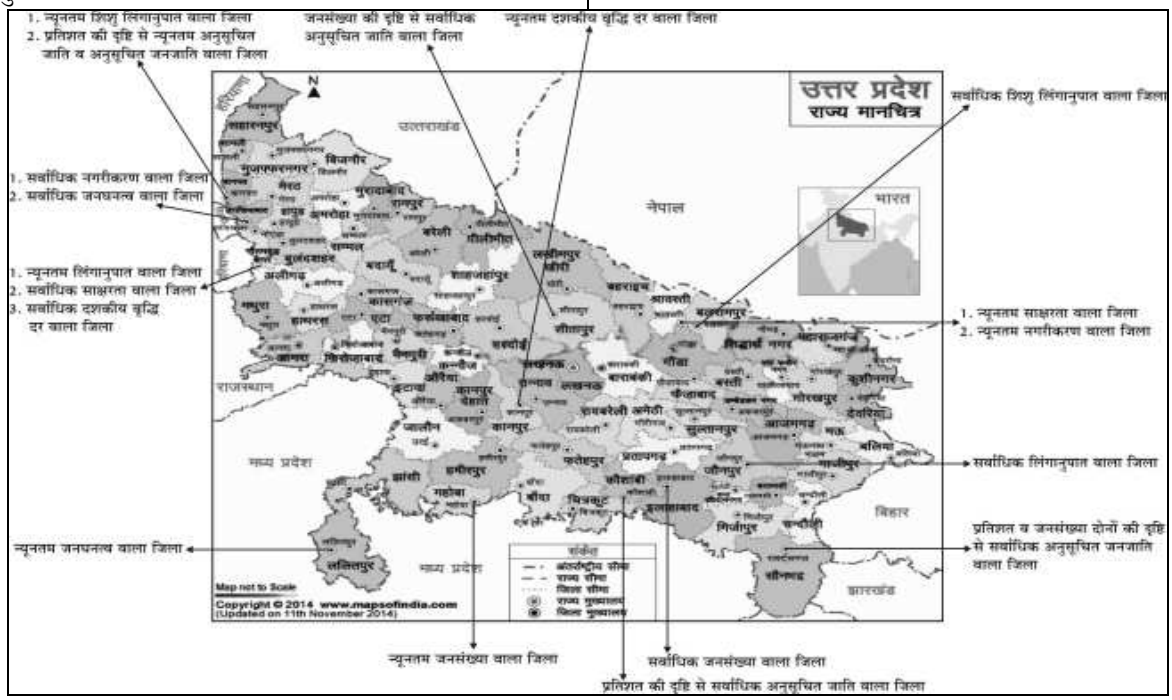




Join @yct_hub For More Exclusive PDFs

## जनसंख्या, लिंगानुपात एवं जनघनत्व

| क्र.सं. | जिले | जनसंख्या 2011 | | | लिंगानुपात | जनघनत्व |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | कुल जनसंख्या | पुरुष | महिलाएं | 2011 | 2011 |
| 1. | सहारनपुर | 34,66,382 | 18,34,106 | 16,32,276 | 890 | 940 |
| 2. | मुजफ्फरनगर | 41,43,512 | 21,93,434 | 19,50,078 | 889 | 1034 |
| 3. | बिजनौर | 36,82,713 | 19,21,215 | 17,61,498 | 917 | 807 |
| 4. | मुरादाबाद | 47,72,006 | 25,03,186 | 22,68,820 | 906 | 1284 |
| 5. | रामपुर | 23,35,819 | 12,23,889 | 11,11,930 | 909 | 987 |
| 6. | ज्योतिबा फुले नगर (अमरोहा) | 18,40,221 | 9,63,449 | 8,76,772 | 910 | 818 |
| 7. | मेरठ | 34,43,689 | 18,25,743 | 16,17,946 | 886 | 1346 |
| 8. | बागपत | 13,03,048 | 7,00,070 | 6,02,978 | 861 | 986 |
| 9. | गाजियाबाद | 46,81,645 | 24,88,834 | 21,92,811 | 881 | 3971 |
| 10. | गौतमबुद्ध नगर | 16,48,115 | 8,90,214 | 7,57,901 | 851 | 1286 |
| 11. | बुलंदशहर | 34,99,171 | 18,45,260 | 16,53,911 | 896 | 776 |
| 12. | अलीगढ़ | 36,73,889 | 19,51,996 | 17,21,893 | 882 | 1007 |
| 13. | महामाया नगर (हाथरस) | 15,64,708 | 8,36,127 | 7,28,581 | 871 | 850 |
| 14. | मथुरा | 25,47,184 | 13,67,125 | 11,80,059 | 863 | 763 |
| 15. | आगरा | 44,18,797 | 23,64,953 | 20,53,844 | 869 | 1094 |
| 16. | फिरोजाबाद | 24,98,156 | 13,32,046 | 11,66,110 | 875 | 1038 |
| 17. | मैनपुरी | 18,68,529 | 9,93,377 | 8,75,152 | 881 | 677 |
| 18. | बदायूं | 36,81,896 | 19,67,759 | 17,14,137 | 871 | 712 |
| 19. | बरेली | 44,48,359 | 23,57,665 | 20,90,694 | 887 | 1080 |
| 20. | पीलीभीत | 20,31,007 | 10,72,002 | 9,59,005 | 895 | 551 |
| 21. | शाहजहांपुर | 30,06,538 | 16,06,403 | 14,00,135 | 872 | 685 |
| 22. | खीरी | 40,21,243 | 21,23,187 | 18,98,056 | 894 | 524 |
| 23. | सीतापुर | 44,83,992 | 23,75,264 | 21,08,728 | 888 | 781 |
| 24. | हरदोई | 40,92,845 | 21,91,442 | 19,01,403 | 868 | 684 |
| 25. | उन्नाव | 31,08,367 | 16,30,087 | 14,78,280 | 907 | 682 |
| 26. | लखनऊ | 45,89,838 | 23,94,476 | 21,95,362 | 917 | 1816 |
| 27. | रायबरेली | 34,05,559 | 17,52,542 | 16,53,017 | 943 | 739 |
| 28. | फर्रुखाबाद | 18,85,204 | 10,06,240 | 8,78,964 | 874 | 864 |
| 29. | कन्नौज | 16,56,616 | 8,81,776 | 7,74,840 | 879 | 792 |
| 30. | इटावा | 15,81,810 | 8,45,856 | 7,35,954 | 870 | 685 |
| 31. | औरैया | 13,79,545 | 7,40,040 | 6,39,505 | 864 | 684 |
| 32. | कानपुर देहात (रमाबाई नगर) | 17,96,184 | 9,63,255 | 8,32,929 | 865 | 595 |
| 33. | कानपुर नगर | 45,81,268 | 24,59,806 | 21,21,462 | 863 | 1452 |
| 34. | जालौन | 16,89,974 | 9,06,092 | 7,83,882 | 865 | 370 |



Join @yct_hub For More Exclusive PDFs

| | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 35. | झांसी | 19,98,603 | 10,57,436 | 9,41,167 | 890 | 398 |
| 36. | ललितपुर | 12,21,592 | 6,41,011 | 5,80,581 | 906 | 242 |
| 37. | हमीरपुर | 11,04,285 | 5,93,537 | 5,10,748 | 861 | 275 |
| 38. | महोबा | 8,75,958 | 4,66,358 | 4,09,600 | 878 | 279 |
| 39. | बांदा | 17,99,410 | 9,65,876 | 8,33,534 | 863 | 408 |
| 40. | चित्रकूट | 9,91,730 | 5,27,721 | 4,64,009 | 879 | 308 |
| 41. | फतेहपुर | 26,32,733 | 13,84,722 | 12,48,011 | 901 | 634 |
| 42. | प्रतापगढ़ | 32,09,141 | 16,06,085 | 16,03,056 | 998 | 863 |
| 43. | कौशाम्बी | 15,99,596 | 8,38,485 | 7,61,111 | 908 | 899 |
| 44. | इलाहाबाद (प्रयागराज) | 59,54,391 | 31,31,807 | 28,22,584 | 901 | 1086 |
| 45. | बाराबंकी | 32,60,699 | 17,07,073 | 15,53,626 | 910 | 741 |
| 46. | अयोध्या (फैजाबाद) | 24,70,996 | 12,59,628 | 12,11,368 | 962 | 1056 |
| 47. | अम्बेडकर नगर | 23,97,888 | 12,12,410 | 11,85,478 | 978 | 1020 |
| 48. | सुल्तानपुर | 37,97,117 | 19,14,586 | 18,82,531 | 983 | 856 |
| 49. | बहराइच | 34,87,731 | 18,43,884 | 16,43,847 | 892 | 666 |
| 50. | श्रावस्ती | 11,17,361 | 5,93,897 | 5,23,464 | 881 | 681 |
| 51. | बलरामपुर | 21,48,665 | 11,14,721 | 10,33,944 | 928 | 642 |
| 52. | गोंडा | 34,33,919 | 17,87,146 | 16,46,773 | 922 | 858 |
| 53. | सिद्धार्थ नगर | 25,59,297 | 12,95,095 | 12,64,202 | 976 | 884 |
| 54. | बस्ती | 24,64,464 | 12,55,272 | 12,09,192 | 963 | 917 |
| 55. | संत कबीर नगर | 17,15,183 | 8,69,656 | 8,45,527 | 972 | 1042 |
| 56. | महराजगंज | 26,84,703 | 13,81,754 | 13,02,949 | 943 | 910 |
| 57. | गोरखपुर | 44,40,895 | 22,77,777 | 21,63,118 | 950 | 1337 |
| 58. | कुशीनगर | 35,64,544 | 18,18,055 | 17,46,489 | 961 | 1227 |
| 59. | देवरिया | 31,00,946 | 15,37,436 | 15,63,510 | 1017 | 1221 |
| 60. | आजमगढ़ | 46,13,913 | 22,85,004 | 23,28,909 | 1019 | 1138 |
| 61. | मऊ | 22,05,968 | 11,14,709 | 10,91,259 | 979 | 1288 |
| 62. | बलिया | 32,39,774 | 16,72,902 | 15,66,872 | 937 | 1087 |
| 63. | जौनपुर | 44,94,204 | 22,20,465 | 22,73,739 | 1024 | 1113 |
| 64. | गाजीपुर | 36,20,268 | 18,55,075 | 17,65,193 | 952 | 1072 |
| 65. | चंदौली | 19,52,756 | 10,17,905 | 9,34,851 | 918 | 769 |
| 66. | वाराणसी | 36,76,841 | 19,21,857 | 17,54,984 | 913 | 2395 |
| 67. | संत रविदास नगर (भदोही) | 15,78,213 | 8,07,099 | 7,71,114 | 955 | 1555 |
| 68. | मिर्जापुर | 24,96,970 | 13,12,302 | 11,84,668 | 903 | 567 |
| 69. | सोनभद्र | 18,62,559 | 9,71,344 | 8,91,215 | 918 | 270 |
| 70. | एटा | 17,74,480 | 9,47,339 | 8,27,141 | 873 | 730 |
| 71. | कांशीराम नगर (कासगंज) | 14,36,719 | 7,64,165 | 6,72,554 | 880 | 735 |
| | **उत्तर प्रदेश** | **19,98,12,341** | **10,44,80,510** | **9,53,31,831** | **912** | **829** |



Join @yct_hub For More Exclusive PDFs

## कुल जनसंख्या में नगरीय जनसंख्या का प्रतिशत 2011

| क्रम | शीर्ष जिले | नगरीय जनसंख्या % | क्रम | निम्न जिले | नगरी जनसंख्या % |
|---|---|---|---|---|---|
| 1. | गाजियाबाद | 67.6 | 67. | प्रतापगढ़ | 5.5 |
| 2. | लखनऊ | 66.21 | 68. | सुल्तानपुर | 5.3 |
| 3. | कानपुर नगर | 65.83 | 69. | महाराजगंज | 5.02 |
| 4. | गौतमबुद्ध नगर | 59.12 | 70. | कुशीनगर | 4.72 |
| 5. | मेरठ | 51.1 | 71. | श्रावस्ती | 3.5 |

### जनसंख्या

| शीर्ष जिले (अवरोही क्रम में) | | | न्यूनतम जिले (आरोही क्रम में) | | |
|---|---|---|---|---|---|
| 1. | इलाहाबाद (प्रयागराज) | 59,54,391 | 1. | महोबा | 8,75,958 |
| 2. | मुरादाबाद | 47,72,006 | 2. | चित्रकूट | 9,91,730 |
| 3. | गाजियाबाद | 46,81,645 | 3. | हमीरपुर | 11,04,285 |
| 4. | आजमगढ़ | 46,13,913 | 4. | श्रावस्ती | 11,17,361 |
| 5. | लखनऊ | 45,89,838 | 5. | ललितपुर | 12,21,592 |
| 6. | कानपुर नगर | 45,81,268 | 6. | बागपत | 13,03,048 |

### लिंगानुपात

| शीर्ष जिले (अवरोही क्रम में) | | | न्यूनतम जिले (आरोही क्रम में) | | |
|---|---|---|---|---|---|
| 1. | जौनपुर | 1024 | 1. | गौतमबुद्ध नगर | 851 |
| 2. | आजमगढ़ | 1019 | 2. | हमीरपुर | 861 |
| 3. | देवरिया | 1017 | 3. | बागपत | 861 |
| 4. | प्रतापगढ़ | 998 | 4. | कानपुर नगर | 863 |
| 5. | सुल्तानपुर | 983 | 5. | बांदा | 863 |
| 6. | मऊ | 979 | 6. | मथुरा | 863 |

### जनघनत्व

| शीर्ष जिले (अवरोही क्रम में) | | | न्यूनतम जिले (आरोही क्रम में) | | |
|---|---|---|---|---|---|
| 1. | गाजियाबाद | 3971 | 1. | ललितपुर | 242 |
| 2. | वाराणसी | 2395 | 2. | सोनभद्र | 270 |
| 3. | लखनऊ | 1816 | 3. | हमीरपुर | 275 |
| 4. | सं.र. नगर | 1555 | 4. | महोबा | 279 |
| 5. | कानपुर नगर | 1452 | 5. | चित्रकूट | 308 |
| 6. | मेरठ | 1346 | 6. | जालौन | 370 |

### साक्षरता दर %

| शीर्ष जिले (अवरोही क्रम में) | | | न्यूनतम जिले (आरोही क्रम में) | | |
|---|---|---|---|---|---|
| 1. | गौतमबुद्ध नगर | 80.12 | 1. | श्रावस्ती | 46.74 |
| 2. | कानपुर नगर | 79.71 | 2. | बहराइच | 49.4 |
| 3. | औरैया | 78.95 | 3. | बलरामपुर | 49.51 |
| 4. | इटावा | 78.41 | 4. | बदायूं | 51.30 |
| 5. | गाजियाबाद | 78.1 | 5. | रामपुर | 53.34 |
| 6. | लखनऊ | 77.3 | 6. | मुरादाबाद | 56.8 |

### पुरुष साक्षरता दर %

| शीर्ष जिले (अवरोही क्रम में) | | | न्यूनतम जिले (आरोही क्रम में) | | |
|---|---|---|---|---|---|
| 1. | गौतमबुद्ध नगर | 88.1 | 1. | श्रावस्ती | 57.2 |
| 2. | औरैया | 86.11 | 2. | बहराइच | 58.34 |
| 3. | इटावा | 86.1 | 3. | बलरामपुर | 59.73 |
| 4. | गाजियाबाद | 85.42 | 4. | बदायूं | 61.0 |
| 5. | झांसी | 85.4 | 5. | रामपुर | 61.40 |
| 6. | मैनपुरी | 84.53 | 6. | मुरादाबाद | 64.83 |

### महिला साक्षरता दर %

| शीर्ष जिले (अवरोही क्रम में) | | | न्यूनतम जिले (आरोही क्रम में) | | |
|---|---|---|---|---|---|
| 1. | कानपुर नगर | 75.1 | 1. | श्रावस्ती | 34.8 |
| 2. | लखनऊ | 71.54 | 2. | बलरामपुर | 38.43 |
| 3. | गौतमबुद्ध नगर | 70.82 | 3. | बहराइच | 39.2 |
| 4. | औरैया | 70.61 | 4. | बदायूं | 40.1 |
| 5. | गाजियाबाद | 69.8 | 5. | रामपुर | 44.44 |
| 6. | इटावा | 69.61 | 6. | गोण्डा | 47.1 |

### कुल जनसंख्या में अनुसूचित जाति (S.C.) का प्रतिशत

| शीर्ष जिले (अवरोही क्रम में) | | | न्यूनतम जिले (आरोही क्रम में) | | |
|---|---|---|---|---|---|
| 1. | कौशाम्बी | 34.72 | 1. | बागपत | 11.44 |
| 2. | सीतापुर | 32.3 | 2. | बरेली | 12.53 |
| 3. | हरदोई | 31.14 | 3. | बलरामपुर | 12.90 |
| 4. | उन्नाव | 30.52 | 4. | गौतमबुद्ध नगर | 13.11 |
| 5. | रायबरेली | 30.3 | 5. | रामपुर | 13.2 |

### कुल जनसंख्या में अनुसूचित जनजाति (S.T.) का प्रतिशत

| शीर्ष जिले (अवरोही क्रम में) | | | न्यूनतम जिले (आरोही क्रम में) | | |
|---|---|---|---|---|---|
| 1. | सोनभद्र | 20.7 | 1. | बागपत | 0.001 |
| 2. | ललितपुर | 5.9 | 2. | कन्नौज | 0.001 |
| 3. | देवरिया | 3.54 | 3. | बदायूं | 0.002 |
| 4. | बलिया | 3.40 | 4. | बुलंदशहर | 0.006 |
| 5. | कुशीनगर | 2.3 | 5. | मुजफ्फरनगर | 0.008 |



Join @yct_hub For More Exclusive PDFs

| कुल जनसंख्या में नगरीय जनसंख्या का प्रतिशत | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| शीर्ष जिले (अवरोही क्रम में) | | | न्यूनतम जिले (आरोही क्रम में) | | |
| 1. | गाजियाबाद | 67.6 | 1. | श्रावस्ती | 3.5 |
| 2. | लखनऊ | 66.21 | 2. | कुशीनगर | 4.72 |
| 3. | कानपुर नगर | 65.83 | 3. | महाराजगंज | 5.02 |
| 4. | गौतमबुद्ध नगर | 59.12 | 4. | सुल्तानपुर | 5.3 |
| 5. | मेरठ | 51.08 | 5. | प्रतापगढ़ | 5.5 |
| 6. | आगरा | 45.81 | 6. | बस्ती | 5.60 |

| अनुसूचित जाति : जनसंख्या की दृष्टि से | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| शीर्ष जिले (अवरोही क्रम में) | | | न्यूनतम जिले (आरोही क्रम में) | | |
| 1. | सीतापुर | 14,46,427 | 1. | बागपत | 1,49,060 |
| 2. | प्रयागराज | 13,09,851 | 2. | श्रावस्ती | 1,89,334 |
| 3. | हरदोई | 12,74,505 | 3. | गौतमबुद्ध नगर | 2,16,105 |
| 4. | आजमगढ़ | 11,71,378 | 4. | महोबा | 2,20,898 |
| 5. | खीरी | 10,61,782 | 5. | ललितपुर | 2,40,519 |

| अनुसूचित जनजाति (ST) : जनसंख्या की दृष्टि से | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| शीर्ष जिले (अवरोही क्रम में) | | | न्यूनतम जिले (आरोही क्रम में) | | |
| 1. | सोनभद्र | 3,85,018 | 1. | बागपत | 14 |
| 2. | बलिया | 1,10,114 | 2. | कन्नौज | 15 |
| 3. | देवरिया | 1,09,894 | 3. | बदायूं | 58 |
| 4. | कुशीनगर | 80,269 | 4. | एटा | 140 |
| 5. | ललितपुर | 71,610 | 5. | कासगंज/औरैया | 150 |

| शिशु लिंगानुपात | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| शीर्ष जिले (अवरोही क्रम में) | | | न्यूनतम जिले (आरोही क्रम में) | | |
| 1. | बलरामपुर | 950 | 1. | बागपत | 841 |
| 2. | संतकबीर नगर | 942 | 2. | गौतम बुद्ध नगर | 843 |
| 3. | बहराइच | 935 | 3. | गाजियाबाद | 850 |
| 4. | सिद्धार्थ नगर | 935 | 4. | मेरठ | 852 |
| 5. | बाराबंकी | 932 | 5. | बुलन्द शहर | 854 |

| दशकीय वृद्धि नगर | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| सर्वाधिक जिले (अवरोही क्रम में) | | | न्यूनतम जिले (आरोही क्रम में) | | |
| 1. | गौतम बुद्ध नगर | 49.1% | 1. | कानपुर नगर | 9.9% |
| 2. | गाजियाबाद | 41.3% | 2. | हमीरपुर | 11.1% |
| 3. | श्रावस्ती | 30.5% | 3. | बागपत | 11.9% |
| 4. | बहराइच | 29.3% | 4. | फतेहपुर | 14.1% |
| 5. | बलरामपुर | 27.7% | 5. | देवरिया | 14.2% |

**धर्म आधारित जनसंख्या 2011**

| धार्मिक समुदाय | जनसंख्या | जनसंख्या % |
|---|---|---|
| हिन्दू | 15,93,12,654 | 79.73 |
| मुस्लिम | 3,84,83,967 | 19.26 |
| सिख | 6,43,500 | 0.32 |
| ईसाई | 3,56,448 | 0.18 |
| जैन | 2,13,267 | 0.11 |
| बौद्ध | 2,06,285 | 0.10 |
| अन्य | 13,598 | 0.01 |
| जिन्होंने धर्म का उल्लेख नहीं किया | 5,82,622 | 0.29 |
| **कुल** | **19,98,12,341** | **100** |

**उत्तर प्रदेश : स्लम जनगणना-2011**

देश की कुल स्लम जनसंख्या में उत्तर प्रदेश की स्लम जनसंख्या की हिस्सेदारी 9.5% है। इस दृष्टि से महाराष्ट्र (18.1%), आन्ध्र प्रदेश (15.6%) तथा प. बंगाल (9.8%) के बाद उत्तर प्रदेश का **चौथा स्थान** है।

| राज्य | वैधानिक नगर | प्रतिवेदित स्लम नगर | कुल स्लम जनसंख्या |
|---|---|---|---|
| उत्तर प्रदेश | 648 | 293 | 6239965 |

| उत्तर प्रदेश : दशकीय वृद्धि दर | | |
|---|---|---|
| दशक | भारत | उत्तर प्रदेश |
| 1901-1911 | +5.75 | – 0.9 |
| 1911-1921 | –0.31 | –3.08 |
| 1921-1931 | +11.00 | 6.56 |
| 1931-1941 | +14.22 | 13.57 |
| 1941-1951 | +13.31 | 21.8 |
| 1951-1961 | +21.51 | 16.7 |
| 1961-1971 | +24.80 (सर्वाधिक) | 19.7 |
| 1971-1981 | +24.60 | 25.4 |
| 1981-1991 | +23.87 | 25.61 |
| 1991-2001 | +21.54 | 25.85 |
| 2001-2011 | +17.7 | 20.2 |

| साक्षरता दर उत्तर प्रदेश | | | | |
|---|---|---|---|---|
| सन् | साक्षरता दर | साक्षरता में वृद्धि | पुरुष साक्षरता दर | महिला साक्षरता दर |
| 1951 | 12.02 | – | 19.17 | 4.07 |
| 1961 | 20.87 | 8.85 | 32.08 | 8.36 |
| 1971 | 23.99 | 3.12 | 35.01 | 11.23 |
| 1981 | 32.65 | 8.66 | 46.65 | 16.74 |
| 1991 | 41.60 | 9.06 | 54.82 | 26.31 |
| 2001 | 56.3 | 14.55 | 68.8 | 42.2 |
| 2011 | 67.7 | 11.41 | 77.3 | 57.2 |

| उत्तर प्रदेश : लिंगानुपात | |
|---|---|
| वर्ष | लिंगानुपात |
| 1961 | 909 |
| 1971 | 879 |
| 1981 | 885 |
| 1991 | 879 |
| 2001 | 898 |
| 2011 | 912 |



Join @yct_hub For More Exclusive PDFs

# EXAM CAPSULE

| | |
|---|---|
| ■ विगत जनगणना की तुलना में 2011 की जनगणना में, उत्तर प्रदेश की जनसंख्या में कितने प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई– **20.23 प्रतिशत** | **UP Police Workshop land Ope. 29/02/2024 Shift-II** |
| ■ जनगणना 2011 के अनुसार, उत्तर प्रदेश राज्य का समग्र लिंगानुपात है– **912** | **UP Police Contable (M/F) 18/02/2024 Shift-I (Cancelled)**<br>**Allahabad High Court RO/ARO 28-09-2014**<br>**UPPCS (Mains) GS I$^{st}$ 2017**<br>**UPPSC ACF (Pre) 2017**<br>**लोअर द्वितीय 06.03.2016** |
| ■ उत्तर प्रदेश जनसंख्या (नियंत्रण, स्थिरीकरण तथा कल्याण) बिल, 2021, _____ के राज्य जनसंख्या नीति का एक भाग है– **2021 – 2030** | **Allahabad High Court CA/RGC 21-12-2021 Shift-I** |
| ■ 2011 की जनगणना के अनुसार, भारत के किस राज्य में लिंगानुपात न्यूनतम है– **पश्चिम बंगाल** | **Allahabad High Court ARO 24-02-2019** |
| ■ 2011 की जनगणना के अनंतिम आँकड़ो के अनुसार उत्तर प्रदेश का कौन-सा जिला, सर्वोच्च साक्षरता दर वाला जिला है– **गौतमबुद्ध नगर** | **Allahabad High Court Group-C 22-07-2017**<br>**Allahabad High Court ARO 18-12-2021 Shift-I** |
| ■ जनसंख्या के दृष्टिकोण से उत्तर प्रदेश का कौन-सा जिला सबसे बड़ा है– **इलाहाबाद** | **Allahabad High Court ARO 18-12-2021 Shift-I** |
| ■ 2011 के जनगणना के अनुसार, उत्तर प्रदेश के किस जिले का जनसंख्या घनत्व सबसे अधिक है– **गाजियाबाद** | **Allahabad High Court RO 11--12-2021 Shift-II** |
| ■ भारत के चार अति जनसंख्या वाले राज्य है– **उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, बिहार, पश्चिम बंगाल** | **Allahabad High Court RO 05--01-2022 Shift-II** |
| ■ यू.पी. जनसंख्या नीति का किस वर्ष तक महिलाओं में कुल प्रजनन दर कम करके 1.9 तक लाने का लक्ष्य है– **2030** | **Allahabad High Court RO 06--01-2022 Shift-I** |
| ■ उत्तर प्रदेश की अत्यधिक जनसंख्या बढ़ोत्तरी के पीछे कौन-सा कारण है– **स्वास्थ्य में सुधार और बीमारियों पर नियंत्रण** | **Allahabad High Court RO 07-01-2022 Shift-II** |
| ■ 2011 की जनगणना के अनुसार, उत्तर प्रदेश के किस जिले की जनसंख्या सबसे अधिक थी– **प्रयागराज** | **ग्राम विकास अधिकारी 2018 (Shift-I)**<br>**Lower-II (Re-Exam) 28.07.2019**<br>**UPPSC ACF RFO (Mains) 2021 Paper-I**<br>**UPPSC Vetting Officer 2020**<br>**Allahabad High Court ARO 19-12-2021 Shift-I** |



Join @yct_hub For More Exclusive PDFs

| | |
|---|---|
| ■ जनगणना, 2011 के अनुमानों के अनुसार भारत में, कौन-सा सर्वाधिक जनसंख्या वाला राज्य है– **उत्तर प्रदेश** | **UPPCS (Pre) 2021** |
| ■ भारत की जनगणना 2011 के अनुसार उत्तर प्रदेश का कौन सा शहर 'मिलियन शहर' नहीं है– **मुरादाबाद** | **UPPSC RO/ARO Pre 2021** |
| ■ पिछले दो दशकों में उत्तर प्रदेश की जनसंख्या में वृद्धि का कारण है– **स्वास्थ्य सुधार एवं बीमारियों पर नियन्त्रण** | **UPPCS (Pre) G.S. 2006** |
| ■ उत्तर प्रदेश का वह जनपद कौन सा है जहाँ अल्प समुदाय का सर्वाधिक केन्द्रीकरण है– **रामपुर** | **UPPCS (Mains) Spl. G.S. I$^{st}$ 2008** |
| ■ उत्तर प्रदेश के वर्ष 2011 की जनगणना के अनुसार किसमें जनसंख्या सबसे कम थी– **महोबा** | **UP Lower (Mains) G.S. 2015** |
| ■ उत्तर प्रदेश का सबसे घना बसा जिला कौन सा है– **गाज़ियाबाद** | **UPPSC BEO Exam 2006-I** |
| ■ जनंसख्या की दृष्टि से उत्तर प्रदेश में प्रथम पाँच सबसे बड़े नगर है– **कानपुर, लखनऊ, वाराणसी, आगरा, मेरठ** | **UPPSC Tax Inspector 1997** |
| ■ किस जनपद की साक्षरता दर सबसे कम है– **श्रावस्ती** | **UPPSC RO/ARO (Pre) Re-Exam 2016** |
| ■ 2001 की जनगणना के अनुसार उत्तर प्रदेश में किस जनपद में जनसंख्या घनत्त्व सर्वाधिक है– **वाराणसी** | **UPPSC Health Inspector 2013** |
| ■ गत 90 वर्षो में उत्तर प्रदेश में अधिकतम जनसंख्या-वृद्धि दर हुई– **1981–91 दशक में** | **UPPSC Tax Inspector 1997** |
| ■ वर्ष 2011 की जनगणना के अनुसार उत्तर प्रदेश में महिला साक्षरता दर क्या थी– **57.20%** | **UPPSC ACF/RFO Mains 2020 (Paper-Ist)B**<br>**UPPSC ACF 2017**<br>**UPPCS (Mains) GS 2013** |
| ■ जनगणना 2011 के अनुसार, सर्वाधिक औसत साक्षरता वाले चार जिलों का सही अवरोही क्रम है- **गौतमबुद्ध नगर, कानपुर नगर, औरैया, इटावा** | **UPPCS (Mains) GS I$^{st}$ 2017** |
| ■ उत्तर प्रदेश में वह जनपद जिसकी साक्षरता प्रतिशत (Literacy percentage) सर्वाधिक है- **औरैया** | **UPPCS (Pre) G.S. 2006**<br>**UPPCS Spl, (Pre) G.S. 2008** |
| ■ 2011 की जनगणना के अनुसार उत्तर प्रदेश का सर्वाधिक साक्षर जिला है– **गौतमबुद्ध नगर** | **UPPCS (Mains) Ist Paper GS, 2012** |
| ■ भारत की जनगणना 2011 के अनुसार उत्तर प्रदेश के किस जिले की साक्षरता दर सर्वाधिक है– **गाजियाबाद** | **UPPSC Food & Sanitary Inspector Exam. 2013**<br>**UPPSC RO/ARO (PRE), 2017** |
| ■ वर्ष 2001 की जनगणना के अनुसार उत्तर प्रदेश में महिला साक्षरता है– **42.98%** | **UPPCS (Pre) G.S. 2005** |
| ■ 1991-2001 के दौरान उत्तर प्रदेश में साक्षर व्यक्तियों की प्रतिशत वृद्धि हुई– **16.7** | **UPPCS (Pre) G.S. 2005** |
| ■ वर्ष 2011 की जनगणना के अनुसार उत्तर प्रदेश में साक्षरता दर में 2001 में 2011 तक वृद्धि हुई थी– **11.45%** | **UPPSC RO/ARO (PRE), 2017** |
| ■ 2011 जनगणना के आँकड़ों के अनुसार उत्तर प्रदेश के किस जिले में सबसे कम महिला साक्षरता है– **रामपुर में** | **UPPCS (Mains) Ist Paper GS, 2012, 2010** |



Join @yct_hub For More Exclusive PDFs

| | |
|---|---|
| ■ उत्तर प्रदेश के किस जिले में जनगणना 2011 के अनुसार निम्नतम साक्षरता अंकित की गई– **श्रावस्ती** | **UPPSC Kanoongo Exam., 2014** |
| ■ जनगणना 2001 के अनुसार उत्तर प्रदेश में सर्वाधिक लिंगानुपात वाला जिला है– **आजमगढ़** | **UPPCS (Pre) G.S. 2007** |
| ■ उत्तर प्रदेश में जनसंख्या का सर्वाधिक सान्द्रण पाया जाता है– **कानपुर जनपद में** | **UPPCS (Pre) G.S. 2005** |
| ■ उत्तर प्रदेश में लिंग अनुपात का विभेद सर्वाधिक रूप से घटा– **वर्ष 1961-71 में** | **UPPCS (Pre.) G.S. 2002** |
| ■ उत्तर प्रदेश की दशकीय जनसंख्या वृद्धि उच्चतम थी– **वर्ष 1991-2001 में** | **UPPCS (Pre.) G.S. 2002**<br>**UPPCS (Mains) G.S. I$^{st}$ Paper 2009**<br>**UPPSC Health Inspector 2013** |
| ■ उत्तर प्रदेश में नगरीय जनसंख्या की उच्चतम वृद्धि दर रही- **1991 – 2001 के दौरान** | **UPPCS (Mains) G.S. I$^{st}$ 2009** |
| ■ 2011 की जनगणना के अनुसार उत्तर प्रदेश में महिला आबादी कुल आबादी का लगभग है– **48%** | **UPPCS (Mains) GS I$^{st}$ 2013** |
| ■ जनगणना 2011 के अनुसार, उत्तर प्रदेश राज्य की कुल जनसंख्या में ग्राम जनसंख्या का प्रतिशतांश है– **77.7** | **UPPSC ACF Exam. 2013** |
| ■ जनगणना 2011 के अनुसार उत्तर प्रदेश की साक्षरता दर है- **67.68%** | **UPSSSC Mandi Parishad 22/05/2022** |
| ■ 2011 की जनगणना के अनुसार, उत्तर प्रदेश का सर्वाधिक साक्षर जनपद कौन-सा था– **कानपुर नगर** | **[UPSSSC Junior Assistant 04/01/2020 Shift-II]** |
| ■ वर्ष 2011 की जनगणना के अनुसार, उत्तर प्रदेश की जनसंख्या का वृद्धि प्रतिशत क्या है– **20.23%** | **Lower Exam – 01-10-2019 (Shift-I)** |
| ■ जनसंख्या की दृष्टि से उत्तर प्रदेश राज्य का भारत में कौन-सा स्थान है– **प्रथम** | **लघु सिंचाई विभाग - 09-08-2015** |
| ■ उत्तर प्रदेश राज्य में किस जनपद में लिंग अनुपात सबसे अधिक है– **जौनपुर** | **ग्राम विकास अधिकारी - 05-06-2016** |
| ■ जनगणना 2011 के अनुसार उत्तर प्रदेश की आबादी क्या थी– **लगभग 200 मिलियन** | **ग्राम विकास अधिकारी - 23-12-2018 (shift- II)** |
| ■ 2011 की जनगणना के अनुसार उत्तर प्रदेश की कितनी प्रतिशत आबादी ग्रामीण क्षेत्रों में रहती है– **77.73%** | **विधान भवन रक्षक - 02-12-2018 (shift- I)** |
| ■ उत्तर प्रदेश भारत का सबसे अधिक आबादी वाला राज्य है, और जनगणना 2011 तक दी गई संख्या के अनुसार इसकी आबादी घनत्व ..... प्रति वर्ग किमी है– **829** | **व्यायाम प्रशिक्षक - 16-09-2018 (Shift-I)** |
| ■ जनगणना रिपोर्ट 2011 के अनुसार, उत्तर प्रदेश में बाल लिंगानुपात क्या है– **902** | **Lower Exam – 01-10-2019 (Shift-I)** |
| ■ उत्तर प्रदेश में किस धर्म के अनुयायी सबसे कम है– **पारसी धर्म** | **व्यायाम प्रशिक्षक - 16-09-2018 (Shift-II)** |
| ■ उत्तर प्रदेश की कुल आबादी भारत की आबादी का .....% है– **16.4** | **UPP Constable (Pre), 2013** |



Join @yct_hub For More Exclusive PDFs

Search @yct_hub to Join Channel

# 20 उत्तर प्रदेश बजट : 2024-25 ( एक नजर में )

## आय-व्ययक 2024-2025

निम्नलिखित विवरण-पत्र में आय-व्ययक अनुमान 2024-2025 की स्थिति का सारांश दिया गया है।

| मद | आय-व्ययक अनुमान 2023-2024 | पुनरीक्षित अनुमान 2023-2024 | आय-व्ययक अनुमान 2024-2025 |
|---|---|---|---|
| 1 | 2 | 3 | 4 |
| **प्रारम्भिक शेष** | *37407.11 | *37407.11 | 38189.66 |
| **1- समेकित निधि** | | | |
| (1) प्राप्तियाँ - | | | |
| (क) राजस्व लेखे की प्राप्तियाँ - | 570865.66 | 525217.84 | 606802.40 |
| (ख) पूँजी लेखे की प्राप्तियाँ - | | | |
| (i) ऋणों से प्राप्तियाँ | 109114.90 | 99114.90 | 111232.79 |
| (ii) ऋणों और आग्रिमों की वसूलियाँ | 3312.18 | 3312.18 | 3298.63 |
| योग - (ख) - पूँजी लेखे की प्राप्तियाँ | 112427.08 | 102427.08 | 114531.42 |
| **योग - (1) - प्राप्तियाँ** | **683292.74** | **627644.92** | **721333.82** |
| **(2) व्यय -** | | | |
| (क) राजस्व लेखे का व्यय - | 502354.01 | 454771.32 | 532655.33 |
| (ख) पूँजी लेखे का व्यय | | | |
| (i) पूँजीगत परिव्यय | 147492.29 | 146177.12 | 154747.47 |
| (ii) ऋणों का प्रतिदान | 31181.43 | 21317.81 | 39806.17 |
| (iii) ऋण और आग्रिम | 9214.70 | 10096.12 | 9228.74 |
| योग -(ख) - पूँजी लेखे का व्यय | 187888.42 | 177591.05 | 203782.38 |
| **योग - (2) व्यय** | **690242.43** | **632362.37** | **736437.71** |
| समेकित निधि में घाटा (–)/बचत (+) | (–)6949.69 | (–)4717.45 | (–)15103.89 |
| 2- आकस्मिता निधि (शुद्ध) | 0.00 | 0.00 | 0.00 |
| 3- लोक लेखा (शुद्ध) | 5500.00 | 5500.00 | 5500.00 |
| समस्त लेन-देनों का शुद्ध परिणाम | (–) 1449.69 | 782.55 | (–)9603.89 |
| **अन्तिम शेष** | **35957.42** | **38189.66** | **28585.77** |

**भारतीय रिजर्व बैंक में राज्य खाते के अनुसार।**



Join @yct_hub For More Exclusive PDFs

**वित्तीय वर्ष 2024-2025 बजट के मुख्य बिन्दु**

- प्रस्तुत बजट का आकार 07 लाख 36 हजार 437 करोड़ 71 लाख रुपये (7,36,437.71 करोड़ रुपये) है।
- बजट में 24 हजार 863 करोड़ 57 लाख रुपये (24,863.57 करोड़ रुपये) की नई योजनाएँ सम्मिलित की गई हैं।

प्रदेश सरकार की नीतियाँ विशेष रूप से युवा, महिला, किसान व गरीबों के उत्थान को समर्मित हैं।

**किसान**

- वर्ष 2023-2024 में माह अक्टूबर, 2023 तक लगभग 37 लाख किसान क्रेडिट कार्ड का वितरण कराया गया।
- **प्रधानमंत्री किसान मान-धन योजना** के अन्तर्गत प्रदेश के लघु एंव सीमांत कृषकों को 60 वर्ष की आयु प्राप्त करने पर पुरूष एंव महिला दोनों के लिए 3000 रुपये की सुनिश्चित मासिक पेंशन प्रदान की जा रही है।

**महिला एंव बाल विकास**

- **निराश्रित महिला पेंशन** योजनान्तर्गत पात्र लाभार्थियों को देय पेंशन की धनराशि 500 रुपये प्रतिमाह से बढ़ाकर 1000 रुपये प्रतिमाह कर दी गयी है। योजना में 2023-2024 में तृतीय तिमाही तक 31 लाख 28 हजार निराश्रित महिलाओं को लाभान्वित किया गया।
- **महिला किसान सशक्तिकरण परियोजना** के अन्तर्गत वित्तीय वर्ष 2024-2025 में 200 उत्पादक समूहों का गठन करके तकनीकी सहयोग प्रदान किया जाना लक्षित है।

**युवा कल्याण**

- प्रदेश के 117 विकास खण्ड़ों में 124 ग्रामीण स्टेडियम/ मल्टीपरपज हॉल का निर्माण किया गया है।
- प्रदेश की ग्राम पंचायतों में 53,800 युवक मंगल दल एंव 51,300 महिला मंगल दलों का गठन किया जा चुका है। इन दलों के माध्यम से युवाओं की सहभागिता राष्ट्रीय एंव सामाजिक महत्व के कार्यो में सुनिश्चित कराई गई है।

**रोजगार**

- एम.एस.एम.ई. सेक्टर में **मुख्यमंत्री युवा रोजगार योजना** के अन्तर्गत अब तक 22 लाख 389 लाभार्थियों को लाभान्वित करते हुये 1,79,112 रोजगार सृजित किये गये।
- **उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन** के अन्तर्गत 12.15 लाख युवाओं को प्रशिक्षित किया गया जिनमें से 4.13 लाख युवाओं को विभिन्न प्रतिष्ठित कम्पनियों में सेवायोजित कराया गया।

**सामाजिक सुरक्षा**

- प्रदेश के लगभग 55 लाख वरिष्ठ नागरिकों को वृद्धावस्था पेंशन 1000 रुपये प्रमिमाह की दर से प्रदान की जा रही है।

**श्रमिक कल्याण**

- भारत सरकार द्वारा निर्मित ''ई-श्रम'' पोर्टल पर उत्तर प्रदेश के लगभग 8.32 करोड़ कामगारों का पंजीकरण हुआ है जो देश में सर्वाधिक है।

**वित्तीय समावेशन**

- **प्रधानमंत्री जनधन योजना** के अन्तर्गत प्रदेश में 9 करोड़ खातों के साथ उत्तर प्रदेश देश में प्रथम स्थान पर है।
- ईज ऑफ डूइंग बिजनेस रैंकिंग एंव विभिन्न राज्यों में लॉजिस्टिक्स की सुलभता (लीड्स-2023) रैंकिंग में उत्तर प्रदेश ने ''अचीवर्स'' की श्रेणी प्राप्त की है।

**चिकित्सा क्षेत्र**

- राज्य सरकार के प्रयासों से मातृ मृत्यु दर वर्ष 2014 में 285 प्रति लाख से कम होकर वर्ष 2022 में 167 प्रति लाख तथा शिशु मृत्यु दर वर्ष 2014 में 48 प्रति हजार से कम होकर वर्ष, 2020 में 38 प्रति हजार हो गयी है।
- प्रदेश के सभी 75 जनपदों में निःशुल्क डायलिसिस की सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है।

**कानून व्यवस्था**

- वर्ष 2016 के मुकाबले वर्ष 2023 में डकैती के मामलों में 87 प्रतिशत, लूट में 76 प्रतिशत, हत्या मे 43 प्रतिशत, बलवा में 65 प्रतिशत, फिरौती हेतु अपहरण में 73 प्रतिशत की कमी हुई है।
- वर्तमान मे सभी 75 जनपदों में साइबर क्राइम थाना संचालित है।

**चिकित्सा एवं स्वास्थय**

- राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ मिशन की विभिन्न योजनाओं के संचालन हेतु वित्तीय वर्ष 2024-2025 में 7350 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित।
- प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना हेतु वित्तीय वर्ष 2024-2025 में 332 करोड़ रुपये की बजट व्यवस्था प्रस्तावित।

**चिकित्सा शिक्षा**

- प्रदेश में 65 मेडिकल कालेज है, जिनमें 35 राज्य सरकार एंव 30 निजी क्षेत्र द्वारा संचालित हैं।
- असाध्य रोगों की मुफ्त चिकित्सा सुविधा हेतु 125 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित।

**आयुष**

- आयुष्मान कार्यक्रम के अंतर्गत 1600 हेल्थ एण्ड वेलनेस सेंटर स्थापित किये जाने का लक्ष्य तथा 1035 राजकीय आयुवेर्दिक, होम्योपैथी एंव यूनानी चिकित्सालयों को हेल्थ वेलनेस सेन्टर में परिवर्तित किया जा रहा है।

**अवस्थापना एंव औद्योगिक**

- बुन्देलखण्ड क्षेत्र में एक नये औद्योगिक विकास प्राधिकरण (बीडा) का गठन किया जा रहा है, जिसके अन्तर्गत नोएडा और ग्रेटर नोएडा के अनुरूप, बुन्देलखण्ड क्षेत्र में औद्योगिक वाणिज्यिक और आवासीय टाउनशिप विकसित करने की योजना।
- प्रदेश मे डिफेंस कॉरीडोर में बड़े पैमाने पर कार्य जारी है। डिफेंस कॉरीडोर के 06 नोड्स में से 03 नोड्स का आवंटन पूर्ण हो गया।
- अटल इण्डस्ट्रियल इन्फास्ट्रक्चर मिशन हेतु 400 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित जो वर्तमान वर्ष के सापेक्ष 33 प्रतिशत अधिक है।

**सड़क एंव सेतु**

- राज्य सड़क निधि से सड़कों के अनुरक्षण हेतु 3000 करोड़ रुपये तथा निर्माण हेतु 2500 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित।



Join @yct_hub For More Exclusive PDFs

**सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग**

- विभिन जनपदों में 6600 राजकीय नलकूपों के आधुनिकीकरण तथा डार्क जोन में स्थित 569 असफल राजकीय नलकूपों का पुननिर्माण कार्य प्रगति पर है।
- नहरों एवं सरकारी नलकूपों से किसानों को मुफ्त पानी की सुविधा हेतु 1100 करोड़ रुपये की बजट व्यवस्था प्रस्तावित है।

**नमामि गंगे एंव ग्रामीण जलापूर्ति**

- जल जीवन मिशन हेतु 22 हजार करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित, जिसमें से 02 हजार करोड़ रुपये की धनराशि अनुरक्षण मद हेतु।
- मुख्यमंत्री लघु सिंचाई योजना हेतु 1020 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित।

**नागरिक उड्डयन**

- गत वित्तीय वर्ष की तुलना में चालू वित्तीय वर्ष में हवाई यात्रा करने वालों की संख्या में 19.2 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है।
- अयोध्या में 'महर्षि वाल्मीकि अन्तर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा अयोध्या धाम' का विकास कराया गया है। आयोध्या में एयरपोर्ट की स्थापना व विस्तार हेतु 150 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।
- जनपद गौतमबुद्ध नगर के जेवर में अन्तर्राष्ट्रीय एयरपोर्ट की स्थापना कार्य एंव भूमि क्रय हेतु 1150 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।

**ऊर्जा**

- वर्ष 2023-2024 में अप्रैल से दिसम्बर तक जनपद मुख्यालय पर 24 घंटे, तहसील मुख्यालय पर 21.34 घंटे और ग्रामीण क्षेत्र में 18:09 घंटे विद्युत आपूर्ति की गयी।
- भारत सरकार की ग्रीन एनर्जी कारिडोर-2 परियोजना के अन्तर्गत प्रदेश के बुन्देलखण्ड क्षेत्र में सौर ऊर्जा उत्पादन हेतु 4000 मेगावॉट क्षमता के सोलर पार्क का विकास लक्षित।

**अतिरिक्त ऊर्जा स्त्रोत**

- उत्तर प्रदेश सौर ऊर्जा नीति-2022 के अन्तर्गत अगले 05 वर्षों में 22000 मेगावॉट विद्युत उत्पादन का लक्ष्य है। प्रदेश में वर्ष 2017 में 288 मेगावॉट की सौर ऊर्जा परियोजनाए थीं, जो अब लगभग 2600 मेगावॉट है।
- उत्तर प्रदेश राज्य जैव ऊर्जा नीति-2022 के क्रियान्वयन हेतु 60 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है जो वर्तमान वर्ष के तुलना में 33 प्रतिशत अधिक है।

**आवास एंव शहरी नियोजन**

- मुख्यमंत्री शहरी विस्तारीकरण/नये शहर प्रोत्साहन के अन्तर्गत टाउनशिप विकसित करने हेतु वर्ष 2024-2025 के बजट में 3000 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।
- लखनऊ विकास क्षेत्र, प्रदेश के समस्त विकास प्राधिकरणों के विकास क्षेत्र तथा नगर क्षेत्र में अवस्थापना सुविधाओं का विकास तथा वाराणसी एंव अन्य शहरों मे रोप-वे सेवा विकसित किये जाने हेतु 100 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।

**नगर विकास**

- प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के अन्तर्गत वर्ष 2007 से 2017 तक प्रदेश में मात्र 2.51 लाख मकान निर्मित किये गये जबकि वर्ष 2017 से अद्यतन प्रदेश में लगभग 17.65 लाख से अधिक लाभार्थियों को कुल 35,236 करोड़ रुपये से अधिक की धनराशि डी.बी.सी. के माध्यम से हस्तांतरित की गई। योजना हेतु लगभग 3948 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित
- महाकुम्भ मेला 2025 के भव्य आयोजन हेतु 2500 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।

**नियोजन**

- त्वरित आर्थिक विकास योजना हेतु 2400 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।

**ग्राम्य विकास**

- प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के अन्तर्गत वर्ष 2016 में मात्र 1.40 लाख आवास स्वीकृत किये गये थे, जबकि सरकार द्वारा अब तक 36 लाख 15 हजार आवास स्वीकृत किये गये हैं, जिनमें से 34 लाख 14 हजार आवास पूर्ण और शेष निर्माणधीन है। योजना हेतु वित्तीय वर्ष 2024-2025 मे लगभग 2441 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।

**पंचायतीराज**

- स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) हेतु 4867 करोड़ 39 लाख रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित, जो वर्तमान वर्ष की तुलना में दोगुने से भी ज्यादा है।

**कृषि**

- प्रदेश मे कृषि क्षेत्र की विकास दर 5.1 प्रतिशत प्राप्त करने का लक्ष्य है।
- मुख्यमंत्री खेत सुरक्षा योजना प्रारम्भ की जा रही है जिसके लिए 50 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित।

**उद्यान एंव खाद्य प्रसंकरण**

- उत्तर प्रदेश खाद्य प्रसंकरण उद्योग नीति-2022 के अन्तर्गत पात्र इकाइयों को वित्तीय प्रोत्साहन हेतु 300 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित जो वर्तमान वर्ष की तुलना में तीन गुनी है।
- उत्तर प्रदेश खाद्य प्रसंकरण उद्योग नीति-2017 के अन्तर्गत 50 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित जो वर्तमान वर्ष की तुलना में 25 प्रतिशत अधिक है।

**गन्ना विकास एंव चीनी उद्योग**

- प्रदेश में औसत गन्ना उत्पादकता 72 मीट्रिक टन प्रति हेक्टेयर से बढ़कर 84 मीट्रिक टन प्रति हेक्टेयर हो गई है। गन्ने के साथ सहफसली खेती का आच्छादन बढ़ने से कृषकों को 25 प्रतिशत की अतिरिक्त आमदनी हुई।

**कृषि शिक्षा एंव अनुसंधान**

- महात्मा बुद्ध कृषि एंव प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, कुशीनगर की स्थापना हेतु 100 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित

**दुग्ध विकास**

- दुग्ध संघों के सुदृढ़ीकरण एंव पुर्नजीवित करने की योजना हेतु 106 करोड़ 95 लाख रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।

**पशुपालन**

- गो-सरंक्षण एंव निराश्रित/बेसहारा गोवंश की समस्या के निराकरण हेतु प्रदेश के समस्त जनपदों में 303 वृहद गो-संरक्षण केन्द्र संचालित
- जनपद गोरखपुर एवं भदोही में पशुचिकित्सा महाविद्यालयों की स्थापना हेतु 100 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।



Join @yct_hub For More Exclusive PDFs

**मत्स्य**

- प्रधानमंत्री मत्स्य सम्पदा योजना के अन्तर्गत एक्वा पार्क (गोरखपुर) के निर्माण की नयी योजना हेतु 190 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।

**सहकारिता**

- प्रारंभिक सहकारी ऋण समितियों के माध्यम से किसानों को कम ब्याज दर पर फसली ऋण उपल्ब्ध कराने हेतु 525 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।

**खाद्य एवं रसद**

- निःशुल्क खाद्यान्न एवं उज्जवला योजना के लाभार्थियों को निःशुल्क एल.पी.जी. सिलिन्डर रीफिंल उपलब्ध कराये जाने हेतु 2200 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।

**सूक्ष्म, लघु एंव मध्यम उद्यम**

- प्रदेश के शिक्षित एंव प्रशिक्षित युवाओं को स्वरोजगार से जोड़कर नये सूक्ष्म उद्योगों की स्थाना हेतु वित्तीय संसाधन उपलब्ध कराये जाने के उद्देश्य से ''मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान'' प्रारम्भ किया जा रहा है, जिसके लिये 1000 करोड़ की व्यवस्था प्रस्तावित है।
- निजी क्षेत्र में औद्योगिक संस्थानों को प्रोत्साहित करने हेतु प्रदेश में 10 प्लेज पार्क स्थापित किये जा रहे हैं।

**हथकरघा एवं वस्त्रोद्योग**

- वित्तीय वर्ष 2024-2025 में वस्त्रोद्योग के क्षेत्र में 40,000 रोजगार सृजन का लक्ष्य है।
- जनपद वाराणसी में नेशनल इन्सटीट्यूट ऑफ फैशन टेक्नोलाजी (निफ्ट) की स्थापना के लिये भूमि क्रय हेतु 150 करोड़ रुपये का बजट प्रस्ताव है।

**खादी एवं ग्रामोद्योग**

- खादी एंव ग्रामोद्योग विकास तथा सतत् रोजगार प्रोत्साहन नीति के अन्तर्गत 15 करोड़ 75 लाख रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।

**आई.टी. एंव इलेक्ट्रॉनिक्स**

- उत्तर प्रदेश डाटा सेन्टर नीति 2021 के अन्तर्गत 03 अत्याधुनिक निजी डाटा सेन्टर पार्क्स विकसित करने तथा राज्य में 250 मेगावॉट डाटा सेन्टर उद्योग का विकास किये जाने का लक्ष्य था। नीति को अधिक युक्तिसंगत बनाते हुए 08 डाटा सेन्टर स्थापित किये जाने का लक्ष्य रखा गया है, जिसमें प्रदेश में 30,000 करोड़ रुपये के अनुमानित निवेश से 900 मेगावॉट क्षमता के सृजन का लक्ष्य रखा गया है।

**बेसिक शिक्षा**

- कक्षा-1 से 08 तक अध्ययनरत लगभग 02 करोड़ से अधिक छात्र-छात्राओं के लिये निःशुल्क स्वेटर एंव जूता-मोजा उपलब्ध कराने हेतु 650 करोड़ तथा स्कूल बैग हेतु 350 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।
- गरीबी रेखा से ऊपर के लगभग 30 लाख छात्रों को निःशुल्क यूनिफार्म वितरण हेतु 168 करोड़ रुपये की व्यस्था प्रस्तावित है।

**माध्यमिक शिक्षा**

- नवीन राजकीय संस्कृत विद्यालयों की स्थापना हेतु 5 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।
- सैनिक स्कूल, गोरखपुर के संचालन हेतु 4 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।

**उच्च शिक्षा**

- शिक्षा को प्रोत्साहित किये जाने हेतु मुख्यमंत्री शिक्षुता प्रोत्साहन योजनान्तर्गत 100 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।

**प्राविधिक शिक्षा**

- प्रदेश में डिप्लोमा स्तरीय 169 संस्थानों में प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है। 75 राजकीय पालीटेक्निक निर्माणधीन/अवस्थापना की प्रक्रिया में है।

**व्यावसायिक शिक्षा एंव कौशल विकास**

- वर्तमान में व्यावसायिक शिक्षा तथा कौशल विकास मिशन के माध्यम से प्रवीण योजनान्तर्गत माध्यमिक स्तर के 301 राजकीय विद्यालयों में व्यावसायिक शिक्षा के साथ-साथ सर्टिफिकेशन की व्यवस्था है।

**खेल**

- आवासी क्रीड़ा छात्रावासों में अध्ययनरत खिलाड़ियों को उत्कृष्ट प्रशिक्षण के दृष्टिगत 50 अन्तर्राष्ट्रीय खिलाड़ियो को मानदेय 1.50 लाख रुपये प्रतिमाह पर प्रशिक्षण हेतु आबद्ध किए जाने की व्यवस्था की गयी है।
- राष्ट्रीय एंव अन्तर्राष्ट्रीय प्रतियोगिता के विजेता खिलाड़ियों को पुरस्कार योजना हेतु 50 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।

**धर्मार्थ कार्य**

- श्रीकाशी विश्वनाथ मंदिर से गंगा नदी तक के मार्ग के विस्तारीकरण/सौन्दर्यीकरण के पश्चात श्रद्धालुओं की संख्या में 4 से 5 गुना वृद्धि हुई है।
- जनपद मिर्जापुर में विन्ध्याचल स्थित त्रिकोणीय क्षेत्र में माँ विन्ध्यवासिनी मंदिर, माँ अष्टभुजा मंदिर, माँ कालीखोह मंदिर को जोड़ने वाले त्रिकोण संरेखण में आने वाले परिक्रमा मार्गों एंव जन सुविधाओं के उन्नयन हेतु कार्यवाही प्रक्रियाधीन है।

**संस्कृति**

- अन्तर्राष्ट्रीय रामायण एंव वैदिक शोध संस्थान आयोध्या हेतु 10 करोड़ रुपये प्रस्तावित है।

**पर्यटन**

- ''मुख्यमंत्री पर्यटन विकास सहभागिता योजना'' के अंतर्गत उत्तर प्रदेश के प्रत्येक विधान सभा क्षेत्र मे एक पर्यटन स्थल को विकसित किए जाने की योजना है।

**वन एंव पर्यावरण**

- राज्य सरकार प्रदेश मे हरीतिमा वृद्धि हेतु सतत् प्रयासरत है। वर्तमान में उत्तर प्रदेश मे वनावरण एंव वृक्षावरण प्रदेश के भौगोलिक क्षेत्र का 9.23 प्रतिशत है। वर्ष 2030 तक वनावरण एंव वृक्षावरण 15 प्रतिशत तक किये जाने का लक्ष्य है।

**समाज कल्याण**

- वृद्धावस्था पेशन हेतु 7377 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।
- पति की मृत्यु उपरान्त निराश्रित महिलाओं के भरण पोषण अनुदान हेतु 4073 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।

**जनजाति विकास**

- अनुसूचित जनजातियों के आर्थिक विकास हेतु विभिन्न प्रकार के कौशल विकास कार्यक्रम जनपद लखीमपुर-खीरी, बलरामपुर, बिजनौर एंव बहराइच/श्रावस्ती तथा महराजगंज में संचालित है।



Join @yct_hub For More Exclusive PDFs

**पिछड़ा वर्ग कल्याण**

- अन्य पिछड़ा वर्ग के छात्र-छात्राओं को छात्रवृत्ति योजना हेतु 2475 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।

**दिव्यांगजन सशक्तिकरण**

- दिव्यांग पेशन योजना हेतु 1170 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।

**अल्संख्यक कल्याण**

- अल्संख्यक समुदाय के छात्र-छात्राओं को छात्रवृत्ति हेतु 220 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।

**न्याय**

- जनपद प्रयागराज में निर्माणाधीन राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय हेतु 100 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।

**महिला एंव बाल विकास**

- पुष्टाहार कार्यक्रम हेतु लगभग 5129 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।
- मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना हेतु 700 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।

**राजस्व**

- मुख्यमंत्री कृषक दुर्घटना कल्याण योजना के अन्तर्गत 1000 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।

**परिवहन**

- निर्भय योजना के अन्तर्गत महिलाओं के लिये 50 वातानुकूलित पिंक सेवायें संचालित हैं जिसमें महिला यात्रियों की सुरक्षा हेतु सभी बसों में पैनिक बटन स्थापित है।

## राजकोषीय सेवायें

**राज्य वस्तु एंव सेवा कर तथा मूल्य संवर्द्धित कर**

- राज्य वस्तु एवं सेवा कर तथा मूल्य संवर्धित कर से राजस्व संग्रह का लक्ष्य 01 लाख 56 हजार 981 करोड़ 89 लाख रुपये (1,56,981.89 करोड़ रुपये) निर्धारित किया गया है।

**आबकारी शुल्क**

- आबकारी शुल्क से राजस्व संग्रह का लक्ष्य 58 हजार 307 करोड़ 56 लाख रुपये (58,307.56 करोड़ रुपये) निर्धारित किया गया है।

**स्टाम्प एंव पंजीकरण**

- स्टाम्प एंव पंजीकरण से राजस्व संग्रह का लक्ष्य 35 हजार 651 करोड़ 93 लाख रुपये (35,651.93 करोड़ रुपये) निर्धारित किया गया है।

**वाहन कर**

- वाहन कर से राजस्व संग्रह का लक्ष्य 12 हजार 504 करोड़ 73 लाख रुपये (12,504.73 करोड़ रुपये) निर्धारित किया गया है।

**वित्तीय वर्ष के बजट के अनुमान 2024-2025**

- प्रस्तुत बजट का आकार 07 लाख 36 हजार 437 करोड़ 71 लाख रुपये (7,36,437.71 करोड़ रुपये) है।
- बजट में 24 हजार 863 करोड़ 57 लाख रुपये (24,863.57 करोड़ रुपये) की नई योजनाएँ सम्मिलित की गई हैं।

**प्राप्तियाँ**

- कुल प्राप्तियाँ 07 लाख 21 हजार 333 करोड़ 82 लाख रुपये (7,21,333.82 करोड़ रुपये) अनुमानित है।
- कुल प्राप्तियों में 06 लाख 06 हजार 802 करोड़ 40 लाख रुपये (6,06,802.40 करोड़ रुपये) की राजस्व प्राप्तियाँ तथा 01 लाख 14 हजार 531 करोड़ 42 लाख रुपये (1,14,531.42 करोड़ रुपये) की पूँजीगत प्राप्तियाँ सम्मिलित हैं।
- राजस्व प्राप्तियों में कर राजस्व का अंश 04 लाख 88 हजार 902 करोड़ 84 लाख रुपये (4,88,902.84 करोड़ रुपये) है। इसमे स्वयं का कर राजस्व 02 लाख 70 हजार 86 करोड़ रुपये (2,70,086 करोड़ रुपये) तथा केन्द्रीय करों मे राज्य का अंश 02 लाख 18 हजार 816 करोड़ 84 लाख रुपये (2,18,816.84 करोड़ रुपये) सम्मिलत है।

**व्यय**

- कुल व्यय 07 लाख 36 हजार 437 करोड़ 71 लाख रुपये (7,36,437.71 करोड़ रुपये) अनुमानित है।
- कुल व्यय में 05 लाख 32 हजार 655 करोड़ 33 लाख रुपये (5,32,655.33 करोड़ रुपये) राजस्व लेखे का व्यय है तथा 02 लाख 03 हजार 782 करोड़ 38 लाख रुपये (2,03,782.38 करोड़ रुपये) पूँजी लेखे का व्यय है।

**समेकित विधि**

- समेकित निधि की प्राप्तियों से कुल व्यय घटाने के पश्चात् 15 हजार 103 करोड़ 89 लाख रुपये (15,103.89 करोड़ रुपये) का घाटा अनुमानित है।

**लोख लेखा**

- लोक लेखे से 05 हजार 500 करोड़ रुपये (5,500 करोड़ रुपये) की शुद्ध प्राप्तियाँ अनुमानित हैं।

**समस्त लेन-देन का शुद्ध परिणाम**

- समस्त लेन-देन का शुद्ध परिणाम 09 हजार 603 करोड़ 89 लाख रुपये (9,603.89 करोड़ रुपये) ऋणात्मक अनुमानित है।

**अन्तिम शेष**

- प्रारम्भिक शेष 38 हजार 189 करोड़ 66 लाख रुपये (38,189.66 करोड़ रुपये) को हिसाब में लेते हुए अन्तिम शेष 28 हजार 585 करोड़ 77 लाख रुपये (28,585.77 करोड़ रुपये) अनुमानित है।

**राजस्व बचत**

- राजस्व बचत 74 हजार 147 करोड़ 07 लाख रुपये (74,147.07 करोड़ रुपये) अनुमानित है।

**राजकोषीय घाटा**

- राजकोषीय घाटा 86530.51 करोड़ रुपये अनुमानित है जो वर्ष के लिए अनुमानित सकल राज्य घरेलू उत्पाद का 3.46 प्रतिशत है।



Join @yct_hub For More Exclusive PDFs

# 21 उत्तर प्रदेश की आर्थिक समीक्षा : 2022-23

## राज्य अर्थव्यवस्था एवं लोक-वित्त

**मुख्य बिन्दु**

- वर्ष 2021-22 के त्वरित अनुमान के अनुसार, स्थायी भावों पर सकल राज्य घरेलू उत्पाद (जी.एस.डी.पी.) की वृद्धिदर 9.64 प्रतिशत एवं प्रचलित भावों पर 16.76 प्रतिशत रही है।
- वर्ष 2021-22 के त्वरित अनुमान के अनुसार, स्थायी भावों पर प्राथमिक, द्वितीयक तथा तृतीयक खण्डों की वृद्धि दर वर्ष 2021-22 में क्रमशः 14.59%, 10.32%,6.53% एवं प्रचलित भावों पर क्रमशः 16.16%, 14.90%,14.02% रही है।
- वर्ष 2021-22 के त्वरित अनुमान के अनुसार, स्थायी भावों पर प्राथमिक, द्वितीयक तथा तृतीयक खण्ड का योगदान क्रमशः 25.33, 26.74 एवं 47.93% तथा प्रचलित भावों पर क्रमशः 28.44, 24.61 एवं 46.95% है।
- वर्ष 2021-22 के त्वरित अनुमान के अनुसार, प्रदेश की निवल राज्य घरेलू उत्पाद के संदर्भ में प्रचलित भावों पर प्रति व्यक्ति आय वर्ष 2011-12 के रु. 32002 से बढ़कर वर्ष 2020-21 व 2021-22 में क्रमशः रु. 61374 एवं रु. 70792 हो गयी है।
- **सकल राज्य मूल्य वर्धन का प्रगति विवरण**

| वित्तीय वर्ष | स्थायी भावों पर | | प्रचलित भावों पर | |
|---|---|---|---|---|
| | जी.एस.वी.ए. (रु.करोड़ में) | वृद्धि दर (% में) | जी.एस.वी.ए. (रु.करोड़ में) | वृद्धि दर (% में) |
| 2017-18 | 998406 | 4.84 | 1323676 | 1.59 |
| 2018-19 | 1039562 | 4.12 | 1442854 | 9.00 |
| 2019-20 | 1079526 | 3.84 | 1555681 | 7.82 |
| 2020-21 | 1026120 | (–) 4.95 | 1504324 | (–)3.30 |
| 2021-22 | 1123455 | (–) 9.49 | 1727540 | (–)14.84 |

स्रोत- अर्थ एवं संख्या प्रभाग, राज्य नियोजन संस्थान, उत्तर प्रदेश।

- **खण्डवार सकल घरेलू उत्पाद वर्ष 2021-22**

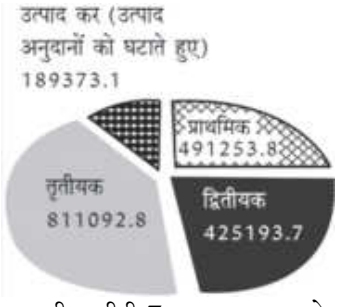


कुल जीएसडीपी ₹ 1916913 करोड़

**सकल राज्य मूल्य वर्धन में खण्डवार प्रतिशत वृद्धि एवं योगदान स्थायी भावों पर**

| वित्तीय वर्ष | प्राथमिक खण्ड | | द्वितीयक खण्ड (प्रतिशत में) | | तृतीयक खण्ड (आधार वर्ष 2011-12) | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | वृद्धि दर | योगदान | वृद्धि दर | योगदान | वृद्धि दर | योगदान |
| 2017-18 | 9.88 | 24.24 | -4.68 | 27.82 | 8.62 | 47.94 |
| 2018-19 | 3.61 | 24.12 | 1.02 | 26.99 | 6.18 | 48.89 |
| 2019-20 | - 2.10 | 22.74 | 3.48 | 26.89 | 6.98 | 50.37 |
| 2020-21 | 1.18 | 24.21 | -6.18 | 26.54 | - 7.05 | 49.25 |
| 2021-22 | 14.59 | 25.33 | 10.32 | 26.74 | 6.53 | 47.92 |

**स्थायी भावों पर सकल राज्य मूल्य वर्धन में खण्डवार योगदान**

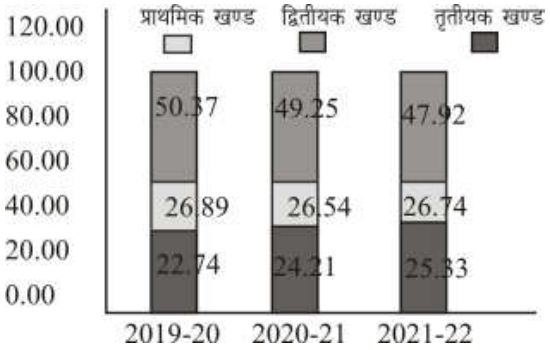


**राज्य में प्रतिव्यक्ति आय का विवरण**

| वित्तीय वर्ष | स्थायी भावों पर | | प्रचलित भावों पर | |
|---|---|---|---|---|
| | प्रति व्यक्ति आय रु. | % वृद्धि | प्रति व्यक्ति आय रु. | % वृद्धि |
| 2017-18 | 41771 | 2.3 | 57944 | 10.0 |
| 2018-19 | 42333 | 1.3 | 62350 | 7.6 |
| 2019-20 | 43019 | 1.6 | 65677 | 5.3 |
| 2020-21 | 39298 | -8.6 | 61374 | -6.6 |
| 2021-22 | 42525 | 8.2 | 70792 | 15.3 |



Join @yct_hub For More Exclusive PDFs

## सकल राज्य मूल्य वर्धन में वर्ष 2021-22 का त्वरित अनुमान

| क्र.सं. | खण्ड | प्रचलित भावों पर | | | स्थायी भावों पर | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | जी.एस.वी.ए ( करोड़ रु. में ) | वृद्धि दर प्रतिशत | योगदान प्रतिशत | जी.एस.वी.ए ( करोड़ रु. में ) | वृद्धि दर प्रतिशत | योगदान प्रतिशत |
| 1. | कृषि वानिकी एवं मत्स्यन | 468346 | 16.38 | 27.11 | 260342 | 14.82 | 23.17 |
| 1.1 | फसलें | 319037 | 20.07 | 18.47 | 173432 | 18.17 | 15.44 |
| 1.2 | पशुधन | 114435 | 9.37 | 6.62 | 65349 | 10.41 | 5.82 |
| 1.3 | वानिकी और लट्ठा बनाना | 23199 | 8.70 | 1.34 | 16346 | 2.33 | 1.46 |
| 1.4 | मत्स्यन और जलीय कृषि | 11674 | 8.48 | 0.68 | 5215 | 8.46 | 0.46 |
| 2 | खनन और उत्खनन | 22908 | 11.90 | 1.33 | 24282 | 12.12 | 2.16 |
| **क-प्राथमिक ( 1+2 )** | | 491254 | 16.16 | 28.44 | 284625 | 14.59 | 25.33 |
| 3. | विनिर्माण | 211616 | 20.95 | 12.25 | 162561 | 13.57 | 14.47 |
| 4. | विद्युत, गैस तथा जल आपूर्ति एवं अन्य उपयोगी सेवायें | 39657 | 8.67 | 2.30 | 17100 | 4.40 | 1.52 |
| 5. | निर्माण कार्य | 173920 | 9.66 | 10.07 | 120795 | 7.05 | 10.75 |
| **ख- द्वितीयक ( 3 से 6 )** | | 425194 | 14.90 | 24.61 | 300457 | 10.32 | 26.74 |
| 6. | व्यापार मरम्मत, होटल उवं जलपान गृह | 150518 | 24.33 | 8.71 | 107706 | 9.50 | 9.59 |
| 7. | परिवहन, संग्रहण तथा संचार | 118376 | 12.01 | 6.85 | 98392 | 6.91 | 8.76 |
| 7.1 | रेलवे | 26788 | 7.06 | 1.55 | 12321 | 0.32 | 1.10 |
| 7.2 | अन्य साधनों द्वारा परिवहन | 55661 | 15.28 | 3.22 | 62447 | 10.21 | 5.56 |
| 7.3 | भण्डारण | 3035 | 11.17 | 0.18 | 1814 | 4.15 | 0.16 |
| 7.4 | संचार तथा प्रसारण सम्बंधी सेवायें | 32893 | 10.95 | 1.90 | 21810 | 2.19 | 1.94 |
| 8. | वित्तीय सेवाएं | 67261 | 12.96 | 3.89 | 47767 | 5.85 | 4.25 |
| 9. | स्थावर सम्पदा, आवास गृहों का स्वामित्व तथा व्यवसायिक सेवायें | 255913 | 12.57 | 14.81 | 146248 | 3.79 | 13.02 |
| 10. | लोक प्रशासन और रक्षा | 121968 | 11.85 | 7.06 | 78521 | 5.86 | 6.99 |
| 11. | अन्य सेवाएं | 97057 | 9.43 | 5.62 | 59741 | 9.07 | 5.32 |
| **ग- तृतीयक ( 6 से 11 )** | | 811093 | 14.02 | 46.95 | 538374 | 6.53 | 47.92 |
| सकल राज्य मूल्य वर्धन (स्थायी भावों पर ) | | 1727540 | 14.84 | 100.00 | 1123455 | 9.49 | 100.00 |
| सकल राज्य घरेलू उत्पाद (बाजार मूल्यों पर) | | 1916913 | 16.76 | 100.00 | 1181361 | 9.64 | 100.00 |

## राज्य की कुल राजस्व प्राप्ति से आय के स्त्रोत का प्रतिशत

| वर्ष | राज्य का स्वये का राजस्व | | केन्द्रीय संक्रमण | | कुल राजस्व प्राप्तियाँ ( रु. करोड़ों में ) |
|---|---|---|---|---|---|
| | राज्य कर तथा शुल्क | राज्य करेत्तर राजस्व | केन्द्रीय करों मे अंश | केन्द्रीय सरकार से सहायता अनुदान | |
| 2021-22 | 1,60,349.78 | 15,524.02 | 1,14,894.19 | 87,963.41 | 3,78,731.40 |
| 2022-23 | 2,20,655.00 | 23,406.48 | 1,46,498.76 | 1,08,652.47 | 4,99,212.71 |

## राजकोषीय स्थिति के प्रमुख संकेतक

| वर्ष | राजस्व अधिशेष | राजकोषीय घाटा | प्राथमिक घाटा |
|---|---|---|---|
| 2021-22 | 22,107.19 | 74,745.63 | 32,241.38 |
| 2022-23 | 43,123.65 | 81,177.98 | 35,190.52 |



Join @yct_hub For More Exclusive PDFs

**ऋण ऋणग्रस्तता की प्रतिशत संरचना ( 31 मार्च,2022 तक अनुमानित )**

➲ वर्ष 2022-23 के बजट अनुमान में राज्य की कुल ऋणग्रस्तता 6,66,153.39 करोड़ रुपये (GSDP का 32.5%) है।

## बैंकिग एवं संस्थागत वित्त

**मुख्य बिन्दु**

➲ स्टैंड अप इण्डिया योजना में प्रदेश, भारत में प्रथम स्थान पर है।

➲ प्रधानमंत्री जन-धन योजना में देश में खोले गये कुल 45.41 करोड़ खातों में प्रदेश सर्वाधिक 7.93 करोड़ खाते (17.46 प्रतिशत) खोलते हुए प्रथम स्थान पर है।

➲ प्रदेश में कृषि क्षेत्र में दिये जा रहे ऋण में अधिकांश हिस्सेदारी लघुकालीन कृषि गतिविधियों की है।

➲ **प्रदेश में बैंकिग क्षेत्र का प्रगति विवरण-**

**( धनराशि करोड़ में )**

| शाखा विस्तार | सितम्बर, 2021 | सितम्बर, 2022 |
|---|---|---|
| • ग्रामीण | 8447 | 8618 |
| • अर्द्धनगरीय | 4572 | 4426 |
| • शहरी/ मेट्रो | 6185 | 6304 |
| कुल शाखाओं की संख्या | 19204 | 19348 |

➲ वार्षिक ऋण योजना की उपलब्धि का विवरण

*( धनराशि करोड़ में)*

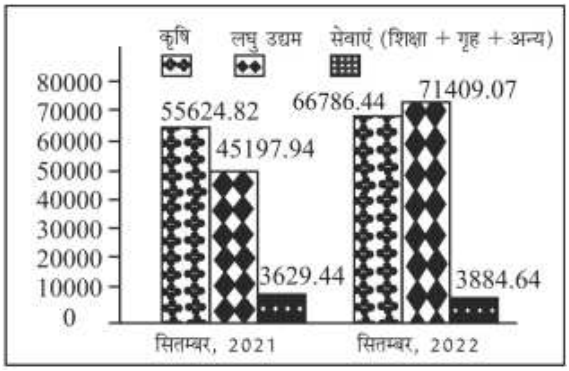


**डिजिटल बैकिंग**

कोविड-19 महामारी के पश्चात कैशलेस लेन-देन को बढ़ावा देने उद्देश्य से बैंको द्वारा आधार एवं रुपे कार्ड आधारित जमा/ भुगतान की प्रक्रिया पर विशेष बल दिया जा रहा। साथ ही ग्राहकों की सुविधा के लिए बैंको द्वारा मोबाइल बैंकिंग, यू.पी.आई, भीम एप, इण्टरनेट बैंकिंग, डेविड कार्ड इत्यादि जैसी सुविधाएं भी उपलब्ध करायी जा रही हैं।

**डिजिटल ट्रांजेक्शन वृद्धि**

| वित्तीय वर्ष | डिजिटल ट्रांजेक्शन की संख्या ( करोड में ) | प्रतिशत वृद्धि ( गत वर्ष से ) |
|---|---|---|
| 2020-21 | 391.02 | 106.81 |
| 2021-22 | 426.68 | 9.11 |
| 2022-23 (जून-2022) | 218.33 | - |

➲ बैंको द्वारा जून 2022 तक कुल 218.33 करोड़ ट्रांजेक्शन किये जा चुके है।

## कृषि

**मुख्य बिन्दु**

➲ वर्ष **2021-22** के राज्य आय के त्वरित अनुपातों के अनुसार प्राथमिक खण्ड का (प्रचलित भावें पर ) जीएसवीए में योगदान 28.4 प्रतिशत रहा।

➲ प्रदेश का गेहूँ तथा खद्यान्न उत्पादन में देश में प्रथम स्थान है।

➲ वर्ष 2021-22 में कुल 60.10 लाख कुन्तल बीज वितरण किया गया, जिसमें खरीफ 2021 में 8.42 लाख कुन्तल एवं रबी में 51.68 लाख कुन्तल बीज वितरण किया गया

➲ वित्तीय वर्ष 2021-22 में मुख्यमंत्री कृषक दुर्घटना सहायता योजना के अंतर्गत 133 कृषकों को रु. 189.07 लाख की धनराशि वितरित की गयी।

➲ प्रदेश की चयनित 27 नवीन मण्डी स्थलों के आधुनिकीकरणा योजनान्तर्गत 26 नवीन मण्डी स्थालों का आधुनीकरण कराया गया है।

➲ **सकल राज्य मूल्य वर्धन में प्राथमिक क्षेत्र का योगदान एवं वृद्धि दर**

| वित्तीय वर्ष | जीएसवीए ( रु. करोड़ में ) | वृद्धिदर ( प्रतिशत में ) | जीएसवीए में योगदान ( प्रतिशत में ) |
|---|---|---|---|
| 2019-20 | 245488 | -2.10 | 22.74 |
| 2020-21 | 248389 | 1.18 | 24.21 |
| 2021-22 | 284625 | 14.59 | 25.33 |

➲ **प्राथमिक उप-खण्ड का स्थायी भावों पर वृद्धि दर ( आधार वर्ष 2011-12 )**

| उप-खण्ड | 2021-22 |
|---|---|
| कृषि, वानिकी एवं मत्स्यन | 14.82 |
| फसलें | 18.17 |
| पशुधन | 10.41 |
| वानिकी और लट्ठा बनाना | 2.33 |
| मत्स्यन और जलीय कृषि | 8.46 |
| खनन और उत्खनन | 12.12 |
| **प्राथमिक खण्ड** | 14.59 |

## वन एवं पर्यावरण

**मुख्य बिन्दु**

➲ प्रदेश में वनावरण एवं वृक्षावरण कुल भौगोलिक क्षेत्रफल 2,40,928 वर्ग कि.मी. का मात्र 9.23 प्रतिशत है। राष्ट्रीय वन नीति, 1988 के मानक स्तर 33.33 प्रतिशत से कम है।

➲ प्रदेश ने वर्ष 2019 की तुलना में 2021 में 91 वर्ग किमी की वृद्धि हुई है, जो कुल भौगोलिक क्षेत्र का 0.04 प्रतिशत है।

➲ इन्टीग्रेटेड डेवलपमेन्ट आफ वाइल्ड लाइफ हैबिटेट्स योजना भारत सरकार एवं राज्य सरकार के संयुक्त वित्त पोषण से प्रदेश के समस्त पक्षी विहारों के विकास हेतु संचालित है।



Join @yct_hub For More Exclusive PDFs

➲ पक्षियों के वास स्थल, क्रियाकलाप तथा विदेशी पक्षियों के माइग्रेशन की जानकारी उपलब्ध कराने हेतु प्रदेश में प्रतिवर्ष दिसम्बर के प्रथम सप्ताह में बर्ड फेस्टिवल का आयोजन किया जाता है।

➲ गौरैया व अन्य पक्षियों के प्रति जागरूकता हेतु प्रत्येक वर्ष 20 मार्च को विश्व गौरैया दिवस के रूप में मनाया जाता है।

➲ **कुल भैगोलिक क्षेत्रफल के सापेक्ष वनावरण एवं वृक्षावरण ( % में )**

| वर्ष | वनावरण | वृक्षावरण | कुल वनावरण एवं वृक्षावरण |
|---|---|---|---|
| 2003 | 5.86 | 3.20 | 9.06 |
| 2005 | 5.86 | 3.41 | 9.27 |
| 2009 | 5.95 | 3.06 | 9.02 |
| 2011 | 5.95 | 3.06 | 9.02 |
| 2013 | 5.96 | 2.86 | 8.82 |
| 2015 | 6.00 | 2.92 | 8.93 |
| 2017 | 6.09 | 3.09 | 9.18 |
| 2019 | 6.15 | 3.05 | 9.19 |
| 2021 | 6.15 | 3.08 | 9.23 |

## पशुधन, दुग्ध विकास एवं मत्स्य

**मुख्य बिन्दु**

➲ प्रदेश में 20 वीं पशुधन गणना वर्ष 2019 के अनुसार कुल 692.20 लाख पशुधन है जो देश मे सर्वाधिक है। प्रदेश, पशुधन (कुक्कुट को छोड़कर) में देश में प्रथम स्थान पर है।

➲ वर्ष 2021-22 के त्वरित अनुमान के अनुसार, पशुपालन एवं मत्स्यन उपखण्ड की स्थायी भावों पर वृद्धि दर क्रमशः 10.4 एवं 8.5 है।

➲ राष्ट्रीय गोकुल मिशन के अर्न्तगत प्रदेश के समस्त जनपदों में कृत्रिम गर्भाधान आच्छादन प्रतिशत बढ़ाये जाने हेतु 15 लाख पशुओं में निःशुल्क कृत्रिम गर्भाधान किया जाना लक्षित है।

➲ प्रदेश के समस्त ग्रामों में कृत्रिम गर्भाधान कार्य किया जाना लक्षित है जिस हेतु दिसम्बर 2022 तक 217 लाख लक्ष्य के सापेक्ष 81.77 लाख कृत्रिम गर्भाधान किया गया तथा **22.26 लाख इनाफ पोर्टल पर** फीड़िंग की गयी।

➲ वर्ष 2020-21 में प्रदेश 313.597 लाख मीट्रिक टन (वृद्धि दर-1.58 प्रतिशत ) एवं वर्ष 2021-22 में 329 लाख मीट्रिक टन (वृद्धि 4.85 प्रतिशत) **दुग्ध उत्पादन कर देश में प्रथम स्थान पर** है। वर्ष 2022-23 में प्रदेश में अद्यतन 264.50 लाख मीट्रिक टन दुग्ध उत्पादन किया जाता है।

## उद्यान एवं खाद्य प्रसंस्करण

**मुख्य बिन्दु**

➲ वित्तीय वर्ष 2022-23 की कार्ययोजना में नवीन उद्यान रोपण में नवीनतम एक्जोटिक फ्रूट क्रॉप (ड्रैगन फ्रूट, फिग, स्ट्रॉबेरी) तथा निके फ्रूट क्रॉप (आँवला, करौंदा, जामुन, हनुमान फल, बेल टेमरिंड, फालसा, जैक फ्रूट) को भी शामिल किया गया था।

➲ एकीकृत बागवानी विकास मिशन (राज्य औद्योगिक मिशन) प्रदेश के 45 जनपदों में संचालित की जा रही है जिसमें केन्द्रांश 60 प्रतिशत तथा राज्यांश 40 प्रतिशत है। शेष 30 जनपदों में औद्योगिक कार्यक्रमों का क्रियान्वयन राष्ट्रीय कृषि विकास हेतु (तीन फलों आम, अमरूद व आँवला के विकास हेतु) फल पट्टी विकसित की गयी है।

➲ नए तथा पूर्व से स्थापित उद्योगों हेतु तकनीकी रूप से दक्ष कर्मी उपलब्ध कराने के लिए बुन्देलखण्ड विश्वविद्यालय से मान्यता प्राप्त दो वर्षीय स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम संचालित है।

➲ प्रदेश के 75 जनपदों में 77 केन्द्र (लखनऊ में 03) घरेलू क्षेत्र के खाद्य प्रसंस्करण की सुविधाओं के लिए राजकीय फल संरक्षण एवं प्रशिक्षण केन्द्रों की स्थापना की गई है।

**बागवानी फसलों का उत्पादन ( हजार मी. टन में )**

| क्र.सं. | फसल | उत्तर प्रदेश | भारत | योगदान प्रतिशत |
|---|---|---|---|---|
| 1. | आलू | 15555.53 | 21310.01 | 30.32 |
| 2. | आम | 4551.83 | 21822.32 | 20.86 |
| 3. | अमरूद | 928.44 | 4053.51 | 22.90 |

➲ **फल पट्टियों का विकास**

| क्र.सं. | फल पट्टी | आच्छादित जनपद |
|---|---|---|
| 1. | आम | सहारनपुर, मेरठ, बागपत,बुलन्दशहर, अमरोहा, प्रतापगढ़, वाराणसी, लखनऊ, उन्नाव, सीतापुर, हरदोई, अयोध्या तथा बाराबंकी के 31 विकास खण्ड। |
| 2. | अमरूद | कौशाम्बी एवं बदायूँ के 6 विकास खण्ड। |
| 3. | आँवला | प्रतापगढ़ के दो विकास खण्ड। |

## खाद्य सुरक्षा एवं सार्वजनिक वितरण प्रणाली

**मुख्य बिन्दु**

- सार्वजनिक वितरण प्रणाली का मुख्य उद्देश्य उपभोक्ताओं को रियायती कीमतों पर आवश्यक उपभोग की वस्तुएं प्रदान करना है।
- 'प्राथमिकता' वाले पात्र परिवारों को हर महीने खाद्यान्न 5 किलोग्राम प्रति व्यक्ति एवं अन्त्योदय अन्न योजना के परिवारों को प्रति परिवार 35 किलो अनाज की सुरक्षा मिल रही है।
- महिलाओं, बच्चों व पुरूषों में आयरन की कमी तथा कुपोषण दूर करने के लिए सार्वजनिक वितरण प्रणाली के अन्तर्गत पायलट प्रोजेक्ट के रूप में चन्दौली में फोर्टीफाइड राईस का वितरण जनवरी, 2021 से प्रारम्भ कराया गया है।
- तृतीय चरण में अप्रैल 2023 से मार्च 2024 तक राज्य के सभी जनपदों को फोर्टीफाइड चावल के वितरण की योजना है। जनवरी, 2023 तक प्रदेश के 63 जनपदों में फोर्टीफाइड चावल का वितरण कराया जा रहा है।



Join @yct_hub For More Exclusive PDFs

- खरीफ विपणन वर्ष 2022-23 हेतु सामान्य धान का समर्थन मूल्य रु. 2040 प्रति कुन्तल एवं धान ग्रेड-ए का रु. 2060 प्रति कुन्तल निर्धारित किया गया।
- खरीफ विपणन वर्ष 2022-23 के अन्तर्गत दिनांक 08.02.2023 तक प्रदेश के 4431 क्रय केन्द्रों के माध्यम से कुल 1020957 किसानों से 62.24 लाख मी. टन की धान खरीद (निर्धारित क्रय लक्ष्य 70 लाख मी. टन के सापेक्ष 88.91 प्रतिशत) की गयी। धान खरीद प्रगतिमान है।

➲ **राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम के अन्तर्गत आपूर्ति का विवरण**

| क्र. सं. | मद | इकाई | संख्यात्मक विवरण (01 फरवरी 2023 की स्थिति) |
|---|---|---|---|
| 1 | कुल राशन कार्ड-<br>पात्र गृहस्थी<br>अन्त्योदय | करोड़ में | 3.60<br>3.19<br>0.41 |
| 2 | कुल लाभार्थी-<br>पात्र गृहस्थी<br>अन्त्योदय | करोड़ में | 15.4<br>13.71<br>1.33 |
| 3 | लाभार्थी आधार सीडिंग | करोड़ में | 15.02 |
| 4 | उचित दर विक्रता | संख्या | 79385 |

स्रोत- खाद्य एवं रसद विभाग, उत्तर प्रदेश

## ग्राम्य विकास एवं पंचायत सशक्तिकरण

**मुख्य बिन्दु-**

- प्रदेश में वित्तीय वर्ष 2022-23 में 10803 अमृत सरोवरों पर कार्य प्रारम्भ कराया जा चुका है, जिसमें से 8562 पर कार्य पूर्ण हो चुका है।
- वर्तमान में ग्रामीण आजीविका मिशन द्वारा प्रदेश के 75 जनपदों के 826 विकास खण्डों में इन्सेंटिव स्ट्रेटजी के तहत योजना क्रियान्वित है।
- प्रदेश ने 15 नवम्बर 2022 तक 3000 तालाब के लक्ष्य के सापेक्ष 8240 तालाब पूर्ण करके देश में प्रथम स्थान अर्जित किया।
- मनरेगा योजनान्तर्गत वित्तीय वर्ष 2021-22 में 26 करोड़ मानव दिवस का सृजन किया गया, तथा वित्तीय वर्ष 2022-23 में मनरेगा योजनान्तर्गत 32 करोड़ मानव दिवस सृजन किये जाने का लक्ष्य रखा गया है।

  वित्तीय वर्ष 2022-2023 में ठोस तरल अपशिष्ट हेतु लक्षित 24,314 गाँव की कुल आबादी लगभग 6.46 करोड़ को ठोस व तरल अपशिष्ट प्रबन्धन से संतृप्त किये जाने का लक्ष्य है।
- सामुदायिक शौचालय का प्रबन्धन प्रदेश के 826 विकासखण्डों की 54216 ग्राम पंचायतों में समूह की महिलाओं द्वारा किया जा रहा है।
- सखी कार्यक्रम के अन्तर्गत ग्राम स्तर पर डिजिटल लेन-देन को प्रोत्साहित करने हेतु 32654 बी.सी. सखी के द्वारा लेन-देन का कार्य प्रारम्भ किया जा चुका है।

➲ **मनरेगा अन्तर्गत लाभान्वित परिवार तथा व्यय धनराशि का विवरण (नवम्बर, 2022 तक)**

| क्र. सं. | वर्ष | सृजित मानव दिवस (लाख) | व्यय धनराशि (लाख) |
|---|---|---|---|
| 1 | 2018-19 | 2121 | 584563 |
| 2 | 2019-20 | 2444 | 605243 |
| 3 | 2020-21 | 3945 | 1286389 |
| 4 | 2021-22 | 3258 | 876739 |
| 5 | 2022-23 (नवम्बर, 2022 तक) | 2402 | 773440 |

## औद्योगिक प्रगति

**मुख्य बिन्दु**

- वर्ष 2021-22 के त्वरित अनुमान के अनुसार, द्वितीयक खण्ड में गत वर्ष की तुलना में वर्ष 2021-22 के स्थिर भावों पर 10.3 प्रतिशत की वृद्धि तथा प्रचलित भावों पर 14.9 प्रतिशत की वृद्धि रही।
- भारत के सबसे बड़े डिजिटल सिंगल विन्डो पोर्टलों में से एक - 'निवेश मित्र' है जिसके माध्यम से उद्यमियों को 362 से अधिक ऑनलाइन सेवाएं प्रदान की जा रही हैं। यह विभिन्न राज्यों के उन अग्रणी पोर्टलों में से एक है जिन्हें नेशनल सिंगल विन्डो सिस्टम के साथ एकीकृत किया गया है।
- उद्यमियों से लाइसेन्स हेतु प्राप्त आवेदनों के 97 प्रतिशत से अधिक निस्तारण दर के साथ यह पोर्टल वर्तमान में विभिन्न राज्यों में कार्यान्वित सिंगल विन्डो पोर्टल में सबसे कुशल सिंगल विन्डो पोर्टल बन गया है।
- सूक्ष्म एवं लघु उद्यमों के विलम्बित भुगतनों के त्वरित निस्तारण हेतु उद्योग एवं उद्यम प्रोत्साहन निदेशालय, कानपुर में स्थापित फैसिलीटेशन काउन्सिल को मण्डल स्तर तक विकेन्द्रीकृत किया गया है।
- प्रक्रिया के सरलीकरण तथा निवेशकों को समुचित सहायता प्रदान करने के लिए ''इन्वेस्ट यूपी'' द्वारा एक ''ऑनलाइन निवेशन सम्बन्ध पोर्टल'' विकसित किया गया है।

## सेवा क्षेत्र

**मुख्य बिन्दु**

- वर्ष 2021-22 के त्वरित अनुमान, प्रचलित भावों पर प्रदेश के जीएसवीए में सेवा क्षेत्र का योगदान वर्ष 2011-12 में 45.51 प्रतिशत से बढ़कर वर्ष 2021-22 में 46.95 प्रतिशत हो गया।
- प्रदेश के जीएसवीए में वर्ष 2020-21 में व्यापार, होटल एवं जलपान गृह उप-खण्ड का योगदान प्रचलित भावों पर 8.05 प्रतिशत था, जो बढ़कर वर्ष 2021-22 में 8.71 प्रतिशत हो गया।
- प्रदेश में क्षेत्र विकास की प्रेरक शक्ति के रूप में प्रसारण सम्बन्धी सेवाओं को नई श्रृंखला में शामिल किया गया है।



Join @yct_hub For More Exclusive PDFs

Search @yct_hub to Join Channel

➲ **प्रचलित एवं स्थायी भावों पर जीएसवीए में सेवा क्षेत्र का योगदान एवं वृद्धि दर**

| वर्ष | प्रचलित भावों पर | | | स्थायी भावों पर | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | सेवा क्षेत्र का जीएसवीए | वृद्धिदर प्रतिशत | योगदान प्रतिशत | सेवा क्षेत्र का जीएसवीए | वृद्धिदर प्रतिशत | योगदान प्रतिशत |
| 2019-20 | 767433 | 9.65 | 49.33 | 543727 | 6.98 | 50.37 |
| 2020-21 | 711359 | –7.31 | 47.29 | 505370 | –7.05 | 49.25 |
| 2021-22 | 811093 | 14.02 | 46.95 | 538374 | 6.53 | 47.92 |

- वर्ष 2021-22 के त्वरित अनुमान के अनुसार, इस क्षेत्र की वृद्धिदर 6.53 प्रतिशत रही है।

## अवस्थापना, ऊर्जा एवं संचार

**मुख्य बिन्दु**

- बुंदेलखंड एक्सप्रेस-वे नियन्त्रित परियोजना (ग्रीन फील्ड) का लोकार्पण मा. प्रधानमंत्री जी द्वारा 16 जुलाई 2022 को (ग्राम कैथेरी) जालौन में किया गया। एक्सप्रेस-वे यातायात निर्बाध रूप से चल रहा है।
- प्रदेश सरकार ने पश्चिमी भाग (मेरठ) को पूर्वी भाग (प्रयागराज) से जोड़ने के लिए लगभग 594 किमी. लम्बे गंगा एक्सप्रेस-वे के निर्माण के प्रोजेक्ट को मंजूरी दी है जिसका निर्माण कार्य नवम्बर, 2022 से प्रारम्भ हो गया।
- मार्ग एवं सेतु के निर्माण सम्बन्धी समस्त गतिविधियों को सशक्त करने, स्वस्थ प्रतिस्पर्धा एवं पूर्ण पारदर्शिता के उद्देश्य से **''चाणक्य''**, **''विश्वकर्मा''** व **''प्रहरी''** ऑनलाइन पोर्टल लागू किये गये हैं।
- आधार प्रमाणीकरण के माध्यम से शिक्षार्थी लाइसेन्स निर्गमन की व्यवस्था पायलट प्रोजेक्ट के रूप में बाराबंकी कार्यालय में अगस्त 2021 से प्रारम्भ की गयी थी। जनवरी, 2022 से इसका विस्तारीकरण कर प्रदेश के समस्त परिवहन कार्यालयों में लागू किया गया।
- रजिस्ट्रीकृत यान स्क्रैपिंग सुविधा केन्द्र स्थापित करने हेतु नेशनल सिंगल विन्डो वेबसाइट पर दिनांक 18.02.2022 से आवेदन की प्रक्रिया प्रारम्भ की गयी है।
- 150 नयी बी.एस.- 6 साधारण डीजल बसों का दिनांक 10.08.2022 को शुभारम्भ किया गया। प्रत्येक जनपद को उक्त नयी बसों से जोड़ा गया है।
- वर्ष 2022-23 में अप्रैल से अक्टूबर तक औसतन ग्रामीण क्षेत्र में 17:26 घण्टे तहसील क्षेत्र में 20:52 घण्टे तथा शहरी क्षेत्र में 23:26 घण्टे आपूर्ति की गयी।
- उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा प्रदेश में सौर ऊर्जा विद्युत उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए उत्तर प्रदेश सौर ऊर्जा नीति 2022 प्रख्यापित की गयी है। इस नीति में आगामी 5 वर्षों में 22 हजार मेगावाट विद्युत उत्पादन क्षमता का लक्ष्य रखा गया है।
- उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा माह सितम्बर, 2022 में ''उत्तर प्रदेश राज्य जैव ऊर्जा नीति- 2022'' घोषित की गयी है, जिसमें कृषि अपशिष्ट, पशुधन अपशिष्ट, चीनी मिलों से अपशिष्ट, नगरपालिका के ठोस अपशिष्ट इत्यादि जैसे विभिन्न जैव अपशिष्टों का उपयोग कम्प्रेस्ड बायो गैस प्लांट, बायो कोल (पैलेट्स और ब्रिकेट्स), बायो डीजल/बायो एथेनॉल की स्थापना के लिए निवेश को प्रोत्साहित किया गया है।

➲ **सड़क नेटवर्क की वर्तमान स्थिति**

| | मार्ग का वर्गीकरण | मार्च 2021 तक | मार्च 2022 तक |
|---|---|---|---|
| 1 | राष्ट्रीय मार्ग | 11455 | 11590 |
| 2 | राज्य मार्ग | 11060 | 10901 |
| 3 | प्रमुख जिला मार्ग | 5550 | 6749 |
| 4 | अन्य जिला मार्ग | 50316 | 54244 |
| 5 | ग्रामीण मार्ग | 182626 | 204148 |
| | योग- | 261007 | 287632 |

स्रोतः- लोक निर्माण विभाग, उ.प्र.।

➲ **उत्तर प्रदेश में विद्युत का उत्पादन एवं उपभोग**

| क्र. स. | मद | वर्ष 2021-22 |
|---|---|---|
| 1 | अधिष्ठापित क्षमता (मेगावाट)* | 7819 |
| 2 | उपभोग (मिलियन यूनिट)* | 93731 |
| 3 | कुल उत्पादन (मिलियन यूनिट) | 24899 |
| 4 | कुल विद्युतीय ग्राम (संख्या) | 97814 |
| 5 | निजी/बाह्य स्रोत से आयात (मि. यू.) | 97017 |
| 6 | पारेषण लाइनों की कुल ल. (सर्किट कि.मी.) | 50593 |
| 7 | स्वीकृत निजी नलकूपों की सं. (लाख में) | 12.86 |

स्रोत- उत्तर प्रदेश पावर कारपोरेशन लिमिटेड, लखनऊ। * राज्य सरकार के अधीन (उ.प.रा.वि.उ.नि.लि. एवं उ.प्र.ज.वि.नि.लि.)।

## पर्यटन एवं नागरिक विमानन

**मुख्य बिन्दु**

- उत्तर प्रदेश में वर्ष 2023 में (दिसम्बर,2023तक) कुल-48.01 करोड़ पर्यटक आयें जिनमें भारतीय पर्यटकों की संख्या-47.85 करोड़ तथा विदेशी पर्यटकों की संख्या लगभग 16 लाख थी।
- अयोध्या में दीपोत्सव, 2022 का भव्य आयोजन किया गया जिसकी लोकप्रियता/ख्याति अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर हुई। इस अवसर पर एक साथ 15.76 लाख दिये प्रज्ज्वलित कर स्वयं का वर्ष 2021 का रिकार्ड (9.41 लाख दीप) तोड़ते हुए गिनीज वर्ल्ड रिकार्ड बनया गया।
- राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय स्तर के प्रदेश में प्रख्यात सोशल मीडिया ब्लागर्स हेतु फैम टूअर्स का आयोजन किया गया।
- जनपद मथुरा में कृष्णोत्सव का भव्य आयोजन किया गया।
- उत्तर प्रदेश पर्यटन विभाग द्वारा ट्रैवल मार्ट लखनऊ, टी.टी.एफ. - हैदराबाद तथा अहमदाबाद, आई.टी.टी.एम. - बैंगलुरु तथा पुणे, टूरिज्म शैल्टर-नागपुर का भव्य आयोजन कराया गया।
- जेवर में नोएडा ग्रीनफील्ड अन्तर्राष्ट्रीय हवाई-अड्डा और अयोध्या में मर्यादा पुरूषोत्तम श्रीराम अन्तर्राष्ट्रीय हवाई-अड्डे के साथ उत्तर प्रदेश शीघ्र ही 5 अन्तर्राष्ट्रीय एयरपोर्ट वाला देश का पहला प्रदेश बन जायेगा।
- पर्यटन विभाग द्वारा पर्यटकों को सुविधा एवं मार्ग दर्शन उपलब्ध कराने के उद्देश्य से एकीकृत वन स्टाप ट्रैवल्स सोल्यूशन पोर्टल लांच किया गया है।



Join @yct_hub For More Exclusive PDFs

### ➲ पर्यटन का विकास

- उत्तर प्रदेश में पर्यटन को बढ़ावा देने, निजी उद्यमियों को निवेश की सुगमता एवं पर्यटन उद्योग को नई ऊँचाइयों तक पहुँचाने हेतु उत्तर प्रदेश पर्यटन नीति-2018 लागू की गयी है। इसके अन्तर्गत, रामायण सर्किट, कृष्ण सर्किट, सूफी सर्किट, बौद्ध सर्किट, बुन्देलखण्ड सर्किट, जैन सर्किट/ब्रज तीर्थ विकास परिषद की स्थापना तथा अयोध्या की दीपावली और ब्रज की होली के आयोजन के लिये प्रावधान हुआ है। उत्तर प्रदेश पर्यटन नीति-2018 में की गयी घोषणाओं के दृष्टिगत पर्यटन नीति के अन्तर्गत प्रदेश में रु. 7960.85 करोड़ का निवेश प्रस्तावित है। पर्यटन इकाइयों की स्थापना हेतु 220 प्रस्तावों को पंजीकृत किया गया है।
- उत्तर प्रदेश नई पर्यटन नीति-2022 का अनुमोदन मा. मंत्रीपरिषद द्वारा प्रदान किया गया है। जिसके अन्तर्गत निवेशकों को विभाग द्वारा प्रदान किये जाने वाले लाभों को दृष्टिगत रखते हुए निवेशकों द्वारा काफी बढ़-चढ़ कर एम.ओ.यू. हस्ताक्षरित किये जा रहे हैं।
- विश्व बैंक से सहायता प्राप्त प्रो- पूअर टूरिज्म डेवलमेंट प्रोजेक्ट एक अभिनव परियोजना है, जिसके अन्तर्गत प्रदेश के दो प्रमुख पर्यटन क्षेत्रों- आगरा एवं ब्रज क्षेत्र के विकास से स्थानीय लोगों के गरीबी-उन्मूलन तथा रोजगार-सृजन हेतु चिन्हित क्षेत्रों में स्थित पर्यटन स्मारकों/स्थलों लोगों के गरीबी-उन्मूलन तथा रोजगार-सृजन हेतु चिन्हित क्षेत्रों में स्थित पर्यटन स्मारकों/स्थलों पर मूलभूत पर्यटन सुविधाओं का सृजन एवं विकास की व्यवस्था है।
- आगरा में शाहजहाँ पार्क एवं मेहताब बाग-कछपुरा का कार्य एवं वृन्दावन में बांके बिहारी जी मंदिर क्षेत्र के पर्यटन विकास का कार्य जनवरी, 2018 में प्रारम्भ हुआ। इस परियोजना में बौद्ध सर्किट के अन्तर्गत सारनाथ एवं कुशीनगर का विकास कार्य कराए जा रहे है।
- बुन्देलखण्ड सर्किट, बौद्ध सर्किट, वाइल्ड लाइफ सर्किट एवं अन्य सर्किटों का प्रचार-प्रसार रेडियों सिग्नल, मोबाइल ऐप, डिजिटल वेब, बैनर, समाचार पत्रों में विज्ञापन, आउटडोर मीडिया, सोशल मीडिया एवं वेबसाइट (डाइनमिक बैनर) के माध्यम से कराया जा रहा है।
- बुद्ध पूर्णिमा पर (मई 2022) बौद्ध कॉन्क्लेव का सारनाथ (वाराणसी), कुशीनगर, श्रावस्ती एवं संकिसा में भव्य आयोजन किया गया।
- 75 जनपदों में जिला पर्यटन एवं संस्कृति परिषदों का गठन किया गया है।
- जनपद लखनऊ में संत कबीर प्राकट दिवस के अवसर पर आजादी के अमृत महोत्सव की श्रृंखला में अमृत योग सप्ताह के अन्तर्गत 'वेलनेस टूरिज्म कॉन्क्लेव' का दिनाँक 14 जून से 21 जून 2022 तक आयोजन कराया गया।
- प्रदेश में पर्यटन क्षेत्र में निवेश प्रोत्साहन, प्रदेश के गौरवशाली इतिहास एवं प्रदेश सरकार द्वारा आयोजित कराये जाने वाले मेले-महोत्सवों की अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर मार्केटिंग एवं ब्रांडिंग के उद्देश्य से दुबई में आयोजित अरैबियन ट्रैवल मार्ट-2022 में प्रतिभाग किया गया।
- लखनऊ, कपिलवस्तु एवं प्रयागराज हैलीपोर्ट- जनपद लखनऊ में स्थित रमाबाई अम्बेडकर स्थल के सामने बना पक्का हैलीपैड, कपिलवस्तु एवं प्रयागराज स्थित हैलीपोर्ट को पी.पी.पी. मोड पर विकसित एवं संचालित कराये जाने की कार्यवाही प्रगति पर है।
- उत्तर प्रदेश में सांस्कृतिक सम्पदा, पुरातात्विक एवं ऐतिहासिक धरोहरों को संरक्षित करने हेतु संचालित 15 संग्रहालयों में भारतीय एवं विदेशी पर्यटकों के भ्रमण से वित्तीय वर्ष 2022-23 में प्रवेश टिकट बिक्री पुस्तकों, अनुकृतियों की बिक्री एवं अन्य स्त्रोतों के माध्यम से आय हुई है।

### ➲ स्वेदश दर्शन स्कीम

**( रु. करोड़ )**

| क्र. सं | सर्किट | योजना का नाम | प्रस्तावित धनराशि |
|---|---|---|---|
| 1 | रामायण सर्किट | चित्रकूट एवं श्रृंगवेरपुर का पर्यटन विकास | 69.45 |
| 2 | रामायण सर्किट | अयोध्या का पर्यटन विकास | 127.20 |
| 3 | बौद्ध सर्किट | कुशीनगर, कपिलवस्तु एवं श्रावस्ती का पर्यटन विकास। | 99.97 |
| 4 | स्पिरिचुअल सर्किट | गोरखपुर, देवीपाटन, डुमरियागंज का पर्यटन विकास। | 15.76 |
| 5 | स्पिरिचुअल सर्किट | जेवर-दादरी-सिकन्दराबाद-नोएडा-खुर्जा-बांदा का पर्यटन विकास | 12.03 |

### ➲ हेरिटेज आर्क एवं सम्बन्धित स्थल

| क्र. सं. | हेरिटेज आर्क | सम्बन्धित दर्शनीय स्थल |
|---|---|---|
| 1. | आगरा | आगरा, फतेहपुर सीकरी, चम्बल सेंचुरी, बरसाना, बटेश्वर, इटावा लायन सफारी, गोकुल, नन्दगाँव, मथुरा, वृन्दावन। |
| 2. | लखनऊ | लखनऊ, अयोध्या, बिठूर, देवाशरीफ, दुधवा, कतरनियाघाट वन्य पशु प्रेक्षक, नैमिषारण्य, नवाबगंज पक्षी अभ्यारण्य। |
| 3. | वाराणसी | वाराणसी, सारनाथ, विंध्याचल, सोनभद्र, चुनार, कुशीनगर, कपिलवस्तु, श्रावस्ती। |

## शिक्षा

**मुख्य बिन्दु**

- प्रदेश में शिक्षा पर किये गये कुल व्यय का सर्वाधिक अंश प्राथमिक शिक्षा तत्पश्चात् माध्यमिक शिक्षा एवं उच्च शिक्षा पर किया गया है।



Join @yct_hub For More Exclusive PDFs

- उत्कृष्ट कार्य करने वाले अध्यापकों को प्रोत्साहन प्रदान करने हेतु प्रदेश सरकार द्वारा राज्य अध्यापक पुरस्कारों की संख्या 17 से बढ़कर 75 एवं पुरस्कार धनराशि रु. 10000 से बढ़ाकर रु. 25000 की गई।
- चैम्पियंस आफ चेंज पोर्टल पर प्रदर्शित मार्च 2022 की डेल्टा रैंकिंग के अनुसार महत्वाकांक्षी जनपद सोनभद्र 7वीं रैंक के साथ टॉप 10 रैंक में शामिल हुआ।
- परिषदीय प्राथमिक/उच्च प्राथमिक विद्यालयों में अध्ययनरत कक्षा 1 से 8 तक 15448 विशिष्ट आवश्यकता वाली दिव्यांग बालिकाओं को रु. 200 प्रतिमाह की दर से अधिकतम रु. 2000 की दर से स्टाईपेण्ड एवं 6953 गम्भीर एवं बहुदिव्यांग बच्चों को रु. 600 प्रतिमाह की दर से अधिकतम, 10 माह हेतु रु. 6000 की दर से एस्कोट अलाउंस प्रदान किये जाने हेतु दिनांक 05 सितम्बर, 2022 को डी.बी.टी. के माध्यम से प्रेषित की गयी।
- उत्तर प्रदेश प्रथम राज्य है जिसके द्वारा स्वयं प्रभा चैनल तथा दूरदर्शन के माध्यम से ऑनलाइन शिक्षण कार्य कराया गया।
- प्रतियोगी छात्रों को समर्थ बनाने हेतु अपने घर के समीप ही कोचिंग की सुविधा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से राज्य सरकार द्वारा सभी मण्डल मुख्यालयों में मुख्यमंत्री अभ्युदय योजना का संचालन किया गया है।
- प्रदेश के 03 नये राज्य विश्वविद्यालय क्रमशः राजा महेन्द्र प्रताप सिंह राज्य विश्वविद्यालय, अलीगढ़, माँ शाकुम्भरी देवी विश्वविद्यालय, सहारनपुर एवं महाराज सुहेलदेव विश्वविद्यालय, आजमगढ़ अध्यापन कार्य वर्तमान सत्र से संचालित किया जा रहा है।
- अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद, नई दिल्ली द्वारा निर्धारित मानकानुसार प्रदेश की राजकीय पोलीटेक्निक संस्थानों में अध्ययनरत छात्रों में कम्यूनिकेशन स्किल, साफ्ट स्किल आदि की वृद्धि किये जाने के उद्देश्य से 89 लैंग्वेज लैब की स्थापना की गयी है।

### ➲ प्रदेश में साक्षरता की स्थिति

वर्ष 2011 की जनगणना के अनुसार उत्तर प्रदेश की साक्षरता दर 67.68 प्रतिशत है, प्रदेश में पुरुष साक्षरता दर 77.28 प्रतिशत तथा महिलाओं में 57.18 प्रतिशत है। महिला एवं पुरुष के साक्षरता प्रतिशत में 20.10 प्रतिशत का अन्तर है।

### ➲ विभिन्न आर्थिक क्षेत्रों में विद्यालयों/विद्यार्थियों की विवरण (2021-22)

| | प्रति लाख जनसंख्या पर विद्यालयों की संख्या | | | प्रति अध्यापक पर विद्यार्थियों की संख्या | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | जूनियर बेसिक | सीनियर बेसिक | हायर सेकेण्ड्री | जूनियर बेसिक | सीनियर बेसिक | हायर सेकेण्ड्री |
| पूर्वी | 60 | 37 | 13 | 28 | 30 | 49 |
| बुन्देलखण्ड | 71 | 48 | 10 | 25 | 26 | 51 |
| पश्चिमी | 56 | 37 | 12 | 26 | 28 | 39 |
| केन्द्रीय | 59 | 32 | 11 | 26 | 30 | 29 |
| उत्तर प्रदेश | 59 | 37 | 12 | 27 | 29 | 41 |

**स्त्रोत-** *सम्बन्धित विभागों से प्राप्त आंकड़ों के आधार पर आंकलित*

## स्वास्थ्य एवं चिकित्सा

**मुख्य बिन्दु-**

- वर्तमान में प्रदेश में 65 मेडिकल कालेज संचालित हैं, जिनमें 35 राज्य सरकार द्वारा एवं 30 निजी क्षेत्र द्वारा संचालित हैं।
- राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम के अन्तर्गत प्रदेश के समस्त जनपदों को वित्तीय वर्ष 2018-19 में ही आच्छादित किया जा चुका है।
- कुपोषित बच्चों का उपचार करने हेतु चयनित जनपदों के जिला पुरूष चिकित्सालयों व मेडिकल कालेजों में न्यूट्रीशन रिहेबिलीटेशन सेन्टर (पोषण पुनर्वास केन्द्र) चरणबद्ध रूप से तैयार किये जा रहे हैं।
- न्यूमोनिया से होने वाली मृत्यु में कमी लाने के उद्देश्य से नवम्बर-2020 से 'सांस' कार्यक्रम संचालित किया जा रहा है।
- आयुष्मान भारत योजना के दायरे में नहीं आने वाले गरीबी रेखा के नीच जीवन यापन करने वालों के लिए मुख्यमंत्री जनआरोग्य अभियान की शुरुआत मार्च, 2019 में की गई।

### ➲ प्रदेश में जन्म दर, मृत्यु दर, प्राकृतिक वृद्धि दर तथा शिशु मृत्यु दर

(एस.आर. बुलेटिन, महारजिस्ट्रार, भारत सरकार मई 2022)

| मद | वर्ष 2009 | | | वर्ष 2020 | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | कुल | शहरी | ग्रामीण | कुल | शहरी | ग्रामीण |
| जन्म दर | 28.7 | 24.7 | 29.7 | 25.1 | 22.1 | 26.1 |
| मृत्यु दर | 8.2 | 6.5 | 8.6 | 6.5 | 5.4 | 6.8 |
| प्राकृतिक वृद्धि दर | 20.5 | 18.3 | 21.1 | 18.7 | 16.7 | 19.3 |
| शिशु मृत्यु दर | 63 | 47 | 66 | 38 | 28 | 40 |

**स्त्रोत- एस.आर.एस. बुलेटिन, महारजिस्ट्रार भारत सरकार मई 2022।**

### ➲ चिकित्सा इकाइयों का संख्या

| क्रम संख्या | चिकित्सा इकाई का नाम | संख्या |
|---|---|---|
| 1 | कुल ब्लॉक स्तरीय ई.टी.सी. | 177 |
| 2 | कुल मिनी पी.आई.सी.यू. | 15 |
| 3 | कुल पी.आई.सी.यू. | 16 |
| 4 | कुल वेन्टीलेटर युक्त शैय्यायें | 202 |
| 5 | कुल सेन्टीनल प्रयोगशालायें (जे.ई.) | 19 |
| 6 | अन्य सेन्टीनल प्रयोगशालायें (डेंगू) | 46 |
| 7 | अपैक्स प्रयोगशालायें | 03 |

**स्त्रोत- चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाएं, उ.प्र.**



Join @yct_hub For More Exclusive PDFs

**मातृ मृत्यु समीक्षा कार्यक्रम**

| वर्षवार | 2021-22 | 2022-23 (जुलाई 2022 तक) |
|---|---|---|
| सम्भावित मृत्यु | 11894 | 9955 |
| मातृ-मृत्यु | 3545 | 1009 |
| मातृ-मृत्यु प्रतिशत | 29.80 | 10.13 |

**स्रोतः मातृ एवं शिशु कल्याण उ.प्र.।**

## समाज कल्याण

**मुख्य बिन्दु**

- प्रदेश में वर्तमान में 18 जनपदों में राजकीय आश्रम पद्धति विद्यालय निर्माणाधीन है। 05 नये विद्यालय कन्नौज, गौतमबुद्धनगर, शाहजहाँपुर, सुल्तानपुर एवं मिर्जापुर में निर्माण हेतु स्वीकृति प्रदान की गयी है।
- समाज में सर्वधर्म- समभाव, तथा सामाजिक समरसता को बढ़ावा देने तथा विवाह उत्सव में होने वाले अनावश्यक प्रदर्शन एवं अपव्यय को समाप्त करने के उद्देश्य से राज्य में मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना संचालित है।
- प्रदेश के मान्यता प्राप्त मदरसों में अध्ययनरत बालक/बालिकाओं को परम्परागत शिक्षा के साथ-साथ कौशल प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए वोकेशलन ट्रेनिंग स्कीम (मिनी आई.टी.आई.) प्रारम्भ की गयी है।
- राष्ट्रीय पारिवारिक लाभ योजनान्तर्गत गरीबी रेखा से नीचे के परिवार के मुख्य कमाऊ मुखिया की मृत्यु होने पर सरकार द्वारा रु. 20,000 एवं राज्य सरकार द्वारा रु. 10,000 का एक मुश्त सहायता राशि के रूप में दिया जाता है।
- अनुसूचित जाति के छात्र/छात्राओं को निःशुल्क आवासीय व्यवस्था, फर्नीचर, विद्युत एवं पेय जल की सुविधा उपलब्ध कराने हेतु प्रदेश में 261 राजकीय छात्रावास संचालित हैं।
- बालिकाओं के स्वास्थ्य एवं शिक्षा के स्तर में वृद्धि करने तथा उनके भविष्य को उज्ज्वल बनाने हेतु अप्रैल, 2019 से ''कन्या सुमंगला योजना'' प्रदेश में लागू की गयी है।

## श्रमशक्ति एवं सेवायोजन

**मुख्य बिन्दु-**

- रोजगार मेलों के माध्यम से प्रदेश के बेरोजगारों को निजी क्षेत्र में भी रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने हेतु वेबपोर्टलः *सेवायोजन.यूपी.एनआईसी.इन* पर ऑनलाइन व्यवस्था विकसित की गयी है।
- बेरोजगारों को सेवायोजन सहायता प्रदान करेन हेतु प्रदेश में 106 सेवायोजन कार्यालय स्थापित हैं।
- पंजीकृत निर्माण श्रमिक की मृत्यु की स्थिति में उसकी अन्त्येष्टि एवं अंतिम संस्कार हेतु रू. 25,000 तात्कालिक आर्थिक सहायता 15 कार्यदिवस में प्रदान किया जाता है।

**➲ प्रदेश में मुख्य तथा सीमान्त कर्मकार (जनगणना वर्ष 2011) (संख्या लाख में)**

| मद | कुल मुख्य कर्मकार | सीमान्त कर्मकार | कुल कर्मकर |
|---|---|---|---|
| 1 | 2 | 3 | 4 |
| ग्रामीण | 335.38 | 184.13 | 519.51 |
| नगरीय | 110.97 | 27.67 | 138.64 |
| उत्तर प्रदेश | 446.35 | 211.80 | 658.15 |

**स्रोतः जनगणना-2011**

**➲ प्रदेश में सार्वजनिक क्षेत्र में कार्यस्त कर्मचारियों की संख्या**

| वर्ष | केन्द्र सरकार | राज्य सरकार | अर्द्ध सरकारी (केन्द्र) | अर्द्ध सरकारी (राज्य) | स्थानीय निकाय | योग |
|---|---|---|---|---|---|---|
| मार्च, 2022 | 301778 | 697126 | 156806 | 331283 | 107323 | 1594316 |

स्रोतः प्रशिक्षण एवं सेवायोजन, उ.प्र.

**➲ प्रदेश में निजी क्षेत्र में कार्यरत कर्मचारियों की संख्या**

| वर्ष | एक्ट अधिष्ठान | नॉन-एक्ट अधिष्ठान | योग |
|---|---|---|---|
| मार्च, 2022 | 665718 | 50582 | 716300 |

स्रोतः प्रशिक्षण एवं सेवायोजन, उ.प्र.

**प्रदेश के सार्वजनिक एवं निजी क्षेत्र में कार्यरत महिला कर्मचारियों की संख्या**

| क्रमांक | मद | वर्ष मार्च, 2022 |
|---|---|---|
| 1 | सार्वजनिक क्षेत्र | 212275 |
| 2 | निजी क्षेत्र | 110564 |
| योग | | 322839 |

स्रोतः प्रशिक्षण एवं सेवायोजन, उ.प्र.

## सतत् विकास

**मुख्य बिन्दु**

- सतत् विकास लक्ष्य (एसडीजी) वर्ष 2030 तक गरीबी के सभी आयामों को समाप्त करने के लिए एक साहसिक और सार्वभौमिक समझौता है।
- एस.डी.जी. इण्डिया इण्डेक्स-3.0 में 16 गोल्स के 115 इण्डीकेटर्स पर अनुश्रवण किया गया है जो 16 गोल्स के 70 लक्ष्य को कवर करता है।
- प्रदेश के 64 विभागों को सम्मिलित करते हुए विजन डॉक्यूमेन्ट-2030 तैयार किया गया है, जिसके अन्तर्गत 2030 तक गरीबी हटाने, पेयजल, स्वच्छता, शिक्षा, भोजन तथा बिजली आदि उपलब्ध कराने का लक्ष्य रख गया है।
- एसडीजी के लक्ष्य-7 सस्ती एवं प्रदूषण मुक्त ऊर्जा में सर्वोत्तम सुधार हुआ जो परफार्मर से एचीवर पर पहुँच गया है, वहीं लक्ष्य-11 संवहनीय शहर और समुदाय एवं लक्ष्य 12 संवहनीय उपभोग और उत्पादन में परफार्मर से फ्रंट रनर पर पहुँच गया है।
- एसडीजी के लक्ष्य-3 उत्तम स्वास्थ्य और खुशहाली, लक्ष्य-4 गुणवत्तापूर्ण शिक्षा एवं लक्ष्य-5 लैंगिक समानता में प्रदेश एस्पिरेण्ट से परफार्मर में पहुँच गया है।



Join @yct_hub For More Exclusive PDFs

# 22 उत्तर प्रदेश विशेष समसामयिकी

## 'पद्मश्री' पुरस्कार विजेताओं की सूची, 2024 : एक दृष्टि में

| क्रम. | व्यक्ति | क्षेत्र |
|---|---|---|
| 1. | खलील अहमद | कला |
| 2. | नसीम बानो | कला |
| 3. | सुरेंद्र मोहन मिश्र (मरणोपरांत) | कला |
| 4. | गोदावरी सिंह | कला |
| 5. | उर्मिला श्रीवास्तव | कला |
| 6. | बाबू राम यादव | कला |
| 7. | राम चेत चौधरी | विज्ञान एवं इंजीनियरिंग |
| 8. | राधा-कृष्ण धीमान | मेडिसिन |
| 9. | राधेश्याम पारीक | मेडिसिन |
| 10. | राजाराम जैन | साहित्य एवं शिक्षा |
| 11. | नवजीवन रस्तोगी | साहित्य एवं शिक्षा |
| 12. | गौरव खन्ना | खेल |

- उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा 20 जुलाई को पौधारोपण का नया रिकॉर्ड बनाया **– पेड़ लगाओं-पेड़ बचाओ जन अभियान-2024**
- पेड़ लगाओं-पेड़ बचाओ जन अभियान-2024 के तहत, पौधे लगाए गए **– 36.46 करोड़**
- प्रदेश सरकार द्वारा जारी 'सारस' की ग्रीष्म कालीन गणना-2024 **- सारसों की संख्या 19,918**
- उ.प्र. एग्रीटेक नीति-2024 के अनुसार, कृषि व संबंधित क्षेत्र की मौजूदा विकास दर को 10% से बढ़ाकर करना है- **20 प्रतिशत**
- अंतर्राष्ट्रीय डिजिटल शिक्षक ओलंपियाड, 2024' में शीर्ष स्थान प्राप्त किया **- सुश्री शिल्पी अग्रवाल**
- DRDO द्वारा उद्योग अकादमिक उत्कृष्टता केंद्र की स्थापना की जा रही है - **भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान कानपुर के परिसर में**
- उत्तर प्रदेश का पहला इकोफ्रेंडली एरोमा क्लस्टर स्थापित किया जा रहा है **-बाराबंकी जिले के भागौली गाँव में**
- अठारहवीं लोकसभा चुनाव में उत्तर प्रदेश में राजनीतिक पार्टियों की स्थिति - **समाजवादी पार्टी-37 सीट, भारतीय जनता पार्टी-33 सीट, कांग्रेस पार्टी-6 सीट**
- पं. लच्छू महाराज पुरस्कार-2024 प्रदान किया गया **-पं. गजेन्द्र गंगानी ( कथक ) जयपुर**
- भारत का शीर्ष जी.आई. टैग प्राप्त करने वाला राज्य **-उत्तर प्रदेश ( 75 जी.आई. टैग )**
- अयोध्या के नवनिर्मित 'राम लला मंदिर' में 'राम नवमी' के अवसर पर तीन मिनट लंबा 'सूर्य तिलक समारोह आयोजित किया गया **-17 अप्रैल, 2024**
- 17 फरवरी, 2024 को वर्ष 2023 के लिए साहित्य के क्षेत्र में देश का सर्वोच्च ज्ञानपीठ पुरस्कार (58वाँ) प्रदान किया गया- **जगतगुरू स्वामी रामभद्राचार्य ( संस्कृत ) व गीतकार गुलजार ( उर्दू ) को संयुक्त रूप से**
- उत्तर प्रदेश का दूसरा विधि विश्वविद्यालय स्थापित किया जा रहा है **- प्रयागराज**
- 14 फरवरी, 2024 को 'केन्द्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय द्वारा जारी एक रिपोर्ट के अनुसार सर्वाधिक कृषि निर्यात वाले राज्यों में उत्तर प्रदेश का स्थान **- तीसरा**
- विश्व भारती पुरस्कार **- प्रो. रहस बिहारी द्विवेदी**
- महर्षि वाल्मीकि पुरस्कार **- डॉ. देवी सहाय पांडेय**
- महर्षि व्यास पुरस्कार **- प्रो. आन्जनेय शास्त्री**
- महर्षि नारद पुरस्कार **- प्रो. गोपबंधु मिश्र**
- उत्तर भारत का पहला मानव डी.एन.ए. बैंक स्थापित किया जा रहा है **- बनारस हिंदू विश्वविद्यालय ( बी.एच.यू. )**
- लक्ष्मण पुरस्कार 2022-23 **- सामान्य वर्ग में-अखिल श्योराण ( शूटिंग ) एवं राजकुमार पाल ( हॉकी ) पैरा सामान्य वर्ग में-अजीत सिंह ( पैरा-एथलेटिक्स )**
- रानी लक्ष्मीबाई पुरस्कार **- सामान्य वर्ग में-किरण बालियान ( एथलेटिक्स )- पैरा सामान्य वर्ग में-सिमरन ( पैरा-एथलेक्टिस ) एवं जैनब खातून ( पैरा पॉवर लिफ्टिंग )**
- उत्तर प्रदेश का पहला गौरव सम्मान (2023-24) प्रदान किया गया **- डॉ. ऋतु करिधल श्रीवास्तव ( इसरो की वैज्ञानिक ) व नवीन तिवारी ( उद्यमी )**
- अयोध्या के श्री राम जन्मभूमि मंदिर में रामलला मूर्ति की प्राण-प्रतिष्ठा की गयी **- 22 जनवरी, 2024**
- 15 जनवरी, 2024 को नीति आयोग द्वारा "भारत में बहुआयामी गरीबी 2005-06" नामक शीर्षक से जारी एक परिचर्चा-पत्र के अनुसार गरीबी से उबरने में अग्रणी राज्य **- उत्तर प्रदेश**
- सम्पूर्ण भारत के 14,500 स्कूलों के अपग्रेड कर प्रथम चरण में उत्तर प्रदेश के सरकारी स्कूलों को पीएम श्री योजना में शामिल किया गया **- 928 सरकारी स्कूलों को**
- देश की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था वाला राज्य **- उत्तर प्रदेश**
- "स्वच्छ सर्वेक्षण-2023" के अन्तर्गत स्वच्छ गंगा टाउन श्रेणी में सर्वोच्च पुरस्कार प्रदान किया गया **- वाराणसी**
- **12 मार्च, 2024 को रेल मंत्रालय द्वारा उत्तर प्रदेश के अमेठी जनपद के आठ विभिन्न रेलवे स्टेशनों के नामों में परिवर्तन किया गया-**

| पूर्व नाम | परिवर्तित नाम |
|---|---|
| वारिसगंज रेलवे स्टेशन | अमर शहीद भाले सुल्तान |
| मिसरौली रेलवे स्टेशन | माँ कालिकन धाम |
| जायस रेलवे स्टेशन | गुरू गोरखनाथ धाम |
| कासिमपुर हॉल्ट | जायस सिटी |



Join @yct_hub For More Exclusive PDFs

| | |
|---|---|
| बनी रेलवे स्टेशन | स्वामी परमहंस |
| फुर्सतगंज रेलवे स्टेशन | तपेश्वरनाथ धाम |
| अकबरगंज रेलवे स्टेशन | माँ अहोरवा भवानी धाम |
| निहालगढ़ रेलवे स्टेशन | महाराजा बिजली पासी |

- 10 मार्च, 2024 को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने उत्तर प्रदेश में पाँच नए हवाई अड्डों का लोकार्पण किया; वे हैं **- आजमगढ़, श्रावस्ती, चित्रकूट, मुरादाबाद एवं अलीगढ़**
- महात्मा बुद्ध कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय का निर्माण किया जा रहा है **- कुशीनगर**
- 'आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना' के तहत पाँच करोड़ आयुष्मान कार्ड जारी करने वाला देश का पहला राज्य **- उत्तर प्रदेश**
- 5 फरवरी, 2024 को इलाहाबाद उच्च न्यायालय का मुख्य न्यायाधीश नियुक्त किया गया **- अरुण भंसाली**
- उत्तर प्रदेश ग्रीन हाइड्रोजन नीति-2024 के अंतर्गत एक मिलियन टन प्रति वर्ष ग्रीन हाइड्रोजन व ग्रीन अमोनिया के उत्पादन का लक्ष्य रखा गया है **- वर्ष 2028 तक**
- उत्तर प्रदेश में विष्णु के दसवें अवतार माने जाने वाले भगवान कल्कि के मन्दिर का शिलान्यास किया गया - **सम्भल जनपद में**
- 12 फरवरी, 2024 को 'जल संसाधन नदी विकास और गंगा संरक्षण विभाग' द्वारा 'जल योद्धा शहर' के रूप में मान्यता दी गई **- नोएडा, उत्तर प्रदेश**
- भारत के प्रमुख निजी क्षेत्र के रक्षा निर्माता अडानी डिफेंस एवं एयरो स्पेस द्वारा दक्षिण एशिया का सबसे बड़ा गोला-बारूद एवं मिसाइल कॉम्प्लेक्स का उद्घाटन किया गया **- कानपुर में**
- 'मुख्यमंत्री सुकन्या सुमंगला योजना' के अंतर्गत अनुदान की राशि में वृद्धि की गयी है- **₹15,000 से बढ़कर ₹25,000**
- 'बेटी बचाओं बेटी पढ़ाओं' की ब्रांड एम्बेसडर नियुक्ति किया गया है **- मिर्जापुर जनपद की पिंकी को**
- उत्तर प्रदेश कैबिनेट ने टाटा संस के साथ कहां पर 'मंदिरों का संग्रहालय' बनाने के प्रस्ताव को मंजूरी प्रदान की जिसे टाटा के कॉरपोरेट सोशल रिस्पॉसिंबिलिटी फंड के माध्यम से वित्त पोषित किया जाएगा **-अयोध्या में**
- उत्तर प्रदेश सरकार ने कहां पर 'दुनिया पर पहला एशियाई किंग वल्चर संरक्षण और प्रजनन केन्द्र' स्थापित करने की घोषणा की **- महराजगंज में**
- किस कार्ड को सर्वाधिक मात्रा में जारी करने वाला उत्तर प्रदेश देश का पहला राज्य बना **- आयुष्मान कार्ड**
- अपराध के रोकथाम तथा जांच में मदद के लिए उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा किस एप्लीकेशन को लांच किया गया **- त्रिनेत्र 2.0**
- उत्तर प्रदेश सरकार ने किन परिवारों के लिए मुफ्त बिजली कनेक्शन योजना शुरू की है **- बीपीएल परिवारों के लिए**
- भारत के पहले स्वदेशी रूप से निर्मित कैश फायर ट्रेंडर (दमकल) का निर्माण उत्तर प्रदेश में स्थित किस संस्था द्वारा किया गया है **-भारतीय एमएसएमई फर्म, नोएडा द्वारा**
- 2025-29 तक विश्व चैंपियनशिप रोड रेसिंग मोटोजीपी इंडिया का आयोजन उत्तर प्रदेश में कहां किया जाएगा **- नोएडा शहर में**
- उत्तर प्रदेश का वह एयरपोर्ट जिसका नाम परिवर्तित कर 'मां पाटेश्वरी देवी' रखने का निर्णय लिया गया है **- श्रावस्ती-बलरामपुर का**
- हाल ही में उत्तर प्रदेश ने कहां पर अपने पहले 'ग्लास स्काईवॉक ब्रिज' का अनावरण किया **- चित्रकूट स्थित तुलसी झरने पर**
- हाल ही में उत्तर प्रदेश के किस युनिवर्सिटी के छात्रों ने नेत्रहीनों को उनके दैनिक जीवन में मदद करने के लिए एआई आधारित 'स्मार्ट ट्रैवलिंग असिस्टेंस' विकसित किया है **- हरकोर्ट बटलर टेक्निकल युनिवर्सिटी कानपुर**
- उत्तर प्रदेश के किस स्थान पर स्थित इंडो-एशियन उद्यम इंडो-एशियन प्राइवेट लिमिटेड (IRRPL) ने भारतीय सेना को 27,000-AK-203 असॉल्ट राइफले सौंपी **- करेवा के अमेठी में**
- उत्तर प्रदेश की सोनिया अग्रवाल ने 7 से 12 वर्ष की आयु के बच्चों का किस नाम से भारत का पहला वित्तीय साक्षरता और उद्यमिता कार्यक्रम लांच किया **-'लिटिल फ्यूचर फाउंडर्स'**
- उत्तर प्रदेश का वह स्थान जहां हाल ही में भारतीय वायुसेना द्वारा 'भीष्म पोर्टेबल हॉस्पिटल' का परीक्षण किया गया **- आगरा में**
- उत्तर प्रदेश के किस जिले में 'वेस्ट-टू-वंडर पार्क' बनाया जाएगा **- प्रयागराज में**
- उत्तर प्रदेश का वह जिला जहां 'कछुआ संरक्षण रिजर्व' बनाने की घोषणा की गई है **- गोण्डा में**
- उत्तर प्रदेश के किस जिले में मारुति सुजुकी इंण्डिया का पहला ऑटोगेटेड ड्राइविंग टेस्ट ट्रैक बनाया गया है **- अयोध्या में**
- हाल ही में 'प्रोजेक्ट प्रवीण' के तहत उत्तर प्रदेश में कितने छात्रों का कौशल प्रशिक्षण प्रारम्भ किया गया- **61 हजार**
- उत्तर प्रदेश के किस क्षेत्र में सूखे की निगरानी के लिए 'वेदर स्टेशन' स्थापित करने की घोषणा की गई- **बुंदेलखण्ड क्षेत्र**
- हाल की मे किस कंपनी ने उत्तर प्रदेश के नोएडा में अन्तर्राष्ट्रीय फिल्म सिटी के निमार्ण का टेंडर जीता है- **बेब्यू प्रोजेक्ट (Bayview Project)**
- प्रधानमंत्री मोदी ने लखनऊ में आयोजित 'ग्राउण्ड ब्रेकिंग सेरेमनी 4.0' में यूपी मे कितने करोड़ रु. की परियोजनाओं का शुभारंभ किया- **10 लाख करोड़ रु.**
- उत्तर प्रदेश का वह जिला जहां 19 फरवरी, 2024 को प्रधानमंत्री मोदी ने श्री कल्कि धाम मंदिर का शिलान्यास किया – **संभल में**
- उत्तर प्रदेश में '3D शहरी स्थानिक डिजिटल ट्विन' विकसित करने वाला देश का पहला शहर कौन है - **वाराणसी**
- उत्तर प्रदेश का वह शहर जहां 'रामायण वैक्स म्यूजियम' निर्माण किया जा रहा है – **अयोध्या में**



Join @yct_hub For More Exclusive PDFs

- 5 से 7 जनवरी, 2024 के बीच उत्तर प्रदेश में कहा पर 'नो योर आर्मी फेस्टिवल-2024' का आयोजन किया गया – **लखनऊ में**
- अमेरिकी विमानन विनिर्माता कंपनी 'बोइंग' ने कलपूर्जो' की आपूर्ति के लिए अपना पहला वितरण केन्द्र उत्तर प्रदेश में किस स्थान पर खोलने की घोषणा की – **खुर्जा में**
- उत्तर प्रदेश का पहला 'डीएनए बैंक' कहां पर स्थापित किया जा रहा है – **बीएचयू वाराणसी में**
- जारी 'स्वच्छ सर्वेक्षण पुरस्कार 2023' में उत्तर प्रदेश के किन दो शहरों को सबसे स्वच्छ गंगा शहर' का अवार्ड मिला- **वाराणसी और प्रयागराज में**
- मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने किस शहर में राज्य के पहले फ्लोटिंग वातानुकूलित रेस्तरां का उद्घाटन किया – **प्रयागराज में**
- उत्तर प्रदेश के किस धार्मिक स्थल पर बनने वाले 'हनुमान गढ़ी बेसन के लड्डू' को जीआईटैग प्रदान किया गया- **अयोध्या के**
- केन्द्र सरकार द्वारा वित्त पोषित भारत का प्रथम गौ अभयारण्य उत्तर प्रदेश के किस जिले में बनाने का निर्णय लिया गया है- **मुजफ्फरनगर के तुगलकपुर गाँव में**
- उत्तर प्रदेश सरकार ने जनवरी 2024 में किन दो प्रतिष्ठित हस्तियों को 'उत्तर प्रदेश गौरव सम्मान' से सम्मनित किया- **डॉ.रितु ( वैज्ञानिक ) नवीन ( उद्यमी ) को**
- उत्तर प्रदेश बजट 2024-25 में कहा पर 'राष्ट्रीय फैशन टेक्नोलॉजी संस्थान' के स्थापना ही घोषणा की गई है – **वाराणसी में**
- उत्तर प्रदेश राज्य बजट 2024-25 में किस क्षेत्र को सर्वाधिक बजट आवंटित किया गया है– **शिक्षा क्षेत्र ( 76,035 करोड़ ) को**
- 5 फरवरी, 2024 को उत्तर प्रदेश में वित्त मंत्री सुरेश खन्ना ने 2024-25 का राज्य बजट प्रस्तुत करते हुए कितने करोड़ रुपये का अब तक का सबसे बड़ा राज्य बजट पेश किया- **7,36,438 करोड़ रु.**
- उ.प्र. के इस जिले में संस्कृत अध्ययन का सबसे बड़ा सेंटर बनाया जाएगा **–लखनऊ में**
- 27 मार्च, 2023 को द्वारा राज्य सरकार/केन्द्रशासित प्रदेश ने यह घोषणा किया है कि वह सारस एवं बारहसिंघा के लिए जंगलों में विशेष पार्क बनाएगी **–उ.प्र. ने**
- उ.प्र. के इस विश्वविद्यालय द्वारा स्टार्टअप मेले का आयोजन किया गया है **–इलाहाबाद विश्वविद्यालय द्वारा**
- भारतीय रेलवे द्वारा उ.प्र. के इस शहर को ट्रेनों के जरिए सम्पूर्ण भारत से जोड़ने का निर्णय लिया गया **–अयोध्या को**
- उ.प्र. के इस जिले में प्रदेश का पहला सेमीकंडक्टर पार्क बनाया जाएगा **–गौतमबुद्ध नगर में**
- प्रो. हरिदत्त शर्मा को 'विश्व भारतीय सम्मान' से नवाजा गया है, इनका संबंध उ.प्र. के इस जिले से है **–इलाहाबाद ( प्रयागराज ) से**
- उ.प्र. के इस जिले में 'ईट राइट मिलेट' मेले का आयोजन किया गया है **–लखनऊ में**
- प्रधानमंत्री शहरी आवास योजना के अंतर्गत यह राज्य अल्पसंख्यकों को आवास देने में शीर्ष पर रहा है **-उ.प्र.**
- हाल ही में केन्द्र सरकार ने 21 नए ग्रीनफील्ड हवाई अड्डों को मंजूरी प्रदान की है, इनमें से उ.प्र. के किन-किन हवाई अड्डों को शामिल किया गया है **–कुशीनगर और जेवर हवाई अड्डा को**
- 1 अप्रैल, 2023 से इस राज्य सरकार ने कबाड़ नीति-2023 को लागू किया है **-उ.प्र. ने**
- उ.प्र. के इस जिले में रेशम कृषि महोत्सव का आयोजन किया गया है **–गोरखपुर में**
- 1 अप्रैल, 2023 को उ.प्र. में 'स्कूल चलो अभियान' 2023-24 की शुरूआत की गई है **–योगी आदित्यनाथ द्वारा**
- भारत सरकार की नई विदेशी व्यापार नीति - 2023 के अनुसार उ.प्र. के इतने शहरों को निर्यात उत्कृष्ट शहरों में शामिल किया गया है **–03 ( वाराणसी, मुरादाबाद और मिर्जापुर ) को**
- स्वदेश दर्शन योजना 2.0 के अन्तर्गत उत्तर प्रदेश के इन शहरों का पर्यटन विकास किया जाएगा **–प्रयागराज व सीतापुर**
- केन्द्र सरकार द्वारा उ.प्र. बुंदेलखण्ड क्षेत्र में इतने सौर पार्कों की मंजूरी प्रदान की गई है **–08**
- हाल ही में इस राज्य/केन्द्रशासित प्रदेश ने प्रत्येक गांव में, **'आओ सीखे विज्ञान कार्यक्रम'** का संचालन करने का निर्णय लिया है **–उत्तर प्रदेश ने**
- अप्रैल, 2023 में उ.प्र. के इस विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों ने गंगाजल को प्रदूषण मुक्त करने के लिए नये बैक्टीरिया की खोज की है **–इलाहाबाद विश्वविद्यालय के**
- हाल ही में उ.प्र. में होने वाले नगर निकाय चुनावों में उ.प्र. राज्य निर्वाचन आयोग ने महापौर प्रत्याशियों के लिए इतने लाख रूपये खर्च करने की सीमा निर्धारित किया है **-40 लाख रूपये**
- हाल ही में जारी आँकड़ों के अनुसार अपराध और आपराधिक ट्रैकिंग नेटवर्क सिस्टम को लागू करने में उ.प्र. ने यह स्थान प्राप्त किया है **-द्वितीय ( प्रथम स्थान हरियाणा )**
- अप्रैल, 2023 में उ.प्र. के इतने उत्पादों को जी आई टैग प्रदान किया गया है **-11 उत्पादों को**
- अप्रैल, 2023 में इस राज्य सरकार ने 'शारदा कार्यक्रम के तहत ड्रॉपआउट छात्रों को स्कूल वापस लाने की घोषणा की है **- उ.प्र. सरकार ने**
- इस राज्य सरकार के वैज्ञानिकों ने एंजाइम से तैयार होने वाले कपड़ों की नई तकनीक खोजी है **-उ.प्र. ने**
- उ.प्र. के इस जिले की चन्द्रकांता ने 'मिसेज यू0पी0' क्वीन ऑफ एक्सीलेंस ग्रैंड फिनाले का खिताब जीता है **-बुलंदशहर की**
- उ.प्र. में इस विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों ने पहली बार प्रयोगशाला में ज्वालामुखी बनाने में सफलता प्राप्त की है **-इलाहाबाद विश्वविद्यालय के**



Join @yct_hub For More Exclusive PDFs

Search @yct_hub to Join Channel

- हाल ही में इस राज्य सरकार ने हैंडलूम एवं पावरलूम उद्योग विकास योजना को मंजूरी प्रदान की है **-उत्तर प्रदेश ने**
- उ.प्र. के इस संस्थान ने चीनी मिल के कचरे से जैविक पोटाश बनाने की तकनीक विकसित की है **-राष्ट्रीय शर्करा अनुसंधान संस्थान**
- उ.प्र. के इस जिले के सात राजकीय विद्यालयों को 'प्रोजक्ट अलंकार' के तहत आधुनिक सुविधाओं से युक्त किया जाएगा **-वाराणसी के**
- उ.प्र. में आयोजित कौशांबी महोत्सव का शुभारंम्भ इसके द्वारा किया गया था **-गृहमंत्री ( अमित शाह ) द्वारा**
- उ.प्र. के इस जिले में वर्ल्ड ट्रेड सेंटर संस्थान द्वारा स्टार्ट अप वैली का निर्माण किया जाएगा **लखनऊ में**
- भारत सरकार के स्वच्छ सर्वेक्षण ग्रामीण 2023 सर्वे में उ.प्र. के इस जिले को डेल्टा रैंकिंग में शीर्ष स्थान मिला है? **-प्रतापगढ़ को**
- उ.प्र. के इस जिले में युवाओं में आध्यात्मिकता को बढ़ावा देने के लिए 'इस्कॉन मेगा यूथ फेस्टिवल एक्सप्रेशन' का आयोजन किया गया है **-कानपुर में**
- उ.प्र. में इस देश द्वारा 'मल्टी स्पोर्ट्स सेंटर्स' स्थापित किया जाएगा **-नीदरलैंड द्वारा**
- अप्रैल, 2023 में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इस जिले में बायो सीएनजी प्लांट का उद्घाटन किया है **-गोरखपुर में**
- उ.प्र. के इस टाइगर रिजर्व को 'कंजर्वेशन एश्योर्ड टाइगर स्टैंडर्स' का दर्जा मिला है **-पीलीभीत टाइगर रिजर्व को**
- हाल ही में इलाहाबाद विश्वविद्यालय के इस प्रोफेसर को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने संगीत नाटक अकादमी पुरस्कार प्रदान किया है **– प्रो. प्रेम कुमार मल्लिक को**
- वित्तीय वर्ष 2023-24 के तहत उ.प्र. सरकार ने लखनऊ की नाइट सफारी के लिए इतने करोड़ रुपये आवंटित किया है **– 50 करोड़ रुपये**
- उ.प्र. के इस जिले में प्रदेश का पहला फ्लोटिंग रेस्टोरेंट बनाया गया **– प्रयागराज में**
- उ.प्र. के इस जिले को वैदिक अध्यात्मिक और धार्मिक केंद्र के रूप में विकसित किया जायेगा **– सीतापुर में**
- उ.प्र. के इस जिले में हरियाली को बढ़ाने के लिए जापान की मियावाकी तकनीक का प्रयोग किया जायेगा **– प्रयागराज में**
- उ.प्र. के इस वन्यजीव अभ्यारण्य में घड़ियाल कंजर्वेशन व रिसर्च सेंटर बनाया जाएगा**– कतरनिया वन्यजीव अभ्यारण्य में**
- 36वें नेशनल गेम्स में उ.प्र. की मुनीता प्रजापति ने इस खेल में स्वर्ण पदक जीता है **– एथलेटिक्स**
- उ.प्र. पर्यटन विकास के लिए इस देश के सहयोग से 30 जिलों में होटल निर्माण कार्य किये जाने का प्रस्ताव है? **– जापान के**
- उ.प्र. के वाराणसी में रोप-वे-परियोजना का विकास किया जाएगा **– वाराणसी विकास प्राधिकरण द्वारा**
- भारत के इस राज्य द्वारा स्वच्छ भारत मिशन के तहत 'थूकना मना है' नामक अभियान शुरू किया गया है **– उ.प्र. द्वारा**
- उ.प्र. सरकार द्वारा प्रत्येक वर्ष इतने विधायकों को उत्कृष्ट विधायक पुरस्कार दिया जाएगा? **– 02 विधायकों को**
- हाल ही में उ.प्र. के इस टाइगर रिजर्व में विलुप्त प्राय गिद्धों की अति दुर्लभ प्रजाति देखी गई है **– दुधवा टाइगर रिजर्व में**
- हाल ही में इस राज्य की विधानसभा द्वारा विधायकों को 'ई-विधान' पर कार्य करना अनिवार्य किया गया है **– उत्तर प्रदेश में**
- हाल ही में इस राज्य सरकार ने 'प्राकृतिक खेती बोर्ड' के गठन को मंजूरी दी है **– उ.प्र. में**
- उ.प्र. के इस शहर में देश का पहला 'सेंटर फॉर ड्रोन' विभाग बनाया जाएगा? **– कानपुर में**
- उ.प्र. के इस जिले में 24 मार्च, 2023 को प्रधानमंत्री ने विश्व क्षय रोग दिवस के अवसर पर अन्तर्राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन किया **– वाराणसी में**
- 23 मार्च, 2023 को उ.प्र. सरकार ने इतने प्राचीन एवं ऐतिहासिक महत्व के स्थलों को संरक्षित करने के लिए अधिसूचना जारी किया है **– 18**
- उ.प्र. सरकार ने 19 मार्च, 2023 को शिक्षा में सुधार के लिए इतने प्राथमिक विद्यालयों को निपुण विद्यालय का दर्जा देने का लक्ष्य बनाया है? **– 44,000 प्राइमरी विद्यालयों को**
- 17 मार्च, 2023 को भारत सरकार ने वस्त्र उद्योगों को, बढ़ावा देने के लिए पीएम मित्र योजना के तहत उ.प्र. में यहां पर टेक्सटाइल पार्क को मंजूरी प्रदान की है **– हरदोई जिले में**
- 21 से 25 मार्च, 2023 के बीच मुख्यमंत्री ने उ.प्र. के इस जिले में 71वें आल इंडिया पुलिस एथलेटिक्स चैम्पियंस का आयोजन किया है **– लखनऊ में**
- उ.प्र. सरकार की कैबिनेट ने अपनी नई वाहन स्क्रैप पॉलिसी को मंजूरी प्रदान की है **– 10 मार्च, 2023 को**
- उ.प्र. सरकार ने अपनी नई खेल नीति-2023 को मंजूरी प्रदान की है? **– 10 मार्च, 2023 को**
- 3 मार्च, 2023 को भारत के इस राज्य/केंद्र शासित प्रदेश ने देश के नए संसद भवन (सेंट्रल विस्टा) की तर्ज पर नए विधानभवन बनाने की घोषणा की है **– उत्तर प्रदेश ने**
- 27 फरवरी, 2023 को केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गड़करी ने उ.प्र. के इस जिले में 6500 करोड़ रुपये की 7 राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं का उद्घाटन किया है **– उत्तर प्रदेश के बलिया जिले के चितबड़ा गांव में**
- हाल ही में इस राज्य/केंद्रशासित प्रदेश ने 'मुख्यमंत्री सड़क सुधार योजना' शुरू किया है **उत्तर प्रदेश ने**
- हाल ही में भारतीय रेलवे ने उ.प्र. के इस शहर से भारत गौरव पर्यटक ट्रेन के साथ 'गुरु कृपा यात्रा' शुरू करने का फैसला किया है **– लखनऊ से**
- देश का वह राज्य जिसने मार्च, 2023 में अपनी टाउनशिप नीति-2023 को मंजूरी प्रदान की है **– उत्तर प्रदेश ने**



Join @yct_hub For More Exclusive PDFs

Search @yct_hub to Join Channel

- हाल ही में उ.प्र. सरकार ने राज्य में इतने नए हाईटेक कारागार बनाने की घोषणा की है **–20**
- प्रदेश का वह शहर जहां नोएडा के बाद दूसरी रीजनल फिल्म सिटी बनाने के लिए उ.प्र. सरकार ने एक एमओयू किया है **– गोरखपुर ने**
- 17-18 मार्च, 2023 को उ.प्र. के इस शहर में शंघाई सहयोग संगठन (SCO) के पर्यटन मंत्रियों की बैठक आयोजित की गई है **– वाराणसी में**
- उ.प्र. सरकार ने एकल अभिभावक अफसरों को भी बाल्य देखभाल हेतु इतनी अवधि का अवकाश प्रदान करने की घोषणा की है?– **दो वर्ष का**
- केंद्र सरकार के रक्षा मंत्रालय ने उ.प्र. के इन दो जिलों में हाईटेक मिलिट्री अस्पताल बनाने की मंजूरी प्रदान की है? **– मेरठ व लखनऊ में**
- उत्तर प्रदेश सरकार ने राज्य में कुल इतने नए निजी विश्वविद्यालय खोलने की मंजूरी प्रदान की है **–04**
- उ.प्र. के इस सांसद को संसद रत्न अवार्ड-2023 से सम्मानित किया गया है **– विशंभर प्रसाद निषाद को**
- इस उत्तर भारतीय राज्य ने अपनी नई खेल नीति-2023 को मंजूरी प्रदान की है **- उ.प्र. ने**
- गोरखपुर में रीजनल फिल्म सिटी के लिए उ.प्र. सरकार ने इस उद्योगपति से एमओयू किया है **– अतुल गर्ग से**
- उ.प्र. के वाराणसी जिले में प्रधानमंत्री जी ने पब्लिक ट्रांसपोर्ट रोप वे का शिलान्यास किया था **– 24 मार्च, 2023 को**
- हाल ही में चर्चा में रहा, बनटांगिया समुदाय उत्तर प्रदेश के इस जिले से संबंधित है **– गोरखपुर से**
- हाल ही में इस राज्य की विधायिका द्वारा विशेषाधिकार हनन मामले में छः पुलिस कर्मियों को सजा सुनाई गई है **– उ.प्र. ने**
- उ.प्र. के इस सैनिक स्कूल में पहली बार बालिकाओं को भी प्रवेश की अनुमति दी गई है **– कैप्टन मनोज पाण्डेय सैनिक स्कूल में**
- मार्च, 2023 में उ.प्र. सरकार ने प्रदेश के इन दो शहरों में साइंस सिटी बनाने की घोषणा की है **– वाराणसी और आगरा में**
- उ.प्र. के इस जिले में प्रदेश का सबसे हाईटेक थाने का निर्माण किया गया है **– गोरखपुर में**
- उ.प्र. सरकार की इतनी महिलाओं को स्वच्छ सुजल शक्ति सम्मान-2023 से सम्मानित किया गया है **–02 नीलम देवी (अलीगढ़) और शारदा देवी (ललितपुर) को**
- हाल ही में इस राज्य सरकार ने बेसिक व माध्यमिक पाठ्यक्रमों में मोटे अनाज की जानकारी को शामिल करने का निर्णय लिया है **– उत्तर प्रदेश ने**
- I.I.T. कानपुर ने यहाँ पर देश का प्रथम 'सोलर ऊर्जा फ्लोटिंग स्टेशन' का निर्माण किया है **– कौशांबी (यमुना नदी पर) में**
- हाल ही में इस राज्य सरकार ने 'एक जिला एक उत्पाद' की तर्ज पर 'एक जिला एक वेटलैण्ड' योजना शुरू की है **– उत्तर प्रदेश ने**
- हाल ही में उ.प्र. सरकार को इस देश के द्वारा ग्रीन हाइड्रोजन कॉरिडोर के विकास का प्रस्ताव प्राप्त हुआ है **– यूनाइटेड किंगडम (यू.के.) से**
- केंद्र सरकार की ऑपरेशन ग्रीन योजना को उत्तर प्रदेश के इतने जिलों में लागू किया गया है **– 17 जिलों में**
- उ.प्र. के इस जिले में अखिल भारतीय आयुर्वेद महासम्मेलन का आयोजन किया गया है **– मेरठ (चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय) में**
- ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत वर्ष 2023 तक इतने लाख ग्रामीण परिवार की महिलाओं को उ.प्र. सरकार ने रोजगार उपलब्ध कराने का लक्ष्य बनाया है **– 45 लाख को**
- केंद्र सरकार के द्वारा किये गए सर्वे के अनुसार ऑनलाइन ओपीडी टोकन जारी करने में इस राज्य का चिकित्सा संस्थान प्रथम स्थान प्राप्त किया है **– उ.प्र. (तेज बहादुर सप्रू अस्तपाल) का**
- उ.प्र. में पहली बार हाथरस महोत्सव का आयोजन किया गया **– 24-28 मार्च, 2023**
- उ.प्र. के इस जिले में प्रदेश का पहला निजी औद्योगिक पार्क का निर्माण किया जाएगा **– अलीगढ़ में**
- उ.प्र. सरकार ने इस शहर में 'रामायण रिसर्च सेंटर' बनाने का निर्णय किया है **– वाराणसी के सम्पूर्णानंद संस्कृत विश्वविद्यालय में**
- उ.प्र. की इस नदी के प्रदूषण नियंत्रण के लिए 'राष्ट्रीय हरित अधिकरण' (N.G.T) द्वारा एक समिति का गठन किया गया है **– हिडंन नदी**
- उ.प्र. के इस जिले में प्रदेश का पहला अन्तर्राष्ट्रीय बस टर्मिनल का निर्माण किया जाएगा **– गोरखपुर में**
- हाल ही में इस राज्य सरकार ने 500 खिलाड़ियों को शासन में नियुक्ति करने की घोषणा की है **– उ.प्र. सरकार ने**
- उ.प्र. टाउनशिप नीति-2023 के तहत दो लाख से कम जनसंख्या वाले शहरों में इतने एकड़ जमीन पर कालोनियां बसाने की अनुमति दी जाएगी **– पांच एकड़ में**
- हांकी खिलाड़ी रानी रामपाल के नाम पर इस जिले में एक स्टेडियम का निर्माण किया जाएगा **– रायबरेली में**
- उ.प्र. की अर्थव्यवस्था का देश में स्थान है **– तीसरा (प्रथम-महाराष्ट्र, द्वितीय-तमिलनाडु)**
- उ.प्र. में स्वास्थ्य सुविधाओं को बढ़ाने के लिए इतने नए स्वास्थ्य केंद्र खोलने का निर्देश जारी किया गया है **– 2505 नए स्वास्थ्य केंद्र**
- उ.प्र. के इस विश्वविद्यालय के शोधकर्ताओं ने कवक के तीन अनोखी प्रजातियों की खोज किया है **– बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय के शोधकर्त्ताओं ने**
- हाल ही में इस राज्य सरकार द्वारा निर्बाध बिजली आपूर्ति के लिए 'बिजली बैंकिंग' शुरू करने की घोषणा की गई है **– उत्तर प्रदेश द्वारा**
- उ.प्र. के इस जिले में 'गुणवत्ता संकल्प मिशन' का शुभारंभ किया गया है **– लखनऊ में**
- वाराणसी के तर्ज पर उत्तर प्रदेश के इस जिले में टेंट सिटी बनाई जा रही है **– झांसी में**



Join @yct_hub For More Exclusive PDFs

- 49वां ध्रुपद मेला उत्तर प्रदेश के इस जिले में आयोजित किया गया **– वाराणसी में**
- उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा मौसम की सटीक जानकारी के लिए इस जिले में डॉप्लर राडार लगाने का निर्णय लिया गया है **– आजमगढ़ में**
- उत्तर प्रदेश के इस जिले में 'कहकशां साहित्योत्सव' का आयोजन किया गया **– प्रयागराज में**
- उत्तर प्रदेश में सबसे लम्बा कार्यकाल इस मुख्यमंत्री का है **– योगी आदित्यनाथ का**
- प्रदेश का पहला अरोमा पार्क इस जिले में बनाया जा रहा है **– कन्नौज में**
- भारत के खाद्य प्रसंस्करण उद्योग क्षेत्र में उत्तर प्रदेश का इतना प्रतिशत योगदान है **– 6 प्रतिशत**
- 23 मार्च, 2023 को उत्तर प्रदेश सरकार ने प्रदेश के इतने प्राचीन एवं ऐतिहासिक महत्व के स्थलों को संरक्षित घोषित किया है **– 18**
- 17 मार्च, 2023 को भारत सरकार ने वस्त्र उद्योग के लिए 7 पीएम मेगा इंटीग्रेटेड टेक्सटाइल रीजन एंड अपैरल (पीएम मित्र) पार्क स्थापित करने की घोषणा की, इसमें से उत्तर प्रदेश का जिला जो शामिल है **– हरदोई**
- 13 मई, 2022 को इस ग्राम पंचायत में भारत के पहले 'अमृत सरोवर' का उद्घाटन किया गया **–पटवाई ( रामपुर जिला ) में**
- 10 मई, 2022 को उत्तर प्रदेश मंत्रिमंडल ने इस विश्वविद्यालय को 'भातखंडे राज्य संस्कृति विश्वविद्यालय' के रूप में परिवर्तित करने के अध्यादेश को अनुमोदन प्रदान किया **–भातखण्डे संगीत संस्थान डीम्ड विश्वविद्यालय, लखनऊ को**
- उत्तर प्रदेश सरकार की 'एक जिला एक उत्पाद' योजना का ब्रांड एम्बेसडर बनाया गया है **– कंगना रनौत को**
- उत्तर प्रदेश जनसंख्या नीति, 2021-2030 जारी की गइ **– 11 जुलाई, 2021 को**
- उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा डॉ. अम्बेडकर सांस्कृतिक केंद्र की स्थापना यहां किए जाने को स्वीकृति प्रदान की गई **– लखनऊ में**
- उ.प्र. में इतने जिलों में पुलिस आयुक्त प्रणाली के क्रियान्वयन संबंधी प्रस्ताव को मंजूरी प्रदान किया जा चुका है **– 7 ( लखनऊ, कानपुर, वाराणसी, नोएडा, गाजियाबाद, प्रयागराज, आगरा )**
- मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा शहीद अशफाक उल्ला खान प्राणि उद्यान का उद्घाटन किया गया **– गोरखपुर में**
- उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा इस जिले में भारत के पहले लेदर पार्क की स्थापना की जाएगी? **– कानपुर में**
- इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन (IOC) ने इस स्थान पर देश का पहला 'ग्रीन हाइड्रोजन प्लांट' लगाने की घोषणा की है**– मथुरा में**
- उत्तर प्रदेश में ''हर घर तिरंगा'' अभियान प्रतियोगिता का आयोजन किया गया **-उत्तर प्रदेश संस्कृति मंत्रालय द्वारा**

## उत्तर प्रदेश सरकार की नवीनतम् नीतियाँ 2023-24 विहंगम् दृष्टि

| नीतियाँ | लक्ष्य | अन्य तथ्य |
|---|---|---|
| ●**ग्रीन हाइड्रोजन नीति, 2024 ( अनुमोदित तिथि : 5 मार्च, 2024 )** | ●प्रदेश में वर्ष 2028 तक ग्रीन हाइड्रोजन का एक मिलियन मीट्रिक टन प्रतिवर्ष उत्पादन करना।<br>नोडल एजेंसी : उ.प्र. नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा विकास अभिकरण (UPNEDA) | ●ग्रीन हाइड्रोजन परियोजना की स्थापना के लिए 30 वर्ष की अवधि के लिए ग्राम समाज व सरकारी भूमि लीज पर उपलब्ध कराई जाएगी, जो सार्वजनिक क्षेत्रों के लिए एक रुपया प्रति एकड़ प्रतिवर्ष होगा।<br>● निजी निवेशकों के लिए 15000 रुपये प्रति एकड़ प्रतिवर्ष होगा। |
| ● **सेमीकंडक्टर नीति, 2024 ( अनुमोदित तिथि : 18 जनवरी, 2024 )** | ● प्रदेश को सेमी कंडक्टर विनिर्माण क्षेत्र में अग्रणी बनाना है।<br>● प्रदेश में निवेश आकर्षित करना और चिप निर्माण में देश को आगे बढ़ाने में मदद करना। | ●5 वर्षों में इस नीति को प्रभावी ढंग से कार्यान्वित करने के लिए 'उ.प्र. इलेक्ट्रॉनिक्स कॉर्पोरेशन लिमिटेड' को नोडल संस्था बनाया गया है। |
| ● **ड्रोन प्रचालन सुरक्षा नीति, 2023 ( अनुमोदित तिथि : 9 नवंबर, 2023 )** | ●राज्य में ड्रोन के बढ़ते उपयोग तथा ड्रोन संचालन के क्षेत्र में कतिपय कठिनाइयों के निवारण एवं नवीन उत्पन्न चुनौतियों के निपटान हेतु। | ●प्रत्येक संचालित ड्रोन का पंजीकरण और U.I.D. प्राप्त करना अनिवार्य है।<br>● ड्रोन प्रचालन के लिए हवाई क्षेत्र संबंधी प्रचालन नियमों का पालन कराया जाएगा। |
| ● **फार्मास्युटिकल एवं चिकित्सा उपकरण उद्योग नीति, 2023 ( अनुमोदित तिथि : 1 अगस्त, 2023 )** | ●एलोपैथिक, आयुष उत्पादों, चिकित्सा उपकरणों एवं थोक दवा निर्माण में उपयोग की जाने वाली प्रमुख सामग्रियों एवं विनिर्माण के लिए भूखंडों की पहचान करना और पार्क विकसित करना। | ●निवेशकों के लिए भूमि खरीदने पर स्टांप ड्यूटी में 100 प्रतिशत की छूट।<br>● इस नीति के अन्तर्गत नई इकाइयों को विद्युत शुल्क में 10 वर्ष के लिए 100 प्रतिशत की सब्सिडी प्रदान की जाएगी। |



Join @yct_hub For More Exclusive PDFs

| | | |
|---|---|---|
| ●**उ.प्र. जल आधारित पर्यटन एवं साहसिक क्रीड़ा नीति, 2023 ) ( अनुमोदित तिथि : 1 अगस्त, 2023 )** | ●राज्य में मौजूद नदियों, नहरों, झीलों एवं सागरों का उपयोग करके जल पर्यटन सुविधाएँ विकसित करना।<br>●नोडल एजेंसी : उ.प्र. राज्य पर्यटन विकास निगम | ●यह नीति राज्य द्वारा अधिसूचित तिथि से 10 वर्षों के लिए वैध होगी।<br>●जल आधारित पर्यटन एवं साहसिक क्रीड़ा संचालित करने हेतु लाइसेंस जिलाधिकारी द्वारा निर्गत किए जाएँगे।<br>●इस नीति के तहत कार्यवाही के लिए 'नोडल एजेंसी मंडल स्तर पर' एडवेंचर स्पोर्ट यूनिट का सृजन करेगी। |
| ●**राज्य सरकार की हवाई पट्टियों के उपयोग हेतु नीति, 2023 ( अनुमोदित तिथि : 10 मार्च, 2023 )** | ●प्रदेश में एविएशन गतिविधियों को बढ़ावा देते हुए रोजगार सृजन करना तथा राजस्व संग्रह में वृद्धि करना।<br>●हवाई पट्टियों की सूची : धनीपुर (अलीगढ़), सैफई (इटावा) रसूलाबाद (कानपुर देहात), मरहमताबाद (फर्रुखाबाद), अकबरपुर (अम्बेडकरनगर) अन्धऊ (गाजीपुर), पलिया (लखीमपुर-खीरी), अमहट (सुल्तानपुर), श्रावस्ती, आजमगढ़, चित्रकूट, म्योरपुर (सोनभद्र) एवं झाँसी। | ●चार श्रेणियों में विभाजित हवाई पट्टियों में **'फ्लाइट ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट'** की स्थापना हेतु निजी संस्था को 20 वर्षों के लिए अस्थाई तौर पर उपयोग की अनुमति प्रदान की जाएगी। जिसे **10 वर्ष** के लिए बढ़ाया भी जा सकता है।<br>●उल्लेखनीय है कि हवाई पट्टी के उपयोग के लिए फीस के रूप में प्रतिवर्ष **'रिजर्व लीज-रेंटल** एवं लाइसेंस शुल्क का भुगतान करना होगा, जिसे 5 प्रतिशत की दर से प्रतिवर्ष बढ़ाया जाएगा।' |
| ●**उ.प्र. खेल नीति 2023 ( अनुमोदित तिथ 10 मार्च, 2023 )** | ●प्रतिस्पर्धी उत्कृष्टता की खोज में एथलीटों को आवश्यक सुविधा उपलब्ध करके उत्तर प्रदेश में एक सम्पन्न समावेशी खेल वातावरण तैयार करना है। | ●'राज्य खेल प्राधिकरण' की स्थापना।<br>●आगामी 5 वर्षों में 14 उत्कृष्टता केंद्र एवं 5 उच्च प्रदर्शन केंद्र स्थापित करना।<br>●प्रत्येक जनपद से 5-5 खिलाड़ी का चुनाव होगा। |
| | | ●प्रारंभिक स्तर पर 10 करोड़ की राशि का 'उत्तर प्रदेश खेल विकास कोष' बनाया जाएगा। |
| ●**टाउनशिप नीति, 2023 अनुमोदित तिथि : 28 जून, 2023 )** | ●समाज के विभिन्न वर्गों को सस्ता आवास उपलब्ध कराना तथा शहरों के परिधीय क्षेत्रों में बेतरतीब विकास को नियंत्रित करना। | ●इस नीति के अंतर्गत टाउनशिप का न्यूनतम क्षेत्रफल 2 लाख से कम आबादी के नगरों में 12.5 एकड़ व 2 लाख से अधिक आबादी के नगरों में 25 एकड़ होगा। |
| ●**उ.प्र. फिल्म नीति, 2023 ( अनुमोदित तिथि : 23 फरवरी, 2023 )** | ●फिल्म निर्माण, प्रदर्शन एवं प्रक्रिया में अवस्थापना सुविधाओं प्रशिक्षण आदि के सम्यक विकास हेतु संस्थागत व्यवस्थाएँ करना।<br>●फिल्म शूटिंग हेतु अनुमति प्रक्रिया को सिंगल विंडो सिस्टम के माध्यम से सुगम बनाना। | ●राज्य सरकार द्वारा फिल्म निर्माण हेतु स्टूडियो/लैब्स खोले जाने पर लागत धनराशि का 25 प्रति अथवा अधिकतम 50 लाख रुपये का अनुदान दिया जाएगा।<br>●प्रथम फिल्म निर्माण के दौरान कुल शूटिंग दिवस के दो-तिहाई दिन उ.प्र. में शूटिंग करने पर 2 करोड़ रुपये की सब्सिडी प्रदान की जाएगी। |
| ●**खाद्य प्रसंस्करण उद्योग नीति, 2023 ( अनुमोदित तिथि : 28 जनवरी, 2023 )** | ●कृषि उत्पादों में मूल्यवर्द्धन, निर्यात की संभावनाओं में वृद्धि तथा सालभर उत्पाद की उपलब्धता सुनिश्चित करना।<br>●नोडल एजेंसी : उद्यान एवं खाद्य प्रसंस्करण निदेशालय | ●12.5 एकड़ से अधिक भूमि खरीदने की अनुमति तथा खाद्य प्रसंस्करण उद्योगों हेतु गैर कृषि उपयोग विषयक घोषणा के लिए मूल्य का 2% शुल्क माफ किया जाएगा।<br>●खाद्य प्रसंस्करण उद्योग हेतु खरीदी गई भूमि को स्टाम्प शुल्क भुगतान में छूट दी जाएगी।<br>●यह नीति अधिसूचित होने की तिथि से 5 वर्ष के लिए वैध होगी। |



Join @yct_hub For More Exclusive PDFs

## मुख्यमंत्री सड़क सुधार योजना

- यू.पी. के शहरों में लोगों को बेहतर सड़क सुविधा उपलब्ध कराने के लिए 'मुख्यमंत्री सड़क सुधार योजना' शुरू करने जा रही है। इसके लिए वित्तीय वर्ष 2023-24 में 1000 करोड़ रुपये की व्यवस्था की गयी है।
- प्रदेश में मौजूदा समय में 17 नगर निगम, 200 नगरपालिका और 545 नगर पंचायतें हैं। इसमें से 239 नई और सीमा विस्तार वाले निकाय है।
- नागरिक सुविधाओं की डिलीवरी आदि के आधार पर बेहतर प्रदर्शन करने वाले एक लाख से अधिक जनसंख्या वाले निकायों में समग्र विकास के लिए नाली के साथ सड़क की सुविधा देना जरूरी है। इसलिए एक लाख से अधिक आबादी वाले शहरों में 'मुख्यमंत्री सड़क सुधार योजना' की शुरुआत की जाएगी।

## लखनऊ में नवाबों की पाँच ऐतिहासिक इमारतें बनेंगी हेरिटेज होटल

- निदेशक डा. रेणु द्विवेदी ने बताया कि प्रस्ताव मंजूर होने के बाद पर्यटन विभाग ने उन्हें असंरक्षित श्रेणी में डाल दिया है और यहाँ हेरिटेज होटल विकसित करने का नोटिस चस्पा कर दिया है।
- लखनऊ की छतर मंजिल, रोशन-उद्दौला कोठी, कोठी गुलिस्ताने-इरम, कोठी दर्शन विलास और फरहद बख्स को हेरिटेज होटल में बदलने की तैयारी है। इन पाँचों इमारतों को पीपीपी मॉडल पर हेरिटेज होटल में बदलने का प्रस्ताव है।
- **छतर मंजिल**–इस भवन का निर्माण नवाब सआदत अली खाँ ने 1798-1814 के बीच करवाया था। छतर मंजिल का भवन इंडो-इटालियन स्थापत्य कला से बना है।
- **गुलिस्तान-ए-इरम**–गुलिस्तान-ए-इरम का निर्माण 19वीं शताब्दी की शुरुआत में अवध के दूसरे नवाब नसीरुद्दीन हैदर ने करवाया था। यह नसीरुद्दीन का निजी पुस्तकालय था।
- **कोठी दर्शन विलास**–इसका निर्माण गाजी-उद-दीन हैदर के शासन काल में शुरु हुआ था।
- **कोठी रोशन-उद्दौला**–अवध के नवाब नसीरुद्दीन हैदर (1827-1837) के शासन काल में उनके प्रधानमंत्री रोशन-उल-दौला ने इसका निर्माण कराया। इसके वास्तु में ब्रिटिश और मुगल दोनों के संकेत शामिल हैं।
- **फरहत बख्श कोठी**–फरहत बख्श कोठी का मूल नाम मार्टिन विला था। इसका निर्माण मेजर जनरल क्लाउड मार्टिन ने सन् 1781 में करवाया था। यह इंडो-फ्रेंच वास्तुकला का अद्भुत नमूना है।

## उत्तर प्रदेश फिल्म नीति-2023 को मंजूरी

- 22 फरवरी, 2023 को राज्य मंत्रिमंडल ने उत्तर प्रदेश फिल्म नीति, 2023 को मंजूरी दे दी।
- उत्तर प्रदेश फिल्म नीति-2023 के अंतर्गत उत्तर प्रदेश को फिल्म निर्माण का केंद्र बनाने के लिए राज्य में फिल्मों की शूटिंग के साथ फिल्म में राज्य के कलाकारों को किरदार अदा करने का मौका देने पर सब्सिडी दी जाएगी।

## उत्तर प्रदेश में बनेगा हाईटेक मिलिट्री अस्पताल

- वेस्ट यू०पी० मेरठ और प्रदेश की राजधानी लखनऊ में अत्याधुनिक सुविधाओं से युक्त मल्टी सुपर स्पेशिलिटी मिलिट्री अस्पताल का निर्माण होगा। इसका उद्देश्य सैनिकों और उनके परिवार को बेहतर सुविधा देना है।
- मेरठ में इस मल्टी सुपर स्पेशिलिटी मिलिट्री अस्पताल का निर्माण ₹379 करोड़ की लागत से होगा। यह अस्पताल 545 बेड का होगा।

## इंडो-इजराइल ट्रॉमा कोर्स का उद्घाटन

- 24 फरवरी, 2023 को उत्तर प्रदेश के वाराणसी के बी.एच.यू. (BHU) ट्रॉमा सेंटर प्रभारी प्रो. सौरभ सिंह ने बताया कि आपदा प्रबंधन के समय किस तरह लोगों को ट्रॉमा सेंटर पहुँचाया जाए, जहाँ उनका बेहतर इलाज किया जा सके, इसको लेकर बी.एच.यू. ट्रॉमा सेंटर में दूसरे इंडो-इजराइल ट्रॉमा कोर्स का आयोजन 24 से 26 फरवरी तक किया गया।
- इंडो-इजराइल ट्रॉमा कोर्स के आयोजन के लिए इजराइल से पाँच सदस्यीय चिकित्सकीय टीम बुलाई गई थी।

## उत्तर प्रदेश के बलिया में 7 राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं का उद्घाटन

- 27 मार्च, 2023 को केंद्रीय परिवहन और राजमार्ग मंत्री श्री नितिन गडकरी ने उत्तर प्रदेश के बलिया के चितबड़ा गाँव में 65000 करोड़ रुपये के निवेश से 7 राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं का उद्घाटन किया।
- इस अवसर पर श्री गडकरी ने बलिया-आरा के बीच 1500 करोड़ रुपए की लागत से 28 किमी. ग्रीनाफील्ड स्पर रोड के माध्यम से नए संपर्क मार्ग की घोषणा की।
- 130 करोड़ रुपये की लागत से चंदौली से मोहनिया तक बनने वाली ग्रीनफील्ड सड़क उत्तर प्रदेश के चंदौली और बिहार के कैमूर जिले को दिल्ली-कोलकाता जीटी रोड से जोड़ेगी।
- ग्रीनफील्ड हाईवे के निर्माण से पूर्वी उत्तर प्रदेश को बिहार के छपरा, पटना, बक्सर से बेहतर कनेक्टिविटी मिलेगी।

## उत्तर प्रदेश सरकार ने जारी की नई जनसंख्या नीति

- 2026 तक कुल प्रजनन दर को 2.7 से घटाकर 2.1 और 2030 तक 1.9 करना।
- आधुनिक गर्भनिरोधक प्रसार दर को 2026 तक 31.7% से बढ़ाकर 45% और 2030 तक 52% करना।
- 2026 तक गर्भनिरोधक उपयोग के पुरुष तरीकों को 10.8% से बढ़ाकर 15.1% और 2030 तक 16.4% करना।
- मातृ मृत्युदर को 197 से घटाकर 150 से 98।
- शिशु मृत्यु दर को 43 से घटाकर 2026 में और 2030 में 32 से 22 करना।
- 5 वर्ष से कम आयु के शिशु मृत्यु दर को 47 से घटाकर 2026 तक 35 तथा 2030 तक 25 करना।



Join @yct_hub For More Exclusive PDFs

## वाराणसी को मिलेगा देश का पहला अर्बन ट्रांसपोर्ट रोपवे

- 24 मार्च 2023 को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने वाराणसी में पब्लिक ट्रांसपोर्ट रोप-वे का शिलान्यास किया।
- पहले फेज में रोप-वे का निर्माण वाराणसी रेलवे स्टेशन से गोदौलिया चौराहे तक होगा। इससे काशी विश्वनाथ मंदिर व दशाश्वमेध घाट जाना आसान हो गया।
- इस परियोजना में करीब 644.49 करोड़ रूपये खर्च होंगे।
- गौरतलब है कि बोलीविया की राजधानी ला-पजा और मेक्सिको के बाद भारत तीसरा देश होगा और वाराणसी देश का पहला शहर होगा जहाँ पब्लिक ट्रांसपोर्ट के लिए रोप-वे का इस्तेमाल होगा।
- यहाँ लगभग 50 मीटर की ऊँचाई से करीब 150 ट्राली कार चलाई जाएंगी। एक ट्राली में 10 पैसेंजर आएंगे। इस तरह से एक घंटे में 6000 लोग यात्रा कर सकेंगे।
- रोप-वे रोजाना 16 घंटे चलायी जाएगी।

## शहरी क्षेत्रों में 3000 वर्ग मीटर भूमि होने पर ही खोल सकेंगे निजी स्कूल

- 2 जनवरी 2023 को उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा बोर्ड के प्रमुख सचिव दीपक कुमार ने बताया कि राज्य बोर्ड ने शहरी क्षेत्रों में निजी विद्यालय खेलने के लिए 3000 वर्ग मीटर जमीन होना जरूरी कर दिया है जो पहले 650 वर्ग मीटर थी।
- इसी तरह ग्रामीण क्षेत्र में 6000 वर्ग मीटर जमीन जारी होगी जो कि पहले 2000 वर्ग मीटर थी।

**हाईस्कूल की नवीन मान्यता के लिए ये हैं प्रमुख शर्तें-**

- समिति/ट्रस्ट/कंपनी अधिनियम-2013 के अध्याय 8 के अन्तर्गत पंजीकृत कंपनी (नॉट फॉर प्राफिट) का पंजीकृत व यथा स्थिति नवीनीकृत होना अनिवार्य होगा।
- प्रभूत (जमानत) कोष के रूप में पांच लाख रुपये केवल विद्यालय के नाम जमा व निरीक्षण अधिकारी के पदनाम में बंधक होगा। पहले प्रभूत कोष के लिए 15 हजार रुपये राशि निर्धारित थी।
- सुरक्षित कोष के रूप में डेढ़ लाख रुपये जमा होगा जबकि पहले मात्र 3000 रुपये जमा करना अनिवार्य था।
- आडियो-विडियो प्रोजेक्टर, बडी स्क्रीन की एलइडी टीवी की व्यवस्था स्मार्ट क्लास में व कंप्यूटर कक्ष में 25 कंप्यूटर की व्याख्या करनी होगी।
- शहरी क्षेत्र में कुल 3000 वर्ग मीटर विद्यालय भूमि में 1000 वर्ग मीटर और ग्रामीण क्षेत्र की 6000 वर्ग मी. भूमि में 2000 वर्ग मीटर भूमि का क्रीडा स्थल होगा।
- क्रीडा स्थल में एथलेटिक, कबड्डी, कुश्ती, खो-खो वॉलीबाल, बास्केटबाल, बैडमिंटन, लान टेनिस, ओपेन जिम्नेजियम व अन्य आउट डोर गेम्स के साथ इनडोर गेम्स व शारीरिक प्रशिक्षण की पर्याप्त व्यवस्था होगी। पहले ऐसी मान्याता की शर्त नहीं थी।
- छात्र संख्या के अनुरूप एक वर्ग मीटर की दर से प्रत्येक छात्र, छात्रा के लिए कुर्सी, मेज, डेस्क बेंच की व्यवस्था करनी होगी। साथ ही प्रयोगशाला के लिए भी व्यवस्था सुनिश्चित करनी होगी। पहले की शर्त में जूनियर कक्षाओं के साथ 200 सेट सज्जा होना अनिवार्य था।
- स्वच्छ पेयजल, शौचालय, आदि की पर्याप्त व्यवस्था छात्र, छात्राओं व दिव्यांगजन की सुविधा के अनुसार करने की विस्तृत शर्त थी। पहले सिर्फ समुचित व्यवस्था की शर्त थी।

## वाराणसी देगा देश को कचरे से कोयला बनाने का प्लांट

- कचरे से कोयला बनाने का पहला प्लांट बनारस के रमना में निर्माणाधीन है।
- इस प्लांट के शुरू होने पर प्रति दिन 600 हजार टन कचरे से 200 टन कोयले का उत्पादन हो सकेगा।
- कचरे से कोयला बनाने वाला यह देश का पहला प्लांट होगा। इसका निर्माण एनटीपीसी की ओर से कराया जा रहा है। इसका सफल परीक्षण अक्टूबर 2022 में हो चुका है।
- इस प्लांट को शुरू करने का लक्ष्य दिसम्बर 2023 तक का है। प्लांट की क्षमता 800 टन से अधिक कचरा प्रसंस्करण की होगी।

## मऊ के किसान की बेटी दाक्षायणी पांडेय की कार सुरक्षा मॉडल का धमाल

- 5 जनवरी, 2023 को उत्तर प्रदेश के मऊ जिले की एक गरीब किसान की बेटी 'दाक्षायणी पांडेय (17 वर्ष) का चयन उनके कार सुरक्षा मॉडल के आधार पर अमेरिका में कैलिफोर्निया के 'स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी' में 100 फीसदी स्कॉलरशिप के साथ हुआ है।
- नेशनल यूथ आइडियाथॉन-2021 की विजेता कक्षा 12वीं की छात्रा दाक्षायणी स्कॉलरशिप योजना के तहत स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी में पढ़ेगी।

## गंगा विलास दुनिया का सबसे लम्बा रिवर क्रूज

- 13 जनवरी, 2023 को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने वर्चुअल माध्यम से वाराणसी में दुनिया के सबसे लम्बे रिवर क्रूज-एमवी गंगा विलास को झंडी दिखाकर रवाना किया तथा टेंट सिटी का उद्घाटन भी किया।
- इस अवसर पर प्रधानमंत्री ने 1000 करोड़ रुपये से अधिक की कई अन्य अन्तर्देशीय जलमार्गों की परियोजनाओं का उद्घाटन किया।
- अपनी पहली यात्रा में यह क्रूज 33 पर्यटकों को वाराणसी से लेकर बांग्लादेश के रास्ते असम के डिब्रूगढ़ के लिए रवाना हुई। इसमें 32 यात्री स्विट्जरलैंड और एक जर्मनी का पर्यटक है।
- अध्यात्मिकता में रुचि रखने वालों के लिए काशी बोधगया, विक्रमशिला, पटना साहब और माजूली जैसे गंतव्यों को कवर किया जाएगा।
- एमवी गंगा विलास क्रूज वाराणसी से अपनी यात्रा शुरू करते हुए 51 दिनों में लगभग 3200 किलोमीटर की यात्रा करके भारत और बांग्लादेश की 27 नदी प्रणालियों को पार करते हुए बांग्लादेश के रास्ते असम के डिब्रूगढ़ तक पहुँचेगा।
- गंगा विलास क्रूज की अपस्ट्रीम में रफ्तार 10 से 15 किमी. प्रति घंटा है।

## बी.एच.यू. में देश का पहला स्पाइनल इंजरी रिहेविलिटेशन सेंटर

- 15 जनवरी, 2023 को उत्तर प्रदेश के बनारस में बीएचयू ट्रामा में केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने BHU ट्रामा सेंटर में देश के पहले स्पाइनल इंजरी रिहेविलिटेशन सेंटर खोलने की सहमति दे दी है।
- इस सेंटर के खुलने से ब्रेन स्पाइन और न्यूरो की गंभीर बीमारी से जूझ रहे मरीजों को अब काशी में ही विश्व स्तरीय इलाज की सुविधा मिलेगी। इलाज की ऐसी सुविधा अभी आस्ट्रेलिया में है।
- इस सेंटर के निर्माण में 200 करोड़ रुपये खर्च होगा। इसमें 200 बेड का सुपर स्पेशियलिटी भवन भी बनेगा।



Join @yct_hub For More Exclusive PDFs

## अलीगढ़ को मिला ट्रांसपोर्ट नगर

- 17 जनवरी, 2023 को उत्तर प्रदेश के अलीगढ़ जिले के हैबिटेट सेंटर में आयोजित जनपद स्तरीय इन्वेस्टर्स समिट में बेसिक शिक्षा मंत्री संदीप सिंह, सांसद सतीश गौतम, विधायक राजकुमार सहयोगी द्वारा ट्रांसपोर्ट नगर का विधिवत् शुभारंभ किया।

## बस्ती जिले में सांसद खेल महाकुंभ 2022-23 के दूसरे चरण का आयोजन

- 18 जनवरी, 2023 को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से बस्ती में सांसद खेल महाकुंभ 2022-23 के दूसरे चरण का उद्घाटन किया।
- खेल महाकुंभ के पहले चरण का आयोजन 10 से 16 दिसम्बर के बीच हुआ था, दूसरे चरण की शुरुआत 18 जनवरी से होगी जो कि 28 जनवरी, 2023 तक चलेगा।
- इस खेल महाकुंभ में कुश्ती, कबड्डी, खो-खो, बॉस्केटबाल, फुटबाल, हॉकी, वॉलीबाल, हैंडबॉल, शतरंज, कैरम, बैडमिंटन टेबल टेनिस आदि इनडोर और आउटडोर खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाएगा।
- इसके अलावा निबंध लेखन, पेंटिंग की प्रतियोगिता भी होगी। इस दौरान रंगोली बनाने का भी आयोजन होगा। इसका उद्देश्य युवाओं को खेल प्रतिभा के प्रदर्शन का मंच प्रदान करना है।

## उत्तर प्रदेश के चार परमवीर चक्र विजेताओं के नाम पर अंडमान निकोबार के द्वीप

- 23 जनवरी, 2023 को नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती (पराक्रम दिवस) के अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारत में सबसे बड़े सैन्य अलंकरण परमवीर चक्र के 21 विजेताओं के नाम पर अंडमान ओर निकोबार द्वीप समूह के 21 बड़े अज्ञात द्वीपों का नामकरण किया। इस सूची में उत्तर प्रदेश के चार परमवीर चक्र विजेता शामिल हैं।
- उत्तर प्रदेश के चार परमवीर चक्र विजेताओं में से तीन कंपनी क्वार्टर मास्टर हवलदार वीर अब्दुल हमीद, नायक जदुनाथ सिंह, लेफ्टिनेंट मनोज कुमार पांडेय को मरणोपरांत और मानद कैप्टन योगेंद्र सिंह यादव को जीवित रहते ही परमवीर चक्र से सम्मानित किया गया है।

## उत्तर प्रदेश दिवस पर प्रदेश भर में होगा भव्य आयोजन, हर जिले को मिलेंगे तीन लाख का बजट

- 6 जनवरी को उत्तर प्रदेश के मुख्य सचिव दुर्गाशंकर मिश्र ने उत्तर प्रदेश दिवस के अवसर पर 24 से 26 जनवरी तक लखनऊ सहित प्रदेश के सभी जिलों में भव्य आयोजन किये जाने के संबंध में दिशा निर्देश जारी किया।
- जिला स्तर पर तीन दिवसीय केन्द्रीय कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। सरकार की विकास योजनाओं और उपलब्धियों की प्रदर्शनी लगाई जाएगी।
- उत्तर प्रदेश सरकार ने 2018 में प्रथम बार प्रदेश के स्थापना दिवस को 'उत्तर प्रदेश दिवस' के रूप में मनाया। इसके बाद से प्रत्येक 24 जनवरी को प्रदेश के स्थापना दिवस को 'उत्तर प्रदेश दिवस' के रूप में मनाया जाता है।
- वर्ष 2023 में उत्तर प्रदेश स्थापना दिवस 'निवेश एवं रोजगार' की थीम पर जनभागीदारी से मनाया गया। इसका उद्देश्य निवेश और रोजगार पर ध्यान केन्द्रित करना है।

## देश में सर्वाधिक विद्युत कनेक्शन देने वाला राज्य बना यूपी

- 27 जनवरी 2023 को उत्तर प्रदेश कॉरपोरेशन के चेयरमैन एम.देवराय ने बताया कि महज आठ साल में 1.47 करोड़ नये विद्युत कनेक्शन देने के साथ ही उत्तर प्रदेश सर्वाधिक विद्युत उपभोक्ताओं वाला राज्य बन गया है।
- उत्तर प्रदेश के बाद दूसरे नम्बर पर महाराष्ट्र और तीसरे नम्बर पर तमिलनाडु हैं।
- उत्तर प्रदेश में घरेलू उपभोक्ताओं की संख्या 2 करोड़ 74 लाख, महाराष्ट्र में करीब 2 करोड़ 40 लाख और तमिलनाडु में करीब 2 करोड 20 लाख के करीब है।
- पावर कार्पोरेशन के चेयरमैन ने बताया कि बीते 8 साल में 1.8 करोड़ से अधिक नए उपभोक्ता बने हैं। इस अवधि में प्रदेश में बिजली के नए कनेक्शन का रिकार्ड भी बना है।
- वर्ष 2014 तक राज्य में कुल करीब 1.42 करोड़ उपभोक्ता थे, वही वर्ष 2014 से नवंबर 2022 के बीच राज्य में 1.8 करोड़ नए उपभोक्ताओं के घरों में बिजली पहुंची।

## गोरखपुर के पनियाला को मिला जी आई टैग

- 29 जनवरी 2023 को उत्तर प्रदेश सरकार की हाईपावर कमेटी ने 21 कृषि उत्पादों को GI टैग के लिए अनुमति दी है, जिसमें गोरखपुर का पनियाला भी शामिल है।
- GI टैग की अनुमति मिलने से गोरखपुर के लच्छीपुर और आस-पास के गाँव में पैदा होने वाले पनियाला का स्वाद अब देश-दुनिया तक पहुचेगा। नष्ट होते जा रहे पनियाला के पेड़ संरक्षित किये जा रहे हैं।
- पनियाला आकार और रंग में जामुन से मिलता-जुलता है तथा इसका स्वाद खट्टा-मीठा होता है।

## कानपुर में सोलर प्लांट

- 7 फरवरी 2023 को सतलुज जल विद्युत वितरण निगम लिमिटेड ने उत्तर प्रदेश के कानपुर में 3500 करोड़ रूपए की लागत से एक सोलर प्लांट लगाने के लिए उत्तर प्रदेश राज्य औद्योगिक विकास प्राधिकरण से एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया।
- यह प्लाट कानपुर के घाटमपुर या उसके आस-पास के क्षेत्र में करीब 3000 एकड़ भूमि पर लगाया जाएगा।
- इस जमीन पर कम्पनी करीब 700 मेगावाट क्षमता का सोलर प्लांट लगाएगी।
- इसके अतिरिक्त कम्पनी जालौन के काल्पी और उरई तहसील में 75-75 मेगावाट क्षमता का प्लांट स्थापित कर रही है। वहीं कानपुर देहात के अकबरपुर में भी 50 मेगावाट का एक सोलर पॉवर प्लांट निर्माणाधीन है।



Join @yct_hub For More Exclusive PDFs

## 75 लाख से अधिक नल कनेक्शन के साथ उत्तर प्रदेश शीर्ष राज्य बना

- 31 जनवरी, 2023 को उत्तर प्रदेश ने 75 लाख से अधिक नल कनेक्शन देकर सर्वश्रेष्ठ चार राज्यों में स्थान बनाया।
- योगी सरकार के इस उपलब्धि को नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग ने ''हर घर जल, 75 लाख नल'' समारोह के रूप में मनाया।
- नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग के प्रमुख सचिव अनुराग श्रीवास्तव ने कहा कि वर्ष 2024 तक सभी गांव के लोगों तक नल से जल पहुंचा दिया जाएगा।
- वर्ष 2024 तक 2.63 करोड़ घरों तक नल कनेक्शन पहुंचाने का लक्ष्य है।
- ग्रामीण परिवारों को नल कनेक्शन प्रदान करने के मामले में बिहार, महाराष्ट्र और गुजरात के बाद उत्तर प्रदेश का स्थान है। बिहार सर्वाधिक 1.58 करोड़, महाराष्ट्र ने 1.06 करोड़ व गुजरात ने 91 लाख से अधिक नल कनेक्शन दिया है।

## बुलंदशहर-खुर्जा के 55 गाँव यीडा में शामिल

- 2 फरवरी, 2023 को उत्तर प्रदेश के बुलंदशहर और खुर्जा विकास प्राधिकरण के 55 गांवों का अब यमुना एक्सप्रेस-वे औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यीडा) में शामिल किया गया है।
- यमुना प्राधिकरण के अधिसूचित क्षेत्र में गौतमबुद्ध नगर, अलीगढ़, बुलंदशहर, मथुरा, आगरा और हाथरस जिले आते हैं। अभी तक बुलंदशहर क्षेत्र के 40 गाँव प्राधिकरण के अधिसूचित क्षेत्र में थे।

## उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री द्वारा डी.जी. वैन को हरी झंडी

- 5 फरवरी 2023 को उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्य नाथ ने अपने सरकारी आवास से डी.जी. वैन को झंडी दिखाकर रवाना किया। यह मोबाइल डी.जी. वैन जनता को डिजिटल इंडिया के बारे में जानकारी प्रदान करेगी।
- यह डी.जी. वैन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में संचालित डिजिटल इंडिया अभियान की महत्त्वपूर्ण डिजिटल नव पहलों, 'माई गाँव', 'डिजी लॉकर', 'ई-हॉस्पिटल', 'ई-नाम' 'यू.पी.आई.', 'आरोग्य सेतु', 'जेम पोर्टल', 'उमंग', 'साइबर सुरक्षा भारत', 'जी.एस.टी.' आदि को दिखाएगी।
- इस वैन में 2 स्क्रीन इंट्रैक्टिव क्विज के लिए है जिस पर डिजिटल इंडिया व G-20 के बारे में व्यक्ति अपने ज्ञान को प्रदर्शित कर सकते हैं
- इस क्रम में प्रदेश के युवाओं को डिजिटल रूप से सशक्त और सक्षम बनाने के लिए राज्य सरकार द्वारा 'स्वामी विवेकानन्द युवा सशक्तीकरण योजना' के अन्तर्गत डिजिटल पोर्टल के माध्यम से छात्र/छात्राओं को टैबलेट व स्मार्टफोन निःशुल्क उपलब्ध कराया जा रहा है।

## यूपी ग्लोबल इन्वेस्टर समिट-2023

- यूपी ग्लोबल इन्वेस्टर समिट-2023 का शुभारंभ 10 फरवरी 2023 को लखनऊ में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा किया गया।
- उत्तर प्रदेश ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट 2023 भारत को 5 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दृष्टिकोण से जुड़ी एक पहल है जिसके लिए उत्तर प्रदेश सरकार ने राज्य को अगले 5 वर्षों में 1 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर अर्थव्यवस्था बनाने का आकांक्षी लक्ष्य निर्धारित किया है।
- इस समिट में 20 से अधिक देशों के 10000 से अधिक प्रतिनिधियों (घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय) की भागीदारी देखी गई।
- इस समिट में संयुक्त राज्य अमेरिका, यूनाइटेड किंगडम, कनाडा, जापान, दक्षिण कोरिया, सिंगापुर, जर्मनी, नीदरलैंड और संयुक्त अरब अमीरात जैसी कई प्रगतिशील अर्थव्यवस्थाएँ 'साझेदार देश' रहे हैं।
- यूपी ग्लोबल इन्वेस्टर समिट 2023 के लिए सिंगापुर को फर्स्ट कंट्री पार्टनर चुना गया है।
- राज्य सरकार ने निवेशकों की सुविधा एवं एम.ओ.यू. के कार्यान्वयन की निगरानी के लिए 'निवेश सारथी' नामक नई ऑनलाइन प्रणाली शुरू की है।
- उत्तर प्रदेश सरकार ने खेल को भी इस समिट में शामिल किया है। उत्तर प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन ने बाराबंकी में 30 हजार की क्षमता वाला एक स्टेडियम बनाने के लिए प्रदेश सरकार के साथ एम.ओ.यू. किया है।
- उत्तर प्रदेश ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट में सिंगापुर के निवेशकों ने उत्तर प्रदेश में अध्यात्म और इको टूरिज्म के लिए 29000 करोड़ रूपए के एम.ओ.यू. पर हस्ताक्षर किये।
- यूपी ग्लोबल इन्वेस्टर समिट में 3 दिन में कुल 33 लाख 50 हजार करोड़ के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए। इसके साथ ही यहाँ पर कुल 19058 एम ओ यू साइन किए गये। इससे करीब 93 लाख, 82 हजार, 607 लोगों को रोजगार मिलेगा।
- 12 फरवरी, 2023 को उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में यूपी ग्लोबल इन्वेस्टर समिट 2023 का समापन राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के द्वारा किया गया।
- ज्ञातव्य है कि उत्तर प्रदेश सरकार ने फरवरी 2018 में पहली बार बड़े पैमाने पर ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट का आयोजन किया था।

## G-20 Summit 2023 उत्तर प्रदेश

- G-20 समिट 2023 यूपी में G-20 के 11 कार्यक्रम होंगे। इसकी शुरुआत आगरा से होगी। लखनऊ और ग्रेटर नोएडा में एक-एक कार्यक्रम किया जाएगा। वहीं सर्वाधिक 6 कार्यक्रम प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के संसदीय क्षेत्र वाराणसी में होगा।
- प्रदेश में G-20 सम्मेलन के कार्यक्रम आगरा, लखनऊ, वाराणसी और ग्रेटर नोएडा में होंगे, जो फरवरी से अगस्त तक चलेंगे।
- आगरा में पहला कार्यक्रम फरवरी में एम्पायर इंसेप्शन मीटिंग के साथ होगा, जिसके लिए महिला एवं बाल विकास मंत्रालय को नोडल मिनिस्ट्री बनाया गया है। इसी तरह यहाँ दूसरा और तीसरा कार्यक्रम अगस्त में होगा। दोनों कार्यक्रमों में कल्चर वर्किंग ग्रुप मीटिंग होगी। संस्कृति मंत्रालय नोडल मिनिस्ट्री होगी।



Join @yct_hub For More Exclusive PDFs

- भारत में आयोजित होने वाले G20 की अध्यक्षता विषय- "वसुधैव कुटुम्बकम" या "एक पृथ्वी, एक कुटुंब, एक भविष्य"- महा उपनिषद के प्राचीन संस्कृत पाठ से लिया गया है।
- G20 लोगो भारत के राष्ट्रीय ध्वज के जीवंत रंगों केसरिया, सफेद और हरे, एवं नीले रंग से प्रेरित है। इसमें भारत के राष्ट्रीय पुष्प कमल को पृथ्वी ग्रह के साथ प्रस्तुत किया गया है जो चुनौतियों के बीच विकास को दर्शाता है।

## उच्च शिक्षा मंत्री ने G-20 सम्मेलन के दौरान आयोजित प्रदर्शनी का उद्घाटन किया

- 13 फरवरी 2023 को उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ के होटल सेंट्रम, सुशांत गोल्ड सिटी में आयोजित G-20 सम्मेलन के दौरान, प्रदेश के उच्च शिक्षा, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, इलेक्ट्रानिक एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री योगेन्द्र उपाध्याय ने प्रदर्शनी का उद्घाटन किया।
- इस प्रदर्शनी में डिजिटल इंडिया की झलक दिखाई गई।
- इस सम्मेलन में इलेक्ट्रानिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय, टेलीकाम, जनजातीय मंत्रालय, भारी उद्योग मंत्रालय सहित भारत सरकार के अन्य विभागों एवं संस्थाओं के प्रदर्शनी स्टाल लगाए है। वही निजी संस्थानों द्वारा भी स्टॉल लगाए गए हैं।

## उत्तर प्रदेश के आँवला और फूलपुर में इफको के नैनो यूरिया के तरल संयंत्रों का उद्घाटन

- 14 फरवरी 2023 को केन्द्रीय रसायन और उर्वरक मंत्री डा. मनसुख मांडविया ने उत्तर प्रदेश के आँवला एवं फूलपुर में इंडियन फार्मर्स फर्टिलाइजर कोआपरेटिव लिमिटेड (इफको-IFFCO) के नैनो यूरिया तरल संयंत्रों का उद्घाटन किया।
- नैनो यूरिया सबसे अच्छी हरित प्रौद्योगिकी है जो प्रदूषण का समाधान प्रदान करती है। यह मिट्टी को खराब होने से बचाने के साथ ही उत्पादन भी बढ़ाती है।
- सरकार की विशेषज्ञ समिति ने नैनो हाई अमोनियम फास्फेट (डी ए पी) को मंजूरी दे दी है और जल्द ही यह सामान्य डी ए पी की जगह लेगी।

## लखनऊ हरदोई में मेगा टेक्सटाइल पार्क की मंजूरी

- 14 फरवरी 2023 को उत्तर प्रदेश की मंत्रिपरिषद ने पी.एम. मेगा एकीकृत वस्त्र क्षेत्र और परिधान योजना के अन्तर्गत टेक्सटाइल पार्क की स्थापना एवं भूमि हस्तांतरण के प्रस्ताव को स्वीकृति प्रदान कर दी। साथ ही, मंत्रिपरिषद ने योजना में किसी भी प्रकार के संशोधन के लिए मुख्यमंत्री को अधिकृत किया है।
- इस टेक्सटाइल पार्क के क्रियान्वयन हेतु एक स्पेशल पर्पज व्हिकेल का गठन किया जाएगा। इसके लिए 10 करोड़ रुपये की व्यवस्था की जाएगी जिसमें 51% अंश उत्तर प्रदेश सरकार और 49% अंश भारत सरकार का होगा।
- स्पेशल पर्पज व्हिकेल का गठन कंपनी एक्ट-2013 के अंतर्गत होगा। एस.पी.वी. में अपर मुख्य सचिव/प्रमुख सचिव, हथकरघा एवं वस्त्रोद्योग विभाग, उत्तर प्रदेश शासन मुख्य कार्यकारी अधिकारी (C.E.O.) तथा सचिव, भारत सरकार नई दिल्ली अध्यक्ष होंगे।
- इस परियोजना पर लगभग 1200 करोड़ रुपये व्यय होने का अनुमान है।

## उत्तर प्रदेश सरकार का Tata Group से करार, यूपी के 150 आई.टी. आई. होंगे

- 14 फरवरी 2023 को उत्तर प्रदेश की मंत्रिपरिषद ने टाटा टेक्नोलॉजी लिमिटेड एवं राज्य सरकार, (व्यवसायिक शिक्षा एवं कौशल विभाग) के मध्य तैयार किए गए एम.ओ.ए. को हस्ताक्षरित कर अग्रेतर कार्यवाही किए जाने के प्रस्ताव को अनुमति प्रदान कर दी।
- इस समझौते के तहत टाटा टेक्नोलॉजी लिमिटेड के सहयोग से उत्तर प्रदेश के 150 राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों का उन्नयन किये जाने हेतु राज्य सरकार एवं टी.टी. एल के मध्य समझौता हुआ।
- समझौता ज्ञापन में 5472 करोड़ रुपये का खर्च शामिल है जिसमें से 4282 करोड़ रुपये टाटा समूह की कंपनी द्वारा निवेश किया जायेगा और 1190 करोड़ रुपये राज्य सरकार द्वारा खर्च किये जायेंगे, जिसमें नए जमाने की कार्यशालाओं के साथ-साथ स्मार्ट क्लास का निर्माण भी शामिल होगा।
- इस एम.ओ.ए. की अवधि 10 वर्ष 9 माह है जिसमें 9 माह परियोजना क्रियान्वयन की तैयारी हेतु निर्धारित है।
- इंडस्ट्री 4.0 प्रस्तावों की मांग के अनुसार टी.टी.एल. द्वारा 150 आई.टी.आई. में 11 दीर्घ अवधि के लिए 23 अल्पकालिक अवधि के प्रशिक्षण पाठ्यक्रम संचालित किए जाएंगें।
- इस एम.ओ.ए. के उन्नयन से दीर्घकालिक प्रशिक्षण कार्यक्रमों से प्रतिवर्ष लगभग 12 से 15 हजार अभ्यर्थी तथा अल्पकालिक प्रशिक्षण से 15 से 20 हजार अभ्यर्थी प्रशिक्षित होगें।

## उत्तर प्रदेश का कई राज्यों के साथ पावर बैंकिंग समझौता

- 17 फरवरी 2023 को उत्तर प्रदेश पावर कॉरपोरेशन के चेयरमैन एम. देवराज ने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देशन पर सभी क्षेत्रों में भरपूर निर्बाध बिजली देने के प्रयासों को फलीभूत करने के लिए उत्तर प्रदेश पावर कॉरपोरेशन ने दूसरे राज्यों से बड़े पैमाने पर बिजली बैंकिंग करने का फैसला किया है।
- जम्मू-कश्मीर, तमिलनाडु, राजस्थान और मध्य प्रदेश के साथ पावर बैंकिंग समझौते पर हस्ताक्षर किए गए हैं। साथ ही कर्नाटक और एनटीपीसी के साथ भी इस तरह के समझौते किये गये हैं।
- विद्युत बैंकिंग का मतलब है उन महीनों में जब प्रदेश में बिजली की उपलब्धता ज्यादा होती और उसकी तुलना में मांग कम होती है तो राज्य सरप्लस बिजली उन राज्यों को दी जाती है जहाँ बिजली की मांग ज्यादा होती है। गर्मियों में जब उत्तर प्रदेश में बिजली की मांग बढ़ जाती है तो उस समय उन राज्यों से बिना खरीदे बिजली वापस मिल जाती है जहाँ विद्युत बैंकिंग के माध्यम से पहले बिजली दे रखी है।



Join @yct_hub For More Exclusive PDFs

## राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण-5, 2019-21 ( उ.प्र. की स्थिति )

- 5 मई, 2022 को जारी राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण-5 (NFHS-5), 2019-21 के आंकड़ों के अनुसार–
  - ➢ प्रदेश का लिंगानुपात (प्रति 1000 पुरुषों पर महिलाओं की संख्या)–1017 [NFHS-4, 2015-16 के अनुसार, 995]
  - ➢ प्रदेश का बच्चों के जन्म पर लिंगानुपात–941[NFHS-4, 2015-16 के अनुसार 903]
  - ➢ प्रदेश में खाना पकाने के लिए स्वच्छ ईंधन का प्रयोग करने वाले परिवार-49.5% [NFHS-4, 2015-16 के अनुसार 36.4%]
  - ➢ प्रदेश में कुल प्रजनन दर – 2.4 [NFHS-4 2015-16 के अनुसार 2.7]
  - ➢ संस्थागत प्रसव पाँच वर्ष की अवधि में 67.8% से बढ़कर 83.4% हो गए हैं।
  - ➢ शिशु मृत्यु दर प्रति हजार जीवित जन्म पर 63.5% से घटकर 50.4% हो गई है।
  - ➢ नवजात शिशु मृत्यु दर प्रति हजार जीवित जन्म पर 45.5% से घटकर 35.7% हो गई है।

## बुंदेलखण्ड एक्सप्रेस-वे

- 30 अप्रैल, 2022 को उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा की गई घोषणा के अनुसार 'जून-2022' में बुंदेलखण्ड एक्सप्रेस-वे का उद्घाटन किया जाएगा।
- एक्सप्रेस-वे की कुल लम्बाई 296.70 किमी. है।
- यह एक्सप्रेस-वे उत्तर प्रदेश के सात जिलों (चित्रकूट, बांदा, हमीरपुर, महोबा, जालौन, औरैया और इटावा) से होकर गुजरेगा।

## उत्तर प्रदेश का 10वां रामसर स्थल

- फरवरी, 2022 में बखीरा अभयारण्य को उत्तर प्रदेश के 10वें रामसर स्थल के रूप में शामिल किया गया।
  - ➢ उत्तर प्रदेश का बखीरा वन्यजीव अभयारण्य मध्य एशियाई पक्षियों की प्रजातियों के लिए सर्दियों में सुरक्षित और अनुकूल स्थल प्रदान करताा है।
- उत्तर प्रदेश के 9 अन्य रामसर स्थल–

(1) समसपुर पक्षी अभयारण्य (रायबरेली) (2019)
(2) समान पक्षी अभयारण्य (मैनपुरी) (2019)
(3) पार्वती अरगा पक्षी अभयारण्य (गोण्डा) (2019)
(4) नवाबगंज पक्षी अभयारण्य (उन्नाव) (2019)
(5) सांडी पक्षी अभयारण्य (हरदोई) (2019)
(6) सरसई पक्षी अभयारण्य (इटावा) (2019)
(7) सूर सरोवर पक्षी अभयारण्य (आगरा) (2020)
(8) ऊपरी गंगा नदी (ब्रजघाट से नरौरा खण्ड) (2005)
(9) हैदरपुर आर्द्रभूमि (मुज्जफरनगर, बिजनौर) (2021)

## मेजर ध्यानचंद खेल विश्वविद्यालय

- 2 जनवरी, 2022 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा उत्तर प्रदेश के मेरठ में मेजर ध्यानचंद खेल विश्वविद्यालय की आधारशिला रखी गयी।
  - ➢ यह विश्वविद्यालय **मेरठ के सरधना कस्बे के सलावा और कैली गांव** में स्थापित किया जा रहा है।
- इस खेल विश्वविद्यालय की अनुमानित **लागत लगभग 700** करोड़ रुपये है।
- यह खेल विश्वविद्यालय आधुनिक एवं उत्कृष्ट खेल अवसंरचना से सुसज्जित होगा, जिसमें विभिन्न खेलों हेतु आवश्यक संसाधन उपलब्ध होंगे।
- ध्यातव्य है कि 16 मार्च, 2018 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा मणिपुर के इम्फाल में भारत के पहले राष्ट्रीय खेल विश्वविद्यालय की स्थापना की गई थी।

## मैनपुरी स्थित सैनिक स्कूल

- जनवरी, 2022 में उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा उत्तर प्रदेश के मैनपुरी स्थित सैनिक स्कूल का नाम परिवर्तित कर ''जनरल बिपिन रावत सैनिक स्कूल'' किया गया।
- जनरल विपिन रावत **भारत के पहले चीफ आफ डिफेंस स्टॉफ** (CDS) थे।

## गंगा एक्सप्रेस-वे

- 18 दिसंबर, 2021 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उत्तर प्रदेश के **शाहजहांपुर** में गंगा एक्सप्रेस-वे की आधारशिला रखी।
- एक्सप्रेस-वे की लंबाई लगभग **594** किलोमीटर है, तथा इसकी निर्माण लागत **36,200 करोड़ रुपये** से अधिक है।
- छः लेन वाला एक्सप्रेस-वे मेरठ के बिजौली गांव से शुरू होकर प्रयागराज के जुदापुर दांडू गांव तक जायेगा।
- एक्सप्रेस-वे उत्तर प्रदेश के **12 जिलों** (मेरठ, हापुड़, बुलंदशहर, अमरोहा, संभल, बदायूं, शाहजहांपुर, हरदोई, उन्नाव, रायबरेली, प्रतापगढ़ और प्रयागराज) से होकर गुजरेगा।
- निर्माणोपरान्त यह राज्य के पश्चिमी और पूर्वी क्षेत्रों को जोड़ने वाला उत्तर प्रदेश का सबसे लंबा एक्सप्रेस-वे हो गया है।
- इस एक्सप्रेस-वे पर वायु सेना के विमानों को आपातकालीन उड़ान भरने एवं उतरने हेतु शाहजहांपुर में एक्सप्रेस-वे पर **3.5 किमी.** लंबी हवाई पट्टी निर्मित की जाएगी।

## गोरखपुर

- 3 दिसंबर, 2021 को केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री अनुराग सिंह ठाकुर और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गोरखपुर में दूरदर्शन के भू-उपग्रह केंद्र (Earth Station) का लोकार्पण किया।
- इसके अतिरिक्त बहराइच के नानपारा, इटावा के गदानिया और लखीमपुर खीरी जिले में आकाशवाणी के एफएम रिले केंद्रों का लोकार्पण किया गया।

## कानपुर मेट्रो रेल परियोजना

- 28 दिसंबर, 2021 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा कानपुर मेट्रो रेल परियोजना के एक पूर्ण निर्मित खंड का उद्घाटन किया गया।
  - ➢ यह खंड मेट्रो रेल परियोजना के प्रथम गलियारे के अंतर्गत आईआईटी कानपुर से मोती झील तक विस्तारित है, जिसकी **कुल लंबाई 9 किमी.** है।



Join @yct_hub For More Exclusive PDFs

Click Here To Join Channel

- गौरतलब है कि कानपुर मेट्रो रेल परियोजना के अंतर्गत मेट्रो मार्ग की कुल **लंबाई 32 किमी.** है।
- इस रेल परियोजना की कुल **लागत 11076.48 करोड़ रुपये** है।

➤ उक्त परियोजना की **अवधि 5 वर्ष** है।

## झांसी रेलवे स्टेशन

- दिसंबर, 2021 में झांसी रेलवे स्टेशन का नाम परिवर्तित करके 'वीरांगना लक्ष्मीबाई रेलवे स्टेशन' कर दिया गया।
- पूर्व में परिवर्तित उत्तर प्रदेश के रेलवे स्टेशनों के नाम-
  (1) मुगलसराय जंक्शन – पं. दीनदयाल उपाध्याय जंक्शन
  (2) फैजाबाद रेलवे स्टेशन – अयोध्या कैंट

## सरयू नहर राष्ट्रीय परियोजना

- 11 दिसंबर, 2021 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उत्तर प्रदेश के **बलरामपुर जिले में सरयू नहर राष्ट्रीय परियोजना** का उद्घाटन किया।
- गौरतलब है कि उक्त परियोजना को वर्ष 1978 में दो जिलों बहराइच और गोण्डा में सिंचाई की सुविधा प्रदान करने के लिए छोटे पैमाने पर शुरू किया गया था।
- वर्ष 2016 में इस परियोजना को प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना के तहत लाया गया।
- इस परियोजना को पहले **घाघरा नहर परियोजना** के नाम से जाना जाता था और वर्ष 2012 में केंद्र सरकार द्वारा इस परियोजना को राष्ट्रीय परियोजना घोषित करते हुए इसका नाम परिवर्तित कर ''सरयू नहर राष्ट्रीय परियोजना'' रखा गया।
- परियोजना के तहत पांच नदियों, **घाघरा, सरयू, राप्ती, बाणगंगा** और **रोहिणी** को आपस में जोड़ने का भी प्रावधान किया गया है।
- पूर्वी उत्तर प्रदेश के **9 जिलों** क्रमशः बहराइच, श्रावस्ती, बलरामपुर, गोण्डा, सिद्धार्थनगर, बस्ती, संतकबीर नगर, गोरखपुर और महाराजगंज को इस परियोजना का लाभ मिलेगा।

## पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे

- 16 नवंबर, 2021 को करवाल खेरी, सुल्तानपुर में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे का उद्घाटन किया।

➤ इसके पूर्व प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस एक्सप्रेस-वे निर्मित 3.2 किमी. की हवाई पट्टी पर भारतीय वायु सेना के सी-130 जे सुपर हरक्युलिस परिवहन विमान से उतरे।

## आयुष विश्वविद्यालय

- 28 अगस्त, 2021 को राष्ट्रपति द्वारा उत्तर प्रदेश के गोरखपुर जिले के पिपरी और तरकुलहा नामक गांव में राज्य के पहले 'आयुष विश्वविद्यालय' की आधारशिला रखी गयी।
- इस विश्वविद्यालय का नाम महायोगी गुरु गोरखनाथ के नाम पर 'महायोगी गुरु गोरखनाथ आयुष विश्वविद्यालय' रखा गया है।

### उत्तर प्रदेश में महोत्सव

| महोत्सव | स्थान |
|---|---|
| दीपोत्सव | अयोध्या |
| गुड़ महोत्सव | लखनऊ |
| काला नमक चावल महोत्सव | सिद्धार्थनगर |
| केला महोत्सव | कुशीनगर |
| शहनाई महोत्सव | वाराणसी |
| स्ट्रॉबेरी महोत्सव | झांसी |

## अपनी धरोहर अपनी पहचान

- 16 अगस्त 2021 को उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा पुरातात्विक महत्व वाले स्मारकों के रखरखाव के लिए 'एडाप्ट ए हेरिटेज' नीति के तहत 'अपनी धरोहर अपनी पहचान' को प्रदेश में लागू करने का निर्णय किया गया।

## काकोरी ट्रेन एक्शन

- 9 अगस्त, 2021 को उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री द्वारा 'काकोरी कांड' का नाम परिवर्तित कर 'काकोरी ट्रेन एक्शन' कर दिया गया।
- काकोरी कांड 9 अगस्त, 1925 को काकोरी में हुई 8-डाउन मुरादाबाद-लखनऊ पैसेंजर ट्रेन लूट से संबंधित है, जिसके आरोप में रामप्रसाद बिस्मिल, असफाक उल्ला खां, राजेन्द्र लाहिड़ी और रोशन सिंह को फांसी दे दी गई थी।

## उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा कुश्ती को गोद लेने की घोषणा

- अगस्त, 2021 में उत्तर प्रदेश सरकार ने कुश्ती खेल को गोद लेने की घोषणा की।

## डॉ. अम्बेडकर सांस्कृतिक केंद्र की स्थापना

- 25 जून, 2021 को उत्तर प्रदेश मंत्रिपरिषद ने लखनऊ में डॉ. अम्बेडकर सांस्कृतिक केंद्र की स्थापना हेतु मंजूरी प्रदान की।
- इस केंद्र की स्थापना का उद्देश्य डॉ. भीमराव अम्बेडकर के विचारों को जनजागरण तक पहुंचाना है।

## EXAM POINT

| | |
|---|---|
| ■ उत्तर प्रदेश के गृह विभाग के पदग्राही प्रमुख सचिव कौन हैं– **संजय प्रसाद** | **UP Police Asst. Operator 07/02/2024 Shift-I** |
| ■ श्री मनोज सिन्हा को अगस्त 2020 में किस संघशासित प्रदेश का उपराज्यपाल नियुक्त किया है– **जम्मू और कश्मीर** | **Allahabad High Court ARO 16-12-2021 Shift-II** |
| ■ उत्तर प्रदेश के किस शहर में महाराजा सुहेलदेव मेमोरियल की नींव रखी गई है– **बहराइच** | **Allahabad High Court ARO 15-12-2021 Shift-II** |